SHREE SHWETAMBAR MURTIPUJAK JAIN BOARDING SERIES : 3

CATALOGUE OF THE MANUSCRIPTS OF PĀṬAṆA JAIN BHAṆḌĀRA

Part : IV

(Detailed catalogue of 3206 paper Mss. presereved in the भाभापाडा भंडार at Patana, catalogue of the palm-leaf Mss. of the भडार of संघवी पाडा, now preserved in the हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिर at Pāṭaṇa, catalogue of the Palm-Leaf Mss. of the भंडार of खेतरवसी पाडा and the catalogue of the Palm-Leaf Mss. of संघभंडार etc. now presereved in the हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिर at Pāṭaṇa with the Alphabatical index of the all these Mss.)

Compiler :

Late Muni Śrī Puṇyavijayajī

Editor :

Muni Jambūvijayaji

Disciple of

H. H. Munirāja Śrī Bhuvanavijayajī Mahārāja

Assisted :

Muni Dharmachandravijayajī

Pundrikratnavijayājī

SHARADABEN CHIMANBHAI EDUCATIONAL RESEARCH CENTRE

'DARSHAN' SHAHIBAG, AHMEDABAD-380 004.

प्रकाशकीय

शारदाबेन चीमनभाई एज्युकेशनल रिसर्च सेन्टरनी स्थापना १९८९ मा करवामां आवी छे प्रस्तुत सेन्टरमां भारतीय साहित्य अने दर्शनना संशोधननुं कार्य करवामां आवी रह्युं छे. सहु प्रथम आगम ग्रंथोनुं कोम्प्युटर जेवा अद्यतन साधनोनो उपयोग करी संशोधननुं कार्य करवामां आव्युं छे. तथा अन्य अद्यतन साधनोनो उपयोग करी साहित्य अने इतिहास क्षेत्रे संशोधननुं कार्य चाली रह्युं छे. महत्त्वपूर्ण, अप्रकाशित, अलभ्य पुस्तको प्रकाशन करवानी योजना अतर्गत प्रस्तुत ग्रन्थनुं प्रकाशन करतां अमने हर्ष थई रह्यो छे.

पाटणना हस्तलिखित ग्रंथभंडारोना ग्रथोनी सूचि रूपे प्रथम ग्रथ प्रकाशित करता अमने आनंद थाय छे पूर्वे पू. आगम-प्रभाकर मुनिराजश्री पुण्यविजयजी द्वारा सपादित करेल सूचिपत्र 'हेमचंद्राचार्य जैन ज्ञानमंदिर, पाटण' द्वारा प्रकाशित थयुं हतुं तेमां १४७८९ पोथीओनी सूचि प्रकाशित थई हती. शेष ग्रंथोनी सूचि तथा पाटणस्थ अन्य भंडारोनी सूचि अप्रकाशित हती. आ विशेनी सामग्री पूज्यश्रीए तैयार करी हती प्रकाशित तथा अप्रकाशित सामग्रीनो उपयोग करी संपूर्ण सूचिनुं संपादन करवानुं महत्त्वपूर्ण कार्य श्रुतस्थविर, दर्शनप्रभावक मुनिश्री जंबूविजयजी म सा कर्युं छे. तेओश्रीए परिश्रमपूर्वक योग्य संशोधन, आवश्यक नोंध उमेरीने सूचिने वधु शुद्ध अने स्पष्ट करी छे आ कार्य बदल पूज्य मुनिश्री जंबूविजयजी म.सा.नो खूब आभार मानवामां आवे छे

आ सूचिमां सस्कृत, प्राकृत, अपभ्रश अने जूनी गुजराती भाषाना अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रथो छे प्राचीन, शुद्ध पाठोवाळी, अप्रकाशित, उपयोगी कृतिओ आ सूचिमां छे प्राचीन ग्रथोना संपादन तथा सशोधन करनारने आ सूचि अनेक रीते उपयोगी थशे तेवी आशा छे.

क्रमांक, पुस्तक-नाम, पत्रसंख्या, भाषा, कर्त्ता, श्लोकसख्या, रचनासवत्, लेखनसंवत्, स्थिति अने लंबाई-पहोळाई एम दश विभागोमां विभाजित आ सूचि द्वारा प्रतिओ विशेनी सामान्य माहिती सुगमताथी प्राप्त थई शकशे. साथे बधा ज ग्रंथोनो अकारादिक्रम पण प्रकाशित करवामां आवी रह्यो छे जे ग्रंथ शोधनमा उपयोगी थशे

सांप्रत सूचि प्रकाशित करवामां श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन बोर्डिंग, अमदावादनु महत्त्वपूर्ण योगदान छे संस्थाना संचालकोए रस लई आर्थिक सहयोग आपी योजनाने साकार करी छे ते बदल तेमनो अत करणपूर्वक आभार मानवामा आवे छे.

शा. ची. एज्युकेशनल रिसर्च सेन्टर,
अमदावाद-३८०००४.
तारीख : १७-११-१९९१

जितेन्द्र बी. शाह
(अध्यक्ष)

॥ श्री शङ्खेश्वरपार्श्वनाथाय नमः ॥

पाटणना श्री संघवी पाडाना ताडपत्रीय जैन ग्रंथ भंडारनो एक परिचय

उत्तर गुजरातना महेसाणा जिल्लामा पाटण (प्राचीन नाम – अणहिलपाटक) नगरमा प्राचीन ताडपत्रीय ग्रंथोनो एक महान भंडार छे. आ भंडार लगभग हमणां सुधी पाटणना संघवी पाडामा हतो तेथी 'सघवी पाडाना भंडार' तरीके ओळखाय छे

संघवी पाडामां एक पोसाळ (पौषधशाळा – उपाश्रय) छे तेमा आ भडार हतो एम सांभळवामां आव्युं छे के घणां घणा (बसो – चारसो के एथी पण वधारे) वर्षो पहेलां आ पोसाळमां रहेता गोरजीए आ ताडपत्रीय भडार संघवी पाडामा रहेता श्री सेवंतिलाल छोटालाल पटवाना पूर्वजोने साचववा माटे आपेलो हतो तेथी श्री सेवतिलाल छोटालाल पटवाना पूर्वजो घणी पेढीओथी आ भंडार संभाळता हता. श्री सेवंतिलाल छोटालाल पटवाए पण ज्यां सुधी ए जीव्या त्या सुधी प्राण करता पण अधिक गणीने आ भडार साचव्यो हतो. श्री सेवतिलाल छोटालाल पटवानो स्वर्गवास थया पछी तेमना सुपुत्रो नरेन्द्रकुमार, बिपिनचन्द्र तथा दीपककुमार आ भंडारने व्यवस्थित करवा इच्छता हता तेमनी इच्छाने ज ध्यानमा लईने विक्रम सवत् २०३२ना उन्हाळामा अमारे पाटण जवानुं थयु अने मारा प्रथम शिष्य देवतुल्य स्व. मुनिराजश्री देवभद्रविजयजी आदि साथे मळीने अमे आ भंडारने व्यवस्थित करवानु कार्य आरभ्यु हतुं.

आ भंडारना तथा पाटणना बीजा स्थानोमा पण रहेला ताडपत्रीय ग्रथोनो विस्तारथी परिचय आपतुं एक सूचिपत्र A DESCRIPTIVE CATALOGUE OF MANUSCRIPTS in the jain bhandars at PATTAN वडोदरानी गायकवाड ओरिएण्टल सीरीज GAEKWAD'S ORIENTAL SERIES, Volume No. LXXVI तरफथी ईसवीय सन १९३७मा वर्षो पूर्वे प्रगट थयेलुं छे. परतु तेमा वर्णवेला संघवी पाडाना ग्रंथांको (ग्रथ नवरो) अने वर्तमानमा जे चालु ग्रथांको छे ते साव जुदा छे गायकवाडी नबरोथी साव जुदा जे चालु नंबरो छे ते क्यारथी थया छे अने कोणे कर्या छे तेनी अमने कशी ज खबर न होवाथी प अमृतलालभाई मोहनलाल भोजकने पूछतां तेमणे नीचे मुजब माहिती आपी छे -

'गायकवाड सीरीझमां आ भंडारना जे क्रमाक छे ते ते समये भंडारनी सूचिमा हता तेने अनुसरीने छे पण आजथी प्राय ६० वर्ष पहेलां जेमणे आपणा अनेक प्राचीन भंडारोने व्यवस्थित कर्या छे ते परम पूज्य प्रवर्तक श्री कान्तिविजयजी महाराज तथा तेमना अनुक्रमे शिष्य-प्रशिष्य मुनिभगवत श्री चतुरविजयजी महाराज तथा मुनिभगवत श्री पुण्यविजयजी महाराज एम त्रणेय मुनिभगवंतोए आ भंडारना ग्रंथोने साइझ प्रमाणे गोठवी तेना रक्षण माटे लाकडाना डब्बा वगेरेनी व्यवस्था करेली आथी ग्रथाकनो क्रमभंग करवो पडेलो.'

अमने तपास करतां संघवी पाडानी पोसाळमां ज्यां आ ताडपत्रीय ग्रंथो राखवामा आव्या हता त्या कबाटमाथी अमने एक लिस्ट (सूचिपत्र) मळी आव्युं हतु, तेमां प्रारभमा गायकवाडी (गायकवाडे प्रकाशित करेला केटलोग प्रमाणे) नबर अने ते पछी वर्तमानमा जे चालु पेटी नबर छे ते दर्शाव्यो हतो उपरांत, ग्रथनु नाम, पत्रसख्या, कर्ता वगेरे घणी महत्त्वनी विगतो पण वर्णवी हती

आ लिस्टने आधारे संघवी पाडाना भडारमा शु शुं छे अने शुं शु खूटे छे तेनी अमे तपास करी अने जे तद्दन अस्त-व्यस्त ग्रथ हता ते व्यवस्थित कर्या ते पछी संघवी पाडाना आ भंडारना व्यवस्थापक स्व सेवंतिलाल छोटालालना सुपुत्रो नरेन्द्रभाई, बिपिनभाई तथा दीपकभाईए बेन्ड-वाजा साथे वाजते गाजते अत्यत बहुमानपूर्वक श्री पचासर पार्श्वनाथना देरासर पासे ज आवेला अने जेनी व्यवस्था पाटण श्री जैन संघना अधिकारमा छे ते श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिरने विक्रम सवत् २०३२ना जेठ वदि छठ ता. १७-६-१९७६ना दिवसे अमारी हाजरीमा ज समर्पित कर्यो हतो त्यारथी आ सग्रह श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिरमा ज छे,

१ स्व आगमप्रभाकर पू मुनिराज श्री पुण्यविजयजी महाराजना शिष्यसमान प अमृतलालभाई मोहनलाल भोजक पासेथी नीचेनी हकीकत जाणवा मळी छे-

'सघवी पाडानो भंडार ते लघु पोसालिक गच्छनो छे अने मूळमा ते गच्छना ज श्रावकोना वहीवटमा हतो आजे तो श्रावकोना मूळ गच्छो जाणी शकाय ते स्थिति नथी प्राय पाटणमा मोटा भागे तपगच्छनी परपरा होय तेवु जणाय छे लघु पोसालिक गच्छ ते तपगच्छनी ज शाखा छे मगरवाडामा आवेल तपगच्छना अधिष्ठायक देव श्री माणिभद्रजीना मंदिरनी व्यवस्था अने सभाळ लघु पोसालिक गच्छना ज यतिजीना अधिकारमा हती छेल्ले सूचित गच्छना यति श्री शातिसोमजी मगरवाडामां रहीने सूचित मदिरनी देखरेख राखता'

छता तेना मूळ स्थान उपरथी 'संघवी पाडाना भडार' तरीके ज ओळखाय छे, अने श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरमा तेनु विशिष्ट स्थान जाळवी राखवामा आव्यु छे

सघवी पाडाना कबाटमाथी अमने मळेला हस्तलिखित लिस्ट (सूचिपत्र)ने आधारे ज श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरना व्यवस्थापकोए सघवी पाडाना भडारनु एक लिस्ट (सूचिपत्र) गुजराती लिपिमां छपावीने केटलाक वर्षो पूर्वे प्रकाशित कर्यु छे. आ लिस्ट (सूचिपत्र) छपावती वखते प्रुफवाचनमा कईक खामी रही गई होय ते बनवाजोग छे अमे तो प्रुफो जोया ज नहोता ए जुनुं हस्तलिखित लिस्ट (सूचिपत्र) अत्यारे सचवायेलु छे के केम अथवा क्या छे तेनी अमने कशी ज खबर नथी श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिरे प्रकाशित करेला लिस्ट (सूचिपत्र)मा सवतनी बाबतमां कोईक कोईक स्थळे गरबड थई होय तेम लागे छे. सवत् जे लख्यो छे ते लेखन सवत् छे के रचना सवत् छे तेनु कोई स्पष्टीकरण तेमा नथी कोईक कोईक स्थळे मथाळे कई पण निर्देश कर्या विना नीचे आकडो ज मात्र लख्यो छे परतु अनुभवथी अमने लाग्यु के आ सवत्नो ज आंकडो छे.

श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिरे प्रकाशित करेला लिस्ट (सूचिपत्र)ने आधारे ज अमे अक्षरश· सूचिपत्र देवनागरी लिपिमा कोम्प्युटरथी छपावीने हमणा प्रकाशित करीए छीए, छता जुना श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरे छपावेला सूचिपत्रमा ज्या 'सवत्' लख्यु छे त्या अमे 'लेखनसवत्' तथा 'रचनासवत्' आवा बे मथाळां करीने अमारी मतिने आधारे 'लेखनसवत' तथा 'रचनासवत्'नु पृथक्करण करीने लेखनसवत् तथा रचनासवत् दर्शाव्या छे. अमारी कोई स्थळे क्षति थई होय तो सुधारी लेवा वाचकोने नम्र विनति छे लेखनसंवत् तथा रचनासवत्मा सर्वत्र विक्रमसवत् ज सामान्य रीते समजवो पण ज्या वी. लख्यु होय त्या वीरनिर्वाणसवत् समजवो तथा शक लख्यु होय त्या शकसवत् समजवो

श्री सघवी पाडाना भडारना ग्रथोमा बे विभाग छे पहेला विभागमा १थी २०६/२ पेटी सुधीना ग्रथो साग छे बीजा विभागमा जीर्ण, त्रुटक तथा चोंटेला ग्रथो होवाथी तेनो उपयोग करवानु काम अत्यत मुश्केल छे आ बीजा विभागमा पण १थी ९७ पेटीओ छे आ बंने विभागो अलग छापेला छे बन्ने विभागोनो अकारादिक्रम पण कोम्प्युटर द्वारा ज करावीने अहीं अलग अलग आपेलो छे

श्री सघवी पाडाना भडारना मूळ व्यवस्थापक स्व सेवतिलाल छोटालाल पटवाना सुपुत्रो नरेन्द्रभाई, विपिनभाई तथा दीपकभाईने घणा घणा धन्यवाद घटे छे तथा आज सुधी आ भडारने साचवनार तेमना पिताश्री स्व सेवतिलाल पटवाने तथा तेमना सर्व पूर्वजोने हजारो हजारो धन्यवाद घटे छे

श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिरे ज्यारे आ सघवी पाडाना भडारनु लिस्ट (सूचिपत्र) केटलांक वर्षो पूर्वे प्रकाशित कर्यु त्यारे तेना ट्रस्टीओए जे 'प्रासगिक' लखाण लख्यु हतु ते पण तेमना ज शब्दोमां अक्षरश· आ साथे प्रकाशित करवामा आवे छे

विक्रमसंवत् २०४७
आश्विन शुक्ल अष्टमी ता १६-१०-९१
पचासर (जिल्ला-महेसाणा)
उत्तर गुजरात Pin - 382750

पूज्यपाद-आचार्यमहाराजश्रीमद्विजयसिद्धिसूरीश्वरपट्टालंकार
पूज्यपाद-आचार्यमहाराजश्रीमद्विजयमेघसूरीश्वरशिष्यरत्न-
पूज्यपादगुरुदेवमुनिराजश्री भुवनविजयान्तेवासी
मुनि जम्बूविजय

'प्रासंगिक'

पाटणना मोटा भागना हस्तलिखित पुस्तको श्री हेमचद्राचार्य ज्ञानमदिरने प्राप्त थइ चूक्या हता परतु खूब ज महत्त्वनो एवो श्री सघवीना पाडानो सग्रह हजी सुधी प्राप्त थयो न'तो सवत २०३२ना जेठ वद छठ तारीख १७ जून १९७६ना दिवसे परम पूज्य मुनिवर श्री जबूविजयजी महाराजनी प्रेरणाथी सघवीना पाडाना भडारने पेढीओथी साचवी रहेला स्व. श्री सेवतीलाल छोटालाल पटवाना धर्मपत्नी श्री शारदाबेन तथा तेमना सुपुत्रो श्री नरेन्द्रभाई, श्री विपिनभाई तथा श्री दिपकभाई वगेरेए सदर अमुल्य भडार श्री हेमचद्राचार्य जैन ज्ञानमदिरने सुप्रत कर्यो छे आ शुभ कार्यमा स्व श्री पटवाना भाणेज श्री सुमनभाई चीमनलाल चोकसीए पण अभिनदनीय फाळो आप्यो छे

श्री हेमचद्राचार्य जैन ज्ञानमदिरना ट्रस्टीओ पाटणना श्री जैन सघवती ते सौनो आभार माने छे सग्रह प्राप्त थयाना टूका गाळामां ज ते सग्रहना पुस्तकोनी सूचि बहार पाडता अमने आनद थाय छे

डॉ सेवतीलाल एम शाह
डॉ तलकचद बी दलाल
श्री वृजलाल टी शाह
(हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिर)

खेतरवसीना पाडाना ताडपत्रीय भंडारनो संक्षिप्त परिचय

पाटणमां खेतरवसीना पाडामां जुनो ताडपत्रीय प्रतिओनो भंडार छे. एकंदरे तेमां ५७ पेटीओ अत्यारे छे. एक पेटीमां पण जो ग्रंथो नाना नाना होय, तो एक ज पेटीमां अनेक पेटा नंबरो पण छे आमांथी २०, २१, २९, ३१, ३३,३५,४३,४७,४८,५१ आ नंबरनी पेटीओना ग्रंथो केटलाक समय पूर्वे चोराई गया होवाथी ते नंबरनी पेटीओ साव खाली पडेली छे.

ज्यारे अमे लगभग दशेक वर्ष पूर्वे, त्यांना व्यवस्थापक हरिभाई तथा रमणभाईनी सूचनाथी खेतरवसी पाडानो भंडार व्यवस्थित करवा हाथमां लीधो हतो त्यारे अमने जे ग्रंथो मळ्या हता तेनी यादी अमे जे बनावी हती ते आ साथे आपी छे.

वडोदराथी गायकवाड ओरिएन्टल सीरीझमां इस्वीसन १९३७ मां Gaekwad's Oriental Series Volume No. LXXVI) ओरिएन्टल इन्स्टीट्युट (Oriental Institute, Baroda 1937) तरफथी प्रकाशित थयेला सूचिपत्रमां (A Descriptive Catalogue of manuscripts in the Jain Bhandars at Pattan) पत्र २५९थी ३०९मा ए ग्रंथोना नंबरो तथा विगतवार परिचय छपायेलो छे. परंतु पं अमृतलालभाई मोहनलाल भोजकना कहेवा प्रमाणे स्व. मुनिराजश्री हर्षविजयजी महाराजनी देखरेख नीचे जे नवुं सूचिपत्र तैयार थयु तेमां जुना नंबरो बदलीने नवा नंबरो आपवामां आवेला छे. तेना आधारे खेतरवसीना पाडाना भंडारनी सूचि अहीं आपवामां आवी छे. प्रारंभमां गा. नं. (गायकवाडी नंबर) आपेलो छे, ते पछी पेटीनो चालु नबर आपेलो छे

विक्रमसं २०४८
कार्तिकशुक्लद्वितीया
पचासर (जि. महेसाणा)

– पूज्यपाद-गुरुदेव-मुनिराजश्री भुवनविजयान्तेवासी
मुनि जम्बूविजय

श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरमां रहेला संघभंडार आदि भंडारोना ताडपत्रीय ग्रंथोनो संक्षिप्त परिचय

पाटणमां जुदा जुदा पाडाओमां रहेला ताडपत्रीय ग्रंथोनो विस्तारथी परिचय आपतुं एक सूचिपत्र Oriental Institute, BARODA तरफथी ईसवीय सन १९३७मां Gayakwad's Oriental Series Volume No LXXVI गायकवाड ओरिएण्टल सीरीजमां A Descriptive Catalogue of Manuscripts in the Jain Bhandars at Pattan रूपे प्रसिद्ध थयु छे. तेमा पत्र ३१०थी ४१५मां **संघभडार** (फोफलियावाडा वखतजी शेरीनो सघभंडार), **तपागच्छभडार** (फोफलियावाडा आगलीशेरीनो भंडार), **महालक्ष्मीमाताना पाडानो भंडार, वाडीपार्श्वनाथ भडार, मोदी भडार,** तथा **अदुवसीपाडा भडारमा** रहेला ताडपत्रीय ग्रथोनो विगतवार परिचय ते ते भंडारोना अलग अलग नंबरो साथे आपेलो छे.

आ बधा भडारो अत्यारे पाटणमा श्री जैन संघ सचालित श्री **हेमचन्द्राचार्य जैन** ज्ञानमदिरमां राखवामां आवेला छे. ते ते ग्रंथोनी पेटीओ बनावीने बधा ग्रंथोनो सळंग नंबर पण नवेसरथी बनाववामां आवेलो छे. अहीं अमे प्रारभमा गा. न. (गायकवाडी नंबर) अने ते पछी चालु नंबर साथे आ ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि आपेली छे

अहीं उपर जणावेला भंडारोमा, **सघभडार** ज सौथी मोटो छे. तेमां गायकवाडी सूचिपत्र बन्यु त्यारे ७० पेटीओ हती, अने तेमा पण एक एकमा घणा घणा पेटा नबरो (अवान्तर नंबरो) हता. पण ज्यारे आ बधा भडारोने एकत्र करीने नवेसरथी नंबरो आपवामां आव्या त्यारे नामोमा अनेक स्थळे फेरफार थई गयो छे, वळी केटलाक ग्रंथोना पाना पण जुदा जुदा ग्रंथोनी साथे जोडवामां आव्यां जणाय छे, तेथी पत्रसंख्यामां पण घणी वार भिन्नता जोवामा आवे छे. वळी एक ज नामना पण घणा घणा ग्रंथो छे एटले वर्तमान ग्रंथनंबरो उपरथी गायकवाडी सूचिपत्रमां ते ते ग्रंथनो कयो नंबर छे ते शोधवामा अमने घणी ज घणी मुश्केलीओनो अनुभव थयो छे. कोईक कोईक स्थळे अमे गायकवाडी नबर आप्यो होवा छतां अमने तेनी सत्यता विषे सदेह छे. गायकवाडी सूचिपत्रमा केटलाक ग्रंथो अमने मल्या ज नथी. तेमज गायकवाडी सूचिपत्रमां जणावेला केटलाक ग्रंथो अमारा सूचिपत्रमा पण आव्या नथी. अमाराथी थाय तेटलो श्रम अमे कर्यो छे जे रीते अमने समजाया ते प्रमाणे गायकवाडी नबरो अमे अहीं सूचिपत्रमां दर्शाव्या छे.

गायकवाडी सूचिपत्र मुख्यतया ताडपत्रीय ग्रंथो पुरतुं ज मर्यादित हतु, ज्यारे **सघभडारमा** कागळ उपर लखेला ग्रथो पण अनेक छे एटले एनो गायकवाडी नबर कोई छे ज नहि.

गायकवाडी सूचिपत्र बन्युं त्यारे जुदा जुदा स्थानोमां आ बधा भडारो हता एटले तेमनो डाभडा नबर (पेटी नंबर) पण अलग अलग हतो एटले गायकवाडी सूचिपत्रमां ते प्रमाणे डाभडा नबर तथा पेटा नबरो आपेला छे. अहीं अमे आपेली सूचिमां ज्यां विशेष संकेत जणाव्यो नथी त्या आपेलो गायकवाडी नबर **संघभडारनो** छे, एम समजवुं. ज्यां विशेष संकेत आप्यो छे त्या ते ते भंडारनो डाभडा नबर तथा पेटा नबर समजवो, जेमके F एटले **फोफलियावाडा आगली शेरीनो तपगच्छनो भंडार,** M एटले **महालक्ष्मी माताना पाडानो भडार,** W एटले **वाडीपार्श्वनाथ भंडार,** MD एटले **मोदीभडार,** A एटले **अदुवसी पाडानो भडार.** ज्यां आवो कोई विशिष्ट अंग्रेजी सकेत न आप्यो होय त्या **फोफलियावाडा वखतजी शेरीनो संघभडार** एम समजवु.

एटले ज्यां मल्यो छे त्या अमे प्रारभमां गायकवाडी नंबर आप्यो छे, ते पछी वर्तमानमा श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरमां जे डाभडा नबर (पेटी नंबर) छे ते आप्यो छे, ते पछी तेनो जे पोथी नबर छे ते जणाव्यो छे ते पछी ग्रंथनु नाम तथा ते पछी तेनी पत्रसख्या जणावी छे. परंतु त्या वर्तमान सूचिपत्रमां केटलाक ग्रंथो नोंधेला नथी. ए ग्रंथोनी नोंध अमे नवी बनावी छे. तेमां केटलाक नामो अशुद्ध जणाय छे. वाचको ते सुधारी लेवा कृपा करे आ बधी बातोने समजीने आ सूचि वाचवानी वाचकोने विनंति छे.

विक्रम सं २०४८, ज्ञानपञ्चमी
पचासर Pin-382 750.

पूज्यपाद गुरुदेव मुनिराजश्री भुवनविजयान्तेवासी
मुनि जम्बूविजय

किंचित् प्रास्ताविक

समग्र विश्वने अनेकविध सुसंस्कारोनी प्रेरणा आपनार संतो, विद्वानो अने धर्मगुरुओनी सत्कर्मभूमिरूप विश्वना अनेक गाम, नगर, धर्मस्थान तथा तपोवन हतां. आवुं ज एक स्वनामधन्य स्थान-नगर पाटण उत्तर गुजरातमां छे. प्राचीन समयमां आ नगर 'अणहिलपुरपत्तन' अथवा 'अणहिलवाडपत्तन' ना नामे प्रसिद्ध हतुं. 'आ नगर विद्याधाम हतुं' ते हकीकत जणाववा माटे आ नगरने 'सरस्वतीपत्तन'ना नामथी पण उल्लेख्युं होय तेम लागे छे. उ.त. जुओ प्रस्तुत ग्रंथना प्रथम भागमां आवेल ग्रंथसूचिगत ग्रंथांक ६९१ तथा ७६२नी पुष्पिका-प्रशस्ति. आ नगरनी समीपमां ज सरस्वती नदी छे, तेथी पण आ नगरने 'सरस्वतीपत्तन'ना नामे जणाव्युं होय. प्रबंधोमां कोईक स्थळे आ 'सरस्वती नदी' अने 'वाग्देवता सरस्वतीनी' अभिन्नता जणावीने पाटण एक आगवु विद्यास्थान होय तेवो भाव जणावेल छे.

प्रस्तुत पाटणना स्थापक चापोत्कट महाराज श्री वनराजने जैनाचार्य श्री शीलगुणसूरिजीनो सहयोग हतो. धर्मगुरुना संबंधमां उच्च संस्कार अने विद्या-सरस्वतीनी मुख्यता होय ज. तेथी पाटणना स्थापकना अने ते पछी उत्तरोत्तर थयेल गूर्जेश्वरोना समयमां विद्योपासनानी परंपरा रहे-वधे ते स्वाभाविक छे. आ रीते विविध विद्याशाखाओनो उत्कर्ष, विक्रमना वारमा शतकमां गूर्जरेश्वर श्री जयसिंहदेव-सिद्धराज-ना समयमां थयो हतो आ हकीकत तथा पाटणना भंडारोनो संक्षिप्त पण माहितीसभर परिचय, अतिपरिश्रम अने खंतथी पाटणना ज्ञानभंडारोने सुव्यवस्थित करनार मारा गुरुवर्य विद्वद्वर्य आगम प्रभाकर मुनिभगवंत श्री पुण्यविजयजी महाराजजीए पोताना 'पाटणना भंडारो' शिर्षक लेखमा आपेलो छे, जे कोईक विशेष नोंध लखीने प्रस्तुत ग्रंथमा आप्यो छे.

पाटणना ज्ञानभंडारो समृद्ध हता तेथी अन्यान्य जे जे गाम-नगरादिमां अपेक्षित ग्रंथोनी आवश्यकता होय ते ते गाम-नगरादिना आगेवान आदिनी सूचनाथी तेमने अपेक्षित पाटणना भडारोना ग्रंथोनी नकलो पण थती हशे आथी जाणी शकाय छे के, पाटणमां कुशळ लहिया अने तेमनी पासेथी समुचित काम लई शके तेवा अनुभवी गृहस्थ के मुनिभगवंतोनी पाटणमां उपस्थिति प्राय· कायम माटे हशे ज. आना फलस्वरूप आजे अनेक गाम-नगरना भंडारोमाना अनेक ग्रंथो पाटणमां लखायाना उल्लेखो मळे छे. पाटणमा कुशळ चित्रकारो पण हशे ज श्री लालभाई दलपतभाई भारतीय विद्यामंदिरमां सुरक्षित श्री लालभाई दलपतभाई ग्रंथसंग्रहमा एक सचित्र कल्पसूत्रनी विक्रम स. १५४७मां 'आबा' नामना वडनगरना नागर गृहस्थे लखावेली छे. आनो क्रमांक ४५६१ छे. आ प्रति पाटणमां लखायेली छे तेथी जाणी शकाय छे. के, पाटणमां कुशळ चित्रकारो पण हता. पाटणमां आवी परंपरा अल्पाधिक प्रमाणमा विक्रमना वीसमा शतक सुधी हती. परमपूज्य आगमप्रभाकर मुनिभगवंत श्री पुण्यविजयजी महाराजजीना अनुक्रमे गुरु अने प्रगुरु प.पू. मुनिभगवंत श्री चतुरविजयजी अने प.पू. प्रवर्तकजी श्री कांतिविजयजी महाराजजीना मार्गदर्शनथी पाटणना विविध प्राचीन ग्रंथोनी नकलो, अन्यान्य स्थानोना अग्रणीओनी अपेक्षाने लक्षीने लखाती हती, ए समयमां पाटणमा चालीस लहिया लेखनकार्य करता हता.

पाटणना ज्ञानभंडारोनी आधारभूत ग्रंथसूचि करवा माटे व्यवस्थित कार्यनो आरंभ ईस्वीसन १९१५मां अतिपरिश्रमी विद्वान श्री चीमनलाल दलाल (C. D. Dalal) महाशये करेलो तेना फलस्वरूप पाटणना जुदा जुदा ज्ञानभडारोमां सचवायेली ताडपत्रीय समग्र प्रतिओनी सूचि, 'प्राच्यविद्यामंदिर-वडोदरा' तरफथी गायकवाड्झ सीरीझमा ईस्वीसन १९३७मां प्रकाशित थयेली. आ ग्रथमा जैन विद्याना अधिकारी अने प्रगल्भ विद्वान पंडित श्री लालचद गाधी[१] (हाल दिवंगत)ए खूब ज खंतथी सूचिगत ग्रंथोनो जे परिचय 'प्रास्ताविक' रूपे संस्कृत भाषामां आप्यो छे एने जोवाथी पाटणना ज्ञानभंडारोमां सचवायेल प्राचीन प्राचीनतम ताडपत्र उपर लखायेला ग्रंथोनी महत्त्वनी माहिती मळे छे

१ पडित श्री लालचद भगवानदास गाधी प्राच्य विद्यामदिर-वडोदरा-माथी निवृत्त थया ते पछी पण तेओ घणा वर्षो सुधी विद्यमान हता. आ समयमां तेमना विशिष्ट अभ्यासने (मुख्यत्वे समग्र श्वेतावर परपराना श्रमणोना कुल, गण अने गच्छादिनी तथा अनेक विद्वान जैनाचार्यादि मुनिभगवतोनी अनेकविध शुभप्रवृत्तिनी तेमज तेमना सत्तासमयनी प्रमाणभूत माहितीने) लगतु काम तेमनी पासेथी अने स्व डो श्री हीरालाल रसिकलाल कापडिया जेवा अधिकारी जैन विद्वान अने डो. वी एम कुलकर्णी जेवा प्राकृतभाषाना अधिकारी विद्वान पासेथी गुजराते-मुख्यत्वे जैन समाजे समुचित कार्य सोपीने आधारभूत सशोधनकार्यनो लाभ लीधो नथी ते एक शोचनीय वस्तु छे- एम हु मानु छुं

पं. श्री लालचंदभाईए अहीं सूचित ताडपत्र उपर लखायेला ग्रथो पैकी जे ग्रथो अप्रकाशित हता ते सर्वेनी नोंध पण 'प्रास्ताविक'मां आपी छे. आ नोंधमां जणावायेला अनेक ग्रंथो, आजे प्रकाशित-मुद्रित थयेला मळे छे आ मुद्रित ग्रंथोमा केटलाक एवा ग्रथो पण छे के जेने शास्त्रीय संशोधननी दृष्टिए पुनर्मुद्रित करवा जोईए

प्रस्तुत अमारा ग्रंथमां उल्लिखित समग्र ताडपत्रीय ग्रंथोमां केटला'क ग्रंथो तो एवा छे के जेनी नकल अन्यत्र मळती ज नथी. संक्षिप्त उदाहरण तरीके- १. श्री भद्रेश्वरसूरिकृत कहावली, २. विशेषावश्यकलघुवृत्ति = स्वोपज्ञा, ३. भट्ट लक्ष्मणकृत चूडामणिसार (निमित्तग्रंथ), ४. श्री सूराचार्यकृत दानादिप्रकरण, ५ योग्घमकृत कौटलीयराजसिद्धान्त (अर्थशास्त्र) टीका, ६. दामोदरगुप्तकृत शुंभली(कुट्टिनी)मत, ७. कर्पूरचरित-भाण आदि नाटक विषयक चार ग्रंथ वगेरे केटला'क ग्रंथो एवा छे के, जेनी प्राचीनतम प्रति पाटणना ज्ञानभंडारोमां छे, मर्यादित दाखला तरीके- १. श्रीहर्षकृत नागानन्दनाटक, २ सत्तरीचूर्णि वगेरे. पाटणना ताडपत्रीय ग्रंथभंडारो पैकीना खेतरवसीभंडारमाथी थोडां वर्षो पहेलां केटला'क ग्रंथो चोराईने वेचाई गयेला. केटला'क डवाओमां एकथी वधारे ग्रंथो हता तेथी चोरायेला ग्रंथो पैकीना तेर ग्रंथो तो पाछा मळ्या ज नहीं आ तेर ग्रथोमां मोटाभागना ग्रथो विक्रमना तेरमा शतकमा लखायेला छे, आमां 'कर्पूरचरित-भाण' आदि नाटकना विविध प्रकारनी रचनारूप चार ग्रंथो (एक पुस्तकमां समाविष्ट) पण छे, जेनी नकल अन्यत्र प्राय· मळती नथी. अलबत्त, आ चारेय ग्रथो गायकवाड्झ सीरीझमां वर्षो पहेला मुद्रित थयेला छे आ तेर ग्रंथो पैकी अहीं जणावेल प्राच्य विद्यामंदिर-वडोदरा तरफथी प्रकाशित सूचिमा खेतरवसीना पाडाना भडारनी २५ क्रमाकवाळी (अमारा प्रस्तुत प्रकाशनमां ३५ क्रमांकवाळी) त्रुटक प्रति सिवायना बार ग्रंथोनी माईक्रो फील्म, श्री लालभाई दलपतभाई भारतीय प्राचीन संस्कृति विद्यामंदिरमां छे ज. खेतरवसी भंडारना गूम थयेला तेर ग्रथोनी विगत नीचे मुजब छे, (आमां प्रथम क्रमांक 'गायकवाड्झ सीरीझ'ना प्रकाशननो छे अने बीजो क्रमांक अमारा 'शारदाबेन चीमनलाल एज्युकेशनल रीसर्च सेंटर'ना प्रकाशननो छे.)

गा क्रमांक	शा. क्रमांक	ग्रन्थनाम	पत्रसंख्या
१३	२०	ज्ञानार्णव	२०७
५७	२१	सप्ततिकाचूर्णि	१२७
४३	२९	पंचांगी आदि	२५२
२९	३१	उपदेशमालाविवरण	४१३
४२	३३	कादवरीशेष उत्तरार्ध	१४८
४७	३४ (२)	आवश्यकनिर्युक्ति आदि	१३५ + ३ + १५ =१५३
१	४१ (१)	शतकचूर्णि	१४३
२	४२ (२)	१. कर्पूरचरित भाण २ हास्यचूडामणि प्रहसन ३ त्रिपुरदाह डिम ४ किरातार्जुनीय व्यायोग	१३०
२५	३५	हैमशब्दानुशासनबृहद्वृत्ति	३६०-६२८
२८	४३	उत्तराध्ययन	२१६
४४	४७	१ कल्पसूत्र २ कालकाचार्यकथा	१-८७ ८७-११२
४८	४८	हैमशब्दानुशासनबृहद्वृत्ति. आख्यात	३-४५५
९५	५१	उपदेशमाला आदि	३३२

१ उपासकदशाग १, अन्तकृद्दशाग २, अनुत्तरौपपातिकदशाग ३, विपाकाग ४, अने प्रश्नव्याकरणांग ५, आ पाच जैनागम सूत्रो

२ स्यान्नाटक, प्रकरण, भाण , प्रहसन, डिमः । व्यायोग-समवकारौ, वीथ्यङ्केहामृगा (वीथी, अङ्क, ईहामृग) इति ।। २८४ ।। अभिनेयप्रकारा स्यु (२८५ प्रथम चरण) अभिधानचिन्तामणिनाममाला-देवकाण्ड

आटलुं लंबाणथी लखवानो मुख्य आशय तो आ गूम थयेला तेर ताडपत्रीय ग्रंथोनी कदाच कोईने भाळ मळे तो ते माटे, पाटणना वहिवटकर्तानि के समग्र श्रीसंघना कोई पण आगेवान महाशयने जाण करे, एटलो ज छे. साथे साथे प्रत्येक वहिवटकारो पूरी सावधानी राखे ते जणाववा पूरतो पण छे.

उपर जे हकीकत जणावी ते तो केवळ ताडपत्र उपर लखायेला प्रायः बे हजारथी वधु नहीं तेटला ग्रंथो पूरती ज अतिसंक्षेपथी जणावी छे. शेष प्राय· पचीसथी त्रीस हजार जेटला कागळ उपर लखायेला प्राचीन-प्राचीनतम ग्रंथो पाटणना ज्ञानभंडारोमां छे तेनो संक्षेपमां विविध दृष्टिए उपयोगी परिचय लखवो होय तो ओछामां ओछो एक महाग्रंथ तो लखी शकाय.

अहीं प्रस्तुतने समजवा माटे जिज्ञासु तथा अभ्यासी वाचकोने जणावुं छुं के, जैन ज्ञानभंडारोमां सचवायेल प्राचीन ग्रंथो केवळ जैन संप्रदायने लगता नथी, किन्तु तेमां दीर्घदर्शी विद्वान जैन आचार्य आदि मुनिओए लखेल-लखावेल, समग्र भारतीय दर्शनोना अने अजैन विद्वानोए रचेल विविध साहित्यना प्राचीन-प्राचीनतम अलभ्य अने दुर्लभ ग्रंथो पण छे.

जैन ज्ञानभंडारो अने तेमां सुरक्षित ग्रंथोनी माहिती, दिवंगत पूज्यपाद विद्वद्वर्य मुनिभगवत श्री पुण्यविजयजी महाराजजीए ईस्वीसन १९५९मां गुजराती साहित्य परिषदना वीसमां अधिवेशनमा 'इतिहास-पुरातत्त्व विभाग'ना प्रमुख-स्थानेथी जे वक्तव्य आपेलुं, ते "ज्ञानांजलि"[१] ग्रंथना पृष्ठ ६थी १६मा प्रकाशित थयेल छे. तेम ज आ ज बहुश्रुत मुनिश्रीए "लींबडी ज्ञानभंडारनुं अवलोकन" शीर्षक लेख लखेलो ते पण "ज्ञानांजलि" ग्रथना पृष्ठ १७थी ३८मा प्रकाशित थयेल छे आ बे लेखोमां जणावेल वस्तु पाटणना ज्ञानभंडारोना समग्र ग्रंथोना संक्षिप्त परिचय माटे प्राय· सुसंगत छे.

उपर जणावेल बे लेखोमां जणावायेली अपभ्रंश, जुनी गुजराती, व्रज, राजस्थानी आदि लोकभाषाओना संशोधकोने अनिवार्य रीते उपयोगमां लेवा योग्य प्राचीन विविध गेय प्रकारोरूप पद्यरचनाओनी कागळ उपर लखायेली सेंकडो प्राचीन प्रतिओ पाटणना ज्ञानभंडारोमां छे. आमां कोई कोई प्रति तो तेना रचनारना स्वहस्ते पण लखायेली छे. आ माटे प्रस्तुत प्रकाशनमां टिप्पणीओ जोवानी भलामण करु छु मूल सस्कृत आदि ग्रथोना अर्थरूपे जुनी गुजराती गद्यभाषामा रचायेली ते ते मूल ग्रंथना 'बालावबोध'ना नामे ओळखाती अनेक रचनाओना नाना-मोटा प्राचीन अनेक ग्रथो पण पाटणना ज्ञानभंडारोमां छे. आवी रचनाओमां विविध प्रकारनी विपुल सामग्री भरी पडी छे पाटणना ज्ञानभडारोमां विविध भाषामा रचायेला अनेक ग्रंथो एवा पण छे के, जेनुं संशोधन-संपादन करनार जो पाटणना ते ते ग्रथनो उपयोग न करे तो प्राय तेनु ते काम कोई ने कोई दृष्टिए अपर्याप्त गणाय

पाटणना ज्ञानभंडारो पैकीना भाभाना पाडाना ज्ञानभंडारमां 'मूलशुद्धिप्रकरण सटीक' ग्रंथ छे. तेमा प्राय· प्रारंभना पचास (५०) पैकीनां पानामां आवेली आर्य श्री कालकसूरिनी कथामां संवत्सरीपर्वतिथिपरिव्रर्तनवाळो पाठ जे पानामां छे ते पानाना मार्जीनमां तीथिचर्चानि लगती टिप्पणी छे. आ टिप्पणीमां 'कुमरगिरि' (वर्तमान पाटण (उ.गु.)थी आठ किलोमिटरना अंतरे आवेलुं 'कुणघेर'नामनुं गाम) गाममा ज्ञानभंडार हतो ते हकीकत जाणी शकाय छे कदाच ते भंडार ज भाभाना पाडानो भंडार होई शके. ज्ञानभंडारोनु केवळ सूचिपत्र जोवुं एटलुं ज पर्याप्त नथी, किन्तु तेमा रहेला ग्रंथो जोवाथी आवी विशेष नोंधो पण मळे छे. आ जणाववा पूरतो ज आशय छे

संशोधक विद्वानोनी जाण माटे एक हकीकत जणावुं छुं. संशोधन-संपादन करनार विद्वान प्रायः अभिप्रेत ग्रंथनी प्राचीन प्रतिओ पर्याप्तमात्रामां मळे तो तेना आधारे कार्य करे ते स्वाभाविक छे आम छता सशोधकने मळेली प्राचीन-प्रतिओथी पाछळना वर्षोमां लखायेली ते ते ग्रंथनी प्रति जोवानी संशोधके उपेक्षा करवी न जोईए. आ हकीकतना आधाररूपे नीचेनी हकीकत जणावुं छुं.-

---

१. आ "ज्ञानांजलि" ग्रंथ ईस्वीसन १९६९मा 'श्री सागरगच्छ जैन उपाश्रय, पटोळीयापोळ-वडोदरा-ना मंत्रीश्री जयंतीलाल चुनीलाल शाह द्वारा प्रकाशित थयेल छे.

भाभाना पाडाना ज्ञानभडारमा 'बृहत्कल्पसूत्र- (मूल निर्युक्ति-भाष्यसहित) सटीक'नी बे के त्रण विभागमां लखायेली प्रति छे आ महाग्रथ घणां वर्षो पहेला पूज्यपाद आगमप्रभाकर मुनि श्री पुण्यविजयजीए छ भागमां संपादित-प्रकाशित करेलो छे. तेओश्रीए आ कार्यमां जे प्राचीनतम ताडपत्रीय अने कागळनी प्रतिओनो उपयोग करेलो तेमां प्रस्तुत भंडारनी प्रति पण हती आ कार्यमां उपयोगमां लीधेली ताडपत्रीय आदि समग्र प्रतिओमा एक लाबा ताडपत्रीय पानामा समाय एटलो पाठ पडी गयेलो ते केवळ प्रस्तुत भाभाना पाडाना ज्ञानभडारनी प्रतिए ज आप्यो छे प्रस्तुत ज्ञानभडारमां धर्मकीर्तिकृत 'प्रमाणवार्तिक' नामना बौद्धग्रथनी बीजी नकल तो विश्वमां क्यांय नथी.

वर्तमानमा लभ्य भारतीय प्राचीन साहित्यमा निमित्तविषयक ग्रथ अति अल्पसंख्यामां मळे छे. आ विषयना बे ग्रथो अंगविज्जा अने जयपायड, अनुक्रमे पूज्यपाद आगमप्रभाकर मुनि श्री पुण्यविजयजीए प्राकृत टेकस्ट् सोसायटी द्वारा अने पुरातत्त्वाचार्य श्री जिनविजयजीए सिंघी जैन ग्रथमाला द्वारा सपादन करीने प्रकाशित करेल छे आ विषयना लक्ष्मण-भट्टरचित चूडामणिसार नामना ग्रंथनी ताडपत्र उपर लखायेल प्रति पाटणना सघवीपाडा ज्ञानभंडारमां छे. आ ग्रथनी बीजी नकल अन्यत्र मळती नथी अमे अमारी ग्रथमाळामा आ ग्रंथ टूंक समयमां प्रकाशित करीशुं

प्राचीनतम लिपिनी दृष्टिए पाटणना ज्ञानभडारोमां प्राय विक्रमना ११मा शतकना अन्त्य भागमा लखायेली सत्तरीचूर्णि अने श्री सूराचार्यकृत दानादिप्रकरण (वि ना बारमा शतकमां लखायेली) ग्रथनी लिपि विशिष्ट महावराथी वचाय तेवी छे. बाकीनी ताडपत्र अने कागळ उपर लखायेली प्रतिओनी लिपि शतकवार लिपिना स्वरूप जेवी होवा छतां प्रत्येक प्रतिओ जोवामा आवेतो लिपिनी दृष्टिए अभ्यासीने कई ने कई विविध ज्ञातव्य जणाय तेवो सभव छे प्राचीन-प्राचीनतम चित्रकळानी दृष्टिए पण प्रस्तुत भडारोमां विविध चित्रशैलीवाळा अनेक ग्रंथो छे. आमा ताडपत्र उपरनी चित्रकळानी आगवी विशेषता छे कागळ उपर लखायेल सचित्र कल्पसूत्र, सचित्र उत्तराध्ययनसूत्र व ग्रथोनी कोई कोई प्रति तो अतिसुंदर चित्रकळाना नमूनारूपे छे सुपार्श्वनाथचरित्रनी सचित्र प्रति तो अपेक्षाए खूब ज महत्त्वनी चित्रकळानो वारसो धरावे छे संपूर्ण चित्रविभागवाळु एक विज्ञप्तिपत्रनु ओळीयु पण पाटणना भंडारमां छे आनो लेखविभाग वर्षो पहेला जुदो पडी गयेलो ते नथी आ विज्ञप्तिपत्रना ओळीयामां ते समयना जेसलमेरना वर्णनने चित्रित करेलु छे सिरोही, जोधपुर व अनेक स्थानोमांथी लखायेला सचित्र विज्ञप्तिपत्रो तो मळे छे, पण जेसलमेरनगरना भावोने दर्शावतुं विज्ञप्तिपत्र तो प्राय अन्यत्र नथी, अथवा मारी जाणमा नथी

चिकित्सक अभ्यासी विद्वानो तो प्रस्तुत प्रकाशनमा नोधेला ग्रंथोनी सूचि व जोईने पोताना अनुभवथी समग्र ग्रंथसग्रहोनी उपयोगिता समजी शके ज अहीं तो तथाप्रकारना अभ्यासी अने जिज्ञासु वर्गनी जाण माटे ज पाटणना ज्ञानभडारोनी, तेमा सुरक्षित ग्रथोनी, ग्रथोनी लिपिनी, ग्रथगत चित्रकळानी तेमज केटलीक विशेष नोंधरूप माहितीनी जाण माटे अतिसंक्षेपमा मात्र दिशासूचन कर्युं छे.

प्राचीन ग्रथोना सबंधमां लख्या पछी केवळ पाटणना ज नहीं, किन्तु विद्यमान समग्र प्राचीन ग्रंथभंडारोना ग्रंथोमां एक आगवी महत्त्वनी सामग्री छे ते जणावुं छु- मोटा भागना ग्रथनी प्रशस्तिमा ते ते ग्रथना रचयिता पोताना परिचय माटे जे विशेष हकीकतो आपे छे ते ग्रन्थकारनी प्रशस्तिमा, तथा जे ग्रथ लखाववा माटे जे महामना धनीए अर्थादिनी व्यवस्था करी होय ते ग्रंथ लखावनारनी प्रशस्तिमां ऐतिहासिक, सास्कृतिक, धर्माचरणमा अने सर्वजनसेवाना कार्यमां प्रेरणप्रद बने तेवी अनेकविध महत्त्वनी सामग्री मळे छे आ प्रशस्तिओमा, लखावनार गृहस्थना तथा लखाववा माटे उपदेश आपनार धर्मगुरुना, तेमज बन्नेना पूर्वजोना विविध सुकृतोनी अनुमोदनीय, आचरणीय अने प्रेरणीय हकीकतो आवे छे. आवा सत्कार्यो करनार-करावनार ते ते गृहस्थ अने धर्मगुरुनो शुभाशय तो ते समयनी अने भविष्यमा थनार योग्य व्यक्तिओने प्रेरणादि माटे ज होय आम छता अनादिना अध्यासना कारणे व्यक्तिविशेषने कदाच अल्पाधिकमात्रामां मानकषाय स्पर्शे तो पण ते शुभकरणीनी अपेक्षाए गौण ज गणाय- "एको हि दोषो गुणसन्निपाते निमज्जतीन्दो किरणेष्विवाङ्क।" कालिदासकृत कुमारसभव काव्य अर्थात् जेम चद्रना किरणोमां एक कलकनी गणना न होय तेम गुणोनी विपुलतामां एकाद क्षतिनी गणना नहींवत् छे सूचित प्रशस्तिओमा धार्मिक कार्यो उपरात दुष्काळ आदिमा जनसेवाने लक्ष्मीने विपुल द्रव्यव्ययनी प्रेरणा आपे तेवी पण लोकहितकारक हकीकतो छे

श्री श्रीचंद्रसूरिए प्राकृतभाषामां रचेला 'मुनिसुव्रतजिनेन्द्रचरित्र' ना अंते ग्रंथकारनी प्रशस्तिमां जैनाचार्यना त्याग, तपश्चर्या वगेरेनी अनुमोदनीय बाबतो उपरांत शाकंभरीनृप पृथ्वीराज, गुजरेश्वर श्री जयसिंहदेव जेवा राजाओ अने अनेक गृहस्थोना ज्ञातव्य प्रसंगो छे. आ तो उदाहरणरूप लख्युं छे, बाकी आ अने आवी ग्रंथकारनी तथा ग्रंथ लखावनारनी प्रशस्तिवाळा पाटण, जेसलमेर, खंभात आदिना भंडारोना ताडपत्रीय ग्रंथो अने विविध स्थानोना अनेक ज्ञानभंडारोमां सुरक्षित कागळ उपर लखायेला अनेक प्राचीन ग्रंथो छे. सूचित प्रशस्तिओ उपर कोई अभ्यासी विद्वान प्रयत्न करे तो अनेक रीते उपयोगी एक महाग्रंथ लखी शकाय.

उपर सुधीना लखाणनो भाग कंपोझ थयो ते दरमियानमां हुं पूज्यपाद मुनिभगवंत श्री जंबूविजयजी महाराजजीने ता. ८-३-'९२ना रोज पंचासर गाममां रूबरू मळ्यो त्यारे तेओश्रीए आज्ञा करी के, पाटणना भंडारोनी व्यवस्था अने सूचिनुं कार्य थयुं ते संबंधमां लखवुं जरूरी छे. आथी आ संबंधमां टूंकमां माहिती जणावुं छुं. अहींथी शरू थता लखाणमां ज्यां 'पू. गुरुजी' लख्युं होय त्यां पूज्यपाद मुनिभगवंत श्री चतुरविजयजी महाराज समजवा अने ज्यां 'पू. महाराजजी' लख्युं होय त्यां पूज्यपाद मुनिभगवंत श्री पुण्यविजयजी महाराज समजवा.

पूज्यपाद गुरुजी अने पूज्यपाद महाराजजी आ गुरु-शिष्य रूप मुनियुगल द्वारा पाटणना ज्ञान भंडारोने सुरक्षित करवानुं तथा तेमां रहेली हजारो हस्तलिखित प्रतिओनी सूचि करवानुं कार्य चालतुं हतुं ते अरसामां हुं मारी कक्षाए संस्कृत अने धार्मिक अभ्यास करीने १८ वर्षनी वये आ गुरु-शिष्ययुगलनी छत्रछायामां काम करवा अने शिखवा जोडायेलो. ते दिवसोमां "निर्युक्ति-भाष्य-टीका सहित बृहत्कल्पसूत्र" नामना महाकाय जैनागम ग्रथनुं तथा "वसुदेवहिंडी" ग्रंथनुं श्रमसाध्य संशोधन-संपादनकार्य अहीं जणावेल पू. मुनियुगल द्वारा चालतुं हतुं. आ कार्यमां पू. गुरुजीनी सूचना मुजब कोपी करवी तथा पाठभेद लेवानुं काम हुं करतो हतो. आ बे ग्रंथोना मुद्रणकार्य संबंधित अने पोतानी आवश्यकक्रियादि संबधित समय सिवायना समयमां मुख्यत्वे पू गुरुजी संघवी पाडाना भंडारने व्यवस्थित करवानुं कार्य करता हता. आ समग्र ज्ञानभंडार ताडपत्रीय प्रतिओना ज संग्रहरूप छे. प्रत्येक प्रतिनी सूचिना कामनी साथे प्रतिनां पानां गणवामां आवतां. तेमज प्रतिना उपर-नीचे तेना मापनी ज लाकडानी पाटीओ बनाववा माटे तेनुं माप पण पू. गुरुजी पोते ज नोधता अने सुथारने पासे ज राखीने ते ते ग्रंथनी प्रमाणसरनी पाटीओ करावीने प्रतिना समग्र पानांमां दोरी पोरवी पाटीओ साथे मजबूत बंधावता हता, अने ते बांधेली प्रतिने कपडाना बंधनथी बांधी ते समाय एवा लाकडानां डबामां मूकता-मूकावता. अहीं जणावेल लाकडानी पाटी उपर ते ते ग्रंथनुं नाम व., तेमना कायमी लिपिकळाकुशळ लहिया श्री गोरधनदास लक्ष्मीशंकर त्रिवेदी पासे लखावता हता. आ लहिया ज्ञान भंडारमां चालता बीजां कार्योमां पण पू. गुरूजीनी सूचना मुजब सहकार आपता हता. पू. महाराजजी पण ज्यारे ज्यारे समय मळे त्यारे पू गुरुजी पासे आवता अने अनुकूळता प्रमाणे बेसीने पू. गुरुजीना प्रत्येक कार्यमां पूरक थतां. आ रीते संघवी पाडाना ज्ञानभंडारनुं काम लांबा समये पूर्ण थयुं

उपरनुं कार्य थया पछी अल्प समयमां ज पू गुरुजी, पू महाराजजी तथा एमना अनुक्रमे गुरु तथा प्रगुरु प्रवर्तकजी भगवंत श्री कान्तिविजयजी महाराजे साथे बेसीने विचार्युं के, पाटणमां जुदा जुदा स्थानोमां रहेला ज्ञानभंडारोने शक्य प्रयत्नथी एकत्रित करीने पाटणना समग्र श्री संघना अधिकार नीचे एक ज सुरक्षित स्थानमां राखवा माटे एक सुंदर ज्ञानमंदिर थाय तो एक महत्त्वनुं उपयोगी कार्य थाय. आम विचारीने त्रणे य पू. मुनिवरोए, समजदार अने संपन्न गृहस्थोने प्रेरणा आपवानुं शरू कर्युं. आ समयमां ज योगानुयोग पूज्यपाद आचार्यभगवंत श्री विजयवल्लभसूरीश्वरजीनुं पाटणमां आगमन थयुं एक दिवस प्रसंगोपात्त पू.पा. प्रवर्तकजी महाराजे पू.पा. आचार्यश्रीजीने पाटणमां ज्ञानमंदिर बनाववानी भावना जणावी अने पू.पा. आचार्यश्रीजी, पू.पा. प्रवर्तकजी अने पू. गुरुजी तथा पू. महाराजजी द्वारा पाटणना जुदा जुदा महोल्लाओमां व्याख्यानो आप्यां, अने नाना-मोटा दाननी रकमो पण एकत्रित थई. आ व्याख्यान सभाओमां कोइक वारे भावनाशील बहेनोए ते ज समये पोताना अंग उपरनां आभूषणो पण आप्यानुं मने स्मरण छे. वधारे दाननी अपेक्षावाळुं मोटुं काम हतुं ज. ए समयमां ज शेठ श्री मोहनलाल मोतीचंदना सुपुत्र श्री हेमचंदभाईए तेमना पू. पिताश्रीजी साथे परामर्श करीने ज्ञानमंदिरना मकाननो समग्र खर्च स्वीकारी लीधो. फलतः प्रायः एक-बे वर्षमां ज "श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिर"

शकीए के पाटण अने गुजरातनां जुदां जुदां स्थळोमां विशाळ ज्ञानभंडारोनी स्थापनानो आ समर्थ युग हतो अने गुजरातने ज्ञान अने संस्कार समृद्ध करवामां जैनाचार्यो अने जैन धनिकोनो महान फाळो हतो. आजे जेसलमेर आदिमां जे ज्ञानभंडारो छे तेमां हस्तलिखित ग्रंथोनो मोटो भाग एवो छे जे पाटण, खंभात आदि गुजरातना स्थानोमां ज लखायेलो छे. आजे जेसलमेरमां जे महान ताडपत्रिय संग्रह छे तेमांनो एक चतुर्थांश जेटलो भाग खंभातना धनिक पारी धरणाके अने साधु उदयराज-बलिराजे पोताना धनथी लखावेलो छे. आ उपरांत बीजी पण घणी प्रतो छे जे पाटण, खंभात, आदिमां लखायेली छे. आ रीते पाटण अने गुजरातनो ज्ञानभंडारोना सार्वत्रिक लेखनमा अने वृद्धिमां घणो मोटो फाळो छे.

पाटणना श्री हेमचंद्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरमां (१) श्री संघनो (२) तपागच्छनो (३) वाडी पार्श्वनाथनो (४) सागरगच्छनो (५) मोटा मोदीनो (६) वस्ता माणेकनो अथवा लहेरू वकीलनो (७) लींबडी पाडानो (८) महालक्ष्मी पाडानो (९) अदुवसी पाडानो (१०) हिंमत त्रिजयजी यतिनो अने (११) पूनमीआगच्छनो मळी पाटणना अगीयार ज्ञानभंडारो एकत्र करवामां आव्या छे. आ उपरांत (१) अमदावादनो शुभवीरनो (२) मारा पूज्य दादा गुरू प्रवर्तक श्री कांतिविजयजीनो (३) पंजावना श्री विजयानंद सूरिश्वरजीनो अने (४) जेसलमेरीय यतिजी श्री वृद्धिचंद्रसूरि महाराजनो एम चार भंडारो पण आ ज्ञानमंदिरमां मूकवामां आव्या छे. आ सिवाय कच्छ-भूजना कुशळशाखाना यतिओनो, व्रज-राजस्थानी गुजराती भाषानी कविताओनो अने पिंगळ ग्रंथोनो संग्रह पंडित अमृतलाल द्वारा खरीदवामां आव्यो छे, जे अति महत्त्वनो छे. कुशळशाखाना आ यतिओने कच्छना महारावनो आश्रय हतो अने तेमने कच्छना महारावे गामगरास वगेरे आप्यां हतां विक्रमना सत्तर-अढार-ओगणिसमा सैकामां आ यतिओ पासे राजस्थान अने गुजरातमांथी कवित्वनो अभ्यास करवा माटे अनेक व्यक्तिओ आवती हती. एक रीते कहीए तो ते युगमां कवित्वनो अभ्यास करवा माटेनी आ एक विशिष्ट पाठशाळा-स्कूल ज हती. भाई श्री अमृतलाल पंडितने जोधपुरमां एक बुझर्ग कवि मळ्या हता. तेमणे कह्युं हतुं के- "मैने कवित्व का अभ्यास कच्छ-भूज की पोशाल मे रहकर किया है." डो. भोगीलाल सांडेसराने एवु सांभळ्यानुं याद छे के केटलाक घरडाओ वहालमां बोलता के, "मारो भाई तो भूजनी पोशाळमा जईने भणशे." गुजरातमां प्रसिद्ध कविवर श्री दलपतराम पण थोडो वखत कच्छनी पोशाळमां रह्या हता एम सांभळवा मळ्युं छे. आ उपरथी भूजनी पोशाळमांथी मेळवेलो कविता अने पिंगळ ग्रंथोनो आ संग्रह केवो महत्त्वनो छे तेनी आपणने खात्री थाय छे. ते साथे ए पण एक महत्त्वनी वात छे के गुजरातमां वसता गुजरातीओ व्रज अने राजस्थानी भाषामां आवी समर्थ रचनाओ करी जाणता हता.

आ बधा भंडारोनी मळीने कुल वीस हजार जेटली हाथपोथीओ श्री हेमचंद्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरमां विद्यमान छे, जे विद्वानोना अध्ययन अने निरीक्षणनी द्रष्टिए सगवडभर्युं बन्युं छे.

आ भंडारो उपरांत पाटणमां (१) भाभाना पाडानो (२) खेतरवसीनो अने (३) संघवीना पाडानो एम त्रण भंडारो पोताना स्थानमां ज छे. भाभाना पाडाना भंडार सिवायना बे भंडारो प्राचीन ताडपत्रीय प्रतोना संग्रहरूप होई अलभ्य-दुर्लभ्य साहित्य अने संशोधननी दृष्टिए घणा ज महत्त्वना भंडारो छे. खेतरवसीमां ताडपत्रीय ग्रंथसंग्रह उपरांत त्यां आवनार-जनार साधुओना जे संग्रहो छे तेमां पण सारो एवो कागळ उपर लखायेल प्राचीन-अर्वाचीन हस्तप्रतोनो संग्रह छे. उपर जणाव्या ते बधा भंडारोनी मळीने आजे पाटणमां लगभग पचीसथी त्रीस हजार जेटली हस्तप्रतोनो सग्रह छे. आ साथे ए पण ध्यानमां राखवा जेवुं छे के आजे पाटणमां देवनागरी लिपिमां लखायेल प्राचीन ताडपत्रीय प्रतोनो जे विशाळ ग्रंथसंग्रह छे एवडो विशाळ ग्रंथसंग्रह भारत के दुनियाना कोईपण देशमां नथी. ए दृष्टिए पाटणना ज्ञानभंडारो घणा ज महर्द्धिक अने मूल्यवंता छे.

संघना ज्ञानभंडारमां विक्रम संवत १४१०मां कापड उपर लखायेली धर्मविधि प्रकरण-कच्छूलीरास आदिनी पत्राकार एक लाबी पोथी छे, ए पण पाटणना भंडारोनी एक विशेषता छे. विद्वानोनी आज पर्यंतनी शोधमां कापड उपर पत्राकार पोथी रूपे लखायेली कोई हस्तप्रति प्राप्त थई नथी.

पाटणना ज्ञानभंडारोनी महत्ता मुख्यत्वे तेमां रहेला अलभ्य-दुर्लभ्य प्राचीन साहित्यने लीधे ज छे. ते छतां ते प्रतोनी अनेकविध लिपिओनां पलटातां रूपो, ताडपत्रो अने कागळनी विविध जातिओ, त्रिपाठ, पंचपाठ, स्तबक आदि अनेक

१ आ ज्ञानभंडार पूज्यपाद मुनिभगवंत श्री जंबूविजयजी महाराजजीनी प्रेरणाथी, ई स १९८२नी आसपास, तेना वहिवटकर्ताए श्री हेमचंद्राचार्य जैन ज्ञानमदिरमा समर्पित कर्यो छे -पं. अमृतलाल भोजक

प्रकारनी लेखनशैलीए हस्तप्रतिओना विविध आकारो, तेमां लखाता अक्षरांको, प्रतोमां आलेखातां विविध शोभनो अने चित्रो, इत्यादि दृष्टिए पण आ प्राचीन ज्ञानभंडारो विद्वानोना अध्ययनना साधनरूप छे.

आ भंडारोमां एक सरखा विषयना ग्रंथोनी सिरिझो विद्यमान छे. सिरिझनो अर्थ सरखा कागळो, सरखा पानां, सरखी लिपि अने एकधारूं सुंदर लखनार लहियाओना हाथे लखायेली प्रतोनो संग्रह थाय छे. बधाय जैन आगमोनी एवी एक सिरिझ मोका मोदीना भंडारमां छे. वाडीपार्श्वनाथना ज्ञानभंडारमां जैन आगमो, जैन धार्मिक प्रकरणो, जैन चरित्र ग्रंथो, दार्शनिक साहित्य, व्याकरण, कोष, अलंकार, छंदोग्रंथ, काव्य, नाटक आदि विषयोने लगती घणी सिरिझो छे. आ भंडारनी स्थापना विक्रमना पंदरमा सैकाना अंतमां खरतरगच्छीय आचार्यश्री जिनभद्रसूरिए करी छे. ज्ञानभंडारनो महत्त्वनो संग्रह तेमणे ज लखाव्यो छे. जेसलमेरना महत्त्वपूर्ण ताडपत्रीय भंडारनी स्थापना पण तेमना हाथे ज थई छे. आ उपरांत तेमणे पोताना युगमां घणे ठेकाणे ग्रन्थभंडारो स्थाप्या हतां.[1]

वाडीपार्श्वनाथनो ज्ञानभंडार ए जेसलमेरना ज्ञानभंडारनी ज आवृत्ति छे. जेसलमेरना संग्रहमां तत्त्वसंग्रह, काव्य मिमांसा आदि जे महत्त्वना ग्रंथो हता तेने नवेसरथी लखावीने तेओश्रीए आ भंडारने महत्त्वनो अने उपयोगी बनाव्यो छे. मलयगिरि व्याकरण, सिद्धहेम व्याकरण उपरना स्वोपज्ञ बृहन्न्यास, ढुंढिकाकक्षापटवृत्ति आदिनी प्राचीन पोथीओ आ भंडारमां छे.

श्री संघ अने तपागच्छनो, आ बे भंडारो घणा मोटा छे. आमां घणुं ज साहित्य छे, अने घणां ग्रंथोनी प्राचीन नकलो छे. ऐतिहासिक साहित्य आमां विपुल प्रमाणमां सचवायुं छे. अपभ्रंश, गुजराती, राजस्थानी आदि भाषाओनी कृतिओ पण आमां घणी छे. खास करीने तपागच्छनो भंडार आ द्रष्टिए घणो ज उपयोगी छे. एमां श्री जिनहर्षसूरिनी घणी कृतिओ तेमना पोताना हाथे ज लखायेली छे. संघना भंडारमां दोढसो प्राचीन ताडपत्रीय प्रतो छे अने तपागच्छना भंडारमां स.१३९०मां लखेली हेमकाव्यानुशासन अने छंदोनुशासन आदि ग्रंथोनी पंदरेक ताडपत्रीय पोथीओ छे आ भंडार तपाचार्य श्री विजय-देवसूरिए स्थाप्यो छे एम कहेवामां आवे छे.

सागरगच्छनो भंडार नानी नानी कृतिओना संग्रहरूपे होवा छतां तेमांना विज्ञप्ति लेखो आदि सामग्रीनी दृष्टिए ए संग्रह महत्त्वनो छे. श्री यशोविजयोपाध्याय कृत अस्पृशद्गतिवाद ग्रंथनी प्रत आ भंडारमां ज सुरक्षित छे.

लहेरू वकील आदि भंडारोमां एकंदर सारो एवो प्रायः विक्रमना १५-१६मा शतकमां लखायेलो ग्रंथसंग्रह छे, जे संशोधननी दृष्टिए घणो महत्त्वनो छे.

संघवीपाडाना ताडपत्रिय भंडारनी स्थापना तपागच्छीय आचार्य श्री देवसुंदरसूरिए विक्रमना पंदरमा सैकामां करी छे. आ संग्रह "लोढी पोसाळनो भंडार"ना नामे ओळखाय छे. लघु=लहुडी शब्द विकृत थईने "लोढी" शब्द बनी गयो छे. आ अने श्री संघ तथा खेतरवसी आदिना ताडपत्रीय संग्रहमां केवी साहित्य संपत्ति छे तेनुं समुच्चय निरीक्षण करी लईए.

आ संग्रह सातसोथी आठसो प्रतोनो छे. तेमां सेंकडो नाना मोटा ग्रंथो छे. विक्रमना बारमा सैकाना प्रारंभथी पंदरमा सैकाना अंत सुधीमां लखायेलो आ ग्रंथसंग्रह छे. आ संग्रहमां प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश, गुजराती आदिमां रचायेल ग्रंथराशि छे. आमां चित्र समृद्धि मोटा प्रमाणमां छे. जेनो उपयोग भाईश्री साराभाई नवाबे 'चित्रकल्पद्रुम' आदिमां अने डो. नोर्मन ब्राउन आदिए "स्टोरी ओफ कालक"मां कर्यो छे. साहित्य संग्रहनी दृष्टिए आ संग्रह घणो ज किंमती छे. आमां जिनभद्रगणी क्षमाश्रमणकृत विशेषावश्यक, स्वोपज्ञ टीका, पंचसंग्रह स्वोपज्ञ टीका, शुभचंद्राचार्यकृत ज्ञानार्णव वि.सं. १२८४मां लिखित, भद्रेश्वरसूरिनी कहावलि, वादिदेवसूरिकृत चोरासी हजार स्याद्वादरत्नाकरनो द्वितीयखंड, अकलंकदेवनो प्रमाणसंग्रह, बौद्ध आचार्य श्री धर्मकीर्तिकृतहेतुबिंदुतर्कनी टीका, जयराशिकृत तत्त्वोपप्लवसिंह

१ आचार्य श्री जिनभद्रसूरिजीनी असाधारण ज्ञानसेवारूप अनेक ज्ञानभंडारोनी स्थापना वगेरेनी विस्तारथी माहिती माटे जुओ, श्री आत्मानंद जैनसभा, भावनगर द्वारा ई स १९१६मां प्रकाशित 'विज्ञप्ति त्रिवेणी' ग्रंथना संपादक मुनि श्री जिनविजयजीए लखेली माहितीसभर प्रस्तावना. -पं अमृतलाल भोजक

मल्लवादिकृत धर्मोत्तर टिप्पनक, मुग्धावबोध व्याकरण, मलयगिरि व्याकरण, प. दामोदर कृत उक्तिव्यक्ति प्रकरण, सारस्वत व्याकरण, तिलकमजरी टिप्पनक शांत्याचार्य कृत, सोमेश्वरदेवकृत विक्रमाकाभ्युदय काव्य, अभिनंदकृत रामचरित, सूक्त रत्नाकर, सूक्तसमुच्चय, लक्ष्मणनो सूक्ति सग्रह, विनयचंद्रनी कविशिक्षा, भोजदेव कृत सरस्वति कंठाभरणनी आजडकृत टीका, कल्पलता पल्लवशेष, वृत्तरत्नाकरनी त्रिविक्रमभट्ट विरचित टीका संवत १२२१मां लिखित, कौटिल्य अर्थशास्त्र उपर योघमनी टीका, सोमदेवसूरि कृत नीतिवाक्यामृत, दामोदर गुप्तनुं शंभलीमत अपरनाम कुट्टनीमतम, रामचद्रसूरि कृत रघुविलास नाटक, देवप्रभसूरिनुं अनर्धराघव टिप्पन, कर्पूरचरित भाण, हास्यचूडामणि प्रहसन, त्रिपुरादाह डिम, किरातार्जुनीय व्यायोग, समुद्रमंथन समवकार, रुक्मिणी हरण, ईहामृग, वाराही संहिता सं. १३१३मां लिखित, प्रश्नचूडामणिनिमित्तशास्त्र, लक्षण समुच्चय शिल्पशास्त्र इत्यादि अलभ्य-दुर्लभ्य संख्याबंध प्राचीन प्रतो छे

आ उपरांत धाहिलकृत पउमसिरिचरिउ, वरदत्तकृत वइरसामिचरिउ, सुलसकखाणु, दूहामाई, रेवंतगिरिरासु, कवि सोल्हणनी पच्चरियो आदि अपभ्रश-गुजराती भाषानी कृतिओ पण आ संग्रहमां छे आचार्य श्री जिनप्रभसूरि आदिनी नानी नानी अपभ्रंश अने प्राचीन गुजराती कृतिओनो सग्रह पण विपुल छे सशोधननी दृष्टिए प्राचीन व्याकरणोनी व्याख्याओ, अलकारशास्त्र आदि विषयक सेकडो ग्रथो छे आजे प्रसिद्ध काव्य, कोष, अलंकार आदि ग्रंथोने शुद्ध करवा माटे आ प्राचीन प्रतो अति महत्त्वनी छे. वकपतिराजनो गउडवहो, कुतूहलनी लीलावती, आचार्य हेमचंद्रसूरिनी देशीनाममाला, शिशुपालवध संवत १२९६नी प्रत, नैषधकाव्य संवत १३०४नी प्रत, मोक्षाकर गुप्तनी तर्कभाषा, प्रवरसेन कृत रावणवध सेतुबंध महाकाव्य आदिनी प्राचीन प्रतो सशोधन माटे घणी उपयोगी छे

आ भडारमांनी प्रतोने अते लखायेली लेखकनी पुष्पिकाओ अनेकविध ऐतिहासिक माहितीओथी भरपूर होई गुजरातना इतिहास माटे घणी ज उपयोगी छे

पाटणना भंडारोनो अहीं टूकमा जे परिचय कराववामा आव्यो छे ए उपरथी आपणने समजाशे के आपणो साहित्यिक अने सास्कृतिक वारसो केटला विपुल प्रमाणमा छे अने आपणा नवनिर्माण माटे ते केवो उपयोगी छे.

पू. साध्वीजीश्री लाभश्रीजी महाराज (सरकारी उपाश्रयवाळा) नां शिष्या



पू. साध्वीजीश्री मनोहरश्रीजी महाराज

(पू मुनिराजश्री जम्बूविजयजी महाराजनां मातुश्री)

जन्म : विक्रम सवत् १९५१ मागशर वदि २, - झीझुवाडा

दीक्षा · विक्रम सवत् १९९५ महा सुदि १२ - अमदावाद

पाटण भाभाना पाडामां रहेला विमलगच्छना उपाश्रयना जैन ज्ञानभंडारना हस्तलिखित ग्रंथोनुं सूचिपत्र

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१ भगवतीसूत्र			१६०००	१५५	१६मो		प्राकृत	उत्तम	१३।।। × ५।
२ भगवतीसूत्रवृत्ति[1]		अभयदेवसूरि	१८६१६	२०४	१६मो	११२८	सस्कृत	उत्तम	१३।।। × ५
३ जबूद्वीपसमास प्रकरण विनेयजनहिता टीका सह	उमास्वाति वाचक	विजयसिंहसूरि		५७	१५मो	वृ.१२१५	प्रा.स.	उत्तम	१३।। × ५
४ योगशास्त्र स्वोपज्ञवृत्तिसह	हेमचद्राचार्य	हेमचद्राचार्य	१२०००	२०४	१४६१		सस्कृत	उत्तम	१३।।। × ५
५ वसुदेवहिंडी	सघदास गणि			२७३	१६मो		प्राकृत	जीर्ण	१२।।। × ५।
६ अढारसहस्रशीलांगरथ				९	१७मो		प्राकृत	जीर्ण	१२।। × ५।
७ जीवाभिगमोपागसूत्र			५१३५	९१	१६मो		प्राकृत	उत्तम	१२।। × ५
८ (१) उपासकदशागवृत्ति		अभयदेवसूरि		१-१७	१६मो		संस्कृत	उत्तम	१२।। × ४।।।
(२) अतकृद्दशागवृत्ति		अभयदेवसूरि		१७-२२			संस्कृत	उत्तम	
(३) अनुत्तरोपपातिकदशांगवृत्ति		अभयदेवसूरि	१०५	२२-२४			सस्कृत	उत्तम	
९ प्रश्नव्याकरणसूत्र[2]		अन्त		३३	१६मो		प्राकृत	जीर्ण	१२।। × ४।।।
१० अंतकृद्दशागसूत्र[3]			८९०२३	(८२७थी ८४९)	१६मो		प्राकृत	जीर्ण	१२।। × ४।।।
११ अनुत्तरोपपातिकदशागसूत्र[4]			१९२७	(८५०थी ८५६)	१६मो		प्राकृत	जीर्णप्रायः	१२।। × ४।।।
१२ जीवाभिगमोपांगसूत्र				९९	१६मो		प्राकृत	जीर्णपायः	१२। × ५
१३ जीवाभिगमोपांगवृत्ति[5]		मलयगिरिआचार्य	१४०००	२५१	१६५१		सस्कृत	जीर्णप्रायः	१२। × ५
१४ अनुत्तरोपपातिकदशांगसूत्र			१९२४	(५३७थी ५४०)	१६मो		प्राकृत	उत्तम	११।।। × ४।
१५ अनुत्तरोपपातिकदशांगसूत्र			१९२	४	१६मो		प्राकृत	मध्यम	१२। × ४।।।
१६ अनुयोगद्वारसूत्र			१३९९	२७	१६३०		प्राकृत	जीर्णप्रायः	१२। × ४।।।
१७ आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति[6]	भद्रबाहु स्वामि		२५३२	६२	१६मो		प्राकृत	जीर्ण	१२। × ४।।।
१८ सूर्यप्रज्ञप्तिउपागसूत्रवृत्ति		मलयगिरि आचार्य	९१२५	१६९	१७मो		संस्कृत	उत्तम	१२। × ४।।।
१९ सूर्यप्रज्ञप्तिउपागसूत्र			२३००	३९	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१२। × ५
२० कल्पसूत्र बालावबोध[7] सह सचित्र	भद्रबाहुस्वामि		३०००	९६	१५६५		प्रा.गु	मध्यम	१२। × ४।।।
२१ त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टमपर्व नेमिनाथ चरित्र	हेमचंद्राचार्य			१३१	१६मो		संस्कृत	उत्तम	१२ × ४
२२ भगवतीसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि	१८६१६	४६८	१५६२	११२८	सस्कृत	उत्तम	१२।।। × ४।।।

१. पत्र १४० तथा १६६ डबल छे. २. प्रथम पत्रे भगवान महावीरनुं चित्र, बीजा पत्रे चतुर्विध सघनुं चित्र छे सोनेरी. ३. प्रथम पत्रे समवसरणनुं चित्र छे, बीजा पत्रे चतुर्विध संघनुं चित्र छे. ४. प्रथम पत्रे तीर्थंकर अने बीजा पत्रे चतुर्विध संघनुं चित्र छे ५ पत्र-१४ तथा १५ भेगा छे. ६. जलथी भींजायेली. ७. मंजोठ नगरे (कच्छ देशे) चारित्रमेरु लि. चित्र-१२

पति नबर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
२३ भगवतीसूत्र[१]			१५७५२	४१२	१६मो		प्राकृत	अतिजीर्ण	१२।।×४।।।
२४ राजप्रश्नीयउपागसूत्र			२१२०	३६	१६मो		प्राकृत	उत्तम	१२।।।×५
२५ उपासकदशाग–पचागसूत्र वृत्तिसह		अभयदेवसूरि	११११६९	१५९	१६मो		प्रा.सं	उत्तम	१२।।।×५
२६ निरयावलिकासूत्र				२१	१६मो		पाकृत	उत्तम	१२।।×५
२७ प्रज्ञापनोपागसूत्र			७७८७	१४२	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१२।।×४।।।
२८ ज्ञाता धर्मकथागसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि		९७	१६मो	११२०	सस्कृत	उत्तम	१२।।×४।।।
२९ ज्ञाता धर्मकथागसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि		७२	१६०१	११२०	संस्कृत	उत्तम	१२।।।×५
३० ज्ञाता धर्मकथागसूत्र[२]				१३६	१५५७		प्राकृत	जीर्ण	१२।।×५
३१ विपाकसूत्र				३८	१६मो		प्राकृत	जीर्ण	१२।।×४।।।
३२ उत्तराध्ययनसूत्र				४१	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१२।×५
३३ पिडविशुद्धिप्रकरण[३]	जिनवल्लभगणि		गा.१०४	३	१६२८		प्राकृत	मध्यम	१२।×४।।।
३४ उत्तराध्ययन बृहद्वृत्ति[४] (पाईयवृत्ति)		शातिसूरि थारापद्र	१८०००	३१४	१६२८		प्रा.स	उत्तम	१२।×४।।।
३५ जबूद्वीपचूर्णि				२३	१५३०		प्राकृत		
३६ नरवर्मनृपकथा[५]	विनयप्रभ			१२	१६मो	१४१७	सं.	उत्तम	१२×४।।
३७ अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति		(मल.)[६] हेमचद्रसूरि	५७००	१०५	१६३०		स.	उत्तम	१२।×४।।।
३८ दशाश्रुतस्कंध चूर्णि				४०	१६मो		प्रा.	जीर्ण	१२।×४।।।
३९ परिशिष्टपर्व सर्ग १–१३[६]	हेमचंद्राचार्य			९३	१४९२		स.	उत्तम	१२×४।
४० विपाकसूत्र			१२५०	२१	१६मो		प्राकृत	जीर्ण	१२×४।।
४१ उपदेशमाला प्रकरण[७] विवरणसह	धर्मदासगणि			५९	१६मो		प्रा.सं.	उत्तम	११।।।×४।।
४२ उपदेशमाला प्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ	धर्मदासगणि			२३	१६मो		प्रा.स.	उत्तम	१२×४।।।
४३ देशांतरी छद[८]				५	१८८७		गूर्जर	मध्यम	१०।।×४।।।
४४ सिद्धपचाशिकाप्रकरण पञ्चपाठ बालाव० सह	देवेन्द्रसूरि			८	१७मो		पा.गु.	उत्तम	१०।।×४।।

१. प्रथम पत्रे समवसरण चित्र छे बीजा पत्रे गौतम स्वामिनु चित्र छे ४११ पत्रे धर्मदेशनानु चित्र छे ४१२ पत्रे चतुर्विध संघनुं चित्र छे. २. प्रथम पत्रे समवसरण चित्र, बीजा पत्रे चतुर्विध सघ चित्र, १३५ पत्रे धर्मदेशना चित्र, १३६ पत्रे चतुर्विध सघनुं चित्र छे. सोनेरी चित्रो छे. ३. उंदरे करडेली ४. लेखक रामचद अमदावाद, राजनगर ५ स्थंभनकपुर ६ पत्र २२०, २२१ भेगां छे ७ प्रथम पत्र नथी. ८. पालनपुर

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
४५ सिंदूरप्रकर	सोमप्रभाचार्य			८	१९मो		सं.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
४६ आचारांगसूत्र[1]			२५५४	६४	१६१८		प्रा.	जीर्ण	११।।। × ४।
४७ सूत्रकृतांगसूत्रवृत्ति		शीलाकाचार्य	१३८५३	१९६	१५७१		सं.	उत्तम	१२ × ४।।
४८ भगवतीसूत्र[2]				३५४	१६०५		प्रा.	उत्तम	१२ × ४।
४९ शत्रुंजयमाहात्म्य[3]	धनेश्वरसूरि			१९०	१४९५		सं.	उत्तम	१२ × ४।।
५० अंतकृद्दशांगसूत्र[4]			८९०	२६	१६मो		प्रा.	उत्तम	११।।। × ४।।
५१ शीलोपदेशमाला-शीलतरंगीणीवृत्तिसह	जयकीर्ति	सोमतिलकसूरि		१०६	१६४५	१२१४	प्रा.स.	उत्तम	१२ × ४।।
५२ योगशास्त्र चतुर्थप्रकाश पर्यंत सावचूरि पञ्चपाठ	हेमचंद्राचार्य			२२	१६मो		सं.	उत्तम	१२ × ४।।
५३ प्रमाणवार्त्तिक स्वोपज्ञवृत्ति सह प्रथम परिच्छेद				४०	१६मो		सं.	उत्तम	१२ × ४।।
५४ प्रश्नव्याकरणसूत्र			१२००	१९	१६मो		प्राकृत	उत्तम	१२ × ४।।।
५५ भगवतीसूत्र अपूर्ण त्रूटक[5]				४३	१६मो		प्राकृत	उत्तम	१२ × ४।।
५६ आचारांगसूत्रवृत्ति त्रूटक[6]				१२६	१६मो		संस्कृत	अतिजीर्ण	११।।। × ४।।
५७ धर्मरत्नप्रकरणवृत्ति	देवेन्द्रसूरि		९६८२	१५१	१४८०		संस्कृत	जीर्णप्राय.	११।।। × ४।
५८ शीलोपदेशमाला शीलतरंगिणीवृत्तिसह किंचिदपूर्ण	जयकीर्ति	सोमतिलक		१२६	१६मो	१२१४	प्रा.सं.	उत्तम	१२ × ४
५९ त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र[7] पर्व-१०मुं (महावीरचरित्र)	हेमचंद्राचार्य			१८२	१६मो		सं.	उत्तम	११।। × ४।।
६० कुमारसंभव महाकाव्य	कवि कालीदास			२२	१७मो		स.	उत्तम	११।।। × ४।।।
६१ कुमारसंभव महाकाव्य चतुर्थसर्ग	कवि कालीदास			३	१७मो		सस्कृत	उत्तम	११।। × ४।।।
६२ श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र अवचूरि			२७२०	३१	१६मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१२ × ४।
६३ ओघनिर्युक्ति वृत्तिसह	भद्रबाहुस्वामि	द्रोणाचार्य		१२३	१५२९		प्रा.स.	उत्तम	११।।। × ४।
६४ स्थानांगसूत्रवृत्ति[8]		अभयदेवसूरि	१४५०	२७७	१६मो	११२०	स.	उत्तम	११।।। × ४।।
६५ ज्ञाता धर्मकथांगसूत्र				७८	१७मो		प्रा.		१२ × ४।।

१ किनारी सांधेली छे. २ चित्र पृष्ठिका ३ स्थंभतीर्थ ४. प्रथम पत्रे तीर्थंकरनुं चित्र छे. ५ पत्र १थी १० तथा ६५मुं, पत्र १ तथा २९थी ४३ सुधी बन्ने पत्रोना अक्षरो जुदा जुदा छे. ६ पत्र १थी ३२ तथा ७८थी ८१ तथा ९९थी १२६ तथा बीजां फाटेलां पानां तथा टुकडाओ छे. ७. प्रथम द्वितीय पत्र नथी. ८. पत्र २४४, २४५ भेगां छे.

प्रति नबर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
६६ ज्ञाताधर्मकथागसूत्र[१]				१८९	१६६०		प्रा	जीर्ण	११।।×४।।।
६७ चैत्यवदनादिभाष्यत्रय त्रिपाठ[२]									
बालावबोधसह	देवेन्द्रसूरि	ज्ञानविमलसूरि		५९	१८८०	बा १७५८	प्रा गु		११।।×४।।।
६८ क्षुल्लकभवावलिकाप्रकरण									
अवचूरिसह पञ्चपाठ	धर्मशेखर गणि			१	१६मो		प्रा.स.	उत्तम	११।।।×४।
६९ विपाकसूत्र			१२७०	२२	१६मो		प्रा	जीर्ण	११।।।×४।।
७० बृहत्कल्पसूत्र प्रथमखड[३]									
निर्युक्ति टीकासह	भद्रबाहुस्वामि	मलयगिरि क्षेमकीर्ति	१५००	३०१	१६००		प्रा स.	मध्यम	११।×४।।
७१ बृहत्कल्पसूत्र तृतीयखड	भद्रबाहुस्वामि	मलयगिरि क्षेमकीर्ति	सपूर्णग्रथ						
निर्युक्ति टीकासह			४२६००	२२९	१६०८		प्रा.स.	मध्यम	११।×४।
७२ बृहत्कल्पसूत्र द्वितीयखड[४]									
निर्युक्ति-टीकासह	भद्रबाहुस्वामि	मलयगिरि क्षेमकीर्ति	१४०००	२८६	१६०७		प्रा.सं.	मध्यम	११।×४।।
७३ कल्पसूत्र मूल	भद्रबाहुस्वामि			१०७	१६मो		प्राकृत	जीर्णप्राय.	११।×४।
७४ दशवैकालिकसूत्र टीकासह	शय्यम्भवसूरि	सुमतिसूरि		३४	१६मो		प्रा.सं.	जीर्ण	११×४।।
७५ लिगानुशासन स्वोपज्ञवृत्तिसह[५]	हेमचद्राचार्य			६५	१५४२		स.	उत्तम	११।।×४।
७६ नारचन्द्रज्योतिषटिप्पनक	सागरचन्द्रसूरि			८	१५९३		स	उत्तम	११।।।×४।
७७ कुमारसभव महाकाव्य[६]	कवि कालीदास			४३	१५२५		सं.	उत्तम	११।।×४।
७८ चद्रप्रज्ञप्तिउपागसूत्र			२०००	३२	१५४६		प्रा.	उत्तम	११।।×४।
७९ समवायागसूत्रवृत्ति अपूर्ण		अभयदेवसूरि		२४	१७मो		स	उत्तम	११।।×४।
८० समवायागसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि	३५७५	९०	१६०८		सं	उत्तम	११।।×४।
८१ श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र									
अर्थदीपिकावृत्ति सह		रत्नशेखरसूरि	७६४४	१६२	१६मो	वृ.१४९६	प्रा स.	जीर्ण	११।×४।
८२ दशवैकालिकसूत्र[७]									
बालावबोधसह	शय्यम्भवसूरि			५९	१८४९		प्रा.स.	जीर्णप्रायः	११।×४।।।
८३ पाक्षिकसूत्र-पाक्षिकक्षामणा				१५	१९०८		प्राकृत	मध्यम	११×४।।।
८४ त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र									
अष्टम पर्व नेमिनाथ चरित्र	हेमचद्राचार्य		५३९१	९५	१६मो		सस्कृत		११।×४।।
८५ शुकराजकथा			५००	११	१६मो		सस्कृत		११।×४।।।

१ प्रथम पत्र नथी २ पाटण ३ किनारा थोडी उंदरे करडेली ४ पत्र १५४ नथी, २७८ पत्र डबल छे. ५ दशपुरनगर, लेखक सोमा पार्श्व ६ लीबडी ग्राम ७. ले. स्थल मांडल कनकराज गणि लि

प्रति नंबर पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लाम्बाई-पहोळाई
८६ नवपदपूजा	उ. यशोविजयजी			९	१८८९		गु.	उत्तम	११। × ४।।।
८७ महीपालकथा	चद्रगच्छीय वीरदेवगणि		गा.१८१३	३८	१६मो		प्रा.	उत्तम	११ × ४।।
८८ त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र									
दशम पर्व. सर्ग १-१३	हेमचद्राचार्य			११३	१७मो		सं	उत्तम	११ × ४।।
८९ सूक्तमाला				५५	१८८५		गु.	मध्यम	११। × ४।।।
९० द्रव्यसङ्ग्रह सस्तबक	नेमिचद्रमुनि	स्त.हसराज		२०	१८मो		प्रा गु.		१०॑ × ४।।।
९१ सिद्धान्तबोलविचार[1]				१०	१८७८		गु	मध्यम	११ × ४।।।
९२ 'धनजयनिघटनाममाला[2]	धनंजय		श्लो.२०५	६	१७मो		सस्कृत	मध्यम	११। × ४।।
९३ विहरमानजिनवीसी स्तवन[3]	उ. यशोविजयजी			६	१८१२		गूर्जर	मध्यम	१०।।। × ४।।।
९४ विपाकसूत्र				४७	१७मो		प्राकृत	उत्तम	११ × ४।
९५ दशवेकालिकसूत्र टीकासह[4]	शय्यम्भवसूरि	सुमतिसूरि टीका	३३००	८९	१५मो		प्रा.स	उत्तम	११।।। × ३
९६ उपदेशमाला प्रकरण									
कर्णिकाख्या वृत्तिसह	धर्मदासगणि	उदयपभदेव	१२०००	२५७	१५मो	१२०९	प्रा स.	उत्तम	११ × ४।
९७ कुमारपालचरित्र	जयसिहसूरि कृष्णर्षीय		७०००	१३७	१६मो	१४२२	सस्कृत	उत्तम	११ × ४।।
९८ अवडचतुष्पदिका-रास[5]	मंगलमाणिक्य		२२२५	६९	१६४०	१६३९	गु.	उत्तम	११ × ४।।
९९ अष्टप्रकारी पूजा[6]	देवविजयजी			६	१८८६	१८२१	गु	उत्तम	११ × ४।।
१०० प्रवचनसारोद्धार प्रकरण									
सावचूरि पञ्चपाठ	नेमिचद्रसूरि			५०	१७मो		प्रा स.	उत्तम	११ × ४।
१०१ दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र	तपा-जिनकीर्तिसूरि		पल्लव १-९	२५	१४९९		सं.	उत्तम	१०।।। × ४।
१०२ पार्श्वनाथचरित्र पद्य[7]	भावदेवसूरि		६४००	१६७	१७मो		सं.	उत्तम	१०।।। × ४।
१०३ चोमासी देववंदन	पद्मविजय			१०	१९मो		गूर्जर	उत्तम	११ × ४।।
१०४ जिनप्रतिमापूजा विधि अधिकार[8]				११	१९मो		गूर्जर	उत्तम	११ × ४।।
१०५ सस्कृत क्षेत्रसमास स्वोपज्ञवृत्ति	देवानदसूरि			५०	१५१२	१४५५	सस्कृत	उत्तम	१०।।। × ४।।
१०६ रात्रिभोजनरास	धर्मसमुद्र			२१	१६८१		गूर्जर	उत्तम	११ × ४।।
१०७ विमलाचलछद[9]	देवहर्ष			६	१९मो		गूर्जर	मध्यम	११ × ४।।।
१०८ बारव्रत पूजा	वीर विजयजी		गाथा १२४ श्लोक २०३	७	१८८७	१८८७	गूर्जर	मध्यम	१०।।। × ४।।

१. वीसलनगर २ सामान्य उधेइथी खवायेली ३ ले. स्थल सिद्धपुर, ऋषि नाथा लि ४ पत्र ४६ तथा ८९ डबल छे. पत्र ६१-६२ भेगां छे ५ उज्जयिनी ६. ले. देवविमल ७. प्रथम पत्रमां तिर्थंकरनुं मसायेलुं चित्र छे ८ वीसनगर ९ प्रथम पत्र नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१०९	साधुप्रतिक्रमणसूत्र				५	१९मो		प्राकृत	उत्तम	१०।। × ४।।
११०	नेमिनाथ बारमास	जेवत			९	१७मो		गूर्जर		११ × ४।।
१११	जमालिचरित्र सस्तबक[1]				३२	१८९८		प्रा.गु	उत्तम	१०।।। × ४।।।
११२	महावीरजिनस्तवन									
	बालावबोधसह	उ यशोविजयजी			२४	१७७१	१७३३	गु	उत्तम	१०।।। × ४।।
११३	नवतत्त्वप्रकरण			गा.४७	७	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०।। × ४।
११४	मडलप्रकरण सटीक त्रिपाठ[2]	विनयकुशलजी	वृत्ति-स्वोपज्ञ	मू गाथा ९९	२७	१८८१	वृ.१६५२	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।
११५	सड्ग्रहणीप्रकरण[3]	श्रीचद्रसूरि		गा.३७७	१३	१७७२		प्राकृत	मध्यम	१०।। × ४।।
				४७८ श्लो.						
११६	महानिशीथ सूत्र			४५०४	५७	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१०।। × ४।
११७	महानिशीथ सूत्र			५०००	९५	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१०।। × ४।
११८	महानिशीथ सूत्र[4]			४५४४	१०७	१७मो		प्राकृत	जीर्ण	१०।। × ४।
११९	मानतुगमानवती रास[5]	मोहनविजयजी		ढाल ४७	४३	१९मो	१७६०	गूर्जर	मध्यम	१०।। × ४।।
१२०	सिद्धपचाशिका									
	बालावबोधसह त्रिपाठ	देवेन्द्रसूरि	बा कल्याण		२८	१९मो	१७१२	प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
१२१	कल्पसूत्र बालावबोधसह	भद्रबाहुस्वामि			१३२	१६५८		प्रा.गु.	जीर्ण	११ × ४।
१२२	बनारसीविलास भाषा[6]	बनारसीदास			१०५	१७०३	१७०१	व्रज हिंदी		१०।।। × ४।
१२३	प्रश्नव्याकरणसूत्र									
	बालावबोधसह पञ्चपाठ		बा. पार्श्वचद्रसूरि		१०२	१७मो		प्रा स	उत्तम	११ × ४।
१२४	प्रवचनसारोद्धारप्रकरण अपूर्ण[7]	नेमिचद्रसूरि			११९	१८मो.		प्राकृत	मध्यम	१०।।। × ४।
१२५	प्रवचनसारोद्धारप्रकरण									
	विषमपदार्थी टीका		टी उदयप्रभसूरि	३२००	६१	१६१२		सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१२६	वीशविहरमान जिन भाष[8]				९	१९मो		गूर्जर	उत्तम	१०।। × ४
१२७	त्रिषष्टिशलाकापुरष चरित्र[9]									
	प्रथम पर्व सर्ग १-६	हेमचंद्राचार्य			१५३	१४८५		संस्कृत	उत्तम	११ × ४
१२८	ज्योतिषरत्नमाला रुचिरविवरण	महादेव			१८३	१६मो		सस्कृत	उत्तम	१०।। × ४
१२९	कल्पसूत्र सस्तबक त्रूटक[10]	भद्रबाहुस्वामि		१३०००	३८८	१९२६		पा गु	उत्तम	११। × ५।

१. लेखक रुपचदजी पेथापुर २ वीसनगरे मुनिवीरविजय गणि लि. ३ लि. राजनगरे ४. पत्र ३८-३९ भेगा छे. ५. र स्थल अणहल्लपुर पाटण ले. स्थल पत्तन ६. ले. स्थल चद्रापुरी, पंडित कल्याण लि. ७. पत्र १ तथा ५५थी ७६ तथा ९७थी ११९ नथी. ८. ले. अमीविजयजी ९ प्रथम पत्रे तीर्थंकरनुं चित्र छे १०. पत्र १७मुं, २२-२३मुं, ६०थी ११६, ११८थी १२१, १२४थी १४५ बेवडां छे. ३३८ सुधी पत्र १थी ५९ नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१३०	मेरुत्रयोदशी कथा				८	१८७४		स.	उत्तम	११ × ५।
१३१	चतुःशरण प्रकीर्णक पंजीकावृत्ति सह त्रिपाठ	वीरभद्रगणि			१७	१८२४		प्रा.सं.	उत्तम	११। × ५
१३२	चोसठ प्रकारी पूजा[1]	वीरविजयजी			२६	१९१७	१८७४	गूर्जर	उत्तम	११ × ५
१३३	प्रवचनसारोद्धार सस्तबक[2]	नेमिचंद्रसूरि			११२	१८५३		प्रा.गु.	उत्तम	११। × ५।
१३४	अर्धकांड	दुर्गदेव			९	१८४०		संस्कृत	मध्यम	११। × ५।।
१३५	प्रज्ञापनोपांगसूत्र सस्तबक अपूर्ण		स्त.जीवविजय		३०८	१९मो		प्रा गु.	उत्तम	११ × ५
१३६	पाडवचरित्र महाकाव्य	मलधारी देवप्रभसूरि			१११	१७मो		स.	जीर्ण	११। × ५
१३७	पार्श्वनाथचरित्र पद्य सस्तबक[3]	भावदेवसूरि	स्त.लक्ष्मीविजय	मूल ६०७४ स्त.१८१४७	४१७	१८४३	स्त.१८००	स.गु.	उत्तम	११ × ५
१३८	सामुद्रिकशास्त्र सस्तबक[4]				२०	१८६९		सं गु.	उत्तम	११ × ५
१३९	कथाकोश				१८४	१९मो		स.	उत्तम	११। × ५
१४०	महानिशीथसूत्र[5]			४५००	७३	१६६०		प्रा.	जीर्ण	११। × ५
१४१	आचारागसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध बालावबोध		उ. पार्श्वचद्र		१६७	१७मो		गु.	उत्तम	११ × ५
१४२	कल्पसूत्र सुबोधिका टीका द्वितीयक्षण व्याख्यान-सस्तबक	भद्रबाहुस्वामि	विनयविजयजी		५७	२०मो		प्रा.स गु.	मध्यम	११। × ५।
१४३	प्रशमरतिप्रकरण वृत्तिसह[6]	उमास्वाति वाचक		२६००	६५	१८२४		स.	उत्तम	११। × ५
१४४	श्रीपालरास	उ यशोविजयजी उ. विनयविजयजी		गा.१२४५	७०	१८१६	१७३८	गु.	उत्तम	११। × ४।।।
१४५	कर्पूरप्रकर अवचूरिसह	हरिकवि			५६	१८३९		स.	उत्तम	११ × ५
१४६	प्रतिष्ठाकल्प[7]				४२			स.	उत्तम	११। × ५
१४७	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र[8] सस्तबक	जिनकीर्तिसूरि			८४	१८३६		स.गु	उत्तम	११ × ५
१४८	नवपद वर्णन				१६	१९मो		गु.	उत्तम	११। × ५।
१४९	बासठीया बोल स्तवन[9] (बासठ मार्गणाद्वार)	जिनेन्द्रसागर		कडी -८३	७	१८२४	१७८३	गु.	उत्तम	११ × ५

१. लेखक व्यास नागर टाकवाडा पाटण २ लेखक अमरराजसिह ३. ले. स्थल लिचग्राम ४. लेखक गगविजय ५. पत्र १४० नथी, ले स्थल अनहल्लपुर पतन ६. पत्र ५७ डबल पत्र ६१ नथी ७. खभात ८ पाटण ९ उदयपुरनगरे प. अमृतसागर लि, र. स्थल उदयपुर राजनगर

प्रति नबर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१५० दडक त्रीस बोल विचार				३६	१८४६		गु.	उत्तम	११×५
१५१ चमत्कारचिंतामणि सस्तबक				११	१९मो		सं.गु.	मध्यम	११×५
१५२ सारस्वतव्याकरण टीका त्रिपाठ	अनुभूति स्वरूपाचार्य	चद्रकीर्तिसूरि	७१२१	१५५	१८५०		स.	उत्तम	११×५
१५३ षोडशकपकरण वृत्तिसह[1] त्रिपाठ	हरिभद्रसूरि	यशोभद्रसूरि		४०			प्रा.सं.	उत्तम	११×५
१५४ जबूद्वीपसङ्ग्रहणीप्रकरण[2] सस्तबक	हरिभद्रसूरि			८	१८५६		प्रा.गु.	उत्तम	११।×५
१५५ ज्ञानसार बालावबोधसह[3]	उ. यशोविजयजी			२५	१८८०		सं गु.	मध्यम	११×५
१५६ चैत्यवदनादि भाष्यत्रय बालावबोधसह	देवेन्द्रसूरि	ज्ञानविमलजी		५८	१८मो	१७५८	प्रा.गु.	उत्तम	११×४।।।
१५७ योगदृष्टिसमुच्चय[4] सावचूरि त्रिपाठ	हरिभद्रसूरि			२५	१८३९		स.	उत्तम	११×५
१५८ योगदृष्टि सज्झाय बालावबोधसह	यशोविजयोपाध्याय	ज्ञानविमलसूरि	१२५०	२२	१८३९		गु.	उत्तम	११×५
१५९ शतकत्रय[5]	भर्तृहरि			१७	१८३३		सं.	उत्तम	१०।।।×५
१६० समताशतक दूहा	हेमविजय			६	१८४९		गु	मध्यम	११×५
१६१ भर्तृहरिवेराग्यशतक सटीक	भर्तृहरि			१७	१९मो		सं.	मध्यम	११×५
१६२ वीसस्थानकतप स्तवन[6]	विजयलक्ष्मीसूरि			११	१९२१	१८४५	गु	मध्यम	१०×५।
१६३ मुनिपतिचरित्र सस्तबक	हरिभद्रसूरि			६०	१९६०	११७२	पा.गु	उत्तम	१०।।।×५।
१६४ शत्रुजयकल्प				४	२०मो		प्रा	जीर्ण	१०।।×५
१६५ अष्टमीस्तवन	लावण्यसोभागी			२	१९६२	१८३९	गु	उत्तम	१०।।×५
१६६ अष्टप्रकारी पूजा	देवविजयजी			२	१९मो	१८२१	गु	मध्यम	१०।।×५
१६७ चैत्यवदनसङ्ग्रह[7]	अनेक कवि			१०			गु.	मध्यम	
१६८ आठकर्मनी एकसो अठ्ठावन प्रकृति विचार				२	१८३६		गु.	मध्यम	१०।।×५
१६९ चोवीशतीर्थंकरना[8] २७ बोल- आदिसङ्ग्रह	अनेक कवि			४७	१९मो		गु.	मध्यम	१०।।×५

१ पल्हानपुर २. पालनपुर ३ चलोडा ग्राम वणारस खुशालचद ४ पल्हाणपुर ५ नवा नगरे पं. कनकराज लि सिद्धपुर ६ वीजापुर बारोट हरिभद्र लिखित ७. पत्रो जुदां जुदां छे ८ पत्रो जुदां जुदां छे

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१९०	सिदूरप्रकर सस्तबक श्लो १४ सुधी			श्लो. १४	५	१९मो		स गु	मध्यम	१०।। × ५
१९१	स्तवनसङ्ग्रह[1]				२५			गु.	मध्यम	
१९२	दानशीलतपभावना[2] संवादशतक	समयसुदरजी			६	१९४०	१६६२	गु	सारी	१० ×५
१९३	नववाड सज्झाय	उदयरत्न			३	२०मो		गु	सारी	१०।। × ५
१९४	पवचनसारोद्धारगत गाथाओ				३	१८मो		पा.	सारी	१०। × ५।
१९५	सारस्वतव्याकरण विसर्गपर्यंत				९	१९मो		स	उत्तम	१०। × ५।
१९६	मौन एकादशी गणणु[3]				६	१८९५		गु	मध्यम	१०×५
१९७	ज्ञानोपयोगी स्तुति स्वोपज्ञ[4] बालावबोधसह त्रिपाठ	भावप्रभसूरि			४	१९मो	१७९६	गु.	मध्यम	१० × ५
१९८	श्रावक अतिचार				८	२०मो		गु	उत्तम	१०।। × ५।।
१९९	ज्ञानपचमी देववदन	विजयलक्ष्मीसूरि			१२	२०मो		गु.	मध्यम	१०।।। × ५।
२००	चैत्यवंनादिभाष्यत्रय[5] बालावबोधसह त्रिपाठ	देवेन्द्रसूरि	ज्ञानविमलसूरि	१७००	६२	१८७१	१७५८	प्रा.गु	उत्तम	१०।।×५।।
२०१	पचज्ञान पूजा	रूपविजयजी			६	१८९६	१८८७	गु	उत्तम	१० × ५।
२०२	लीलावतीसुमतिविलास रास	उदयरत्न			१०	१९मो	१६६७	गु	मध्यम	
२०३	अमरकोष काड १-३	अमरसिह		१५००	७८	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ५
२०४	अध्यात्मकल्पद्रुम बालावबोध				४२	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ५।
२०५	स्तवन सङ्ग्रह[6]				१३			गु		
२०६	श्रावक अतिचार[7]				७	१८७६		गु.	मध्यम	१०।।।×५
२०७	शत्रुजय उद्धाररास	नयसुदरजी			१४थी ३०	१९मो	१६३०	गु.	मध्यम	१० × ५
९०८	वृद्धचाणाक्य राजनीति सस्तबक				३१	१८८८		सं.गु.	मध्यम	१०।।। × ५
२०९	हिसाष्टक सावचूरिसह	हरिभद्रसूरि			४	१९मो		प्रा स.	मध्यम	९।।। × ४।।।
२१०	(१) वीसस्थानक पूजा[8]	लक्ष्मीसूरि			१३थी	१८७८	१८४५	गु.	मध्यम	१०।।×५
	(२) स्नात्रपूजा अपूर्ण				१३-१४			गु.	मध्यम	१०।। × ५
२११	ज्योतिष बालावबोध	मुजादित्य			६	१९मो		संस्कृत	उत्तम	१०।।। × ५
२१२	सीमधर जिन स्तवन	सिद्धिविजयजी			८	१९०६	१७१३	गु	मध्यम	१०।।। × ५।।

१. पत्र जुदां जुदां छे. २ लेखन स्थल पाटण ३. ले. डुगरजी, ले. स्थ. सेम्भर ४ पत्तन ५ राजनगर ६ जुदां जुदां पत्रो छे. ७ पाटण फोफलीयावाडे लि. उत्तमविजयजी ८. पालीताणा लि. अमचंदजी

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२३५	विचारसारप्रकरण सस्तबक	देवचद्रजी			४६	१७९९	१७९६	प्रा गु.	मध्यम	९। × ५।।
२३६	श्रावककरणी सज्झाय				२	१८९५		गु.	मध्यम	९।। × ५।
२३७	मौनएकादशीकथा[1]	सुमतिविजयजी			५	१८मो	१७६४	स.		९।। × ४।।।
२३८	कतशिखामण सज्झाय				४	२०मो		गु	उत्तम	९।। × ५
२३९	ज्ञानपचमी देववदन	विजय लक्ष्मीसूरि			१०	१९मो		गु	मध्यम	९।। × ५।
२४०	मृगापुत्रनी सज्झाय[2]	हसविमल			२	२०मो		गु	सारी	९। × ५
२४१	रघुवश काव्य टीका तृतीय सर्ग पर्यंत	धर्ममेरू			४१	१९मो		सस्कृत	मध्यम	९। × ५।
२४२	उत्तमचरित्ररास[3]	जिनहर्ष		८०१	२२	१८मो	१७४५	गु		८।।। × ४।।।
२४३	षडावश्यकसूत्राणि स्तवन[4] थोय सङ्ग्रह				१९	१९मो		प्रा.स.गु.	उत्तम	९ × ४।।
२४४	मौनएकादशीकथा पद्य[5] सस्तबक			१०५	११	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	८।।। × ४।।
२४५	गुणरत्नाकर छद				२२	१८मो		गु.	जीर्ण	९। × ५।
२४६	प्रतिष्ठाकल्प	तिलकाचार्य			८	१८मो		स.	मध्यम	९।। × ५।।
२४७	रघुवश महाकाव्य सावचूरि[6] अष्टम सर्ग श्लो. १३ पर्यंत अपूर्ण	कवि कालिदास			८७	१९मो		स.	जीर्ण	९।। × ४।।।
२४८	मानमजरीनाममाला	नददास		कडी २८९	२२	१९मो		व्रज हिंदी	उत्तम	९। × ४।।।
२४९	श्रीपाल रास	विनयविजयजी-यशोविजयजी			७९	१८१८	१७३८	गु	मध्यम	९। × ५
२५०	ऋषभदेव वीवाहलु गूटको				२१	१९मो		गु	मध्यम	९। × ५।
२५१	उपदेशमालाप्रकरण कथासङ्ग्रह[7]				११४	१८१४		गु	उत्तम	९। × ५
२५२	द्रव्यगुणपर्यायरास[8]	यशोविजयोपाध्याय			१९	१७२८		गु	उत्तम	९। × ४।।।
२५३	सिद्धाचल तीर्थमाला	अमृतविजय			८	१९००	१८४०	गु.	उत्तम	९ × ४।।।
२५४	चोराशी वाद				९	१८मो		गु.	उत्तम	९ × ४।।।
२५५	आनदघन चोवीशी[9] (सभवजिनथी बावीसमाजिन सुधी)	आनदघनजी			१४	१९मो		गु.	उत्तम	९ × ५
२५६	शंखेश्वर पार्श्वनाथ छद	उदयरत्न			१	१८५४		गु.	मध्यम	८।।। × ५

१. लि सुमतिविजय अेवला ग्रामे २. लि महासुखराम ३ लि भानुसुंदर ४ प्रथम पत्रे पार्श्वनाथ भगवाननु चित्र छे ५ नटपदे प विवेकविजय लि ६ पत्र १थी ६ नथी, पत्र ७थी ९, १९थी ३२, ३४थी ४८, ५०थी ६३, ६७थी ६८ छे. एक बाजु वळेला छे. ७ सूरतबंदर ८. राजनगर ९. प्रथम पत्र नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२५७	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक			मू.गा.४२	६	१८मो		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	८॥ × ४॥।
२५८	महिम्नाख्य पार्श्वनाथ स्तोत्र	रघुनाथ मुनि		क.४१	५	१९मो		स.	मध्यम	८।।। × ४।।।
२५९	जयविजयकुमारचरित्ररास[1]	जिनविजयजी			२५	१८मो	१७३४	गु.	उत्तम	८।।। × ४।।।
२६०	शत्रुंजयमाहात्म्य सस्तबक[2]	धनेश्वरसूरि			५९१	१८०२		स.गु.	जीर्ण	१०।।। × ४।।।
२६१	हरिविक्रमचरित्र	जयतिलकसूरि		४७५८	१४८	२०मो		सं.	उत्तम	१०॥ × ४।।।
२६२	अध्यात्मगीता बालावबोध	अमीकुंयर बालावबोध		१३५०	७३	१८८२	१८८२	गु.	उत्तम	१०।।। × ५
२६३	कल्पसूत्र बालावबोधरहित[3] खीमशाही	भद्रबाहुस्वामि	खीमाविजयजी	५०००	१६४	१७९७	बा.१७०७	प्रा.गु.		
२६४	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र[4] सप्तमपर्व जैन रामायण	हेमचंद्रसूरि		३७८०	४७७	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४॥
२६५	उपमितिभवप्रपचाकथा[5]	सिद्धर्षि		१६०००	४४५	१७४९	९६२	स.	उत्तम	१०। × ४।।।
२६६	उपदेशमालाप्रकरण[6] बालावबोधसह	धर्मदासगणि	वृद्धिविजयजी	८०००	१३३	१८८१	१७३१	प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ५
२६७	गौतमकुलक बालावबोधसह[7]		पद्मविजयजी	१२२५०	३३९	१८६५	बा १८४६	प्रा गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
२६८	भरतेश्वरबाहुबली सज्झाय वृत्ति सस्तबक	शुभशीलगणि			४८६	१८६१	वृ.१५०९	प्रा.स.गु		१०।।। × ४॥
२६९	प्रशमरतिप्रकरण वृत्तिसह[8]	उमास्वाति वाचक		२५००	६३	१८२०		सस्कृत		११ × ४।।।
२७०	जयानंदकेवलीरास[10]	पद्मविजयजी			२५३	१८६३		गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
२७१	तर्कसङ्ग्रह स्वोपज्ञदीपिका टीकासह त्रिपाठ	अन्नभट्ट			२६	१८३१		सं.	,,	१०॥ × ४।।।
२७२	विचारसारप्रकरण सस्तबक[11]				२०	१८८१		प्रा गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
२७३	विचारसारप्रकरण सस्तबक[12]		देवचद्र		३७	१८८१	१७९६	प्रा.गु.	उत्तम	
२७४	सङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक	श्रीचंद्रसूरि			८	१८७८		प्रा.गु.	उत्तम	१०।।। × ४॥
२७५	सीमंधर जिन सवासो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह	यशोविजयजी		७७५	१८	१८मो		गु.	मध्यम	१०॥ × ४।।।
२७६	पार्श्वनाथगीता-राजगीता	उदयविजय			५	१८मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४॥
२७७	श्रीपालरास	विनयविजयजी यशोविजयजी		ग्रं.१९१४ गा. १२४५	६६	१८९०	१७३८	गु		१०॥ × ४।।।

१. पत्र ५६मुं डबल छे. २ चित्र पुष्पिका, छनिगार ग्राम ३. राजनगर ४. पत्र १९५ डबल ५ पत्र २५१ डबल, रहिमदपुर ६ वसुग्राम ७. पालनपुर ८. लि. वीरमग्रामे नैणचद, ने त्राजु चित्र पुष्पिका छे. ९ पाल्हणपुर १० लि. दयाविजयजी, महिसाणा, पत्र ११९, १२० भेगां छे. ११ लि रूपविजय, वीसलनगर १२ लि. वीरविजयजी

प्रति नम्बर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२७८	कल्याणमदिर स्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ	सिद्धसेन दिवाकर	जिनविजयजी		१४	१८३९	वृ १७१०	स.	उत्तम	१०।।।×४।।।
२७९	कल्पसूत्र सस्तबक[1]	भद्रबाहुस्वामि			१७१	१७०३		पा.गु	उत्तम	१०।।×४।।
२८०	कुमारपालरास	जिनहर्ष		४१६०	१०६	१८६२	१७४२	गु		१०।।×४।।
२८१	आगमसारोद्धार[2]	देवचद्रजी			५८	१८८६		गु	उत्तम	१०।।×४।।।
२८२	चोवीस जिनादिस्तवन सड्ग्रह[3]				३६	१९मो		गु	मध्यम	१०।।×४।।
२८३	नैषधकाव्यतृतीयसर्ग टीकासह[4] अपूर्ण			त्रूटक	६२थी ९७	१८मो	सं	उत्तम	१०।×४।।	
२८४	सड्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक[5]	श्रीचद्रसूरि		६५६५	१३२	१८८१		प्रा गु	उत्तम	१०।।×५
२८५	सिद्धाचलतीर्थमाला[6]	अमृतविजय			१६	१८६८	१८४०	गु	उत्तम	१०।।×५
२८६	किरातार्जुनीय घटापथटीकानु मगलाचरण				५	१९मो		स.	मध्यम	१०।।×५
२८७	क्षेत्रसमासप्रकरण लघुक्षेत्रसमासप्रकरण	रत्नशेखरसूरि			११	१८२५		प्रा.		१०।।।×४।।।
२८८	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण सस्तबक	धर्मकीर्तिसूरि			५	१८८१		प्रा.गु	उत्तम	१०।।×४।।।
२८९	विधिरास[7]			कडी.-१५१	८	१९४७		गु.	उत्तम	१०।।×४।।।
२९०	वीसस्थानक तपविधि[8]	लक्ष्मीसूरि			२५	१९०१		गु.	जीर्णप्राय.	१०।×४।।।
२९१	कर्मग्रथ बीजो त्रीजो सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			१०	१९मो		पा.गु	मध्यम	१०।।×५
२९२	स्नात्रपूजा विधि सस्तबक				११	१९मो		गु.	मध्यम	१०।×४।।
२९३	सकलार्हत्स्तोत्र	हेमचन्द्राचार्य		का. २	२	१८७३		सं.	मध्यम	१०।×४।।।
२९४	शीलवतीरास[9]	नेमिविजय			७९	१८५३		गु.	मध्यम	१०।×४।।
२९५	पार्श्वनाथगीता	उदयविजय			४	१९मो		गु.	मध्यम	१०।×४।।
२९६	स्थविरावली नदिसूत्रमगलगाथा	देववाचक		गा ५०	२	१८मो		प्रा	उत्तम	१०।।×४।।।
२९७	समवायागसूत्र सस्तबक[10]				१३३	१७९५		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।।
२९८	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टम पर्व-नेमिनाथ चरित्र	हेमचद्राचार्य		४८००	१०७	१७५०		स.	उत्तम	१०।।×४।।

१. पत्र १थी ६ नथी, एक तरफ चित्र पृष्ठिका छे. २ चंद्रावती नगरे रूपविजयजी लि ३ पानां जुदां जुदां छे ४. पत्र ६२थी ७०, ७४थी ९७ पत्र ८१, ८२, ८३ डबल छे ५ वीसलनगरे मुनि वीरविजय लि. पत्र ४७मुं डबल छे ६. प्रथम पत्र नथी, राधनपुरे लि. ७. मांडल, व्यास सांकलेश्वर महेश्वर लि ८ ले. स्थल वीसलनगर ९ इलापल्ली ग्राम १०. लेखक मभाचंद नागपुरे लि. पत्र ६७मुं नथी.

प्रति नंबर पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लाम्बाई-पहोळाई
२९९ ज्ञानसार स्वोपज्ञ[1] बालावबोधसह	यशोविजयजी			३१	१८६१		सं.गु.	उत्तम	१०।। × ४।।।
३०० सप्तस्मरण सस्तबक[2]				३२	१८७२		प्रा.स.गु	मध्यम	१०।। × ४।।।
३०१ स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह[3]	उदयरत्न			२५	१९मो			उत्तम	१०।। × ४।।
३०२ भवदत्त आदि सज्झाय सङ्ग्रह				२	१९मो			उत्तम	१०। × ४।।
(१) भवदत्त सज्झाय									
(२) शांतसुधारस सज्झाय									
(३) शातसुधारस सज्झाय	सकलचद								
३०३ स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह	रूपविजय आदि			१६	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ५
३०४ स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह[4]	समयसुदरजी आदि			१२	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
३०५ (१) सुकोसल भास एकावनी[5]	देवचद		पद्य २३माथी पूर्ण	३	१८मो	१६०२	गु.	सारी	१०।। × ४।।
(२) भगवतीसूत्रनी सज्झाय	विनयविजय उपाध्याय						गु.	सारी	१०।। × ४।।
(३) सज्झाय	ज्ञानविमल						गु.	सारी	१०।। × ४।।
३०६ शाश्वताशाश्वतजिनस्तवन	पद्मविजय			१	१९मो		,,	मध्यम	१०।। × ४।।।
३०७ स्तुति थोय-सङ्ग्रह[6]	ज्ञानविमल आदि			१८+१			,,	,,	,,
३०८ जबूद्वीपसङ्ग्रहणी	हरिभद्रसूरि			१	१९मो		प्राकृत	मध्यम	१०।।। × ४।।।
३०९ स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह[7]				१६	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ५
(१) हितशिक्षा सज्झाय अमृतवेली	उ यशोविजयजी			(१)			गु.		
(२) चतुर्दश गुणस्थान स्तवन	सहजरत्न			(१)			गु.		
(३) युगमंधर जिनस्तवन	जिनविजय			(१)			गु.		
(४) चरणसत्तरीकरणस्वाध्याय	यशोविजय			(१)			गु		
(५) आत्मशीखामणस्वाध्याय				(१)			गु.		
(६) सीमधर जिनस्तवन				(१)			गु.		
(७) हितशिखामण	यशोविजयजी			(१)			गु.		
(८) जिनस्तवन	नित्यलाभ			(१)			गु		
(९) सिद्धचक्रस्तवन	नयविजयजी			(१)			गु.		
(१०) हितशीखामण	यशोविजयजी			(१)			गु.		

१. लि लक्ष्मीविजय सुरत बदरे २. जिनविजय लि ३ जुदा जुदां पत्रो ४ पत्रो जुदा छे ५ प्रथम पत्र नथी ६ पत्रो जुदा जुदा छे ७. पत्रो जुदा जुदा छे

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लाम्बाई-पहोळाई
	(११) गीत				(१)			गु		
	(१२) पंचमहाव्रतपंचभावना				(१)			गु.		
	(१३) भवदेव सज्झाय				(१)			गु.		
	(१४) वीर जिन सज्झाय				(१)			गु.		
	(१५) पचमिथ्यात्व परिहार सज्झाय				(१)			गु.		
	(१६) आत्मोपदेश स्वाध्याय				(१)			गु.		
३१०	शनेश्चर छद				२	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।।
३११	थोय सङ्ग्रह[1]	ज्ञानविमल आदि			१८+१	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।।
३१२	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र[2] महाकाव्य दशम पर्व	हेमचद्राचार्य		सर्ग-१३	११९	१७५१		स.	जीर्णप्राय.	१०।। × ४।।
३१३	(योग विचार) योगविधि				३८	१८९२		गु	उत्तम	१०। × ४।।
३१४	योगसार सस्तबक	योगीन्द्रदेवमुनि		मू.गा १०८	३७	१७५४		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।।
३१५	उपासकदशाग सूत्र				४७	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।।
३१६	कालिकाचार्यकथा				६	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।।
३१७	ढूढीयानी चर्चा स्थानकवासी चर्चा				११	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
३१८	आलोचना विधि				५	१९मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
३१९	चोवीश जिन स्तवन	देवचद्रजी			१५	१८१७		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
३२०	चोवीश जिन चेत्यवंदन सीमंधर स्वामि आदि स्तवन				२	२०मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।।
३२१	विवाहपटल				१४	१८मो		स.गु	मध्यम	१०।। × ४।।
३२२	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक			५२० मू गा. ५१	१०	१७४२		प्रा.गु	मध्यम	१०।। × ४।।।
३२३	नमुक्कारसि आदि प्रत्याख्यान आलावा				३	२०मो		प्रा.	मध्यम	१०।। × ४।।
३२४	चउद गुणस्थानक स्वाध्याय[3] टीप्पणीसह	तपा जयसोम	ग्रथ श्लो. ९२ पर्याग श्लो. ४२		६	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
३२५	अढीसें अभिषेक विधि				३	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
३२६	चतु-शरणप्रकीर्णक	वीरभद्रगणि			२	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।।

१. पत्र जुदां छे २ ले. पत्तनपुर ३. कडी-६२

प्रति नबर पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३२७ चतु.शरणप्रकीर्णक सस्तबक	वीरभद्रगणि			१४	१८००		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।।
३२८ पीस्तालीश आगमपूजा	उत्तमविजयजी			६	१९मो	१८३४	गु.	उत्तम	१०।×४।।।
३२९ अध्यात्मगीता	देवचंद्रजी		३५१	१२			गु.	उत्तम	१०।।×४।।
३३० पर्यंताराधना प्रकरण सस्तबक[1]	सोमसूरि		मू.गा.७०	११	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०।×४।।
३३१ श्रावक अतिचार[2]				११	१८७६		गु.	उत्तम	१०।।×४।।
३३२ ज्ञाताधर्मकथाग सूत्र[3]			५४६४	२२०	१६४८		प्राकृत	जीर्ण	१०।×४।।
३३३ दंडकप्रकरण सस्तबक	गजसार			२३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०×४।।
३३४ स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह	माणेकमुनि			१०	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
(१) छ आरानु स्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(२) आदीश्वरस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(३) पार्श्वजिनस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(४) आदिजिनस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(५) शातिजिनस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(६) आबू स्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु	उत्तम	
(७) नेमिनाथ स्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(८) शंखेश्वरपार्श्वनाथस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(९) पार्श्वनाथस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(१०) ऋषभदेवस्तवन	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(११) सम्यक्त्व स्थापना स्वा०	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(१२) श्रावकविधिस्वाध्याय	माणेकमुनि				१९मो		गु	उत्तम	
(१३) श्रावकविधिस्वाध्याय	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
(१४) सम्यक्त्वस्वाध्याय	माणेकमुनि				१९मो		गु.	उत्तम	
३३५ कथासङ्ग्रह अपूर्ण				५०	१९मो		गु.	मध्यम	१०।×४।।
३३६ ज्ञानपचमीकथा	महेश्वरसूरि			७७	१८मो		प्रा.	जीर्ण	१०।×४।।
३३७ पडावश्यक बालावबोधसह				८९ थी १३४	१९मो		प्रा.सं.गु.	मध्यम	१०×४।।
३३८ वैराग्यशतक सस्तबक[4]				१५	१८८८		प्रा.गु.	उत्तम	१०।।×४।।।
३३९ विहरमान जिन वीसी स्तवन	उ.यशोविजयजी			८	१७७५		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
३४० लीलावतीपद्धति[5]	जेतसींह			१७	१८७३		गु.	उत्तम	१०।×४।।

१. पत्र ६ठ्ठुं नथी २ राजनगर ३ पत्र १३मुं नथी. ४. पालनपुर ५. गजणाग्राम (हालारदेश), लेखक हरिचद

B-2

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३४१	आलोचना विधि[१]				५	१९मो		गु.	उत्तम	१०।×४।।।
३४२	चतु:शरण प्रकीर्णक[२]	वीरभद्रगणि			४	१८७७		प्रा.	उत्तम	१०।×४।
३४३	दडक ओगणत्रीस बोलविचार				३२	१८३८		गु	उत्तम	१०।×४।।
३४४	कल्याणमंदिरस्तोत्र सस्तबक	सिद्धसेन दिवाकर			६	१९मो		स.गु.	उत्तम	१०×४।।
३४५	षष्ठी संवत्सरी फल[३]	दुर्गदेव			१४	१७९८		सं.	मध्यम	१०।×४।।
३४६	कल्याणमदिरस्तोत्र	सिद्धसेन दिवाकर			४	१९मो		सं	उत्तम	१०।×४।।
३४७	पचकल्याणतपविधि आदि[४]				३१			गु.	मध्यम	
३४८	चोवीशीजिनस्तवनो (चोवीशी)	अमृतविजय			९	१९मो		गु.	सारी	१०।।×५
३४९	प्रत्येकबुद्धचरित्र (कर्णिकावृत्तिगत)				५	१६मो		सं.	मध्यम	१०।×४।
३५०	आराधना बालावबोध				७	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।।
३५१	आत्महितोपदेश[५]				२६	१९२०		गु.	उत्तम	१०×५
३५२	श्रीचद्रकेवलीरास आनदमंदिर[६]	ज्ञानविमलसूरि		ग्रं.६८३९ गा.२३९४	२५२	२०मो	१७७०	गु.	उत्तम	१०।×४।।। O
३५३	श्रीचंद्रकेवलीरास आनदमदिर	ज्ञानविमलसूरि			९४	१८७०	१७७०	गु.	मध्यम	१०।।×४।।।
३५४	शत्रुजयरास	समयसुदरजी			७	१८मो	१६८२	गु.	मध्यम	१०।×४।।
३५५	शत्रुजय माहात्म्य[७] सस्तबक त्रूटक				५१	१९मो		सं.गु.	मध्यम	२०।×४।।।
३५६	सूत्रकृतांगसूत्र वृत्तिसह त्रिपाठ		शीलाकाचार्य		१३०	२०मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०।।×४।।।
३५७	स्नात्रपूजाविधि				१२	१९मो		गु.	मध्यम	१०×४।।।
३५८	प्रतिमाशतक सटीक[८]	उ.यशोविजयजी	स्वोपज्ञ		१४८	१७५६		सं.	उत्तम	१०।×४।।
३५९	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र[९] अष्टम पर्व नेमिनाथ चरित्र सस्तबक	हेमचद्राचार्य			३८०	१८५१		सं.गु.		१०×४।।।
३६०	सीमंधर स्वामिविज्ञप्ति साडात्रणसो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि		७८	१८मो		गु.	उत्तम	१०।।×४।।
३६१	सीमधरस्वामिविज्ञप्ति साडात्रणसो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि		८२	१९मो	गाथा.	गु.	उत्तम	१०।×४।।

१. प्रथम पत्र नथी २. पाटण ३ प्रथम पत्र नथी ४. पत्र जुदां जुदां छे. ५ भावनगर ६. लेखक-साकरराम, पत्तने ७. प्रथम पत्र नथी ८. ले. स्थ. राजनगर, पत्र ७५ बेवडुं छे. ९. लेखक दिलिचद्र, पत्र ९१ तथा ३७५ डबल छे.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३६२	सीमंधर स्वामिविज्ञप्ति साडात्रणसो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि		८४	१७८३	१८३०	गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
३६३	कल्पसूत्र[1]	भद्रबाहुस्वामि		१२००	४८	१५९४		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।
३६४	सीमंधर स्वामि सवासो गाथानु[2] स्तवन स्वोपज्ञ बालावबोधसह	उ. यशोविजयजी			२५	१७७६		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
३६५	विक्रमलीलावती रास	भाणविजय			२७०	१८६४	१८०५	गु.	उत्तम	१०। × ४॥
३६६	द्रव्यगुणपर्यायरास सस्तबक	उ. यशोविजयजी	स्वोपज्ञ		८३	१७८८		गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
३६७	आगमवस्तुविचार प्रकरण षडशीतिप्रकरण वृत्तिसह	जिन वल्लभगणि	हरिभद्रसूरि		१६	१६मो	वृ ११७२	प्रा.सं.	जीर्ण	११॥ × ५
३६८	प्रियकरनृपकथा[3]	जिनसूर		१०००	१८	१६५२		सं.	उत्तम	११। × ४।
३६९	ज्योतिषसारसङ्ग्रह				८			गु.	उत्तम	११ × ४।।।
३७०	होलीकथा सस्तबक[4]				६	१८२४		सं.गु.	उत्तम	११। × ५
३७१	भक्तामरस्तोत्र सावचूरि	मानतुङ्गसूरि			७	१८३९		सं	उत्तम	११ × ४।।।
३७२	कल्याणमदिरस्तोत्र वृत्तिसह	सिद्धसेन दिवाकर			१०	१८३९		सं.	उत्तम	११ × ५
३७३	चोवीसीजिनस्तवन नमस्कार	नदसूरि			७	१८मो		गु.	उत्तम	११ × ४।।।
३७४	प्रतिक्रमणविधि				३	२०मो		गु.	मध्यम	११ × ४।।।
३७५	सत्बोधसप्ततिका सस्तबक	रत्नशेखर (जयशेखर)	जयसोम		२३	१८मो	स्त.१७०३	प्रा.गु.	उत्तम	११ × ४।।।
३७६	कथासङ्ग्रह				७	१७मो		सं.	उत्तम	११। × ४॥
३७७	कायस्थितिस्तव सस्तबक				३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	११। × ४।।।
३७८	ज्योतिष अतरदशा आदि[5]				१३			गु.	मध्यम	११ × ४।।।
३७९	स्तवन सङ्ग्रह	मोहनविजयजी			२	१८३२		मध्यम	उत्तम	१०।।। × ५
	(१) शातिजिनस्तवन	मोहनविजयजी						गु.	उत्तम	
	(२) शातिजिनस्तवन	मोहनविजयजी						गु.	उत्तम	
	(३) सुमतिजिनस्तवन	मोहनविजयजी						गु.	उत्तम	
	(४) सुमतिजिनस्तवन	मोहनविजयजी						गु.	उत्तम	
	(५) कलिकुंडपार्श्वनाथस्तवन	मोहनविजयजी						गु.	उत्तम	

१. भींजायेली ले. स्थल स्तभतीर्थनगर २ पत्तन ३ उवसग्गहर प्रभावे ४. रजो पर्व कथा ५ पत्रो जुदां जुदां छे

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३८०	ज्ञानपचमीस्तवन	रगविजयजी			५	२०मो	१७५८	गु	मध्यम	११ × ४।।
३८१	समवसरण भावस्तवन	विमलचंद शिष्य ? -कवियण			२	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
३८२	सीमधरजिनस्तवन[1]	सिद्धिविजय			६	१७४२		गु.		१०।।। × ४।।।
३८३	कुमारपालरास[2]	ऋषभदास कवि			१५९	१८५२	१६७०	गु		१०।।। × ५
३८४	उपासकदशांगसूत्र सस्तबक[3]				५२	१८५६		प्रा गु.	मध्यम	१०।।। × ५
३८५	कर्मग्रथ प्रथम कर्मविपाक बालावबोधसह अपूर्ण	देवेन्द्रसूरि			१३	१९मो		प्रा गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
३८६	उत्तराध्ययनसूत्र बालावबोध त्रूटक				५-२०	१९मो		गु.	मध्यम	१०।।। × ४।।
३८७	चोवीशजिन स्तवन (श्रेयांस जिन पर्यंत)	यशोविजयजी			३	२०मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
३८८	कर्मग्रथचतुष्क सस्तबक[4]	देवेन्द्रसूरि			८१	१८६०		प्रा.गु	उत्तम	१०।।। × ४।।
३८९	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र	जिनकीर्ति			१९६	१८४०		सं.	मध्यम	१०।।। × ४।।।
३९०	नवाणुं प्रकारी पूजा	वीरविजयजी			९	२०मो	१८०४	गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
३९१	महापुरांण विनती[5]	गगदास		क.१०६	३थी १४	१९मो		गु.	मध्यम	१०।।। × ४।।
३९२	बंधस्वामित्वप्रकरण सस्तबक (कर्मग्रंथ तृतीय)	देवेन्द्रसूरि	स्त.जयसोम	मू.गाथा २५	३०	१८६०		प्रा.गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।
३९३	कर्मस्तव द्वितीय कर्मग्रथ[6] सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			९	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	१०।।। × ४।।।
३९४	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	कालिदास	हर्षकीर्ति	मू.का.४०	१३	१८३७		सं	उत्तम	१०।। × ४।।।
३९५	अध्यात्मगीता बालावबोध	देवचद्र			१७	१८८६		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।।
३९६	अक्षयनिधि तपविधि				७	१९मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।।
३९७	अध्यात्मचोपाई				७	१८मो		गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
३९८	अध्यात्मकल्पद्रुम बालावबोध				५९	१८६८		गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
३९९	सकलार्हत्स्तोत्र सटीक[7]	हेमचंद्राचार्य	गुणविजयजी	मू.का.२६ ग्रं २५०	६			रा.	मध्यम	१०। × ४।।
४००	आठकर्मनी १५८ प्रकृति[8]				८	१९मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।

१. वाराही नगरे लि. चतुरविजय २. पाहालणपुर लि. हरिचद, बे चित्रपृष्ठिका ३. अमदावाद, हाजापटेलनी पोल ४ पालनपुरे ऋ सुखनद लि. ५. रचना-सुरत, पत्र १-२ नथी ६. पत्र ३जु डबल ७ पाणीथी भींजायेल ८ ले स्थ. माडल

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
४०१	गणधरवाद[1]				१७	१८८६		गु.	उत्तम	१०॥ × ५
४०२	द्विजवदनचपेटा सस्तबक[2]			९५६	२२	१८८८		सं.गु.		
४०३	जंबूस्वामिचरित्र बालावबोध[3]				१६	१८९६		गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥।
४०४	कूर्मापुत्रचरित्र सस्तबक[4]	जिनमाणिक्य			२५	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४॥।
४०५	जबूस्वामिचरित्र सस्तबक[5]				४२	१८५५		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥।
४०६	जोगीवाणीभास			कडी.२५	१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
४०७	हरियाली सस्तबक[6]	दयाशील			२	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
४०८	विद्वद्गोष्ठी सस्तबक				३-५	१९मो		सं.गु.	मध्यम	१०। × ४॥।
४०९	स्तवन-पदसङ्ग्रह	आनंदघन आदि			५	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥।
४१०	मौनएकादशी पाच[7] जोड देववांदवानी विधि	सौभाग्यविजय			९			गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥
४११	स्तवन-सज्झाय सङ्ग्रह	मानविजय आदि			१०	१९मो		गु.	मध्यम	१०॥ × ५
४१२	स्तवन सङ्ग्रह	अमृतविजय			४	१९मो	१८७२	गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥।
	(१) शांतिनाथ स्तवन							गु.	उत्तम	
	(२) शांतिनाथ स्तवन							गु.	उत्तम	
	(३) सिद्धचक्र स्तवन							गु.	उत्तम	
	(४) ऋषभदेव स्तवन							गु.	उत्तम	
	(५) आदिनाथ स्तवन							गु.	उत्तम	
	(६) पार्श्वनाथ स्तवन							गु.	उत्तम	
	(७) अजितनाथ स्तवन							गु.	उत्तम	
	(८) भाभापाडाना भाभापार्श्वनाथ स्तवन	उदयरत्न								
४१३	षष्ठीसंवत्सरीफल[8]				८	१९०३		सं.	मध्यम	१०॥ × ४॥।
४१४	सारस्वतव्याकरण	अनुभूति स्वरूपाचार्य			२७+१	१८२९		गु.	मध्यम	१०। × ४॥।
४१५	वीसस्थानकपूजा[9]	लक्ष्मीसूरि			११	१८७४	१८४५	गु.	उत्तम	१०। × ४॥।
४१६	वीरनिर्वाणदीवालीस्तवन	गुणहर्ष		कडी.१२२	१०	१९मो		गूर्जर	मध्यम	१०। × ४॥।
४१७	नयचक्र बालावबोध[10]	देवचंद्रजी			६५	१९१६		गूर्जर	जीर्ण	१०। × ५
४१८	शत्रुंजय रास	समयसुंदर			९	२०मो	१६८६	गूर्जर	जीर्ण	१०। × ५

१. पालणपुरे लि. गोरजी राघवजी २. प्रल्हादनपुर ३. पेथापुरे लि. केशरचद ४. मोहनविजय लि. ५. खांतिविजय लि. ६. पालनपुरे लि. वीरचंद ७. लि. सौभाग्यविजयजी पत्र १-२-४ नथी ८. कटोसण ग्रामे लि ९ राजनगरे ऋद्धिरत्न लि. १० पत्र १४ अने २१ डबल, पत्र ३३, ३४ भेगां छे.

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
४१९	तर्कसङ्ग्रह	अन्नभट्ट			५	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
४२०	स्तवन-सज्झाय-गहूली[1] स्तुति आदि सङ्ग्रह	विशुद्धविमल			१७	१९मो		गु.	मध्यम	
४२१	दयाछत्रीसी	चिदानद कर्पूरचद			४	२०मो	१९१५	गु.		१०। × ५
४२२	नवकाररास				३	२०मो		गु.	मध्यम	१०।। × ५
४२३	ढूंढकचर्चा				३	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।।
४२४	दशवेकालिकसूत्र सज्झाय	वृद्धिविजय			७	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
४२५	ज्योतिषसार				३	१९मो		स.	मध्यम	१०। × ४।।
४२६	कायस्थितिस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ	कुलमडनसूरि		मू.गाथा २४	४	१८२०		प्रा.स.	उत्तम	१०।। × ४।।।
४२७	उत्तमचरित्र सस्तबक[2]				२१	१८९६		स गु.		१०।। × ५
४२८	सिद्धदंडिकायत्रसह आदि सङ्ग्रह	देवेन्द्रसूरि आदि			३५	१९मो		प्रा गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
४२९	सङ्ग्रहणी पकरण	श्रीचद्रसूरि			२३	१८२७		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।।
४३०	सूसढकथा बालावबोध सह[3]				६२	१८९६		प्रा गु	उत्तम	१०। × ४।।।
४३१	पूजाप्रकरण	उमास्वाति वाचक			२	१८मो		स	उत्तम	१०। × ४।।
४३२	पचसूत्र-पापप्रतिघात बीजगुणाधान				१०	१९मो		प्रा	मध्यम	१०। × ४।।
४३३	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक			मू गा ४१	४	१७मो		प्रा गु.	उत्तम	१० × ४।
४३४	पचनिर्ग्रन्थीप्रकरण सस्तबक[4]	अभयदेवसूरि	उ यशोविजयजी	मू गा ५००/१०७	१७	१८८१		प्रा गु	उत्तम	१०। × ४।।
४३५	वंकचूलिकासूत्र				५	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
४३६	ज्ञानपचमीकथा[5] (सौभाग्य पचमी कथा)	जिनहर्ष			६	१७८६		गु	मध्यम	१०। × ४।।
४३७	प्रत्येकबुद्ध चरित्र[6]				१७	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।।
४३८	चैत्यवदनादि भाष्यत्रय[7]	देवेन्द्रसूरि			६	१८०२		प्रा	उत्तम	१०। × ४।।
४३९	पचभावना स्वाध्याय[8]	देवचद्र			६	१७७८		गु.		१०। × ४।।
४४०	धनदत्तकथा पद्य			पद्य-१८७	१४	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
४४१	न्यायावतार टिप्पनक	चद्रसूरि			१३	१६मो		स	उत्तम	१०। × ४।
४४२	सम्यक्त्व चोपाई सस्तबक[9]	जसविजयजी			२८	१७८४		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।

१ पत्रो जुदां जुदां छे २ लि केशरचद पेथापुर ग्राम ३ लि. केशरचद पेथापुरे ४ वीसलनगरे मुनि वीरविजय लि ५ पाटण ६ पत्र १३-१४ भेगां ७. नवानगर ८ राजनगरे ९ पत्र २६मुं नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
४४३	वीसस्थानक तपविधि स्तवन[१]	ज्ञानविमलजी		कडी-८१	९	१९मो	१७६६	गु.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।।
४४४	विहरमानजिन वीसी स्तवन[२]	उ. यशोविजयजी			७	१८९९		गु.	मध्यम	१० × ४।।।
४४५	कर्मग्रंथचतुष्क सस्तबक[३]	देवेन्द्रसूरि			४३	१८६८		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।।।
४४६	विहरमानजिनवीसी स्तवन[४]	उ. विनयविजयजी			१२	१९मो		गु.	जीर्णप्रायः	१० × ४।।।
४४७	देवाप्रमोस्तव वृत्तिसह पञ्चपाठ	जयानदसूरि	कनककुशल	·	३	१८मो		संस्कृत	उत्तम	१०। × ४।।
४४८	अध्यात्मवाणी गर्भित[५] स्वाध्याय	ज्ञानविमल			७	१८५८		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
४४९	कल्पसुखलता अपूर्ण	विवेकचंद्रगणि			९	१९मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।।
४५०	पौषधविधि				३	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
४५१	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक[६]				१२२	१८६८		प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
४५२	जंबूस्वामीचरित्र सस्तबक[७]	पद्मसुंदरगणि			७८	१८७१		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ५
४५३	धूर्ताख्यान बालावबोध				२७	१७७७		गु	उत्तम	१० × ४।।।
४५४	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक				३४	१९मो		प्रा.गु.सं.	उत्तम	१०।।। × ४।।।
४५५	रूपदीप पिंगल भाषा				८	१८६१	१७७६	व्रजहिंदी	उत्तम	१०।। × ४।।
४५६	श्रीपालरास	विनयविजयजी			४६	१९मो		गु.	उत्तम	१०।।। × ४।।
४५७	मौनएकादशी कथा पद्य[८]	रविसागरजी		२०२	७	१९मो	१६५७	सं.	मध्यम	१०।। × ४।।
४५८	मौनएकादशी कथा पद्य[९]	सौभाग्यनदिसूरि			५	१९मो	१५७६	सं.	उत्तम	१०।। × ४।।
४५९	उपधानविधि-श्रावकबार-[१०] व्रत्तोच्चारण विधि आदि				२३	१८३९		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१०।।। × ४।।।
४६०	चोवीसजिन स्तवन	मानविजयजी			९	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
४६१	पुराण अंतर्गत श्लोक सङ्ग्रह				५	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।।
४६२	पूजाविधि स्तवन	ज्ञानविमलसूरि			५		१७४१	गु.		१०। × ४।।
४६३	बासठ मार्गणा चौद गुणठाणा विचार	जीवविजयगणि			६	१८२०		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।।
४६४	गौतमस्वामिरास				५	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
४६५	धर्मोपदेशप्रकरण सस्तबक			गा.१४४	१८	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
४६६	मंत्रावली (नवग्रहपूजन)				१०	१९मो		गु.सं.	मध्यम	१० × ४।।

१. रचना-सुरत २ लेखन-पाटण ३. लेखन- थरानगर ४. पत्र १थी ३ नथी. ५. पाटणनगरे ६. वीसलनगर, पत्र ६७मुं बेवडुं ७ रतलाम नगर ८. रचना-उन्नत नगरे ९ रचना-हम्मिरपुर १०. प्रल्हादनपुर

प्रति नंबर पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
४६७ (१) शारदा सरस्वती छंद	विनयकुशल			५	१८९०		गु	उत्तम	१०॥ × ४॥।
(२) प्रभंजनानी सज्झाय	देवचंद्र						गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥।
४६८ (१) कोकशास्त्र वार्ता गद्य[1]				१३	१७९९		गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥।
(२) शांतिनाथ स्तवन	जीवविजयजी		६०५				गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥।
४६९ शोभनस्तुति बालावबोधसह	शोभनमुनि			२२	१८मो		सं.गु.	उत्तम	१०। × ४॥
४७० कथासङ्ग्रह अपूर्ण				२०	२०मो		स.	मध्यम	१०॥। × ४॥।
४७१ सिंदूरप्रकर टीका				१८थी २३	१७मो		सं.	उत्तम	१०॥। × ४॥
४७२ आठदृष्टि सज्झाय	यशोविजयजी			४	१८२०		गु	जीर्ण	१०॥ × ४॥
४७३ पाक्षिकसूत्र सस्तबक				२९	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥। × ४॥
४७४ प्राकृतव्याकरण[2]									
सिद्धहेमशब्दानुशासन									
स्वोपज्ञवृत्ति अष्टमोऽध्याय	हेमचंद्राचार्य			३९	१७९५		प्राकृत		१०॥ × ४॥
४७५ नवतत्त्वप्रकरण बालावबोध[3]				२३	१७६२		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
४७६ विहरमान जिनवीसी[4]	विबुधविमल			५	१७९०	१७९०	गु.	उत्तम	१०। × ४॥
					आसोवद-३	आसोसुद-१०			
४७७ विद्वद्गोष्ठि सस्तबक				४	१८मो		सं.गु.	मध्यम	१०॥। × ४॥
४७८ उपदेशरत्नमालाप्रकरण सस्तबक				३	१९मो		प्रा गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥
४७९ होलीरजःपर्वकथा सस्तबक[5]	फतेंद्रसागर			१३	१९मो	१८२२	सं.गु.	जीर्ण	१०॥ × ४॥
४८० काव्यकल्पलता सस्तबक	अमरचंद्र			८थी १३			स.	मध्यम	१०। × ४॥
४८१ चतुःशरणप्रकीर्णक									
सावचूरि पञ्चपाठ	वीरभद्रगणि			८	१७मो		प्रा.स.	उत्तम	१० × ४॥
४८२ संयमश्रेणिगर्भितवीरजिनस्तवन[6]	उत्तमविजय		गा.५१	३	१९मो	१७९९	गु.	उत्तम	१० × ४॥
४८३ चतुर्विंशतिजिनस्तवनो[7]									
(चोवीशी)	१थी २२ आनंदघन			१२	१७८७		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
	२३-२४ ज्ञानविमलजी								
४८४ वृत्तरत्नाकर सावचूरि पञ्चपाठ	केदारभट्ट			१५	१८२०		सं.	उत्तम	१० × ४॥
४८५ मौनएकादशीकथा गद्य	लक्ष्मीसागर			४	१९मो		स.	उत्तम	१०। × ४।

१. जीवविजयजी लि २ वाघजी ऋषि स्तंभतीर्थे लि ३. नवापुरे दीपविजय लि ४ मोढज्ञाती चातुरवेदी त्र्यंबकजी सुत वाछाराम, पत्तने लि. पत्र २जुं नथी ५ रचना-विध्यकाख्य नगर विझेवानगर ६ रचना-सुरत ७. पत्र २जुं नथी, राजनगरे.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
४८६	दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति				५	१७मो		प्रा.	उत्तम	९।।। × ४।
४८७	मौनएकादशीकथा बालावबोध		जिनहर्ष		५	१७८५		गु.	उत्तम	१० × ४।।
४८८	मौनएकादशीकथा गद्य[1]	लक्ष्मीमुनि			६	१८८७		स.	उत्तम	१०। × ४।।
४८९	मौनएकादशीकथा बालावबोध		नेमिविजयशिष्य		३	१७८५		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
४९०	मौनएकादशीकथा[2] बालावबोध				५	१७६७		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
४९१	मौनएकादशीकथा पद्य[3]	सौभाग्यनदिसूरि		११७	७	१९मो	१५७६	स.	उत्तम	१०। × ४।।
४९२	मौनएकादशीकथा पद्य[4]	सौभाग्यनदिसूरि		११८	६		१५७६	स.	मध्यम	९।।। × ४।
४९३	मौनएकादशीकथा स्तवन			क.३२	४	१७८४		गु.		१० × ४।
४९४	सङ्ग्रहणीप्रकरण अपूर्ण				१२	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।
४९५	दान-शील-तप-[5]भावनाकुलक बालावबोध सह	देवेन्द्रसूरि			३९	१९मो		प्रा.गु		१० × ४।।
४९६	मौन एकादशी कथा पद्य[6] सस्तबक	रविसागरजी	स्त.कांतिविजय	का.२०४	२२	१८५०	१६५७	स.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
४९७	यशोभद्ररिषिराज चोपई	विनयशेखर (आचलिक)		क.२५३	८	१७९४मूल	१६४३स्त.	गु	मध्यम	१०। × ४।।
४९८	तत्त्वार्थाधिगमसूत्र	उमास्वाति वाचक			१८	१८३२		सं.	उत्तम	१०। × ४।।।
४९९	अभिधानचिंतामणिनाममाला[7]	हेमचंद्राचार्य			२४	१७६८		स.	उत्तम	१० × ४।।
५००	संबोधसप्ततिका प्रकरण सस्तबक	रत्नशेखर (जयशेखर)		३५०	१३	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
५०१	सबोधसप्ततिका प्रकरण	रत्नशेखर (जयशेखर)			७	१७८७		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।।
५०२	श्रीपालरास[8]	विनयविजय-यशोविजयजी			४०	१८१२	१७३८	गु.		
५०३	मृगाकलेखा रास			क.३८४	१५	१८मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
५०४	सबोधसित्तरी प्रकरण[9]	जयशेखरजी		गा.१२५	५	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।
५०५	दंडक बोल विचार				४			गु.	मध्यम	१० × ४।।
५०६	दडक ओगणत्रीस द्वारविचार[10]				१०	१७०७		गु	उत्तम	१० × ४।।
५०७	गुणावलीनो लेख	दीपविजयजी			४	१८मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।

१. पत्र १-२ नथी. तुलजाराम लि. २ सुव्रतऋषि कथा ३ राजनगरे सत्यविजय लि. रचना-हरिश्वरपुर ४ लि. राजनगरे ५. तपकुलक पर्यंत ६. रची-उन्नतनगर ७. पत्र बीजुं नथी. लेखक कर्पूरसागर ८. मक्सुदाबाद-अजीमगंज, गुणविजय लि ९. भींजायेली. १० औरंगाबाद-धीरसागर लि

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
५०८	चोवीसी जिन स्तवन	मानविजयजी			१०	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
५०९	आठदृष्टि स्वाध्याय सस्तबक[१] (योगदृष्टि स्वाध्याय)	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलजी	गा.७६	१७	१८३६		गु.	उत्तम	१०×४।।
५१०	सत्तरभेद पूजाविधि सस्तबक	सकलचंद			२६	१९मो		गु	उत्तम	१०×४।।
५११	कर्मसवेध भग प्रकरण[२]	देवचद्र		गा १७९	१०	१९मो		प्रा.	उत्तम	१०×४।।
५१२	कालसत्तरी प्रकरण सस्तबक	देवेन्द्रमुनि		गा ७३	९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।
५१३	शाबप्रद्युम्नरास[३]	समयसुदरजी			२३	१७८५		गु.	उत्तम	१०×४।।
५१४	(१) परमाणुखडषट्त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ		रत्नसिहसूरि	गा.१५	१ थी ३			प्रा.स.	उत्तम	९।।।×४।
	(२) पुद्गलषट्त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ		रत्नसिहसूरि	गा.३६	३ थी ७			प्रा.स.	उत्तम	
	(३) बधषट् त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ				७ थी ९	१८मो		प्रा.सं.	उत्तम	
५१५	दशवैकालिक स्वाध्याय	वृद्धिविजय			१०	१८मो		गु.	मध्यम	९।।।×४।।
५१६	दीक्षाविधि				७	१८१३		गु	उत्तम	१०×४।।
५१७	(१) कुरुचन्द्र कथा (वसतिदाने) गद्य				१ थी ३	१८मो		स.	उत्तम	९।।।×४।
	(२) पद्माकर कथा (शय्यादाने) गद्य				३जु			सं.	उत्तम	
	(३) करिराज कथा (आसनदाने) गद्य				३ थी ५			सं.	उत्तम	
	(४) कनकरथ कथा (आहारदाने) गद्य				५ थी ६			स.	उत्तम	
	(५) शखश्रेष्टि कथा (पानाहारदाने) गद्य				६ थी ७			सं	उत्तम	
	(६) रेवती कथा (भेषजदाने) गद्य				७ मु			सं.	उत्तम	
	(७) ध्वजभुजग कथा (वस्त्रदाने) गद्य				७ थी १०			सं.	उत्तम	
	(८) धनपति कथा (सुपात्रदाने) गद्य				१० थी ११			सं.	उत्तम	
५१८	धन्नाअणगार स्वाध्याय[४]	न्यायसागर		ढालो.	४	१९मो	१७२१	गु.	उत्तम	९।।।×५।।

१ पत्र १-२-३ नथी २ गणेश लि ३. पाटणनगरे परमानंदोनी पोली लि हरखचंद, कीनारी करडेली ४. रचना-असगाम

प्रति नंबर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
५१९ धन्नाचरित्र रास[1]	मतिशेखर			१५	१७मो	१५१४	गु.		९।।। × ४।।
५२० नेमिदूत काव्य[2] (मेघदूत अंत्यपाद पूर्तिरूप)	सांगणसूत विक्रम		का.१२६	९	१५९८		सं.	जीर्णप्रायः	१० × ४।
५२१ समयसार पकरण सस्तबक				१६	१८मो		प्रा गु	उत्तम	१० × ४।।
५२२ भवभावना प्रकरण सस्तबक	हेमचन्द्रसूरि (मलधारी)		५३१ गाथा	४५	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।
५२३ दशवेकालिकसूत्र अवचूरि			१५५०	३६	१७मो		स.		१०। × ४
५२४ दशवेकालिकसूत्र अवचूरि				३०	१६मो		स.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
५२५ बलिनरेन्द्र कथा गद्य				३९	१७मो		स	उत्तम	१० × ४।
५२६ राजप्रश्नीयोपाग सूत्र				५३	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।
५२७ द्वादशभावना स्वाध्याय	सकलचन्द्र		१७५	८	१७२०		गु	उत्तम	९।।। × ४।
५२८ पस्ताविक श्लोक				११	१८७५		स.	उत्तम	९।। × ४।।
५२९ पुण्यसाररास[3] विजयशेठ विजयाशेठाणी सज्झाय	पुण्यकीर्ति			८	१७८८	१६६६	गु		९।। × ४
५३० हीरप्रश्न-प्रश्नोत्तर समुच्चय	सग्राहक कीर्तिविजयजी			३१	१८३१		सं	उत्तम	१० × ४।
५३१ श्राद्धविधि प्रकरण वृत्ति[4]	रत्नशेखरसूरि				१७मो		स	मध्यम	१० × ४
५३२ सूत्रकृतागसूत्र[5]				५२	१५८३		प्रा.	उत्तम	१० × ४
५३३ ज्योतिष बालावबोध	मुजादित्य विप्र			८	१७०३		स	उत्तम	९।।। × ४।
५३४ नलदमयती चोपई	ऋषिवर्धनसूरि		४७५	१८	१७मो		गु	उत्तम	१० × ४
५३५ दशवेकालिकसूत्र	शय्यम्भवसूरि		७००	२५	१७मो		प्राकृत		१०। × ३।।।
५३६ उत्तराध्ययन सूत्रनी सज्झाय	उदयविजयजी			९	१८मो		गु.		९।।। × ४।
५३७ भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ[6]	मानतुङ्गसूरि	कनककुशल	६९३	१८		वृत्ति.१६५२	सं.	जीर्ण	१० × ४।
५३८ मुनिपतिचरित्र रास[7]				२३	१७मो	१५५०	गु.		१० × ४।
५३९ पापबुद्धि धर्मबुद्धि कथा[8]				१३	१६९६		सं.	उत्तम	१० × ४।
५४० ऋषिमडल प्रकरण	धर्मघोषसूरि		गा.२१४	११	१७मो		प्रा.	उत्तम	९।।। × ४
५४१ ध्यानस्वरूप	भावविजयजी			११	१७९५	१६९६	गु.		९।।। × ४।
५४२ पाक्षिकसूत्र-पाक्षिकक्षामणा				५	१८मो		प्राकृत	उत्तम	१० × ४।
५४३ पगाम सज्झाय विचार				६	१८मो		गु.	जीर्णप्राय.	९।।। × ४।
५४४ साधुपतिक्रमणसूत्र सस्तबक				८	१८मो		प्रा गु.	उत्तम	

१ श्रीगादुनगरे २ लक्ष्मीमूर्ति मुनि लि ३ लि माणिक्यचंद्र ४. पत्रो अस्त व्यस्त अने अंक वगरना टूटक छे. ५ पत्र १६, ४०थी ४४ नथी ६. लि वीरविजय ७ कीनारी करडेली ८ बे बाजु चित्रपृष्ठिका छे

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
५४५	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक			गा ५१	६	१८मो		प्रा गु	जीर्णप्रायः	१० × ४।
५४६	नवतत्त्वप्रकरण			गा.४५	४	१७०४		प्राकृत	मध्यम	९।।। × ४।
५४७	पचप्रतिक्रमण विधि				७	१८मो		गु	उत्तम	९।।। × ४।।
५४८	खरतर गच्छीय सामायिक प्रतिक्रमण-पोसहविधि				१३	१८मो		गु	जीर्ण	९।।। × ४।।
५४९	समयस्वरूपरास[१]	ऋषभ			३५	१७०२		गु.	मध्यम	९।।। × ४
५५०	गुणस्थानक प्रकरण	रत्नशेखरसूरि			३	१८मो		स.	उत्तम	९।। × ४
५५१	पाक्षिकसूत्र				१०	१७८१		प्राकृत	उत्तम	१० × ४
५५२	चतुर्विंशति जिन स्तवन सस्तबक	देवचद्र खरतर			७९	१९मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
५५३	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र	जिनकीर्तिसूरि			७५	१८६३		सं.	उत्तम	१०।। × ४।।।
५५४	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	शय्यम्भवसूरि	पार्श्वचन्द्र		७८	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।।
५५५	कर्मग्रंथ पंचक सस्तबक[२]				६९			प्रा.गु	मध्यम	१०। × ४।।
५५६	जबूद्वीपप्रज्ञप्तिउपागसूत्र[३] सस्तबक			१२००८	३०६	१७९५		प्रा.गु.		१०।। × ४।।
५५७	देववदन विधि	ज्ञानविमलसूरि			१०	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
५५८	चैत्रीपूनम देववदन विधि	ज्ञानविमलसूरि			९	१९मो		गु.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।।
५५९	चोवीस दडक ओगणत्रीस द्वार				१६	१९मो		गु	उत्तम	१०।। × ४।।।
५६०	कर्पूरप्रकर अवचूरि सह[४]	हरिकवि			३३	१८०५		स	उत्तम	१०।। × ४।।
५६१	पंचवस्तुक सूत्र सटीक	हरिभद्रसूरि	स्वोपज्ञ	मू २१५०	१४३	१८मो		प्रा स	मध्यम	१०। × ४।।
५६२	नवपद पूजा	पद्मविजयजी			५	२०मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
५६३	नवपद पूजा	यशोविजयजी			७	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
५६४	प्रतिष्ठा कल्प[५]				१९	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
५६५	नवकार बालावबोध				९	१८८३		गु.		१०। × ४।।
५६६	नवकार बालावबोध[६]			३५०	११	१७५४		गु.		१०। × ४।।।
५६७	कल्याणमदिरस्तोत्र अवचूरि शब्दार्थ	सिद्धसेनसूरि			१७	१९मो		स.गु.	उत्तम	१० × ४।।
५६८	कर्मग्रंथत्रय सस्तबक[७]				२५	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।

१. पत्र २जुं नथी. लि. जबूसर २. पत्र १४मुं नथी, पंचमकर्मग्रथनी गाथा ९८ पर्यंत, अपूर्ण ३. लि बोडा मनसाराम अहिसुर मध्ये नागोर ४. लि. गंभीरविजय पत्र २६-२७ डबल ५. लि. ताराचद ६. लि कानजी ७. भींजायेली, पत्र १थी ८ सुधी स्तबक लख्यो छे.

प्रति नबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
५६९ सारस्वत व्याकरण आख्यात प्रक्रिया	अनुभूति स्वरूपाचार्य			८३	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।।
५७० किरातार्जुनीय महाकाव्य त्रिपाठ प्रदीपिका वृत्तिसह	भारवि कवि	धर्मविजयजी		२६१	१७६६	१७१२	सं.	उत्तम	१०। × ४।।
५७१ कर्मविपाक-कर्मस्तव बंधसामित्व कर्मग्रंथ सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			२९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
५७२ कर्मग्रथ चतुष्क सस्तबक[1]	देवेन्द्रसूरि	यशःसोम		१४४	१८०५		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१० × ४।।
५७३ भक्तामरस्तोत्र बालावबोधसह	मानतुङ्गसूरि		वृत्त.४४	२२	१८मो		स.गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
५७४ (१) निगोदषट्त्रिंशिका सटीक[2] त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	मू.गा.३६ ग्रं. ३००	१–७	१७मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०। × ४।।
(२) परमाणुखंडषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	मू.गा.१५ ग्र. १२०	७ थी १०			प्रा.सं.		
(३) पुद्गलषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	मू.गा ३६	१० थी १४			प्रा.सं.		
(४) बधषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	मू.गा.३५	१४ थी १७			प्रा.सं.		
५७५ त्रिषष्ठि शलाका पुरुष चरित्र[3] महाकाव्य नवमपर्व प्रथम सर्ग	हेमचद्राचार्य			१५	१७५०		स.	उत्तम	१०। × ४।
५७६ बारभावना स्वाध्याय[4]	जयसोम तपा.			८	१८२४	१७०३	गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
५७७ सीमंधरस्वामि विज्ञप्ति साडा[5] त्रणसो गाथानुं स्तवन बालाव० सह	यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि	४००५	८८	१७८७		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
५७८ परदेशीराजारास[6]	न्यायसागर		१०००	२८	१७८०	१७३४	गु.	उत्तम	
५७९ परदेशीराजाचोपई	ज्ञानचद		९००	२४	१७५८		गु.		१०। × ४।।
५८० चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			१९	१७८३		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
५८१ दान-शील-तप-भावनाकुलक बालावबोध सह	देवेन्द्रसूरि			२९	१८३१		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
५८२ जयतिहुयण स्तोत्र	अभयदेवसूरि			४	१९मो		अपभ्रंश	उत्तम	१० × ४।।

१. पं. क्षमाविजयगणि लि. कुयरग्राम २. भींजायेली ३. लि. पत्तनपुर ४. लि. पाटणनगर, रचना–जेसलमेर ५. लि. खंभात ६. लि. पत्तन

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
५८३	कल्पसूत्र भास[1]	ज्ञानविमलसूरि			२१			गु.	उत्तम	१०×४॥
५८४	कल्पसूत्र सस्तबक[2]									
	प्रथम व्याख्यान अपूर्ण	भद्रबाहुस्वामि			४१	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४॥
५८५	आचारदिनकर सबीजक[3]	वर्धमानसूरि		१३७२५	३९७	१७५०		स.	उत्तम	१०॥×४॥
५८६	शातिनाथचरित्र सस्तबक पद्य[4]	अजितप्रभसूरि		५०००	४६७	१८८५		स गु.	उत्तम	१०॥×४॥
५८७	सिद्धातचन्द्रिका व्याकरण	रामाश्रम			८१	१८मो		सं	उत्तम	१०॥×४॥।
५८८	प्रवज्याविधान प्रकरण त्रिपाठ[5]									
	वृत्तिसह				८	१८२२		प्रा गु	उत्तम	९॥×४॥।
५८९	गणधरवाद				२०	१८९३		गु.	उत्तम	१०।×४॥।
५९०	गोडीपार्श्वनाथ स्तवन	रगविजयजी			८	१८६३	१८०७	गूर्जर	उत्तम	१०।×४॥।
५९१	सिद्धाचल तीर्थमाला[6]	अमृतविजय			७	१८६५	१८४०	गूर्जर		१०।×४॥।
५९२	सिद्धाचल तीर्थमाला	अमृतविजय			९	१८७७	१८४०	गूर्जर	उत्तम	१०।×४॥।
५९३	जबूकुमार रास	ज्ञानविमलसूरि			१०	१९मो	१७३८	गूर्जर	उत्तम	१०।×४॥।
५९४	सड्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक[7]	श्रीचंद्रसूरि	नित्यविजयशिष्य	मू गा.३२४	६१	१७८३		प्रा गु	मध्यम	१०।×४॥
५९५	कल्पसूत्र बालावबोध सह	भद्रबाहुस्वामि			१८८	१८५९		प्रा गु.	उत्तम	१०।×४॥।
५९६	श्राद्धविधिप्रकरणविधि कौमुदि[8]									
	स्वोपज्ञटीका सस्तबक सह	रत्नशेखरसूरि		मू टी.ग्रं.६७६१	४५७	१९मो		प्रा.सं.गु.	उत्तम	१०।×४॥।
५९७	(१) लघुक्षेत्रसमासप्रकरण									
	विवरण सह	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ	मू.२६२	१थी४९			प्रा.स.	उत्तम	१०।×४॥।
	(२) क्षेत्रविचार				४९थी५४			गु.	उत्तम	
५९८	अध्यात्मसार वार्तिक[9]									
	बालावबोध सह	उ.यशोविजयजी	वीरविजयजी		१२८	१८८६		सं.गु	उत्तम	१०॥×४॥
५९९	ज्ञानसार स्वोपज्ञ									
	बालावबोध सह	उ.यशोविजयजी	स्वोपज्ञ		४२	१७६५		स.गु.	उत्तम	१०।×४॥
६००	षडावश्यक बालावबोध सह									
	अपूर्ण				८७	२०मो		प्रा.गु	मध्यम	१०।×४॥
६०१	अनुयोगविधि				३	१७८८		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४॥

१ लि. पाटण २. पत्र ७-८-१४- १७थी २१ तथा ३४मुं नथी. ३.लि. शंभुदत्त पत्र २०३, ३९७ डब्लल छे ४. प्रस्ताव १थी ६ ५. लि. पालनपुर ६. भावनगर लि. ७. पीलुचाग्रामे पं. उत्तमविजय लि. ८ पत्र ७८ डब्लल छे. ९. पालनपुर

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
६०२	पंचाचार आलोयणा विचार पचाचार अतिचार				१०	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
६०३	अतरीक्षपार्श्वनाथ स्तवन छंद	लावण्य समय			३	१८मो	१५८५	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
६०४	आराधना बालावबोध सह				४३	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
६०५	अष्टप्रकारीपूजा रास[1]	उदयरत्न		४०००	५८	१८५२	१७५५	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
६०६	पीस्तालीस आगमगर्भित अष्टप्रकारी पूजा	वीरविजयजी			८	१९१३	१८८१	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
६०७	कुमारपालरास[2]	ऋषभदेवसूरि			१७७	१७६८	१६७०	,,	,,	१०। × ४।।
६०८	अध्यात्मकल्पद्रुम[3] बालावबोध सह	मुनिसुदरसूरि	हंसरत्न	२८५४	८३	१८८६		स.गु.		१०।। × ४।।।
६०९	अध्यात्मसार वार्तिक[4] बालावबोध सह	यशोविजयजी	वीरविजयजी		१२३	१८८४	बा.१८८१	सं.गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
६१०	कल्पसूत्र कल्पलतावृत्ति[5]	समयसुंदर गणि			८६	१७६३		सं.	उत्तम	१०।। × ५
६११	उपासकदशांगसूत्र सस्तबक[6]			३०७१	८९	१७८४		प्रा.गु	उत्तम	१०।। × ४।
६१२	उपासकदशांगसूत्र सस्तबक[7]				५७	१८००		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
६१३	दडक अट्ठावीस बोल				१३	१८८८		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
६१४	एकवीस प्रकारी पूजा	ज्ञानसागर शिष्य			८	१९मो	१८४३	गु.	उत्तम	१० × ४।।
६१५	मौनएकादशी माहात्म्य[8] कथा सस्तबक	रविसागरजी			२८	१८मो	१६५७	स.गु.	मध्यम	१० × ४।।
६१६	रूपसेनकथा	जिनसूर (सुधाभूषणशिष्य)		११८५	३४	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
६१७	षडावश्यक सूत्राणि सस्तबक[10]				६३	१९मो		प्रा.सं.गु.	उत्तम	१० × ४।।
६१८	स्तवन-सज्झाय सङ्ग्रह[11]				गु. १२	१७९१		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
	(१) जबूस्वामि ब्रह्मगीता	उ.यशोविजयजी								
	(२) सीमधर जिन स्तवन	सकलचद								
	(३) पोसध-सामायिक स्वाध्याय	हसरतन								
	(४) कुगुरु-सुगुरु स्वाध्याय									
	(५) कुमति स्वाध्याय	यशोविजयजी								

१ लि. विनय, डीसानगरे २. पत्तननगरे ३. लि गोरजी राघवजी जगाणा ग्रामे ४. लि. डुंगरविजय ससपुर ५. लि. ऋषि मोहनजी, वीरमगाम, उंदरे करडेली ६. भाग्य सौभाग्यगणि ७ जावालपुरे लि. जीतविजय ८ ले पाटण ९ रचना-उन्नतनगरे १०. पत्र १-२ नथी. ११ भावनगरे

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन संवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
६१९	चोवीस जिन स्तवन	मानविजयजी			७	१८मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
६२०	चित्रसेनपद्मावती कथा[1]	राजवल्लभ			१५	१७७१	१५२४	स.		१०।×४।।
६२१	चोवीसीजिन स्तवन[2]	उदयरत्न			९	१७७२	१७७२	गु.		
६२२	चोवीसीजिन चौदबोल-गर्भित स्तवन	यशोविजयोपाध्याय		२२०	८	१९मो		उत्तम		१०।×४।।
६२३	जीवाभिगमोपागसूत्र[3]			४७५०	१८८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।।
६२४	कर्मविपाक-कर्मस्तव-[4] बंधसामित्व कर्मग्रंथ बालावबोध सह	देवेन्द्रसूरि			६४	१७७५		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।।
६२५	कर्मविपाकप्रकरण सस्तबक[5]	देवेन्द्रसूरि			१३	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।
६२६	कर्मग्रंथ पचक सस्तबक[6]			२८२५	६८	१८०३		प्रा.गु.	मध्यम	१०।×४।।
६२७	बृहत्कल्प चूर्णि			१३४८७	२७१	१७मो		प्रा.	मध्यम	१०।।×४।।
६२८	उत्तराध्ययनसूत्र बालावबोध सह[7]				४५५	१७८१		प्रा.गु.	उत्तम	१०।।×४।।
६२९	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह[8] त्रिपाठ	भद्रबाहुस्वामि	विनयविजयजी		१७९	१७६३	वृ.१६९६	प्रा.सं.	मध्यम	१०।×४।।
६३०	सूत्र कृतागसूत्र[9]				२९७	१८१६		प्रा.	उत्तम	१०×४।।
६३१	योगविधि नदिस्तुति उत्तराध्ययन असंखयाध्ययन	जिनभद्र क्षमाश्रमण		४६३	११	१८मो		प्रा.स.गु	उत्तम	१०×४।।
६३२	ध्यानशतक बालावबोध सह[10] · हिंसाष्टक सह	हरिभद्रसूरि								
६३३	अष्टप्रकारी पूजा[11]	देवविजयजी			६	१९मो	१८२१	गु	उत्तम	१०।×४।।
६३४	अनुत्तरौपातिकदशागसूत्र				६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०×४।
६३५	दमयती चंपू कथा[12]	त्रिविक्रम भट्ट			३९	१६९९		स.	उत्तम	१०।×४।
६३६	अतरीक्षपार्श्वनाथ स्तावन[13]	लावण्य समय			६	१७६८	१५८५	गु.	उत्तम	१०।×४।
६३७	स्तावन सज्झाय सङ्ग्रह				११	१९मो		गु.	उत्तम	१०।×४।।
	(१) पार्श्वनाथस्तावन	शीलविजयजी						गु.		

१. लि. सुंदर सागर गणि २. लि. उदयरत्न, कर्ताए स्वहस्ते लखेली छे. ३ पत्र १२१-१२२ भेगां छे. ४. राजनगर ५ प्रथम कर्मग्रंथ गाथा १८ पर्यंत, अपूर्ण ६ लि. राजनगरे पत्र ५२थी ६३ नथी. ७. लि. रत्नविजय, प्रथम पत्र नथी ८. पत्र ९३ डबल छे. ९ पत्र १३८, १३९ भेगां छे. पत्र १७७मुं नथी. १०. लि. सुरत ११. प्रथम पत्र नथी. १२ लि विनितविजय अवरंगाबाद १३. लि. कुशलविजय, गांदली नगरे.

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
(२) शालिभद्र सज्झाय	लब्धिविजय						गु.		
(३) मृगापुत्र स्वाध्याय	सिंहविमल						गु.		
(४) दशार्णभद्र स्वाध्याय	लालविजय						गु.		
(५) अवंतीसुकुमाल चउढालीया	जिनहर्ष						गु.		
(६) महावीरजिन स्तवन	समयसुंदर						गु.		
६३८ धर्मपरीक्षा[१]				१५	१७३८		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
६३९ उपदेशमाला प्रकरण	धर्मदासगणि			१८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
६४० आरामशोभा कथा				८	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
६४१ दश श्रावक चरित्र[२]	शुभवर्धन			३६	१६३२	१५८६	प्रा.		१०। × ४।
६४२ दमयंती चपू कथा	त्रिविक्रमभट्ट		२५००	६४	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
६४३ विपाक सूत्र[३]				५५	१६००		प्राकृत		१०। × ४।
६४४ वृत्तरत्नाकर वृत्तिसह[४]	केदारभट्ट	समयसुंदरजी		१९	१७२४	१६९४	सं.	उत्तम	१०। × ४।
६४५ वृत्तरत्नाकर वृत्तिसह	केदारभट्ट	सोमचंद्रसूरि	११९०	३१	१७मो	वृ.१३२९	सं.	जीर्ण	१०। × ४।
६४६ वसुधारा				११	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
६४७ वसुधारा				९	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
६४८ प्रज्ञापनोपांग सूत्र			७७८७	२११	१५६५		प्रा.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
६४९ विमलमंत्रीश्वर रास[५]	लावण्य समय		२१००	८५	१६२४	१५६८	गु.	मध्यम	१०। × ४।
६५० व्यवहार सूत्र भाष्य				११७	१६मो		प्रा.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
६५१ उत्तराध्ययन सूत्र निर्युक्ति	भद्रबाहुस्वामि			२२	१४६६		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
६५२ ओघनिर्युक्ति अपूर्ण				१२	१६मो		प्रा.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
६५३ रूपसेनराय कथा	जिनसूर (सुधाभूषण शिष्य)			२१	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
६५४ रूपसेनराय कथा	जिनसूर (सुधाभूषणशिष्य)			२८	१६४१		सं.	उत्तम	१० × ४।
६५५ रूपसेनराय कथा[६]	जिनसूर (सुधाभूषणशिष्य)			२२	१६४८		सं.	उत्तम	१० × ४।
६५६ अध्यात्मकल्पद्रुम वृत्तिसह[७]	मुनिसुदरसूरि	रत्नचंद्रगणि	२४५९	६७	१६७६	टी.१६७४	सं.	उत्तम	१०। × ४।
६५७ औपपातिकोपांगसूत्रवृत्ति[८]		अभयदेवसूरि		८०	१५९८		सं.	उत्तम	१०। × ४।
६५८ औपपातिकोपांगसूत्र सस्तबक				११५	१७२९		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
६५९ समरादित्यकेवलीरास[९]	पद्मविजय			२४०	१८४४	१८४१	गु.		१०। × ४।।

१. लि. पुण्यविजय २. लि. खरोडग्राम ३. देवासनगरे लि. पदमाकरण ४. मेदनीतट लि. मेनसिंग ५. प्रथम पत्र नथी, खंड १थी ९. ६. ऋषि गोपाल लि. ७. सूर्यपुर नगरे ८. लि. चित्रकोट दुर्गे लि. ज्ञानकीर्ति ९. साकरराम

B-3

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
६६०	(१) जीवविचार स्तवन	वृद्धिविजय			१ थी ३	१८मो		गु.	सारी	१०।।।×४।।।
	(२) अतरीक्षपार्श्वजिन स्तवन	लावण्य समय			३ थी ४			गु.	सारी	१०।।।×४।।।
६६१	चैत्यवंदन भाष्य सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			१३	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।।
६६२	अंबडपरिव्राजक कथानक गद्य[1]	अमरसुंदर			२ थी ३३	१८२२		सं.	सारी	१०।।×४।।।
६६३	नवतत्त्वरास[2]	कवित्रभणदास		गाथा.८०९	३६		१६७६	गु.		१०।।×४।।
६६४	षडावश्यक सूत्राणि				११	१८मो		प्रा.	मध्यम	१०।।×४।।
६६५	श्रीपालरास	विनयविजयजी-यशोविजयजी		गा.१२३६	५७	१८मो	१७३८	गु.	उत्तम	१०।×४।।
६६६	कामधेनु पद्धति अपूर्ण				४८	१७मो		सं.	उत्तम	१०।।×४।।
६६७	दंडक प्रकरण	गजसार			२	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।।
६६८	सूत्रकृतागसूत्र निर्युक्ति	भद्रबाहुस्वामि			८	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।।
६६९	संबोधसप्ततिका पकरण सस्तबक	रत्नशेखर (जयशेखर)			९	१८४७		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×।।
६७०	विपाकसूत्र			१२१६	२६	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१०।।×४।
६७१	अनुयोगद्वार सटीक त्रिपाठ		मल०हेमचंद्रसूरि	मू.२०००, टी.६०००	१०००	१६६४		प्रा.सं.	उत्तम	१०।×४।
६७२	षडावश्यक सूत्राणि[3]				१७	१८मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०।×४।।
६७३	अतकृद्दशांगसूत्र सस्तबक[4]				४५	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	१०।×४।।
६७४	विशतिस्थानक विचारसार[5] पुन्यविलासरास	जिनहर्ष		ढाल-१३२ गा.३२८७ ग्रं.५०२५	११६	१७७८		गु.	मध्यम	१०।×४।।
६७५	शांतिनाथचरित्र पद्य सस्तबक[6]	अजितप्रभसूरि		प्र. १ थी ६	३३३	१८३०		सं.गु.	मध्यम	
६७६	दशवैकालिकसूत्र बालावबोध[7]	राजहंसोपाध्याय			१२२	१८९२		गु.	मध्यम	१०।×४।।।
६७७	राजप्रश्नीय उपागसूत्र सस्तबक				२००	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०×४।।
६७८	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र सस्तबक	जिनकीर्तिसूरि			१०७	१८३८		सं.गु.	उत्तम	१०×४।।
६७९	राजप्रश्नीय उपांगसूत्र सस्तबक			६५००	१५९	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।
६८०	मलयसुंदरी-महाबलरास[8]	उदयरत्न		ग्रं. ४०८४ गा. २९७५	७६	१८००	१७६६	गु.	उत्तम	१०×४।।
६८१	हरिबल रास[9]	लब्धिविजय		गा.१३३	६७	१८१३	१८१०	गु.	मध्यम	
६८२	सीमंधरस्वामि विज्ञप्तिरूप ३५० गाथानुं स्तवन बालाव० सह	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि		८५	१७९०		गु.	उत्तम	१०।।×४।।

१. पालनपुर, प्रथम पत्र नथी २. रचना-रंभावती ३. पत्र १२मुं १५मुं नथी ४. बंने तरफ त्रिपुष्ठिका छे ५. रत्नसागर लि. ६. सर्व ग्रंथाग्र २१४३५ पं. रामविजय लि. उंदरे करडेली ७. से. स्थल, पाटण ८. लि. संघवी फोतचंद सुरसंग पाटण, रचना-रोडा, हरीयाला ९. गजविजय लि. वडनगरे

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
६८३	समकित सड़सठ बोल सज्झाय[१]	उ. यशोविजयजी			६	१९मो		गु.	जीर्ण	१०॥ × ४॥
६८४	रामचरित्रादुद्धृतश्लोकसङ्ग्रह[२]				१४	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४॥
६८५	दान शील तप भावना संवाद	समयसुदरजी			७	१७७६	१६६२	गु.	उत्तम	१०। × ४॥
६८६	दीपालिका कल्प[३]	जिनसुदर			११	१७७२	१४७३	सं.	उत्तम	१०। × ४।
६८७	दंडकप्रकरण स्वोपज्ञ वृत्तिसह त्रिपाठ	गजसार			४	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
६८८	भक्तामरस्तोत्र बालावबोध	मानतुङ्गसूरि		वृत.४४	२५	१७८८		सं.गु.	उत्तम	१०। × ४॥
६८९	भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह	मानतुङ्गसूरि	गुणाकरसूरि	वृ.४४ ग्रं.१५७२	३०	१७मो	वृ.१४३६	सं.		१०। × ४।
६९०	भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ	मानतुङ्गसूरि	कनककुशलसूरि	वृ.४४ ग्रं.६९३	१४	१७४३	वृ.१६५२	सं.		१०। × ४॥
६९१	अंचलगच्छीय[४] देवसीप्रतिक्रमण विधि				९	१८मो		प्रा.गु.		१०। × ४॥
६९२	दंडक ओगणत्रीसी बोल विचार[५]				२३	२०मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
६९३	देवाप्रमोत्सवः सामान्य जिनस्तव[६] वृत्तिसह त्रिपाठ	जयानंदसूरि	रत्नचंद्रगणि		५	१७१२	वृ.१६८२	सं.		१०। × ४॥
६९४	दंडकप्रकरण बालावबोध सह	गजसार			१९	१९मो		प्रा.गु	उत्तम	१०॥ × ४॥
६९५	सीमंधरजिन स्तवन	यशोविजयजी			२	१९मो		गु.		१०। × ४॥
६९६	श्रावक अतिचार				४	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥।
६९७	शत्रुंजय स्तवन	प्रेमविजय			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥।
६९८	राजप्रश्नीयउपांगसूत्र बालावबोध				४१	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
६९९	जीमूतवाहन कथानक अभयदान विषये				३	१७मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
७००	पंचप्रतिक्रमणविधि अपूर्ण				८	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
७०१	कथासङ्ग्रह त्रुटक				२५	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४॥
७०२	षडावश्यकविधि				१	२०मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥।

१. पुर्गपुर २. पत्र १थी ४ नथी ३ पत्तनपुर ४. सूरतबंदर ५. लि. काशीराम पाटण ६. लि. विनीतचंद्र

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
७०३	प्रभातप्रतिक्रमण विधि[1]				३	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
७०४	नवकाररास सज्झायादि[2]				९	१९१४	१७२५	गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
	(१) नवकाररास	पद्मविजयजी						गु.		
	(२) कक्को रास	मुनि महेस						गु.		
	(३) सरस्वती छंद							गु.		
	(४) हितशिखामण सज्झाय	प्रेमविजय						गु.		
	(५) दशवैकालिक अध्ययन १-२जुं							गु.		
	(६) वयरकुमार स्वाध्याय	पद्मविजय						गु.		
	(७) रात्रीभोजन सज्झाय	सोमसुंदर शिष्य						गु.		
७०५	देवाप्रभोस्तव रत्नाकर-पचविंशति सस्तबक	जयानदसूरि रत्नाकरसूरि			६	२०मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
७०६	सारस्वतव्याकरण बालावबोध[1]				५९	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
७०७	कथासङ्ग्रह				२६ थी १०४			सं.	मध्यम	१०। × ४।।
७०८	सारस्वत व्याकरण	अनुभूति स्वरूपाचार्य			८९	१८२९		सं.	मध्यम	१० × ९।।।
७०९	चतुर्विंशति जिन स्तवन बालाव०सह	देवचंद्र (खर.)		३८००	८८	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
	मयसार नाटक	बनारसीदास			१४६	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
	सस्तबक		मेघचंद्र	६९३४	१५०	१७६५		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।।
,२	सारस्वतव्याकरणटीका[4]		चद्रकीर्ति	७०००	१५४	१७मो	१७मो	सं.	उत्तम	१० × ४।।
७१३	उपदेशमालाप्रकरण[5] बालावबोधसह	धर्मदासगणि	वृद्धिविजयजी		२०२	१७६७	वा.१७३१	प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।
	उपदेशमालाप्रकरण सस्तबक	धर्मदासगणि			५७	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
	शांतसुधारस	विनयविजयजी उ.			१७	१९मो	१७२३	सं.	मध्यम	९।।। × ४।।
६	सिद्धदत्त राजर्षि कथा				९	१९मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।।
७१७	सबोधसप्ततिकाप्रकरण सस्तबक	रत्नशेखर (जयशेखर)			२४	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७१८	शांबप्रद्युम्नरास	समयसुंदर			१९	१८मो	१७२९	गु.	उत्तम	९।।। × ४।।

१. राइप्रतिक्रमणविधि २. राजनगर. ३. पत्र ९थी २३ नथी ४. पत्र १४मुं डबल ५ पत्तननगर, पत्र १०६मुं नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
७१९	दीपालिका कल्प	जिनसुंदर			१४	१८१४	१४७३	सं.	उत्तम	१०×४।।
७२०	दान शील तप भावना संवाद[1]	समयसुंदरजी			४	१८मो	१६६२	गु.	उत्तम	१०×४।
७२१	महावीरजिन निर्वाण स्तवन	गुणहर्ष			१२	१८६८		गु.	उत्तम	९।।।×४।
७२२	वीरजिन स्तवन[2]	गुणहर्ष (तपा.)		क.१२२	६	१८४४		गु.	उत्तम	९।।।×४।
७२३	रसवेल	वृद्धिचंद्र		ग्रं.२००	४	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।।
७२४	वयरस्वामि स्वाध्याय	जिनहर्ष			६	१७६७	१७५९	गु.	जीर्ण	१०×४।।
७२५	श्रीपालरास	विनयविजयजी-यशोविजयजी			५२	१८मो	१७३८	गु.	मध्यम	१०×४।
७२६	भावप्रकरण बालावबोध सह[3]	विजयविमल			१२	१८७९		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।
७२७	भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह	मानतुङ्गसूरि	मेघविजयोपाध्याय		२७	१८मो		सं.	उत्तम	१०×४।।
७२८	उपधानविधि स्तवन[4]	विद्याचंद्रशिष्य उत्तमचंद्र			५	१७१३		गु.	उत्तम	९।।।×४।
	सिद्धपुरमंडण चद्रप्रभजिन स्तुति							गु.	उत्तम	९।।।×४।
	ईडर मंडण आदीश्वर जिन स्तवन							गु.	उत्तम	९।।।×४।
७२९	आचाराङ्गसूत्र प्रथमश्रुत[5] स्कंध बालावबोधसह मञ्यपाठ		वा. पार्श्वचंद्र		७३	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।।।×४।।
७३०	अष्टोत्तरी स्नात्र विधि				३२	१८२७		गु.	उत्तम	१०×४।।
७३१	ईलाचीकुमाररास[6]	न्यायसागर			७	१८३१	१७१९	गु.		१०×४।।
७३२	आलोचना विधि				१७	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
७३३	स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह[7]	अनेक आचार्य			१४	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
	(१) आदीश्वर जिन स्तवन	केशरविजय						गु.	उत्तम	
	(२) कृष्णजी बारमास							गु.	उत्तम	
	(३) निश्चय व्यवहार स्वाध्याय	हंसभुवनसूरि						गु.	उत्तम	
	(४) पार्श्वनाथ स्तवन	गुणविमल						गु.	उत्तम	
	(५) पार्श्वनाथ स्तवन	उदयरत्न						गु.	उत्तम	
	(६) आलोयण छत्रीसी	समयसुंदर						गु.	उत्तम	
७३४	ज्ञानसार-पूर्णताष्टक	यशोविजयोपाध्याय			१	१९मो		सं.	उत्तम	१०×४।।
७३५	श्रावक आराधना	समयसुंदर			५	१८मो		सं.	उत्तम	९।।।×४।।
७३६	गौतमकुलक सस्तबक[8]				४	१८६३		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।

१ सोनारी करेली छे. २. ले पाल्हणपुर ३. लि हर्षविमल ४. कर्ताए लखेली, एक चित्र पुष्पिका छे. ५. पत्र १-२ नथी ६ पालनपुर ७. पत्र ११-१२मुं नथी ८. पालनपुर

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
७३७	अरहन्नक-अरणिकमुनिरास[1]	महिमासागर शिष्य आणंद			४	१७८१	१७०४	गु.		९।।। × ४।।
७३८	वीरजिन स्तुति गर्भित-[2]									
	ढुंढकमत निराकरण स्तवन						मू १७३३			
	बालाव०सह	उ. यशोविजयजी	स्त. पद्मविजय	३३६४	८६	१९मो	स्त.१८४९	गु.	उत्तम	९।। × ४।।।
७३९	दंडकप्रकरण सस्तबक[3]	गजसार		मू गा.३७	१ थी ६	१७७०		प्रा.गु.	उत्तम	९।। × ४।।
	सोलसज्ञावर्णन कुलक[4]									
	सस्तबक			मू गा. ५	८मु			प्रा.गु.	उत्तम	
७४०	चंदराजारास[5]	मोहनविजयजी			९८	१९मो	१७८३	गु	उत्तम	९।।। × ४।।
७४१	आत्मबोधकुलक सस्तबक[6]	जयशेखरसूरि			७	१८३७		प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
७४२	पाक्षिकसूत्र-पाक्षिक-									
	क्षामणा अवचूरि				१७	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
७४३	साधुप्रतिक्रमणसूत्र अवचूरि									
	सह पञ्चपाठ				३	१४८५		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
७४४	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक[7]				३८	१७८८		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।।
७४५	षडावश्यकसूत्राणि				१३	१९मो		प्रा सं.	उत्तम	१०। × ४।।
७४६	साधु अतिचार				४	२०मो		गूर्जर	उत्तम	१०।। × ४।।
७४७	पाक्षिकसूत्र-पाक्षिक-[8]									
	क्षामणा अवचूरि				७	१५२४		सं.	उत्तम	१० × ४।।
७४८	पाक्षिकसूत्र				३	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।
७४९	पाक्षिकसूत्र सस्तबक अपूर्ण				९३+१४	१९मो		प्रा.गु.		१० × ४।।
७५०	परिशिष्टपर्व	हेमचद्राचार्य		सर्ग.१-१३	१२८	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
७५१										
७५२	प्रबोधचिंतामणि[9]	जयशेखरसूरि			५६	१८मो	१४६२	सं.	उत्तम	१०। × ४।
७५३	कर्मग्रथचतुर्थ सस्तबक	देवेन्द्रसूरि		२५००	७६	१७९२		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
७५४	चतु.शरणप्रकीर्णक अवचूरि[10]				९	१६९९		सं.		१०। × ४।
७५५	चतु शरणप्रकीर्णक[11]									
	बालावबोध		पार्श्वचंद्र		३३	१७६१		गु.	उत्तम	१० × ४।।

१. ज्ञानचंद्र लि २. राजनगरे माणविजय लि रचना-इदलपुर ३. अपूर्ण, पत्र ७मुं नथी ४. अपूर्ण ५ पत्र ८० डबल छे ६. रूपविजय लि. वीसलनगर ७. अहमदपुर पत्र १९मुं तथा २५-२६मुं नथी. ८ खदिराराय नगर ९. लि. पत्तन नगरे र खंभात १०. लि. शुभविजय पिंडरवाडा ग्राम ११. लि. सुंदरविजय

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
७५६	उत्तराध्ययनसूत्र दीपिकासह				२१८	१४९४		प्रा.स.	उत्तम	१०। × ४।।
७५७	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह[1]	भद्रबाहुस्वामि	विनयविजयजी		१६३	१७७२	वृ.१६९६	प्रा.सं.		१० × ४।।
७५८	औपपातिकोपांगसूत्र सस्तबक[2]				९६	१६७१		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
७५९	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह[3]	भद्रबाहुस्वामि	विनयविजयजी		२१९	१८१४	वृ.१६९६	प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।।
७६०	सिद्धांतविचार				२४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
७६१	औपपातिकोपांगसूत्र वृत्तिसह त्रिपाठ		अभयदेवसूरि	४३१०	१२६	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
७६२	पिंडविशुद्धि प्रकरण दीपिकासह[4]	जिनवल्लभ	उदयसिंह		२१	१७मो	टी. १२९५	प्रा.सं.	मध्यम	१०। × ४।
७६३	पाक्षिकसूत्र वृत्ति[5]	यशोदेवसूरि			४७	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
७६४	जयतिहुयणस्तोत्र-पाक्षिकक्षामणा	अभयदेवसूरि			३	१७मो		अपभ्रंश प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
७६५	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक[6]				११६	१७६५		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७६६	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक[7]				१४३	१७७१		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
७६७	गौतमपृच्छा बालावबोध बीजक सह		विसालराज		३७	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७६८	कर्मग्रंथ द्वितीय तृतीय सस्तबक[8]	देवेन्द्रसूरि			४९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७६९	कर्मग्रंथ चतुष्क सस्तबक[9]	देवेन्द्रसूरि	जीवविजयजी		४५	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	
७७०	गौतम पृच्छा बालावबोध सह[10]		विसालराज		६४	१८३४		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७७१	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण[11] सस्तबक	रत्नशेखर		मू.गा.२६७	६०	१७१३		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७७२	सप्ततिकाप्रकरण[12] बालावबोध सह		यशसोम शिष्य तपा. (जयसोम)	मू.गा.९३ ग्रं.३६००	६६	१७५३		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१० × ४।
७७३	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि		९०	१७मो	वृ.११२०	सं.	जीर्ण	१०। × ४।
७७४	हरिविक्रमचरित्र[13]	जयतिलकसूरि		४७५०	७९	१६मो		सं.	जीर्ण	१०। × ४।
७७५	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र[14]			५३३४	९०			प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
७७६	पंचनिर्ग्रंथी प्रकरण[15] सावचूरि पञ्चपाठ	अभयदेवसूरि		मू.गा.१०६	५	१६६२		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।

१. राजनगर २. लि. पानशेखर, पत्र १थी ९ नथी ३. प्रह्लादनपुर पत्र १६७-१६८ भेगा ४. बीजापेली, एकतरफ चित्रपृष्ठिका छे. पत्र ८थी ९, १५, १६ नथी ५. प्रथम पत्र नथी ६. जालोर नगरे आमिनिवत्र लि. ७. लि. प्रेमकवि- भुज नगरे, पत्र २८मुं डमरा ८. पत्र २६ थी ४९ छे. ९. पत्र ३३मुं नथी १०. नाडूल नगरे ११. चित्र सह १२. मुनि लक्ष्मीरत्न लिखित १३. पत्र १, २ नथी पत्र १८मुं डमरा छे १४. लि. लक्ष्मणमुनि १५. लि महिसाणा नगरे, गणि मानविजय लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
७७७	पंचनिर्ग्रंथी प्रकरण अवचूरि				१४	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
७७८	सम्यक्त्वसप्तति प्रकरण तत्त्वकौमुदी टीकासह		सघतिलक	७७११	१७४	१६मो	१४२२	प्रा.स	उत्तम	१०। × ४।।
७७९	स्थानागसूत्र दीपिका वृत्तिसह त्रिपाठ		मेघराज	११९१७	२७७	१७मो		प्रा.सं.		१०। × ४।
७८०	तर्कभाषा	केशवमिश्र			३७	१८मो		स.		१०। × ४।
७८१	प्रतिमापूजा स्थापन विचार				८	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
७८२	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय[1]	देवेन्द्रसूरि			१०	१६६५		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
७८३	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय पञ्चपाठ बालावबोधसह	देवेन्द्रसूरि			१०	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।
७८४	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय त्रिपाठ अवचूरिसह	देवेन्द्रसूरि	सोमसुदरसूरि		२०	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।
७८५	शातिनाथचरित्र पद्य[2]	भावचंद्रसूरि			२४९	१६५७		सं.	जीर्ण	१० × ४।।
७८६	शतकप्रकरण (कर्मग्रंथ पचम)[3] सस्तबक	देवेन्द्रसूरि		मू.गा.१००	७५	१८मो		प्रा.गु.	जीर्णप्राय.	१० × ४।
७८७	शतकप्रकरण सस्तबक[4]	देवेन्द्रसूरि	विद्यासागर शिष्य ज्ञानसागर	मू.गा.१००	२७	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
७८८	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक[5]	सिद्धसेनसूरि	जिनवर्धनसूरि	४२५	६	१९मो		स.गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
७८९	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक	सिद्धसेनसूरि		४००	१९	१७२१		सं.गु.	उत्तम	१० × ४।।
७९०	कालिकाचार्य कथा				८	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
७९१	औपपातिकोपांगसूत्र				३५	१५७२		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
७९२	उपदेशरत्नाकर	मुनिसुंदरसूरि			२२४	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।।
७९३	उपदेशमाला प्रकरण[6]	धर्मदासगणि		गा.५४४	२८	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
७९४	कल्पसूत्र सस्तबक	भद्रबाहुस्वामि		३४३६	१२९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
७९५	चित्रसेनपद्मावती कथा[7] सस्तबक	राजवल्लभ	भक्तिविजय		८०	१८१९		सं.गु.	उत्तम	१० × ४।।।
७९६	जंबूकुमाररास[8]	ज्ञानविमलसूरि		१०००	२४	१८४७	१७३८	गु.	उत्तम	१० × ४।।

१. लि. जयविजय २ महिमदावादे लि. परमानद ३. प्रथम पत्र नथी ४. पत्र २६मुं नथी ५ लि. नेतसी ६. पत्र २३-२५-२६-२७ नथी ७. बे बाजु चित्र पुष्ठिका छे. कृष्णविजय लि.
८. लि. सुमतिविजय पत्तन

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
७९७ चोवीस जिन स्तवन	मानविजयजी		२४०	८	१७९१		गु.	उत्तम	१० × ४॥
७९८ चोवीस जिन स्तवन[1]	पद्मविजयजी		२४०	११	१८४२		गु.	उत्तम	१० × ४॥
७९९ चोवीस जिन स्तुति-चोय[2]				७	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
चोवीस जिन चैत्यवंदन	लावण्यविजयजी								
८०० दंडकप्रकरण	गजसारमुनि		गा.४४	४	१९मो		प्रा.	मध्यम	९॥। × ४॥
८०१ कर्मग्रंथ षष्ठ (सित्तरी) सस्तबक[3]	देवेन्द्रसूरि		मू.गा.९३	८७	१८३३		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
८०२ शांतिनाथ चरित्र गद्य[4]	भावचंद्रसूरि			२२१	१८मो	१५३५	सं.	उत्तम	१० × ४॥
८०३ गुणस्थानप्रकरण[5]									
स्वोपज्ञवृत्ति सह	रत्नशेखर			९	१७२३		सं.	उत्तम	९॥। × ४॥
८०४ अष्टप्रवचनमाता सज्झाय	देवचंद्र			८	१९मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
८०५ चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय									
सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			२६	१८०५		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४॥
८०६ प्रशस्तपाद भाष्य-द्रव्य सङ्ग्रह				५	१७८७		स.		१० × ४॥
८०७ भरत चिगमना निविचाताना[6]									
चोढालीया				३	१८४०		गु.	उत्तम	१० × ४॥
८०८ चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय[7]									
अवचूरि सह	देवेन्द्रसूरि			१३	१७३३		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४॥
८०९ शत्रुंजय माहात्म्य सस्तबक	धनेश्वरसूरि			६३०	१७८८		सं.गु	मध्यम	९॥। × ४॥।
८१० (१) श्राद्धविधि प्रकरणविधि-[8]									
कौमुदी स्वोपज्ञटीकासह	रत्नशेखरसूरि		६७२१	१ थी ५००	१७मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१०। × ४।
(२) श्राद्धविधि प्रकरण-									
विधि कौमुदी स्वोपज्ञटीकासह	रत्नशेखरसूरि			५०१ थी १०१८	१७मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१०। × ४।
८११ कुमारपाल रास	ऋषभदास			१८२	१७४२	१६७०	गु.	उत्तम	१० × ४॥
८१२ कल्पसूत्र किरणावली टीका[9]	धर्मसागर		५२१६	२००	१७मो	१६२८	सं.	मध्यम	१० × ४।
८१३ कल्पसूत्र बालावबोध सहित[10]									
सामाचारी विभाग	भद्रबाहुस्वामि	सोमविजयजी		२३९	१७०८	गा.१७०७	प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।
८१४ जीवाभिगमोपांगसूत्र			४८५०	१४२	१७मो		पा.	उत्तम	१०। × ४।

१ [illegible], [illegible] २ [illegible] ३ लि. खंभात ४ लि. मोहनविजयजी ५ रंगविजयजी ६ लि. खंभात [illegible] ७ नेमविजयजी ८.लि. [illegible], पत्र १३५ [illegible] १, १६०-१६१ [illegible] ९ पत्र १५१मुं [illegible] १०. [illegible], पत्र १थी ८ नथी, १९८-१९९नथी, [illegible] पानां नथी ११ लि. [illegible], पत्र १५१-१३२ [illegible]

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
८१५	श्रीपालरास[1]	विनयविजय-यशोविजय			९१	१८८६	१७३८	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८१६	श्रीपालरास. सस्तबक	विनयविजय-यशोविजय			६०	१८८४	१७३८	गु.	उत्तम	१०।। × ४।।।
८१७	षडावश्यक बालावबोध	हेमहंस			९२	१९मो	१५०१	गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
८१८	प्रतिमाशतक सटीक त्रिपाठ[2]	उ. यशोविजयजी	स्वोपज्ञ		१५१	१७७०		स.	मध्यम	१०। × ४।।
८१९	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक[3]			मू.गा.५४	१३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
८२०	कल्पसूत्र बालावबोध सह[4]	भद्रबाहुस्वामि			१४५	१६२५		प्रा गु.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
८२१	विपाकसूत्र सस्तबक[5]				६५	१७३८		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
८२२	वीतरागस्तोत्र	हेमचद्राचार्य		प्रकाश १ थी २०	८	१७७२		स	मध्यम	१०। × ४।।
८२३	चतुर्दश गुणस्थानक भास[6]	माणिकविजय (तपा.)			१९	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८२४	षोडशकप्रकरण वृत्तिसह[7]	हरिभद्रसूरि	यशोभद्रसूरि		५२	१९मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०।।। × ४।।
८२५	शालिभद्र धन्नारास[8]	जिनराज (मतिसार)			२२	१७५६	१६३८	गु	उत्तम	१०।। × ४।।।
८२६	सिद्धांतचन्द्रिका[9]	रामचद्राश्रम			१०२	१७७१		सं.	उत्तम	१०।। × ४।।
८२७	सबोधसप्ततिका बालाव०सह	रत्नशेखर (जयशेखर)	जयसोम		२०	१७५२	१७०३	प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
८२८	सबोधसप्ततिका सस्तबक[10]	रत्नशेखर (जयशेखर)			२०	१९७१		प्रा गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८२९	अष्टप्रकारी पूजा									
	सिद्धचक्रना दूहा	देवचंद्रजी			४	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
८३०	शालिभद्र चोपई[11]	जिनराज (मतिसार)			१८	१८२५	१६३८	गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
८३१	स्तवन सङ्ग्रह-स्तवनावलि	सकलचद्र			२३	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
	(१) वर्धमान जिन वेली	सकलचद्र						गु.		
	(२) वीरहुडी स्तवन	सकलचंद्र						गु.		
	(३) गणधरवाद स्तवन	सकलचंद्र						गु.		
	(४) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गु.		
	(५) साधारणजिन स्तवन	सकलचंद्र						गु.		
	(६) चतुर्विंशतिजिन स्तवन	सकलचद्र						गु.		
	(७) सीमंधर जिन स्तवन	सकलचद्र						गु.		
	(८) शंभुवरप्रकृति स्तुति	सकलचंद्र						गूर्जर		
	(९) ऋषभसमता सुलभ	सकलचद्र						गूर्जर		

१. पत्र १८-१९ भेगां छे. पेथापुरे उत्तमवि. लि. २. भींजायेल, राजनगरे ३. पाटणनगरे लि. ४. नडुलाइनगरे लि., सांधेली छे. ५. लि. पत्तननगरे पुण्यविजय ६. पत्र १लुं नथी ७. रायधनपुर ८. सुबुद्धिकुशल ९. लि दानचंद्र, पत्तने १०. राधनपुर ११. जीवणविजय, पेसुआ ग्राम

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
(१०) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(११) वीरजिनस्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१२) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१३) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१४) पार्श्वनाथ स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१५) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१६) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१७) महावीरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१८) महावीरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(१९) सीमंधरजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(२०) पार्श्वनाथजिन स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(२१) गौतम दिपालिका स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(२२) रागाणी स्तवन	सकलचंद्र						गूर्जर		
(२३) सीमंधर जिन स्तवन	नयसुंदर						गूर्जर		
(२४) सीमंधर जिन स्तवन	सकलचंद						गूर्जर		
८३२ वैराग्य शतक सस्तबक[1]			४५०	१६	१८मो		पा.गु.	जीर्ण	१०। × ४।।
८३३ ज्ञानपंचमी कथा			मू.गा.१०४	५	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
८३४ षट्पंचाशिका बालावबोध सह त्रिपाठ	भट्टोत्पल			५	१८२६		स.गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
८३५ सम्यक्त्व स्वरूप गर्भित-वीर सस्तबक				३	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८३६ युगादिजिनस्तव अवचूरि सह त्रिपाठ				१२	१८मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।।
८३७ सीमंधरस्वामि सवासो गाथानुं स्तवन	उ.यशोविजयजी			६	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
८३८ वैराग्यशतक सस्तबक[1]			मू.गा.१०४	१३	१९मो		प्रा गु.	मध्यम	१०। × ४।।
८३९ सारस्वतव्याकरण सहित [illegible]				१०८	१९मो		सं	मध्यम	१०। × ४।।।

१ [illegible]

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
८४०	पचाख्यान बालावबोध				१३२	१९मो		स.गु	उत्तम	१०। × ४।।
८४१	चोवीश जिन स्तवन[१] बालाव० सह	देवचद्रजी			८७	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
८४२	पाक्षिकसूत्र पाक्षिक क्षामणा				१९	१९मो		प्रा	मध्यम	१०। × ४।।
८४३	प्रतिक्रमणक्रमविधि	जयचद्र गणि		६००	१६	१८मो		प्रा.स.	उत्तम	१०। × ४।।
८४४	पुण्यपाप कुलक सस्तबक				२	१८८१		प्रा गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८४५	षडावश्यक सूत्राणि				७	१९मो		प्रा स.	उत्तम	१०। × ४।।
८४६	पाक्षिकसूत्र सस्तबक				३०	१९२०		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८४७	प्रत्याख्यानभाष्य सस्तबक[२]	देवेन्द्रसूरि			१३	१८८१		प्रा गु	उत्तम	१०। × ४।।
८४८	प्रतिक्रमण हेतु गर्भ स्वाध्याय[३]	उ. यशोविजयजी			११	१९मो	१७४४	गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
८४९	साधुप्रतिक्रमण सूत्र				३	१८मो		प्रा	उत्तम	१०।। × ४।।
८५०	साधुप्रतिक्रमण सूत्र सावचूरि त्रिपाठ			४००	९	१७४२		प्रा.सं.	मध्यम	१० × ४।।
८५१	जबूस्वामि चरित्र सस्तबक	पद्मसुदरगणि			७१			प्रा.गु		१०। × ४।
८५२	जीवविचारप्रकरण सस्तबक	शातिसूरि			९	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
८५३	जीवविचारस्तवन	वृद्धिविजय			७	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४।।
८५४	जीवविचारप्रकरण सस्तबक[४]	शांतिसूरि		७२५	२०	१८२२		पा.गु	उत्तम	१०। × ४।।
८५५	दशवैकालिक निर्युक्ति			गा.४४५ ग्रं.५५६	९	१६मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
८५६	जीवविचार प्रकरण	शांतिसूरि			३	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
८५७	जीवविचार प्रकरण सस्तबक[५]	शातिसूरि			१६	१७७४		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।
८५८	जयतिहुयणस्तोत्र त्रिपाठ वृत्तिसह	अभयदेवसूरि			४	१७मो		अपभ्रश संस्कृत	उत्तम	१०। × ४।
८५९	जीवविचार प्रकरण[६]	शांतिसूरि			४	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
८६०	जीवविचार प्रकरण सस्तबक[७]	शांतिसूरि		२६४	६	१७६८		प्रा.गु	जीर्णप्रायः	१०। × ४।।
८६१	ज्योतिष बालावबोध	मुंजादित्य			११	१८मो		सं.		१०। × ४।।
८६२	एकादश गणधर देववंदन	ज्ञानविमलसूरि			७	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
८६३	कोकशास्त्र गद्य अपूर्ण				११	२०मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।

१. छनीयार लि. विनेकमल २. विसलनगरे लि. हेमविमल ३. रचना-सुरत ४. प्रथम पत्र नथी ५. बे बाजु चित्रपृष्ठिका छे, लि. विवेकविजय ६ लि. देवविजयजी ७. सोमजीमुनि लि. सुरत बदर

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
८६४ गौतमपृच्छा बालावबोध सह[1]				३८	१७७३		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४॥
८६५ गौतम प्रश्नोत्तर स्तवन[2]	ऋषभदास कवि			६	१९मो	१६७८	गु	जीर्ण	१०। × ४॥
८६६ भगवतीसूत्र[3]				६३३	१६९५		प्रा.		१० × ४।
८६७ भगवतीसूत्र वृत्ति[4]		अभयदेवसूरि	१८६१६	५१४	१६६८	११२८	सं.	उत्तम	१० × ४॥
८६८ श्रीचन्द्रकेवलीरास-आनंदमंदिर रास	ज्ञानविमलसूरि			२३३	१८३१	१७७०	गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥
८६९ शतक प्रकरण[5] (कर्मग्रंथ पंचम)	देवेन्द्रसूरि	जयसोम	मू.गा.१००	१३३	१८०८		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४॥
८७० श्राद्धप्रतिक्रमण सूत्र वृत्ति सस्तबक	देवेन्द्रसूरि	वंदारुवृत्ति	२७२०	२२२	१८मो		सं.गु.	मध्यम	१० × ४॥
८७१ षडावश्यक सूत्राणि[6] बालाव० सह				११८	१८०६		प्रा.सं.गु	उत्तम	९॥। × ४॥
८७२ षडावश्यक सूत्राणि बालाव० सह				१०५	१९मो		प्रा.सं.गु.	उत्तम	१० × ४॥
८७३ आगमसारोद्धार[7]	देवचंद्रजी			९७	१८१९		गु.	उत्तम	१० × ४॥
८७४ जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिउपांगसूत्र[8] सटीक त्रिपाठ		वृ.हीरविजयसूरि	१८४००	४५४	१६५०		प्रा.स.	उत्तम	१० × ४॥
८७५ कल्पसूत्र बालावबोध सह	भद्रबाहुस्वामि	खीमाविजयजी		१५१	१८४६		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
८७६ जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति उपांगसूत्र[9] सटीक त्रिपाठ		शांतिचंद्रोपाध्याय	१४२५२	४५५	१७मो	१६३९	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
८७७ जम्बूद्वीपप्रज्ञप्तिउपांगसूत्र[10] सस्तबक		जीवविजयजी		३११	१७८४ स्त.	१७७०	प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४॥
८७८ विंशतिस्थानक विचारसार[11] पुण्यविलास रास	जिनहर्ष			१५१	१८२२		गु.	उत्तम	१० × ४॥
८७९ प्रतिक्रमणसूत्राणि सस्तबक[12]				३८	१८१५		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४॥
८८० साधुप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक[13] (पगाम सज्झाय)				४	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४॥

१ पानेथी ग्राम २. पत्र ४नुं नथी ३. सोनेरीनागरे लि. पत्र ६५-६६ भेगां ४. केन्द्र पत्र चोटेलुं छे. ५. दि. भावनगर मा रचना [illegible] ६. पाटणनगरे मुनिविमल ७. पत्र १५३ मुं नथी ८. पत्र ४२५-४२६ भेगां छे. ९. पत्र १ थी १३ नथी, पत्र २३८मुं नथी, २३७मुं पत्र जबरा छे. १०. पत्र २८७-२९९ भेगां छे. पत्तननगरे भीमवि० लि. ११. पत्र ४२मुं डबल छे. १२ [illegible] १३ [illegible]

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
८८१	साधुप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक				७	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४॥
८८२	पोषदशमी कथा सस्तबक[1]	जिनेन्द्रसागर			८	१८७८		स.गु.	उत्तम	
८८३	ज्ञानपचीशी बालावबोध त्रिपाठी[2]	बनारसी दास			४	१८मो		व्रजहिंदी	उत्तम	९॥।×४॥
८८४	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण[3] सस्तबक	नेमिचद्रसूरि			१४८	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०×४।
८८५	दशवैकालिकसूत्र सटीक[4] त्रिपाठ	शय्यम्भवसूरि	समयसुदर	मू ७०० टी. ३४५०	११७	१७७२	टी.१६९१	प्रा.सं.	उत्तम	१०×४॥
८८६	दशवैकालिकसूत्र सावचूरि[5] त्रिपाठ	शय्यम्भवसूरि			३७	१७मो		प्रा.सं.	जीर्णप्राय.	१०×४॥
८८७	धम्मिल कथानक पद्य[6]			पद्य.२४२	७	१६५९		सं.	उत्तम	१०×४।
८८८	धातुरूपावली				१६	१८मो		स.	मध्यम	१०×४।
८८९	कथासङ्ग्रह गद्य				६५	१७९१		सं.	मध्यम	९॥।×४॥
८९०	धर्मनाथ स्तवन[7]	उ.विनयविजयजी		क.१३६	७	१९मो	१७१६	गु.	उत्तम	१०×४।
८९१	सुत्राकृतागसूत्र त्रूटक[8]				७८	१८मो		प्रा.	जीर्ण	१०।×४॥
८९२	सम्यक्त्व कौमुदी				२६	१७मो		स.	जीर्ण	१०×४।
८९३	साधु अतिचार[9]				२	१८मो		गु.	उत्तम	१०×४।
८९४	स्याद्वाद मंजरी[10]	मल्लिषेणसूरि		३२००	३६	१६मो		सं	जीर्ण	१०×४।
८९५	स्थानागसूत्र वृत्ति[11]		अभयदेवसूरि	१४६६१	३०१	१७मो	११२०	सं.	उत्तम	१०×४।
८९६	नेमिनाथ रास[12]	पद्मविजयजी		७२२५	२७३	१८२१	१८२०	गु.	उत्तम	१०×४।
८९७	प्रवचनसारोद्धार सटीक[13]	नेमिचंद्र	सिद्धसेनसूरि	१८०००	३५६	१६७३	वृ १२४२	प्रा सं.	उत्तम	१०×४।
८९८	प्रद्युम्न चरित्र पद्य	रत्नचद्र			१०६	१७मो	१६८१	स.	उत्तम	१०×४।
८९९	आवश्यक शिष्यहिता टीका[14]		हरिभद्रसूरि	२२००	६८७	१६५३		सं.	उत्तम	१०×४।
९००	अभिधानचितामणिनाममाला[15]	हेमचंद्राचार्य		कांड.१-६	९९	१८मो		सं.	जीर्ण	९॥।×४।
९०१	अभिधानचिंतामणिनाममाला[16]	हेमचंद्राचार्य		१६४६	७१	१७४१		सं.	उत्तम	१०×४॥

१. रत्नविजय लि. भीनमाल २. भाग्योदयविमल ३. पत्र १०९ डबल, ११२, ११३ भेगां छे. ४. टीका रचना-स्तंभतीर्थ, लि. पत्तन ५. पत्र बीजुं नथी ६. गणि जयविमल लि. ७. रचना-सुरत ८ लि. नागपुर, उधईथी भक्षित, जोषी तुलसीदास लि. पत्र १थी ३१ तथा ५८थी ६१ नथी ९. लि. पं. मेरुविजय १०. ईलादुर्ग ११. पत्र १८४-२९७ डबल छे. १२. पत्र २३८ मुं डबल छे, सिद्धपुर नगर १३. पत्र २४१-२४२मुं भेगां छे. लि. पंडया कला सुत रहीया १४. लि. मई विष्णुदास १५. ऋषि मनजी लि. पत्र १थी१७,२५थी७३,९९मुं नथी १६. लिंचग्राम लि. केशरविजयजी, पत्र ६२मुं नथी.

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१०२ अमरसेण वयरसेणकथानक[१]				८	१७०४		सं.	मध्यम	१०×४।
१०३ (१) श्रावक अतिचार[२]				१०	१८मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
(२) महावीर स्तवन	रंगविजय						गु.	उत्तम	
(३) शत्रुंजय स्तवन	जयविमलजी						गु.	उत्तम	
(४) शांतिनाथ स्तवन	मेघविजयजी						गु.	उत्तम	
१०४ अष्टोत्तरीस्नात्रविधि अपूर्ण				४	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
१०५ कल्पसूत्र बालावबोध सह[३]	भद्रबाहुस्वामि	खीमाविजयजी		२३९	१७०९ बा.	१७०७	प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।
१०६ सामुद्रिकशास्त्र				३	२०मो		गु.	मध्यम	१०।×४।।
१०७ साधुप्रतिक्रमणसूत्र बालावबोध				८	१८मो		गु.	जीर्ण	१०×४।
१०८ सिद्धगंधारिकास्तव[४]									
अवचूरि सह त्रिपाठ	देवेन्द्रसूरि			४	१६६२		प्रा.सं.	उत्तम	१०×४।
१०९ सीमंधरस्वामि सवासो[५]									
गाथास्तवन	यशोविजयजी		२००	७	१७६७		गु.	उत्तम	१०।×४।।
११० सम्यक्त्वस्तव सावचूरि									
पञ्चपाठ					१८मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०×४।।
१११ सम्यक्त्वकौमुदीकथा				३४	१७मो		स.	उत्तम	१०×४।
११२ सप्तपदार्थ सावचूरि त्रिपाठ		अव.साधुकीर्तिगणि	मू.का. ४०	१४	१८मो	अवचूरि१६१९	सं	जीर्ण	१०×४।
११३ ज्ञानबोध	उ. यशोविजयजी			११	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
११४ साधुप्रतिक्रमण सस्तबक[६]			७७५	२०	१८००		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।
११५ वासुपूज्य पुण्यप्रकाश[७]	सकलचंद्रोपाध्याय			२४	१७७९		गु	उत्तम	१०।।×४।।
११६ आठदृष्टि स्वाध्याय									
सस्तबक (योगदृष्टि स्वाध्याय)	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि	गाथा.७६	२३	१८४६		गु.	उत्तम	१०×४।।
११७ स्मरणानि[८]				१३	१९मो		सं.प्रा.	सारी	१०।×४।।।
११८ हरिषेणश्रीषेणादी कथा	राजवल्लभ			१६	१९मो	१५२४	सं.	उत्तम	१०×४।।
११९ षोडशशतक प्रकरण-									
साधुषोडशशतक सबालावबोध									
पञ्चपाठ अपूर्ण	रत्नशेखरसूरि			१३	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।

१. [illegible] २. पत्र ६-७ नथी ३. पत्र [illegible] ४. लि. [illegible] ५ पत्र, पत्र ३-४ नथी ६. पत्र ११मुं नथी ७ पत्र ८७ [illegible] ९. प्रथम पत्र नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
९२०	जंबूद्वीपसङ्ग्रहणी वृत्तिसह[१]									
	त्रिपाठ	हरिभद्रसूरि			४	१६५९		प्रा गु.	उत्तम	१०। × ४।
९२१	शिखास्वाध्याय गूहली सङ्ग्रह				३	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।।
	(१) शिखास्वाध्याय	मोतीचंद						गु.	उत्तम	
	(२) शीलनववाड सज्झाय	महिमाप्रभसूरि						गु.	उत्तम	
	(३) गूहली	वीरविजय						गु.	उत्तम	
	(४थी७) गूहली	अमृतविजय						गु.	उत्तम	
	(८) गूंहली	पद्मविजय						गु.	उत्तम	
९२२	द्वादश व्रत टीप विधि[२]				२	१९मो		गु.		१० × ४।
९२३	बासठ मार्गणा द्वारविचार[३]				६	१७७२		गु.	मध्यम	
९२४	वैराग्यशतक सस्तबक[४]				११	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४।।
९२५	एकवीस स्थान प्रकरण	सिद्धसेन			६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।
९२६	सिन्दूरप्रकर सस्तबक अपूर्ण	सोमप्रभाचार्य			१८	१९मो		सं.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
९२७	प्रतिक्रमण विधि				७ थी २२	१९मो		गु.प्रा.	जीर्ण	१०।। × ४।।
९२८	योगशास्त्र स्वोपज्ञ वृत्तिसह[५]									
	षष्ठप्रकाशथी द्वादशप्रकाश पर्यंत	हेमचद्राचार्य			२२	१५५७		सं.	जीर्ण	१०।।। × ४।।
९२९	योगशास्त्र चतुर्थप्रकाश पर्यंत	हेमचद्राचार्य			३१	१६मो		सं.	जीर्ण	११ × ४।
९३०	सम्यक्त्व कौमुदी[६]				९८	१५६४		सं.	उत्तम	१०।।। × ४।।
९३१	मेघदूत काव्य	कवि कालीदास		काव्य १२६	६	१७मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
९३२	भगवतीसूत्र वृत्तिसह									
	पञ्चपाठ त्रूटक		अभयदेवसूरि		३६	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
९३३	चद्रधवल-धर्मदत्त कथा[७]	माणिक्यसुंदर			१७	१७मो		सं.	जीर्ण	१०। × ४।
९३४	नरपतिचर्या ज्योतिष			कुल पत्र ६८	२७थी६२	१८मो		सं.गु.	मध्यम	१० × ४।
	(हीर कलश)				२९ थी ५४					
९३५	सूत्रकृतांग प्रथम श्रुतस्कध									
	बालावबोध सह पञ्चपाठ				५३	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
९३६	कथाओ गद्य			४१०	१३	१७मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४
	(१) कुरुचद्र कथा (वसतिदाने)				१-३			सं.	उत्तम	

१ लि. कीर्तिविमल, किनारी करडेली छे २ लि. सुरति बंदर ३. लि. थिमाविजय ४ पत्र ६ठुं नथी ५. कापडछेडा ६ अणहिल्लपुर पत्तन लि. त्रवाडी हरदास ७ पत्र १-२ नथी

क्रम नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
(२) पद्माकर कथा (शय्यादाने)				३-४			सं.	उत्तम	
(३) करिराज कथा (आसनदाने)				४-६			सं.	उत्तम	
(४) कनकरथ कथा (आहारदाने)				६-७			सं.	उत्तम	
(५) शंखश्रेष्ठि कथा (पानाहारदाने)				७मुं			सं.	उत्तम	
(६) रेवती कथा (भेषजदाने)				७-९			सं.	उत्तम	
(७) ध्वजभुजग कथा (वस्त्रदाने)				९-१२			सं.	उत्तम	
(८) धनपतिकथा (सुपात्रदाने)				१२-१३			सं.	उत्तम	
९३७ सप्तपदार्थी मितभाषिणी टीका		माधव टी. शिवादित्य		२७	१६१८		सं.	उत्तम	१०॥ × ४॥
९३८ अभिधानचिंतामणिनाममाला[1]	हेमचंद्राचार्य		कांड१ थी ६ १५९१	३६	१७मो		सं.	मध्यम	१०॥ × ४
९३९ आचारांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध सस्तबक				५०	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
९४० काव्यालंकार अध्याय १-१६	रुद्रट		६९५	२४	१६३६		सं.	उत्तम	१०। × ४
९४१ साधुप्रतिक्रमणसूत्र[1] बालावबोध सह				१०	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	९॥। × ४॥
९४२ [illegible] त्रिपाठ[1] बालावबोध सह	गजसार			२	१६१४		प्रा गु		१०। × ४॥
९४३ [illegible]- [illegible] स्तवन				३	१९१८		गु.	उत्तम	१०। × ४॥।
९४४ [illegible]				२	२०मो		गु	उत्तम	१०। × ४॥
९४५ ज्ञानसार अष्टक बालावबोध त्रिपाठ	उ. यशोविजयजी			५३	१९मो		सं.गु.	उत्तम	१० × ४॥।
९४६ अध्यात्मपरीक्षा बालावबोध अपूर्ण	उ. यशोविजयजी			२४	१९मो		प्रा.गु	मध्यम	१० × ४॥।
९४७ [illegible]				५	१७मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥।
९४८ [illegible][1]				७२	१८४७		गु.	उत्तम	१० × ४॥॥
९४९ रत्नाकरपंचविंशति बालावबोध त्रिपाठ	रत्नाकरसूरि		वृत्त.२५	८	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४॥।

१ [illegible]

B-4

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
९५०	पार्श्वनाथ स्तवन सङ्ग्रह	ज्ञानविमलसूरि आदि			१८	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४॥।
९५१	सिद्धांत बोल विचार				१४	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४॥
९५२	श्रीपालरास अपूर्ण	उ.विनयविजय-यशोविजयजी			२ थी १५	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥।
९५३	योगविधि[1]				२०,	१७मो		गु	मध्यम	१० × ४।
९५४	यशोधर चरित्र पद्य[2] अध्याय १ थी १४	माणिक्यसूरि		पद्य १०७१	३१	१६१६		स.	मध्यम	१०। × ४।
९५५	जीवविचार प्रकरण सबालावबोध	शातिसूरि			११	१७मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४॥
९५६	सीमधरजिन स्तवन	सिद्धिविजय			१०	१९००		गु.	मध्यम	१० × ४॥।
९५७	षट्आरास्वरूपक श्रीवीर जिन स्तवन	देवीदास			७	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥।
९५८	छान-छावण मुहूर्त्त ज्योतिष				१९	१८७५		गु.	उत्तम	१० × ५
९५९	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक[3]			गा.५०	८	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	९॥। × ४॥।
९६०	शखेश्वर पार्श्व पंचकल्याणक-[4] गर्भित प्रतिष्ठा कल्प स्तवन	रंगविजय			१३	१८५८		गु.	उत्तम	
९६१	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक[5]	श्रीचंद्रसूरि		मू गा.३४५	५३	१९मो		प्रा.गु	जीर्णप्रायः	१० × ४॥
९६२	साधु वदना	पार्श्वचद्र			६	१७७५		गु.	उत्तम	१० × ४॥
९६३	सिद्ध पचाशिका स्ताव सावचूरि त्रिपाठ	देवेन्द्रसूरि			५	१८२१		प्रा गु.	जीर्ण	९॥। × ४॥
९६४	पाक्षिकसूत्र पाक्षिकखामणा				१६	१९मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४॥
९६५	पुण्यप्रकाश स्तवन	विनयविजयोपाध्याय			६	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४॥।
९६६	साधु अतिचार				४	२०मो		गु.	उत्तम	१०। × ४॥।
९६७	महादडक-अल्पबहुत्व[6] बोल विचार				४	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
९६८	प्रतिक्रमणसूत्राणि[7]				१९	१९मो		प्रा स.	ज़ीर्णप्रायः	९॥। × ४॥
९६९	प्रतिमास्थापनागर्भित महावीरजिन स्तवन बालावबोध	यशोविजयोपाध्याय			१३	१९मो		गु	उत्तम	९॥। × ४॥

१. प्रथम तथा अन्तिम पत्र फाटेलुं २. वा शुभवर्धनगणि लि. पत्तन ३ पत्र १थी ६ सुधी स्तबक छे ४ जीर्ण दुर्ग ५. पत्र १ थी ५ नथी ६ द्वितीय पत्र उवल छे ७. पत्र १६मु नथी

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
९७० प्रतिमास्थापनगर्भित महावीर जिन स्तवन बालावबोध सह	यशोविजयोपाध्याय			३१	१८७२		गु.	उत्तम	९॥ × ४॥
९७१ नवतत्त्वप्रकरण बालावबोधसह		पार्श्वचंद्र	मू.गा.४२	१८	१७मो		प्रा.गु	उत्तम	९॥ × ४॥
९७२ साधुप्रतिक्रमणसूत्र (सझाय सज्झाय)				३	१९मो		प्रा.	उत्तम	९॥ × ४॥
९७३ द्वादश भावना स्वाध्याय	उ. सकलचंद्र		गा.९१	७	१९मो		गु	मध्यम	९॥ × ४॥
९७४ निगोदषट्त्रिंशिका				१०	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
९७५ नवतत्त्वप्रकरण बालावबोध सह		कटुगच्छीय कल्याण	मू.गा.४७ ग्र.३७५	१२	१७४९वाला.१७१२		प्रा.गु.	मध्यम	९॥ × ४।
९७६ साधु अतिचार				३	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
९७७ ज्ञानपंचमीकथा सस्तबक[1] (सौभाग्य पंचमी)	कनककुशल			१६	१९०८	१६५५	सं.गु	उत्तम	९॥ × ४॥
९७८ पंचमीगर्भित स्तवन	केशरकुशल			५	१८मो	१७७८	गु		१० × ४॥
९७९ तर्कभाषा	गोवर्धन			४८	१६८५		सं.	मध्यम	९॥ × ४॥
९८० ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र[1]			१७००	१५६	१६५६		प्रा.	उत्तम	९॥ × ४॥
९८१ दशार्णभद्र सज्झाय	लालविजय			३	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४॥
९८२ दण्डकप्रकरण सावचूरि[1] [illegible]	गजसार			८	१७२२		प्रा.सं.	उत्तम	९॥ × ४।
९८३ कल्याणमंदिर स्तोत्र सस्तबक	सिद्धसेन दिवाकर			८	१७०८		सं.गु.	उत्तम	९॥ × ४॥
९८४ कर्मग्रंथ १ थी ५	देवेन्द्रसूरि			१७	१९मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४॥
९८५ चैत्यवन्दनादि भाष्यत्रय[1] सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			३०	१७४६		प्रा.गु.	मध्यम	९॥ × ४॥
९८६ कर्मग्रंथपंचक[1] बालावबोध सह अपूर्ण	देवेन्द्रसूरि			४९	१९मो		प्रा.गु	उत्तम	९॥ × ४।
९८७ आराधनापताका पयन्ना			२०३१	२३	१६मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
९८८ आराधनाप्रकरण पर्यन्ताराधना	सोमसूरि			४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।

१ [illegible]

पति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
९८९	आराधनाप्रकरण पर्यताराधना	सोमसूरि		गा ७०	६	१७मो		प्रा	उत्तम	१०। × ४।
९९०	आराधनाप्रकरण सस्तबक[1]	सोमसूरि			९	१७मो		प्रा गु	उत्तम	१० × ४।
९९१	अनुत्तरौपपातिकदशागसूत्र विवरण		अभयदेवसूरि	१०५	४	१६०६		स	उत्तम	१० × ४।
९९२	पीस्तालीशआगमगर्भित अष्टपकारीपूजा	वीरविजयजी			८	१८८५	१८८१	गु.	उत्तम	१० × ४।।
९९३	अजितशातिस्तव सस्तबक[2]	नदिषेण		३५०	९	१७३१		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
९९४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश स्तवन	सकलचद्रोपाध्याय			१४	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
९९५	आदिनाथ वीवाहलु[3]				१५	१७७२		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
९९६	(१) अध्यात्म सज्झाय आदि सङ्ग्रह	मणीचंद्र-दयाकूशल			१५	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
	(२) अध्यात्मनवक्रिया सज्झाय									
	(३) रागमाला									
	(४) अध्यात्म सज्झाय									
	(५) तीस वीस									
	(६) पचानुष्ठान वीसी									
	(७) गीत									
	(८) सप्तवार सज्झाय									
	(९) रात्री भोजन सज्झाय									
	(१०) पार्श्वनाथ पचकल्याणक स्त.									
	(११) मरुदेवी सज्झाय									
	(१२) चदना सज्झाय									
	(१३) सुमति सज्झाय									
	(१४) पार्श्वनाथ केवलज्ञान स्तवन									
	(१५) विमलजिन स्तवन									
	(१६) नवग्रहहितोपदेश सज्झाय									
	(१७) पदर तीथी सज्झाय									
	(१८) धर्मजिन स्तवन									

१ राजवर्धनगणि लि. २. बारेजा लि नेमविजय ३ सुर्यपुर नगरे चारित्रगणि

प्रति नम्बर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
(१९) ऋषभदेव स्तवन									
(२०) लेश्याषट्कसज्झाय									
(२१) समदृष्टि सज्झाय									
(२२) अध्यात्मप्रबोध सज्झाय							गु		
(२३) जीवप्रतिबोध सज्झाय							गु		
(२४) अध्यात्म सज्झाय							गु		
९९७ षडावश्यकसूत्राणि				१६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
९९८ ज्ञानपंचमी-सौभाग्यपंचमी कथा	कनककुशल			४	१७मो	१६५५	सं.	उत्तम	९॥ × ४।
९९९ कथासङ्ग्रह				४	१९मो		गु.		९॥। × ४॥
१००० पुरंदरकथारास	भावदेवसूरि			१२	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
१००१ सुभाषितानि श्लोकसङ्ग्रह[1] सटिप्पन				३१	१७मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४॥
१००२ कर्मविपाक प्रथम कर्मग्रंथ तथा कर्मस्तव द्वितीय कर्मग्रंथ सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			३१	१७मो		प्रा गु.		१०॥। × ४।
००३ भवभावना प्रकरण	मल. हेमचन्द्रसूरि		गा. ५३१	२३	१६मो		प्रा.	जीर्ण	१०॥। × ४।
०४ औपपातिकोपांगसूत्र सस्तबक			११७५	८६	१७०२		प्रा.गु	उत्तम	१०॥। × ४॥
०५ दशवैकालिकसूत्र	शय्यम्भवसूरि			५०	१८मो		प्रा.	मध्यम	१०॥ × ४।
१००६ दशाश्रुतस्कंधसूत्र सस्तबक[2]			२०००	५१	१७९५		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
१००७ उत्तराध्ययनसूत्र				७८	१८मो		प्रा.	जीर्ण	१०॥। × ४॥
१००८ चतुर्पुर्वी रास				९	१७मो		गु.	उत्तम	११॥। × ४।
१००९ सूत्रकृतांगसूत्र				३६			प्रा.	उत्तम	१०॥। × ४।
१०१० द्वादश व्रत कथा सङ्ग्रह त्रुटक[3]					१७मो		स.	जीर्ण	१०॥ × ४।
१०११ कल्पसूत्र सस्तबक[4]	भद्रबाहुस्वामि			८२	१६८२		प्रा.गु	मध्यम	१०॥ × ४।
१०१२ सूत्रकृतांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध				३४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४॥
१०१३ विवेकमंजरी प्रकरण	कवि आसड			७	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१०१४ उपासकदशांगसूत्र			८१२	३१	१५७०		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१०१५ पाक्षिकसूत्रवृत्ति		यशोदेवसूरि		७६	१५०२	११८०	सं.	उत्तम	१०॥ × ४।
१०१६ दशवैकालिकसूत्र[5] सनालावबोध	शय्यम्भवसूरि	राजहंसोपाध्याय		४५	१६३०		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१०। × ४

१. अपूर्ण, पत्र १थी ३ नथी २. लेखक मोटा मनसाराम, नागपुर ३. पत्राको फाटी गया छे ४. कृष्णगढ लि जोगीलाल ५ अध्ययन १ थी १०

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१०१७	अध्यात्मकल्पद्रुम सस्तबक[1]	मुनिसुदरसूरि		१५००	४६	१७मो		सं.गु.	मध्यम	१०।। × ४।
१०१८	अनुयोगद्वारसूत्र			२०००	५९	१७मो		प्रा.	जीर्णप्रायः	१०।। × ४।
				मू गा. १६०४						
१०१९	अंतकृद्दशागसूत्र सटीक									
	पञ्चपाठ		अभयदेवसूरि	८९०	२४	१७मो		प्रा.सं	उत्तम	
१०२०	प्रकीर्णकविचारवार्तिक[2]				२०	१८मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।
१०२१	षडावश्यकवृत्ति[3]				५३	१७मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१०२२	कथासङ्ग्रह				१२	१७मो		उत्तम		१०।। × ४।।
	चुल्हकोपरि देवराजकथा							सं.		
	उत्तमचरित्र							स		
१०२३	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण[4]	रत्नशेखर		गा.२६३	११	१६मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१०२४	चित्रसेन-पद्मावती कथा	राजवल्लभकथा			१९	१७मो	१५२४	स.	उत्तम	१०। × ४।।
१०२५	वसुधारा[5]				४	१६९४		सं.		१०। × ४।
१०२६	आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति[6]				३६	१४८५		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।।
१०२७	अनुयोगद्वारसूत्र			मू.गा.१६०४	५१	१५९८		प्रा	उत्तम	१०।। × ४।।
१०२८	नंदिसूत्र	देववाचक			२०	१५०२		प्रा.	मध्यम	१०।।। × ४।।
१०२९	सारस्वत व्याकरण प्रथमावृत्ति	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			११	१८मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४।।
१०३०	दशविधयतिधर्मसज्झाय	ज्ञानविमलसूरि		गा १३६	६	१७७४		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
१०३१	दशविधयतिधर्मसज्झाय[7]	ज्ञानविमलसूरि			९	१९मो		गु.		१०। × ४।।
१०३२	सयमश्रेणिगर्भित वीर-[8]									
	जिन स्तवन सस्तबक	उत्तमविजयजी		मू.कडी.५१, ग्रं. ४१४	११	१९मो	१७९९	गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
१०३३	सप्त स्मरण सस्तबक[9]				३९	१८७८		प्रा.सं गु	मध्यम	१०।। × ४।।
१०३४	अनुत्तरोपपातिक दशागसूत्र			१९२	६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१०३५	शिशुपाल महाकाव्य[10]									
	(माघकाव्य) पचमसर्गपर्यंत									
	अवचूरिसह पञ्चपाठ	माघकवि			३०	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।

१ शातरसभावना सस्तबक २ कपासण नगरे घनवर्धन लि ३. पत्र १ थी १६ नथी अपूर्ण ४. प्रथम पत्रमां एक तीर्थंकरनुं चित्र तथा एक गौतम स्वामीनुं चित्र ओम बे चित्र छे ५. गुर्जर खडे तारापुर नगर लि. राजकीर्ती ६ पत्तन नगर ७. पत्र २जुं नथी ८. रचना-सुरत लि अहमदाबाद पं. सुन्दर वि. ९. लि जगाणा गोरजी राघवजी १० प्रथम पत्र नथी, पत्र १३-१५-१६ तथा १९ थी २२ नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१०३६	अमरसेन-वयरसेन कथानक				८	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ४.
१०३७	दशवेकालिकसूत्र सटीक त्रिपाठ[1]	शय्यम्भवसूरि	सुमतिसूरि	मू.७०० टी. ३७५०	६८	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१०३८	अष्टप्रकारी पूजा कथा[2]	चद्र महत्तर			९१	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१० × ४।
१०३९	शीलोपदेशमालाप्रकरण सबालावबोध	जयकीर्ति	मेरुसुंदर	६५०	१४७	१७मो	१५२५	प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१०४०	शीलोपदेशमालाप्रकरण सबालावबोध अपूर्ण	जयकीर्ति	मेरुसुंदर		१६०	१७मो		प्रा.गु.	जीर्ण	१० × ४।।
१०४१	जीवाभिगमोपांगसूत्रवृत्ति		मलयगिरि		२५७	१६१९		स.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
१०४२	शत्रुंजयमाहात्म्य सस्तबक द्वितीय सर्ग पर्यंत	धनेश्वरसूरि			१००	१९मो		स गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
१०४३	प्रज्ञापनोपांग सूत्र				३१२	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।
१०४४	भगवतीसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि	१८६१६	३५६	१७मो	११२८	सं.		१०।। × ४
१०४५	जंबूद्वीपप्रज्ञप्तिउपागसूत्र[3]			४४५४	१५२	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।
१०४६	आवश्यक शिष्यहिता वृत्ति[4]		हरिभद्रसूरि	२२०००	४६९	१७मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१०४७	शत्रुंजयमाहात्म्य अपूर्ण	धनेश्वरसूरि			११०	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०४८	सारस्वतमाधवी वृत्ति				४९	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०४९	प्रज्ञापनोपाग सूत्र वृत्ति[5]		मलयगिरि	१४०००	२८३	१६२३		स.	उत्तम	१०।। × ४।
१०५०	प्रश्नव्याकरण वृत्ति[6]		अभयदेवसूरि		१०२	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१०५१	मेघदूत काव्य सावचूरि[7] पञ्चपाठ	कवि कालीदास			मू श्लोक.१२	६१२	१६४४	स	उत्तम	१०। × ४।
१०५२	प्रश्नव्याकरणसूत्रवृत्ति[8]		अभयदेवसूरि		१०२	१८मो		सं.	मध्यम	१०।। × ४।
१०५३	प्रश्नव्याकरणसूत्रवृत्ति सह त्रिपाठ		अभयदेवसूरि		४६२०	१११	१७मो	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०५४	प्रश्नव्याकरणसूत्र			१२५५	३३	१५९६		प्राकृत	उत्तम	१०। × ४।
१०५५	भक्तामरस्तोत्र बालावबोधसह[9]	मानतुङ्गसूरि	विनयसुदर	७८५	३१	१८मो		स.गु	उत्तम	१०। × ४।
१०५६	दशवेकालिक बृहद्वृत्ति[10] द्वितीयाध्ययन पर्यंत	हरिभद्रसूरि				८१	१७मो	स.	जीर्ण	१०। × ४

१. १८मुं ८९मुं नथी २ विजयचद्रकेवलीचरित्र अंतर्गत ३. लेखक-नाथु पत्र ७९-८० भेगां छे. ४. पत्र १५४ थी १५७ नथी ५. एकबाजु चित्र पुष्पिका छे ६. पत्र ११मुं २४मुं नथी ७. ले. स्थल मालपुर ८. पत्र ५३ तथा ५८ डबल छे ९. वृत्त ४४ १० पत्र १-२-५-६-१० थी १७-१९ थी २७-२९ थी ३८-५३-५४-५६ थी ६०-६२ थी ७३ नथी, ८१मुं डबल छे.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१०५७	श्राद्धविधि-विधिकौमुदी टीकासह	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ	६७६१	४३ थी १०९	१७मो	१५०६	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१०५८	बृहत् सप्तपदिका[1]	महेन्द्रसूरि			१४१	१७मो	१२९४	सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०५९	कल्पसूत्र मूल अपूर्ण[2]	भद्रबाहुस्वामि			१२	१९मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१०६०	कल्पसूत्र मूल	भद्रबाहुस्वामि		१२१६	८४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१०६१	नवतत्त्व प्रकरण अक्षरार्थ सह[3]			मू.गा.४१	१६	१५९३		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।
१०६२	कल्पसूत्र मूल[4]	भद्रबाहुस्वामि		१२१६	६४	१६मो		प्रा.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
१०६३	पंचसङ्ग्रहप्रकरण टीका सह[5]		मलयगिरि		३७३	१५२५		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१०६४	पंचाशकप्रकरण सटीक[6]	हरिभद्रसूरि	अभयदेवसूरि	९९८२	१४१	१६६२		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।
१०६५	पचाशकप्रकरण सटीक	हरिभद्रसूरि	अभयदेवसूरि	८७५०	१५४	१६५४		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।
१०६६	नवतत्त्व बोल				८	१८मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
१०६७	नवतत्त्व प्रकरण[7]			गा.१०१	७	१८३०		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।
१०६८	पार्श्वनाथचरित्र गद्य[8]	उदयवीर			१४६	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
१०६९	सिद्धांतसारोद्धार				७०	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
१०७०	नवपदपूजा[9]				७			गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१०७१	नवकार बालावबोध[10]				९	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
१०७२	भक्तामरस्तोत्र सटीक[11]	मानतुङ्गसूरि	गुणरत्न	वृत.४४	११	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
१०७३	चैत्यवदनादि भाष्यत्रय[12] सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			२७	१८०७		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१०७४	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्रवृत्ति	देवेन्द्रसूरि	वदारुवृत्ति	२७२०	१००	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१०७५	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक[13]				२३	१७मो		प्रा.गु	जीर्ण	१०। × ४।
१०७६	प्रक्रियाकौमुदी[14]	रामचंद्राचार्य			७४	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०७७	जीतकल्पसूत्र वृत्ति	तिलकाचार्य			३८	१७मो	११४७	स.	उत्तम	१०। × ४।
१०७८	जयानदकेवलीचरित्र	मुनिसुंदरसूरि		६६५०	१३३	१६मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१०७९	जीवानुशासन सटीक[15]	देवसूरि	स्वोपज्ञ		४५	१६मो	११६२	प्रा सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०८०	जीवविचार प्रकरण[16] सबालावबोध	शातिसूरि			११	१७मो		पा गु		१०। × ४।

१. पत्र ३६-३७ भेगां छे. २ पत्र ११-१२ डबल छे. ३. वा नयकीर्ती लि. ४. पत्र २ थी १२ नथी, १३मुं डबल छे. ५ पत्र ४७-४८ + १८१-१८२ भेगां, पत्र ७३- १६५ डबल छे. ६. पत्र ७२ मुं नथी ७. जीरणगढ मुनि नेणसी लिखित ८ पत्र ९५मुं नथी ९ कानिरल सेटकपुर ग्रामे १०. प्रथम पत्र नथी ११. चित्र पुष्ठिका सह १२. लि गुलालविजय १३ लि गुणराज, पत्र १५ थी २० नथी १४. बे बाजु चित्र पुष्ठिका छे. १५. लि महिराज १६ लि. राउल दामोदर

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१०८१	जीवविचार प्रकरण[1] सबालावबोध	शातिसूरि			६	१५८३		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१०८२	जिनप्रतिमापूजनविधि अधिकार				११	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
१०८३	स्तोत्र सङ्ग्रह				३	१६९०		स.	उत्तम	१०। × ४
	(१) पार्श्वनाथ महाविद्यामयस्तोत्र									
	(२) ज्वालामालिनी स्तोत्र									
१०८४	जन्मपत्रिका विचार सस्तबक				५	१८मो		स.गु.	उत्तम	१० × ४।
१०८५	जल्पमंजरी[2]				९	१७८५		स.	उत्तम	१० × ४।
१०८६	जीतकल्पसूत्र				४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१०८७	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र	जिनकीर्त्तिसूरि			२६	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०८८	श्राद्धविधिप्रकरण विधि-[3] कौमुदी टीका सह	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ		४२	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१०८९	कथासङ्ग्रह गद्य[4]				४	१७मो		सं.	मध्यम	१० × ४।
१०९०	छन्नु तीर्थंकर नमस्कार[5]	शातिविजयजी			५	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
	वीतराग नमस्कार	मानविजयजी			६	१९मो		गु.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।।
१०९१	चैत्रीपूनम देववदन[6]	ज्ञानविमलसूरि			९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।
१०९२	दडकप्रकरण सस्तबक	गजसार			६	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१०९३	चोवीश जिन स्तवन[7]	यशोविजयोपाध्याय			५	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१०९४	चोवीश जिन स्तवन	यशोविजयोपाध्याय			४	१७९१		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१०९५	दीपालीका स्तवन[8]	सकलचद्रोपाध्याय			४			गु.	उत्तम	१० × ४।
१०९६	कल्याणमदिर स्तोत्र सस्तबक[9]	सिद्धसेन दिवाकर		४२५	११	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
१०९७	कल्याणमदिर सटीक त्रिपाठ	सिद्धसेन दिवाकर			७	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१०९८	शतक पंचम[10] कर्मग्रंथ बालावबोध सह	देवेन्द्रसूरि			३३	१८मो		प्रा.गु.		१०। × ४।।
१०९९	कल्याणमदिर स्तोत्र सटीक त्रिपाठ	सिद्धसेन दिवाकर	कनककुशल	७२७	१२	१७१२	१६५२	सं.	उत्तम	१०। × ४।।
११००	गौतमपृच्छा प्रकरण सटीक		देवभद्रसूरि शिष्य तिलक		११३	१६मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१०। × ४।।

१. लि. लाभमंडन गणि २ लि. रंगविजय ३ अपूर्ण ४ मींजायेली ५ लि सूर्यपुर ६. पालनपुरे मुक्तिवि० लि० ७. पत्र ५मुं नथी ८ लि रामविजय ९. पत्र ६ थी ८ नथी १० लि पानाचंद राजनगरे, पत्र १६मु डबल

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
११०१	सप्ततिका प्रकरण सस्तबक[१]			११९९ मू गा ९३	६४	१८८१		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।
११०२	स्तवन सङ्ग्रह				५	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
	(१) सीमंधर जिन स्तवन	सुदरमुनि						गु		
	(२) नेमिस्तव							गु.		
	(३) पूजाविधिगर्भित पार्श्वनाथ	स्त० यशोविजयजी						गु		
	(४) भगवतीसूत्र स्वाध्याय	उ. विनयविजयजी						गु		
११०३	महावीर जिन निर्वाण स्तवन[२]	सकलचद्रोपाध्याय			४	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
११०४	वीर निर्वाण स्तवन	गुणहर्ष			७	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
११०५	तेर काठीया सज्झाय[३]	विशुद्ध विमल			७	१८०७	१८०६	गु	उत्तम	१०। × ४।।
११०६	सज्झाय–स्तवन				४	१९मो		गु		१०। × ४।।
११०७	सप्तनय रास	मानविजय			१३	१७९८		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
११०८	सङ्ग्रहणी प्रकरण[४]	श्रीचंद्रसूरि		गा.२८३	२१	१७०५		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
११०९	वैराग्यशतक सस्तबक			गा.१०४	१३	१९मो		प्रा गु	मध्यम	१० × ४।।
१११०	विहरमानजिनस्तवन वीसी[५]	जिनविजय			९	१९मो	१७८९	गु	उत्तम	१० × ४।।
११११	वैराग्यशतक सस्तबक[६]			मू.गा. १०४	१२	१८०१		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४।।
१११२	विहरमानजिनविसी स्तवन[७]	जिनविजय			१०	१९मो	१७८९	गु.	उत्तम	
१११३	विहरमानजिनविसी स्तवन	देवचन्द्रगणि			८	१७९८		गु	उत्तम	१०। × ४।।
१११४	सूरसुदरी चोपाई[८]	नयसुदर			३९	१७मो	१६४४	गु	मध्यम	१०। × ४।।
१११५	भवभावना अतर्गत				३७	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
	(१) बलिनरेन्द्र कथा	मल. हेमचन्द्राचार्य				१७मो		गु	उत्तम	
	(२) भुवनभानु केवली कथा	मल. हेमचन्द्राचार्य								
१११६	दशवैकालिकसूत्र वार्तिक बालावबोध सह	शय्यम्भवसूरि	राजचन्द्रसूरि		५९	१८मो	१६७८	प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१११७	विशतिस्थानक विचारामृत सङ्ग्रह	जिनहर्ष		२८००	४७	१६मो	१५०२	सं.	उत्तम	१०। × ४।
१११८	वीरनिर्वाण स्तवन[९]	देवचन्द्र (खरतर)		२१८	१२	१९मो		गु.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।।

१. (कर्मग्रन्थ षष्ठ) पत्र २६थी ३५ नथी २. लि दानविजय ३ पालनपुरे लि. प्रथम पत्र नथी ४. भींजायेल ५. रचना–राजनगरे ६ पं गुलालविजय लि. ७. राजनगरे रची, पत्र १ थी ३ नथी ८ प्रथम पत्रे भगवाननु चित्र बीजा पत्रे सुरसुंदरी चित्र छे. ९. र. स्थले भावनगर

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
११११९	वीसस्थानक तप विधि				४	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
११२०	विहरमान जिन वीसी स्तवन[1]	उ. यशोविजयजी			७	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
११२१	सङ्ग्रहणी प्रकरण सचित्र[2] सस्तबक	श्रीचन्द्रसूरि	नित्यविजयशिष्य	मू.गाथा. ४०९	७८	१९मो		प्रा गु.	उत्तम	१०। × ४।
११२२	महानिशीथ सूत्र[3]				८१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
११२३	निशीथचूर्णि			ग्र. १६०००	२१३			प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
११२४	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र[4]				८५			प्रा.	जीर्ण	१०।। × ४।
११२५	सिद्धान्तसारविचार प्रकरण	प्रद्युम्नसूरि			४४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।
११२६	सामुद्रिकशास्त्र				७	१७मो		स.	उत्तम	९। × ४।।
११२७	सङ्ग्रहणी प्रकरण[5]	श्रीचन्द्रसूरि		गा. ३१२	१८	१८मो		प्रा.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
११२८	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक[6]	श्रीचन्द्रसूरि		गा. ३४४	४१	१८१४		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
११२९	नदिसूत्रवृत्ति		मलयगिरि		१५१	१६५२		स.	उत्तम	१०। × ४।
११३०	न्यायकंदली टीका	श्रीधर			१२४	१४७९		स.	उत्तम	१०। × ४।
११३१	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्रवृत्ति		अभयदेवसूरि		९५	१७मो	११२०	सं		१०। × ४।।
११३२	प्रज्ञापनोपागसूत्र टीका		मलयगिरि		२९९	१७मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
११३३	पार्श्वनाथस्तोत्र वृत्तिसह	इद्रनदि	श्रुतकीर्त्ति		५	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
	चक्रेश्वरीदेवी स्तोत्र							स.	उत्तम	
११३४	पार्श्वनाथचरित्र गद्य[7]	(उदयवीर)			१५	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४।।
११३५	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र नवम पर्व	हेमचन्द्राचार्य		सर्ग. १थी४	२३	१७मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।।
११३६	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय	देवेन्द्रसूरि			२२	१९मो		प्रा गु	उत्तम	१०। × ४।।
११३७	प्रमाणमीमासा स्वोपज्ञ वृत्ति	हेमचन्द्राचार्य			३७	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
११३८	नवतत्त्वरास	क्षेम कल्याण		११५०	४८	१८मो	१७६४	गु		
११३९	स्नात्रपूजा				६	१८मो		गु अप.	मध्यम	१०। × ४।।
११४०	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक	सिद्धसेन दिवाकर		मू.का. ४४	१०	१६७८		सं.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
११४१	पार्श्वनाथचरित्र महाकाव्य[8] पद्य सर्ग १ थी ८	भावदेवसूरि		६०४५	१११	१५०१		स.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
११४२	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कध[9]			८००	३२	१७मो		प्रा.		१०।। × ४।।

१. स्तवन १२मुं अपूर्ण पर्छी २. न्ने तरफ चित्र पुष्पिका छे. पत्र ३५ थी ३८ नथी ३ पत्र ८०मु नथी ४ अपूर्ण ५ साधेली ६. लि. सूर्यपुर हितविजग लि. ७. लखतां अपूर्ण
८. भीजागेल रा नारसिंह लि ९. पत्र १ थी २, २८-३१ नथी.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई—पहोळाई
११४३	सप्तस्मरण सस्तबक[1]				४८	१७८३		प्रा.स गु.	मध्यम	१०। × ४।।
११४४	स्थूलभद्रचरित्र पद्य[2]	जयानद		का. ६०६	११	१५२२		स	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
११४५	शालिभद्रचरित्र[3]	धर्मकुमार पडित		१२२४	२१	१५१२	१३३४	स.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
११४६	पुष्पमाला प्रकरण									
	उपदेशमाला प्रकरण	मल. हेमचन्द्राचार्य		गा ५०५	१०	१६मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
११४७	सिद्धातविचार				२४	१८मो		प्रा	मध्यम	१०। × ४।।
११४८	धर्मपरीक्षारास[4]	नेमविजय		५००५	१४३	१८३१	१८२१	गु.		१०। × ४।।।
११४९	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी त्रिपाठ									
	सबालावबोध	हरिभद्रसूरि	शातिसागर शिष्य	मू.गा ३०	१०	१८३३		प्रा गु	उत्तम	१० × ४।।
११५०	वीरजिन स्तवन	गुणहर्ष तपा		कडी. १२२	६	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
११५१	ज्ञानपचमी कथा	कनककुशल			५	१७७९	१६५५	स.	उत्तम	१०। × ४।।
११५२	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी									
	सावचूरि त्रिपाठ	हरिभद्रसूरि		मू.गा. २९	९	१९मो		प्रा.स	उत्तम	१०। × ४।।
११५३	चतुर्विंशतिजिनस्तुति[5]									
	सावचूर्णि	बप्पभट्टसूरि			४	१५२२		स	मध्यम	१०। × ४।।
११५४	साकली	ज्ञानविमलसूरि			२	१९मो		गु.	सारी	१० × ४
११५५	एकसो सिनेर जिन स्तवन[6]	पद्मविजय			४	१९मो	१८०८	गु	उत्तम	१०। × ४।।।
११५६	लोकनालिका द्वात्रिंशिका									
	प्रकरण पञ्चपाठ सावचूरि	धर्मकीर्तिसूरि			४	१८मो		पा.स	मध्यम	१० × ४।।।
११५७	चोवीसजिन नमस्कार[7]	लक्ष्मण			९	१८९५		गु	उत्तम	१० × ४।।।
	(१) चोवीसजिन स्तुति थोय									
	स्तवनादिसङ्ग्रह	नंदसूरि						गु		
	(२) शत्रुजय स्तवन	नदसूरि						गु.		
	(३) शातिनाथ स्तवन	नंदसूरि						गु.		
	(४) पार्श्वजिन स्तवन	नंदसूरि						गु		
	(५) महावीर स्तवन	नंदसूरि						गु.		
११५८	विहरमान जिन वीसी स्तवन[8]	ज्ञानविमलसूरि			८	१७६८		गु.	जीर्णप्राय.	१० × ४।।

१ लि. राजनगर २ भृगुकच्छे महानगरे दोसी पूंजाक लि ३. नेमिसूर गणि लि. ४. लि नेमविजय बीजापुर ५. उदयसोमगणि शिष्य महीशानक नगरे ६ रचना पालीताना ७. आठमुं पान नथी ८ मुनि अमीचन्द लि पत्र १ थी ३ नथी.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
११५९	महावीरजिनस्तवन[१]	यशोवजियोपाध्याय			२०	१८१४	१७२३	गु.		१०। × ४।।
११६०	रत्नाकरपंचविशति स्तोत्र सबालावबोध	रत्नाकरसूरि			५	१९मो		स.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
११६१	चातुर्मासिक व्याख्यान				१६	१९मो		गु.	मध्यम	१०।।। × ४।।।
११६२	विंशतिविंशीका प्रकरण[२]	हरिभद्रसूरि		५००	१६	१८३६		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
११६३	अंबडपरिव्राजक कथा[३]	अमरसुदर			४०	१८३७		सं.	उत्तम	१०। × ४।।।
११६४	उत्तमविलासदीक्षा महोत्सव				१७	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।।
११६५	अंबडकथानक	मुनिरत्नसूरि			३०	१८मो		सं.	उत्तम	१० × ४।।।
११६६	लीलावतीसुमतिविलास रास	उदयरत्न			१२	१९मो	१७६७	गु.	उत्तम	१० × ४।।
११६७	लघुशांतिस्तव वृत्तिसह त्रिपाठ	मानदेवसूरि	हर्षकीर्तिसूरि		५	१८६३	१६४४	स.	उत्तम	
११६८	नवकार बालावबोध				१०	१८मो		गु.		१०। × ४।
११६९	आलोचनाविधि				५	१९मो		सं.	उत्तम	१० × ४।।
११७०	आलोचनाविधि				६	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
११७१	महावीरजिनस्तवन	यशोविजयोपाध्याय			१३	१९१९	१७२३	गु.		१० × ४।।
११७२	गजसुकुमाल रास-भास[४]	शुभवर्धन			६	१८५०		गु	उत्तम	१० × ४।।।
११७३	दडकत्रीस बोल विचार				३३	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
११७४	मौनएकादशी स्तवन	विशुद्ध विमल			२	१८०१		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
११७५	(१) निगोदषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	३०० मू.गा. ३६	१ थी ८	१८मो		प्रा.स.	जीर्णप्राय:	१० × ४।।।
	(२) परमाणुखंडषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	१२० मू.गा. १५	८ थी ११			प्रा सं.	जीर्णप्रायः	
	(३) पुद्गलषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ		रत्नसिंहसूरि	मू.गा ३६	११थी१७			प्रा.सं.	जीर्णप्रायः	
	(४) बंधषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ			मू.गा. ३६	१७थी१९			प्रा.सं.	जीर्णप्राय.	
	(५) कायस्थिति स्तव त्रिपाठ			मू.गा. २४	१९थी२६			प्रा.स.	जीर्णप्रायः	
११७६	कायस्थिति स्तोत्र सस्तबक[५]			मू.गा. २४	३	१८०६		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
११७७	अंतकृद्दशागसूत्र सटीक[६]		अभयदेवसूरि		३४	१७७७		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।

१ लि. पर्नागिजग २ लि राजनगरे ३. पत्र १-२ नथी ४. लि. कस्तुरकुशल ५ संघवी फतेचन्द लि ६ लि पाटण

प्रति नबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
११७८ अष्टापद स्तवन				४	१७९८		गु.	उत्तम	१० × ४॥
११७९ अष्टदृष्टि स्वाध्याय	यशोविजयोपाध्याय		११७	५	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।॥
११८० षडावश्यकसूत्राणि				५			प्रा.	उत्तम	१०। × ४॥
११८१ अजितसेन-कनकावली रास	जिनहर्ष		१०१४	२६	१९मो	१७५१	गु	मध्यम	१०। × ४॥
११८२ औपपातिकोपांगसूत्र[1]				२२	१५८०		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।
११८३ औपपातिकोपागसूत्र[2]				३८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४॥
११८४ उपासकदशागसूत्र[3]			८१२	२५	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
११८५ उपासकदशागसूत्र[4]				२३	१६५१		प्रा.		१०। × ४॥
११८६ आत्मबोधक ज्ञापक स्वाध्याय	यशोविजयोपाध्याय			४	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४॥
११८७ वसुधारा[5]				६	१७५७		स	उत्तम	१० × ४॥
११८८ निरयावलिकासूत्र सस्तबक[6]			२२००	५५	१७५२		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४॥
११८९ बारव्रत स्वाध्याय[7]	तपा.तिलकविजय			६	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
११९० शतक प्रकरण[8] (पचम कर्मग्रथ) सस्तबक	देवेन्द्रसूरि	तपा. जयसोम	३२००	१२८	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	
११९१ दशवैकालिक स्वाध्याय[9]	वृद्धिवजय			८	१७९२		गु	मध्यम	१० × ४॥
११९२ आदिनाथविनति स्तवन[10]			गा. १५८	१२	१७मो		गु	उत्तम	१०। × ४॥
११९३ आरभसिद्धिज्योतिष मूल[11]	उदयप्रभसूरि			११	१६७६		सं.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
११९४ वीतरागस्तोत्र पजिकासह[12] त्रिपाठ	हेमचन्द्राचार्य	नदिसागर	६२५ प्रकाश. १-२०	१५	१८४०	१५१२	स.	उत्तम	१० × ४॥
११९५ दीक्षाविधि[13]				५	१८२२		गु	उत्तम	१० × ४॥
११९६ उपदेशमाला प्रथम पीठीका बालावबोध				१३	१८मो		सं.		१० × ४॥
११९७ क्षेत्रसमासप्रकरण-लघुक्षेत्रसमास[14] प्रकरण	रत्नशेखरसूरि			११	१७९५		सं.	उत्तम	१०। × ४॥
११९८ उपधान विधि[15]				३	१६७५		प्रा.गु.		१० × ४।
११९९ उपदेशबत्रीशी[16]	राज			२	१८४७		गु		१० × ४॥

१. लि. विजयसार २. पत्र १ तथा ११ थी १३ नथी ३. चित्र पुष्पिका ४. सादडी नगरे तेजविजय लि ५. लि. यशोविजयजी वटपद्र नगरे ६ पत्र ३२ नथी ३३मु डबल छे. ७ प. हंसविजय गणि लि. ८. पत्र १ थी ७६ नथी, रचना द्विशशिघनमितेब्दे ९. भूखणदास लि. १०. लेखक राउल ककीआ ११ सूर्यपुर बदर १२. विनयविजय गणि लि. प्रथम पत्र नथी १३ सीरोही १४. लि. तिलकविजय १५. लि जशविजयजी भाणपुर १६. पाटणनगरे खुशालचंद मलुकचंद लि

प्रति नंबर.	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१२००	आठदृष्टिविचार				७	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
१२०१	आत्मबोध कुलक सस्तबक	जयशेखरसूरि		३००	९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
१२०२	कल्याणमंदिरस्तोत्र[1] वृत्तिसह त्रिपाठ	सिद्धसेन दीवाकर	कनककुशल		१९	१७९७	१६५२	सं.	उत्तम	१०। × ४॥।
१२०३	भक्तामरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ[2]	मानतुङ्गसूरि		वृत्त.४४	१९	१७९६		सं.		१०। × ४॥
१२०४	कायस्थितिस्तोत्र सस्तबक			मू.गा. २४ ग्रं. १४०	५	१७४०		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१० × ४॥
१२०५	शातिजीणेसर स्तवन[3]	यशोविजयजी			३	१८४८		गु.	मध्यम	१० × ४॥
१२०६	अष्टप्रवचनमाता सज्झाय[4]	देवचन्द्र			७	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
१२०७	गजसुकुमाल रास[5]	शुभवर्धन			६	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
१२०८	कर्मस्तव (द्वितीय कर्मग्रंथ) सस्तबक	देवेन्द्रसूरि	सातसागर	मू.गा. ३५	१०	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४॥
१२०९	आचारागसूत्र				१०७	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४॥
१२१०	द्रव्यसङ्ग्रह वृत्तिसह	नेमिचन्द्र मुनि	ब्रह्मदेव		६१	१७मो		प्रा.स.	उत्तम	१० × ४॥
१२११	सिंहासनबत्रीसी कथा[6]				७९	१८३२		गु.	उत्तम	१० × ४॥
१२१२	शालिभद्रधन्ना चोपाई[7] किंचिदपूर्ण	जिनराज (मतिसार ?)			४४	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
१२१३	सङ्ग्रहणी प्रकरण[8]	श्रीचन्द्रसूरि		गा. ३१९ ग्र ४०९	१४	१८०७		प्रा.	उत्तम	१० × ४॥
१२१४	श्रीचन्द्रकेवलीरास-आनंदमंदिर	ज्ञानविमलसूरि			१५८	१९मो	१७७०	गु.	मध्यम	१०। × ४॥
१२१५	अभिधानचिंतामणिनाममाला स्वोपज्ञटीका सह	हेमचन्द्राचार्य		१००००	२३०	१६४३		स.	जीर्ण	१०। × ४॥
१२१६	आचारांगसूत्रबालावबोध[9] प्रथम श्रुतस्कध		उ. पासचन्द्र		१४४	१७मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
१२१७	उपदेशमाला प्रकरण[10] सबालावबोध	धर्मदासगणि	वृद्धिविजयजी		१६१	१७६५	१७३१	प्रा.गु.		१०॥ × ४॥
१२१८	उपदेशमाला प्रकरण	धर्मदासगणि			२६	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।

१. राजनगरे लि. २ राजनगरे लि. ३. पाटण खुशालचन्द मलुकचद लि. ४. प्रथम पत्र नथी ५. पत्र रजुं नथी ६. सुरत बदर ७. किनार करडेली ८. गुलालविजय लि. ९. भीजायेल १०. लि. जीवणविजय सुर्यादिम बदरे

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१२१९	अष्टप्रकारीपूजाकथासङ्ग्रह[1]	चन्द्रमहत्तर			३२	१६०९	११९७	पा.	उत्तम	१०।। × ४।।
१२२०	अजितशांतिस्तव सावचूरि[2] त्रिपाठ		नदिषेण		१०	१६६७		प्रा.गु	उत्तम	
१२२१	उत्तराध्ययनसूत्र			२१००	५२	१६५९		प्रा	उत्तम	१०। × ४।
१२२२	उत्तराध्ययनसूत्र			२१००	५०	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।
१२२३	उत्तराध्ययनसूत्र एकविशति अध्ययन पर्यंत				४३	१८मो		प्रा.	मध्यम	१०।। × ४।
१२२४	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक[3]			५०००	१११	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।
१२२५	सूत्रकृतागसूत्र दीपीकासह	हर्षकुल			१०७	१७मो	१५८३	प्रा स	उत्तम	१० × ४।
१२२६	स्थविरावली बालावबोध सह[4]	देववाचक				१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१२२७	सकलार्हत् स्तोत्र सस्तबक	हेमचन्द्राचार्य		का ३७	७	१९मो		स.गु	मध्यम	१० × ४।
१२२८	सङ्ग्रहणीप्रकरणावचूरि				१५	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२२९	यतिलक्षणसमुच्चय प्रकरण[5]	यशोविजयोपाध्याय			८	१८मो		प्रा.	सारी	१०। × ४।
१२३०	जिनशतक सपजीका	जम्बू	पंजिकाशव साधु	१५००	३२	१७मो	प. १०२५	स.	मध्यम	१०। × ४।
१२३१	जीवविचार प्रकरण सावचूरि	शातिसूरि			२	१७मो		प्रा.स	मध्यम	१०। × ४।
१२३२	सुरसुंदरीरास	विनयसुदर		७८५	१६	१७मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
१२३३	सस्तार प्रकीर्णक				६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
१२३४	नवतत्त्वप्रकरण सबालाव० पञ्चपाठ			मू.गा. ४१	६	१५९७		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१२३५	नवतत्त्वप्रकरण मूल			गा ४३	३	१९मो		प्रा.	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
१२३६	नवतत्त्वप्रकरण मूल			गा. १०१	६	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।
१२३७	सङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक[6]	श्रीचन्द्रसूरि		गा. २७८	३०	१६९५		प्रा.गु.		१०। × ४।
१२३८	सङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक[7]	श्रीचन्द्रसूरि			३८	१७८५		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।
१२३९	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी प्रकरण[8] त्रिपाठ बालावबोध सह	हरिभद्रसूरि	शांतिसागर शिष्य	मू.गा. ३०	८	१८मो	बाला.१७०६	प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१२४०	स्याद्वादमंजरी[9]	मल्लिषेणसूरि		२८००	३८	१५१७		सं.	जीर्ण	१०। × ४।
१२४१	समकितसडसठबोल सज्झाय	उ. यशोविजयजी			४	१७७५		गु.	उत्तम	१० × ४।।

१ विजयचन्द्रकेवलीचरित्र अतर्गत २. प्रथम पत्र नथी, लि. जीवविजयजी डामोल वेलाकुल ३. पत्र १६ थी २१ तथा २६ थी २८ तथा ३३-३४ नथी, २३मुं डबल छे पत्र ६७ थी ६९ नथी ४. नंदि मगल गाथा छे ५. रचना सिद्धपुरे ६. कल्याणसागर गणि लि. मीरांपुर नगरे ७. कयरीया नगरे रामविजय गणि लि. ८. गणि विनयसागर लि ९. वटपद्रनगरे लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१२४२	शालिभद्र चोपाई	साधुहंस			१२	१७मो		गु.	जीर्ण	१०। × ४।।
१२४३	सामुद्रिकशास्त्र[1]				७	१७७०		सं.	मध्यम	१०। × ४।।
१२४४	सुबाहुकुमार चरित्र				४	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।
१२४५	भगवतीसूत्र द्वादशशतके प्रथम द्वितीय उद्देशो सस्तबक				१०	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१२४६	सप्तस्मरण सस्तबक[2]				४०	१७५३		प्रा सं.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
१२४७	दशाश्रुतस्कंध सूत्र				२१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२४८	सम्यक्त्वसार कुलक सावचूरि त्रिपाठ				२८	१६९५		प्रा सं.	उत्तम	१० × ४।
१२४९	स्थूलभद्र चरित्र	जयानंदसूरि			१४	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२५०	जम्बूद्वीप सङ्ग्रहणी			गा. ३०	२	१९मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४।
१२५१	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक[3]	श्रीचन्द्रसूरि		गा. २८९	१९	१६७९		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।
१२५२	सूत्रकृतांगसूत्र			२२०५	५६	१६४५		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२५३	षष्टिशतक प्रकरण सटीक	नेमिचन्द्र भंडारी	गुणरत्नोपाध्याय		७१	१७४३	वृ. १५०१	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२५४	न्यायकंदली[4]				२१	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२५५	पार्श्वनाथदशभव स्तवन	समरचन्द्रसूरि		क.३५	३	१६५३		गु.	उत्तम	१० × ४।
१२५६	पार्श्वनाथ दशभवांतर विवाहलो				११	१७मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
१२५७	कल्पसूत्र मूल[5]	भद्रबाहुस्वामि			९०	१७७२		प्रा.	जीर्णप्रायः	१०।। × ४।
१२५८	शब्दरूपाणि				७	१८मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१२५९	संबोधसप्ततिका बालावबोध सह	रत्नशेखर			१०	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०।। × ४।
१२६०	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र[6]			५०००	१२८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४
१२६१	भक्तामरस्तोत्र सवृत्ति त्रिपाठ	मानतुङ्गसूरि	कनलकुशल	६९३	१६	१७मो	वृ. १६५२	सं.	उत्तम	१०। × ४
१२६२	पिंडविशुद्धि प्रकरण सस्तबक	जिनवल्लभगणि		मू.गा. १०३	९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४
१२६३	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र				८०	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
१२६४	सङ्ग्रहणीप्रकरण सटीक त्रिपाठ[7]	श्रीचन्द्रसूरि	देवभद्र	मू.गा. २७६ टी. ३५००	६४	१७मो		प्रा.सं.		१०। × ४

१. पत्र २जुं नथी २. लि पाटण नगरे ३. उधईथी सामान्य भक्षित ४. लि चारित्रविजय ५. पं. धनराज विमना लि. थोमग्रामे ६. बे बाजु चित्र पुष्ठिका छे, पत्र १९मुं डबल छे. ७. बे बाजु चित्र पुष्ठिका छे.

B-5

क्रम नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लंबाई-पहोळाई
१२६५ पुष्पमालाप्रकरण उपदेशमाला									
	(मलधारी) हेमचन्द्राचार्य			३३	१७मो		प्रा	उत्तम	१०। × ४।।
१२६६ पुष्पमालाप्रकरण उपदेशमाला									
सावचूरि पञ्चपाठ	(मलधारी) हेमचन्द्राचार्य		गा ५०५	१२	१६मो		प्रा स	उत्तम	१०। × ४।।
१२६७ उत्तराध्ययनसूत्र सज्झाय	उदयविजय			११	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४
१२६८ सप्तपदार्थी टीका-मितभाषिणी[1]	शिवादित्य			२२	१७मो		स	जीर्णप्राय.	१०। × ४।
१२६९ अंतकृद्दशांगसूत्र[2]			७९०	१९	१७मो		प्रा	मध्यम	१०। × ४।
१२७० अंतकृद्दशांगसूत्र[3]			७९०	२२	१७मो		प्रा	उत्तम	१०।। × ४।
१२७१ अनुत्तरोपपातिकदशांग सूत्र				८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२७२ अनुत्तरोपपातिकदशांग सूत्र सटीक[4]		अभयदेवसूरि		६	१७मो		प्रा.सं	उत्तम	१०। × ४।
१२७३ कूर्मापुत्र चरित्र[5]	अनंतहंसगणि			९	१८मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१२७४ कूर्मापुत्र चरित्र	जिनमाणिक्यसूरि			८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२७५ चतुःशरण प्रकीर्णक									
बालावबोध सह	वीरभद्रगणि			११	१७मो		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।
१२७६ कर्मविपाक वृत्तिसह	गर्गर्षि	परमानंद	गा. १६८	२०	१७मो		प्रा सं.	उत्तम	१०। × ४।
			ग्र ९२२						
१२७७ कायस्थिति स्तोत्र सावचूरि			मू.गा. २४	४	१७मो		प्रा.स.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
१२७८ जम्बूद्वीपक्षेत्रसमास[6]			ग्रं. ३००						
प्रकरण सस्तबक			गा २७	१५	१७मो		प्रा.गु.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
१२७९ गुणस्थान प्रकरण वार्तिक सह[7]	रत्नशेखरसूरि	श्रीसार		२२	१७०८		स.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१२८० गुणसमुद्रब्राह्मण कथा	अभयचन्द			८	१६७२		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२८१ नारचन्द्र ज्योतिष टिप्पनक[9]	सागरचन्द्रसूरि			१५	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२८२ अनुयोगद्वारसूत्र सटीक त्रिपाठ[8]		मल. हेमचन्द्रसूरि		१३५	१७मो		प्रा.स	मध्यम	१०। × ४
१२८३ विपाकसूत्र सटीक त्रिपाठ		अभयदेवसूरि		४७	१७मो		प्रा.सं	उत्तम	१०। × ४।
१२८४ विवेकविलास सबालावबोध[10]	जिनदत्तसूरि			८७	१६७२		सं गु.		१०। × ४।
१२८५ विवेकविलास मूल[11]	जिनदत्तसूरि			९०	१७मो		सं	उत्तम	१०।। × ४।।
१२८६ विवेकविलास	जिनदत्तसूरि			३७	१६४१		संस्कृत	उत्तम	१०। × ४।

१. पं भक्तिविशाल लि. २ किनारी बगडेली ३ प्रथम पत्र नथी ४. एक तरफ चित्र पृष्ठिका छे ५. द्वीप बदरे लि. ६. उंदरे करडेली ७. लि शिवलाभ, आगरा कोट ८ पत्र २ थी ७ नथी ९. प्रथम पत्रमां तीर्थंकरनुं चित्र छे १०. लि. गोवर्धन ११. पत्र १०मुं नथी

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१२८७	वत्सराज कथा				१४	१६६०		संस्कृत	उत्तम	१०। × ४।
१२८८	आचारांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कंध बालावबोध		पार्श्वचन्द्र		१३३	१५९४		गु.	उत्तम	१०। × ४।
१२८९	आचारप्रदीप	रत्नशेखरसूरि		४०६५	१४२	१६९०	१५१६	सं.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।
१२९०	कविशिक्षा	वायडगच्छीय प.अमरचन्द्र			१४	१६मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
१२९१	कल्पसूत्र अंतर्वाच्य टीका[१]				८४	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१२९२	आचाराङ्गसूत्र प्रथम श्रुत-स्कध बालाव० सह पञ्चपाठ		उपा. पार्श्वचन्द्र	६३३५	५६	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।
१२९३	उपदेशमाला सावचूरि पञ्चपाठ[२]	धर्मदासगणि			१८	१७मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१०। × ४।
१२९४	उपदेशमाला अवचूरि[३]	धर्मदासगणि			३६	१६५३		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२९५	उपदेशमाला मूल[४]	धर्मदासगणि			२०	१६८२		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२९६	उपदेशमाला मूल[५]	धर्मदासगणि			५२	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१२९७	काव्यकल्पलता कविशिक्षा वृत्ति[६]	अमरचन्द्रसूरि		३३५७	४९	१५१०		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१२९८	पंचसूत्र पापप्रतिघातगुणबीजाधान प्रवज्याफल अवचूरिसह त्रिपाठ		वृ. हरिभद्रसूरि		९	१६मो		प्रा.सं. / प्रा सं.	उत्तम / उत्तम	१०। × ४।
१२९९	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण[७]	नेमिचन्द्रसूरि		२०००	४५	१५२१		प्रा	उत्तम	१०। × ४।
१३००	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण	नेमिचन्द्रसूरि			२८	१६०६		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१३०१	बार भावना स्वाध्याय	सकलचन्द्र		क ९२ ग्रं. १७५	१२	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
१३०२	बार भावना स्वाध्याय	विद्याधर			४	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
१३०३	उत्तराध्ययनसूत्र[८]			२१००	४४	१५३३		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१३०४	उत्तराध्ययनसूत्र				४२	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
१३०५	उपासकदशागसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ		अभयदेवसूरि		२९	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१३०६	इन्द्रियपराजयशतक सस्तबक				१०	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१३०७	औपपातिकोपागसूत्र सटीक[९] पञ्चपाठ		अभयदेवसूरि	१३२५	८२	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	

१. अन्तिम पत्रमां चतुर्विध सघने गुरु देशना आपे छे तेवुं चित्र छे. २. पत्र १८मा स्वरादय छे, जुदु छे. ३. लि पंडया वाणाईग ४. लि. मंगलपुरे विप्र सामलिया पत्र २ थी ४ नथी ५. पत्र २८मुं डबल, २९मुं नथी ६. प्रथम पत्र नथी ७. लि. चरणसाधु गणि, उदर भक्षिता ८. लि. लक्ष्मीधर ९. चित्रपृष्ठिका छे.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१३०८	सारस्वत व्याकरण कृदत प्रक्रिया	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			६६	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१३०९	सारस्वत व्याकरण कृतप्रकिया	अनुभूतिस्वरूपाचार्य			६६	१७मो		सं	उत्तम	१०। × ४।
१३१०	कर्पूर प्रकर	हरिकवि		३६६	७	१७मो		स	उत्तम	१०। × ४।
१३११	कातंत्रविभ्रम सावचूरि त्रिपाठ[1]		चारित्रसिंह		५	१७मो		सं	उत्तम	१०। × ४।
१३१२	तर्कपरिभाषा[1]	चिन्नभट्ट			५३	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१३१३	चोवीसजिनस्तवन	मानविजयजी			११	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१३१४	चोवीसजिनस्तवन	यशोविजयोपाध्याय			१०	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
१३१५	उत्तराध्ययन वृत्तिसह अपूर्ण				१४७	१८मो		प्रा.सं	उत्तम	१० × ४।
१३१६	ऋषिमंडल प्रकरण वृत्तिसह		शुभवर्धन (तपा.)	खंड १-२	५०३	१६५६		प्रा स.	उत्तम	१० × ४।
१३१७	विदग्धमुखमंडन	धर्मदास		परिच्छेद १-४	१३	१८मो		स	उत्तम	१० × ४।
१३१८	अनुयोगद्वारसूत्र			मू.गा १६०४ ग्र. २०००	४५	१६९४		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
१३१९	नवतत्त्वप्रकरण[2] सबालावबोध			मू.गा ५१	७	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।।
१३२०	गुणस्थानकप्रकरण सटीक[4]	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ		२७	१८०१		सं.	उत्तम	९।।। × ४।।
१३२१	चुरादिधातुगण सावचूरि[5] त्रिपाठ	हेमचन्द्राचार्य			१२	१७मो		स	उत्तम	१० × ४।।
१३२२	चातुर्मासिक व्याख्यान[6]				३०	१९०४		गु.	उत्तम	१० × ४।
१३२३	गौतमपृच्छा चोपाई[7]	लावण्यसमय			७	१७४३		गु.	उत्तम	
१३२४	नंदिसूत्र सस्तबक	देववाचक			५२	१७७४		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४।।
१३२५	ललितविस्तरा-चैत्यवंदनवृत्ति	हरिभद्रसूरि		ग्र. १२७०	५५	२०मो		स.	मध्यम	१० × ४।
१३२६	द्व्याश्रयकाव्य सटीक तृतीय-सर्ग पर्यंत किंचिदपूर्ण	हेमचन्द्राचार्य	अभयतिलक		६५	१७मो		स	उत्तम	१०। × ४।
१३२७	अमरकोश	अमरसिंह			६४	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१३२८	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक[8]		भावविजयजी	१६२५५	२४४	१७५७	१६८९	प्रा.स.	उत्तम	१० × ४।
१३२९	ज्ञानसागर बालावबोध सह	यशोविजयजी	स्वोपज्ञ		४२	१८४८		स गु.	उत्तम	१०। × ४।।

१ पद्मवल्लभ लि. २ जीवडाथी खवायेली ३ उंदरभक्षिता ४ पत्तने लि. प्रतापचन्द्र ५ सिद्धहेमशब्दानुशासन अन्तर्गत ६. पालीनगरे फतेसागर लि. ७ स्तंभतीर्थे लि ८. लि सुंदरविजय राजनगरे-सकदरपुर

प्रति नबर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१३३० आचाराङ्गसूत्र				७१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।
१३३१ सप्तस्मरण सटीक त्रिपाठ[1]		हर्षकीर्तिसूरि		४९	१८२१		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।।
१३३२ सप्तस्मरण मूल[2]				९	१८१५		प्रा.सं.	मध्यम	१० × ४।।
१३३३ चोवीसजिनस्तवन	कांतिविजयजी			६	१८२३		गु.	उत्तम	१० × ४।।।
भीडभंजन पार्श्वनाथ स्तवन	उदयविजयजी								
१३३४ दृष्टांत शतक सस्तबक[3]	केशवशिष्य			३५	१८५५		स.गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१३३५ दश दृष्टात कथा				१२	१८२६		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१३३६ दश श्रावक चरित्र				४४	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१३३७ अमरसेण वयरसेण कथानक[4]				८	१८मो		स.	उत्तम	
१३३८ कथासङ्ग्रह सटिप्पनक[5]				१४थी१०४	१७मो		स.	जीर्णप्रायः	१०। × ४।।
(१) उत्तमराजकथा वस्त्रदाने							सं.		
(२) पालगोपालकथा भाग्यविशे							सं.		
(३) स्त्रीद्वये कथा							स.		
(४) सत्ये महणसीकथा							सं.		
(५) दानोपरि-धनदेव-धनमित्रकथा									
(६) सामायिके-वृद्ध स्त्री कथा							सं.		
(७) धर्मोपरि-धर्मदत्त कथानक							सं.		
(८) चतुर्मासिकाग्रहपालने अमरसेन कथा							स.		
(९) स्थिरता श्रीदेव ज्ञात कथा							सं.		
(९) शीलादिधर्माराधने जिनदत्तकथा							सं.		
(१०) जीवदयोपरि-जीवराजकथा							सं.		
(११) नियमाराधनविषे-हरिबलमच्छीमारकथा							स.		
(१२) वररुचिकथा							सं.		
(१३) अष्टप्रकारी पूजा							सं		

१ लि. राजनगरे २ पालनपुरे लि. ३. राधनपुर ४ पद्मलाभ लि राजद्रगे ५. चारित्रसुदर लि. सापलाग्रामे

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
	(१४) चंडा-प्रचडाकथा							सं		
	(१५) अनुकपादाने-चपक श्रेष्ठि कथा							सं.		
	(१६) शीले-सुभद्रा कथा							सं.		
	(१७) धर्मप्रभावे-पापबुद्धि नृप अने धर्मबुद्धिमत्री कथा							स.		
	(१८) वकचूलकथा							सं.		
	(१९) स्थूलिभद्रकथा							स.		
	(२०) नेमिचरित्र							स.		
	(२१) मेघनादकथा							सं.		
	(२२) अमरसेन-वयरसेन कथा							स.		
११३९	अनुत्तरौपपातिकदशागसूत्र[१]				७	१६४६		प्रा.	मध्यम	१०×४।
१३४०	उपदेशमाला प्रकरण[२] सबालावबोध	धर्मदासगणि	वृद्धिविजयजी		१८७	१८५६	१७३१	प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।
१३४१	षडावश्यकसूत्राणि[३]				५	२०मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।।
१३४२	षडावश्यकसूत्राणि				५	२०मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।।
१३४३	आचारोपदेश सस्तबक[४]	चारित्रसुदरगणि	देवकुशल		१६	१७९५		सं.गु.	उत्तम	१०×४।।
१३४४	आत्मकुलक सस्तबक				८	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।
१३४५	आत्मबोधकुलक सस्तबक[५]				७	१८०१		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।।
१३४६	आणदसधि[६]	श्रीसार			१४	१८मो	१६८४	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१३४७	आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक	वीरभद्रगणि			५	१८मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।
१३४८	आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक[७] सस्तबक	वीरभद्रगणि			१०	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०×४।
१३४९	जीवविचारप्रकरण सस्तबक	शातिसूरि			१४	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।
१३५०	चोवीसजिनस्तवन[८]	राम विजय			८	१८४४		गु.	मध्यम	१०×४।।
१३५१	जीवविचारप्रकरण सटीक त्रिपाठ	शांतिसूरि	ईश्वराचार्य		९	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०×४।
१३५२	गौतमस्वामीरास				३	१७९५	१४१२	गु.	मध्यम	९।।।×४।।

१. पाणीथी भींजायेल २. लि हस्तीविजय बीजापुर ३. लि. व्यास सादुर राम, पाटण ४ मेदरडाग्रामे लि ५. राजनगरे लि ६. पतन नगरे ७. लि ऋषि श्रीपाल ८. सूरत लि

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१३५३	नवकार बालावबोध सह[1]				१२	१७२८		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
१३५४	उपदेशमाला प्रकरण बालावबोध				१२१	१७३८		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
१३५५	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र	जिनकीर्त्तिसूरि			ʼ२८	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१३५६	विजयचन्द्र केवली चरित्र[2]	चन्दमहत्तर		५९००	२४९	१६८०	११२७	प्रा.	जीर्ण	१० × ४
१३५७	उत्तराध्ययन सूत्र वृत्तिसह अध्ययन ५थी२७ पर्यंत			अध्ययन ५थी२७सुधी	१२६थी ४०७	१७मो		प्रा.स.	मध्यम	१० × ४।
१३५८	आवश्यकसूत्र बृहद्वृत्ति अपूर्ण				१०२	१७मो		स	उत्तम	१० × ४
१३५९	आवश्यकसूत्र बृहद्वृत्ति अपूर्ण				८७	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१३६०	आचारप्रदीप अपूर्ण	(रत्नशेखरसूरि)			५०	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४। ०
१३६१	षडावश्यकसूत्राणि बालावबोध				४१	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४
१३६२	सीमधरस्वामिविनति रूप ३५० गाथानु स्तवन सबालावबोध	उ. यशोवजयजी		५३३	८५	१७७८		गु.		१०॥ × ४॥
१३६३	जम्बूकुमार रास[3]	उ. यशोवजयजी			३४	१७८५	१७३९	गु.	उत्तम	१०। × ४॥
१३६४	उपधानविधि				१४	१७८४		प्रा	उत्तम	१०। × ७॥
१३६५	धर्मदेशनाकथा सङ्ग्रह				२०	१६मो		स	उत्तम	१०। × ४॥
१३६६	चोवीसजिनस्तवन	मुनि माणेक			१२	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
१३६७	चतु.शरण प्रकीर्णक सबालाव० पञ्चपाठ	वीरभद्रगणि			७	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४॥
१३६८	धर्मनाथ स्तवन[4]	विनय विजयजी		कडी.१३७	९	१९मो	१७१६	गु	उत्तम	१०। × ४॥
१३६९	प्रमाणनयतत्त्वलोकालंकार[5] रत्नाकरावतारिका लघु टीका		रत्नप्रभाचार्य	९०००	६७	१५०८		सं	उत्तम	१०। × ४॥
१३७०	पाडवरास किंचिदपूर्ण				३३	१८मो	१७८६	गु		१० × ४॥
१३७१	स्तवन सङ्ग्रह	सकलचन्द्रोपाध्याय			५२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
	(१) वर्धमानजिन वेली	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु		
	(२) हूडीस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु		

१. पत्र ३ थी ४ नथी २ वे बाजु चित्रपृष्ठिका छे ३. प्रथम पत्र नथी ४ रचना सूरत ५ लि वीरमग्रामे गाथा सुत व्य० सताक

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
	(३) गणधरवादस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(४) सीमन्धरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(५) रगाणीस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(६) साधारणजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(७) चोवीसजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(८) सीमंधरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(९) सभवजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१०) ऋषभजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(११) सीमंधरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१२) वीरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१३) सीमधरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१४) पार्श्वनाथ स्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१५) सीमंधरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१६) सीमधरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
	(१७) महावीरजिनस्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय						गु.		
१३७२	रत्नशेखर-रत्नवती कथा[1]			४०३	११	१६१२		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१३७३	कृतपुण्यश्रेष्ठि रास[2]	देवसुदर			१४	१८मो	१५९४	गु	उत्तम	१०॥ × ४।
१३७४	कर्मग्रथ १ थी ३ मूल	देवेन्द्रसूरि			८	१७मो		प्रा.	मध्यम	१०॥ × ४।
१३७५	राजप्रश्नीयोपाग सूत्र सस्तबक				५३	१७२६		प्रा.गु.	जीर्ण	१०॥ × ४।
१३७६	आरामशोभा कथा			५००	१३	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१३७७	दशवैकालिक सूत्र[3]	शय्यम्भवसूरि			४७	१६२७		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।
१३७८	दशवैकालिकसूत्र	शय्यम्भवसूरि			३५	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१३७९	उपासकदशागसूत्र[4]				३०	१६७४		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१३८०	चित्रसेनपद्मावती चरित्र	राजवल्लभ			११	१७मो	१५२४	सं.	उत्तम	१०। × ४।
१३८१	श्रावकआराधना गद्य				१०	२७मो		गु.	उत्तम	१० × ४
१३८२	उत्तराध्ययनसूत्र				९०	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०॥ × ४।
१३८३	योगशास्त्र विवरण	हेमचन्द्राचार्य			३२	१७मो		सं.		१०। × ४।
१३८४	रघुवशकाव्य	कालिदास			७९	१७मो		स	उत्तम	१०। × ४।

१. पर्वतिथी विचार उपर २. कयवन्नारास ३. अध्य० १ थी १० नथी ४. लि. ज्ञानसागर नौतनपुर

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
१३८५	सप्तपदार्थीमितभाषिणी टीका	शिवादित्य			३९	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१३८६	षडावश्यकसूत्राणि				८	१८मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।
१३८७	सिद्धातबोल विचार[1]				१३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
१३८८	अजितशातिस्तव सावचूरि[2]		नंदिषेण	४३०	१२	१६०१		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१३८९	आवश्यकसूत्र निर्युक्ति	भद्रबाहुस्वामि			६६	१५०७		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
१३९०	उपदेशतरंगिणी	रत्नमंदिर			६७	१७मो		स	उत्तम	१०।। × ४।
१३९१	विचारसङ्ग्रह बालावबोध सह[3]				६२	१७३१		प्रा.गु.		१०। × ४।
१३९२	यतिप्रतिक्रमणसूत्र सावचूरि[4] पञ्चपाठ				६	१५३०		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१३९३	वीतरागस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ			प्रकाश. १–२०	१८	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१३९४	प्रतिक्रमणक्रमविधि	जयचन्द्रगणि			१६	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४
१३९५	मुनिपति चरित्र[5]				११	१६४२		स.		१०। × ४
१३९६	उपदेशचिंतामणि प्रकरण सावचूरि		जयशेखर	४५००	११५	१६६०		प्रा.सं.	मध्यम	१०। × ४।
१३९७	चोवीसदडकगतिआगति	पार्श्वचन्द्र			२	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
	जिनेन्द्र स्तवन अष्टमी थोय	ज्ञानविमलसूरि			१२	१८मो		स.	मध्यम	१०। × ४।
१३९८	आरामशोभा कथा									
१३९९	राजप्रश्नीयोपागसूत्र सटीक		मलयगिरि	३७५०	११०	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१४००	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण सटीक	नेमिचन्द्रसूरि	सिद्धसेनसूरि		३१०	१७मो	१२४२	प्रा.स.	उत्तम	१०।। × ४।
१४०१	अमरदत्त- मित्रानद कथा गद्य	(शातिनाथ चरित्रान्तर्गत)			२५	१७मो		स	जीर्णप्रायः	१०।। × ४
१४०२	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र सटीक		अभयदेवसूरि		१७१	१७मो	११२०	प्रा.स.	उत्तम	१०।। × ४।
१४०३	विपाकसूत्र अपूर्ण				४८	१७मो		प्राकृत	जीर्ण	१०।।। × ४।
१४०४	उपासकदशागादि पंचसूत्र टीका		अभयदेवसूरि		१४४	१७मो		स.		१०।। × ४।
१४०५	मुनपति कथानक				१५	१७मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४।
१४०६	नारचन्द्र ज्योतिष टिप्पनक	नरचन्द्रसूरि		४००	१६	१६५०		सं.		१० × ४।
१४०७	रघुवशकाव्य	कालिदास			५०	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४
१४०८	सारस्वत व्याकरण स्यादि	नरेन्द्रपुरी श्रीचरण			४७	१८मो		स.	उत्तम	१०। × ४।

१. पत्र १ थी ३ नथी २. अमदावाद लाखा पटेलनी पोले लि विप्र रविदास ३ प्रथम पत्रे पार्श्वनाथनु चित्र छे, लि रामविजय ४. लि. मग ५. लि उदयसागर

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४०९	सास्वत व्याकरण टीका				८६	१५८२		स.	जीर्ण	१०। × ४।
१४१०	उत्तराध्ययनसूत्र सचित्र[१]			२०९५	८२	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१०। × ४।
१४११	तार्किकरक्षा-व्याख्यानसार सङ्ग्रह न्यायग्रथ	वरदराज		परिच्छेद १थी३	५५	१७मो		स	उत्तम	१०। × ४।
१४१२	चार प्रत्येकबुद्ध चोपाई	समयसुदर			२२	१८मो	१६६५	गु.	उत्तम	१० × ४।
१४१३	विपाकसूत्र				३१	१७मो		पाकृत	जीर्ण	१० × ४।
१४१४	विपाकसूत्र				३३	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१०। × ४।
१४१५	विपाकसूत्र				३६	१७मो		प्राकृत	उत्तम	१० × ४।
१४१६	विशेषणवती	जिनभद्र क्षमाश्रमण		४३८	१२	१७मो		प्राकृत		१० × ४।
१४१७	प्रतिष्ठाकुलक				१५	१८मो		स	उत्तम	१०। × ४।
१४१८	भुवनदीपक सस्तबक	पद्मप्रभसूरि			१२	१९मो		स गु.	उत्तम	१० × ४।।
१४१९	भाषापद[२]				६	१७५८		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
१४२०	उपासकदशागसूत्र			८१६	२५	१६४३		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१४२१	श्राद्धप्रतिक्रमणविधि वृदारुवृत्तिसह	देवेन्द्रसूरि			५६	१७मो		प्रा स	उत्तम	१० × ४।।
१४२२	न्यायावतारविवरण			२०००	४७	१६५६		स.	उत्तम	१०। × ४।
१४२३	रघुवशकाव्य	कवि कालिदास			६४	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१४२४	कल्पसूत्र दीपिकासह त्रिपाठ अपूर्ण	भद्रबाहुस्वामी				१७मो		प्रा.स.	मध्यम	१०। × ४।
१४२५	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र				१४४	१७मो		प्रा	उत्तम	१०। × ४।
१४२६	राजप्रश्नीयउपांगसूत्र			२१७९	४४	१७मो		प्रा	उत्तम	१०। × ४।
१४२७	सारस्वत व्याकरण सटीक		चन्द्रकीर्त्ति टीका	७८००	१३२	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४।।
१४२८	शिशुपालवध महाकाव्य[३]	कविमाघ		सर्ग १ थी २०	१२४	१७५९		स.	उत्तम	१० × ४।
१४२९	सारस्वत व्याकरण	अनुभूति स्वरूपाचार्य			५५	१८७३		स.	उत्तम	१० × ४।।
१४३०	सारस्वत व्याकरण टीका अपूर्ण		पद्माकर भट्ट		७१	१८मो		सं.		१०। × ४।।
१४३१	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र				१०४	१७मो		प्रा	जीर्ण	१०। × ४।
१४३२	सारस्वत व्याकरण[४]	अनुभूति स्वरूपाचार्य			५४	१७७९		सं	उत्तम	१०। × ४।।
१४३३	प्रमाणनयतत्त्वालोकालकार[५] रत्नाकरावतारिका लघुटीका	देवसूरि	रत्नपभाचार्य		८०	१६मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।

१ पत्र ८१मा तिर्थंकरनुं, पत्र ८२ मा गौतम स्वामि चतुर्विध सगने देशना आपे छे अेम बे चित्र छे, पत्र १-२ नथी २ लि. हितविजय स्तभ तीर्थ ३. पत्र १ थी २२ सुधी टिप्पण छे ४ लि हरखचद सुरसिघ पाटण ५. पत्र १ थी ३ नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लंबाई-पहोळाई
१४३४	आगमसार				४३	१९मो		गुर्जर	उत्तम	१०। × ४।।
१४३५	कर्मग्रंथ षट्क	१थी५ देवेन्द्रसूरि			१८	१९मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१४३६	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक[1] किंचिदपूर्ण				२०१	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१४३७	षडावश्यकसूत्राणि				४	१९मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।
१४३८	आत्मराय कथा-रास[2]	सहजसुदर			४	१८मो	१५८८	गु.		१०। × ४।।
१४३९	ईलाचिपुत्र रास				३	१८मो	१५८४	गु.		१०।। × ४।।
१४४०	रामरास[3]	माधवदास			२९	१७६८		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१४४१	दशविधयतिधर्म सज्झाय	ज्ञानविमलसूरि			८	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१४४२	अध्यात्मगीता	देवचन्द्र			५	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१४४३	स्तवन-सज्झाय सङ्ग्रह	यशोविजयजी			१०	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
	नवपद स्तवन	यशोविजयजी						गु.		
	जिनप्रतिमास्थापन	यशोविजयजी						गु		
	महावीरजिनस्तवन	यशोविजयजी						गु		
	वासुपूज्य स्तवन	यशोविजयजी						गु		
	जिनप्रतिमास्थापन	यशोविजयजी						गु		
१४४४	चुरादिगण धातु (सिद्धहेमशब्दानुशासन)	हेमचन्द्राचार्य			९	१८१४		स	उत्तम	१०। × ४।।
१४४५	परदेशीराजारास[4]	न्यायसागर		११००	३२	१८मो	१७३४	गु		१०। × ४।।।
१४४६	धन्नारास[5]	मतिशेखर			१७	१६६५	१५१४	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१४४७	ज्योतिष बालावबोध	मुंजादित्यविप्र			११	१९मो		स.	मध्यम	१०। × ४।।
१४४८	पर्युषण स्वाध्याय[6]	माणिक्यमुनि			६	१७६६		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
१४४९	चोवीस तीर्थंकरना सात बोल[7] विचार				७	१९मो		गु.		१०। × ४।।
१४५०	महावीरजिनस्तवन[8]	उ. यशोविजयजी			२०	१९मो	१७२३	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१४५१	महावीर रागमाला[9]	न्यायसागर			४	१८२०	१७८४	गु.		१०। × ४।।
१४५२	भगवतीसूत्र बीजक टीप[10]				११	१८मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।

१. पत्र ६५ थी ६७ नथी पत्र १५०मुं नथी देवचद्र गणि लि. (उपा श्री दीपचद्रजी शिष्य) २. लि मानविजय मुडठा ग्रामे ३. लि मुनिरत्नराज ४. राजनगरे लि. ५. पत्र १-२ नथी ६. पत्र ५मुं नथी ७ लि भवानीदास ८ लि. मुकुंदकुशल ९ लि सघवी फतेचद सुरसघ पालनपुरे १० लि ऋषि जशा

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४५३	पंचमी चैत्यवदन आदि				२	२०मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
१४५४	रत्नाकरपंचविंशति स्तोत्र[1] सबालावबोध	रत्नाकरसूरि			६	१७७५		गु.		१०। × ४।।
१४५५	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक[2]				१३९	१७९८		प्रा.गु.		१० × ४।।
१४५६	महानिशीथसूत्र त्रूटक				१६	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।।
१४५७	कर्मविपाक सबालावबोध	देवेन्द्रसूरि			२५	१७७४		प्रा.गु	मध्यम	१० × ४।।
१४५८	सप्ततिका बालावबोध[3]	पूर्वाचार्य	धनविजय		२७	१७२०	१७००	प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।।
१४५९	वीतरागस्तोत्र	हेमचन्द्राचार्य		प्रकाश. १थी२०	४	१६मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१४६०	वीतरागस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ	हेमचन्द्राचार्य		१०००	१०	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१४६१	यशोधररास[4]	उदयरत्न		२००० गा. १५०३	५३	१७७९	१७६७	गु.	जीर्णप्राय	१०। × ४।
१४६२	नवतत्त्वप्रकरण सटीक त्रिपाठ[5]		साधुरत्नसूरि	मू.गाथा. ५१	८	१८मो		प्रा.स.	उत्तम	१० × ४।
१४६३	उपासकदशांगसूत्र गीत[6]	शातिहर्ष शिष्य जिन हर्ष		गा. २५०	६	१८मो	१७३६	गु.	उत्तम	१० × ४।
१४६४	उपदेशमाला प्रकरण सावचूरि[7] पञ्चपाठ	धर्मदासगणि			१५	१६मो		प्रा.स.	उत्तम	१०। × ४।
१४६५	जमाली अध्ययन (भगवतीसूत्र अंतर्गत)				१३	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१४६६	कथासङ्ग्रह				४५	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
१४६७	राज्यलक्ष्मीपूजापद्धति				३०	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१४६८	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र सटीक[8] त्रिपाठ		अभयदेवसूरि	८४६४	९थी१०६	१७मो	११२८	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१४६९	कुमारसभव सटीक	कालीदास			५०	१७मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
१४७०	कातन्त्रदुर्गपदप्रबोध	प्रबोधमूर्त्ति गणि			१११	१५मो	१३२८	सं.	जीर्ण	१०। × ४।
१४७१	विपाकसूत्र सटीक अपूर्ण				४५	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१४७२	रघुवंशकाव्यपंजिका वृत्ति सह	कालिदास कवि			१५०	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१४७३	प्रश्नव्याकरण सूत्र टीका अपूर्ण				१२१	१९मो		मध्यम	मध्यम	१० × ४।।

१. राजनगरे लि. २ सूरति बंदरे लि प्रथम पत्र नथी ३ रचना-स्तभतीर्थ ४ लि पत्तननगरे, रचना-उर्णाकपुर (पाटण समीपे) ५. घामला ग्रामे देवविजय लि ६ लि. नयविजय पत्र ६ थी ८ नथी ७ प्रथम पत्र नथी, ६ठ्ठुं पत्र डबल ८ पत्र १ थी ८ तथा ३१ थी ७७ नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१४७४	अभिधानचितामणिनाममाला	हेमचन्द्राचार्य			११४	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
	एकाक्षरीनाममाला	अमरेन्द्र								
१४७५	साधुश्रावकप्रतिक्रमण चेत्यवदन									
	गुरुवदन सावचूरि त्रिपाठ	तिलकाचार्य			२५	१६७४		प्रा सं.	उत्तम	१० × ४॥
१४७६	योगशास्त्र बालावबोध	बा.सोमसुदरसूरि		प्रकाश. १थी४	९७	१७मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
१४७७	राजप्रश्नीयउपागसूत्र			२१२०	५२	१८मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४॥
१४७८	राजप्रश्नीयउपागसूत्र वृत्ति		मलयगिरि	३७००	६३	१७मो		स.		१०। × ४।
१४७९	योगशास्त्र चतुर्थ प्रकाश पर्यंत	हेमचन्द्राचार्य			१७	१७मो		स.		१०। × ४।
						(१३०७)				
१४८०	शांतिनाथचरित्र गद्य[1]	भावचन्द्रसूरि		७५११	५२ थी १२६	१७८८	१५३५	सं.	मध्यम	१०। × ४।
१४८१	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	शय्यम्भवसूरि			८४	१८मो		प्रा.गु.	जीर्ण	१०। × ४।
१४८२	दशवैकालिकसूत्र पर्याय सह[2]	शय्यम्भवसूरि			३३	१५६७		प्रा गु.	जीर्ण	१०। × ४।
१४८३	निरयावलिकासूत्र सटीक त्रिपाठ		चन्द्रसूरि		३२	१७मो		प्रा.स	उत्तम	१०। × ४।
१४८४	निरयावलिकासूत्र मूल				२७	१७मो		प्रा.		१०। × ४।
१४८५	जीवाभिगमोपांगसूत्र			४८८०	१४०	१६२२		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१४८६	बंधहेतूदयत्रिभगी	लक्ष्मीसागर सूरि								
	वृत्तिसह पञ्चपाठ	शिष्य हर्षकुल	वानरऋषि		१३	१६४८	१६०२	प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
१४८७	बंधहेतूदयत्रिभंगी-वृत्तिसह	लक्ष्मीसागर सूरि								
	पञ्चपाठ	शिष्य हर्षकुल	वानरऋषि	१२६९	१३	१७मो	१६०२	प्रा.स	उत्तम	१०। × ४।
१४८८	पर्यंताराधनाप्रकरण सस्तबक	सोमसूरि		मू गा. ७०	१-३	१७मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।
	सम्यक्त्वोच्चार आलापक				३जुं			प्रा.		
१४८९	तंदुलवेचारिक .प्रकीर्णक									
	सबालावोध				४०	१६३९		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥ × ४।
१४९०	विपाकसूत्र			१२१६	३२	१७मो		प्रा.		१० × ४
१४९१	जिनशतक	जम्बू कवि			१०	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४
१४९२	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	शय्यम्भवसूरि			३५	१७मो		प्रा गु.	जीर्णप्राय.	१० × ४।
१४९३	प्रश्नव्याकरणांगसूत्र			१२५०	३१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१४९४	योगशास्त्र सस्तबक									
	प्रकाश १ थी ४	हेमचन्द्राचार्य			६८	१७मो		सं.गु.	उत्तम	१० × ४।

१. पत्र १ थी ५१ नथी २. लि. अणहिल्लपुर पत्तने प. अच्युत लि

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१५३९	कर्मग्रंथ प्रथम द्वितीय सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			१९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।। × ४।।
१५४०	शतककर्मग्रंथ सस्तबक अपूर्ण	देवेन्द्रसूरि			३६	१९मो		प्रा गु	उत्तम	९।।। × ४।।
१५४१	उत्तमविलासरास अपूर्ण				१३	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।।
१५४२	श्रीपालरास चतुर्थखंड[1]	यशोविजयजी			१७	१८१२	१७३८	गु	मध्यम	९।। × ४।।
१५४३	दान-शील-तप-भावना कुलक सबालावबोध	देवेन्द्रसूरि			३२	१८२४		प्रा गु	उत्तम	९।। × ४।।
१५४४	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र अर्थदीपिका टीकासह		रत्नशेखरसूरि[1]	६६४४	१८२	१७मो		प्रा.सं	उत्तम	१० × ४।।
१५४५	सत्तरभेदपूजाविधि सस्तबक	सकलचन्द्र			१३	१८२०		गु	उत्तम	९।।। × ४।।
१५४६	आठ दृष्टि स्वाध्याय सस्तबक[2] (योगदृष्टि)	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि	गाथा. ७६	२८	१९मो		गु	जीर्णप्राय.	१० × ४।।
१५४७	रत्नाकरपचविशतिका	रत्नाकरसूरि		कृत. २५	६	१९मो		स.	उत्तम	९।।। × ४।।
१५४८	पाक्षिकसूत्र-पाक्षिक खामणा[3]				१२	१८मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४।।
१५४९	सतसई अपूर्ण[4]	बीहारीदास			१७	१८मो		हिंदी	सारी	९।। × ४।।
१५५०	ऋषिमडलस्तोत्र	धर्मघोषसूरि			१३	१८मो		प्रा	उत्तम	९।। × ४।
१५५१	अध्यात्मगीता	देवचन्द्रजी			१८	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।।
१५५२	व्याकरण अपूर्ण				६थी३०	१८मो		स.	जीर्ण	१० × ४।।
१५५३	सिदूरप्रकर सस्तबक	सोमप्रभाचार्य			२०	१७२५		सं.गु	मध्यम	१० × ४।।
१५५४	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तंबक	सिद्धसेन दीवाकर			१५	१८मो		स गु.	उत्तम	१० × ४।
१५५५	शेषनाममाला	हेमचन्द्राचार्य			११	१८मो		सं.	जीर्ण	९।।। × ४।
१५५६	सिदूरप्रकर सस्तबक अपूर्ण[5]	सोमप्रभाचार्य			२२	१८मो		सं.गु.	सारी	१० × ४।
१५५७	सुक्तावली				३२	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४।
१५५८	ज्योतिष सस्तबक[6]				२१	१९मो		सं.गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
१५५९	शालिभद्र चोपाई अपूर्ण	मतिसार			३थी२२	१९मो		गु.	सारी	९।।। × ४।
१५६०	सिदूरप्रकर[7]	सोमप्रभाचार्य			२२	१७मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
१५६१	प्रश्नव्याकरणसूत्र सस्तबक[8]				५०थी८७	१७००		प्रा.गु.	जीर्ण	९।। × ४।
१५६२	उत्तमकुमार रास[9]	विजयशील			२३	१६७५	१६६१	गु	मध्यम	९।।। × ४

१. राजनगरे २. पत्र १ थी ७ नथी ३. पत्र १ थी ४ नथी ४ ६७३ दोहा सुधी ५ प्रथम पत्र तथा अत्य पत्र नथी ६ लखता अधूरी मुकेली छे ७. प्रथम पत्र नथी, कर्तानुं नाम सोमदेव लख्युं छे ८ अमदावाद लि. जीवराज, पत्र १ थी ५० नथी ९. नवानगरे रमणचद्र लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लाम्बाई-पहोळाई
१५६३	रघुवंशकाव्य अपूर्ण[1]	कालिदास कवि			४१	१८मो		सं.	उत्तम	
१५६४	उदायनराजर्षिकथा[2]				९	१८मो		सं.	मध्यम	९।।।×४।
१५६५	कर्मग्रथ चतुर्थ सस्तबक[3]	देवेन्द्रसूरि		गाथा. ८६	२०	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।।।×४
१५६६	योगदृष्टिसमुच्चय[4]	हरिभद्रसूरि		११७५	२२	१७२०		स.	जीर्णप्राय	९।।।×४।
१५६७	कर्मग्रंथ चतुर्थ सस्तबक	देवेन्द्रसूरि	वाचक धनविजय		१७	१८मो	स्त. १७००	प्रा.गु.	उत्तम	९।।×४।
१५६८	कल्पसूत्र सुबोधिका अन्तर्गत श्लोक सङ्ग्रह				१६	१८मो		प्रा.सं.	उत्तम	९।।×४।।
१५६९	सम्यक्त्वकौमुदी अपूर्ण				४४	१९मो		सं.	मध्यम	९।।×४
१५७०	विमलरास किंचिदपूर्ण	लावण्यसमय		१६५६	६४	१८मो		गु.		९।।×४।
१५७१	सङ्ग्रहणी प्रकरण[5]	श्रीचन्द्रसूरि			२४	१७०६		प्रा.	मध्यम	९।।×४।
१५७२	उत्तम चरित्र	सोम मंडन			३५	१७मो		सं.	उत्तम	९।।×४।
१५७३	पाशा केवली-शकुनावली				९	१९मो		सं.		९।×४।
१५७४	वैताल पंचविंशति अपूर्ण				१०	१९मो		सं.	मध्यम	९।।×४
१५७५	कर्मग्रथत्रय सस्तबक[6]	देवेन्द्रसूरि			४१	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	९।।×४।
१५७६	शांतिनाथ, रास				५५	१८मो		गु.	मध्यम	९।×४।
१५७७	द्रव्यगुणपर्यायरास सस्तबक[7]	यशोविजय	सस्तबक स्वोपज्ञ	२२२५	८३	१७३६		गु.	उत्तम	९।।×४।
१५७८	सारस्वत व्याकरण	अनुभूति स्वरूपाचार्य			५८	१८मो		सं.	उत्तम	९।।×४
१५७९	कुमारपाल रास[8]	ऋषभदास कवि			१७१	१७८५	१६७०	गु.		९।।×४
१५८०	अंतकृद्दशांगसूत्र सस्तबक				६८	१७९४		प्रा.गु.	उत्तम	९।।×४।
१५८१	सम्यक्त्वसप्तति[9] सबालावबोध सबीजक		बा. रत्नचन्द्र		२३८	१८०१	बा.१६७६	प्रा.गु.	मध्यम	९।।×४।
१५८२	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक[10]				१०	१७६५		प्रा गु.		९।×४।।
१५८३	सिद्धांतविचारबोल सङ्ग्रह				२८	१९मो		गु.		९।×४।
१५८४	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण[11] बालावबोध सह त्रिपाठ	धर्मकीर्तिसूरि		मू.गा. ३२	१४	१६८७		प्रा गु.	मध्यम	९।।×४।
१५८५	नवकार बालावबोध				११	१८मो		गु.	उत्तम	९।।×४।
१५८६	संबोधसप्ततिका प्रकरण सस्तबक	रत्नशेखर (जयशेखर)			३७	१७४४		प्रा.गु.	जीर्ण	९।×४

१. पत्र ३८मुं नथी २. लि. केसरविजय ३. पं. धर्मचंद्र लि ४. अंबादत्त लि. ५. पत्र १-२ नथी ६ पत्र १२मु डबल ७. राजनगरे लि. प्रति साधेली छे ८. लि. प्रतापविजय ९. पत्र ४३-४४ भेगां, पत्र १६०-१६८-१८८-२३४ डबल १० लि. नेमिविजय ११ सांधेली १२. राजनगरे लि.

B-6

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१५८७	उत्तराध्ययन वृत्तिसह[१]				२५९	१६९५		प्रा स	मध्यम	१०×४।
१५८८	ऋषिमडलप्रकरण वृत्तिसह[२]	धर्मघोष	पद्ममदिरगणि (कथार्णवाकावृत्ति)	वृ. ७२९०	१२२ (७१)	१७मो	वृ. १५५३	प्रा स.	उत्तम	१०×४।
१५८९	चन्दन-मलयागिरि चोपाई	जिनहर्ष		गा. ३७२	८	१७२३	१७०४	गु	उत्तम	१०×४।।
१५९०	चित्र-सभूति चोपाई[३]	न्यायसागर			१६	१७४६	१७३१	गु.	उत्तम	१०×४।
१५९१	आदिनाथदेशनोद्धार सस्तबक			११००	३०	१७मो		प्रा.गु.	जीर्ण	१०।×४।
१५९२	अध्यात्म ज्ञानसार[४]	उ. यशोविजयजी			१२	१९मो		स.	उत्तम	१०।×४।
१५९३	स्थूलभद्र गुणरत्नाकर छद[५]	सहजसुदर		बोधकार १थी४	१९	१६९८	१५७२	गु.	उत्तम	१०×४।
१५९४	उपासकदशागादि पचसूत्र वृत्ति[६]			६८००	१५६	१७मो		सं.	उत्तम	१०।×४।
१५९५	अष्टोत्तरीस्नात्र विधि[७]				४	१६३२		स गु	उत्तम	१०।×४।
१५९६	वर्धमानदेशना पद्य[८]	शुभवर्धनगणि		५०००	१४८	१७मो		प्रा.	अतिजीर्ण	१०×४
१५९७	प्रज्ञापनोपागसूत्र[९]			७९८७	१४६	१७मो		प्रा	उत्तम	१०×४
१५९८	उत्तराध्ययनकथा अपूर्ण[१०]				४७	१८मो		स.	मध्यम	१०×४।
१५९९	औपपातिकोपागसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ		वृ. अभयदेवसूरि	३१२५	५४	१७मो		प्रा गु.	उत्तम	१०×४।
१६००	उपदेशमालाप्रकरण सटीक[११]	धर्मदासगणि	सिद्धर्षि		१०९	१७मो		प्रा सं.	उत्तम	१०।×४।
१६०१	गजसुकुमालरास	शुभवर्धन			५	१९मो		गु.	उत्तम	१०।×४।
१६०२	पुजाविधिविचार				६	१७मो		गु	उत्तम	१०×४।
१६०३	लोकनालिकाद्वात्रिशिका प्रकरण सबालावबोध	धर्मकीर्तिसूरि	सहजरत्न		६	१७१२		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।
१६०४	लोकनालिकाद्वात्रिशिका प्रकरण मूल	धर्मकीर्तिसूरि			५	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०×४।
१६०५	जिनशतक वृत्तिसह त्रिपाठ	जम्बू	शबू.	१५००	२७	१६५८		स.	उत्तम	१०।×४।
१६०६	औपपातिकोपागसूत्र सटीक[१२]		अभयदेवसूरि	११७५	८३	१६६६		प्रा.स.		१०।×४।
१६०७	सिद्धहेमशब्दानुशासन अष्टमोध्याय प्राकृतव्याकरण ढुंढिका सह	हेमचन्द्राचार्य	उदयसौभाग्य		१६७	१७मो	ढु. १५९१	प्रा.स.	उत्तम	१०×४।।

१ चित्रपृष्ठिका पत्र २०२ थी २२१ नथी, पत्र १७५ नथी, पत्र १७४ डबल २. रचना- जेसलमेर, प्रथम पत्र नथी ३. लि. मनोहर, राणपुर नगरे ४. लि. जयसागर ५. मुनि दीपविजय लि. ६. बे बाजु चित्र पृष्ठिका छे ७. दामोदर सूत्रधार लि. ८. पत्र ३२-३३ भेगां, पत्र ४३मु डबल, पत्र १४३मु नथी ९ चोंटवाथी बगडेली १० पत्र १६ थी ३६ तथा ४४मु नथी ११ चित्र पृष्ठिका १२. चित्र पृष्ठिका पत्र ८मुं डबल, पत्र ६९-७० भेगां.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१६०८	निगोदषट्त्रिंशिका प्रकरण									
	सावचूरि	रत्नसिंहसूरि			१२	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१६०९	सङ्ग्रहणीप्रकरण	श्रीचन्द्रसूरि		गा. २७६	१४	१६मो		प्रा.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१६१०	सङ्ग्रहणीप्रकरण सचित्र[1]			गा. २८१	२७	१६५०		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१६११	सज्झायसङ्ग्रह अपूर्ण	लब्धिविजय			८थी१४	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
	(१) आर्द्रकुमर सज्झाय	लब्धिविजय						गु		
	(२) नदिषेण सज्झाय	लब्धिविजय						गु.		
	(३) वयरस्वामि सज्झाय	लब्धिविजय						गु.		
	(४) धन्ना-शालिभद्र सज्झाय	लब्धिविजय						गु.		
	(५) कलावती सज्झाय	लब्धिविजय						गु		
	(६) चन्दनबाला सज्झाय	लब्धिविजय						गु		
	(७). ढंढणकुमार सज्झाय	लब्धिविजय						गु.		
	(८) वस्तुपाल भास	लब्धिविजय						गु.		
	(९) पडिलेहण स्वाध्याय	लब्धिविजय						गु		
	(१०) खंधक कुमार सज्झाय	लब्धिविजय						गु		
१६१२	उपदेशतरंगिणी[2]	रत्नमंदिरगणि			४८	१५५०		सं.	उत्तम	१० × ४।
१६१३	ध्वजभुंजग रास-आख्यान[3]	उदयमदिर			११	१७५७		गु.	उत्तम	१० × ४।
१६१४	देशीनाममाला सटीक	हेमचन्द्राचार्य	स्वोपज्ञ टीका		६७	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१६१५	ध्यानस्वरूप[4]	भावविजयजी			८	१७०८	१६९६	गु.		१० × ४।
१६१६	सारस्वत व्याकरण[5]									
	चन्द्रकीर्तीय सुखबोधिका टीका		चन्द्रकीर्तिसूरि	२०५०	५१	१६३९		स.	उत्तम	१० × ४।
१६१७	उत्तराध्ययनसूत्र कथा सह[6]									
	अष्टादश अध्ययन पर्यंत				१२७	१७८६		गु.	उत्तम	१० × ४।
१६१८	कल्पसूत्र सस्तबक	भद्रबाहुस्वामि			१३२	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१६१९	किरातार्जुनीय महाकाव्य[7]	भारवी कवि			६०	१७१३		सं.	उत्तम	१० × ४।।
१६२०	प्रज्ञापनोपांगसूत्र			७७८७	२५४	१७मो		प्रा.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१६२१	चैत्यवदनभाष्य सस्तबक[8]	देवेन्द्रसूरि			१४	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।।।

१. समय प्रमोद लि., बने तरफ चित्र पुष्पिका छे. २. लि. सुरजधर्म गणि ३. प्रथम पत्र नथी, गुणविजय लि., अणहल्लपुर पत्तने ४. अंबादास लि., अनहलपुर ५. लि. रावत गोरा ६. पाटण ७. सीरोही लि. विद्याविजय ८. लि भाणचंद

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१६२२	विंशतिस्थानक विचारसार[1] (पुण्यविलास रास)	जिनहर्ष		५०२५	१४०	१७७१		गु	उत्तम	१० × ४॥
१६२३	द्रौपदी चोपाई[2]	कनक कीर्त्ति			३६	१७६२	१६३२	गु.	उत्तम	१०। × ४॥
१६२४	आचाराङ्गसूत्र मूल			२५५४	७४	१७मो		प्रा	उत्तम	१०। × ४।
१६२५	अंतकृद्दशागसूत्र[3]			८९०	२२	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१६२६	उपासकदशागसूत्र वृत्ति		अभयदेवसूरि		१-२५	१५९७		सं.	उत्तम	१०। × ४।
	अंतकृद्दशागसूत्र वृत्ति		अभयदेवसूरि		२५-३३			स.	उत्तम	
	अनुत्तरौपपातिक दशागवृत्ति		अभयदेवसूरि	१३५०	३३-३६			सं.	उत्तम	
१६२७	अनुत्तरोपपातिक दशाग मूल			१९२	६	१६५०		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१६२८	सङ्ग्रहणीप्रकरण बालावबोध[4]		शिवनिधानगणि		११५	१८०२		गु	उत्तम	१० × ४।
१६२९	सङ्ग्रहणीप्रकरण बालावबोध[5]		दयासिंघगणि		५९	१७४९	१४९७	गु.	जीर्ण	१० × ४।
१६३०	दशाश्रुतस्कंधचूर्णि[6]				९०	१६००		प्रा.	जीर्णप्राय	१० × ४।
१६३१	मुनिपतिचरित्र बालावबोध				६४	१९मो		गु.	जीर्ण	१० × ४।
१६३२	अनुयोगद्वारसूत्र वृत्ति		मल. हेमचन्द्रसूरि	५८००	११४	१६६३		सं.	जीर्णप्राय	१० × ४।
१६३३	अन्निकापुत्रचरित्र				१००	१८मो		प्रा.स.	उत्तम	१०। × ४।
१६३४	आचारांगसूत्र मूल			२६४४	६५	१७मो		प्रा.		१०। × ४।
१६३५	किरातार्जुनीय महाकाव्य[7] सावचूरि पञ्चपाठ	भारवी कवि			८६	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१६३६	द्वादश भावना स्वाध्याय[8]	सकलचन्द्रगणि			६	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	१० × ४।
१६३७	कल्पसूत्र मूल	भद्रबाहुस्वामि			६८	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१६३८	कल्पसूत्र सस्तबक सचित्र[9]	भद्रबाहुस्वामि			८५	१७मो		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४।
१६३९	नवतत्त्व चोपाई[10]	मुनिवेलो		क. १८५	६	१६५२		गु.	उत्तम	१० × ४।
१६४०	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक				३३	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१६४१	उत्तराध्ययनसूत्र सुखबोधावृत्ति	देवेन्द्रगणि			२१८	१६७४	११२९	स.	उत्तम	१० × ४
१६४२	प्रतिलेखनाविधिगाथा-प्रभात-पडण पोरसिगाथा	नेमिचन्द्रसूरि			१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१६४३	परिशिष्ट पर्व[11]	हेमचन्द्राचार्य		३५००	१२८	१६४३		सं.	उत्तम	१० × ४।

१ राजनगरे लि. २ पाटण, ऋषि महावजी लि. ३ एकबाजु चित्र पुष्पिका ४ लि. थंभणपुर (खंभात बंदर) ५ लि. नागोर ६ रूपसागर लि. ७. चित्रपुष्पिका, किंचिदपूर्ण ८ गणि प्रेमविजय लि. ९. प्रथम पत्रमां तीर्थंकरनुं, बीजा पत्रमां गौतम स्वामिनुं, त्रीजी पुष्पिमां देवानंदानुं चित्र छे १० सूर्यपुरे गणि जगसागर लि. ११. जेसलमेरु-सापता भुणा लि बे बाजु चित्र पुष्पिका छे पत्र १२६-१२७ नथी.

प्रति नंबर पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१६४४ परिशिष्ट पर्व सर्ग १थी१३[1]	हेमचन्द्राचार्य		३४६०	८६	१६८९		सं	जीर्णप्राय	१०। × ४।
१६४५ आरमसिद्धि वार्तिकसह[2] ज्योतिष	उदयप्रभदेव	हेमहसगणि	५७५०	१०४	१६५०	१५१४	सं.	उत्तम	१०। × ४।
१६४६ अष्टप्रकारी पूजा कथा सङ्ग्रह	चन्द्रमहत्तर		१३३७	३८	१७मो	११२७	प्रा.	उत्तम	
. १६४७ गुणस्थानप्रकरण सटीक	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञवृत्ति	१०००	३१	१८मो		सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१६४८ चन्द्रप्रज्ञप्तिउपागसूत्र				५४	१६७९		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१६४९ सारस्वत व्याकरण सुबोधिका[3] टीका		चन्द्रकीर्त्तिसूरि		९६	१६४७		स.		१० × ४।
१६५० दमयंतीचंपूकथा अपूर्ण	त्रिविक्रमभट्ट			४५	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१६५१ नवतत्त्व प्रकरण			गा. ५४	५	१९मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१६५२ नववाड स्वाध्याय			क ३९	२	१७२८		गु.	उत्तम	१० × ४।
१६५३ जीवविचार प्रकरण सस्तबक[4]	शातिसूरि			१२	१८६६		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१६५४ जयंति आलापक सस्तबक (भगवती सूत्र अन्तर्गत)				६	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।। × ४।
१६५५ जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी सटीक त्रिपाठ	हरिभद्रसूरि	प्रभानदसूरि	७०५	१३	१८मो	वृ १३९०	प्रा.स.	उत्तम	१० × ४।
१६५६ दडकप्रकरण सवालावबोध त्रिपाठ[5]	गजसार			५	१७मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।। × ४।
१६५७ जिनस्तोत्र कोश	विनयहसगणि			२८	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१६५८ जम्बूकुमार रास	ज्ञानविमल		१०३४	२९	१७८८	१७३८	गु.	उत्तम	१० × ४।
१६५९ ऋषिमडल प्रकरण सस्तबक	धर्मघोष		मू.गा २२३	२१	१७३४		प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१६६० अष्टप्रकारीपूजोपरि-शुकादि[6] कथा सङ्ग्रह				३५	१६८२		सं	मध्यम	९।।। × ४।।
१६६१ रूपमजरी नाममाला[7]	रूपचन्द्र		१२३	६	१८७४		सं.	उत्तम	९।।। × ४
१६६२ चपकश्रेष्ठि कथानक[8]	प्रीतिविमल			१५	१७०२		स.		१० × ४।
१६६३ आचारागसूत्र प्रदीपिका[9]		जिनहससूरि	९५५०	२७८	१८मो		स.		१० × ४।।
१६६४ मेघदूत काव्य सटीक त्रिपाठ	कवि कालिदास		मू.श्लोक १२७	२९	१७०९		स	जीर्ण	९।।। × ४।
१६६५ उत्तमविलास रास	पुन्यप्रभ-भावप्रभसूरिशिष्य		२५५	१४	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४।
१६६६ अध्यात्म गीता	देवचन्द्र			५	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४।।

१ ले चित्र पुष्पिका- सोदियामे पुण्यविजय लि २ अणहिल्लपुरपत्तने वर्धमान लि. (विजयचद्रकेवलीचरित्रगत) ३ क्षेमकलश लि ४ राजनगरे लि ५ देवविमल लि. ६ विद्यासोम गणि लि प्रथम पत्र नथी ७ राजनगरे लि ८ सूरत मानविजय गणि लि ९ पत्र ११मु डनल

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१६६७	अष्टप्रकारीपूजा कथासङ्ग्रह[1]	चन्द्रमहत्तर			३१	१७७१	११२७	प्रा.		१०×४॥
१६६८	अष्टप्रकारीपूजा	उत्तमविजयजी			४	१९मो	१८१७	गु	उत्तम	९॥।×४॥
१६६९	वैराग्य स्वाध्याय[2]	श्रीसार		क.७०	४	१८५०		गु	मध्यम	९॥।×४।
१६७०	शांब-प्रद्युम्न रास[3]	समयसुदर		८००	२३	१७८४		गु.	उत्तम	१०×४॥
१६७१	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र			५४६४	१०३	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०×४॥
१६७२	वीरजिन निर्वाण दीवाली स्तवन	गुणहर्ष			९	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।
१६७३	कयवन्नाशेठ चोपाई[4]	जयरग			१२	१८१९	१७३१	गु.	उत्तम	१०×४॥
१६७४	आवश्यकसूत्र प्रथम पीठीका[5]									
	बालावबोध			१५१४	१९	१५२७		गु.	उत्तम	१०।×४॥
१६७५	नर्मदासुदरी कथा				१०	१७मो		स.	उत्तम	१०।×४।
१६७६	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक[6]	शय्यम्भवसूरि			५७	१७मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०।×४।
१६७७	स्वाध्याय-सज्झाय सङ्ग्रह[7]				८१	२०मो		गु.	मध्यम	१०×४॥
१६७८	(१) सनतकुमार स्वाध्याय			क. १८	१लुं	१८मो		गु.	उत्तम	९॥।×४।
	(२) सुदर्शन श्रेष्ठि स्वाध्याय	लालविजय		क. ४४	१थी३			गु.		
	(३) अनुत्तरवासी सुर स्वाध्याय	गुणविजय		क १५	३जुं			गु.		
१६७९	महावीर जिन स्तवन	उ.यशोविजयजी			६	१९मो		गु.	उत्तम	९॥।×४।
१६८०	सिदूरप्रकर सटीक त्रिपाठ[8]	सोमप्रभाचार्य			२७	१८मो	१७०८	सं.	उत्तम	१०×४।
१६८१	राजप्रश्नीयोपांगसूत्र वृत्ति[9]		मलयगिरि	३८९८	७०	१६२७		सं.	उत्तम	१०×४॥
१६८२	दडक प्रकरण सस्तबक	गजसार			९	१७२९		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।
१६८३	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका[10]									
	सबालावबोध त्रिपाठ	धर्मकीर्त्ति	सहजरत्न		१०	१६८५		पा.सं.	उत्तम	१०×४।
१६८४	महावीर जिन स्तवन[11]	हसराज			८	१६९८		गु	उत्तम	१०×४।
१६८५	चिलातिपुत्र स्वाध्याय[12]	जिनहर्ष			४	१७९४		गु.		९॥।×४।
१६८६	सोलसतीभास	मेघराज			१७	१९मो		गु.	मध्यम	९॥×४॥
१६८७	द्रव्यसङ्ग्रह सावचूरि त्रिपाठ	नेमिचन्द्रमुनि			७	१७मो		पा.सं	उत्तम	१०×४।
१६८८	सार शिखामण रास	सवेगसुदर			१७	१९मो	१५४८	गु.	मध्यम	९॥।×४।
	वृत्तिसह पंचपाठ			[illegible]						
१६८९	भक्तामर स्तोत्र	मानतुगसूरि	रत्नचंद्रगणि	६५८	१२	१७मो		सं.	श्रेष्ठ	१०×४।

१. रूपविजय लि. लिमाणंदि ग्रामे २. पं. केशरचंद्र गणि लि. ३. राजनगरे लि ४. लि साचोर ५. लि. पत्तननगरे ६ लिखित् अपूर्ण ७. प्रथम पत्र नथी ८. पत्र २५-२६ नथी, बे चित्र पुष्पिका छे. ९. सारंगपुर नगरे लि. १०. नरसिंग लि. ११. किनारी करेली १२. पत्तन नगरे लि

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१६९०	नदीसूत्र बालावबोध सह[1]			७००	८५	१७९०		प्रा.गु.	अतिजीर्ण	१० × ४।
१६९१	अनुयोगद्वारसूत्र वृत्ति[2]		मल.हेमचन्द्रसूरि	५७५०	१२५	१६७२		स.	मध्यम	९।।। × ४।
१६९२	आत्मबोधकुलक सस्तबक	जयशेखरसूरि			८	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४।।
१६९३	सुरसुदरी रास	नयसुदर			२५	१७मो	१६४४	गु.	उत्तम	१० × ४।।
१६९४	कल्पसूत्र सुबोधिका टीकासह[3]	भद्रबाहुस्वामि	विनयविजयजी		९९	१८मो	१६९६	प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।
१६९५	उपासकदशांगसूत्र सस्तबक				३६	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१६९६	श्रीपालचरित्र[4]	रत्नशेखरसूरि			४१	१७मो	१४२८	प्रा.	उत्तम	१० × ४
१६९७	त्रिषष्ठिशलाकापुरुषचरित्र सप्तम पर्व[5]	हेमचन्द्राचार्य			१३५	१६६१		सं.	मध्यम	१० × ४।
१६९८	श्रीचन्द्रकेवली चरित्र			३६८५	७४	१७मो		सं	उत्तम	१० × ४।
१६९९	मेघदूतकाव्य सटीक त्रिपाठ	कवि कालिदास		मू.का. १२७	२१	१७मो		सं.	उत्तम	९।।। × ४
१७००	उपासकदशागसूत्र सस्तबक[6]			२०१३	७८	१७मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।। × ४।
१७०१	आचारोपदेश	चारित्रसुदर गणि			९	१८मो		सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१७०२	पर्यंताराधनाप्रकरण सस्तबक	सोमसूरि		२०० गाथा. ७०	९	१७१४		प्रा गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१७०३	योगशास्त्र अध्यात्मोपनिषद्	हेमचन्द्राचार्य			२०	१७मो		स.		१० × ४।
१७०४	मुक्तावली न्यायशास्त्र				११			सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१७०५	योगविधि				६	१९मो		प्रा.गु.		१० × ४।
१७०६	अनुत्तरोपपातिकदशांग विवरण		अभयदेवसूरि	१३००	१०	१६१०		स.	उत्तम	९।।। × ४।
१७०७	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश स्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय			२८	१७मो		गु	उत्तम	९।।। × ४
१७०८	क्षेत्रसमासप्रकरण लघुक्षेत्र समास[7] यत्रचित्र सहित	रत्नशेखर			३६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१७०९	आलोचना विधि[8]				८	१९मो		गु.		९।।। × ४।
१७१०	कथासङ्ग्रह	मल. तिलकसूरि शिष्य			२३	१८मो		सं.	उत्तम	९।।। × ४।
	(१) कमलकथा							सं.		
	(२) बधिरकुटुंबकथा							स.		
	(३) निदकवृद्धाकथा							सं.		
	(४) बुद्धिसिद्धि स्थविरा कथा							सं.		

१ पत्र ४४ थी ६० नथी, अलवर नगरे लि २ भीजायेली ३. पचमक्षण पर्यंत ४. चित्र पृष्ठिका ५. रामायण चरित्र, मालपुरे लि. रत्ना ६. चित्र पृष्ठिका ७. चित्र पृष्ठिका ८ प्रथम पत्र नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
	(५) रोहक कथा							स.		
	(६) जित परिव्राजक कथा							स		
	(७) श्वश्रू- वधू कथा							सं.		
	(८) जटाधर कथा							स.		
१७११	(१) वैराग्य गीत छत्रीसी	समयसुंदर		गीत. ३६	१०	१८मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
	(२) वैराग्य गीत छत्रीसी बीजक			कडी. ३६				गु.		
१७१२	अध्यात्म गीता[1]	देवचन्द्र		४४०	१५	१८८१		गु.		९।।। × ४।
१७१३	भक्तामरस्तोत्र	मानतुङ्गसूरि		३५०	१०	१७मो		प्रा.स.	उत्तम	१० × ४।
	अजितशांति स्तव सावचूरि	नंदिषेण		२६१				प्रा.सं.		
१७१४	शुकराज कथा अपूर्ण				२९	१८मो		सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१७१५	नलदवदंती रास	समयसुंदर			३६	१८मो	१६७३	गु.	उत्तम	१० × ४।
१७१६	नारचन्द्र ज्योतिष[2]	नरचन्द्रसूरि			१५	१७२९		सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१७१७	अनुत्तरोपपातिकदशांगसूत्र सस्तबक			५११	१७	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१७१८	अंतकृद्दशागसूत्र			८१२	२३	१७मो		प्रा.	उत्तम	९।।। × ४।
१७१९	पर्यंताराधनाप्रकरण सस्तबक	सोमसूरि		मू.गा. ७०	९	१७३४		प्रा.गु.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१७२०	महावीर जिन स्तवन	उ. विनयविजयजी			३	१८मो	१७३२	गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१७२१	भक्तामरस्तोत्र[3]	मानतुङ्गसूरि			५	१९मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
१७२२	भक्तामरस्तोत्र	मानतुङ्गसूरि		वृत्त. ५४	५	१८मो		सं.	जीर्ण	१० × ४।
१७२३	भक्तामरस्तोत्र बालावबोध सह	मानतुङ्गसूरि		६०३	२३	१८मो		सं.गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१७२४	पार्श्वनाथ गीता	उदयविजयजी			१६	१७२०		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१७२५	अभिधानचिंतामणि- नाममाला अपूर्ण	हेमचन्द्राचार्य			६२	१९मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
१७२६	रघुवश काव्य सटीक त्रिपाठ[4]	कवि कालिदास	मल्लिनाथसूरि		१५२	१७०४		सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१७२७	अध्यात्मसार टिप्पणक सह	यशोविजयजी			४६	१९मो		स.	मध्यम	९।।। × ४।।
१७२८	अंजना सती रास	भुवन कीर्ति		१०९३	४०	१८मो	१७७६	गु.	मध्यम	९।।। × ४।
१७२९	अध्यात्म कल्पद्रुम सटीक[5]	मुनिसुंदरसूरि	रत्नचन्द्र	२५५९	६१	१८४८टीका.	१६७४	सं.	मध्यम	९।।। × ४।
१७३०	कर्मग्रथ पचम सस्तबक[6]				९३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।

१. लि ऋद्धिविजय २ लि सांमतीर्थ ३. पत्र ५मुं उथल ४ प्रथम पत्र नथी ५ चंद्रावतीनगर ६. पत्र ३जु नथी ७९ थी ८५ नथी.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१७३१	अष्टान्हिका व्याख्यान सस्तबक	भावप्रभसूरि			३१	१९मो		स गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१७३२	उपासकदशाग सूत्र सटीक[१]		अभयदेवसूरि	१८१२	३८	१६८५		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४॥
१७३३	नवकार बालावबोध			३००	१३	१७३५		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१७३४	जातकपद्धति सवृत्ति[२]	श्रीपति भट्ट	कृष्णदेवज्ञ	वृ. १३६	५४	१८३५		स.	उत्तम	९॥ × ४।
१७३५	रणसिंह राजा कथा[३]			५२५	१७	१९मो		गु.		९॥। × ४।
१७३६	वाक्यप्रकाश	उदयधर्म			७	१९मो	१५०७	सं.	मध्यम	९॥ × ४।
१७३७	वीरजिनस्तवन-पुण्यप्रकाश[४] स्तवन	विनयविजयजी उपा.			४	१८मो	१७२९	गु.	उत्तम	९॥ × ४।
१७३८	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र सस्तबक			१४०००	३३३	१७३४		प्रा.गु.	उत्तम	९॥ × ४।
१७३९	उत्तराध्ययनसूत्र वृत्तिसह		भावविजयजी	१६२५५	७४३	१७३३	१६८९	प्रा.स.	उत्तम	९॥ × ४।
१७४०	उपासकदशागसूत्र सस्तबक			३१३५	७५	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥ × ४।
१७४१	भगवतीसूत्र गमाविचार				५६	१८मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१७४२	आचारदशांगसूत्रनिर्युक्ति	भद्रबाहुस्वामि			५	१८मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४।
१७४३	अभिधानचितामणि नाममाला	हेमचन्द्राचार्य			६६	१८मो		स.	मध्यम	९॥ × ४।
१७४४	शातिनाथ विवाहलउ[५]	नवरस सागर			१६	१८मो		गु	उत्तम	९॥ × ४
१७४५	श्रीपालरास[६]	विनयविजय-यशोविजयजी			८३	१८१२	१७३८	गु.	उत्तम	९॥ × ४
१७४६	श्रीपालरास	ज्ञानसागर			१८	१८मो	१५२१	गु.	मध्यम	९॥ × ४।
१७४७	वृत्तरत्नाकर वृत्तिसह[७]	केदार	समयसुदर		२६	१७४२	१६४९	स.		९॥ × ४
१७४८	सिंहासन बत्रीसी कथा				३७	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४॥
१७४९	मलयसुदरी रास	जिनहर्ष		३८७५	१२५	१९मो	१७५१	गु.	मध्यम	
१७५०	महीपाल चरित्र	चन्द्रगच्छीय वीरदेवगणि		१८१७ गाथा. ग्र. २२७१	५७	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१७५१	दशवैकालिकसूत्र सबालावबोध पञ्चपाठ	शय्यम्भवसूरि			४९	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
१७५२	दशाश्रुतस्कंध चूर्णि				५२	१७मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४।
१७५३	दशाश्रुतस्कंध मूल				५२	१७मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४॥
१७५४	सङ्ग्रहणी प्रकरण टीका	देवभद्रसूरि		३५००	८१	१७मो		सं.	जीर्ण	९॥। × ४।

१. लि. कुमरमिराव २. सत्यविजय लि. ३. जलालपुरे लि, प्रथम पत्र नथी ४. ऋद्धिवर्धन लि., फरमान वाडी, रचना रानेर ५ लि. सहजरत्न. प्रथम पत्र नथी. ६. पमायत नंदरे लि. ७ पमायत लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१७५५	सङ्ग्रहणी प्रकरण सटीक त्रिपाठ[1]	श्रीचन्द्रसूरि	देवभद्रसूरि	३५०० गाथा. २७६	८१	१८४३		प्रा स	उत्तम	९।।। × ४।
१७५६	सम्यक्त्वकौमुदी चोपाई	वत्सराज		१४८४	४८			गु	उत्तम	१० × ४।
१७५७	राजप्रश्नीयोपागसूत्र सस्तबक			३२८१	१४८	१६८९		प्रा.गु	उत्तम	१० × ४।
१७५८	अभिधानचिंतामणिनाममाला	हेमचन्द्राचार्य			४७	१८मो		स	मध्यम	१० × ४।
१७५९	चोवीशी दंडक ओगणत्रीश द्वार[2]				१७	१८८३		गु	मध्यम	९।।। × ४।
१७६०	दशाश्रुतस्कधसूत्र				२१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
१७६१	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक[3]	शय्यम्भवसूरि		अध्ययन १थी१०	५१	१७७१		प्रा गु	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१७६२	सिंदूरप्रकर बालावबोध सह[4]	सोमप्रभाचार्य			३१	१७१९		स.गु	उत्तम	१० × ४।
१७६३	शालिभद्ररास[5]				२४	१७५७		गु.	मध्यम	१० × ४।
१७६४	सिद्धांतचन्द्रिका टीका अपूर्ण				६१			स.	उत्तम	१० × ४।
१७६५	सिद्धांतचन्द्रिका सुबोधिनी टीका[6]				६१	१८२७		सं	उत्तम	१० × ४।
१७६६	सारस्वत व्याकरण धातुपाठ[7]	चन्द्रकीर्तिसूरि			१३	१७७१		सं.	उत्तम	१० × ४।।
१७६७	शब्दरूपाणि				१९	१९मो		स.	उत्तम	९।।। × ४।।
१७६८	षडावश्यकसूत्राणि बालावबोध[8]				४२	१९मो		प्रा.गु.	जीर्ण	९।।। × ४।।
१७६९	श्रीपालरास सस्तबक	विनयविजय-यशोविजय			५१	१९मो	१७३८	गु.	उत्तम	१० × ४।।
१७७०	समयसार नाटक	बनारसीदास			७६	१७मो		स.	उत्तम	९।।। × ४।
१७७१	समयसार नाटक[9]	बनारसीदास			४१	१७३०		गु	उत्तम	१० × ४।।
१७७२	अनुयोगद्वारसूत्र			१४००	६७	१६४८		प्रा.	उत्तम	९।।। × ४।
१७७३	दान-शील-तप-भावना संवाद	समयसुदर			८	१९मो	१६६२	गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
१७७४	दान-शील-तप-भावना-[10] कुलक सस्तबक				६	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।।। × ४।
१७७५	(१) जैन मेघदूत काव्य	मेरूतुङ्गसूरि		४१८	१थी१६			सं.	जीर्ण	९।।। × ४।।
	(२) विदग्धमुखमडन	धर्मदास		३७५	१६थी२९			सं.		
१७७६	विचारसार प्रकरण	देवचन्द्र			१५	१८मो		प्रा.		१० × ४।।
१७७७	उत्तराध्ययनसूत्र				२८१	१६१०		प्रा.	उत्तम	९।।। × ४।

१. लि. प्रह्लादनपुर २. लि. पालनपुर पत्र ५-६ नथी ३. मुनि प्रियंकराज लि., पद्मावती ग्रामे ४. राजनगरे लि. ५. पालनपुरे लि. ६. लाडणु ग्रामे लि. ७. लि. दानचंद्र, पत्तन ग्रामे ८. बे नाजु चित्र पुष्पिका छे ९. लि. केशरविजय, मरुदेशे पद्मावतीनगरे १० विमलसागर लि. पत्यपुर

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१७७८	द्रव्यसङ्ग्रह बालावबोध सह	नेमिचन्द्रमुनि			१५	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१७७९	विद्याविलासकथा				८	१७०१		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
१७८०	दंडकप्रकरण सस्तबक	गजसार			१६	१८५९		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१७८१	ललित विस्तरा-[१] चैत्यवदनवृत्ति पंजिकासह	हरिभद्रसूरि	मुनिचन्द्रसूरि	२२००	३२	१७मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
१७८२	स्थूलभद्रचरित्र पद्य सस्तबक[२]	जयानंदसूरि		मू.का. ६७५ ग्र. २५००	९४	१८७२		सं.गु.	मध्यम	९॥। × ४।
१७८३	पचसूत्र-पापप्रतिघात-गुणबीजाधानसूत्रवृत्ति	हरिभद्रसूरि			३२	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४॥
१७८४	नैषध महाकाव्य	हर्ष कवि			५१	१८मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
१७८५	अभिधानचिंतामणि-[३] नाममाला सटीक	हेमचन्द्राचार्य	स्वोपज्ञ टीका	१००००	१९४	१६५८		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
१७८६	अभिधानचिंतामणि-नाममाला मूल	हेमचन्द्राचार्य			४७	१८मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१७८७	साधुप्रतिक्रमण सूत्र सबालावबोध				२१	१७९७		गु.	मध्यम	१० × ४।
१७८८	अगीयार गणधर स्तवन				८	१७४३		गु	उत्तम	१० × ४॥
१७८९	नंदिसूत्र[४]	देववाचक			३७	१६८७		प्रा.	उत्तम	१० × ४॥
१७९०	कल्पसूत्र सस्तबक अपूर्ण[५]	भद्रबाहुस्वामि			१०१	१७मो		प्रा.गु.		९॥। × ४।
१७९१	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक			मू.गा. ५१ ग्र. ७००	२१	१७१६		प्रा.गु.	मध्यम	९॥। × ४।
१७९२	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक		स्त. मानविजय	मू.गा. ९७ ग्रं. १२००	३९	१९मो		प्रा.गु.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
१७९३	नवतत्त्वप्रकरण मूल			गा. ५१	४	१८मो		प्रा	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
१७९४	निरयावलिकासूत्र सस्तबक				७०	१७३३		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
१७९५	पचकल्प भाष्य				६५	१७१९		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४॥
१७९६	मौनएकादशी देववंदन[६]	दान (विजय)			५	१७७५		गु.	उत्तम	९॥। × ४॥
१७९७	ज्ञानपंचमीकथा-सौभाग्य-पंचमी कथा	कनककुशल			६	१७मो	१६५५	सं.		१० × ४॥

१. प्रथम पत्र नथी २. पाटणनगरे लि. ३. बे बाजु चित्रपृष्ठिका पत्तने लि. ४. वर्धमान लि. ५. मींजायेली-एक चित्रपृष्ठिका, प्रथम पत्रे तीर्थंकरनुं चित्र ६ कल्याणचद्रसूरि लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१७९८	लघु अतर वाचना[1]				४२	१६३६		गु	मध्यम	९।।।×४।
१७९९	विशतिस्थानक विचारसार[2]									
	पुण्यविलासरास	जिनहर्ष		ढाल १३२ गा ३२८०	१११	१७५०		गु	मध्यम	९।।।×४।
१८००	विहरमान जिन विशी गीत	लींबो		ग्र. ४६३५ ४००	१०	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
१८०१	विहरमान जिन विशी स्तवन[3]	उ. यशोविजयजी			६	१८मो		गु	उत्तम	९।।।×४।
१८०२	विहरमान जिन विशी स्तवन	ज्ञानविमलसूरि			१०	१७९१		गु	मध्यम	९।।×४।
१८०३	वैद्यमनोत्सव वैद्यक	नयनसुख			२२	१७००	१६४९	गु.	मध्यम	१०×४।
१८०४	विचाररत्नाकर[4]	कीर्तिविजयोपाध्याय			२२०	१६९०		स	उत्तम	९।।।×४।
१८०५	विमलमत्रीश्वररास[5]	लावण्यसमय		खड.९ कडी. १३५६	४५	१७०३	१५६८	गु	उत्तम	९।।।×४।
१८०६	सारस्वत व्याकरण[6]	अनुभूति स्वरूपाचार्य			१३	१८७६		स.		९।।।×४।
१८०७	प्रशमरतिप्रकरण सटीक	उमास्वाति वाचक		२५०५	४५	१७मो		सं	उत्तम	९।।।×४।
१८०८	सन्मतिप्रकरण तत्त्वबोधिनी[7]									
	टीका	अभयदेवसूरि तार्किक पचानन			५०२	१७३३		स.	उत्तम	९।।×४।
१८०९	पचम कर्मग्रंथ (शतक)[8]									
	बालावबोध सह	देवेन्द्रसूरि	तपा जयसोम	३२००	१०२	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।×४।
१८१०	पचम कर्मग्रथ(शतक) सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			३०	१८मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।×४।
१८११	कर्मग्रथत्रय अर्थसह[9]	देवेन्द्रसूरि			२५	१८मो		पा.गु	मध्यम	९।×४।
१८१२	कल्पसूत्रवृत्ति[10]				१५१	१८१६		स.	उत्तम	१०×४।।
१८१३	उपदेशमाला प्रकरण[11]	धर्मदासगणि			२१	१७मो		प्रा.	उत्तम	९।।।×४।
१८१४	(१) कर्मग्रथ पंचक सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			१ थी ६३	१८मो	१७०६	पा गु.	जीर्णपाय.	९।।।×४।
	(२) कर्मग्रथ षष्ठ सस्तबक (सप्ततिका प्रकरण)		मुनि संगसोम		६३थी८०			पा.गु.		
१८१५	उपदेशमाला कर्णिकावृत्ति	उदयप्रभदेव			२५३	१७मो	१२९९	सं.	उत्तम	९।।।×४।

१. गढ रणथंभोर लि किनार करडेली छे २. लि. पाटणनगरे ३. पत्र २जुं नथी, स्तवन १९ पर्यंत, अपूर्ण ४. पत्र ३-४ नथी. लि. विनयविजय गणि ५ रचना-मालसूक (पाटण पासे) लि. चउक नगर (शत्रुंजय पासे) ६. राजनगरे मोतीचंद लि. ७ पत्र ३१६-३१७ नथी ८. स्तबक रचना द्विशशिघनमितेऽब्दे ९. एक तरफ चित्र पुष्पिका १०. पाटण लि. पत्र ११२थी १२२ नथी ११. चित्र पुष्पिका

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८१६	गौतमपृच्छा बालावबोध सह		बा. विशालराज		५५	१७५७		प्रा.सं.	उत्तम	९।।। × ४।।
	बीजक सह			गा. २६३	१०	१७मो		प्रा.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१८१७	लघु क्षेत्रसमास प्रकरण[1]			क.५५	३	१७०४		गु.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१८१८	क्षमा पंचावनी	लब्धिविजय								
१८१९	गच्छाचारप्रकीर्णक वृत्तिसह[2]		वृत्ति० विजयविमल	५८५०	१५७	१७मोवृत्ति.	१६३४	प्रा.स	उत्तम	९।।। × ४।
	बीजकसह				९	१९मो		प्रा.गु.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
१८२०	कायस्थितिस्तोत्र सस्तबक									
१८२१	जीवाभिगमोपागसूत्र वार्त्तिक[3] सस्तबक		विमलसोम सस्तबक		२६५	१७६६		प्रा.गु.	उत्तम	९।। × ४।
१८२२	संग्रहणी प्रकरण सचित्र सस्तबक[4]	श्रीचन्द्रसूरि		मू.गा. ३६०	६५	१९मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।। × ४।।
१८२३	श्रीचन्द्रकेवलीचरित्र सस्तबक[5]			११११५	२५९	१८८१		सं.गु.	उत्तम	९।। × ४।।
१८२४	प्रश्नोत्तररत्नाकर–सोमप्रश्न[6]	सग्राहक–शुभविजय			१५६	१८५२		सं.	उत्तम	९।।। × ४।।
१८२५	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति उपागसूत्र[7]			४४५४	१५६	१६७२		प्रा.	उत्तम	९।। × ४।
१८२६	किरातार्जुनीय महाकाव्य[8] सटीक त्रिपाठ	भारवि कवि	मल्लिनाथसूरि	७५००	१४३	१७मो		स.	मध्यम	९।।। × ४
१८२७	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण सस्तबक	रत्नशेखरसूरि	मेघराज	२९२५	१०१	१७३४		प्रा.गु	मध्यम	९।।। × ४।
				मू.गा. २६४						
१८२८	नदिसूत्र सस्तबक				७२	१९मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।। × ४।
१८२९	सड्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक[9]	श्रीचन्द्रसूरि		स्त. १६५०	५६	१७६४		प्रा.गु.	मध्यम	९।। × ४।
				मू.गा. ३३८						
१८३०	किरातार्जुनीय महाकाव्य सटीक त्रिपाठ	भारवि	मल्लिनाथसूरि	४९००	११६	१७मो		स		९।।। × ४।
१८३१	सूत्रकृतागसूत्र[10]			२२१०	६१	१८मो		प्रा.		९।। × ४।
१८३२	योगशास्त्र बालावबोध सह अपूर्ण				६१	१९मो		गु.	मध्यम	९। × ४।।।
१८३३	शब्दशोभा	नीलकठ			२३	१९मो		सं.	मध्यम	९। × ४।।
१८३४	स्थानागसूत्र बालावबोध सह[11] सस्तबक			३७५०	२४२	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।। × ४।।

१ ऋषि सुमतिचद्र लि २ पत्र ९२मुं डबल छे ३ अणहल्लपुर पत्तन. पत्र २५मुं डबल ४. पत्र ४३मु नथी ५ लि. ऋषभ विजय पत्र १५९ थी १६४ नथी ६. विसल नगर लि. ७. चित्र पृष्ठिका छे, अणहिलपुर पत्तने लि. ८. पाणीथी भींजायेली छे. ९. विजयरत्नगणि लि. पाणीथी भींजायेली १०. चित्र पृष्ठिका ११. पत्र १३७मुं डबल छे.

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८३५	रसिक प्रिया[१]	केसवदास			४४	१६१७		गु	उत्तम	९॥। × ४।
१८३६	ग्रहलाघवसिद्धातरहस्य	गणेश दैवज्ञ			३६	१८मो		स	उत्तम	९॥। × ४।
१८३७	शातिनाथ चोपाई	माणिकसागर			६१	१९मो	१७२०	गु.	जीर्ण	९॥ × ४।
१८३८	जयतिहुयणस्तोत्र सस्तबक[२]	अभयदेवसूरि			१०	१७०६		अपभ्रश गु	जीर्ण	९॥ × ४॥
१८३९	पश्नव्याकरणसूत्र सटीक त्रिपाठ		टीका. अभयदेवसूरि	४६३०	१२१	१७मो		प्रा स		९॥ × ४।
१८४०	सुरसुदरी रास	विनयसुदर			१२	१८मो	१६४४	गु	उत्तम	९। × ४।
१८४१	जिनपूजाधिकार				६	१८४६		गु	उत्तम	९॥ × ४।
१८४२	जम्बूस्वामि चोपाई	देपाल कवि			७	१६३७	१५२२	गु.	उत्तम	९। × ४।
१८४३	सिद्धाचल तीर्थमाला	अमृतविजय			१७	१९मो	१८४०	गु	मध्यम	९। × ४॥
१८४४	पुण्यसार रास[३]	तेजचन्द		५२८	१६	१७०१		गु		९॥ × ४॥
१८४५	जीवविचार प्रकरण सस्तबक	शातिसूरि			१३	१८मो		पा.गु.		९। × ४।
१८४६	चोवीस दंडक ओगणत्रीस द्वार				१५	१९मो		गु.	उत्तम	९। × ४।।।
१८४७	कुलध्वजकुमाररास[४]	उवएसगच्छी ककसूरिशिष्य		गा. ३५८	१९	१६०५		गु.	जीर्णप्राय	९। × ४॥
१८४८	जम्बूस्वामि रास[५]	ज्ञानविमलसूरि			२६	१७६९	१७३८	गु	उत्तम	९। × ४।
१८४९	अष्टोत्तरी स्नात्रविधि[६]				६	१९मो		सं गु.	उत्तम	९। × ४।
१८५०	शत्रुंजयकल्प सस्तबक[७]				१२	१७४५		प्रा.गु	मध्यम	९। × ४।
१८५१	नवकार बालावबोध[८]				३८	१७४४		गु	उत्तम	९। × ४।
१८५२	जयतिहुयणस्तोत्र[९]	अभयदेवसूरि			४	१७५६		अपभ्रश		
१८५३	नवतत्त्वप्रकरण[१०]			गा ४८	१३	१८४५		प्रा.	मध्यम	९। × ४॥
१८५४	उपदेशमालाप्रकरण	धर्मदास गणि			६१	१९मो		प्रा.	उत्तम	९। × ४।
१८५५	ज्योतिषसारसङ्ग्रह				१३	१९मो		सं	मध्यम	९। × ४।
१८५६	शीलवती रास[११]	जिनहर्ष		४७८	१५	१७५८	१७५८	गु	मध्यम	९। × ४
१८५७	अजितसेन-कनकावलीरास[१२]	जिनहर्ष			२३	१७५५	१७५१	गु	उत्तम	९। × ४॥
१८५८	अध्यात्मसार माला	ज्ञानविमलसूरि			६	१८मो	१७६५	गु	उत्तम	९। × ४।
१८५९	जिनपूजाविधि स्तावन	नयविमल			७	१८मो	१७४१	गु.		९। × ४
१८६०	विमलरास अपूर्ण[१३]					१९मो		गु.	मध्यम	९। × ४
१८६१	अभिधानचिंतामणिनाममाला[१४]	हेमचन्द्राचार्य		१५९१	४२	१८०५		स.	उत्तम	९। × ४।

१ पत्तन लि. २. भोजविजय लि. ३. लि. माणिकचंद वीरमग्राम ४. शील विषये ५. लि. ठाकरसी ६. लालकुशल गणि लि ७. राजनगरे लि. ८. राजनगरे लि. ९ उत्तमविजय लि. सिद्धपुरे १०. लि. उपलेटा ११. लि. प्रमोदविजय १२. पत्तननगरे कुशलविजय लिखित १३.प्रथम पत्र नथी १४. लि. भुज.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लाम्बाई-पहोळाई
१८६२	करणकुतूहलकुमुद कौमुदी वृत्ति[१]	सुमतिहर्ष		२१८४	५६	१७६५		स.	उत्तम	९।×४
१८६३	आगमिकवस्तुविचार प्रकरण	जिनवल्लभगणि			२७	१६५०		प्रा.	उत्तम	९।×४
१८६४	शीघ्रबोध	काशीनाथ			२९	१९मो		सं.	उत्तम	९।×३।।।
१८६५	प्रकरणसङ्ग्रह				२४	१७८५		प्रा.	मध्यम	९।×४
	(१) नवतत्त्व प्रकरण							प्रा.		
	(२) जीवविचार प्रकरण	शांतिसूरि						प्रा.		
	(३) सबोधसप्ततिका प्रकरण							प्रा.		
	(४) चैत्यवदनभाष्य.	देवेन्द्रसूरि						प्रा.		
	(५) गुरुवदनभाष्य	देवेन्द्रसूरि						प्रा.		
	(६) प्रत्याख्यानभाष्य	देवेन्द्रसूरि						प्रा.		
१८६६	चोवीशजिन स्तवन	ज्ञानविमलजी			८	१९मो		गु	उत्तम	९।×४
१८६७	यतिजीतकल्पसूत्र सटीक[२]	सोमप्रभ		५५५१	१०७	१७५५		प्रा.सं.	उत्तम	९।×४
१८६८	उत्तराध्ययन गीत	राजशील			१७	१९मो		गु.		९।।×४।
१८६९	रघुवंश काव्य प्रथम सर्ग सटीक त्रिपाठ	कालीदास			१४	१८मो		स.	मध्यम	९।×४
१८७०	गौतमकुलक सटीक[३]		ज्ञानतिलकगणि		६७	१७८७	१६६०	प्रा.सं.	उत्तम	८।।।×४
१८७१	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक[४]		मानविजय	मू.गा. ९९	५१	१७७९		प्रा.गु.	उत्तम	८×४
१८७२	मानतुग मानवती रास[५]	मोहनविजय		ढाल. ४७	६०	१८४७	१७६०	गु.	मध्यम	७।।×४
१८७३	उपदेशमाला आदि प्रकरणपोथी				१२०	१६मो		प्रा.स.	उत्तम	८।।।×३।
	(१) उपदेशमाला प्रकरण	धर्मदासगणि						प्रा		
	(२) बृहत्सङ्ग्रहणी	जिनभद्रक्षमाश्रमण						प्रा.		
	(३) योगशास्त्र चतुर्थप्रकाशपर्यंत	हेमचन्द्राचार्य						सं.		
	(४) गणधर सस्तव	जिनदत्तसूरि						सं.		
	(५) लघुक्षेत्रसमास							प्रा.		
	(६) एकविशति प्रकरण	सिद्धसेनसूरि						प्रा.		
	(७) पिडविशुद्धि प्रकरण	जिनवल्लभगणि						प्रा.		
१८७४	प्रज्ञापनोपांगसूत्र			७९००	२११	१६६३		प्रा.	जीर्णप्राय	१०।×४।
१८७५	प्रज्ञापनोपागसूत्र टीका		मलयगिरि	१५०००	२४८	१७मो		सं.	उत्तम	१०।×४
१८७६	रघुवंश काव्य राघवी टीका सह[६]	कालिदासकवि	चारित्रवर्धन		१४८	१६५०		स.	उत्तम	१०।×४।

१. लि अणहिल्लपुर पत्तने, पत्र ४८मुं डबल छे. २. पत्र ३३-३४ भेगा, पत्र ७४-७५ भेगां छे ३ पत्तननगरे ४. बे बाजु चित्र पृष्ठिका छे. ५. रचना लेखन-पाटण ६. पत्र ४८मुं १३८मु डबल छे.

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८७७	अतकृद्दशागसूत्र			८९०	२१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४
१८७८	कल्पसूत्र सस्तबक[१]	भद्रबाहुस्वामि			१००	१६४१		प्रा गु	जीर्ण	१० × ४।।
१८७९	विपाकसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ अपूर्ण				५१	१७मो		प्रा.स	उत्तम	१०।। × ४
१८८०	सारस्वत व्याकरण	अनुभूति स्वरूपाचार्य		१५००	३६	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
१८८१	नैषध काव्य त्रूटक[२]	हर्ष कवि			५८	१८मो		सं	मध्यम	१०। × ४।
१८८२	खीमरिषि रास[३]	मुनिलावण्य समय		खड. १थी३ गाथा. ५३२	२२	१८मो	१५८६	गु.	उत्तम	१० × ४।।
१८८३	उपदेशमाला आदि प्रकरणपोथी				९४	१७मो		प्रा	उत्तम	१० × ४।
	(१) उपदेशमाला	धर्मदास			१थी२३					
	(२) योगशास्त्र	हेमचन्द्राचार्य			२३थी४१					
	(३) वीतराग स्तव	हेमचन्द्राचार्य			४१थी४८					
	(४) एकविशति शतस्थानप्रकरण	सिद्धसेन			४८थी५१					
	(५) प्रत्याख्यानकुलक				५१थी५२					
	(६) पिडविशुद्धि प्रकरण	जिन वल्लभ			५२थी५७					
	(७) सङ्ग्रहणी प्रकरण	श्रीचन्द्रसूरि			५८थी६९					
	(८) स्थविरावली	देववाचक			६९थी७१					
	(९) चैत्यपरिपाटी				७१थी७२					
	(१०) शाश्वतजिनस्तव	देवेन्द्रसूरि			७२थी७३					
	(११) क्षेत्रसमास प्रकरण	रत्नशेखरसूरि			७३थी७७					
	(१२) कल्याणमंदिर	सिद्धसेन दीवाकर			७७थी८०					
	(१३) भक्तामरस्तोत्र	मानतुङ्गसूरि			८०थी८२					
	(१४) भयहरस्तोत्र	मानतुङ्गसूरि			८२थी८३					
	(१५) सिंदुर प्रकर	सोमप्रभाचार्य			८३थी९०					
	(१६) दशवैकालिक अपूर्ण	शय्यम्भवसूरि			९०थी९४					
१८८४	कल्पसूत्र-पर्युषणाकल्प	भद्रबाहुस्वामि			७१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।। × ४।।
१८८५	विमलमंत्रीश्वररास[४]	लावण्यसमय		खंड. ९	५९	१७मो	१५६८	गु.	जीर्णप्राय	१०।। × ४।
१८८६	सारस्वतव्याकरण दीपिका टीका				८४	१८मो		सं.	जीर्ण	१०। × ४।

१. लि. भीमक शार्दुल ग्रामे पत्र १-२ नथी २ पत्र १ थी १६ नथी ३. रचना- अमदावाद ४. पत्र ५१ थी ५९ पछीथी लखायेला-भीजागेला.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१८८७	उत्तराध्ययन सबालावबोध[1]			९०००	२७८	१७८५		प्रा.गु.	मध्यम	१०×४
१८८८	ज्ञाताधर्मकथांगवृत्ति[2]		अभयदेवसूरि		८८	१६१०	११२८	स.	उत्तम	१०×४॥
१८८९	अंतकृद्दशांगसूत्र			८९०	२१	१६मो		प्रा.	उत्तम	१०×४
१८९०	तर्कपरिभाषा[3]	केशवमिश्रा		७००	२९	१६५७		सं.		
१८९१	श्राद्धविधि प्रकरण विधिकौमुदी टीका सह	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ	६७६१	१६०	१६४८		प्रा.सं.	उत्तम	१०×४।
१८९२	उपदेशमाला प्रकरण[4]	धर्मदासगणि			२७	१५६१		प्रा.	उत्तम	'१०।×४।
१८९३	औपपातिकोपागसूत्र सटीक[5]		अभयदेवसूरि	११७५	८३	१७मो		प्रा.सं.		१०।×४।
१८९४	स्थानागसूत्र[6]				१०५	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।
१८९५	वृत्तरत्नाकरवृत्ति	केदार	सोमचन्द्रसूरि	१२०९	२६	१७मो	१३२९	सं.	उत्तम	१०।×४।
१८९६	औपपातिकोपागसूत्र			१२५०	२५	१६३६		प्रा.	उत्तम	१०।×४।
१८९७	कामसमूह महाकाव्य[7]	मत्री मडन सूत अनंत			२७	१८मो		सं	मध्यम	१०।×४
१८९८	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण यत्रसह	रत्नशेखरसूरि		३२७	२२	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४
१८९९	सङ्ग्रहणी प्रकरण सबालावबोध	श्रीचन्द्रसूरि	शिवनिधानगणि	गा. २६२	१३५	१८७३		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४
१९००	समवायागसूत्र वृत्ति		अभयदेवसूरि		७०	१७मो		स.	उत्तम	१०।×४।
१९०१	समवायागसूत्र मूल			१६६७	४७			प्रा.	उत्तम	१०।×४।
१९०२	ज्ञानपंचमी कथा सस्तबक	कनककुशल			१३	१७८२	१६५५	स.गु.	उत्तम	१०×४।
१९०३	शाब- प्रद्युम्नरास	समयसुंदर		९००	१७	१८मो	१६५९	गु.	उत्तम	१०×४।
१९०४	सूर्यप्रज्ञप्तिउपांगसूत्र			२२००	५७	१७मो		प्रा.		१०।×४।
१९०५	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण सटीक	देवेन्द्रसूरि	स्वोपज्ञ	१२८२०	२८४	१७मो		प्रा.सं.		१०×४।
१९०६	सुदरप्रकाश	पद्मसुंदर		३१७८	६२	१७मो		स		१०।×४।
१९०७	रघुवश काव्य दशसर्गपर्यंत[8]	कालिदास			३५	१८मो		स	मध्यम	१०×४।
१९०८	राजप्रश्नीयोपागसूत्र			२०७९	६४	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।
१९०९	श्रीपालरास सस्तबक	उ. विनयविजय-यशोविजयजी			५१	१८८९	१७३८	गु.	उत्तम	१०।×४।
१९१०	दशवैकालिकसूत्र सटीक	शय्यम्भवसूरि	सुमतिसूरि	३३००	८४	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०।×४॥
१९११	सप्ततिशतस्थानयत्र कोष्टक				१७	१८मो		स.	जीर्णप्राय	१०×४।
१९१२	शत्रुजयमाहात्म्य[10]	धनेश्वरसूरि			६७.	१७मो		सं.	उत्तम	१०।×४।

१. नीतिविजय लि. पत्र ११७ थी १५७ तथा २०१ थी २७७ नथी २. पत्र ८५मुं डबल छे. ३ लि उदयसागर ४. प्रथम तथा बीजा पत्रमां तीर्थंकरनुं चित्र छे. ५.प्रथम पत्र नथी ६ पत्र ३ थी ७- ७७ थी ७९, ८४ थी ९१ नथी चित्र पृष्ठिका ७. लखतां अपूर्ण ८. लि पाडीवनगरे (मरुधर देशे) ९. पत्र २९मुं डबल १०. पत्र ४०मुं डबल

B-7

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१९१३	आवश्यकनिर्युक्ति[१]	भद्रबाहुस्वामि			८६	१७मो		प्रा.	जीर्णप्राय	१०। × ४।
१९१४	श्रीपालरास	उ. विनयविजय-यशोविजय		१८००	६१	१७८७	१७३८	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
१९१५	दशवैकालिकसूत्र	शय्यम्भवसूरि			२०	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
१९१६	दशवैकालिकसूत्र[२]	शय्यम्भवसूरि		७००	१८	१६५६		प्रा.	जीर्णप्राय	१०। × ४।
१९१७	दशवैकालिकसूत्र	शय्यम्भवसूरि			१३	१६मो		प्रा.	जीर्णप्राय	१०। × ४।
१९१८	अष्टकर्मविचार				७	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१९१९	प्रकीर्णकविचार				६	१७मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
१९२०	सिद्धहेमशब्दानुशासन लघुवृत्ति द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादपर्यंत	हेमचन्द्राचार्य	स्वोपज्ञ		२१	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१९२१	श्रीपालरास[३]	जिनहर्ष			७	१८मो	१७४२	गु.		१० × ४।।
१९२२	रात्रिभोजनरास	धर्मसमुद्र			६	१७मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
१९२३	सिद्धातहुडी[४]				५७	१९मो		प्रा.गु.	जीर्णप्राय	१० × ४।
१९२४	दशवैकालिकसूत्र शिष्यबोधिकाटीका	शय्यम्भवसूरि	सुमतिसूरि		६६	१७मो		सं.	जीर्णप्राय	१० × ४।।
१९२५	सिद्धहेमशब्दानुशासन अष्टमोऽध्याय प्राकृतव्याकरण	हेमचन्द्राचार्य			५४	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।।
१९२६	मृगावती चरित्र[५]	देवप्रभाचार्य		१८५२	७०	१६४१		स.	जीर्ण	१० × ४।
१९२७	कथासङ्ग्रह[६]				३१	१८मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
१९२८	सिद्धातविचार				२५	१८मो		प्रा.सं.गु.	उत्तम	१०। × ४।
१९२९	सिद्धांतबिंदु	मधुसुदन सरस्वती			२०	१६५५		सं.	उत्तम	१०। × ४।
१९३०	सप्तपदार्थी मितभाषिणीटीका	शिवादित्य		१५००	३२	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१९३१	न्यायग्रन्थ अनुमानादि				२०	१७मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
१९३२	स्तवनसङ्ग्रह[७]	सकलचन्द			३७	१६९२		गु	जीर्ण	१० × ४।।
	(१) वर्धमानजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(२) हुडीस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(३) गणधरवादस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(४) सीमन्धरस्तवन	सकलचन्द						गु.		

१ पत्र ८६मुं डबल छे २. लि. राधनपुरे ३ सिद्धपुरे लि. प्रतापविमल ४ पत्र १ थी १५ नथी २३ मुं डबल ५ मुनि जिनविजय लि देवासनगरे (मालवदेशे) ६ प्रथम पत्र नथी ७. लि. पाटण

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
	(५) साधारणजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(६) चतुर्विंशतिजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(७) ऋषभसमतासुरलतास्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(८) सीमन्धरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(९) वीरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(१०) सीमन्धरस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(११) सीमन्धरस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(१२) पार्श्वनाथजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(१३) सीमन्धरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(१४) सीमन्धरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(१५) महावीरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(१६) महावीरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(१७) सीमन्धरजिनस्तवन	सकलचन्द						गु.		
	(१८) पार्श्वनाथजिनस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(१९) गौतमस्वामिस्तवन	सकलचन्द						गु		
	(२०) सीमन्धरजिनविज्ञप्तिस्तवन	नयसुंदर						गु.		
१९३३	लघुशान्तिस्तवन सटीक	मानदेवसूरि	हर्षकीर्त्तिसूरि		४	१७मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१९३४	निगोदषट्त्रिंशिका प्रकरण सावचूरि त्रिपाठ	रत्नसिंहसूरि			४	१७मो		प्रा.सं	उत्तम	१० × ४।
१९३५	भक्तामरस्तोत्र सस्तबक	मानतुङ्गसूरि		वृत्त. ४४	१३	१७४६		सं.गु.	उत्तम	१० × ४।
१९३६	भक्तामरस्तोत्र सबालावबोध	मानतुङ्गसूरि		वृत्त. ४४	१३	१८मो		सं.गु.	उत्तम	१० × ४।
१९३७	आचारांगसूत्रवृत्ति अपूर्ण त्रूटक[1]				१७७	१७मो		स.	जीर्णप्राय	१० × ४।
१९३८	शोभनस्तुति वृत्तिसह[2]	शोभनमुनि	जयविजय	२३५०	६४	१८मो	वृत्ति. १७६१	सं.		१० × ४।
१९३९	रत्नाकरपंचविंशति वृत्तिसह त्रिपाठ	रत्नाकरसूरि	कनककुशल	३००	७			सं.	उत्तम	९।।। × ४।
१९४०	कर्पूरमञ्जरी चोपाई	कवि पण्डित मतिसार		कडी. २०५	६	१८मो	१६७५	गु.	उत्तम	१० × ४।
१९४१	जम्बूद्वीपक्षेत्रसमासप्रकरण बालाव०सह			मू.गा. १२० ग्रं. ४०२	१४	१६०३		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।

१. चौंटवाथी नगडेली छे पत्र १ थी २१, २३, २४, ४४थी ५१, ५३ थी ८७, १४० थी १४९ नथी. २. प्रथम पत्र नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१९४२	चतुर्गतिवेली				९	१७२७		गु	उत्तम	१० × ४॥
१९४३	गौतमकुलक सस्तबक[1]				५	१८मो		प्रा गु.	उत्तम	१० × ४॥
१९४४	कर्मग्रन्थचतुष्कमूल[2]	देवेन्द्रसुरि			११	१९मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४॥
१९४५	बलभद्रऋषि स्वाध्याय	भवान		कडी. ७६	३	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
१९४६	चतु.शरणप्रकीर्णक सस्तबक[3]	वीरभद्रगणि			१६	१७८९		प्रा गु.	उत्तम	१० × ४।
१९४७	शीलबत्रीशी	राजसमुद्र		कडी. ३२	१थी३	१८मो		गु	उत्तम	९॥। × ४।
	कर्मबत्रीशी	राजसमुद्र		कडी ३३	३थी५			गु.		
१९४८	कातत्रविभ्रम वृत्तिसह त्रिपाठ				१०	१७५५		स	उत्तम	९॥। × ४॥
१९४९	कल्याणमदिरस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ	सिद्धसेन दिवाकर	हर्षकीर्ति		१२	१८मो	१	स.	उत्तम	१० × ४।
१९५०	श्राद्धविधिप्रकरण विधि-कौमुदी वृत्तिसह	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ		१७०	१७मो	१५५६	प्रा स	उत्तम	९॥। × ४।
१९५१	चैत्यवदनादिभाष्यत्रय	देवेन्द्रसूरि			१५	१८मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४॥
१९५२	रत्नकोश				५-८	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४।
१९५३	नवतत्त्वसारोद्धार प्रकरण[4] सावचूरि त्रिपाठ				११	१६७६		पा.स.	उत्तम	१० × ४।
१९५४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश स्तवन	सकलचन्द्रोपाध्याय			१९	१७मो		गु	उत्तम	९॥। × ४।
१९५५	कुमति खडन स्वाध्याय सबालावबोध त्रिपाठ	मानविजयजी		कडी २१	१३	१८मो		गु	उत्तम	९॥। × ४।
१९५६	चोवीस तीर्थंकर एकसो वीस[5] कल्याणक स्तवन	तपा. परमसागर		गा. ३३	४	१९मो	१७२६	गु	जीर्णपाय	९॥। × ४।
१९५७	पचनिर्ग्रन्थी प्रकरण सस्तबक[6]	अभयदेवसूरि	उ. यशोविजयजी	गा. १४० स्ता. ३५३	२०	१७३१		पा गु.	मध्यम	९॥। × ४।
१९५८	चोमासी संवच्छरी देववदन				७	१७मो		गु	उत्तम	९॥। × ४।
१९५९	गौतमकुलक वृत्तिसह	ज्ञानतिलकगणि		१५००	५१	१८मो	वृ. १६६०	प्रा.स	उत्तम	९॥। × ४।
१९६०	सत्तरभेद पूजाविधि सस्तबक	सकलचन्द्र			१५	स		गु.	उत्तम	१० × ४।
१९६१	दीपालिकोत्सव कल्प गद्य[7]				११	१६४६		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४
१९६२	रत्नसार प्रकरण सस्तबक	गुणसेनसूरि			२५	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४॥

१. लि. हेमविजय २. प्रथम पत्र नथी चतुर्थ कर्मग्रन्थनी गाथा ११ पर्यंत, अपूर्ण ३. लि. माणिक्यविजयजी वीरमग्रामे ४. लि. सत्यविजय सुरत ५. लि. फलवर्धिनगरे ६. पत्र १ थी १६ नथी ७ कमलहर्ष लि.

प्रति नबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१९६३ तर्कसङ्ग्रह	अन्नभट्ट			५	१८मो		स.	उत्तम	९॥। × ४।
१९६४ दशवैकालिकसूत्र	शय्यम्भवसूरि			२०	१७मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४।
१९६५ जैन तर्कभाषा[1]	उ यशोविजयजी			१९	१७१२		सं.	जीर्ण	
१९६६ हीरकलश अपूर्ण	हीरकलश			१२	१९मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४॥
१९६७ मेषादि बारराशी स्थितचन्द्र नियाण				५	१८मो		सं	उत्तम	९॥। × ४॥
१९६८ चमत्कार चितामणि	राजऋषि			५	१८मो		सं	उत्तम	९॥। × ४।
१९६९ जीवविचार प्रकरण बालावबोध	शातिसूरि			२५	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१९७० जीवविचार प्रकरण मूल	शातिसूरि			२	१७मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४।
१९७१ जम्बूपृच्छारास	वीरजी-वीरमुनि		४५०	१४	१८मो	१७२८	गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१९७२ चारप्रत्येक बुद्ध चोपाई	समयसुदर		१२२०	२१	१८मो	१६६५	गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१९७३ श्राद्धविधिप्रकरण विधिकौमुदीटीका सह	रत्नशेखरसूरि	स्वोपज्ञ		११४	१७मो	१५५६	प्रा.सं.		९॥ × ४।
१९७४ महादेव सारणी अपूर्ण	महादेव			३२	१८मो		सं.		९॥ × ४॥
१९७५ तर्कभाषा अपूर्ण	केशवमिश्र			१९	१८मो		सं.	मध्यम	९॥ × ४॥
१९७६ कुमारसभव महाकाव्य सटीक त्रिपाठ	कालिदास	मल्लिनाथ सूरि	३८००	८५	१७मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४
१९७७ एलाचीकुमार रास[2]	न्यान सागर		२९३ गा. १८०	१३	१९मो	१७१९	गु.	उत्तम	९॥ × ४।
१९७८ एलाचीकुमार रास चोपाई[3]	न्यान सागर		ग्र. २६७	१०	१९मो	१७१९	गु	मध्यम	९॥ × ४।
१९७९ शीलरूपकमाला सावचूरि[4]	पुण्यनदि	खर-समयसुंदर		१०		अवचूरि १६६३	गु स.	उत्तम	९॥। × ४।
१९८० त्रिषष्टिशलाका-[5] पुरुषचरित्र प्रथमपर्व	हेमचन्द्राचार्य		सर्ग १थी६ ५१००	१०१	१७३४		स.	उत्तम	९॥ × ४।
१९८१ सूत्रकृतांगसूत्र द्वितीय श्रुतस्कध बालाव०सह त्रिपाठ	पार्श्वचन्द्रसूरि			८६	१६६६		प्रा गु.	उत्तम	९॥। × ४।
१९८२ निशीथसूत्र				२२	१६३१		प्राकृत	उत्तम	९॥। × ४॥

१ लि. लक्ष्मीरत्न, पाणीथी भींजायेली २. रचना-शेषपुर - भाव विषे ३. रचना-शेषपुर - भाव विषे ४. अवचूरि रचना विक्रमद्रंगे ५. लि. पत्तननगरे

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
१९८३	प्रक्रियाकौमुदी टीकासह	रामचन्द्राचार्य	विठ्ठलाचार्य		४१२	१७मो		सं	उत्तम	९॥ × ४।
१९८४	उपदेशरत्नाकर	मुनिसुदर सूरि		वंश. १थीट ४५३	१२	१७मो		स.	उत्तम	९॥। × ४।
१९८५	उत्तराध्ययनसूत्र अध्ययन त्रीजुं,चोथुं, नवमुं, दशमु				५	१७मो		प्रा.	उत्तम	९॥ × ४।
१९८६	वृत्तरत्नाकर सावचूरि पञ्चपाठ[1]	केदार भट्ट			८	१६७२		सं	उत्तम	९॥ × ४।
१९८७	वृत्तरत्नाकर मूल	केदार भट्ट			५	१८१४		स.	उत्तम	९॥। × ४
१९८८	सिंदूरप्रकर सटीक	सोमप्रभाचार्य	हर्षकीर्ति		२६	१८मो	वृत्ति. १७१७	सं.	मध्यम	९॥। × ४।
१९८९	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र वृत्ति	अभयदेवसूरि			७६	१७मो	११२८	सं.	उत्तम	९॥ × ४।
१९९०	वाग्भटालंकार[2]	वागभट्ट			१९	१७३६		सं.	मध्यम	९॥ × ४॥
१९९१	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक		मानविजयजी	१०००	५६	१७३१		प्रा.गु	उत्तम	९॥ × ४॥
१९९२	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र[3] अष्टमपर्व नेमिनाथचरित्र	हेमचन्द्राचार्य			१३९	१६६८		सं.	उत्तम	९॥ × ४।
१९९३	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक[4]		मानविजयजी ग्रं	१२५ स्त. १०५०	५६	१७३१		प्रा गु.	मध्यम	९॥ × ४।
१९९४	दशवैकालिकसूत्र[5]	शय्यम्भवसूरि		गा. ९४	२९	१६६२		प्रा.	उत्तम	९॥ × ४।
१९९५	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	शय्यम्भवसूरि		अध्यन. १०	६२	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥ × ४।
१९९६	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	शय्यम्भवसूरि		मू. ७००	६४	१८मो		प्रा गु	जीर्ण	९॥ × ४॥
१९९७	ध्यानस्वरूप	भावविजयजी			११	१८मो	१६९६	गु.	उत्तम	९॥ × ४।
१९९८	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	शय्यम्भवसूरि	स्त. राजचन्द्रसूरि		५४	१६९५		प्रा.गु.	जीर्ण	९॥ × ४।
१९९९	दशवैकालिकसूत्र[6] सबालाव० त्रिपाठ	शय्यम्भवसूरि	बाला. राजहंसोपाध्याय		९५	१७४५		प्रा.गु.	जीर्ण	९॥ × ४।
२०००	स्थुलभद्र-गुणरत्नाकर छंद[7]	सहजसुंदर			११	१८मो	१५७२	गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२००१	तर्कसङ्ग्रह दीपिका[8]	अन्नं भट्ट			१३	१७६१		सं.		९॥ × ४।
२००२	तर्कसङ्ग्रह मूल[9]	अन्नं भट्ट			५	१७५७		सं.		९॥ × ४।
२००३	नवतत्त्व प्रकरण बालावबोध				६	१८मो		गु	मध्यम	९॥ × ४
२००४	लाभानंदना गीत सङ्ग्रह[10]	लाभानद			१२	१७३०		गु.		९॥ × ४।

१ लि. सत्यविजय पत्तने २. लि. अणाहिल्लपुर पत्तने ३. पत्र ४२मुं डबल पत्र ९७ थी ९९ नथी ४. लि. सारंगपुर ५ रामविजय लि. अमदावाद ६ काशिदासात्मज लि. पत्तननगरे ७. प्रथम पत्र नथी, मुनि यतिलाभ गणि लि शिवपुरी ८.लि. राजशील-सूर्यपुरे ९. राजद्रंगे लि. उदयरत्न १०. राजनगरे लि.

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२००५	लिगानुशासन सावचूरि पन्चपाठ अपूर्ण				५	१८मो		सं.	उत्तम	
२००६	शखेश्वर पार्श्वनाथ छद	नयसुदरजी		कडी. १३१	६	१८मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४
२००७	चोविसजिन स्तवन[1]	दानविजयजी			११	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२००८	ऋषभदेव धवल प्रवंध[2]	सेवक		३६५	११	१७३५		गु.	उत्तम	९॥ × ४॥
२००९	सड्ग्रहणी प्रकरण बालावबोध[3]	मू श्रीचन्द्रसूरि			४२	१८मो		गु.	मध्यम	९॥ × ४।
२०१०	माधवानल कामकदला चोपाई[4]	कुशललाभ वाचक		गाथा. ५८४	२३	१९मो		गु.	जीर्ण	९॥ × ४।
२०११	षडावश्यक सूत्राणि[5] बालावबोध सह				५८	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४।
२०१२	नरवर्म कथा[6]				२३	१८मो		स.	उत्तम	९॥ × ४।
२०१३	अभिधानचिंतामणिनाममाला[7]	हेमचन्द्राचार्य			७०	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४॥
२०१४	रघुवशकाव्य टीकासहं[8]	कालिदास कवि	धर्ममेरु		१३६	१८मो		सं.	उत्तम	९॥ × ४।
२०१५	कल्पसूत्र सुबोधिका टीकासह	भद्रबाहुस्वामि	विनय विजयोपाध्याय		२१०	१८मो	वृत्ति. १६९६	प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४
२०१६	कल्पसूत्र सस्तबक[9] नेमिनाथचरित्र पर्यंत	भद्रबाहुस्वामि		अपूर्ण	१०२	१९मो		प्रा गु	उत्तम	९॥ × ४
२०१७	द्वात्रिंशत् द्वात्रिंशिका[10] सटीक त्रिपाठ	उ. यशोविजयजी	स्वोपज्ञ	५५५०	१४२	१७५३		स.	मध्यम	९॥ × ४
२०१८	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह	भद्रबाहुस्वामि	उ. विनयविजयी		२१०	१८मो	१६९६ टीका	प्रा.स.	उत्तम	९॥ × ४।
२०१९	आराधना कुलक बालावबोध				१३	१७२९		गु	उत्तम	९। × ४
२०२०	अजितशाति स्तव सस्तबक	नदिषेण			१०	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥ × ४
२०२१	पंचतीर्थंकर नमस्कार	महिमाप्रभ			३	१८मो		गु	उत्तम	९। × ४
२०२२	विहरमान जिन वीसी स्तवन[11]	उ. यशोविजयजी			९	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४
२०२३	दान-शील-तप-भावना संवाद	समयसुंदरजी			५	१९मो	१६६२	गु.	मध्यम	९॥ × ४।
२०२४	बधस्वामित्वप्रकरण सस्तबक[12] तृतीय कर्मग्रथ	देवेन्द्रसूरि	स्त यशःसोमशिष्य जयसोम	मू.गा. २५	३१	१९मो	स्त. १७१६	प्रा.गु	मध्यम	९। × ४।

१ भाग्यविजय लि. २ गणि देवविमल लि ३. प्रथम पत्र नथी ४. लि. कथरावी-रचना-जेसलमेर ५. पत्र १थी २० नथी ६ प्रथम पत्र नथी ७. बे बाजु चित्र पुष्ठिका छे. ८. पत्र ५-६-२९ थी ३८, ५४ थी ६१, ७७ थी ११४, ११६ थी १२० नथी ९ पत्र १ थी ७ नथी १०. चोंटवाथी बगडेली छे ११ स्तवन १९मा पर्यंत १२ रचना - वसुधरानगर

प्रति नबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२०२५ चतुर्थ कर्मग्रथ (षडशीति)सस्तबक	देवेन्द्रसूरि		मू गा ८९	६४	१८मो		प्रा गु.	मध्यम	९॥ × ४।
२०२६ कल्पसूत्र सुबोधिका[1] वृत्तिसह त्रिपाठ	भद्रबाहुस्वामि	विनयविजयजी		१७९	१७५९	१६९६	टीकाप्रा.स.	उत्तम	९ × ४।
२०२७ लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ	धर्मकीर्तिसूरि			३	१७मो		स.	उत्तम	९॥ × ४
२०२८ बाल विवेकनी				४	१८मो		स.	उत्तम	९॥ × ४।
२०२९ सप्तस्मरण सस्तबक[2]				३१	१७३५		प्रा.सं.गु	मध्यम	९॥ × ४
२०३० सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक	श्रीचन्द्रसूरि		मू गा. ३३७	५९	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९। × ४।
२०३१ पंचस्वरशब्दसङ्ग्रह				१९	१८मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२०३२ तत्त्वार्थाधिगमसूत्र बालावबोध	उमास्वाति वाचक			३३	१९मो		सं गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२०३३ रघुवश काव्य	कालिदास कवि			१२३	१५२६		स.	जीर्ण	९॥ × ४।
२०३४ कल्याणमदिर स्तोत्र सटीक[3]	सिद्धसेन दिवाकर	कनक कुशल	६५०	२१	१७६२	वृत्ति. १६५२	स.	उत्तम	९। × ४।
२०३५ गच्छाचारप्रकीर्णक बालावबोध सह				६२	१८मो		गु.	उत्तम	९। × ४
२०३६ कृतपुण्यक कथा[4]				२७	१७४४		स.	उत्तम	९॥ × ४।
२०३७ कल्याणमदिर स्तोत्र				१०	१८मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२०३८ जम्बूस्वामि रास	उ. यशोविजयजी			२७	१८मो	१७३९	गु	उत्तम	९। × ४।
२०३९ वीरनिर्वाण स्तवन[5]	देवचन्द्रजी (खर.)		४८५	८	१८मो		गु	उत्तम	९। × ४
२०४० यशोधरचरित्र पद्य	माणिक्य सूरि		सर्ग १थी१४	४०	१८मो		सं.	जीर्णपाय	९॥ × ४
२०४१ षोडशक प्रकरण सटीक त्रिपाठ[6]	हरिभद्रसूरि	यशोविजयजी	१३७८	४४	१७५२		प्रा.सं	उत्तम	९॥ × ४॥
२०४२ सम्यक्त्वकौमुदी[7]			२०००	५०	१६७७		सं.	उत्तम	९॥ × ४।
२०४३ उत्तराध्ययनसूत्र सचित्र[8]				१२८	१७७१		पा	जीर्णप्राय	९॥ × ४।
२०४४ अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति		हेमचन्द्रसूरि	५९००	१११	१७मो		सं	उत्तम	९॥। × ४।
२०४५ आचारागसूत्र वृत्तिसह[9] अपूर्ण त्रूटक		शीलाकाचार्य		त्रूटक	१७मो		प्रा.सं.	जीर्ण	९॥। × ४।

१. पत्तने ऋलकेश्वर लि पत्र ९१-९२ तथा १०९-११० भेगा २. लि पाटण महानगरे ३. लि दानचंद्र ४. चित्र पुष्पिका ५ रचना-भावनगर ६. लि. पत्तने ७. लि. जावालपुरे कल्याणसुंदर ८. चित्र सख्या-३६ राजनगरे लि ९. घणां पत्रो नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सरव्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२०४६	कर्मग्रथ विचार				७	१८मो		गु.	मध्यम	९॥ × ४॥
२०४७	रत्नसार कुमार चोपाई[१]	सहजसुंदर			१७	१७मो	१५८२	गु.	उत्तम	१० × ४।
२०४८	नवकार बालावबोध अपूर्ण				१५	१८मो		गु	उत्तम	९।। × ४।
२०४९	गोतमकुलक बालावबोध सह[२]		पद्मविजयी		४६	१९०६बाला.	१८४६	प्रा.गु.	उत्तम	९।। × ४॥
२०५०	नेमनाथचरित्र				७	२०मो		गु	उत्तम	९॥ × ४
२०५१	प्रज्ञापनोपागसूत्र टीका		मलयगिरि	१४०००	३१२	१६६८		स.	मध्यम	९।। × ४॥
२०५२	चोवीस जिन स्तवन[३]	उ. यशोविजयजी			७	१८मो		गु	उत्तम	९।। × ४॥
२०५३	नरभव दशदृष्टात सज्झाय	ज्ञानविमलसूरि			२३	१७५३		गु	उत्तम	१० × ४॥
२०५४	सप्त स्मरण सस्तबक[४]			१२००	६५	१७३२		प्रा.स.गु	उत्तम	९॥ × ४।
२०५५	न्याय ग्रथ त्रूटक अपूर्ण[५]				६१	१८मो		सं	जीर्ण	१० × ४।
२०५६	द्रव्यानुयोग विचार रास सस्तबक[६]	उ. यशोविजयजी	स्वोपज्ञ	मू.गा. २७३ पर्यंत	६८	१८मो		गु.	उत्तम	९।। × ४॥
२०५७	पचकल्प चूर्णि				७९	१७मो		प्रा.	मध्यम	९।। × ४।
२०५८	यशोधररास (दयाधर्म विषे)[७]	उदयरत्न		ढाल-८१ गाथा. १५०३	५९	१७९९	१७६७	गु	उत्तम	९।। × ४।
२०५९	रामतिआला वेलाना फूलडां सस्तबक			ग्रं. २०००	४	१७९९		गु	उत्तम	९।। × ४।
२०६०	सिदूरप्रकर वृत्तिसह[८]	सोमप्रभाचार्य	हर्षकीर्तिसूरि		२२	१८१२		स.	उत्तम	९।। × ४॥
२०६१	जातकपद्धति वृत्तिसह	श्रीपति भट्ट	सुमतिहर्ष		३७	१७मोवृत्ति	१६७३	स	उत्तम	९॥ × ४।
२०६२	शालिभद्र-धन्नारास	जिनराज (मतिसार ?)		६५०	२२	१७८७		गु	उत्तम	९।। × ४॥
२०६३	उत्तराध्ययन सूत्र सज्झाय	उदय विजय			१२	१९मो		गु	मध्यम	९॥ × ४॥
२०६४	शालिभद्र-धन्नारास	जिनराज (मतिसार ?)			२०	१८मो	१६३८	गु.	उत्तम	९।। × ४।।।
२०६५	चोमासी देववंदन[९]				९	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२०६६	पिंडविशुद्धिप्रकरण सस्तबक[१०]	जिनवल्लभगणि	इद्रसौभाग्य	मू.गा. १०३	१८	१७१० स्त.	१७१०	प्रा गु.	उत्तम	९।। × ४।
२०६७	कर्मग्रथ पचम सस्तबक	देवेन्द्रसूरि	स्त. धनविजय	८१५	२७	१७३२ स्त.	१७००	प्रा.गु.	जीर्णप्राय	९।। × ४।
२०६८	कर्मग्रथ षट्क सस्तबक[११]	देवेन्द्रसूरि १थी५	स्त. धनविजय	२००४	७९	१७२६		प्रा.गु	जीर्णप्राय	९।। × ४॥
२०६९	अध्यात्म सज्झाय सङ्ग्रह[१२]	मणीचन्द			१३	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४॥

१. लि. पंड्या मेघजी २ लि पाटण ३ लि. राजद्रग ४ पत्र ३१-३२ भेगां ५. पत्र ३० थी ४३ डबल पत्र ४९ थी ५१ डबल ६ किंचित् अपूर्ण ७. रचना उर्णाकपुर ८. पत्र ७मु भेगु ९ प रत्नविजय लि. १० लि. सरखेज ग्रामे ११. लि मुनि जिनविजय शेषपुरे पत्र १ थी ४५ नथी. १२ प्रथम पत्र नथी

प्रति नबर	पुस्ताकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२०७०	सामाचारी प्रकरण सटीक त्रिपाठ	उ यशोविजयजी	स्वोपज्ञ		२८	१७८८		प्रा स.	उत्तम	९।।। × ४।।
२०७१	सारस्वत व्याकरण[1]	अनुभूति स्वरूपाचार्य			४७	१७२०		स	उत्तम	९।।। × ४।।
२०७२	सारस्वत व्याकरण[2]	अनुभूति स्वरूपाचार्य			५६	१८मो		सं	उत्तम	९।।। × ४।
२०७३	सूत्रकृतागसूत्र बालावबोध सह अपूर्ण				७९	१७मो		प्रा.गु	उत्तम	९।।। × ४।
२०७४	कल्याणमदिरस्तोत्र पजीका वृत्तिसह त्रिपाठ	सिद्धसेनसूरि	जिन विजय	४००	१६	१७१०		स		९।।। × ४।
२०७५	सारस्वत व्याकरण	अनुभूति स्वरूपाचार्य			४८	१८११		स.	उत्तम	९।।। × ४।।
२०७६	सारस्वत व्याकरण[3]	अनुभूति स्वरूपाचार्य			७५	१७५६		सं.	उत्तम	९।।। × ४।।
२०७७	(१) सुरसुदरी चोपाई	विनयसुदर (तपा)		६९३ कडी. ५०५	५ थी २०	१७०३	१६४४	गु.	उत्तम	९।।। × ४।
	(२) नदा स्वाध्याय	समयसुदर		कडी. ५	२०मु			गु	उत्तम	
२०७८	शातिनाथचरित्र पद्य	अजितप्रभसूरि			१३४	१८मो		स.	मध्यम	९।।। × ४।
२०७९	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र वृत्ति	कनक कुशल		१८४३	१२	१८४३	१६५२	स.		१० × ४।
२०८०	ससढ कथा				१७	१८५३		प्रा.	उत्तम	१० × ४
२०८१	ससढ कथा				१७	१७६५		प्रा	उत्तम	१० × ४।
२०८२	शीघ्र बोध	काशीनाथ			१८	१९मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
२०८३	सिद्ध दडिका स्ताव				७	१८मो		प्रा.	उत्तम	९।।। × ४।
२०८४	धूर्ताख्यान बालावबोध				१५	१७मो		गु	उत्तम	९।।। × ४।
२०८५	सूत्रकृतागसूत्र प्रथमश्रुतस्कंध				३३	१७मो		प्रा.		९।।। × ४।
२०८६	सूत्रकृतागसूत्र प्रथमश्रुतस्कघ[4]				२०	१७मो		प्रा.	जीर्ण	९।।। × ४।
२०८७	एकविंशति प्रकारी पूजा रास	ज्ञानोद्योत			४	१८मो	१७४३	गु	उत्तम	११। × ४।।।
२०८८	(१) स्तवन[5]	ऋद्धि विमल			१-२	१९मो		गु.		११ × ४।।।
	(२) जिनेश्वर विनति	सकलचन्द्र			२जुं	१९मो		गु		
२०८९	अष्टप्रकारी पूजा	वीरविजयजी			६	१९मो	१८८९	गु	सारी	११ × ४।।
२०९०	समयसार				८	१७मो		प्रा.	जीर्ण	११।।। × ४।।
२०९१	सिद्धदत्त कथा				७	१७मो		स.	जीर्ण	११ × ४।।
२०९२	युगप्रधान आचार्य कोष्ठकान्ति				१-४, १-४/८	२०मो		गु.	सारी	११ × ४।।

१. लि विनयप्रभसूरि अणहिलपुरपत्तने ढंढेर पाटके २ लि चपकदुर्गे, नेला गांफजी, पत्र १ थी ५ नथी ३. पत्र ५०मुं उथल लि. राजनगरे ४ किनारी करळेली छे ५. लि. जगाणा.

प्रति नम्बर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२०९३	विहार विनति			कडी. १९	१	२०मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
२०९४	कर्मग्रथ यंत्राणि				७			गु.		१०।।। × ४।
२०९५	दश प्रत्याख्यान स्तवन				१+१=२	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।।।
	प्रत्याख्यानागार	रामचन्द्र			९	१९मो		गु.	जीर्ण	१०।।। × ४।।।
२०९६	सज्झाय स्तवन सङ्ग्रह									
	(१) पजुसण सज्झाय	ज्ञानविमल						गु		
	(२) अईमत्ता सज्झाय	लक्ष्मीरत्न						गु		
	(३) भक्ष्याभक्ष्य सज्झाय	नदसूरि						गु		
	(४) ईलाचीपुत्र सज्झाय	लब्धिविजय						गु		
	(५) अरणीक मुनि सज्झाय	रूपविजय						गु		
	(६) सामान्य जिन स्तवन									
	(७) पाचमा आरानी सज्झाय	जिनहर्ष						गु		
	(८) अष्टमी स्तवन	कातिविजय						गु.		
२०९७	प्रत्याख्यान विचार आदि				१	१६मो		स.प्रा गु	मध्यम	१०।।। × ४।
२०९८	जोगीवाणी भास			कडी. २५	१	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४।
२०९९	सीमंधरजिनस्तवन	सकलचन्दजी			४	१८मो		गु.	सारी	१०।।। × ४।।।
२१००	चोवीस दंडक बोलविचार				९	१९मो		गु	मध्यम	११ × ४।।
२१०१	रतनसेन व्यवहारीया रास				१	१९मो		गु.		११ × ४।।
२१०२	धर्मकुलक				१	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०।।। × ४।।।
२१०३	शीयल स्वाध्याय			कडी. १६	१	२०मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२१०४	चौमासी देववंदन[1]									
	अतर्गत स्तवन सङ्ग्रह	पद्मविजयी			६	२०मो		गु.	मध्यम	१०।।। × ४।।।
२१०५	कल्याणमदिर स्तोत्र[2]	सिद्धसेन दीवाकर			४	१९११		स.	मध्यम	१०।। × ४।।
२१०६	सज्झायसङ्ग्रह				७५	१९मो		गु.	मध्यम	१०।।। × ५
२१०७	स्तवनसङ्ग्रह[3]				९	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	९।। × ४।।।
२१०८	सद्भक्ता देवलोक[4]									
	स्तोत्र सस्तबक				५	१८७८		स.गु.	उत्तम	१०। × ४।
२१०९	स्तवनसङ्ग्रह[5]				१५			गु.		

१. प्रथम पत्र नथी २. लि. रुपविजयजी ३. प्रथम पत्र नथी ४. लि. प्रतापविमल ५. जुदां जुदां पत्रो छे

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
२११०	चोराशी आशातना गाथा सस्तबक				३	१९मो		प्रा गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
२१११	क्षमा छत्रीशी	समयसुदरजी								
	सीमधर जिन स्तवन	उ. यशोविजयजी			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
२११२	सौभाग्य पचमी स्तवन	गुणविजय			३	१९मो		गु	सारी	१०। × ४।।
२११३	अभिधानचितामणि बालावबोध अपूर्ण आरंभमात्र				२	१९मो		गु.	सारी	१० × ४।।
२११४	बुद्धिरास	शालिभद्र			४	१८मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
२११५	रत्नाकरपचविशति स्तव बालावबोध सह	रत्नाकर सूरि			५	१७८०		स गु	मध्यम	१०। × ४।।
२११६	आषाढभूति चोपाई	न्यायसागर			९	१७७२	१७२४	गु	उत्तम	१० × ४।
२११७	धातु मंजरी	काशीनाथ			१५	१७मो		स.	मध्यम	१०।। × ४।।
२११८	कथासङ्ग्रह				१६	१७मो		स	उत्तम	१०।। × ४।।
	(१) हरिबल कथा							स		
	(२) हसराज वत्सराज कथा							स		
	(३) कमल कथा							स		
	(४) मेतार्य कथा							स.		
	(५) पालगोपाल कथा							स		
	(६) नरवाहन कथा							स		
	(७) राजकुमारी कथा							स		
	(८) रत्नचूड कथा							स.		
	(९) ऋषि दत्ता कथा							स		
	(१०) पुण्यसार कथा							स		
२११९	योगविधियत्र आदिनां जुदा जुदां पत्रो				१६			गु.	मध्यम	

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२१२०	वीर चरित्र वेल	ज्ञानोद्योत			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
२१२१	वीर जिनेश्वरना स्तवनो[1]				१०			गु.	मध्यम	
२१२२	शत्रुंजय स्तवन आदि[2]				३	१८८७		गु.	सारी	१०। × ४॥।
२१२३	वयरकुमार स्वाध्याय	जिन हर्ष			८	१९००		गु.		१०। × ४॥।
२१२४	ओगणत्रीश भावना				१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥।
२१२५	साधुप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक				८	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥।
२१२६	सामुद्रिक शास्त्र[3]				१४	१९मो		गु.		१०॥ × ४॥।
२१२७	मुहपत्तिना ५० बोल				१	१९मो		गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥
२१२८	सोभनस्तुति सावचूरि त्रिपाठ[4]	शोभनमुनि			१४	१८३९		सं.		१०॥ × ४॥।
२१२९	ऋषभदेव स्तुति				२	१८७७		सं.	मध्यम	१०। × ४॥।
२१३०	सुभाषित दूहा				२	१९मो		गु	मध्यम	१०॥ × ४॥
	बलराजा कथा				१			गु.		
२१३१	चोवीस जिन स्तवन[5]	जयविजय			१	१८२४		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
२१३२	कुंथुनाथ स्तवन	जीवराज			४	१९मो	१६२९	गु.	जीर्ण	१०। × ४॥
२१३३	हीरसूरि सज्झाय	मानसागर			२	१८मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
२१३४	अष्टापद तीर्थ स्तवन				२	१९मो		स.	मध्यम	१०॥ × ४॥
२१३५	सप्ततिशतकस्थानयत्राणि[6]				१४	१८मो		गु	मध्यम	१०। × ४॥
२१३६	चैत्यवदन-स्तवनो				२	१९मो		गु.	सारी	१०॥ × ४॥
२१३७	पर्यंताराधना				५	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
२१३८	सख्यातासख्याता विचार				२	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४।
२१३९	रत्नशेखरनृपकथा[7] (पर्वतीथी विचारे)	दयावर्धन				१५४८			उत्तम	१०॥ × ४
२१४०	जिनस्तोत्र रत्नकोश	मुनिसुदरसूरि		स्तोत्र २३	१७	१६मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
२१४१	पुण्यकुलक बालावबोध सह पञ्चपाठ				२	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
२१४२	योगविसी-जम्बूद्वीप-सङ्ग्रहणी क्षामणा आदिना जुदां जुदां पत्रो				४				मध्यम	

१. पत्रो जुदां जुदा छे २ लि. वडनगरे ३ पत्र १० थी १२ नथी लि जीवविजय पत्तने ४ पालणपुरे लि. ५. लि. पाल्हणपुरे ६. पत्र १ थी ४ नथी ७. प्रथम बे पत्र नथी, मुरडग्रामे लि मुनि हर्षसुदर

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२१४३	रजोपर्व होलीपर्व कथा[१]				२	१९मो		स	मध्यम	१०। × ४।
२१४४	सत्तर भेदी पूजा	सकलचन्द्र			४	१९मो		गु.	सारी	१०।। × ४।।।
२१४५	सकलार्हत् चैत्यवंदन	हेमचन्द्राचार्य			२	१९मो		सं.	सारी	१०।। × ४।
२१४६	मेघदूत काव्य[२]	कालिदास		का १२७	५	१६६७		स.	मध्यम	१०। × ४
२१४७	ऋषभदेवना स्तवनो[३]				४			गु	मध्यम	
२१४८	असज्झाय विरमण सज्झाय				१	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
२१४९	महावीर स्तवन	धीरविजय		क ८	१	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
	पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुदर		क-७						
२१५०	वृद्ध चैत्यवदन	रहिओ		क-११३	६			गु	मध्यम	१०।। × ४।।
२१५१	महावीर जिन स्तवन	सकलचन्द			२	२०मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
२१५२	आख्यात प्रक्रिया[४]				२७	१७मो		स.	जीर्ण	१०। × ४।
२१५३	शीतल जिन स्तवन	समयसुदर		क. १५	१	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४।।
	शातिनाथ जिन स्तवन	उदयरत्न		क १२				गु		
२१५४	सुलसा स्वाध्याय	कल्याण विमल		क १०	१	१९मो		गु	जीर्णप्राय	१० × ४।।।
२१५५	नदमणियार स्वाध्याय	लालविजय		क १८	१	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२१५६	सीमंधर जिन स्तवन[५]	सिद्धिविजय			७	१९मो	१७७०	गु	सारी	१०। × ४।
२१५७	महावीर स्वामि स्तवन	ऋषभदास			१	२०मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
२१५८	त्रिषष्टिशलाकापुरुष नाम आदि बोलविचार				१	१९मो		गु	मध्यम	१०।। × ४।।
२१५९	स्वामिवात्सल्य विचार अधिकार सस्तबक				३	१९२६		सं.गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
२१६०	मत्राक्षर गर्भित पद्मावती स्तोत्र	जयविजय		•	४	२०मो		सं.	उत्तम	१०। × ५
२१६१	सज्झायसङ्ग्रह				७	१९मो		गु	सारी	१०।। × ५
२१६२	अष्टमी स्वाध्याय	वाचक देव (रत्न)		क. ७	१	२०मो		स.	मध्यम	१० × ४।।।
२१६३	दश प्रत्याख्यानस्तवन यतिधर्मसज्झाय	वीर विजय			२			सं.	मध्यम	१० × ४।।।
२१६४	सिद्धांत अंतर्गत सुभाषित श्लोक सङ्ग्रह				२५	२०मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ५

१. लि. कर्मचंद्र २. लि. पाटणनगरे ३. पत्रो जुदां जुदां छे ४ प्रथम पत्र नथी, किनारी करडेली छे ५. रचना तयरवाडा मध्ये, पत्र छठुं नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२१६५	पौषधप्रत्याख्यान वृत्तिसह कलीकुंड पार्श्वनाथ स्तोत्र	जयविजयजी			२	२०मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।।।
२१६६	उपधानविधि[1]				१७	१९९२		प्रा.गु.	उत्तम	१०।। × ४।।।
२१६७	उपधानविधि				१७	२०मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
२१६८	पांचकारणगर्भित महावीर-जिन स्तवन	उ. विनयविजयजी			४	१८११		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
२१६९	उपधान विधि				२०	१९८४		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
२१७०	हित शिक्षा स्वाध्याय	विद्याचन्द्र		क. १३	१लुं	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१०।। × ४।।
	मौन एकादशी स्तुति			क. ४	१-२जुं			गु.		
२१७१	साधुवंदना स्वाध्याय	भक्ति विजय		क. २९	१	१९मो		गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
२१७२	पद				१	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।
२१७३	इरियावहि मिच्छामि दुक्कडं स्वाध्याय	प्रीती विमल		क. १८	१	१८६७	१९मो	गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
२१७४	शील शिखामण स्वाध्याय	ऋषि कर्मचन्द्र		क. ३२	१	१९मो		गु.	मध्यम	१०।। × ४।।
२१७५	जिन स्तोत्र			का. ८	१	२०मो		सं.	उत्तम	१०।। × ४।।।
२१७६	नवाणुंयात्रा पूजा	पद्म विजयजी			६	१९मो	१०५१	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२१७७	उपदेश बत्रीशी[2]	राज			२	१८४३		गु	मध्यम	१०। × ४।।
२१७८	उपधान विधि[3]				६	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२१७९	पीस्तालीशआगमगर्भित अष्टप्रकारी पूजा	वीरविजयजी			८	१९१३	१८८१	गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
२१८०	सिदूर प्रकर	सोमप्रभाचार्य		वृ. १००	५	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
२१८१	छ आरा स्वरूप महावीर-जिनस्तवन	देवीदास			२	१८३१		गु.	उत्तम	१०। × ४।।।
२१८२	चतुःशरण प्रकीर्णक सस्तबक[4]				९	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२१८३	मेघकुमार स्वाध्याय	सूरविजय		क. ११	१	१९मो		गु.	जीर्ण	१० × ४।।
२१८४	झांझरीया ऋषि सज्झाय	लब्धिविजय		क. ३८	२	१९मो		गु.	सारी	१० × ४।।
२१८५	शातिनाथ स्तवन	यशोविजय			४	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
२१८६	(१) साधारण जिन स्तवन	काति			१लुं	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।

१. लि. भोजक केसरीचंद पुनमचंद, पाटण २. पाल्हणपुरे लि. ३. पत्र २जुं नथी ४. अपूर्ण

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
	(२) वीरजिन स्तवन	ज्ञानविमल			१लु			गु		
	(३) वीरजिन स्तवन	विबुध विमल			१लु			गु		
	(४) शत्रुजय तीर्थयात्रा स्तवन	सौभाग्य विमल			२जु			गु		
	(५) गोडी जिन स्तवन	भावप्रभशिष्य पुण्य			२जु			गु		
	(६) गीत	भावप्रभशिष्य पुण्य			२जु			गु		
	(७) नेमिजिन गीत				२जु			गु		
	(८) सभव जिनगीत	माणिक			२जु			गु		
	(९) आदिजिन गीत	सेवक रूपचन्द			२जु			गु		
	(१०) गीत				२जु			गु		
	(११) गीत	सेवक रूपचन्द			२जु			गु		
	(१२) गीत	सेवक रूपचन्द			३जु			गु		
	(१३) गीत	सेवक रूपचन्द			३जु			गु		
	(१४) नेमिजिन गीत				३जु			गु		
	(१५) गीत	सेवक रूपचन्द			३जु			गु		
	(१६) सिद्धाचल स्तवन	क्षमाविजयजी			३जु			गु		
२१८७	नेमिनाथ स्तवन	पद्मविजय-जिनविजय आदि			५	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४॥
२१८८	स्तवन सङ्ग्रह	ज्ञानसागर आदि			८	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४॥।
२१८९	चोराशी आशातना सस्तवक				१	१९मो		प्रा.गु	मध्यम	१०। × ४॥।
२१९०	शोभन स्तुति सावचूरि त्रिपाठ	शोभनमुनि			१२	१६६३		सं.	उत्तम	१०। × ४॥
२१९१	लघुशाति स्तोत्र	मानदेवसूरि			१	१९मो		सं	मध्यम	१० × ४
२१९२	पट्टावली				८	१९मो		गु	उत्तम	१०॥ × ४॥
२१९३	(१) वसतिदानफलकथा गद्य				१-२	१८मो		गु	मध्यम	१०॥ × ४॥
	(२) करिराजकथा गद्य				२-४			गु		
	(३) कनकरथकथा गद्य				४-६			गु		
	(४) धन्यपुण्यकथा गद्य				६ठु			गु		
	(५) रेवतीकथा गद्य				६-७			गु		
	(६) ध्वजभूजगकथा गद्य				७-९			गु		
	(७) धनपतिकथा गद्य				९-१०			गु		
२१९४	कथासङ्ग्रह गद्य				११	१८मो		स	मध्यम	१०॥ × ४॥

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२१९५	गजसुकुमाल भास[1]				३	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
२१९६	जम्बूस्वामि चोपाई	देपाल कवि			८	१७मो	१५२२	गु.	उत्तम	१०। × ४।
२१९७	भक्तामरस्तव वृत्तिसह[2]			त्रूटक	२–७	१८मो		सं.	जीर्ण	१०॥ × ४॥
२१९८	साधु अतिचार				४	१९मो		गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
२१९९	प्रश्नोत्तर				३	१८८०		गु.		१०॥ × ४॥
२२००	पुराणगत अहिंसादि प्ररूपक श्लोक सङ्ग्रह				१३	१७मो		सं.	मध्यम	१०॥ × ४।
२२०१	परमसुख द्वात्रिंशिका सबालावबोध	जिनप्रभ			३	१७मो		सं.गु	मध्यम	१०। × ४।
२२०२	नवपद स्तवन अपूर्ण	ज्ञानविमल			१लु	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४॥
२२०३	चतुर्विंशति जिन भास अपूर्ण[3]	कांतिविजय			१०	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४॥
२२०४	बार भावना भास	जससोम			८	१९मो	१७०३	गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥
२२०५	सागरश्रेष्ठिकथा देवद्रव्ये[4]				१–३	१८६३		सं.	सारी	१०॥ × ४॥
	पुण्यसारकथा साधारणद्रव्ये				३–५			स.		
२२०६	अढार नातरां सज्झाय	विमल वाचक (तपा)		८०	२	१९मो		गु.	उत्तम	१०॥ ४।
२२०७	सुमुखनृपादि मित्रचतुष्ककथा[5]	मुनिसुदर सूरि			२९		१४८४	सं.	मध्यम	१०। × ४॥
२२०८	धनगीरी रास अपूर्ण	जिनहर्ष			४	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४॥
२२०९	वीस विहरमान जिन स्तवन[6]	देवचन्द			१३	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२२१०	षड्द्रव्यविचार				२	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४॥
२२११	सिद्धदडिका स्तवन[7]	पद्मविजयजी			३	१९मो	१८१४	गु	सारी	१०। × ४॥
२२१२	स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह[8]				३१			गु		१०॥ × ५
२२१३	कल्याणमदिर सटीक पञ्चपाठ अपूर्ण			४२मा काव्य सुधी	६	१९मो		सं.	सारी	१०॥ × ४॥।
२२१४	कुमारसभव काव्य[9]	कालिदास			३७	१७९१		गु.	जीर्ण	१०। × ४॥
२२१५	पिंडविशुद्धि सज्झाय[10]	सहजविमल			३	१८३८		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
२२१६	अढार नातरां सज्झाय[11]			क. ७७	४	१७७७		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
२२१७	शिक्षा स्वाध्याय[12]	वाचक उदयरत्न		क. २०	१	१७९६		गु.	मध्यम	१०। × ४॥

१. जीवातथी सवायेली २. प्रथम पत्र नथी ३. प्रथम पत्र। नथी ४. पालणपुरे लि. ५. लेखक – खेढु–खेढउ, मुनिसुदरसूरिना प्रसादथी लखेली ६. पत्र २ थी ५ नथी ७. रचना–सुरत ८. जुदा जुदां पत्रो ९. भुजनगरे लि देवचंद १०. लि पालीताणा ११. लि. खिमाविजय सिद्धपुरे १२. सा हीराचद ऋलमजी लि.

B-8

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
२२१८	पच व्यवहार वृत्तिसह[1]				२	१७मो		प्रा स.	उत्तम	१०। × ४।।
२२१९	शोभनस्तुति सावचूरि	शोभनमुनि			१३	१८१४		स	उत्तम	१०। × ४।।
२२२०	नेमिनाथ स्तवन	ऋषभदास			३	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४।।।
२२२१	सरस्वति छद[2]	खुशालविजय			१	२०मो		गु.	सारी	१०। × ४।।
२२२२	शीलोपदेशमाला बालावबोध सह	जयकीर्त्ति	मेरूसुंदर	त्रूटक	२७	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम.	९।।। × ५
२२२३	सत्तरभेद पूजा (वस्तुछंद)				३	१९मो		गु.	सारी	१० × ४।।
२२२४	पुण्यफल सज्झाय[3]	माणिक्यमुनि			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।।
२२२५	नारचन्द्र ज्योतिष सस्तबक[4]				७	१९मो		स.गु.	उत्तम	१० × ४।।।
२२२६	मुनि स्वाध्याय[5]			कडी. १३	१	२०मो		गु	मध्यम	१० × ४।।।
२२२७	आराधना	समयसुंदर			१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२२२८	सवैया				१	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ४।।
२२२९	बार आरानु स्तवन	ऋषभश्रावक सांगणसूत			७	१८६३	१६७८	गु.	सारी	१० × ४।।।
२२३०	जिननमस्कार आदि सङ्ग्रह				८	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२२३१	नदि प्रदक्षणा भास[6]				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२२३२	शत्रुजय रास	समयसुंदर			७	१९मो	१६८६	गु.	मध्यम	१० × ४।।।
२२३३	खडषट्त्रिशिका	रत्नसिंह सूरि			१	१९मो		प्रा.गु	मध्यम	१० × ४।।।
	मौन एकादशी स्तुति	लालविजय								
२२३४	पचसूत्र[7]				७	१८मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।
२२३५	सिधरा भवानी छंद[8]	मारकड मुनि		क. १२४	६	१९मो		चारणी अपभ्रश	उत्तम	१० × ४।।
२२३६	सज्झाय सङ्ग्रह				४	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४।।।
	(१) लोम सज्झाय	वीरसागर						गु		
	(२) क्रोध सज्झाय	भावसागर						गु		
	(३) वीश स्थानक सज्झाय	मणीविजय						गु		
	(४) हरीयाली							गु		
	(५) हरीयाली							गु		
	(६) ढढण ऋषि सज्झाय	लब्धिविजय						गु		
	(७) ऋषभदेव स्तवन	रामविजय						गु.		

१. अपूर्ण २. लि. भोजक नरभेराम अमुलख ३. लि. मेसाणा ४. पत्र ३जुं नथी ५. दोशी माणकचंद महालचंद ६. लि. खुशालविजय ७ प्रथम ने पत्र नथी ८. देवरत्न लि

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
(८) सर्वार्थसिद्धविमान सज्झाय	गुण विजय						गु.		
२२३७ लघुशाति स्तोत्र	मानदेवसूति			५	१८८३		स.गु.	मध्यम	१० × ४॥
२२३८ मातृका बावनी सङ्ग्रह	जिनहर्ष आदि				१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
(१) मातृका बावनी	जिनहर्ष						गु.		
(२) हितशिक्षा स्वाध्याय	यशोविजयजी						गु.		
(३) वकचूल स्वाध्याय							गु.		
(४) अध्यात्मगीत	आनदघनजी						गु.		
(५) अध्यात्मगीत	विनयविजयजी						गु.		
(६) साधारण जिन स्तवन							गु		
(७) साधारण जिन स्तवन							गु.		
(८) पार्श्व जिन स्तवन							गु		
(९) अनंत काय अभक्ष्य स्वाध्याय							गु		
(१०) एकादशी थोय							गु.		
(११) सरस्वती स्तोत्र							गु.		
२२३९ कर्मबहोंतेरी चोपाई	हेमराज			२	१८मो	१७१५	गु	मध्यम	९॥। × ४॥
२२४० वीर जिन स्तवन[1]	जयसौभाग्य			२	१७९८		गु.	उत्तम	१०। × ४॥
२२४१ प्रव्रज्याविधिं दीक्षाविधि				१	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
२२४२ सत्तर भेद पूजा				३	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४॥
२२४३ सप्तनय गर्भित[2] महावीर स्तोत्र सस्तबक	उ. विनय विजयजी			४	१९मो		सं.गु.	सारी	१० × ४॥
२२४४ सिद्धचक्र स्तवन	मानविजय			२	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४॥।
२२४५ गोडी पार्श्वनाथ स्तवन				२	१९मो		गु.	मध्यम	१०॥ × ४॥
२२४६ पदसङ्ग्रह				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
२२४७ बालावबोध ज्योतिष[3]	मुंजादित्य			७	१८मो		स.	मध्यम	१०। × ४॥।
२२४८ चतुर्विंशतिजिन स्तवनो	विशुद्ध विमल			३	१८मो	१८००	गु.	सारी	१०। × ४॥
२२४९ भावना श्लोक				१	१८५३		गु	मध्यम	१०। × ४॥।
२२५० चोवीश जिन स्तवन	आणंद मुनि			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥।

१. राजनगरे लि. हस्तिसागर २ मूल रचना द्वीपबदिर ३ अपूर्ण

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२२५१	पचमहाव्रत सज्झाय	कातिविजय			३	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४॥
२२५२	शोभन स्तुति[1]	शोभन मुनि			१२	१८मो		स	उत्तम	१० × ४
२२५३	स्नात्रपूजा विधि	देवचन्द्र			११	१८२०		गु.	उत्तम	१० × ४।
२२५४	सूक्तमाला[2]	केशरविमल			११	१९मो	१७५४	स.		१०। × ४।
२२५५	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी[3] सस्तबक	हरिभद्रसूरि			७	१९मो		प्रा.गु.	सारी	१० × ४॥
२२५६	रात्री भोजन सज्झाय	ज्ञानविमल			२	१९मो		गु	सारी	१० × ४॥
२२५७	दान-शील-तप-भावना सवाद	समयसुदर			५	१९मो	१६६२	गु	मध्यम	१० × ४॥
२२५८	पाणिनीय परिभाषा				४	१९मो		स.	मध्यम	१०। × ४॥
२२५९	मेत्राणा तीर्थस्तवन	नवलविजय			२	२०मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२२६०	अष्टमी स्वाध्याय[4]	लब्धिविजय		क. ९	१	२०मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२२६१	अभव्य कुलक				१	२०मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४॥
२२६२	वीस स्थानक तप विधि स्तवन[5]	हर्षविजय		क. ३१	२	१८१६		गु.	उत्तम	१० × ४॥।
२२६३	स्तवन पद				२	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२२६४	छठ्ठा आरानी सज्झाय	देवीदास			४	१८७८		गु	मध्यम	१० × ४॥।
२२६५	शील नववाडनी सज्झाय	उदयरत्न			२	१८५७	१७६३	गु		१० × ४॥।
२२६६	पाचकारणगर्भित जिन स्तवन	उ. विनयविजयजी			३	१८५३		गु	मध्यम	१० × ४॥।
२२६७	उत्सूत्रनिराकरणबत्रीसी				१	१८मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
२२६८	गौतमस्वामि रास[6]	विनयप्रभ		क. ७२	४	१८८१	१४१२	गु	उत्तम	९॥। × ४॥
२२६९	चोवीश तीर्थंकर आंतरा स्तवन				३	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४॥
२२७०	अढार नातरां सज्झाय	पं दानविजय		क. ३२	३	१९मो		गु	उत्तम	९॥। × ४॥
२२७१	धर्मोपदेश सस्तबक			क. १९	२	१९मो		स.गु.	जीर्ण	१० × ४॥
२२७२	धनपाल पडित कथा				२	१९मो		सं.	मध्यम	९॥। × ४।
२२७३	सिद्धगीरी स्तवन[7]	वीरविजय		क ११	१	२०मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४॥
२२७४	गुरु स्तुति			क. १५	१	१९मो		गु	मध्यम	९॥। × ४॥
२२७५	स्तवन सङ्ग्रह[8]				५			गु		
२२७६	मधुबिंदु स्वाध्याय			क. १०	१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
२२७७	सामायिक स्वाध्याय	सुमति कमल		क. १०	१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥

१. लि स्तंभतीर्थ २. प्रथम पत्र नथी, लि. विसलनगरे ३. लि. राजनगरे न्याय सौभाग्य लि. ४. लि. पालनपुर ५. गणि देव हर्ष ६. रचना खंभात लि विसलनगरे वीरविजय ७. सिद्धपुर ८. जुदां जुदां पत्रो छे.

प्रति नवर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२२७८ स्तवन सङ्ग्रह[1]				४			गु		
२२७९ नवपद स्तवन	देवचन्द्र		क. ११	१	१८१६		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
२२८० भक्तामर स्तोत्र	मानतुगाचार्य		का. ४४	४	१९मो		सं.	मध्यम	१०। × ४॥।
२२८१ स्तवनादि[2]				५			गु		
२२८२ गुरुवदनक भाष्य सस्तबक[3]	देवेन्द्रसूरि			८			प्रा.गु.		१०। × ४॥
२२८३ आलोयणा स्तवन	ऋषभदास		क. ५७	१-३	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
वासुपूज्य स्तवन	उ. यशोविजयजी		क ५	३जु			गु.		
२२८४ नवतत्त्व प्रकरण			गाथा. ५०	२	१९मो		प्रा.	जीर्णप्राय	१०। × ४
२२८५ धन्ना स्वाध्याय[4]			क. २४	१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२२८६ चतुर्दश गुणस्थानक सज्झाय[5]	नेमविजय		क ३३	२	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४॥
२२८७ शोभन स्तुति अवचूरि				८	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
२२८८ कथासङ्ग्रह									
जिणसेण देवलिका कथा									
कमलसेननृपकथा				३	१७मो		प्रा.स.	उत्तम	१०। × ४।
२२८९ नवतत्त्व रास	वेलुमुनि			८	१७मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
२२९० जिनशतक सावचूरि पञ्चपाठ[6]				१४	१५२६		सं.	जीर्ण	१०। × ४।
२२९१ योगविधि				३	१७मो		सं	जीर्ण	१०॥ × ४॥
२२९२ धन्ना चउपई	मतिशेखर			१२	१७मो	१५१४	गु.	मध्यम	१० × ४।
२२९३ शब्दरूपावली आदि				१३	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
२२९४ गुरुभक्तिकुलक	रयणसिहसूरि			१	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१० × ४।
२२९५ नरवर्मनरेश्वर चरित्र	विनयप्रभोपाध्याय			९	१५१३	१४१२	स.	उत्तम	१०। × ४॥
२२९६ संबोधसप्ततिका	रत्नशेखरसूरि			३	१७मो		प्रा	उत्तम	
२२९७ समकितनी सज्झाय	विवेक विनय शिष्य		कडी.३४	२	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४॥
२२९८ सुदर्शन ऋषि सज्झाय[7]	लालविजय			३	१९मो	१६७६	गु.	सारी	१०। × ४।
२२९९ षोडश संज्ञा वर्णन कुलक									
सस्तबक				१	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४॥
२३०० गौतम पृच्छा पकरण				४	१८मो		प्रा.	जीर्ण	१०। × ४।
२३०१ शालिभद्र भास	सहजसुदर		क. १८	१	१७२५		गु.	मध्यम	१०। × ४।

१. जुदां जुदां पत्रो छे २. जुदां जुदां पत्रो छे. ३ लि विरविजय वीसलनगरे ४ लि. आमोला बाइ ५. पत्तने गणि मेघविजय लि. ६ प्रथम पत्र नथी ७ रचना कडी

पति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२३०२	आलोचनागर्भित सीमंधर स्वामि स्तवन	लावण्य समय			२	१७मो	१५६२	गु.	जीर्ण	१०×४।
२३०३	सिद्धिदडिका स्तोत्र सस्तबक	देवेन्द्रसूरि			३	१९मो		प्रा.गु	उत्तम	१०।×४।।
२३०४	शत्रुजय कल्प सस्तबक				५	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×४।
२३०५	कलावती सज्झाय[1]	विजय भद्रमुनि			४	१६३९		गु		१०×४।
२३०६	कूर्मापुत्र कथा[2]	जिनमाणिक्य			११	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०।×४।
२३०७	कथासङ्ग्रह				४	१७मो		सं.	जीर्ण	१०।×४।।
२३०८	विक्रमचरित्र त्रूटक				२०	१७मो		स.	उत्तम	१०।×४।
२३०९	कर्मविपाकायुर्वेद वैद्यक त्रुटक	वीरसिहदेव			२५	१८मो		सं.	मध्यम	१०।×४।
२३१०	भरतेश्वर बाहुबलि सज्झाय[3]				१	१८मो		प्रा.		१०।×४।
	पच कल्याणक स्तुति							प्रा.		१०।×४।
२३११	अजितशाति स्तव	नदिषेण			४	१७०१		प्रा.	जीर्ण	१०।×४।।
	भक्तामर स्तोत्र सस्तबक	मानतुङ्गसूरि			८			स.गु.		
२३१२	चोवीस दडकनी विगत				७	१९मो		गु	मध्यम	१०।×४।
२३१३	बार भावना	आलु			२	१९मो		गु.	उत्तम	१०।×४।
२३१४	पचमी आदि तपोच्चारण आलापक				२	१७९१		प्रा.	मध्यम	१०।×४।।
२३१५	अष्टमी सज्झाय				२	१९मो		गु	उत्तम	१०।×४
२३१६	सज्झायनी सज्झाय			क. १६	१	१७९७		गु	जीर्णप्राय	१०×४।
२३१७	मेघदुत काव्य[4]	कालिदास		का. १२७	१२	१७२८		स.	जीर्णप्राय	१०×४।
२३१८	दुरियरयसमिर स्तोत्र[5] बालावबोध सह	जिनवल्लभ		गा. ४४	१०	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४।
२३१९	सिदूरप्रकर सावचूरि त्रिपाठ	सोमप्रभचार्य		वृत्त १००	१४	१७मो		स.		१०।×४।
२३२०	कथासङ्ग्रह				२	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०।×४।
२३२१	योगविधि उपस्थापना विधि				२	१८मो		गु.	मध्यम	१०।×४।
२३२२	ऋषिमडल स्तोत्र[6]				२	१६८२		सं	जीर्ण	१०।×४।
२३२३	नीतिशतक सस्तबक	भर्तृहरि		श्लो. १०७	१-१७	१९मो		सं गु.	मध्यम	१०×४।

१. नंदरबारे सौभाग्यकल्लोल गणि लि. २. चंपकपुरे लि. जानी नारायण ३. उदयपुर लि. मतिसागर ४. मांगाता ग्रामे जयसागर लि. ने सुंदर चित्रपुष्पिका ५ प्रथम पत्र नथी ६ विनयकीर्तिसूरि लि

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२३२४	पंचकल्याणक तपविधि[१]				१	१५९३		गु.	जीर्ण	१० × ४।
२३२५	उपशम स्वाध्याय			क. ११	१+१ =२			गु		
२३२६	धर्मदत्तकुमारकथा गद्य पद्य[२]				१६	१९मो		स.	उत्तम	१० × ४।।
२३२७	सुकोसल भास एकावनी[३]	विद्यासागर शिष्यदेवचन्द्र		क ५४	२	१७७२	१६०२	गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२३२८	अष्टमी नमस्कार[४]	दानविजय		क. ५	१लुं	१८६३		गु	उत्तम	१० × ४।
	तीर्थ स्तवन	वीरविजय		क. ९				गु	उत्तम	
२३२९	सिद्धाचल स्तवन[५]				१	१८५६		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२३३०	ज्योतिष विचार				३	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४।।
२३३१	भ्रमरगीता-नेमिगीता	विनयविजय			२	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
२३३२	विहरमान जिन विसी स्तवन[६]	विबुध विमल			५	१७९१	१७९०	गु.	उत्तम	१० × ४।
२३३३	कल्याणमदिर स्तोत्र[७]									
	सावचूरि पञ्चपाठ	सिद्धसेन दीवाकर			८	१६६१		स	जीर्ण	१० × ४।
२३३४	कायस्थिति स्तव				२	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
	विजयसेन सूरि गीत							गु.		
२३३५	पाक्षिक क्षामणा सावचूरि									
	पञ्चपाठ				२	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।
२३३६	नारचन्द्र जैन ज्योतिषांतर्गत									
	प्रतिष्ठा-दीक्षा कुडलिका	नरचन्द्रसूरि			४	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
२३३७	पर्यन्ताराधना सस्तवक	सोमसूरि			६	१६३६		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।
२३३८	पोषदशमी कथा	कनकाचार्य			६	१९मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।।
२३३९	पिंडविशुद्धिप्रकरण सावचूरि[८]	जिनवल्लभ			१०	१६७८		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
	योनिस्तव सावचूरि							प्रा.स.	उत्तम	
२३४०	गौतमपृच्छा अर्थसह			२०० मू गाथा-६४	४	१७मो		प्रा गु.	जीर्ण	१०। × ४।
२३४१	सुसढ कथा				१६	१६५०		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
२३४२	मृगाकलेखा रास	वच्छ			११	१७मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२३४३	सामायिक सज्झाय				१	२०मो		गु.	जीर्ण	१० × ४।।
	ज्ञानपचमी सज्झाय									

१ लि नरसिंह २ अपूर्ण ३ द्वारकादास सुत सुखानंद लि ४ लि पालणपुरे ५ गुहाचंद लि ६ लि पत्तन ७ पाणीथी भींजायेली ८. शीरोडी ग्रामे लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२३४४	काव्यकल्पलता[१]	अमरचन्द		५००	९	१५२८		स	उत्तम	१०। × ४।
२३४५	कर्मग्रथ चतुर्थ-षडशीतिका	देवेन्द्रसूरि			१-८	१८मो		प्रा.स	मध्यम	१० × ४।
	प्रतिष्ठा विचार				१-३			प्रा.गु		
२३४६	नारगा पार्श्वस्तवन	खिमाविजय		क १४	१	१९मो	१७९१	गु.	जीर्ण	१० × ४।।
२३४७	वीरजिन स्तवन[२]			क ४२	२	१६०८		गु.	जीर्णप्राय	१० × ४।
२३४८	प्रास्ताविक				१	१९मो		स गु	मध्यम	१० × ४।
२३४९	अमरसेन वयरसेन चोपाई	रगकुशल			७	१८मो	१६४४	गु.	मध्यम	१० × ४।
	वीरजिन स्तवन	उदयसागर						गु.		
२३५०	पुराणश्लोक सङ्ग्रह				१०	१८मो		स.	जीर्णप्राय	१० × ४।
२३५१	आदिनाथ स्तवन[३]	विजयतिलक		क २१	३	१६८३		गु.	मध्यम	१० × ४।
२३५२	गौतम कुलक			मू गा. २०	२+१	१९मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४।।
२३५३	एकादश प्रतिमाविचार				१	१८मो		गु	मध्यम	१० × ४
२३५४	चार आहार विचार				१	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
२३५५	योगसार			२०९	६	१८मो		सं.	जीर्ण	१० × ४।
२३५६	श्रावक अतिचार				१ थी ६	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
	बृहत् शांति				६थी८			सं.	मध्यम	१० × ४।।
२३५७	धातुरूपमाला				१३	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।।
२३५८	तर्कभाषा	केशवमिश्र			१५	१७मो		सं	जीर्ण	१०। × ४।
२३५९	जिनेन्द्र स्तव[४]	सोमप्रभ			१	१७मो		स	मध्यम	१०। × ४।
२३६०	सुदर्शन श्रेष्ठि रास[५]	विजयशेखर			७	१६८३	१६८१	गु.	उत्तम	१०। × ४।
२३६१	अष्टप्रकारीपूजागर्भित स्तवन सस्तबक				३	१९मो		सं.गु	मध्यम	१०। × ४।
२३६२	अष्टभगी				१	२०मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
२३६३	सुरप्रिय रास	लक्ष्मीरत्नशिष्य			५	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।
२३६४	चतुर्विंशतिजिननमस्कार				२	१७मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२३६५	छ व्रतनी सज्झाय	कांतिविजय			२	१८मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
	सुंदरी महासती सज्झाय							गु		
२३६६	वरदत्त-गुणमंजरी कथा[६]	कनककुशल			५	१७मो	१६५५	सं.	सारी	१० × ४।

१. लि. श्रुत सौभाग्य २ अभिमन्ननगर पुण्यसुंदर गणि लि. ३ लि. अर्गलापुरे ४ लि कल्याणसागर जहांनपुरे ५. लि. भाणजय ६. प्रथम पत्र नथी, रचना मेडता

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लं-बाई-पहोळाई
२३६७	स्थूलभद्र एकवीसो				३		१५५३	गु	मध्यम	१० × ४॥
२३६८	गुणावली चोपाई[1]	ज्ञानमेरू			४	१८मो		गु.	सारी	१० × ४।
२३६९	स्थविरावली-नंदि अंतर्गत[2] मंगलगाथा बालाव०सह	देववाचक			१०	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	
२३७०	सारस्वत प्रक्रिया अपूर्ण	अनुभुति स्वरूपाचार्य			१३	१७मो		सं.	मध्यम	१०। × ४
२३७१	सीता रावण मदोदरी हितवाक्य[3]			कडी.२२	१	१८मो		गु	सारी	१० × ४॥
२३७२	मुनिगुण स्वाध्याय	गुणसागर		कडी. १९	१	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१० × ४।
२३७३	चोवीस जिन छद	ज्ञानविमलसूरि			२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
२३७४	रत्नाकर पचविंशतिका	रत्नाकर सूरि			४	१९मो		सं.	सारी	१० × ४॥
२३७५	संबोधसप्ततिका प्रकरण	रत्नशेखर			२	१८मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।
२३७६	सबोधसप्ततिका सस्तबक				५	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०। × ४॥
२३७७	चतुर्थव्रतकथा अपूर्ण				२	१९मो		सं	उत्तम	१० × ४॥
२३७८	चोवीसी स्तवन[4]	जिन विजयजी			९	२०मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
२३७९	सज्झाय सङ्ग्रह				७	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२३८०	चोवीस जिन स्तवन	लक्ष्मीविमल			९	१७८८		गु	उत्तम	१० × ४॥
२३८१	चेत्यवदनादिभाष्यद्वय बालाव० सह	देवेन्द्रसूरि	ज्ञानविमलसूरि		१३+९	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
२३८२	पृथ्वीचन्द्र-गुणसागररास[5]				४			गु.	उत्तम	१० × ४॥
२३८३	सारस्वत व्याकरण प्रदीपिका[6]				९	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४॥
२३८४	उपधान विधि स्वाध्याय[7]				१	१९मो		गु	जीर्ण	१०। × ४।
२३८५	भाव प्रकरण	विजयविमल-वानरर्षि			२	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४॥
२३८६	क्षमा छत्रीसी	समयसुदर			२	१८मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
२३८७	स्तवनसङ्ग्रह	माणिक्यमुनि			३			गु.	उत्तम	१० × ४।
२३८८	सम्यक्त्वस्तव सस्तबक				५	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
२३८९	औष्टिकमतोत्सूत्रोद्घाटन-[8] कुलक अवचूरि सह त्रिपाठ				१	१७मो		प्रा.सं.	मध्यम	१० × ४।
२३९०	चित्रसेन-पद्मावती चरित्र[9]	शीलसमुद्र			२०	१८मो	१५२४	सं.	उत्तम	१० × ४॥
	मुनिपति चरित्र							गु.		

१. पत्र १-२ नथी २ भुजङ्गे सुखसागर लि ३. विनितविजय लि ४ नेमिजिन पर्यंत ५. मुनि बालचंद्र ६ अपूर्ण ७ लि. रविकुशल ८ शुभविजय लि ९ त्रुटक

प्रति नबर पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
२३९१ सज्झायो				२	१९मो		गु	सारी	१०×४॥
२३९२ सोल स्वप्न स्वाध्याय				३	१९मो		गु	उत्तम	१०×४॥
२३९३ शोभनस्तुति सावचूरि त्रिपाठ	शोभनमुनि			१३	१७मो		स	उत्तम	१०।×४।
२३९४ शोभनस्तुति अवचूरि त्रिपाठ[1]	शोभनमुनि			९	१७मो		स	उत्तम	१०×४।
२३९५ शोभनस्तुति मूल	शोभनमुनि			६	१६७१		स	जीर्ण	१०×४॥
२३९६ महादडक स्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ			मू गा २०	४	१७मो		प्रा सं	जीर्ण	९।।।×४।
२३९७ उद्योत पंचमी स्तुति सटीक त्रिपाठ	कनककुशल		१३२	१थी५	१९मो वृत्ति.	१६५२	स	मध्यम	१०×४।
वर्धमान स्तुति सटीक त्रिपाठ			का ४						
शत्रुजय स्तव सटीक त्रिपाठ			का. ४	५थी७			स		
२३९८ स्नातस्यास्तुति आदि			का ५	७थी१०			स		
२३९९ अष्टोत्तरी स्नात्र विधि				१	१८मो		स.	सारी	१०×४।
२४०० सिद्धचक्र स्तोत्र सस्तबक[2]				१	१९मो		प्रा.	सारी	१०×४॥
२४०१ सकलार्हत् चैत्यवदन	हेमचन्द्राचार्य			१	१८३४		प्रा गु.	मध्यम	१०×४॥
२४०२ सथारा पोरीसी				२	१९मो			सारी	१०×४॥
२४०३ ईरीयावही स्वाध्याय	मेरूविजय			१	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०×४॥
साधुगुणस्वाध्याय	मेरूविजय		क. १६	१	१८मो		गु	मध्यम	१०×४।
आदिनाथ स्तुति	मेरूविजय		क १०		१८मो		गु.	मध्यम	
२४०४ चार मगल भास[3]	देवचन्द		क. ४		१८मो		गु	मध्यम	
२४०५ लीलावती चोपाई[4]	हरख			१	१८८२		गु	उत्तम	१०×४।
२४०६ बीजनुं स्तवन[5]	हरख			५	१७मो		गु	सारी	१०×४।
शखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	रगविजयजी			२	१९मो		गु.	सारी	१०×४।
२४०७ समास प्रकरण							गु	सारी	
२४०८ असज्झाय दोष निवारण				२	१७मो		स.	मध्यम	१०×४।
स्वाध्याय			क. १६	१	१९मो		गु	मध्यम	१०×४॥
श्रावक दिन कृत्य स्वाध्याय			क. ५				गु		
२४०९ पिंडविशुद्धि चोपाई	नित्यविजय			३	१८मो		गु.	सारी	१०×४।
२४१० वीस विहरमान जिन गीत[6]	विनयविजय			९	१७९९		गु.	मध्यम	१०×४॥

१ दधीली ग्रामे लि नयकुशल २. राजरत्न लि. राजनगरे ३ रत्नंद आदरसा लि ४ प्रथम पत्र नथी ५ लि. पाटण ६ अहमदावादे लि

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२४११ संक्षिप्त पौषधविधि				६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
२४१२ प्रज्ञाप्रकाश सस्तबक	रूपसिंह			४	१५५७		सं.गु.	उत्तम	१० × ४।।
२४१३ सूरप्रिय कुमार रास	लक्ष्मीरत्नसूरि शिष्य			३	१८मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२४१४ लोकनालिद्वात्रिंशिका	धर्मकीर्ति			३	१७मो		प्रा.	मध्यम	१०।। × ४।
२४१५ शत्रुंजयमाहात्म्य श्लोकसङ्ग्रह				८	१७मो		प्रा	उत्तम	१० × ४।
२४१६ ईन्द्रियपराजयशतक सस्तबक			मूगा. १०१	१०	१७मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
२४१७ सुधर्मास्वामि रास	पुण्यरत्नसूरि			५	१८मो	१६४०	गु.	उत्तम	१० × ४
२४१८ जिन पूजा स्तवन[1]	उमास्वाति वाचक			१	१७मो		सं.	जीर्ण	१० × ४।
२४१९ नेमिजिन भ्रमरगीता आदि	उ. विनयविजयजी			४	१७९३		गु.	सारी	१० × ४।
२४२० द्वादश भावना अपूर्ण				४	१८मो		स	सारी	१० × ४।
२४२१ आत्मप्रतिबोध स्वाध्याय			क ११	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२४२२ चरणसत्तरी करणसत्तरी				१	१८मो		प्रा.	जीर्ण	१० × ४।
२३ पांचअणुव्रतोपरिकथा				३	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
अर्हन्नक रास[2]	आणंद			३	१९मो		गु.	जीर्ण	१० × ४।
सुसढ कथा				६	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
२४२६ सवेग रस चन्द्रायणा	लींबो			४	१७मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२४२७ आणंदविमलसूरिस्वाध्याय				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४२८ जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक	हरिभद्रगणि		मू.गा. ३०	६	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
२४२९ (१) भावप्रकरण	विजयविमल			२	१८मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।
(२) चिंतामणि स्तोत्र							स.		
२४३० असणादिक काल प्रमाण सज्झाय	ज्ञानविमलसूरि			१	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।।
२४३१ परमात्मा छत्रीसी	चिदानंद		गा. ३६	२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२४३२ श्रावक प्रतिमाविधि				२	१८मो		गु.	सारी	१० × ४।
२४३३ पार्श्वनाथ स्तवन	गुणसागर			२	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
२४३४ पद्मद्रह वर्णन				१	१८मो		सं.गु.	मध्यम	१० × ४।।

मानविजयजी लि. मेडता, नयविजयजीने वांचवा लखायेलुं २. साधेली.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
२४३५	हितोपदेश (वैद्यक)[१]	श्रीकंठ		१३००	२१	१७६४		स	जीर्णप्राय	१० × ४।
२४३६	नवाणुं प्रकारी पूजा	वीर विजयजी			७	१८८५	१८८४	गु	उत्तम	१०। × ४।
२४३७	पद्मावती स्तोत्र				४	१९मो		स	उत्तम	१० × ४।।
२४३८	रमलकी शकुनावलि[२]				४	१९मो		हि	सारी	९।।। × ४।।
२४३९	सबोधसप्ततिका प्रकरण	रत्नशेखर (जयशेखर)			५	१८मो		प्रा	मध्यम	
२४४०	सौभाग्यपंचमीमाहात्म्य–गर्भित नेमिजिनस्तवन	काति विजयजी			७	१८५१		गु	उत्तम	१० × ४।
२४४१	नदिषेण रास[३]	न्याय सागर			७	१९मो	१७२५	गु.	उत्तम	१० × ४
२४४२	गणधर देववंदन				२+२	१९मो		सं.	मध्यम	१० × ४।।
२४४३	उत्पत्ति स्तवन			क ३०	१	१८मो		सं.	मध्यम	१० × ४।
२४४४	पद-स्वाध्याय सङ्ग्रह				३	१९मो		स.	मध्यम	१० × ४।
२४४५	श्रुतबोध	कवि कालिदास		का. ४१	२	१६९९		सं.	उत्तम	१० × ४।
२४४६	मान स्वाध्याय	कवि ऋषभ		क. २७	२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४
२४४७	आयु स्वाध्याय			क १०	१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४४८	पीठीका भावना				१	१९०६		गु.	उत्तम	१० × ४।
२४४९	आचार्य रत्नसिंह भास	शिवजी			२	१८मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४५०	चोवीस दडक स्वाध्याय सस्तवक			मू.क ११	२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४५१	चोवीस तीर्थंकर परिवार[४] स्वाध्याय			क ५	१	१७६८		गु.	मध्यम	१०। × ४।
२४५२	अयनांश करण वगेरे ज्योतिष				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४५३	ख्याल			क. ७	१	१८७८		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४५४	दशार्णभद्रस्वाध्याय[५]	वीरमुनि		क. १५	४	१९मो	१८६३	गु.	मध्यम	१० × ४
२४५५	अध्यात्मस्वाध्याय	सुख विजय		क. १६	१	१९मो		गु.	जीर्णपाय	१० × ४।
२४५६	उपधान गहुली				२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४५७	उपासक दशागगीत[६]	जिनहर्ष		क. २३६	८	१८मो		गु	उत्तम	१० × ४।
२४५८	सारस्वत व्याकरण टीका	चन्द्रकीर्ति			९२थी १११	१९मो		सं.	जीर्ण	९।।। × ४।।
२४५९	आर्य वसुधारा				७	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१० × ४।

१ लि. डाभेला नगरे उपेइथी लखायेली २. लि. मोहनविजय पाटण ३. घोगा बंदरे लि ४. ऋ धर्मा लि. ५ प्रथम पत्र नथी ६. पत्र १ थी ५ नथी

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२४६०	वीरभद्र कथा गद्य				३	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
२४६१	पाक्षिक सूत्र[1]				११	१९मो		प्रा.	मध्यम	१० × ४॥
२४६२	ऋषभदेव स्तवन	उदयरत्न			३	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
२४६३	ऋषभदेव स्तोत्र				२	२०मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
२४६४	दशार्णभद्र सज्झाय[2]	लालविजय			२	१७७९		गु.		१० × ४॥
२४६५	कल्याणक अधिकार तथा श्रावक दश प्रतिमा विधि				२	१७मो		प्रा.स.	सारी	१० × ४।
२४६६	नेमिनाथसमवसरण स्तवन[3]	सोमसुंदर शिष्य		क ३६	१-२	१८मो		गु		
	पाक्षिक स्तुति (स्नातस्या)				२जु			सं.		
२४६७	भूगोलशास्त्र				४	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२४६८	पचभावना वेल[4]	देवचन्द्र			४	१७८५		गु.	सारी	१० × ४॥
२४६९	झांझरीया ऋषिनी सात ढाल[5]	विनयविजय (मेघविजयशिष्य)			५	१८मो	१७८१	गु.	सारी	९॥। × ४॥
२४७०	पचपरमेष्ठि गुण[6]				२	१७४८		गु	सारी	१० × ४॥
२४७१	सस्तारक प्रकीर्णक सस्तबक[7]				११	१६८४		प्रा गु.	मध्यम	१० × ४
२४७२	मन्नह जिणाण सज्झाय					१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।
	सथारा पोरसि सस्तबक					१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	
२४७३	श्रुत बोध				४	१९मो		स.	मध्यम	९॥। × ४॥
२४७४	शनैश्चर दृष्टिफल वगेरे				५	१८मो		स.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
२४७५	दडक ओगणत्रीश द्वार[8] बालावबोध				१२	१८मो		गु.	मध्यम	९॥। × ४।
२४७६	जीवविचार प्रकरण	शातिसूरि			४	१७मो		प्रा.	मध्यम	९॥। × ४।
२४७७	राग रागिणी नाम आदि				१	१९मो		सं.	सारी	१० × ४।
२४७८	स्तवन सज्झाय				३	१८००		गु.	मध्यम	९॥। × ४।
२४७९	परमानद पचीसी			क. २४	३	२०मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
२४८०	चोघडीयां वगेरे ज्योतिष				१	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
२४८१	पोष दशमी कथा				३	१८७६		स.	उत्तम	१० × ४।
२४८२	नवकार बालावबोध[9]				७	१७२४		गु.	उत्तम	१० × ४।

१. पत्र १ थी ३ नथी २. शातिविमल लि. ३ खीमाविजय लि. ४ रचना जेसलमेर, लि. लाधा थोभणसी ५. रचना खभनयर ६. लि. पं. धनजी ७. प्रथम पत्र नथी ८. पत्र १०मुं नथी, लि. दिल्ही ९. लि. माणिक्यविजय

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२४८३	योग पाहूडी	गरीबगिरि		क ६९	७	१७४२		गु	मध्यम	९।।। × ४।
२४८४	भविष्यदत्ताख्यान[1]									
	(ज्ञानपचमी माहात्म्ये)	महेश्वरसूरि		गा. २०००	४८	१६९५		पा.	मध्यम	१० × ४।
२४८५	कल्पसूत्र बालावबोध सह									
	अपूर्ण				४८	१९मो		प्रा गु.	मध्यम	१० × ४।
२४८६	मुनिधर्मस्वाध्याय			क १३	१	१८५३		गु	उत्तम	९।।। × ४।।
	हितशिक्षास्वाध्याय	शातिविजय		क. ५				गु		
२४८७	ऋषभदेव स्तवन भास				१	१९मो		गु	मध्यम	९।।। × ४।
२४८८	जिन स्तवन				१	१८१२		गु.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।।
२४८९	चोवीसी स्तवन	विशुद्ध विमल			७	१९मो		गु	उत्तम	९।।। × ४।।
२४९०	कुमति स्वाध्याय[2]	जसविजय		– १६	१लु	१८२६		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
	चित्र-संभूत स्वाध्याय	कवियण		– १९	१-२			गु		
२४९१	षडावश्यकसूत्र वार्त्तिक सह[3]				१८	१८६३		प्रा गु	उत्तम	१० × ४।
२४९२	षष्ठिशतकप्रकरण सस्तबक	भंडारी नेमिचन्द्र	स्ता.सा.साज	गा. १६१	२७	१७४९		प्रा.गु.	जीर्ण	९।।। × ४।
२४९३	शृगारीक दूहा									
	(आशक पचीसी)			२५	१	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४
२४९४	छ महाव्रत सज्झाय	काति विजय			१थी३	१८२३		गु.	मध्यम	१० × ४।।
	सुदरी महासती सज्झाय	काति विजय			३जुं			गु		
२४९५	गौतम स्वामि भास									
	अध्यात्म भास				१	१८४०		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।।
२४९६	कल्पनी गाथा श्लोक				३	१८मो		स.	उत्तम	१० × ४।।
२४९७	सिद्धाचल तीर्थमाला[4]	अमृतविजय			७	१९मो	१८४०	गु	मध्यम	१० × ४।।।
२४९८	गुणस्थानक सज्झाय				२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
२४९९	सिलोदक कल्प				७	१८७२	१९मो	गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२५००	वीसस्थानक तपविधि				१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।।
२५०१	षोडशक प्रकरण[5]			९६	१०	१९मो		सं.	उत्तम	९।।। × ४।।
२५०२	चैत्यवदन सज्झायादि सङ्ग्रह				४	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२५०३	श्राद्ध अतिचार अपूर्ण				७	१९मो		गु	मध्यम	९। × ४।।

१ लि जेसलमेरु सा रायचंद, ताडपत्रीय सं. ११०९नी प्रत उपरथी लखी छे २. सुराविजय लि. ३. उदयसागर लि पत्र १३मुं नथी ४. पत्र १-२ नथी ५. लि पाल्हणपुरे

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२५०४	शत्रुजय रास[1]	समयसुंदर			६	१८६२	१६८२	गु.	मध्यम	९।।। × ४।।।
२५०५	शास्वति प्रतिमा चैत्यविचार				२	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२५०६	अध्यात्म स्वरूप[2]				१	२०मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२५०७	विहरमान जिन शाश्वत जिन गीती	विनयविजयजी			८	१८मो		गु	उत्तम	९।।। × ४।
२५०८	श्रावक अतिचार १२४ भेद वर्णन				२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४
२५०९	बावीस अभक्ष्य गाथा सस्तबक[3]				१	१८मो		प्रा.गु	जीर्ण	९।।। × ४।
२५१०	हीरविजयसूरि सज्झाय[4]	विवेकहर्ष			३	१८६३		गु.	उत्तम	१० × ४।
२५११	सारस्वत प्रक्रिया सटीक[5]				६			स.गु.	मध्यम	१० × ४।
२५१२	सूरप्रिय केवलीरास				७	१४५५	१५६७	गु	मध्यम	१० × ४।।
२५१३	एकदिन पोषधादिग्रहण पुण्य-सख्याकुलक सस्तबक				३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२५१४	प्रतिक्रमणहेतु बोल	क्षमाकल्याणगणि			४	१९मो		गु	उत्तम	९।।। × ४।
२५१५	ज्ञानपचीसी अर्थसह	बनारसीदास		मू.क. २५	६	१९मो		व्रजगु.	उत्तम	१० × ४।
२५१६	पिडबत्रीसी	सहजविमल		क. ३२	१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२५१७	पद	ज्ञानविमल		क ८	१	२०मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२५१८	ज्ञानपचीसी अर्थसह	बनारसीदास		क २५	९	१८मो		व्रजगु.	उत्तम	९।।। × ४।
२५१९	कपील अध्ययन स्वाध्याय	उदयविजय		क. ७	१	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४।।
२५२०	यशोभद्रराजर्षि चोपाई[6]	विनयशेखर			८	१८००		गु	उत्तम	१० × ४।।
	रहनेमि राजुल स्वाध्याय	ज्ञानविमलसूरि								
२५२१	प्रतिलेखना पौषधविधि				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२५२२	चन्दनबाला सज्झाय	लब्धिविजय			१	२०मो		गु	उत्तम	१० × ४।।
२५२३	अतरीक्ष पार्श्वनाथ स्तवन	लावण्यसमय		क ४८	३	१९मो		गु	जीर्ण	१० × ४।।
२५२४	मन्नह जिणाणं स्वाध्याय सस्तबक				१	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।।
२५२५	मौनएकादसी कथा				४	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२५२६	मदनभ्रमराजर्षि प्रबध	शातिकुशल			३	१८मो	१६७८	गु.	मध्यम	१० × ४।
२५२७	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन	सौभाग्यवल्लभ		क. ८	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
	पार्श्वनाथ स्तवन	विजयसागर		क ५				गु.		
	नेम-राजुल गीत			क. ७				गु		
२५२८	सत्तावीस योगनाम ज्योतिष[7]				१	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	९। × ४।।

१. नवानगरे लि २ लि. गौतमविजय ३ लि. भीमसागर ४ लि रायधनपुरे ५ लखता अधूरी ६ लि फतेचंद सुरसध ७. साधेली.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२५२९	आदिश्वर विनति				१	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२५३०	अवंतिसुकुमाल चौढालीयां शील सज्झाय	जिनहर्ष			६	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२५३१	अरणिक मुनि सज्झाय	लब्धिविजय			२	१८मो		गु	मध्यम	९॥। × ४॥
२५३२	अष्टभगी स्वाध्याय	जयसोम			१	१९मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
२५३३	अष्टदृष्टि स्वाध्याय बालावबोध				३	१९मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
२५३४	ज्योतिष नाममाला	हरिदत्त			४	१९मो		स.	मध्यम	१० × ९॥
२५३५	कायस्थिति सस्तबक				८	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
२५३६	सत्यकि विद्याधर कथा				४	१९मो		सं.	मध्यम	१० × ५
२५३७	राणकपुर मंडन आदिश्वर स्तवन	शिवसुंदर			१	२०मो	१७७६	गु	उत्तम	१० × ४।
२५३८	हंसराज वच्छराज रास	जिनराज			१९	२०मो	१६७५	गु	उत्तम	१० × ४॥
२५३९	वैराग्य स्वाध्याय	महिमद		क. १०	१	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।
२५४०	गुणस्थान गीत	श्रीवर्धन			४	१९मो		गु.	जीर्ण	१० × ४॥
२५४१	श्रावकदिनकृत्य स्वाध्याय			क ५	१	१९मो		प्रा.	मध्यम	९॥। × ४।
२५४२	सम्यक्त्वस्तव सावचूरि पञ्चपाठ			२००	४	१७मो		पा.सं.	उत्तम	९॥। × ४॥
२५४३	मुनिदान विपयक-[१] कथा सङ्ग्रह				१२	१७मो		सं.	सारी	९॥। × ४।
२५४४	स्तवन सङ्ग्रह[२]	शुभविजय			१६	१७८८		गु	उत्तम	१० × ४।
२५४५	ऋषभदेव वीवाहलु				९	१८४४		गु.		१० × ४।
२५४६	योगविधि[३]				७	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
२५४७	स्तवन सङ्ग्रह त्रूटक[४]				११थी२५	१७६३		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
	चोवीसजिन स्तवन	ज्ञानविमल						गु		
	वीसविहरमान जिन स्तवन	ज्ञानविमल						गु		
	चोवीसजिन स्तवन	महिमाप्रभसूरि						गु.		
२५४८	चतुर्विंशतिजिन छद आदि				५	१९मो		गु	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
२५४९	चोवीस तीर्थंकर पंचकल्याणक नमस्कार			क २५	४	१९मो		गु	मध्यम	९॥। × ४।

१. अपूर्ण २. लि. पं. उत्तमविजय ३. तपस्याध्याय विधि आदि ४. पतने लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
२५५०	प्रश्नोत्तर अपूर्ण				११	१८मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२५५१	ज्ञानपचमी स्तवन[1]	जीतविमल			४	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४।
२५५२	कलावती रास[2]	संयममूर्त्ति			६	१७४८	१५९४	गु.	जीर्ण	९।।। × ४।
२५५३	द्वादश भावना स्वरूप विचार[3]				५	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	९।।। × ४।।
२५५४	चित्रसेन पद्मावती चरित्र पद्य[4]			क. ८० पर्यंत	९	१९मो		स.	जीर्णप्राय	९।।। × ४।
२५५५	पुरुष जन्म कुंडलिका श्लोक ३०थी७१			३०थी७१ श्लोक	१	१८मो		सं.	मध्यम	१० × ४।
२५५६	कयवन्नाचरित्र चतुष्पदी[5]	जयतसी		गा. ५६४	२५	१७७३	१७२१	गु.	जीर्णप्राय	१० × ४
२५५७	पार्श्वनाथ विवाहलु	मत्रीपेथु		ग्र. ७९२	१२	१८मो		गु.	जीर्ण	१० × ४
२५५८	शाश्वत जिन स्तवन	माणिक विमल			६	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४।।
२५५९	जयतिहुयण स्तोत्र सस्तबक	अभयदेवसूरि			५	१७मो		अप्र.गु.	उत्तम	१०। × ४
२५६०	पार्श्वनाथ नीशानी	जिनहर्ष			२	१७८३		गु.	मध्यम्	१० × ४।।
२५६१	पन्नवणासूत्र अतर्गत द्वितीयोद्देश				३	१८मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
२५६२	नेमराजुल पंदर तिथि	रंगविजय		क. २३	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२५६३	मनकमुनि स्वाध्याय	लब्धि		क. १०	१	२०मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
२५६४	वैराग्य स्वाध्याय	विजयभद्र		क. १२	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२५६५	थावच्चापुत्र स्वाध्याय	देपो		क. १८	१	१९मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
२५६६	दंडक प्रकरण सस्तबक	गजसार			५	१६६६		प्रा.गु.	मध्यम	१० × ४।
२५६७	तपागच्छ पट्टावली				१	१८मो		गु	मध्यम	१० × ४।
२५६८	सप्तशतविंशतिजिन स्तोत्र	जयसोम			५	१८मो	१७१७	गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२५६९	रोहिणी अशोकचन्द्र कथा				२थी५	१८मो		सं	सारी	१० × ४।।
	रत्नवती कथा				५थी८	१८मो		सं.		
२५७०	भावनावेली सज्झाय बारभावना सज्झाय	जयसोम			६	१८०५	१७०३	गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२५७१	स्थविराली नंदिसूत्रमंगल गाथा सस्तबक	देववाचक			६	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	१०। × ४।
२५७२	शकुनावली				४	१८मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२५७३	रोहिणी तप स्तवन[6]	श्रीसार			४	१९मो	१७१०	गु.	मध्यम	१० × ४।।
२५७४	रोहिणी तप स्तवन				२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।

१ पत्र १–२ नथी २. प्रथम पत्र नथी, लि. मुनिविनयविजयजी ३. पत्र १–२ नथी ४. अपूर्ण (शीलोपरि) ५. रचना वीकानेर, लि. डांगरीया ६. लि. पूरणचंद्र नागोर

B-9

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२५७५	रात्रि भोजन स्वाध्याय				२	१९मो		गु.	मध्यम	९॥। × ४॥
२५७६	राम रक्षा स्तोत्र				१	२०मो		सं.	मध्यम	९॥। × ४।
२५७७	रत्नाकरपचविंशतिका स्तोत्र	रत्नाकरसूरि			२	१९मो		सं.	मध्यम	९॥। × ४॥
२५७८	निरयावलिकासूत्र वृत्तिसह		चन्द्रसूरि		१२	१७मो		प्रा सं.	उत्तम	१० × ४
२५७९	जिन स्तवन	सकलचन्द्र			२	१८मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२५८०	संबोध सत्तरी भास	जयशेखर			१	१५१९		प्रा.	जीर्ण	९॥। × ४
२५८१	देवाप्रभोस्तव सटीक त्रिपाठ	जयानंदसूरि	मेघविजयोपाध्याय		१०	१८मो		स.	मध्यम	१० × ४।
२५८२	नारचन्द्र टिप्पनक[1]	सागरचन्द्र			२०थी२३	१६७२		सं.	मध्यम	१० × ४
२५८३	रत्नसार रास[2]	सहजसुंदर			१५	१७मो	१५८२	गु.	उत्तम	१० × ४
२५८४	आलोचना[3]				४	१८१५		प्रा.सं.	मध्यम	९॥। × ४।
२५८५	निशाविराम कुलक सस्तबक				५	२०मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥। × ४।
२५८६	नागकेतु कथा				६	१८मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
२५८७	नयोपदेश प्रकरण[4]	यशोविजयोपाध्याय			४	१७८३		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
२५८८	नयोपदेश प्रकरण	यशोविजयोपाध्याय			४	१७९५		सं.	उत्तम	
२५८९	सत्तरी भाष्य				९	१८२१		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४॥
२५९०	संबोध सप्ततिका प्रकरण	रत्नशेखर (जयशेखर)			५	१९मो		प्रा.	उत्तम	९॥। × ४॥
२५९१	चतुर्विंशति जिन आयुष्य-[5] गर्भित स्तवन	देव			२	१८मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२५९२	सकलार्हत् स्तोत्र[6] सटीक त्रिपाठ	हेमचन्द्राचार्य	कनककुशल	मू का. २६	५	१७मो		सं.	उत्तम	९॥। × ४।
२५९३	श्रुतबोध				२	१८मो		सं.	मध्यम	९॥। × ४।
२५९४	जीवविचार प्रकरण[7]	शांतिसुरि			३	१८मो		प्रा.	सारी	१० × ४।
२५९५	सुपार्श्वनाथ-शीतलनाथ पर्यंत स्तवन	आनंदघन			३	२०मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४
२५९६	चतुर्विंशति जिन स्तवनो[8]	मानविजय			१२	१९मो		गु.	सारी	९॥। × ४।
२५९७	गृहस्थधर्ममर्यादा सस्तबक				४	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४॥
२५९८	सिद्धांत विचार				६	१७मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
२५९९	मावाध्याय मासफल				४	१८मो		सं.	जीर्णप्राय	९॥। × ४।
२६००	पंचानुष्ठान पचवीसी				४	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२६०१	मृगावती सज्झाय	शातिसागर			३	१७मो		उत्तम	सारी	१० × ४।

१. लि. विद्यावर्धन २ प्रथम पत्र नथी ३ भीजागेली ४. राजनगरे लि. ५ लि. कृष्णनगर ६. गणि जयसोम लि. ७. लि. मोहनविजयजी पाटनपुरे ८. लि प्रेमचंद ९. पत्र १ थी ४ नथी.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२६०२	योगविधि				५	१८मो		सं.प्रा.गु.	सारी	१०×४।
२६०३	श्रावकव्रतभंगप्रकरण त्रिपाठ सावचूरि			मू.गा. ४१	९	१८मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०×४।
२६०४	भक्तामरस्तोत्र सावचूरि सस्तबक[1]	मानतुङ्गसूरि		वृत्त. ४४	७	१७६५		सं.गु.		१०×४।।
२६०५	ऋषभदेव नमस्कार	मानविजयजी			१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।।×४।।
२६०६	जम्बूद्वीप सङ्ग्रहणी	हरिभद्रसूरि			२	१९मो		प्रा.	सारी	९।।।×४।।
२६०७	चतु:शरण प्रकरण[2]	वीरभद्र			४	१७मो		प्रा.	मध्यम	१०×४।
२६०८	भावनावेली[3]	जयसोम शिष्य			७	१८मो		गु.	सारी	९।।।×४।
२६०९	पवनविजय ग्रंथ				४	१८मो		सं.	सारी	९।।।×४।।
२६१०	नेमिनाथ स्तवन	ऋषभ श्रावक			३	१७६६		गु.	मध्यम	९।।।×४।।
२६११	शांतिनाथ स्तवन	जस विजय			३	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
२६१२	जीराउला पार्श्वजिन स्तवन	लावण्य समय		गा. ३७	३	१८मो		गु.	उत्तम	९।।×४
२६१३	जीवविचार प्रकरण सस्तबक[4]	शांतिसूरि		गा. ५१	९	१७५३		प्रा.गु.	मध्यम	९।।।×४।
२६१४	उपदेशमाला-शकुनावली				७	१८मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
१५	सप्तशतविंशतिजिन स्तवन	गुणविजय			९	१७६३		गु.	मध्यम	९।।।×४।
	सारस्वत व्याकरण टीका प्रकृति भाव पर्यन्त		चन्द्रकीर्तिसूरि		११	१७मो		सं.	उत्तम	९।।।×४।
२६१७	सुदर्शन श्रेष्ठि सज्झाय	लालविजय			३	१९मो		गु.	मध्यम	९।।×४।।
२६१८	विहरमान जिनवीसी स्तवन[5]	विबुध विमल			५	१७९९	१७९०	गु.	मध्यम	९।।×४।।
२६१९	विंशति विंशिका प्रकरण[6]	हरिभद्रसूरि		५००	११	१७९५		प्रा.	जीर्णप्राय	९।।।×४।।
२६२०	कर्मग्रंथ विचार				१०	१८२३		गु.	मध्यम	९।।×४।।
२६२१	समकित सडसठ बोल सज्झाय	यशोविजय			४	२०मो		गु.	उत्तम	९।।×४।
२६२२	आर्द्रकुमार चोपाई[7]	न्यानसागर		गा. ३०१ ग्र. ४५१	९	१८मो	१७२७	गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६२३	भाषामंजरी				३	१८मो		सं.		९।।।×४।
२६२४	चैत्यवदनादि भाष्यत्रय[8]	देवेन्द्रसूरि			१०	१७३५		प्रा.	मध्यम	९।।।×४।।
२६२५	स्नात्र पूजा	देवचन्द्र			६			गु.	सारी	९।।।×४।।
२६२६	आलोचना चोपाई[9]	लावण्यसमय			५	१६८१	१५६२	गु.	मध्यम	१०×४।।
२६२७	शांतिजिन स्तवन[10]	उ. यशोविजयजी			३	१८२०		गु.	सारी	९।।।×४।।

लि. केशरविजय पाटण २. भींजायेली ३. लि. जेसलमेर ४. कनकरत्न ५. सघवी फतेचंद सुरसंघ लि. ६. लि. राजनगरे ७. छेल्लु पत्र पछीथी लखेलु ८. ।. पुण्य विजय ९. स्तमतीर्थे लि. १०. लि. गोपीपुरे सुरत

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२६२८	जिन प्रतिमा हुडी	जिनहर्ष		कडी. ६५	४	१९मो		गु.	सारी	९।।। × ४।।
२६२९	सज्जनचितवल्लभ सस्तबक[1]	मल्लिषेण		मू.का. २५	३	१८मो		सं.गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२६३०	शत्रुंजयकल्प				५	१८मो		प्रा.	जीर्ण	९।।। × ४।।
२६३१	स्तवनसङ्ग्रह[2]	यशोविजयोपाध्याय			५	१९मो		गु.	जीर्ण	९।।। × ४।।
२६३२	पिंडविशुद्धि बत्रीसी[3]	सहज विमल			२	१७४०		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२६३३	प्रश्नोत्तररत्नमाला	विमलसूरि			१	१८मो		स.	मध्यम	९।।। × ४।।
२६३४	भक्तामर पद्यानुवाद	देवविजय			६	१८मो	१७३०	गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२६३५	सयमश्रेणिगर्भित[4] वीरजिन स्तवन	उत्तमविजय			३	१९मो	१७९९	गु.	मध्यम	९।।। × ४
२६३६	स्थूलभद्र नव रसो[5]	उदयरत्न			४	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२६३७	सकलार्हत् चैयत्यवंदन	हेमचन्द्राचार्य			२	२०मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।।
२६३८	चिहु गति वेली			गा. १४०	६	१७मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२६३९	नवाणु प्रकारी पूजा अपूर्ण	वीरविजयजी			७	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२६४०	घी सज्झाय	लाल विजय			२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२६४१	षड्दर्शनसमुच्चय[6]				६	१६४०		स.गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२६४२	ज्ञान पचीसी	बनारसीदास			२	१८मो		हिन्दी	सारी	९।।। × ४।
२६४३	नवकार बालावबोध				९	१८मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२६४४	नवकार बालावबोध			३२५	११	१७२९		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२६४५	वीस विहरमान जिनगीत[7]	लींबो			९	१७३१		गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२६४६	सीता स्वाध्याय	जिनरंग		क. ११	१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४
२६४७	व्रतारोपण विधि[8]				१०	१८मो		प्रा.गु.		९।।। × ४।
२६४८	सामायिक बत्रीस दोष[9] स्वाध्याय	कमल विजयशिष्य		क. १३	१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२६४९	आत्मवैराग्य स्वाध्याय	राजसमुद्र		क. ८	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२६५०	पद्मद्रह विचार				१	१७मो		गु	उत्तम	१० × ४।
२६५१	तिजयपहुत्त स्तोत्र			गा. १४	१	१७५८		प्रा.	उत्तम	१० × ४।
२६५२	कल्याणमदिरस्तोत्र[10] शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	सिद्धसेन दिवाकर			३	१७७७		सं. सं.		९।।। × ४

१ उदयविजय लि. २. लि लाभविमल ३ राजनगरे ४. रचना सुरत ५ लि. ऋषि लाधाजी ६. महेतानगर ७. लि. जिनविजय ८. लि. साभतीर्थे ९. अयाची जेशंकर मुलजी लि. १० लि लाभविजय सूराचद नगर

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२६५३	पचोतेर बोल सङ्ग्रह				९	२०मो		गु.		९।।।×४
२६५४	शाश्वत जिन भवन स्तव[१]									
	सावचूरि त्रिपाठ	देवेन्द्रसूरि			५	१७५१		प्रा.सं.		९।।।×४।
२६५५	सारस्वत व्याकरण व्यजनसधि				६	२०मो		स.	उत्तम	९।।।×४
२६५६	स्तवन सङ्ग्रह				२	२०मो		गु.	मध्यम	९।।।×४।
	वर्धमान जिन स्तवन	उत्तम विजय						गु.		
	ऋषभदेव स्तवन	जिन विजय						गु.		
	आदिनाथ स्तवन	उत्तम विजय						गु.		
२६५७	विमलाचल तीर्थमाला स्तवन[२]	अमृतविजय			८	१८६०	१८४०	गु.	मध्यम	१०×४।।
२६५८	सुदर्शन शेठ सज्झाय[३]	लाल विजय			३	१८मो	१६७२	गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६५९	सुभाषित श्लोक सङ्ग्रह				७	१९मो		सं.	मध्यम	१०।।×४।।
२६६०	विजय देवसूरि स्वाध्याय	रत्नहर्ष			१	१८मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६६१	उपदेश स्वाध्याय	लक्ष्मीकल्लोल		क. १६	१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६६२	सुगुरू कुगुरू षट्त्रिंशिका[४]	सहजकीर्त्ति			१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
२६६३	गोष्ठी पार्श्वनाथ स्तवन[५]	नेमिविजय			५	१९मो	१८७७	गु.		९।।।×४।
२६६४	अढार पापस्थानक सज्झाय	यशोविजयजी			७	१८५२		गु.	उत्तम	१०×४।
२६६५	गुणस्थाने चढवा									
	पडवानो विचार				१	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	९।।।×४।
२६६६	सरस्वती स्तोत्र			श्लोक	१	१९मो		सं.	उत्तम	९।।।×४।।
	संथारा पोरसी			गा. १४				प्रा		
२६६७	देव-गुरु-साधारणद्रव्यकथा[१]				११	१८मो		सं.	सारी	९।।।×४।
२६६८	चित्रसेन-पद्मावती कथानक[६]	राजवल्लभ			१२	१७८५	१५२४			१०×४।
२६६९	ईलाचीकुमार चोपाई अपूर्ण	ज्ञानसागर			७	१८मो		गु.	सारी	९।।।×४।
२६७०	सूक्तावली				२	२०मो		स.	उत्तम	९।।।×४।
२६७१	समकित सडसठ बोलविचार				४	२०मो		गु.	मध्यम	१०×४।
२६७२	शातिजिन जन्माभिषेक कलश				३	१८०६		गु.	मध्यम	१०×४।।
२६७३	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन	विद्याचन्द्र			४	१७मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।

१. राजनगरे २. लि. खुशालचंद पाटण ३. लि. भानुविजय पाटण ४. लि. सुरत, भाणचंद लि. ५. लि. न्यायवर्धन ६. पत्र १-२ नथी, श्राद्धविधिगत. ७. पत्र १थी ५ नथी दीवबंदरे प्रमोदवि लि.

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२६७४	संथारा पोरसी सावचूरि पञ्चपाठ				१	१८मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१०×४।
२६७५	वेराग्य स्वाध्याय	लब्धि		क. ११	१	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	९।×४
२६७६	भगवतीसूत्र प्रथम शतक स्वाध्याय	मानविजय		क. १६	१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६७७	अनाथीऋषि स्वाध्याय[१]	समयसुदर		क ९	१	१७८१		गु.	मध्यम	९।।।×४
२६७८	साधारण जिन स्तवन				१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।।×४।
२६७९	नवतत्त्व प्रकरण				४	१८मो		प्रा.	जीर्ण	१०×४।
२६८०	किरातार्जुनीय काव्य त्रूटक	भारवि			५	१८मो		स.	मध्यम	९।।।×४।
२६८१	शखेश्वर पार्श्वनाथ छंद ज्वरछद				२	१९मो		गु.	मध्यम	९।।।×४।
२६८२	भ्रमर गीता-नेमिनाथ गीता	विनयविजय			२	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
२६८३	संघस्वरूपकुलक सस्तबक			मू गा. २१	४	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६८४	सकलार्हत्सतोत्र सस्तबक			का. ३७ १३५	६	१८मो		स.गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६८५	गजसुकुमाल रास	शुभवर्धन			८	१७३३		गु.	उत्तम	९।।।×४।।
२६८६	गजसुकुमाल रास	शुभवर्धन			८	१७१८		गु.	उत्तम	९।।×४।
२६८७	ज्ञानक्रियासवाद बालाव०सह[२]		प्रीतिविजय	३३५	१३	१७३९		प्रा.गु	उत्तम	९।।×४।
२६८८	वच्छराज-हसराज चोपाई[३]	जिनोदयसूरि		गा. ९०५	२५	१७३५		गु.		९।।×४।
२६८९	वृत्तरत्नाकर	केदारभट्ट			७	१८१८		स.	उत्तम	९।।।×४।
२६९०	समकित सडसठ बोल[४]				४	१७३३		गु.	उत्तम	९।।×४।
२६९१	रोहिणी तप स्तवन[५]				२		१७२०	गु.	जीर्णप्राय	९।।×४।।।
२६९२	तिजयपहुत्तस्तोत्र				१	१८मो		प्रा.	उत्तम	९।।×४।।
२६९३	नववाडशील सज्झाय	मेरूविजय			७	१८मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६९४	अष्टग्रह मास फल ज्योतिष[६]				४	१७३५		सं.	उत्तम	९।।।×४।
२६९५	नवकार बालावबोध[७]				२	१८मो		गु.	उत्तम	९।।×४।
२६९६	ध्यान स्वरूप[८]	भावसिंग्जा		२६५	६	१८मो	१६९६	गु.	उत्तम	९।।।×४।
२६९७	नदी स्थविरावली[९]			गा. ५०	२	१७मो		प्रा.	जीर्ण	९।।।×४
२६९८	मोहराज स्तवन	मानविजय			३	१८मो		गु.	सारी	९।।×४।

१ धनराज लि. २. लि सूर्यपुरे ३. लि ऋ०गळा, सुरास्ता ग्रामे ४ जगरूसलि ५ अपूर्ण ६ लि पटपल्ली ७ लि. उत्तमरंगगणि ८ प्रथम पत्र नथी. ९ सोधेली.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२६९९	ऋषभ जिन विवाहलुं[1]	ऋषभदास			२	१८मो		गु.	मध्यम	९। × ४
२७००	भरत-बाहुबली अधिकार				७	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।।।
२७०१	नववाडशील सज्झाय[2]	उदयरत्न			५	१८२७		गु.		९।।। × ४।।।
२७०२	नंदिषेण चोपाई	न्यानसागर		गा. २८३	११	१७३१	१७२५	गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२७०३	लघुप्रक्रिया अपूर्ण	विनयविजयोपाध्याय			३	१८मो		सं.	सारी	१० × ४।
२७०४	व्यवहारा विचार				१	१८मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२७०५	चोवीसजिन गीत स्तवन	मानविजयजी			८	१९०५		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२७०६	वीतराग स्तव प्रकाश १-२ सस्तबक	हेमचन्द्राचार्य			४	१९मो		सं.गु.	उत्तम	९।।। × ४।।
२७०७	समकितना सडसठ बोल[3] सङ्ग्रह सम्यक्त्व गाथा द्वय				६	१७३२		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२७०८	संवेगरसचन्द्रावला[4]	कवि लिंबो			८	१८मो		गु.		९।। × ४।।
२७०९	सकलार्हत् चैत्यवंदन	हेमचन्द्राचार्य			२	१९मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।।
२७१०	तिजयपहुत्त स्तोत्र				१	१७मो		प्रा.	मध्यम	१०।। × ४।
२७११	ढोलामारू चोपाई [5]				७	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४
२७१२	विष्णु संबंधी चोपाई				३	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	९।। × ४।
२७१३	पचपद नमस्कार स्वाध्याय				१	१७३०		गु.	मध्यम	९।। × ४।
२७१४	वयरस्वामि स्वाध्याय[6]	लब्धि विजय		क. २१	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४
२७१५	षट्पंचाशिका ज्योतिष				१६	१८मो		सं.	मध्यम	९।।। × ४।
२७१६	षट्पंचाशिकां सस्तबक[7]	वराह मिहीर (पृथुयशा)		श्लो. ५६	८	१७२१		स.गु.	उत्तम	९।। × ४।
२७१७	वरदत्त-गुणमंजरी कथा पद्य[8]	कनककुशल		पद्य. १५२	९	१७८१	१६१५	सं.	उत्तम	९।।। × ४।
२७१८	श्राद्ध अतिचार				६	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४
२७१९	ढंढण मुनि स्वाध्याय			क. १५	१	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।
२७२०	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	देवेन्द्रसूरि			७	१८मो		प्रा.	मध्यम	९।।। × ४।
२७२१	योगविधि (नंदिकरण विधिआदि)			८६	३	१७४४		गु.	उत्तम	९। × ४
२७२२	सामुद्रिक शास्त्र				८	१८मो		सं.	उत्तम	९।। × ४।
२७२३	नेमिनाथ धवल	ब्रह्म			१५	१७मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।

१. लि. लालविजय २. रचना खंभात ३. राजनगरे लि. ४. राजनगरे लि. ५. भीजायेली अपूर्ण ६. भीजायेली ७. पत्तने ऋ. हेमराज लि. ८. ज्ञानपंचमीमाहात्म्ये

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२७२४	पार्श्वनाथ छंद	जिनविजय		क. १३	१	१८मो		गु	जीर्ण	१०×४।।
	वीस स्थानक स्तवन	उदय		क ७				गु.	जीर्ण	
	स्थमन पार्श्व स्तवन			क. ५				गु.	जीर्ण	
२७२५	नवकार अर्थ				३	१८मो		गु.	उत्तम	१०।×४।।
२७२६	स्तवन सङ्ग्रह				२	१९मो		गु	उत्तम	१०×४।।।
	पार्श्वनाथ स्तवन	उदयरत्न						गु		
	सिद्धचक्र स्तवन	लक्ष्मीसागर						गु.		
	पार्श्वनाथ स्तवन	मोहन विजय						गु		
	धर्मनाथ स्तवन	मोहन विजय						गु.		
	पार्श्वनाथ स्तवन	उदयरत्न						गु.		
२७२७	साधुप्रतिक्रमण सूत्र				३	१९मो		प्रा.	मध्यम	१०।×४।।
२७२८	शत्रुंजय रास[1]	नयसुदर			६	१७६२		गु	मध्यम	१०×४।।।
२७२९	गुरूगुणषट्त्रिंशिका	वज्रसेन शिष्य			२			प्रा.	मध्यम	१०।।×४।।
२७३०	अर्बुदाचल स्तवन	रूपचन्द			२	१९मो		गु	मध्यम	१०।।×४।।।
२७३१	गणधरवाद आदि स्तवन सङ्ग्रह	सकलचन्द			११	१९मो		गु.	मध्यम	१०×४।।
२७३२	अतीत चोवीश जिन स्तवन									
	पदरमा जिन पर्यंत	देवचन्द्र			७	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
२७३३	नवतत्त्वप्रकरण वालाव०सह[2]				१४	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०।×५
	नवतत्त्वप्रकरण वालाव०सह				२-४	१८मो		प्रा.	उत्तम	
२७३४	सज्झाय स्तवनादि				२	१९मो		गु.सं.	सारी	१०।×४।।
२७३५	मायाबीजकल्प[3]				९	२०मो		सं.	उत्तम	१०।×५
२७३६	बृहत्कल्पसूत्र सस्तबक अपूर्ण				२७	१९मो		प्रा.गु	मध्यम	१०।।×४।।
२७३७	चोवीस जिन स्तवन आदि[4]	रामविजयजी			८	१८१९		गु.	उत्तम	१०।×४।।
२७३८	वयरस्वामि स्वाध्याय	जिनहर्ष		क. ८९	१-३	१९मो	१७५०	गु	मध्यम	१०।×४।।
	मेघकुमार स्वाध्याय	जिनहर्ष			३-४			गु		
२७३९	गहुली	राजविमल		क ७	१	१९२४		गु	उत्तम	१०।×४।।
२७४०	त्रण चोवीसी शाश्वताजिन वंदन				३	१९मो		गु.	उत्तम	१०।×४।।
२७४१	मनोरथमाला	सेवक		क. १५	१	१९मो		गु.	उत्तम	१०।×४।।

१ पत्र १-२ नथी. २. त्रूटक ३. प्रथम पर नथी. ४. लि. पालणपुरे

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२७४२	रात्रिभोजन स्वाध्याय	विनय (सुदर)		क. २१	१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२७४३	मोहनीयनां स्थानक[१]				१	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२७४४	दश नियम स्थानक[२]				१	१९मो		सं.	जीर्णप्राय	१०। × ४।।
२७४५	दश पच्चक्खाण स्तवन	गणिरामचन्द		क. ३३	२	२०मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२७४६	श्रीपाल रास	जिनहर्ष			१०	१९मो	१७४१	गु.	उत्तम	१०।। × ४।।
२७४७	एकवीस प्रकारी पूजा[३]	सकलचन्दजी			७	१८७७		गु.	उत्तम	
२७४८	गौतम कुलक सस्तबक				६	१९मो		प्रा.गु	उत्तम	१०। × ४।।
२७४९	शब्द रूपावली				४	१७मो		सं.	जीर्ण	१०। × ४।
२७५०	मंगल मालिका[४]				१	१७८७		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२७५१	पृथ्वीचन्द्र कुमार रास	देवचन्द्र			६	१७९९	१६९६	गु.	सारी	१०। × ४।।
२७५२	पाक्षिक अतिचार				३	१८मो		गु.	सारी	१० × ४।।
२७५३	ताजीक सार[५]	हरिभट्ट			२१	१७१९		स.	मध्यम	१०। × ४।।
२७५४	सिद्धि दडिका प्रकरण	देवेन्द्रसूरि			२	१८मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।।
२७५५	चतुर्विंशति-जिन स्तवन सस्तबक	आनंदघन	ज्ञान विमलस्तवन. २२ पर्यन्त		२२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२७५६	आषाढाभूति रास[६]	न्यान सागर		३५१	८	१७९९	१७२४	गु	उत्तम	१० × ४।।
२७५७	अतिचार[७]				३	१८मो		गु	उत्तम	१०। × ४।।
२७५८	रत्नाकर पचविंशतिका सस्तबक (साधारण जिन स्तवन)	रत्नाकरसूरि			३	१८मो		स गु.	मध्यम	१०।। × ४।।।
२७५९	मौनएकादशी कथा[८]	सौभाग्यनदि सूरि			४	१७५३	१५७६	स.	मध्यम	१०।। × ४।।
२७६०	मुनिसुव्रत जिन आदि स्तवन सङ्ग्रह	विबुध विमल		.	३	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।।
२७६१	सिद्धाचल स्तवन आदि[९]				४			गु.	मध्यम	
२७६२	वीरनिर्वाण स्तवन[१०]	देवचन्द्र खरतर			९	१८२५		गु.	उत्तम	१० × ४।।
२७६३	चोवीश अतिशय स्तवन	लाभमुनि			१	१९मो		गु.	सारी	१० × ४।।
२७६४	ढुंढक पचीसी	जिनेन्द्र			२	१९मो		गु.	सारी	१० × ४।।।
२७६५	झांझरीया मुनि सज्झाय	विशाल सोम शिष्य		क. ५१	२	१६९७		गु	सारी	१० × ४।।

१. भानुसूर लि २. लि राधनपुरे ३ लि. खुशालविजय ४ सावलीनगरे ५. प्रथम पत्र नथी लि अणहिल्लपुरपत्तने ६. पिंडविशुद्धिविषये रचना चक्रापुरी ग्रामे ७. ऋ केसवजी लि. ८. लि मोढ गणेशपुत्र त्र्यबक पत्तन ग्रामे ९ पत्रो जुदा जुदा छे. १० भूपतविजय लि. रची-भावनगरे

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२७६६	नववाड सज्झाय	धर्महंस			३	१८मो		गु	सारी	१०×४॥
२७६७	वंदनक प्रतिक्रमण सूत्राणि				८	१८९७		प्रा.	मध्यम	१०×४॥
२७६८	नेमिनाथ समयसरण स्तवन[1]	सोमसुदर शिष्य		क. ३६	३	१७७५		गु.	मध्यम	१०×४॥
२७६९	सत्तरभेद पूजा विधि	सकलचन्दजी			३	१८मो		गु	उत्तम	१०×४॥
२७७०	जीव उत्पत्ति सज्झाय	श्रीसार			४	२०मो		गु.	मध्यम	१०×४॥
२७७१	ओगणत्रीसी भावना				२	१९मो		गु.	मध्यम	१०×४॥
२७७२	षड्वश्यक सूत्राणि									
	बालावबोधसह				३९	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	१०×४॥
२७७३	स्वाध्याय	उदय		क ११	१	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४॥
	धर्मानुसारी गुण स्वाध्याय	मानविजय		क. १७	१-२			गु.		
	विमलाचल स्तवन	गुणविजय		क १४	२जुं			गु.		
२७७४	चित्रसेन पद्मावती कथा	वृद्धिविजय			१९	१७७१	१६६०	स.	मध्यम	१०×४॥
२७७५	खीमरूषि रास	लावण्य समय			गा. ५१२	१८मो		गु	उत्तम	१०×४॥
२७७६	पाचकारणगर्भित									
	वीरजिन स्तवन	विनयविजयजी			४	२०मो		गु.	उत्तम	१०।×४॥
२७७७	सार शिखामण स्वाध्याय			क. १६	१लुं.	१९मो		गु.	मध्यम	१०×४।
	पचमहाव्रत स्वाध्याय	प. विजयविमल		क. ८	१-२			गु.		
	मधुबिंदु स्वाध्याय	चरणप्रमोद		क ५	२-३			गु.		
	नवकार स्वाध्याय	विमलमुनि		क. १२	३जुं			गु.		
२७७८	श्राद्धप्रतिक्रमण[2]				१५	१९मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०×४॥
२७७९	श्राद्ध अतिचार				१२	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१०।×४॥
२७८०	षडावश्यक सूत्राणि[3]				१४	१७८६		प्रा.सं.गु.	मध्यम	१०।×४॥
२७८१	षोडशकप्रकरण विवरण									
	सह त्रिपाठ	हरिभद्रसूरि	यशोभद्रसूरि		३९	१८२५		सं.	उत्तम	१०×४॥
२७८२	ज्ञानसागर प्रकरण	उ. यशोविजयजी			११	१८मो		सं.	मध्यम	१०×४।
२७८३	जम्बूस्वामी चरित्र अपूर्ण				२२	१९मो		गु.	मध्यम	१०×४॥
२७८४	श्रीचन्द्रकेवलीरास -[4]									
	आनंदमंदिर त्रूटक	ज्ञानविमलसूरि			१५९	१७७४	१७४९	गु.	मध्यम	१०×४॥

१. राजनगरे २. विसलनगरे लि. पत्र १४मुं नथी ३. लि. फतेपुर, गणि चतुरविजग लि. नरसमुद्र पत्तने लि. ४ लि. उत्तमविजय

प्रति नम्बर पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२७८५ पार्श्वनाथ स्तवन सस्तबक	उ. यशोविजयजी			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०×४॥
२७८६ उपधान माला रोपणादि विधि				८	१९मो		गु.	मध्यम	१०।×४॥
२७८७ पर्यंताराधना प्रकरण[1]									
सावचूरि त्रिपाठ	सोमसूरि		मू.गा. ७०	१-७	१९मो		प्रा.सं	उत्तम	१०।×४॥
महावीरस्तुति त्रिपाठ				७-८	१९मो		प्रा.स.		
२७८८ श्राद्ध अतिचार[2]				१२	१९मो		गु	उत्तम	१०।×४।
२७८९ श्रावकव्रतभग प्रकरण[3]									
सावचूरि पञ्चपाठ			मू.गा. ४१	३	१६७८		प्रा.सं.	उत्तम	१०×४।
२७९० आरमसिद्धि				१५	१७मो		सं.	उत्तम	१०।×४।
२७९१ योगदृष्टि स्वाध्याय सस्तबक[4]	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि	८५० मू.गा. ८४	३२	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४॥
२७९२ योगदृष्टि स्वाध्याय सस्तबक	उ. यशोविजयजी	ज्ञानविमलसूरि	.	१९	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४॥
२७९३ इन्द्रियपराजय शतक सस्तबक			गा. १०२	१ थी १२	१७मो		प्रा.गु.	जीर्ण	१०।×४।
वैराग्यशतक सस्तबक			गा. १०४	१२ थी २३			प्रा.गु		
वैराग्यशतक सस्तबक			गा. ५७	१३ थी २९			प्रा.गु.		
२७९४ पन्यास मुक्तिविमलजी-[5]									
जीवन चरित्र पद्य	रसिक (श्रावक)			५	१९९२	७५	गु.	उत्तम	१०×४॥
९५ अजितशांति स्तव सावचूरि	नदिषेण			११	१९४०		प्रा.सं.	उत्तम	१०।×४॥
९६ वीसस्थानक तपविधि				३	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१०×४।
२७९७ सिद्धपचाशिका सावचूरि									
पञ्चपाठ	देवेन्द्रसूरि		मू.गा. ५०	५	१६७८		प्रा.स.	उत्तम	१०×४।
वीर जन स्तुति सावचूरि पञ्चपाठ			मू.का. ४	५मुं			सं.		
२७९८ मेघनाद कथा गद्य[6]	(सुपात्रदाने)			९	१६७५		स.	मध्यम	१०×४॥
२७९९ उपधान विधि-अष्टोत्तरी[7]									
स्नात्रविधि				२२	१८मो		प्रा.सं.गु.	जीर्ण	१०।×४॥
२८०० पद्मावती स्तुतिमंत्र गर्भित स्तोत्र	जयविजयजी			३	१९मो		सं.	उत्तम	१०×४॥
२८०१ मुहुर्त्त मुक्तावली सस्तबक[8]			मू.का. ५०	६	१९मो		सं.गु	मध्यम	१०×४।

१. पं. हेमविजय लि २ कालुपुरे पं आणंदविजय लि. ३. पं मानविजय लि. ४. रचना-खंभातबंदरे ५ लेखक भोजक केसरीचंद पुनमचंद पाटण ६. पं. राजविमल लि. दंतीपाटक ७. पत्र ९ मुं डबल ८. पत्तननगरे पं. दोलतचंद लि.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२८०२	भावप्रकरण सस्तबक	विजयविमल		गा. ३०	६	१९मो		प्रा गु	उत्तम	१०। × ४॥
२८०३	सुभद्रासती सज्झाय	सेवक सिधो		क २२	१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
	जीवकाया सज्झाय	राजसमुद्र		क. ७				गु		
२८०४	जम्बूस्वामि ढाल	नयविमल			४	१८३४		गु.	सारी	१०। × ४॥
२८०५	जिनपूजाविधि स्तवन[1]	नयविमल			८	१९मो	१७४१	गु	सारी	१० × ४॥
२८०६	स्तवन-सज्झायादि				३	१९मो		गु	सारी	९॥। × ४॥
२८०७	पाचवधामणा स्तवन				२	२०मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२८०८	पाक्षिकसूत्र[2]				७	१६५५		प्राकृत	मध्यम	१० × ४।
२८०९	पचपरमेष्ठि सज्झाय	देवविजय			२	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
२८१०	पर्यन्ताराधना प्रकरण[3]	सोमसूरि			४	१७मो		प्रा.	मध्यम	
२८११	शातसुधारस अपूर्ण	उ. विनयविजयजी			११	१८मो		स.	सारी	१० × ४।
२८१२	अभक्ष्य-अनतकायनामानि सटिप्पन पञ्चपाठ				२	१८मो		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४।
२८१३	अजितशांति स्तवन[4]	नदिषेण		गा. ४०	४	१७मो		प्रा.	जीर्ण	१० × ४।
२८१४	पाक्षिकसूत्र				८	१७मो		प्रा.	मध्यम	१०। × ४।
२८१५	श्रावकक्रियाविधि				२	१८मो		गु.		१० × ४॥
	प्रतिक्रमण विधि				१	१९मो				
२८१६	पाशाकेवली[5]	गर्गमुनि			८	१७७९		सं.	मध्यम	१० × ४॥
२८१७	जिननमस्कार स्तुति			क ८	१	१९मो		गु	सारी	१० × ४॥
२८१८	नववाड सज्झाय[6]	उदयरत्न			४	१९मो	१७६३	गु.		१० × ४॥
२८१९	सिद्धाचल नवाणु यात्रापूजा	पद्मविजय			५	१८८५	१८५१	गु.	सारी	१० × ४॥
२८२०	नदिसूत्र				२	१८९२		प्रा.	सारी	१० × ४॥
२८२१	सोलसती सज्झाय[7]	उदयरत्न			२	१९१९		गु.	सारी	१०॥ × ४॥
२८२२	सुमतिनाथ स्तुति आदि[8]				१	१९मो		सं.	सारी	१० × ४॥
२८२३	समेतशिखर स्तवन	ज्ञानविमल			१	१९मो		गु	सारी	१० × ४।
२८२४	असज्झाय विचार				१	१९मो		गु.	सारी	१० × ४॥
२८२५	सप्तनय विचार गद्य				४	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥

१. रचना-समी सेहर २. जावलगोरे लि. ३. लि. हर्षकुशल ४. जेसलमेर ५. लि पं उत्तमविजय ६. लि. कुंवरविजय, रत्ता - रंभायत ७ त्रिभोवन- झोटाणा ग्रामे ८. लि. जीवणदास

प्रति नम्बर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२८२६ सिद्धचक्रस्तव आदि[१]				५	१९मो		सं.	सारी	१० × ४॥
२८२७ बार भावना	आलु			४	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२८२८ जिनपूजा विधि रास	नयविजय			५	१९मो		गु.	सारी	१० × ४॥
२८२९ नारचन्द्र जैन ज्योतिष[२]	नरचन्द्रसूरि			१२	१५१४		सं.	जीर्ण	१०। × ४॥
२८३० नंदीस्तोत्र आदि सङ्ग्रह				५	१८मो		प्रा.सं.	जीर्ण	१० × ४॥
२८३१ पंचपरमेष्ठि नमस्कार नवपद विचार				१	१८मो		प्रा.गु.	जीर्ण	१०। × ४।
२८३२ वृत्त रत्नाकर[३]	केदारभट्ट			८	१७३०		सं.	उत्तम	१० × ४।
२८३३ परचुरण पत्रो जुदा जुदा				७	१९मो		प्रा.सं.गु.		
२८३४ शनीसरनो छंद				२	१८६५		गु.	मध्यम	९॥। × ४॥
२८३५ श्रावकातिचार				३	१७मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२८३६ रामचरित्र गद्य अपूर्ण				४	१८मो		सं.	सारी	१० × ४॥
२८३७ दान-शील-तप-[४] भावना सङ्ग्रह	समयसुदरजी			३	१८मो		गु.	सारी	१० × ४॥
२८३८ रत्नकोश (वस्तुविज्ञान)[५]				४	१८मो			सारी	१० × ४।
२८३९ गुरुसज्झाय-रास[६]	उ. यशोविजयजी			२थी३	१८मो		गु.	सारी	१० × ४॥
	उ. यशोविजयजी			३थी१०					
२८४० विहरमान जिन विसी[७]	जिनहर्ष			५	१८मो		गु.	सारी	१० × ४।
२८४१ वयरस्वामि चउढालीयां	जिनहर्ष			५	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
२८४२ पंचमी स्तवन	दयाकुशल			२	१९मो		गु.	सारी	१०। × ४॥।
२८४३ सकलार्हत् चैत्यवंदन	हेमचन्द्राचार्य			२	१९मो		सं.	मध्यम	१० × ४।
२८४४ षडावश्यकसूत्राणि[८]				११	१८मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०। × ४॥
२८४५ हितोपदेश सज्झाय[९]	सिद्धिहर्ष			३	१७५८		गु	सारी	१० × ४॥
२८४६ स्तवन सज्झाय आदि[१०]				५	१८मो		गु.		
२८४७ प्रव्रज्याविधि-दीक्षाविधि				२	१९मो		प्रा.सं.	उत्तम	१० × ४॥
२८४८ नेमिनाथ समवसरणविचार स्तवन	सोमसुंदरसूरि शिष्य			३	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥

१. प्रथम पत्र नथी. २ पत्र १ थी ३ तथा १० मुं नथी, लि नंदिशीलगणि ३. स्तंभतनगरे लि. ४. अपूर्ण ५. अपूर्ण ६ प्रथम पत्र नथी. ७. अपूर्ण ८. पत्र १ तथा ७ मुं नथी, ९ मुं नथी.
९ गंभीरविजय लि. भादसोडा ग्रामे १० पत्रो जुदां जुदां छे

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२८४९	सप्तशतविशतिजिन स्तोत्र	जयसोम			६	१८मो	१७१७	गु.	उत्तम	१० × ४॥
२८५०	अमृतध्वनि[1]				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४॥
२८५१	पोषधविधि				१	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
२८५२	पादादौ गण शुभाशुभफल काव्य				२	१८मो		स	उत्तम	१०। × ४।
२८५३	बृहत् शाति स्तव[2]				२	१७२४		स	जीर्ण,	९॥। × ४।
२८५४	मुक्ताफलमान स्वाध्याय	गुणविजय			१	१९मो		गु	उत्तम	१०। × ४।
२८५५	शुकराज कथा अपूर्ण				१३	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
२८५६	कथा सङ्ग्रह[3]				३ थी १५	१७मो		सं.		१०। × ४॥
२८५७	नवपद पूजा				८	१८५५		गु.		१०। × ४।
२८५८	शिवजी रास	धर्मसिह			११	१८मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
२८५९	सारस्वत व्याकरण धातुपाठ				५	१९मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
२८६०	स्तवन सङ्ग्रह	ज्ञानविमलजी			११	१९मो		गु	मध्यम	१० × ४॥
	(१) चतुर्विंशतिजिन नामार्थ स्तवन		ज्ञानविमलजी						गु.	
	(२) आदिनाथ जिन नवीनबिंब-प्रतिष्ठा स्तवन	सुखसागर						गु.		
	(३) योगविसी गत भावना-गर्भित वीरजिन स्तवन	ज्ञानविमलजी						गु.		
	(४) शाति जिन स्तवन	ज्ञानविमलजी						गु		
	(५) वर्धमान जिन स्तवन	ज्ञानविमलजी						गु.		
	(६) शांतिजिन स्तवन	ज्ञानविमलजी						गु.		
	(७) पंचमी स्तव	ज्ञानविमलजी						गु		
	(८) सीमधर स्वामि स्तवन	ज्ञानविमलजी						गु		
	(९) नेमनाथ बारमास	ज्ञानविमलजी						गु.		
	(१०) सिद्धचक्र स्तवन	ज्ञानविमलजी						गु.		
२८६१	विहरमान जिन वीसी[4]	विबुध विमल			५	१७९१	१७९०	गु.		१० × ४॥
२८६२	मौनएकादशी कथा[5]	सौभाग्य नंदि			४	१८मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
२८६३	पार्श्वनाथ गीता	उदयविजय			२	१८मो		गु	उत्तम	१० × ४॥
२८६४	तिजयपहुत्तस्तोत्र सस्तबक				३	१९मो		प्रा.गु.	मध्यम	९॥। × ४।

१ पेथापुरे लि. अमिविमलजी २. लि. लावण्यलक्ष्मी ३. पत्र ७थी ९ नथी. ४. प्रथम पत्र नथी, लि. पंड्या गाळाराम, पत्तने ५. प्रथम पत्र नथी

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२८६५ मेघकुमार भास	पुनो		क. १८	१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२८६६ चतुर्विंशति जिन स्तवनो (चोवीसी)	माणिक्य विजय			४थी९	१९मो		गु.	सारी	१० × ४।
२८६७ पार्श्वनाथ लावणी	रूप विजय			२	गु.		गु.	मध्यम	१० × ४।।
२८६८ अंतरदशा फल				४	१८मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
२८६९ योग विधि				३	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	१० × ४।
२८७० जीवविचार प्रकरण	शांतिसूरि		गा. ५१	३	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
२८७१ नाममाला त्रूटक[१]				५२	१८मो		सं.	जीर्ण	१०। × ४।
२८७२ उपधानविधि-श्राद्धप्रतिमाविधि				८	१७मो		प्रा.सं.गु	जीर्ण	१०। × ४।
२८७३ तर्कभाषाप्रकाशिका टीका[२]	बलभद्र			३	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
२८७४ शत्रुंजयमाहात्म्य[३]	धनेश्वर सूरि			१११ थी १३०	१७मो		सं.	मध्यम	१०। × ४।
२८७५ स्थानांगसूत्र सावचूरि[४] पञ्चपाठ				१७	१८मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०। × ४।
२८७६ नैषधकाव्य सटीक त्रिपाठ[५]	हर्षकवि	रामचन्द्र		२८	१८मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
२८७७ शनैश्चर कथा				४	२०मो		सं.	उत्तम	१० × ४।
२८७८ रत्नशेखर नृप कथा				५	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०। × ४।
२८७९ सिद्धहेमशब्दानुशासन[६] अष्टमोऽध्याय (प्राकृत व्याकरण) ढुंढिका टीका सह	हेमचन्द्राचार्य	ढुं. सौभाग्यसार		३९	१६४४	१५९१	सं.	जीर्ण	१०। × ४।
२८८० कायस्थितिस्तोत्र बालावबोध				६	१८मो		गु.	जीर्णप्राय	१०। × ४।
२८८१ पाक्षिकक्षामणक				१	१८मो		पा.	मध्यम	१० × ४।
२८८२ पाक्षिकप्रतिक्रमणविधि सुमति जिन स्तवन				१	१९मो		गु. गु.	मध्यम	१०। × ४।
२८८३ नवतत्त्व विचार[७]				९	१८मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।।
२८८४ भक्तामर स्तोत्र[८]	मानतुङ्गसूरि		का. ४४	४	१९मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
२८८५ गौतम केवली शकुनावली				१	१७मो		गु.	मध्यम	१०। × ४।
२८८६ कल्पान्तर्वाचना				३	१८मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।

१ पत्र १ थी २१, ४६ थी ४९ तथा ५१ मुं पत्र नथी. २. अपूर्ण ३. त्रुटक, अपूर्ण ४. त्रुटक, अपूर्ण ५. त्रुटक, अपूर्ण ६. पत्र १-२-४ थी ९, २५ – २६, २८ थी ३०, ३६ थी ३८ नथी. ७. पत्र ३जुं नथी. ८. लि. पालणपुरे

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२८८७	कथा सड्ग्रह त्रूटक[१]				१६थी७१	१७मो		सं	जीर्ण	१०। × ४।
२८८८	नयचक्र	देवसेन पडित			५	१७मो		सं.	उत्तम	१०। × ४।
२८८९	जीवविचार प्रकरण अपूर्ण सबालावबोध	शातिसूरि			१२	१८मो		प्रा.गु	सारी	१०। × ४।
२८९०	उपदेशमाला प्रकरण[२] बालावबोधसह				५१थी१६७	१८मो		प्रा.गु	मध्यम	१० × ४।
२८९१	सारस्वत व्याकरण[३]				२८	१८मो		स.	जीर्ण	१०। × ४
२८९२	सारस्वत प्रक्रिया[४]	अनुभूति स्वरूपाचार्य			४१	१६५८		सं.	जीर्ण	१० × ४
२८९३	पोषधफल कुलक	जिन कीर्त्ति		गा. १६	१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१०। × ४।
२८९४	अभिधानचितामणि अपूर्ण	हेमचन्द्राचार्य			९	१७मो		स.	मध्यम	१० × ४
२८९५	सप्तनय गर्भित महावीर स्तोत्र सस्तबक	विनयविजय			३	१९मो		सं.गु	उत्तम	१० × ४।
२८९६	जम्बूद्वीप सड्ग्रहणी	हरिभद्र सूरि			२	१८मो		प्रा	मध्यम	१० × ४।
२८९७	पापबुद्धि-धर्मबुद्धि कथा				२०	१७मो		स.	उत्तम	१०। × ४।
२८९८	उपदेश सप्ततिका	श्रीसार				१८मो		गु	उत्तम	१० × ४।।
	क्रियारूप करम आववानुं कारण विचार							गु.		
	दादा पार्श्वनाथ स्तवन	यशोविजयजी						गु.		
	जिन राज स्तवन गीत	ज्ञानविमलजी						गु.		
	शातिनाथ स्तवन	जिनराज सूरि						गु.		
२८९९	आदिनाथ स्तवन	अमृत विजय			१	१८०२		गु.	मध्यम	१० × ४।
२९००	समता स्वाध्याय	ऋषि (विजय)		क. १६	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२९०१	रोहिणी अशोकचन्द्रनृप कथा	कनककुशल			१३	१६९९	१६७७	स.	उत्तम	१० × ४।
२९०२	सिदूरप्रकर[५]	सोमप्रभाचार्य			७	१७मो		गु.	जीर्ण	१० × ४।
२९०३	तीर्थंकर लक्षण विचार				१	१९मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
२९०४	नयविचार सस्तबक				२	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	१० × ४।
२९०५	संबोधसप्ततिका प्रकरण	रत्नशेखर (जयशेखर)			७	१७८८		प्रा	उत्तम	१० × ४।।
२९०६	कायस्थितिस्तव				१	१७मो		प्रा.	उत्तम	१० × ४।।

१ पत्र २९-३० नथी २ पत्र ९७ थी ९९ नथी, त्रूटक ३. अपूर्ण, पत्र २२ तथा २५मुं नथी. ४ मुनि देवसागर लि. ५ महासाणनगर, लि लावण्यचारित्र

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२९०७	जम्बूस्वामि स्वाध्याय[1]	केशर कुशल			२	१९मो		गु.	उत्तम	१०×४।।
	कवाडीया दृष्टांत स्वाध्याय							गु.		
२९०८	कायस्थितिस्तव सावचूरि पञ्चपाठ	कुलमंडनसूरि वृत्ति			३	१७मो		प्रा.सं.	उत्तम	१०।×४।
२९०९	किरातार्जुनीय काव्य वृत्तिसह[2] पञ्चपाठ	भारवि				१८मो		सं.	उत्तम	१०×४।
२९१०	तर्कभाषाटीका अपूर्ण[3]				२८	१८मो		गु.	उत्तम	१०×४।
२९११	जम्बूद्वीपसङ्ग्रहणी	हरिभद्रसूरि			३			प्रा.	उत्तम	९।।।×४।
	स्थविरावली नदिसूत्र मंगलगाथा	देववाचक						प्रा.		
२९१२	बार भावना	आलु			३	१९मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
२९१३	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन[4]	नेमविजय			९	१८६१	१८०७	गु.	मध्यम	९।।।×४
२९१४	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन	प्रीति विमल		क. ५४	३	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	९।।×४।
२९१५	शीलवती कथा				१२	१७मो		गु.	उत्तम	९।।।×४।
२९१६	शांत सुधारस	उ. विजयविजयजी			१०	१८मो	१७२३	सं.	उत्तम	९।।।×४।।
२९१७	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र सज्झाय	लाभविजय			१९	१७०१		गु	उत्तम	९।।।×४।
२९१८	हीरप्रश्न प्रश्नोत्तरसमुच्चय[5]				२१	१७२४		सं.	उत्तम	९।।।×४।
२९१९	लक्ष्मीधरकथा				३	१८मो		सं.	उत्तम	९।।×४
२९२०	शकुनपाशावली				९	१८मो		सं.	उत्तम	९।।।×४।
२९२१	साधुवंदना				९	१८मो		सं.	उत्तम	९।।×४।।
२९२२	सत्तरभेदपूजा स्थापना सज्झाय	जशविजयजी		ग्रं.१३५	७	१८मो		स.	उत्तम	९।।।×४।
२९२३	तपावली				१७	१८७८		गु.		९।।।×४।
२९२४	महावीरस्वामि पारणु	मालमुनि			१	१८७९		गु.	मध्यम	९।।×४।।
२९२५	बहुश्रुत अध्ययन[6]				१०			गु.	उत्तम	९।।।×४।
२९२६	अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र व्याख्या				२	१८मो		सं.	उत्तम	९।।×४।
२९२७	देवदिन्न कथा				६	१९मो		गु.	मध्यम	९।।।×४
२९२८	रत्नसारकुमार चरित्र[7]				३०	१७२७		सं.	उत्तम	९।।।×४।
२९२९	अनित्यभावनोपरि कथा				१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।×४।

१. सिद्धपुरे लि. २. अपूर्ण ३. पत्र १ थी ४ नथी ४. पत्र ८ मुं नथी, जयविजय लि. ५. लि. दानविजय ६. पत्र १-२ नथी ७. मेहेसाणापुरे लि. रूपसौभाग्य लि.

B-10

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२९३०	व्यवहार राशी स्वरूप वर्णन				२	१९मो		गु	उत्तम	९॥ × ४।
२९३१	नवकार अर्थ				२	२०मो		गु.		९॥ × ४।
२९३२	द्वादश भावना सज्झाय	सकलचन्द्र			७	१७मो		गु	सारी	९॥ × ४।
२९३३	पार्श्वनाथनी राजगीता[1]	उदयविजयवाचक			४	१७५४		गु	सारी	९॥ × ४
२९३४	साधुप्रतिक्रमणसूत्र				३	१८मो		प्रा.	उत्तम	९॥ × ४।
२९३५	जयतिहुयण स्तोत्र त्रिपाठ									
	सबालावबोध अपूर्ण	अभयदेवसूरि			६	१७मो		अपभ्रंश	सारी	९॥। × ४।
२९३६	तीर्थमाला	न्यायसागरजी			५	१९मो	१८०१	गु.	उत्तम	९॥। × ४।
२९३७	भलानो अर्थ कक्काडानो अर्थ[2]				४	१८८८		गु.		९॥ × ४।
२९३८	तपावली				३	१८मो		गु	उत्तम	९॥ × ४।
२९३९	गमागम पृच्छा				४	१८मो		सं.	उत्तम	९॥ × ४।
२९४०	गिरनारकल्प सस्तबक	भारती			३	१८मो		सं.गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२९४१	चतुर्गति वेली[3]				१०	१९मो		गु.		९॥। × ४॥
२९४२	गजसुकुमाल चउढालीयां				५	१९मो		गु	उत्तम	९॥ × ४।
२९४३	तिजयपहुत्त स्तोत्र			गा १४	१	१९मो		प्राकृत	जीर्णप्राय	९॥ × ४
२९४४	हितशिक्षा स्वाध्याय	रिद्ध		क. १६	१	१८२६		गु	उत्तम	९॥। × ४।
२९४५	अभव्य कुलक			गा. ९	१	१९मो		प्रा	मध्यम	९॥ × ४।
२९४६	चन्द्रलेखा चोपाई	मतिकुशल		क. २८	२२	१७६२	१७२१	गु	उत्तम	९॥। × ४।
२९४७	लीलावती विक्रमादित्य रास	अभयसोम		गा. ६२४	११	१८मो	१७२४	गु	उत्तम	९॥ × ४।
२९४८	चतुर्मास व्याख्यान[4]				८			सं.	उत्तम	९॥। × ४।
२९४९	चोत्रीस अतिशय गाथा सस्तबक				४	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥ × ४।
२९५०	नयगर्भित वीरस्तवन[5]	विनयविजयजी				१८०९		सं.	उत्तम	९॥ × ४।
	सामायिक गीत	यशोविजयजी								
२९५१	ईलाचीपुत्र रास[6]				१०	१९मो		गु	मध्यम	९॥। × ४।
२९५२	संबोधसप्ततिका प्रकरण[7]	रत्नशेखर (जयशेखर)			६	१९मो		प्रा.	मध्यम	९॥ × ४।
२९५३	साधु अतिचार पाक्षिक क्षामण				२	१७०८		प्रा.गु.	जीर्ण	९॥ × ४
२९५४	लघुशांतिस्तव	मानदेवसूरि			१	१८मो		सं.	मध्यम	९॥ × ४।
२९५५	पार्श्वनाथ लावणी	रूप विजय			२	१८६३		गु.	मध्यम	९॥। × ४।

१. लि. जीवनचंद पत्तने २. लि. पालनपुरे ३. स्तंभतीर्थे लि. ४. सुरत लि. शीलमुनि ५. लि. श्री विजय ६. अपूर्ण ७. प्रथम पत्र नथी.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२९५६	जिनवदन स्तवन	कीर्त्ति विमल			१	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४।।
	चोवीस जिन स्तवन	सुख विजय								
२९५७	प्रव्रज्याविधि दीक्षाविधि				१	१८मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२९५८	पाक्षिक प्रतिक्रमण छींक विचार				१	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।
२९५९	सत्तरभेदपूजा[1]				४	१७९३		गु.	सारी	९।।। × ४।
२९६०	छ कायनुं स्वरूप				२	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।।
२९६१	अडसठ तीर्थमाला	माणिक्यमुनि			२	१९मो	१७३१	गु.	उत्तम	९।। × ४।
२९६२	जिनचन्द्र सूरि निर्वाण रास[2]	समयप्रमोद			३	१९मो		गु.		९।।। × ४।
२९६३	कर्म हिंडोलणा	हर्षकीर्त्ति		क. ९	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२९६४	स्थविरावली									
	(नदीगत) सबालावबोध	देववाचक			२	१७मो		प्रा.गु.	सारी	९।।। × ४।
२९६५	तिजयपहुत्त स्तोत्र				१	१७मो		प्रा.		९।।। × ४।
२९६६	सज्झाय दोष निवारण सज्झाय			क. १६	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४
२९६७	यशोधर चरित्र गद्य[3]				१२	१८मो		प्रा.	सारी	९।।। × ४।
२९६८	सथारा पोरिसी				१	१७मो		प्रा.	जीर्ण	९। × ४।
२९६९	मंगलीक			क. १५	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२९७०	साधु अतिचार				३	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२९७१	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक	सिद्धसेन दिवाकर			५	१८०९		सं.गु.	मध्यम	९।।। × ४
२९७२	दशविध यतिधर्म सज्झाय[4]	ज्ञानविमल सूरि		गा. १५१	६	१७९८		गु.	उत्तम	९।। × ४।
२९७३	मत्स्योदर रास	पूणिमा जयराज		क १५८	७	१७४१	१५५३	गु.	मध्यम	९।। × ४।
२९७४	भक्तामरस्तोत्र बालावबोध				१२	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
२९७५	पृथ्वीचन्द्र गुणसागर रास				७	१७मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
२९७६	सारस्वत व्याकरण[5]									
	बालावबोध सह				६	१६४२		सं.गु.	मध्यम	१० × ४।
२९७७	झाझरीया मुनिरास	हस्तिरूचि		ग्रं. २५५	७		१७१७ ÷	गु.	मध्यम	९।।। × ४।
२९७८	आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक	वीरभद्रगणि			२			प्रा.	उत्तम	९।।। × ४।
२९७९	चोवीस दडक विचार गर्भित	विनीतविजय								
	वीरजिन स्तवन			क. ७९	७	१८मो	१७३२	गु	जीर्णप्राय	९।। × ४।

१. प्रथम पत्र नथी. २. लि. भानुसुदर सुरत ३ अपूर्ण ४ लि. पाटणनगरे ५. लि कर्मरत्न आंतरी.

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
२९८०	मनकमुनि स्वाध्याय	लब्धि		क १०	१	१९मो		गु	मध्यम	९॥×४।
२९८१	सुपार्श्वनाथ स्तवन	विनयविजय			२	१८मो		गु	उत्तम	९॥×४
२९८२	महादेव द्वात्रिंशिका सस्तबक[1]	हेमचन्द्राचार्य		श्लो. ३३ क. ११५	९	१७४२		स.गु.	उत्तम	९॥×४
२९८३	क्षमाविजयगणिनिर्वाण-महोत्सवरास	सुमतिविजय		१५०	५	१९मो		गु.		९॥×४
२९८४	शाश्वतसिद्धायतन-प्रतिमासंख्या स्तवन सस्तबक				११	१७मो		गु.	उत्तम	९॥×४।
२९८५	तेजसिह मुनि भास	अमरमुनि			१	१९मो		गु.	मध्यम	९॥।×३॥।
२९८६	पडिकमण चोपाई बालावबोधसह	दान विजयजी			११	१८मो	१७३०	प्रा.गु.	उत्तम	९॥।×४।
२९८७	परनिंदापरिहार स्वाध्याय	हेमविजय		क. १३	१	१९मो		गु.	मध्यम	९॥×४।
२९८८	खिमा (क्षमा) स्वाध्याय	विजयभद्र		क. १२	१	१९मो		गु	उत्तम	९॥×४।
२९८९	सुभाषित			क. १५	१	१९मो		गु.	मध्यम	९॥×४
२९९०	नेमि-राजीमति बारमासा[2] नेमिगीत	विजयशेखर			२	१८मो		गु	उत्तम	९॥।×४
२९९१	सीमधर जिन नमस्कार				२	१९मो		गु.	सारी	९॥।×४।
२९९२	आत्म शिखामण स्वाध्याय	रूप विजय		क. १६	१	१९मो		गु.	मध्यम	९॥×४।
२९९३	कल्याणमदिर स्तोत्र सटिप्पनक	सिद्धसेन दिवाकर			५	१७मो		स.	उत्तम	९॥×४।
२९९४	शीलव्रत बत्रीसी				१	१९मो		गु.	मध्यम	९॥×४।
२९९५	महावीर जिन स्तवन सस्तबक	सिद्धसेन दिवाकर			५	१८मो		सं.गु.	उत्तम	९॥×४
२९९६	भक्तामरस्तोत्र	मानतुग सूरि		वृ. ४४	१०	१९मो		सं.	मध्यम	९॥।×४।
	कल्याणमदिरस्तोत्र	सिद्धसेन दिवाकर		वृ. ४४						
२९९७	भक्तामरस्तोत्र रागमाला	देवविजयजी			४	१८मो	१७३०	गु.	उत्तम	९॥।×४।
२९९८	जिनप्रतिमास्थापनस्तवन	यशोविजयजी			२	१८मो		गु.	उत्तम	
२९९९	विचारषट्त्रिंशिका (दडकप्रकरण)	गजसारमुनि			१	१७मो		प्रा.	जीर्ण	९॥।×४

१. लि. राजनगर २. लि. बुद्धिशेखर

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३०००	भोजराज--धनपाल प्रबंध				१-२	१९मो		सं.	सारी	९।।। × ४।
	सिद्धसेन दिवाकर प्रबंध				२जुं			सं.		
३००१	नेमिनाथ स्तवन	यशोविजयजी			१	१९मो		गु.	उत्तम	९।।। × ४।
३००२	चोवीस जिन स्तवन									
	(नेमिजिन पर्यन्त)	आनदघनजी			१७	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।
३००३	रत्नपालनृप कथा[1]			४१८	११	१६६९		सं.	उत्तम	९।। × ४।
३००४	गुणावली लेख	दीपविजय कवि			४	१९मो		गु.	उत्तम	
३००५	चोवीस जिन स्तवन[2]	काति विजयजी			१४	१७३८		गु.		९।। × ४।
३००६	आलोचना विधि				१३	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।
३००७	नयविचार-									
	गर्भित शातिजिनस्तवन	उ. यशोविजयजी			४	१९मो	१७३४	गु	उत्तम	९।। × ४।
३००८	गौतमकुलक सस्तबक				३	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	९।। × ४।
३००९	अगीयार गणधर देववंदन	ज्ञानविमल सूरि			६	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।।
३०१०	प्रास्ताविक				१	१९मो		स.	मध्यम	९।। × ४
३०११	उपदेशरत्नकोष बालावबोध				१-३	१८मो		गु.	मध्यम	९।। × ४
	भमरागीत	मुनिमाल			३जुं			गु.	मध्यम	
३०१२	बासठ मार्गणाद्वार कोष्ठक				१	१९मो		गु.		९।। × ४।
३०१३	अध्यात्म एकविसी				१	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
३०१४	अगीयार गणधर चैत्यवंदन-									
	स्तवन स्तुति				८	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४।
३०१५	सीमंधरजिनस्तवन[2]				८	१८मो		गु.	मध्यम	९।। × ४।
३०१६	उपधानविधि				४	१८मो		प्रा.गु.	उत्तम	९।। × ४।
३०१७	उपधानस्तवन	विनयविजयजी			२	१९मो		गु.	उत्तम	९।। × ४।
	शिवकुमार सज्झाय	ज्ञानविमल सूरि						गु.		
३०१८	आत्महित स्वाध्याय	कर्मसी			१	२०मो		गु	मध्यम	९।। × ४।
३०१९	स्थूलभद्र सज्झाय	भावसागर			२	१९मो		गु.	सारी	९।। × ४।।
३०२०	नेमिजिनगीत आदि सङ्ग्रह				१	१९मो		गु.	मध्यम	९। × ४
३०२१	चतु शरणप्रकीर्णक									
	बालावबोधसह	वीर भद्र			९	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	९।। × ४।

१. लि. पेढाबिली पद्मप्रमोद २. राजनगरे लि ३. अपूर्ण

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र संख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३०२२	चतु.शरणप्रकीर्णक सस्तबक	वीरभद्र			१४	१८मो		प्रा.गु.	जीर्ण	९॥ × ४।
३०२३	चन्दनबाला वेली				३	१८मो		गु.	उत्तम	९॥। × ४।
३०२४	अभिधानचितामणि नाममाला द्वितीय काड पर्यंत	हेमचन्द्राचार्य			१३	१८मो		स.	जीर्ण	९॥ × ४।
३०२५	चोवीस तीर्थंकर जिन स्तोत्र	आणंद मुनि			८	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
३०२६	चोवीस जिन स्तवन	यशोविजयोपाध्याय			८	१९मो		गु	उत्तम	९। × ४।
३०२७	चोवीस जिन स्तवन[1]	जीतचन्द्र			८	१८मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
३०२८	चोवीस जिन स्तवन[2]	यशोविजयोपाध्याय			१२	१८१२		गु.	उत्तम	
३०२९	चोवीस जिन स्तवन (श्रेयांसजिन पर्यंत)	रूचि विमल			३	१९मो		गु	उत्तम	९॥ × ४।
३०३०	जीवविचारप्रकरण[3] बालावबोधसह	शातिसूरि			५	१८मो		प्रा.गु.	सारी	९॥ × ४।
	बावीस परिसह तथा बारभावनावर्णन गद्य				५मुं			गु.		
३०३१	उपधानविचारगर्भित महावीर-जिन स्तवन	समयसुदर			२	२०मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४॥।
३०३२	संसारी वेल				७	१९मो		गु.	मध्यम	९॥। × ४॥
३०३३	धर्म ध्यान[4]				५	१७४६		गु	उत्तम	९॥ × ४।
३०३४	दस अच्छेरां				२	१९मो		गु	मध्यम	९॥ × ४।
३०३५	मौनएकादशी माहात्म्य-[5] कथा पद्य	रविसागरजी		२००	११	१८०८	१६५४	स.	उत्तम	९॥ × ४
३०३६	दान-शील-तप-भावना सवाद[6]	समयसुदर			३	१७मो	१६६२	गु.	मध्यम	९। × ४
३०३७	आत्मनिदा स्वाध्याय	ज्ञानसागर मुनि			४	१८मो		गु	मध्यम	९॥ × ४॥
३०३८	द्वादश भावना सज्झाय	सकलचन्द्र			८	१७३६		गु	मध्यम	९॥ × ४।
३०३९	शाति जिन स्तवन	यशोविजयजी			३	१९मो		गु	उत्तम	९॥ × ४।
३०४०	गीता चन्दो	लिंबो			१	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४।
३०४१	माकण रासु			क. १६	१	१९मो		गु	उत्तम	९। × ४
३०४२	विहरमान जिन स्तवन				९	१९मो		गु.	उत्तम	९॥ × ४

१. लि. जीतचंद्र, कर्ताए स्वहस्ते लखेली छे. २. लि. खंभातबंदर ३. लि. गणि परमानंद ४ प्रथम पत्र नथी ५. रचना उन्नतनगरे ६ रचना सांगानयर

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
३०४३	षडावश्यकसूत्राणि[१]				७	१७३४		प्रा.		९॥ × ४॥
३०४४	श्रावकवर्णन				१	२०मो		प्रा	उत्तम	९॥ × ४॥
३०४५	हुडी सज्झाय	मानविजयजी			२	१९मो		गु.	सारी	९॥ × ४।
३०४६	सवेग रसायन बावनी	कांति विजयजी			५	१९मो		गु.	सारी	९॥ × ४
३०४७	पार्श्वनाथ स्तवन	उ यशोविजयजी			१	२०मो		गु	उत्तम	९॥ × ४
३०४८	भरतेश्वर–बाहुबली स्वाध्याय				१	१९मो		प्रा.	जीर्ण	९। × ४।
३०४९	स्तवनो[२]				३	१८मो		गु.	सारी	९॥ × ४।
३०५०	शातिनाथ वृद्ध स्तवन[३]	हर्षविशाल			१	१७४१		गु	सारी	९॥ × ४।
३०५१	एकादशगणधरस्तुति स्तवन[४]	अनतहस शिष्य			७	१७४९		सं गु		९। × ४।
३०५२	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र				३	१९मो		प्रा	सारी	९॥ × ४॥
३०५३	यतिप्रायश्चित्तदानविधि				५	१८मो		स.	उत्तम	९। × ४।
३०५४	वरणाग नटूया सज्झाय[५]				२	१७२५		गु.		९। × ४
३०५५	पौषध विधि स्तवन आदि				२	१९मो		प्रा गु	सारी	पत्रो जुंदा जुंदा
३०५६	अनेकविचार सङ्ग्रह त्रूटक				८	१९मो		गु.	मध्यम	९॥ × ४।
३०५७	चोवीसजिन स्तवन	आणदमुनि			२	१९मो		गु.	उत्तम	९। × ४
	शखेश्वरपार्श्वनाथस्तुति	ज्ञानविमल सूरि				१९मो		प्रा गु.	उत्तम	
३०५८	आवश्यक सस्तबक[६]			क. १७	१०	१९मो		प्रा.गु.	उत्तम	९॥ × ४
३०५९	ढढण कुमार स्वाध्याय	कनक (विजय)		क. १७	१	१९मो		गु.	मध्यम	९। × ४
३०६०	कर्मपचीसी सज्झाय	कमल विमल			१	१९मो		गु	मध्यम	९। × ४॥
३०६१	गोडी पार्श्वजिन छद	जितचन्द		क. २३	२	१९मो		गु.	मध्यम	९॥ × ४।
३०६२	चतुर्विंशतिजिनस्तवन	नय विजयजी		नयन.२४	५	१९मो	१७४६	गु.	मध्यम	९। × ४।
३०६३	मुनिगुणस्वाध्याय	गुणसागर		क. १९	१	१८२१		गु.	उत्तम	९॥ × ४
३०६४	साधु अतिचार				३	१९मो		गु.	उत्तम	९। × ४
३०६५	ज्ञानपचमी कथा				३	१८मो		गु	उत्तम	९। × ४
३०६६	कोचर ववहारी रास[७]	गुणविजय			४	१७४४	१६८३	गु		९। × ४
३०६७	कुगुरु वर्णन	तेजपाल		क. २५	१	१९मो		गु	जीर्णप्राय	९। × ४।
३०६८	सकलार्हत्सतोत्र सस्तबक	हेमचन्द्राचार्य		१५०	६	१८मो		स.गु.	उत्तम	९। × ४
३०६९	चिंतामणि पार्श्वनाथ विनति	गुणसागर		मू का. ३७	२	१८मो		गु.	मध्यम	९। × ४

१. लि राजनगरे २ पत्र १० थी १२ छे ३. लि शिवपुरी ४. लि. बालचद्र ५. लि. पुण्यसमुद्र ६ अपूर्ण ७. लि प्रीतिविमल

प्रति नंबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई–पहोळाई
३०७०	पार्श्वनाथ कलश	ज्ञानविमलसूरि			१	१८मो		गु.	मध्यम	९।×४
३०७१	होलीपर्वकथा रजःपर्व–कथा सस्तबक				६	१८५०		सं.गु.	उत्तम	९।×४
३०७२	षोडशक प्रकरण	हरिभद्रसूरि			७	१७४६		सं.	उत्तम	९।×४।
३०७३	सीमंधर जिन स्तवन	विजयदेवसूरि शिष्य		क. ४०	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।×४
३०७४	चोवीस जिन स्तवन	ज्ञानविमलसूरि			८	१९मो		गु.	मध्यम	९॥×४
३०७५	मौनएकादशीस्तवन थोय	विनयविजयधबालविजय			२	२०मो		गु	मध्यम	९।×४।
३०७६	अनाथी ऋषि सज्झाय	सिह विमल			२	१९मो		गु.	मध्यम	९।×४।
३०७७	चार क्षामणा सस्तबक				२	१८मो		प्रा.गु.	मध्यम	९।×४
३०७८	सज्झाय सङ्ग्रह				३	१९मो		गु.	मध्यम	९।×४।
३०७९	चतुर्विंशति जिन नमस्कार[1]			क. २६	३	१९मो		गु.	मध्यम	९×४
३०८०	दश अच्छेरां रास				२	१९मो		गु.	उत्तम	९।×४।
३०८१	पांत्रीश वचनातिशय स्तवन			क. १२	१	१७६३		गु.		९।×४
३०८२	पुण्यप्रकाश स्तवन	विनयविजयजी			५	१९मो	१७२९	गु.	मध्यम	९।×४।
३०८३	हरिवाहनरास[2]	मोहनविजयजी			२१	१८मो	१७५८	गु		९×४।
३०८४	शत्रुंजयकल्प बालावबोध सह				९	१७२९		प्रा.गु.		९।×४
३०८५	दशार्णभद्र स्वाध्याय	बालविजय			२	१९मो		गु.	मध्यम	९×४
३०८६	भ्रमरगीत				८	१७४९		गु.	उत्तम	९।×४।
३०८७	आचारोपदेश[3]	चारित्रसुंदर गणि		वर्ग. १–६	११	१७५६		स.	उत्तम	९।×४
३०८८	साधारणजिनस्तवन सावचूरि पञ्चपाठ	जयानंद			३	१८मो		गु.	मध्यम	९।×४
३०८९	गोरखनाथ पावडी[4]				६	१८१४		गु.		९।×४
३०९०	सीमंधरजिन स्तवन	सिद्धिविजय			५	१७५८		गु.	मध्यम	९।×४॥
३०९१	तारंगातीर्थ स्तवन				२	१८८७		गु.	मध्यम	९×४।
३०९२	आषाढाभूति स्वाध्याय			क. ७	२	१९मो		गु.	मध्यम	९×४
३०९३	आदिजिन स्तवन[5]	देवहर्ष		क. ७	२	१९मो		गु	मध्यम	९×४।
३०९४	तर्कभाषा (न्याय) अपूर्ण				४	१८मो		सं.	मध्यम	८।।।×३।।।
३०९५	चोवीस जिन स्तवन[6]	यशोविजयजी			४	१९मो		गु.	मध्यम	११×५

१. दुर्लभराम लि. २. पत्र १ थी १२ नथी, रचना महिसाणक ३ सिद्धपुरे लि. गणि उत्तमविजय ४. लि. धनविजय महेसाणा. ५. देवहर्ष लि. ६. विमलनाथ पर्यंत.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३०९६	अमृतवेली सज्झाय	यशोविजयजी			२	२०मो		गु.	उत्तम	१०॥ × ५
३०९७	नवपद स्तवन	यशोविजयजी			१	२०मो		गु.	उत्तम	१०। × ५।
३०९८	महावीर जिन निर्वाण स्तवन[1]	गुणहर्ष			७	२०मो		गु.	उत्तम	१० × ५
३०९९	समयसार भाषा[2]			१७०७	१-७१	१७२८		व्रजहिंदी	उत्तम	१०। × ५।
	बनारसी विलास	बनारसी दास		गा. ७२७	१-९६	१७०३०	१७०१	गु.	उत्तम	
३१००	शाति जिन स्तवन			क. ८	१	१९मो		गु	मध्यम	१०। × ५
३१०१	मौन एकादशी स्वाध्याय			क. १५	१	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१०। × ५
	अष्टमी स्वाध्याय	वाचक देवविजय		क. ७				गु.		
३१०२	गुरुभास				१	१९मो		गु.	जीर्ण	९॥ × ५
३१०३	शातिनाथ स्तवन[3]	यशोविजयजी			३	१८८७		गु.	उत्तम	१०॥ × ४॥
३१०४	शातिजिन कलश	ज्ञानविमलसूरि			२	१९मो		गु.	मध्यम	१०। × ४॥
३१०५	नववाड स्वाध्याय	भावप्रभ		क. ११	१	१९मो		गु.	जीर्णप्राय	१०। × ५
३१०६	वीरद्वात्रिंशिका (सदायोग)				१-२	१९मो		स.	सारी	१०॥ × ४।॥
	चन्द्रप्रभ स्तव				२जुं	१९मो		स.		
	पार्श्वनाथ स्तोत्र				२जुं	१९मो		सं.		
३१०७	दशवैकालिक सावचूरि[4] पञ्चपाठ				१६	१५मो		प्रा.सं.	मध्यम	१०। × ४।
३१०८	आबु मंडन आदिनाथ स्तवन	वीरविमल			१	१९मो		गु.	उत्तम	१०। × ४।॥
३१०९	सीमंधरजिन स्तवन[5]				२	२०मो		गु.	उत्तम	१० × ५॥
३११०	आणंदसंधि[6]	हेमकीर्ति शिष्य			११	१९५३		गु.	उत्तम	९॥ × ५
३१११	चोवीसजिन स्तवन[7]	हरखचन्द			२	१८मो		गु.	मध्यम	१० × ४।
३११२	आबुगढआदिजिन स्तवन	वीर विमल		क. ९	१	१९मो		गु.	उत्तम	१० × ४॥
	जिन स्तवन			क. ५				गु.		
	वीर जिन स्तवन			क. ५				गु.		
३११३	सज्झाय स्तवन सङ्ग्रह				२			गु.		
	क्रोध स्वाध्याय	उदयरत्न		क. ६				गु.		
	मान स्वाध्याय	उदयरत्न		क. ५				गु.		
	माया स्वाध्याय	उदयरत्न		क. ६				गु.		

१. लि. जोशी गजानंद पाटण २. लि. अमदावाद ३. लि. देवचंद ४. अपूर्ण, दशमु अध्ययन अपूर्ण ५. लि. जोशी गजानद ६. लि. जोशी गजानंद ७. अभिनंदन पर्यंत

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
	लोभ स्वाध्याय	उदयरत्न		क. ७				गु.		
	पचासर पार्श्वजिन स्तवन	विबुधविमल	क ५					गु		
	भाभा पार्श्वजिन स्तवन	विबुधविमल	क ६					गु.		
	शखेश्वर पार्श्वजिन स्तवन	विबुधविमल	क ५					गु		
	भीडभजन पार्श्वजिन स्तवन	उदयवायक	क ५					गु.		
३११४	सुकोसल मुनि भास बावनी	देवचन्द्र			१	१८मो	•	गु	उत्तम	९।।। × ४।
३११५	नेमिनाथ स्तवन				३	१८मो		गु	उत्तम	९।। × ४।।
३११६	दोढसो कल्याणक स्तवन	कातिविजय			५	१८मो		गु	मध्यम	९।।। × ५
३११७	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन सज्झाय[१]	नेम विजय			११	१८७४	१८१७	गु	मध्यम	९।। × ४।।
३११८	नववाड स्वाध्याय	अजीतदेव सूरि		क. १२	१	१९मो		गु.	मध्यम	९।। × ४।।।
३११९	अध्यात्मसार माला[२]				१०	१९मो		गु.	मध्यम	९।।। × ४।।
३१२०	मेघकुमार स्वाध्याय[३]			क १५	१	१९मो		गु	मध्यम	८।।। × ४।।
३१२१	गर्भावास स्वाध्याय	रगविजय			२	१९मो		गु	मध्यम	९।। × ४।।
३१२२	पडिलेहणाकुलक सस्तबक[४]	विजयविमल			५	१८१०		प्रा.गु	मध्यम	९।। × ४।।
३१२३	सिद्धात बोल विचार				५	१८मो		गु.		९।। × ४।।
३१२४	व्रतोच्चारण विधि				२	१९मो		प्रा गु	मध्यम	९।। × ४।।
३१२५	चेतन स्वाध्याय आदि				१	१९मो		गु	मध्यम	९।। × ४।।
३१२६	सप्त स्मरण				९	१९मो		स प्रा	मध्यम	९। × ४
३१२७	त्रिगढा स्तवन[५]	पदमसागर		क १९	२	१९मो	१७९१	गु	उत्तम	९। × ४।।
३१२८	सुभाषित श्लोक				२	१९मो		स.गु	मध्यम	९। × ४।।
३१२९	गजसुकुमाल रास[६]	शुभवर्धन			७	१७८१		गु	उत्तम	९। × ४।।
३१३०	कुमति स्वाध्याय[७]	जसविजय		क. १५	१	१७४५		गु.	मध्यम	९। × ४।।
३१३१	सतासति कुलक (भरहेसर)				१	१९०५		प्रा.	सारी	९।। × ४।।
३१३२	पदसङ्ग्रह[८]		आनंदघन		१	१९मो		गु	मध्यम	९।। × ४।।
३१३३	शिखामण स्वाध्याय	प्रेम विजय		क २०	१	१९मो		गु.	मध्यम	९ × ४।।।
३१३४	वेराग्य स्वाध्याय	रिध कीर्ति		क. १२	१	१९मो		गु.	मध्यम	९। × ४।।।
३१३५	विचारषट्त्रिंशिका (दडक प्रकरण)	गजसार		गा. ४६	४	१९मो		प्रा.	उत्तम	९ × ४।।

१. लि. पालिताणा २. लि. ऋषि अमरचंद ३ लि आमोलाबाई ४. लि कृष्णविजयगणि ५ रचना पिपाड ६. लि कृष्णविमल ७. मुनि लालविजय ८. लि. गजविमल.

प्रति नंबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३१३६	सतसईदोहरा				१	१९मो		हिंदी	मध्यम	९×४॥
३१३७	गजसुकुमाल स्वाध्याय	देवचन्द्रजी			२	१९मो		गु.	उत्तम	९×४॥।
३१३८	गोडी पार्श्वनाथ लावणी	रूप विजय			२	१९मो		गु.	उत्तम	९॥×५
३१३९	बार भावना	आलु कवि			५	१८मो		गु.	उत्तम	९×४॥।
३१४०	मन्ह जिणाणं सज्झाय				१	१९मो		प्रा	सारी	९×४॥
३१४१	क्षमा छत्रीसी	समयसुदर			३	१९मो		गु.	जीर्ण	९।×४
३१४२	पजुसण सज्झाय				२	२०मो		गु.	मध्यम	९×४॥
३१४३	चौद नियम[१]	सुख विजय			२	१९मो		गु	मध्यम	९।×४
३१४४	अंबाजीनो छद				२	१९मो		गु	मध्यम	९×४॥
३१४५	सारस्वत प्रक्रिया अपूर्ण				६	१८मो		सं.	सारी	९×४
३१४६	गणधर छद	वृद्धि विजय			१	१९मो		गु.	मध्यम	९×४॥
३१४७	नवतत्त्व प्रकरण				३	१९मो		प्रा.	सारी	९×४।
३१४८	भरत. बाहुबली छंद				४	१९मो		गु.		९×४॥।
३१४९	नमिऊणस्तव-भयहर स्तव	मानतुंग सूरि			३	१८मो		प्रा	उत्तम	९×४॥
३१५०	भक्तामर स्तोत्र	मानतुग सूरि			४	१८१३		स.	सारी	९×४
३१५१	सङ्ग्रहणी प्रकरण	श्रीचन्द्रसूरि			१३	१८१४		प्रा.	मध्यम	८॥।×४॥।
	शाति विधि स्तोत्र							सं.		
३१५२	सौभाग्यपचमीकथा गद्य सस्तबक	कनक कुशल		पद्य. १५२	१३	१८०६	१६१५	सं.गु.	मध्यम	८॥।×४।
३१५३	अष्ट प्रवचनमाता सज्झाय	देवचन्द्र			९	२०मो		गु.	मध्यम	८॥×४॥
३१५४	रूपचन्द कुमार रास आदि[२]				गूटको	१७मो			मध्यम	८॥×४॥
३१५५	चमत्कारचिंतामणि ज्योतिष[३]				१५	१८मो		सं.	उत्तम	८॥।×४।
३१५६	मांकण स्वाध्याय[४]	माणिकमुनि		क. ८	१	१९मो		गु.	उत्तम	८॥।×४।
	स्थूलिभद्र स्वाध्याय	राजरत्न कवि		क. ११				गु.		
३१५७	विचारपंचाशिका टीका	वानरर्षि	विजय विमल		४	१८मो		प्रा.सं.	उत्तम	८॥।×४
३१५८	आत्मोपदेश स्वाध्याय[५]	रत्नविजय		क. १२	१	२०मो		गु.	उत्तम	८॥।×४
३१५९	नदिषेण ऋषि चोपाई[६]	न्यायसागर			६	१७६०	१७२५	गु.		

१. लि. जलालपुरे २. गूटक, पत्र १ थी ११ नथी ३. लि अणहिलपुर पत्तन ४. साध्वी गुणश्री लि ५. लि. नानालाल हरिनदन लहिया, पाटण ६. जीर्णदुर्ग - अरणीयाला ग्राम.

प्रति नबर	पुस्तकनुं नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३१६०	अनागत चोविस जिन									
	जीव विचार				१	१९मो		गु.	मध्यम	८।।। × ४।।
३१६१	महावीर जिन पचक									
	कल्याणक स्तवन	रामविजयजी			४	१९मो		गु.	मध्यम	८।।। × ४।।
३१६२	जयतिहुयण स्तोत्र	अभयदेवसूरि			३	२०मो		अपभ्रंश	उत्तम	८।।। × ४।
३१६३	आत्मोपदेश स्वाध्याय	रत्न		क १२	१	२०मो		गु	मध्यम	८।।। × ४
३१६४	ज्ञानतिलक				६	१८मो		गु.	मध्यम	८।। × ४।।
३१६५	मेरुपर्वतवर्णन				१	१८मो		गु.	जीर्ण	८।।। × ४।
३१६६	हरियाली	यशोविजयजी			१	१९मो		गु.	मध्यम	८।। × ४।।
३१६७	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन	प्रीति विमल			५	१७९८		गु	मध्यम	८।। × ४।।
३१६८	विजयप्रभसूरि निर्वाण									
	स्वाध्याय	विमल विजय			३	१९मो		गु.	उत्तम	८।।। × ३।।।
३१६९	भोजनविधि[१]				१	१७४२		गु.	जीर्ण	८। × ४।
३१७०	झांझरीया ऋषि सज्झाय[२]	भावरत्न			३	१८४५	१७५६	गु	सारी	८।। × ४
३१७१	महादेव स्तवन	हेमचन्द्राचार्य			३	१७४३		स.	सारी	८।। × ४
३१७२	पचमी स्वाध्याय[३]	देवरत्न		क. ५	१	१९मो		गु.	मध्यम	८।। × ३।।।
	अष्टमी स्वाध्याय	देवरत्न		क. ७				गु.	मध्यम	
	एकादशी स्वाध्याय	उदयरत्न		क ७				गु	मध्यम	
३१७३	गौतमपृच्छा चोपाई[४]	लावण्य समय			५	१६६७		गु.		८।। × ४।
३१७४	ज्ञानपचीशी	उदय			१	१९मो		गु.	सारी	८। × ४।।
३१७५	दशवैकालिक स्वाध्याय[५]	वृद्धि विजय (तपा)			८	१७९२		गु.	उत्तम	८। × ४।।
३१७६	शाश्वतजिन स्तवन[६]	लावण्य विजय			२	२०मो		गु.	मध्यम	८ × ४।
३१७७	शातिनाथ कलश	देवचन्द्र			६	१९मो		गु.	मध्यम	८। × ५
३१७८	सिद्धाचलना २१ दूहा	वीर विजय			३	१९मो		गु.	मध्यम	७।।। × ४।।।
३१७९	शीलोपदेश सज्झाय	ऋद्धि विजयजी			२	१९मो		गु.	मध्यम	८। × ४
३१८०	सज्झाय सङ्ग्रह				३	१९मो		गु	मध्यम	७।।। × ५

१ लि. धर्मचंद्र २. तयरवाडा ३. ऋषिरायचंद लि. ४. लि. परागरी गुणपति नगिननगर ५. मुनि खुशालविजय लि. ६. लि मोहनविजय

प्रति नंबर पुस्तकनुं नाम	कर्तानुं नाम	टीकाकार	श्लोक संख्या	पत्र संख्या	लेखन संवत	रचना संवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३१८१ विजयरत्नसूरि स्वाध्याय[1]	कांतिविजय			२	१८मो		गु.	मध्यम	८×४।
ऋषभदेव स्तवन	प्रेमविजय								
३१८२ गीत सङ्ग्रह				४	२०मो		गु.	सारी	७।।×४।
३१८३ काया स्वाध्याय[1]	सेवक		क. ७	१	१९मो		गु.	उत्तम	७।।×४।।।
३१८४ अभिधानचिंतामणि-									
नाममाला द्वितीय कांड पर्यन्त	हेमचन्द्राचार्य			१९	१८मो		सं.	उत्तम	७।।×४।
३१८५ श्रावक अतिचार				१	१८मो		गु.	उत्तम	७।।×४।।
३१८६ सारस्वत व्याकरण प्रक्रिया				१०	१९मो		गु.	मध्यम	७।।×४।।।
३१८७ स्तवन, सज्झाय,[2]									
गहुली सङ्ग्रह	लक्ष्मीविमल			२९	२०मो		गु.	मध्यम	७×५।।
(१) सिद्धचक्र स्तवन	लक्ष्मीविमल			(१-२)		१९२१	गु.		
(२) सिद्धचक्र सज्झाय	लक्ष्मीविमल			२जु			गु		
(३) शामलाजीनु स्तवन	लक्ष्मीविमल			२-३			गु.		
(४) गहुंली	लक्ष्मीविमल			३-५		१९२५	गु.		
(५) गहुली	लक्ष्मीविमल			(५-६)			गु.	मध्यम	
(६) गहुंली	लक्ष्मीविमल			६-७			गु.		
(७) अट्ठाई उत्सवनु स्तवन	लक्ष्मीविमल			८-१०		१९२५	गु.		
(८) गहुंली	लक्ष्मीविमल			११-१२			गु.		
(९) गहुली	लक्ष्मीविमल			१२-१३			गु.		
(१०) आदिसर सातवार	लक्ष्मीविमल			१६-१७			गु.		
(११) बारमास	लक्ष्मीविमल			१७-१८			गु.		
(१२) मुनिसुव्रत जिन पंदरतीथी	लक्ष्मीविमल			१८-२०			गु.		
(१३) गहुली	लक्ष्मीविमल			२०-२२			गु.		
(१४) सिद्धाचल स्तवन	लक्ष्मीविमल			२२-२८			गु.		
(१५) सरस्वतीनु गीत	लक्ष्मीविमल			२८-२९			गु.		
३१८८ गीत गोविंद	जयदेव			१९			संस्कृत	मध्यम	६।।।×४।।
३१८९ बाहुबलीनी सज्झाय	राम			१	२०मो		गु.	सारी	७।।।×४।

१. लि. रामविजय २. विट्ठल लि. ३. पत्र १४-१५ नथी.

प्रति नबर	पुस्तकनु नाम	कर्तानु नाम	टीकाकार	श्लोक सख्या	पत्र सख्या	लेखन सवत	रचना सवत	भाषा	स्थिति	लम्बाई-पहोळाई
३१९०	श्रावकातिचार				९	१८मो		गु.	उत्तम	७×४
३१९१	श्री पूज्य उपर कागल[१]									
	लखवानी पद्धति				१	१७६७		गु	उत्तम	६×४।।
३१९२	एकविशतिशतकस्थान[२]									
	प्रकरण	सिद्धसेन			६	१८५०		प्रा.	उत्तम	५×५
३१९३	प्रतिक्रमण सूत्रो वगेरे गूटको[३]				२२ थी५९	१९मो		गु	जीर्णप्राय	५।×४।।
	श्रीपाल रास गूटको				६० थी१३७	१९मो		गु	जीर्णप्राय	५।×४।।
३१९४	स्तवनसङ्ग्रह गूटको				१४ थी२५	१९मो		गु		३।।।×४।।
३१९५	विचारसार गुणस्थानक									
	सस्तबक				२२	१७९९		प्रा.गु.	सारी	
३१९६	बृहत्कल्प मूल				११	१७१९		प्रा	सारी	
३१९७	अमिविमलजी प्रश्न-									
	पत्रिका				ओळीयु	१८९३		गु	सारी	
३१९८	बार व्रतनी टीप				ओळीयुं	२०मो		गु	सारी	
३१९९	पंचाग सं, १९३२नु				ओळीयु	१९३२		गु.	सारी	
३२००	प्रताप विमलजी									
	प्रश्न पत्रिका				ओळीयुं	१९५५		गु.	सारी	
३२०१	बार व्रत टीप				ओळीयु	२०मो		गु.	सारी	
३२०२	बार व्रत टीप				ओळीयु	२०मो		गु.	सारी	
३२०३	बार व्रत टीप				ओळीयुं	२०मो		गु.	सारी	
३२०४	बार व्रत टीप				ओळीयु	२०मो		गु.	सारी	
३२०५	सम्यक्त्व विचार				ओळीयुं	२०मो		गु.	सारी	
३२०६	कल्पसूत्र सुवर्णाक्षरी[४]									
	सचित्र	भद्रबाहुस्वामि			१२९	१५२२		प्रा.	जीर्ण	
	कालिकाचार्य कथा सचित्र							सं.	जीर्ण	

१ सांचोरनगरे लि. २. लि गीरपुर ३ अपूर्ण, १२२-१२३ नथी. पत्र १२९ डबल छे. ४. पत्र ११२ मां प्रशस्ति छे. सं १५२२ वर्षे ज्येष्ठ सुदि शनिवार लिखितं वा छाकेन.

पाटण भाभाना पाडामां रहेला विमलगच्छना उपाश्रयना जैन ज्ञानभंडारना हस्तलिखित ग्रंथोनो अकारादिक्रम

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
६९१		अचलगच्छीय देवसीप्रतिक्रमण विधि
१७२८		अजना सती रास
११७७		अंतकृदशांगसूत्र सटीक
१२७०		अंतकृद्ताागसूत्र
१२६९		अंतकृद्तांगसूत्र
८	(२)	अतकृदृशागवृत्ति
१०१९		अंतकृदृशांगसूत्र सटीक पञ्चपाठ
६७३		अंतकृदृशांगसूत्र सस्तबक
५०		अतकृद्दशांगसूत्र
१०		अतकृद्दशागसूत्र
१५०९		अंतकृद्दशागसूत्र
१८८९		अतकृद्दशाङ्गसूत्र
१७१८		अंतकृद्दशाङ्गसूत्र
१६२५		अंतकृद्दशाङ्गसूत्र
१८७७		अतकृद्दशाङ्गसूत्र
१६२६	(२)	अंतकृद्दशाङ्गसूत्र वृत्ति
१५८०		अंतकृद्दशाङ्गसूत्र सस्तबक
२८६८		अंतरदशा फल
६६०	(२)	अतरीक्षपार्श्वजिन स्तवन
६३६		अंतरीक्षपार्श्वनाथ स्तवन
२५२३		अंतरीक्ष पार्श्वनाथ स्तवन
६०३		अंतरीक्षपार्श्वनाथ स्तवन छद
११६५		अंबड कथानक
९८		अबडचतुष्पदिका-रास
११६३		अंबडपरिव्राजक कथा
६६२		अंबडपरिव्राजक कथानक गद्य
३१४४		अंबाजीनो छंद

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
२०९६	(२)	अईमत्ता सज्झाय
३९६		अक्षयनिधि तपविधि
३०१४		अगीयार गणधर चैत्यवंदन स्तवन स्तुति
३००९		अगीयार गणधर देववंदन
१७८८		अगीयार गणधर स्तवन
४१२	(७)	अजितनाथ स्तवन
२३११	(१)	अजितशांति स्तव
२८१३		अजितशांति स्तवन
२०२०		अजितशाति स्तव सस्तबक
९९३		अजितशातिस्तव सस्तबक
१३८८		अजितशांतिस्तव सावचूरि
१७१३	(२)	अजितशाति स्तव सावचूरि
२७९५		अजितशांति स्तव सावचूरि
१२२०		अजितशातिस्तव सावचूरि त्रिपाठ
११८१		अजितसेन-कनकावली रास
१८५७		अजितसेन-कनकावलीरास
३१८७	(७)	अड्डाई उत्सवनुं स्तवन
२९६१		अडसठ तीर्थमाला
२२७०		अढार नातरां सज्झाय
२२१६		अढार नातरां सज्झाय
२२०६		अढार नातरां सज्झाय
१८६		अढारपापस्थानकविवरण
२६६४		अढार पापस्थानक सज्झाय
६		अढारसहस्त्रशीलांगरथ
३२५		अढीसें अभिषेक विधि
२७५७		अतिचार
२७३२		अतीत चोवीश जिन स्तवन पंदरमा जिन पर्यन्त

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३०१३		अध्यात्म एकविसी
३९८		अध्यात्मकल्पद्रुम बालावबोध
२०४		अध्यात्मकल्पद्रुम बालावबोध
६०८		अध्यात्मकल्पद्रुम बालावबोध सह
६५६		अध्यात्मकल्पद्रुम वृत्तिसह
१७२९		अध्यात्म कल्पद्रुम सटीक
१०१७		अध्यात्मकल्पद्रुम सस्तबक
२२३८	(५)	अध्यात्मगीत
२२३८	(४)	अध्यात्मगीत
१७१२		अध्यात्म गीता
१६६६		अध्यात्म गीता
१४४२		अध्यात्मगीता
१५५१		अध्यात्मगीता
३२९		अध्यात्मगीता
२६२		अध्यात्मगीता बालावबोध
३९५		अध्यात्मगीता बालावबोध
३९७		अध्यात्मचोपाई
१५९२		अध्यात्म ज्ञानसार
९९६	(२)	अध्यात्मनवक्रिया सज्झाय
९४६		अध्यात्मपरीक्षा सबालावबोध अपूर्ण
९९६	(२२)	अध्यात्मप्रबोध सज्झाय
४४८		अध्यात्मवाणी गर्भित स्वाध्याय
९९६	(४)	अध्यात्म सज्झाय
९९६	(२४)	अध्यात्म सज्झाय
९९६	(१)	अध्यात्म सज्झाय आदि सङ्ग्रह
२०६९		अध्यात्म सज्झाय सङ्ग्रह
१७२७		अध्यात्मसार टिप्पणक सह

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१८५८		अध्यात्मसार माला
३११९		अध्यात्मसार माला
५९८		अध्यात्मसार वार्तिक बालावबोध
		सह
६०९		अध्यात्मसार वार्तिक बालावबोध
		सह
२५०६		अध्यात्म स्वरूप
२४५५		अध्यात्मस्वाध्याय
२२३८	(९)	अनंत काय अभक्ष्य स्वाध्याय
३१६०		अनागत चोविस जिन जीव
		विचार
३०७६		अनाथी ऋषि सज्झाय
२६७७		अनाथीऋषि स्वाध्याय
२९२९		अनित्यभावनोपरि कथा
१३३८	(१५)	अनुकंपादाने-चंपक श्रेष्ठि कथा
१६७८	(३)	अनुत्तरवासी सुर स्वाध्याय
८	(३)	अनुत्तरौपपातिकदशांग वृत्ति
११		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र
१४		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र
१५		अनुत्तरौपपातिकदशागसूत्र
१०३४		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र
१२७१		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र
१३३९		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र
९९१		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र विवरण
२९२६		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र व्याख्या
१२७२		अनुत्तरौपपातिकदशांगसूत्र सटीक
१६२७		अनुत्तरौपपातिक दशाङ्ग मूल
१७०६		अनुत्तरौपपातिकदशाङ्ग विवरण

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१६२६	(३)	अनुत्तरौपपातिक दशाङ्गवृत्ति
१५१०		अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र
१७१७		अनुत्तरौपपातिकदशाङ्गसूत्र
		सस्तबक
६३४		अनुत्तरौपातिकदशांगसूत्र
६७१		अनुयोगद्वार सटीक त्रिपाठ
९६		अनुयोगद्वारसूत्र
१७७२		अनुयोगद्वारसूत्र
१०१८		अनुयोगद्वारसूत्र
१३१८		अनुयोगद्वारसूत्र
१०२७		अनुयोगद्वारसूत्र
३७		अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति
२०४४		अनुयोगद्वारसूत्रवृत्ति
१६९१		अनुयोगद्वारसूत्र वृत्ति
१६३२		अनुयोगद्वारसूत्र वृत्ति
१२८२		अनुयोगद्वारसूत्र सटीक त्रिपाठ
६०१		अनुयोगविधि
३०५६		अनेकविचार सङ्ग्रह त्रूटक
१६३३		अन्निकापुत्रचरित्र
२८१२		अमक्ष्य-अनंतकायनामानि सटिप्पन
		पत्रपाठ
२९४५		अभव्य कुलक
२२६१		अभव्य कुलक
२८९४		अभिधानचितामणि अपूर्ण
१४७४	(१)	अभिधानचिंतामणिनाममाला
१८६१		अभिधानचिंतामणिनाममाला
१७५८		अभिधानचिंतामणिनाममाला
१७४३		अभिधानचितामणि नाममाला

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
९३८		अभिधानचिंतामणिनाममाला
९०१		अभिधान चिंतामणि नाममाला
९००		अभिधान चिंतामणि नाममाला
४९९		अभिधानचिंतामणिनाममाला
२०१३		अभिधानचिंतामणिनाममाला
१७२५		अभिधानचिंतामणि नाममाला
		अपूर्ण
३०२४		अभिधानचिंतामणि नाममाला
		द्वितीय कांड पर्यंत
३१८४		अभिधानचितामणिनाममाला
		द्वितीय कांड पर्यन्त
१७८६		अभिधानचिंतामणि नाममाला मूल
१७८५		अभिधानचिंतामणि नाममाला
		सटीक
१२१५		अभिधानचिंतामणिनाममाला
		स्वोपज्ञटीका सह
२११३		अभिधानचितामणि बालावबोध
		अपूर्ण आरंभमात्र
१३२७		अमरकोश
२०३		अमरकोष काड १-३
१४०१		अमरदत्त-मित्रानंद कथा गद्य
१३३७		अमरसेण वयरसेण कथानक
९०२		अमरसेण वयरसेणकथानक
१३३८	(२२)	अमरसेन-वयरसेन कथा
१०३६		अमरसेन-वयरसेन कथानक
२३४९	(१)	अमरसेन वयरसेन चोपाई
३१९७		अमिविमलजी प्रश्न पत्रिका
२८५०		अमृतध्वनि

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३०९६		अमृतवेली सज्झाय
२४५२		अयनांश करण वगेरे ज्योतिष
२५३१		अरणिक मुनि सज्झाय
२०९६	(५)	अरणीक मुनि सज्झाय
७३७		अरहन्नक-अरणिकमुनिरास
१३४		अर्धकाड
२२८	(२)	अर्बुदतीर्थ-समेतशिखर स्तवन
२७३०		अर्बुदाचल स्तवन
२४२४		अर्हन्नक रास
२५३०		अवंतिसुकुमाल चौढालीयांशील सज्झाय
६३७	(५)	अवतीसुकुमाल चउढालीया
१९१८		अष्टकर्मविचार
२६९४		अष्टग्रह मास फल ज्योतिष
११७९		अष्टदृष्टि स्वाध्याय
२५३३		अष्टदृष्टि स्वाध्याय बालावबोध
२०८९		अष्टप्रकारी पूजा
१६६८		अष्टप्रकारीपूजा
१३३८	(१३)	अष्टप्रकारी पूजा
६३३		अष्टप्रकारी पूजा
९९		अष्टप्रकारी पूजा
२२२		अष्टप्रकारीपूजा
१६६		अष्टप्रकारी पूजा
१०३८		अष्टप्रकारी पूजा कथा
१२१९		अष्टप्रकारीपूजाकथासङ्ग्रह
१६६७		अष्टप्रकारीपूजा कथासङ्ग्रह
१६४६		अष्टप्रकारी पूजा कथा सङ्ग्रह
२३६१		अष्टप्रकारीपूजागर्भित स्तवन सस्तबक

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
६०५		अष्टप्रकारीपूजा रास
८२९		अष्टप्रकारी पूजा सिद्धचक्रना दूहा
१६६०		अष्टप्रकारीपूजोपरि-शुकादि कथा सङ्ग्रह
८०४		अष्टप्रवचनमाता सज्झाय
१२०६		अष्टप्रवचनमाता सज्झाय
३१५३		अष्ट प्रवचनमाता सज्झाय
२३६२		अष्टभंगी
२५३२		अष्टभंगी स्वाध्याय
२३२८	(१)	अष्टमी नमस्कार
२३१५		अष्टमी सज्झाय
२०९६	(८)	अष्टमी स्तवन
१६५		अष्टमीस्तवन
३१०१	(२)	अष्टमी स्वाध्याय
३१७२	(२)	अष्टमी स्वाध्याय
२१६२		अष्टमी स्वाध्याय
२२६०		अष्टमी स्वाध्याय
१७३१		अष्टान्हिका व्याख्यान सस्तबक
२१३४		अष्टापद तीर्थ स्तवन
११७८		अष्टापद स्तवन
७३०		अष्टोत्तरी स्नात्र विधि
२३९९		अष्टोत्तरी स्नात्र विधि
१५९५		अष्टोत्तरीस्नात्र विधि
१८४९		अष्टोत्तरी स्नात्रविधि
९०४		अष्टोत्तरी स्नात्र विधि अपूर्ण
२४०८	(१)	असज्झाय दोष निवारण स्वाध्याय
२८२४		असज्झाय विचार
२४३०		असणादिक काल प्रमाण सज्झाय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२१५२	आख्यात प्रक्रिया
३६७	आगमवस्तुविचार प्रकरण षडशीतिप्रकरण वृत्तिसह
१४३४	आगमसार
२८१	आगमसारोद्धार
८७३	आगमसारोद्धार
१८६३	आगमिकवस्तुविचार प्रकरण
१७४२	आचारदशाङ्गसूत्रनिर्युक्ति
५८५	आचारदिनकर सबीजक
१२८९	आचारप्रदीप
१३६०	आचारप्रदीप अपूर्ण
१३३०	आचारांगसूत्र
१२०९	आचारांगसूत्र
४६	आचारागसूत्र
९३९	आचारांगसूत्र प्रथम श्रुंतस्कंध सस्तबक
१२९२	आचारांगसूत्र प्रथम श्रुत स्कंध बालाव० सह पञ्चपाठ
१२८८	आचारांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध बालावबोध
१४१	आचारांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध बालावबोध
७२९	आचारांगसूत्र प्रथमश्रुत स्कंध बालावबोधसह पञ्चपाठ
१६६३	आचारांगसूत्र प्रदीपिका
१२१६	आचारांगसूत्रबालावबोध प्रथम श्रुतस्कंध
१६३४	आचारांगसूत्र मूल

क्रमाक	पुस्तकनुं नाम
१६२४	आचारागसूत्र मूल
१९३७	आचारागसूत्रवृत्ति अपूर्ण त्रूटक
५६	आचारांगसूत्रवृत्ति त्रूटक
२०४५	आचाराङ्गसूत्र वृत्तिसह अपूर्ण त्रूटक
१७०१	आचारोपदेश
३०८७	आचारोपदेश
२२६	आचारोपदेश सस्तबक
१३४३	आचारोपदेश सस्तबक
२४४९	आचार्य रत्नसिंह भास
४००	आठकर्मनी १५८ प्रकृति
१६८	आठकर्मनी एकसो अठ्ठावन प्रकृति विचार
१२००	आठदृष्टिविचार
४७२	आठदृष्टि सज्झाय
१५४६	आठ दृष्टि स्वाध्याय सस्तबक (योगदृष्टि)
५०९	आठदृष्टिस्वाध्याय सस्तबक (योगदृष्टि स्वाध्याय)
९१६	आठदृष्टि स्वाध्याय सस्तबक (योगदृष्टि स्वाध्याय)
२४२७	आणंदविमलसूरिस्वाध्याय
१३४६	आणंदसंधि
३११०	आणंदसधि
२९७८	आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक
१३४७	आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक
१३४८	आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक सस्तबक
१३४४	आत्मकुलक सस्तबक

क्रमाक		पुस्तकनु नाम
३०३७		आत्मनिदा स्वाध्याय
२४२१		आत्मप्रतिबोध स्वाध्याय
११८६		आत्मबोधक ज्ञापक स्वाध्याय
७४१		आत्मबोधकुलक सस्तबक
१२०१		आत्मबोध कुलक सस्तबक
१३४५		आत्मबोधकुलक सस्तबक
१६९२		आत्मबोधकुलक सस्तबक
१४३८		आत्मराय कथा-रास
२६४९		आत्मवैराग्य स्वाध्याय
२९९२		आत्म शिखामण स्वाध्याय
३०९	(५)	आत्मशीखामणस्वाध्याय
३०१८		आत्महित स्वाध्याय
३५१		आत्महितोपदेश
३०९	(१६)	आत्मोपदेश स्वाध्याय
३१६३		आत्मोपदेश स्वाध्याय
३१५८		आत्मोपदेश स्वाध्याय
२१८६	(९)	आदिजिन गीत
३०९३		आदिजिन स्तवन
३३४	(४)	आदिजिनस्तवन
२८६०	(२)	आदिनाथ जिन नवीनबिंब प्रतिष्ठा स्तवन
१५९१		आदिनाथदेशनो द्वार सस्तबक
११९२		आदिनाथविनति स्तवन
९९५		आदिनाथ वीवाहलु
२३५१		आदिनाथ स्तवन
४१२	(५)	आदिनाथ स्तवन
२८९९		आदिनाथ स्तवन
२६५६	(४)	आदिनाथ स्तवन

क्रमांक		पुस्तकनु नाम
२४०३	(३)	आदिनाथ स्तुति
२५२९		आदिश्वर विनति
३१८७	(१०)	आदिसर सातवार
७३३	(१)	आदीश्वर जिन स्तवन
३३४	(२)	आद्रीश्वरस्तवन
२५५		आनदघन चोवीशी (सभवजिनथी बासीमाजिन सुधी)
३११२	(१)	आबुगढआदिजिन स्तवन
३१०८		आबु मंडन आदिनाथ स्तवन
३३४	(६)	आबू स्तवन
२४४७		आयु स्वाध्याय
२७९०		आरभसिद्धि
११९३		आरभसिद्धिज्योतिष मूल
१६४५		आरंभसिद्धि वार्तिकसह ज्योतिष
२२२७		आराधना
२०१९		आराधना कुलक बालावबोध
९८७		आराधनापताका भगवती
९८८		आराधनाप्रकरण पर्यंताराधना
९८९		आराधनाप्रकरण पर्यंताराधना
९९०		आराधनापकरण सस्तबक
३५०		आराधना बालावबोध
६०४		आराधना बालावबोध सह
६४०		आरामशोभा कथा
१३७६		आरामशोभा कथा
१३९८		आरामशोभा कथा
१६११	(१)	आर्द्रकुमर सज्झाय
२६२२		आर्द्रकुमार चोपाई
२४५९		आर्य वसुधारा

क्रमांक		पुस्तकनु नाम
२५८४		आलोचना
२३०२		आलोचनागर्भित सीमंधर स्वामि स्तवन
२६२६		आलोचना चोपाई
१७०९		आलोचना विधि
११६९		आलोचनाविधि
७३२		आलोचना विधि
११७०		आलोचनाविधि
३४१		आलोचना विधि
३१८		आलोचना विधि
३००६		आलोचना विधि
७३३	(६)	आलोयण छत्रीसी
२२८३		आलोयण स्तवन वासुपूज्य स्तवन
१९१३		आवश्यकनिर्युक्ति
८९९		आवश्यक शिष्यहिता टीका
१०४६		आवश्यक शिष्यहिता वृत्ति
३०५८		आवश्यक सस्तबक
१०२६		आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति
१३८९		आवश्यकसूत्र निर्युक्ति
१७		आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति
१६७४		आवश्यकसूत्र प्रथम पीठीका बालावबोध
१३५८		आवश्यकसूत्र बृहद्वृत्ति अपूर्ण
१३५९		आवश्यकसूत्र बृहद्वृत्ति अपूर्ण
२११६		आषढभूति चोपाई
१७८		आषाढचातुर्मासी कथा सस्तबक
२३१		आषाढभूति चोपाई
२७५६		आषाढाभूति रास

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३०९२		आषाढाभूति स्वाध्याय
२७९३	(१)	इन्द्रयपराजय शतक सस्तबक
२१७३		इरियावहि मिच्छामि दुक्कडं स्वाध्याय
७२८	(३)	ईडर मंडण आदीश्वर जिन स्तवन
२४१६		ईंन्द्रयपराजयशतक सस्तबक
१३०६		ईन्द्रयपराजयशतक सस्तबक
२४०३	(१)	ईरीयावही स्वाध्याय
१४३९		ईलाचिपुत्र रास
२६६९		ईलाची कुमार चोपाई अपूर्ण
७३१		ईलाचीकुमाररास
२९५१		ईलाचीपुत्र रास
२०९६	(४)	ईलाचीपुत्र सज्झाय
१५६२		उत्तमकुमार रास
१५७२		उत्तम चरित्र
२४२		उत्तमचरित्ररास
४२७		उत्तमचरित्र सस्तबक
१३३८	(१)	उत्तमराज कथा वस्त्रदाने
११६४		उत्तमविलासदीक्षा महोत्सव
१६६५		उत्तमविलास रास
१५४१		उत्तमविलासरास अपूर्ण
१५९८		उत्तराध्ययनकथा अपूर्ण
१८६८		उत्तराध्ययन गीत
३४		उत्तराध्ययन बृहदवृत्ति
१५८७		उत्तराध्ययन वृत्तिसह
१३१५		उत्तराध्ययन वृत्तिसह अपूर्ण
१८८७		उत्तराध्ययन सबालावबोध
१३८२		उत्तराध्ययनसूत्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१७७७	उत्तराध्ययनसूत्र
१२२१	उत्तराध्ययनसूत्र
१२२२	उत्तराध्ययनसूत्र
१३०३	उत्तराध्ययनसूत्र
१३०४	उत्तराध्ययनसूत्र
१००७	उत्तराध्ययनसूत्र
३२	उत्तराध्ययन सूत्र
१९८५	उत्तराध्ययनसूत्र अध्ययन त्रीजुं, चोथुं, नवमुं, दशमुं
१२२३	उत्तराध्ययनसूत्र एकविंशति अध्ययन पर्यंत
१६१७	उत्तराध्ययनसूत्र कथा सह अष्टादश अध्ययन पर्यंत
७५६	उत्तराध्ययनसूत्र दीपिकासह
६५१	उत्तराध्ययन सूत्र निर्युक्ति
५३६	उत्तराध्ययनसूत्रनी सज्झाय
३८६	उत्तराध्ययनसूत्र बालावबोध त्रूटक
६२८	उत्तराध्ययनसूत्र बालावबोध सह
१७३९	उत्तराध्ययन सूत्रवृत्तिसह
१३५७	उत्तराध्ययन सूत्र वृत्तिसह अध्ययन ५ थी २७ पर्यंत
१४१०	उत्तराध्ययनसूत्र सचित्र
२०४३	उत्तराध्ययनसूत्र सचित्र
२०६३	उत्तराध्ययनसूत्र सज्झाय
१२६७	उत्तराध्ययनसूत्र सज्झाय
१३२८	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक
७६५	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक
७६६	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१२२४	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक	१२१८	उपदेशमाला प्रकरण	२६६१	उपदेश रत्नाकर
१५३७	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक	६३९	उपदेशमाला प्रकरण	२४५६	उपधान गहुंली
१४३६	उत्तराध्ययनसूत्र सस्तबक	२५१	उपदेशमालाप्रकरणकथासंग्रह	२७८६	उपधान माला रोपणादि विधि
	किंचिदपूर्ण	९६	उपदेशमाला प्रकरण कर्णिकाख्या	३०२१	उपधानविचारगर्भित महावीर जिन
१६४१	उत्तराध्ययनसूत्र सुखबोधावृत्ति		वृत्ति सह		स्तवन
२४४३	उत्पत्ति स्तवन	१३५४	उपदेशमाला प्रकरण बालावबोध	३०१६	उपधानविधि
२२६७	उत्सूत्रनिराकरणबत्रीसी	२६६	उपदेशमालाप्रकरण	२१७८	उपधान विधि
१५६४	उदायनराजर्षिकथा		बालावबोधसह	२१६६	उपधानविधि
२३९७ (१)	उद्योत पंचमी स्तुति सटीक त्रिपाठ	७१३	उपदेशमालाप्रकरण	२१६९	उपधान विधि
१३९६	उपदेशचितामणि प्रकरण सावचूरि		बालावबोधसह	२१६७	उपधानविधि
१६१२	उपदेशतरंगिणी	२८९०	उपदेशमाला प्रकरण	१३६४	उपधानविधि
१३९०	उपदेशतरंगिणी		बालावबोधसह	११९८	उपधान विधि
११९९	उपदेशबत्रीशी	४१	उपदेशमाला प्रकरण विवरण सह	२७९९	उपधान विधि-अष्टोत्तरी
२१७७	उपदेश बत्रीशी	१६००	उपदेशमालाप्रकरण सटीक		स्नात्रविधि
१२९४	उपदेशमाल अवचूरि	१३४०	उपदेशमाला प्रकरण सबालावबोध	२८७२	उपधानविधि-श्राद्धप्रतिमाविधि
१२९५	उपदेशमाल मूल	१२१७	उपदेशमाला प्रकरण सबालावबोध	४५९	उपधानविधि-श्रावकबार-
१२९६	उपदेशमाल मूल	७१४	उपदेशमालाप्रकरण सस्तबक		व्रतोच्चारण विधि आदि
१२९३	उपदेशमाल सावचूरि पञ्चपाठ	१४६४	उपदेशमाला प्रकरण सावचूरि	७२८ (१)	उपधानविधि स्तवन
१८८३ (१)	उपदेशमाला		पञ्चपाठ	२३८४	उपधान विधि स्वाध्याय
२६१४	उपदेशमाला-शकुनावली	४२	उपदेशमाला प्रकरण सावचूरि	३०१७	उपधानस्तवन
१८७३	उपदेशमाला आदि प्रकरणपोथी		पञ्चपाठ	२६५	उपमितिभवपपंचा कथा
१८८३	उपदेशमाला आदि प्रकरणपोथी	११९६	उपदेशमाला प्रथम पीठीका	२३२५	उपशम स्वाध्याय
१८१५	उपदेशमाला कर्णिकावृत्ति		बालावबोध	२५	उपासकदशांग-पंचागसूत्र वृत्तिसह
१८५४	उपदेशमालाप्रकरण	३०११ (१)	उपदेशरत्नकोष बालावबोध	२४५७	उपासक दशांगगीत
१८७३ (१)	उपदेशमाला प्रकरण	४७८	उपदेशरत्नमालाप्रकरण सस्तबक	८ (१)	उपासकदशांगवृत्ति
१८९२	उपदेशमाला पकरण	७९२	उपदेशरत्नाकर	३१५	उपासकदशांग सूत्र
१८१३	उपदेशमाला पकरण	१९८४	उपदेशरत्नाकर	१०१४	उपासकदशांगसूत्र
७९३	उपदेशमाला प्रकरण	२८९८ (१)	उपदेश सप्ततिका	११८५	उपासकदशांगसूत्र

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१३८४		उपासकदशागसूत्र
१४२०		उपासकदशागसूत्र
१३७९		उपासकदशागसूत्र
१३०५		उपासकदशांगसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ
६११		उपासकदशांगसूत्र सस्तबक
३८४		उपासकदशागसूत्र सस्तबक
६१२		उपासकदशांगसूत्र सस्तबक
१४०४		उपासकदशांगादि पंचसूत्र टीका
१४६३		उपासकदशाङ्गसूत्र गीत
१६२६	(१)	उपासकदशाङ्गसूत्र वृत्ति
१७३२		उपासकदशाङ्गसूत्र सटीक
१७४०		उपासकदशाङ्गसूत्र सस्तबक
१७००		उपासकदशाङ्गसूत्र सस्तबक
१६९५		उपासकदशाङ्गसूत्र सस्तबक
१५९४		उपासकदशाङ्गादि पञ्चसूत्रवृत्ति
२६९९		ऋषभ जिन विवाहलु
१३७१	(१०)	ऋषभजिनस्तवन
२००८		ऋषभदेव धवल प्रबंध
२६०५		ऋषभदेव नमस्कार
२१४७		ऋषभदेवना स्तवनो
२५४५		ऋषभदेव वीवाहलु
२५०		ऋषभदेव वीवाहलु गूटको
३३४	(१०)	ऋषभदेवस्तवन
४१२	(४)	ऋषभदेव स्तवन
२६५६	(३)	ऋषभदेव स्तवन
३१८१	(२)	ऋषभदेव स्तवन
९९६	(१९)	ऋषभदेव स्तवन

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२४६२		ऋषभदेव स्तवन
२२३६	(७)	ऋषभदेव स्तवन
२४८७		ऋषभदेव स्तवन भास
२१२९		ऋषभदेव स्तुति
२४६३		ऋषभदेव स्तोत्र
१९३२	(७)	ऋषभसमतासुरलतास्तवन
८३१	(९)	ऋषभसमता सुलभ
२११८	(९)	ऋषि दत्ता कथा
५४०		ऋषिमंडल प्रकरण
१३१६		ऋषिमडल प्रकरण वृत्तिसह
१५८८		ऋषिमंडलप्रकरण वृत्तिसह
१६५९		ऋषिमंडल प्रकरण सस्तबक
१५५०		ऋषिमडलस्तोत्र
२३२२		ऋषिमंडल स्तोत्र
२५१३		एकदिन पोषधादिग्रहण पुण्य संख्याकुलक सस्तबक
१८७३	(६)	एकविशति प्रकरण
३१९२		एकविंशतिशतकस्थान प्रकरण
१८८३	(४)	एकविंशतिशतस्थानप्रकरण
२७४७		एकवीस प्रकारी पूजा
६१४		एकवीस प्रकारी पूजा
९२५		एकवीस स्थान प्रकरण
२०८७		एकवेविंशतिप्रकारीपूजारास
११५५		एकसो सित्तेर जिन स्तवन
१४७४	(२)	एकाक्षरीनाममाला
८६२		एकादश गणधर देववदन
३०५१		एकादशगणधरस्तुति स्तवन
२३५३		एकादश प्रतिमाविचार

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
२२३८	(१०)	एकादशी थोय
३१७२	(३)	एकादशी स्वाध्याय
१९७७		एलाचीकुमार रास
१९७८		एलाचीकुमार रास चोपाई
२१२४		ओगणत्रीश भावना
२७७१		ओगणत्रीसी भावना
६५२		ओघनिर्युक्ति अपूर्ण
६३		ओध निर्युक्ति वृत्तिसह
११८३		औपपातिकोपांगसूत्र
७९१		औपपातिकोपांगसूत्र
११८२		औपपातिकोपागसूत्र
६५७		औपपातिकोपांगसूत्रवृत्ति
७६१		औपपातिकोपांगसूत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
१३०७		औपपातिकोपांगसूत्र सटीक पञ्चपाठ
७५८		औपपातिकोपांगसूत्र सस्तबक
१००४		औपपातिकोपांगसूत्र सस्तबक
६५८		औपपातिकोपांगसूत्र सस्तबक
१८९६		औपपातिकोपाङ्गसूत्र
१५९१		औपपातिकोपाङ्गसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ
१६०६		औपपातिकोपाङ्गसूत्र सटीक
१८९३		औपपातिकोपाङ्गसूत्र सटीक
२३८९		औष्टिकमतोत्सूत्रोघाटन कुलक अवचूरि सह त्रिपाठ
२३८		कंतशिखामण सजझाय
७०४	(२)	ककी रास

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
९३६		कथाओ गद्य
१३९		कथाकोश
३७६		कथासंग्रह
७०७		कथासंग्रह
४७०		कथासंग्रह अपूर्ण
३३५		कथासंग्रह अपूर्ण
७०१		कथासंग्रह त्रूटक
९९९		कथासङ्ग्रह
२११८		कथासङ्ग्रह
२३२०		कथासङ्ग्रह
२३०७		कथासङ्ग्रह
१९२७		कथासङ्ग्रह
१४६६		कथासङ्ग्रह
१७१०		कथासङ्ग्रह
२८५६		कथा सङ्ग्रह
२१९४		कथासङ्ग्रह गद्य
८८९		प्रतिक्रमणसूत्राणि सस्तबक
१०८९		कथासङ्ग्रह गद्य
१०२२		कथासङ्ग्रह चुल्हकोपरि देवराजकथा उत्तमचरित्र
२२८८		कथासङ्ग्रह जिणसेण. देवलिकाकथा कमलसेननृपकथा
२८८७		कथा सङ्ग्रह त्रूटक
१३३८		कथासङ्ग्रह सटिप्पनक
९३६	(४)	कनकरथ कथा (आहारदाने)
५१७	(४)	कनकरथ कथा (आहारदाने) गद्य
२१९३	(३)	कनकरथकथा गद्य

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२५१९		कपील अध्ययन स्वाध्याय
२९०७	(२)	कबाडीया दृष्टांत स्वाध्याय
२११८	(३)	कमल कथा
१७१०	(१)	कमलकथा
२५५६		कयवन्नाचरित्र चतुष्पदी
१६७३		कयवन्नाशेठ चोपाई
१८६२		करणकुतूहलकुमुद कौमुदी वृत्ति
९३६	(३)	करिराज कथा (आसनदाने)
५१७	(३)	करिराज कथा (आसनदाने) गद्य
२१९३	(२)	करिराजकथा गद्य
१३१०		कर्पूर प्रकर
१४५		कर्पूरप्रकर अवचूरिसह
५६०		कर्पूरप्रकर अवचूरि सह
१९४०		कर्पूरमञ्जरी चोपाई
१३७४		कर्मग्रंथ १ थी ३ मूल
९८४		कर्मग्रथ १ थी ५
७५३		कर्मग्रंथचतुर्थ सस्तबक
१५६५		कर्मग्रंथ चतुर्थ सस्तबक
१५६७		कर्मग्रंथ चतुर्थ सस्तबक
५७२		कर्मग्रंथ चतुष्क सस्तबक
३८८		कर्मग्रंथचतुष्क सस्तबक
४४५		कर्मग्रंथ चतुष्क सस्तबक
७६९		कर्मग्रंथ चतुष्क सस्तबक
१८११		कर्मग्रंथत्रय अर्थसह
१५७५		कर्मग्रथत्रय सस्तबक
५६८		कर्मग्रंथत्रय सस्तबक
७६८		कर्मग्रंथ द्वितीय तृतीय सस्तबक

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
९८६		कर्मग्रंथपंचक बालावबोध सह अपूर्ण
६२६		कर्मग्रंथ पंचक सस्तबक
५५५		कर्मग्रंथपंचक सस्तबक
१८१४	(१)	कर्मग्रंथ पञ्चक सस्तबक
१७३०		कर्मग्रंथ पञ्चम सस्तबक
३८५		कर्मग्रंथ प्रथम कर्मविपाक बालावबोध सह अपूर्ण
१५३९		कर्मग्रंथ प्रथम द्वितीय सस्तबक
२९१		कर्मग्रंथ बीजो त्रीजो सस्तबक
८०१		कर्मग्रंथ षष्ठ (सित्तरी) सस्तबक
१८१४	(२)	कर्मग्रंथ षष्ठ सस्तबक (सप्ततिका प्रकरण)
१४३५		कर्मग्रंथी षट्क
२३४५		कर्मग्रन्थ चतुर्थ-षडशीतिका प्रतिष्ठा विचार
१९४४		कर्मग्रन्थचतुष्कमूल
२०६७		कर्मग्रन्थपचम सस्तबक
२०९४		कर्मग्रन्थ यंत्राणि
२०४६		कर्मग्रन्थ विचार
२६२०		कर्मग्रन्थ विचार
२०६८		कर्मग्रन्थ षट्क सस्तबक
३०६०		कर्मपचीसी सज्झाय
१९४७	(२)	कर्मबत्रीशी
२२३९		कर्मव्हेंतेरी चोपाई
६२४		कर्मविपाक-कर्मस्तव-बंधसामित व कर्मग्रंथ बालावबोध सह
५७१		कर्मविपाक-कर्मस्तव-बंधसामित व कर्मग्रंथ सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
६२५	कर्मविपाकप्रकरण सस्तबक
१००२	कर्मविपाक प्रथम कर्मग्रंथ तथा कर्मस्तव द्वितीय कर्मग्रंथ सस्तबक
१२७६	कर्मविपाक वृत्तिसह
१४५७	कर्मविपाक सबालावबोध
२३०९	कर्मविपाकायुर्वेद वैद्यक त्रुटक
५११	कर्मसंवेधभग प्रकरण
१२०८	कर्मस्तव (द्वितीय कर्मग्रंथ) सस्तबक
३९३	कर्मस्तव द्वितीय कर्मग्रंथ सस्तबक
२९६३	कर्म हिंडोलणा
२३०६	कर्मापुत्र कथा
२५५२	कलावती रास
१६११ (५)	कलावती सज्झाय
३७९ (५)	कलिकुडपार्श्वनाथस्तवन
२४९६	कल्पनी गाथा श्लोक
४४९	कल्पसुखलता अपूर्ण
३६३	कल्पसूत्र
१८८४	कल्पसूत्र-पर्युषणाकल्प
१२९१	कल्पसूत्र अंतर्वाच्य टीका
६१०	कल्पसूत्र कल्पलतावृत्ति
८१२	कल्पसूत्र किरणावली टीका
१४२४	कल्पसूत्र दीपिकासह त्रिपाठ अपूर्ण
२६३	कल्पसूत्र बालाबवोध सहित खीमशाही
१२१	कल्पसूत्र बालावबोध सह
५९५	कल्पसूत्र बालावबोध सह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
८२०	कल्पसूत्र बालावबोध सह
९०५	कल्पसूत्र बालावबोध सह
८७५	कल्पसूत्र बालावबोध सह
२४८५	कल्पसूत्र बालावबोध सह अपूर्ण
२०	कल्पसूत्र बालावबोध सह सचित्र
८१३	कल्पसूत्र बालावबोध सहित खीमशाही त्रिपाठ
५८३	कल्पसूत्र भास
७३	कल्पसूत्र मूल
१०६२	कल्पसूत्र मूल
१२५७	कल्पसूत्र मूल
१०६०	कल्पसूत्र मूल
१६३७	कल्पसूत्र मूल
१०५९	कल्पसूत्र मूल अपूर्ण
१८१२	कल्पसूत्रवृत्ति
१६१८	कल्पसूत्र सस्तबक
१८७८	कल्पसूत्र सस्तबक
१०११	कल्पसूत्र सस्तबक
७९४	कल्पसूत्र सस्तबक
२७९	कल्पसूत्र सस्तबक
१७९०	कल्पसूत्र सस्तबक अपूर्ण
१२९	कल्पसूत्र सस्तबक त्रूटक
२०१६	कल्पसूत्र सस्तबक नेमिनाथचरित्र पर्यंत
५८४	कल्पसूत्र सस्तबक प्रथम व्याख्यान अपूर्ण
१६३८	कल्पसूत्र सस्तबक सचित्र
१५६८	कल्पसूत्र सुबोधिका अन्तर्गत श्लोक सङ्ग्रह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१४२	कल्पसूत्र सुबोधिका टीका द्वितीयक्षण व्याख्यान-सस्तबक
१६९४	कल्पसूत्र सुबोधिका टीकासह
२०१५	कल्पसूत्र सुबोधिका टीकासह
२०१८	कल्पसूत्र सुब्रोधिका वृत्तिसह
७५७	कल्पसूत्रसुबोधिका वृत्तिसह
७५९	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह
२०२६	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह त्रिपाठ
६२९	कल्पसूत्र सुबोधिका वृत्तिसह त्रिपाठ
३२०६ (१)	कल्पसूत्र सुवर्णाक्षरी सचित्र
२८८६	कल्पान्तर्वाचना
२४६५	कल्याणक अधिकार तथा श्रावक दश प्रतिमा विधि
१८८३ (१२)	कल्याणमंदिर
१०९७	कल्याणमंदिर सटीक त्रिपाठ
२२१३	कल्याणमदिर सटीक पञ्चपाठ अपूर्ण
२१०५	कल्याणमंदिरस्तोत्र
२०३७	कल्याणमंदिरस्तोत्र
२९९६	भक्तामरस्तोत्र
२६५२ (१)	कल्याणमंदिरस्तोत्र
३४६	कल्याण मंदिरस्तोत्र
५६७	कल्याणमदिरस्तोत्र अवचूरि शब्दार्थ
२०७४	कल्याणमदिरस्तोत्र पञ्जीका वृत्तिसह त्रिपाठ

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
३७२	कल्याणमंदिरस्तोत्र वृत्तिसह
२७८	कल्याणमंदिर स्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
१२०२	कल्याणमदिरस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
२९९३	कल्याणमंदिर स्तोत्र सटिप्पनक
२०३४	कल्याणमंदिरस्तोत्र सटीक
२१५	कल्याणमंदिरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ
१०९९	कल्याणमदिर स्तोत्र सटीक त्रिपाठ
१९४९	कल्याणमदिरस्तोत्र सवृत्ति सह त्रिपाठ
१५५४	कल्याणमंदिरस्तोत्र सस्तबक
७८९	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक
१०९६	कल्याणमंदिर स्तोत्र सस्तबक
७८८	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक
११४०	कल्याणमंदिरस्तोत्र सस्तबक
९८३	कल्याणमदिर स्तोत्र सस्तबक
२९७१	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक
३४४	कल्याणमदिरस्तोत्र सस्तबक
२३३३	कल्याणमंदिर स्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ
१२९०	कविशिक्षा
१४७०	कातत्रदुर्गपदप्रबोध
१९४८	कातंत्रविभ्रम वृत्तिसह त्रिपाठ
१३११	कातंत्रविभ्रम सावचूरि त्रिपाठ
६६६	कामधेनु पद्धति अपूर्ण
१८९७	कामसमूह महाकाव्य
२५३५	कायस्थिति सस्तबक
२९०६	कायस्थिति स्तव

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
११७५ (५)	कायस्थिति स्तव त्रिपाठ
२३३४	कायस्थिति स्तव विजयसेन सूरि गीत
३७७	कायस्थितिस्तव सस्तबक
२९०८	कायस्थितिस्तव सावचूरि पञ्चपाठ
२८८०	कायस्थितिस्तोत्र बालावबोध
४२६	कायस्थितिस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
१८२०	कायस्थितिस्तोत्र सस्तबक
१२०४	कायस्थितिस्तोत्र सस्तबक
११७६	कायस्थितिस्तोत्र सस्तबक
१२७७	कायस्थिति स्तोत्र सावचूरि
३१८३	काया स्वाध्याय
५१२	कालसत्तरी प्रकरण सस्तबक
३१६	कालिकाचार्य कथा
७९०	कालिकाचार्य कथा
३२०६ (२)	कालिकाचार्य कथा सचित्र
२३४४	काव्यकल्पलता
१२९७	काव्यकल्पलता कविशिक्षा वृत्ति
४८०	काव्यकल्पलता सस्तबक
२६८०	किरातार्जुनीय काव्य त्रूटक
२९०९	किरातार्जुनीय काव्य वृत्तिसह पञ्चपाठ
२८६	किरातार्जुनीय घंटापथटीकानुं मंगलाचरण
१६१९	किरातार्जुनीय महाकाव्य
५/७०	किरातार्जुनीय महाकाव्य त्रिपाठ प्रदीपिका वृत्तिसह
१८३०	किरातार्जुनीय महाकाव्य सटीक त्रिपाठ

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१८२६	किरातार्जुनीय महाकाव्य सटीक त्रिपाठ
१६३५	कीरातार्जुनीय महाकाव्य सावचूरि पञ्चपाठ
२१३२	कुंथुनाथ स्तवन
६१८ (४)	कुगुरु-सुगुरु स्वाध्याय
३०६७	कुगुरु वर्णन
१९५५	कुमति खंडन स्वाध्याय सबालावबोध त्रिपाठ
३१३०	कुमति स्वाध्याय
६१८ (५)	कुमति स्वाध्याय
२४९० (१)	कुमति स्वाध्याय
९७	कुमारपालचरित्र
२८०	कुमारपालरास
६०७	कुमारपालरास
३८३	कुमारपाल रास
१५७९	कुमारपाल रास
८११	कुमारपाल रास
२२१४	कुमारसंभव काव्य
७७	कुमारसभव महाकाव्य
६०	कुमारसभव महाकाव्य
६१	कुमारसंभव महाकाव्य चतुर्थसर्ग
१९७६	कुमारसंभव महाकाव्य सटीक त्रिपाठ
१४६९	कुमारसंभव सटीक
९३६ (१)	कुरुचन्द्र कथा (वसतिदाने)
५१७ (१)	कुरुचन्द्र कथा (वसत्तिदाने) गद्य

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१८४७		कुलध्वजकुमाररास
१२७३		कूर्मापुत्र चरित्र
१२७४		कूर्मापुत्र चरित्र
४७४		कूर्मापुत्रचरित्र सस्तबक
२३०५		कूलावती सज्झाय
२०३६		कृतपुण्यक कथा
१३७३		कृतपुण्यश्रेष्ठि रास
७३३	(२)	कृष्णजी बारमास
८६३		कोकशास्त्र गद्य अपूर्ण
४६८	(१)	कोकशास्त्र वार्ता गद्य
३०६६		कोचर ववहारी रास
२८९८	(२)	क्रियारूप करम आववानु कारण विचार
२२३६	(२)	क्रोध सज्झाय
३११३	(२)	क्रोध स्वाध्याय
२१११		क्षमा छत्रीशी सीमधर जिन स्तवन
२३८६		क्षमा छत्रीसी
३१४१		क्षमा छत्रीसी
१८१८		क्षमा पच्चावनी
२९८३		क्षमाविजयगणिनिर्वाण महोत्सवरास
६८		क्षुल्लकभवावलिकाप्रकरण अवचूरिसह पञ्चपाठ
५९७	(२)	क्षेत्रविचार
१५०४		क्षेत्रसमास-लघुक्षेत्रसमास प्रकरण बालावबोध सह
१८८३	(११)	क्षेत्रसमास प्रकरण
२८७		क्षेत्रसमासप्रकरण

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
११९७		क्षेत्रसमासप्रकरण-लघुक्षेत्रसमास प्रकरण
९१९		क्षेत्रसमास प्रकरण-लघुक्षेत्रसमास सबालावबोध पञ्चपाठ अपूर्ण
१५०३		क्षेत्रसमासप्रकरण-लघुक्षेत्रसमास स्वोपज्ञवृत्तिसह
१७०८		क्षेत्रसमासप्रकरण लघुक्षेत्रसमास यंत्रचित्र सहित
२२३३		खंडषड्त्रिंशिका मौन एकादशी स्तुति
१६११	(१०)	खंधक कुमार सज्झाय
५४८		खरतर गच्छीय सामायिक प्रति क्रमण-पोसह विधि
२९८८		खिमा (क्षमा) स्वाध्याय
१८८२		खीमरिषि रास
२७७५		खीमरूषि रास
२४५३		ख्याल
२०३५		गच्छाचारप्रकीर्णक बालावबोध सह
१८१९		गच्छाचारप्रकीर्णक वृत्तिसह बीजकसह
२९४२		गजसुकुमाल चउढालीया
२१९५		गजसुकुमाल भास
२६८६		गजसुकुमाल रास
३१२९		गजसुकुमाल रास
२६८५		गजसुकुमाल रास
१६०१		गजसुकुमालरास
१२०७		गजसुकुमाल रास

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
११७२		गजसुकुमाल रास-भास
३१३७		गजसुकुमाल स्वाध्याय
३१४६		गणधर छंद
२४४२		गणधर देववंदन
५८९		गणधरवाद
४०१		गणधरवाद
२७३१		गणधरवाद आदि स्तवन सङ्ग्रह
१५११		गणधरवाद बालावबोध
१९३२	(३)	गणधरवादस्तवन
१३७१	(३)	गणधरवादस्तवन
८३१	(३)	गणधरवाद स्तवन
१८७३	(४)	गणधर संस्तव
२९३९		गमागम पृच्छा
३१२१		गर्भावास स्वाध्याय
३१८७	(९)	गहुंली
२७३९		गहुली
३१८७	(८)	गहुंली
३१८७	(१३)	गहुली
३१८७	(४)	गहुंली
३१८७	(५)	गहुंली
३१८७	(६)	गहुंली
२९४०		गिरनारकल्प सस्तबक
९९६	(७)	गीत
२१८६	(६)	गीत
२१८६	(१२)	गीत
२१८६	(१३)	गीत
२१८६	(१०)	गीत
२१८६	(१५)	गीत

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२१८६	(११)	गीत
३०९	(११)	गीत
३१८८		गीत गोविंद
३१८२		गीत सङ्ग्रह
३०४०		गीता चन्दो
२४५		गुणरत्नाकर छंद
१२८०		गुणसमुद्रब्राह्मण कथा
५५०		गुणस्थानक प्रकरण
१३२०		गुणस्थानकप्रकरण सटीक
२४९८		गुणस्थानक सज्झाय
२५४०		गुणस्थान गीत
१२७९		गुणस्थान प्रकरण वार्तिक सह
१६४७		गुणस्थानप्रकरण सटीक
८०३		गुणस्थानपकरण स्वोपज्ञवृत्ति सह
२६६५		गुणस्थाने चढवा पडवानो विचार
२३६८		गुणावली चोपाई
५०७		गुणावलीनो लेख
३००४		गुणावली लेख
१४९८		गुरुतत्त्वविनिश्चय सटीक त्रिपाठ
२२९४		गुरुभक्तिकुलक
३१०२		गुरुभास
२२८२		गुरुवदनक भाष्य सस्तबक
१८६५	(५)	गुरुवंदनभाष्य
२८३९		गुरुसज्झाय-रास
२२७४		गुरु स्तुति
२७२९		गुरूगुणषट्त्रिंशिका
९२१	(३)	गूहली
९२१	(७)	गूंहली

क्रमांक		पुस्तकनु नाम
९२१	(६)	गूहली
९२१	(८)	गूहली
९२१	(५)	गूहली
९२१	(४)	गूंहली
२५९७		गृहस्थधर्ममर्यादा सस्तबक
२१८६	(५)	गोडी जिन स्तवन
३०६१		गोडी पार्श्वजिन छंद
३१३८		गोडी पार्श्वनाथ लावणी
२९१४		गोडी पार्श्वनाथ स्तवन
२९१३		गोडी पार्श्वनाथ स्तवन
३१६७		गोडी पार्श्वनाथ स्तवन
२५२७	(१)	गोडी पार्श्वनाथ स्तवन
२२४५		गोडी पार्श्वनाथ स्तवन
५९०		गोडीपार्श्वनाथ स्तवन
३११७		गोडी पार्श्वनाथ स्तवन सज्झाय
३०८९		गोरखनाथ पावडी
२६६३		गोष्डी पार्श्वनाथ स्तवन
२३५२		गौतम कुलक
२०४९		गौतमकुलक बालावबोध सह
२६७		गौतमकुलक बालावबोधसह
१९५९		गौतमकुलक वृत्तिसह
१८७०		गौतमकुलक सटीक
१९४३		गौतमकुलक सस्तबक
२७४८		गौतम कुलक सस्तबक
३००८		गौतमकुलक सस्तबक
७३६		गौतमकुलक सस्तबक
२८८५		गौतम केवली शकुनावली
८३१	(२१)	गौतम दिगालिका स्तवन

क्रमाक		पुस्तकनु नाम
२३४०		गौतमपृच्छा अर्थसह
१३२३		गौतमपृच्छा चोपाई
३१७३		गौतमपृच्छा चोपाई
२३००		गौतम पृच्छा प्रकरण
११००		गौतमपृच्छा प्रकरण सटीक
७६७		गौतमपृच्छा बालावबोध बीजक सह
७७०		गौतम पृच्छा बालावबोध सह
८६४		गौतमपृच्छा बालावबोध सह
१८१६		गौतमपृच्छा बालावबोधसह बीजक सह
१५१९		गौतमप्रश्नोतरस्तवन
८६५		गौतम प्रश्नोत्तर स्तवन
२२४		गौतमरास
२४९५		गौतम स्वामि भास अध्यात्म भास
२२६८		गौतमस्वामि रास
४६४		गौतमस्वामिरास
१९३२	(१९)	गौतमस्वामिस्तवन
१३५२		गौतमस्वामीरास
१८३६		ग्रहलाघवसिद्धातरहस्य
२६४०		घी सज्झाय
१३३८	(१४)	चंडा-प्रचडाकथा
७४०		चदराजारास
१६६२		चंपकश्रेष्ठि कथानक
१५१३		चंपकश्रेष्ठि कथानक
३२४		चउद गुणस्थानक स्वाध्याय टीप्पणी सह
२६०७		चतुःशरण प्रकरण

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१९४६		चतुःशरणप्रकिर्णक सस्तबक
३२६		चतु·शरणप्रकीर्णक
३४२		चतु·शरण प्रकीर्णक
१३१		चतु·शरण प्रकीर्णक पजीकावृत्ति सह त्रिपाठ
३०२१		चतु·शरणप्रकीर्णक बालावबोधसह
१२७५		चतु·शरण प्रकीर्णक बालावबोध सह
१३६७		चतु·शरण प्रकीर्णक सबालाव० पद्यपाठ
२३३		चतु·शरणप्रकीर्णक सस्तबक
२१६		चतु शरणप्रकीर्णक सस्तबक
१८२		चतुःशरणप्रकीर्णक सस्तबक
३२७		चतु·शरणप्रकीर्णक सस्तबक
२१८२		चतुःशरण पकीर्णक सस्तबक
३०२२		चतुःशरणप्रकीर्णक सस्तबक
४८१		चतुःशरणप्रकीर्णक सावचूरि पद्यपाठ
७५४		चतु·शरणप्रक्रीर्णक अवचूरि
७५५		चतु शरणपक्रीर्णक बालावबोध
२९४१		चतुर्गति वेली
१९४२		चतुर्गतिवेली
२०२५		चतुर्थ कर्मग्रन्थ (खडशीति) सस्तबक
२३७७		चतुर्थव्रतकथा अपूर्ण
८२३		चतुर्दश गुणस्थानक भास
२२८६		चतुर्दश गुणस्थानक सज्झाय
३०९	(२)	चतुर्दश गुणस्थान स्तवन

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
१००८		चतुर्पुर्वी रास
२९४८		चतुर्मास व्याख्यान
१३३८	(८)	चतुर्मासिका ग्रहपालने अमरसेन कथा
२५९१		चतुर्विशति जिन आयुष्य गर्भित स्तवन
२५४८		चतुर्विशतिजिन छंद आदि
३०७९		चतुर्विशति जिन नमस्कार
२८६०	(१)	चतुर्विंशतिजिन नामार्थ स्तवन
३०६२		चतुर्विंशतिजिनस्तवन
८३१	(६)	चतुर्विंशतिजिन स्तवन
२२४८		चतुर्विंशतिजिन स्तवनो
२५९६		चतुर्विंशति जिन स्तवनो
२८६६		चतुर्विंशति जिन स्तवनो (चोवीसी)
११५३		चतुर्विंशतिजिनस्तुति सावचूर्णि
२०७९		चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र वृत्ति
२३६४		चतुर्विशतिजिननमस्कार
२२०३		चतुर्विशति जिन भास अपूर्ण
१९३२	(६)	चतुर्विशतिजिनस्तवन
७०९		चतुर्विशति जिन स्तवन बालाव०सह
५५२		चतुर्विशति जिन स्तवन सस्तबक
२७५५		चतुर्विशति जिन स्तवन सस्तबक
४८३		चतुर्विशतिजिनस्तवनो (चोवीशी)
१५८९		चन्दन-मलयागिरि चोपाई
३०२३		चन्दनबाला वेली
२५२२		चन्दनबाला सज्झाय

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१६११	(६)	चन्दन बाला सज्झाय
९९६	(१२)	चन्दना सज्झाय
९३३		चन्द्रधवल-धर्मदत्त कथा
७८		चन्द्रप्रज्ञप्तिउपागसूत्र
१६४८		चन्द्रप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र
३१०६	(२)	चन्द्रप्रभ स्तव
२९४६		चन्द्रलेखा चोपाई
१९६८		चमत्कार चिंतामणि
३१५५		चमत्कारचिंतामणि ज्योतिष
१५१		चमत्कारचितामणि सस्तबक
२४२२		चरणसत्तरी करणसत्तरी
३०९	(४)	चरणसत्तरीकरणस्वाध्याय
१३२२		चातुर्मासिक व्याख्यान
११६१		चातुर्मासिक व्याख्यान
२३५४		चार आहार विचार
३०७७		चार क्षामणा सस्तबक
१९७२		चारप्रत्येक बुद्ध चोपाई
१४१२		चार प्रत्येकबुद्ध चोपाई
२८०४		चार मंगल भास
३०६९		चितामणि पार्श्वनाथ विनति
२४२९	(२)	चिंतामणि स्तोत्र
२४९०	(२)	चित्र-संभूत स्वाध्याय
१५९०		चित्र-संभूति चोपाई
१०२४		चित्रसेन-पद्मावती कथा
२३९०	(१)	चित्रसेन-पद्मावती चरित्र
९१८		चित्रसेनपद्मावती कथा
६२०		चित्रसेनपद्मावती कथा
२७७४		चित्रसेन् पद्मावती कथा

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२६६८	चित्रसेनपद्मावती कथानक
७९५	चित्रसेनपद्मावती कथा सस्तबक
१३८०	चित्रसेनपद्मावती चरित्र
२५५४	चित्रसेन पद्मावती चरित्र पद्य
१७६	चित्रसेन पद्मावती चरित्र सस्तबक
१६८५	चिलातिपुत्र स्वाध्याय
२६३८	चिहुं गति वेली
१४४४	चुरादिगण धातु (सिद्धहेम शब्दानुंशासन)
१३२१	चुरादिधातुगण सावचूरि त्रिपाठ
३१२५	चेतन स्वाध्याय आदि
१८८३ (९)	चैत्यपरिपाटी
२१३६	चैत्यवंदन-स्तवनो
१८६५ (४)	चैत्यवदनभाष्य
१६२१	चैत्यवंदनभाष्य सस्तबक
६६१	चैत्यवंदन भाष्य सस्तबक
१६७	चैत्यवंदनसंग्रह
२५०२	चैत्यवंदन सज्झायादि सङ्ग्रह
४३८	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय
७८२	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय
११३६	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय
१९५१	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय
२७२०	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय
८०८	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय अवचूरि सह
७८४	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय त्रिपाठ अवचूरिसह
६७	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय त्रिपाठ बालावबोधसह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१५०७	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय त्रिपाठ सबालावबोध
७८३	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय पञ्चपाठ बालावबोधसह
१५६	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय बालावबोध सह
५८०	चैत्यवदनादि भाष्यत्रय सस्तबक
९८५	चैत्यवदनादि भाष्यत्रय सस्तबक
८०५	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय सस्तबक
१०७३	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय सस्तबक
२६२४	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय
२३८१	चैत्यवदनादिभाष्यद्वय बालाव० सह
२००	चैत्यवंनादिभाष्यत्रय बालावबोध सह त्रिपाठ
१०९१	चैत्रीपूनम देववदन
५५८	चैत्रीपूनम देववंदन विधि
२४८०	चोगडीयां वगेरे ज्योतिष
२९४९	चोत्रीस अतिशय गाथा सस्तबक
२०६५	चोमासी देववंदन
१०३	चोमासी देववंदन
२२८ (१)	चोमासी देववदन विधि
१९५८	चोमासी संवच्छरी देववंदन
२११०	चोराशी आशातना गाथा सस्तबक
२१८९	चोराशी आशातना स्तबक
२५४	चोराशी वाद
२००७	चोविसजिन स्तवन
२७६३	चोवीश अतिशय स्तवन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
३२०	चोवीश जिन चैत्यवंदन सीमंधर स्वामि आदि स्तवन
३१९	चोवीश जिन स्तवन
२२५०	चोवीश जिन स्तवन
१०९३	चोवीश जिन स्तवन
१०९४	चोवीश जिन स्तवन
१८६६	चोवीशजिन स्तवन
३८७	चोवीशजिन स्तवन (श्रेयांस जिन पर्यंत)
८४१	चोवीश जिन स्तवन बालाव० सह
२२६९	चोवीश तीर्थंकर आंतरा स्तवन
१६९	चोवीशतीर्थंकरना २७ बोल आदिसग्रह
३४८	चोवीशीजिनस्तवनो (चोवीशी)
१७५९	चोवीशी दंडक ओगणत्रीश द्वार
२७०५	चोवीसजिन गीत स्तवन
२३७३	चोवीस जिन छंद
११५७	चोवीसजिन नमस्कार
७९८	चोवीसजिन स्तवन
१३१३	चोवीसजिनस्तवन
७९७	चोवीसजिन स्तवन
१३१४	चोवीसजिनस्तवन
१३३३ (१)	चोवीसजिनस्तवन
२३८०	चोवीस जिन स्तवन
२५४७ (४)	चोवीसजिन स्तवन
२१३१	चोवीस जिन स्तवन
२०५२	चोवीस जिन स्तवन
२५४७ (२)	चोवीसजिन स्तवन

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
६१९		चोवीस जिन स्तवन
४६०		चोवीसजिन स्तवन
१३५०		चोवीसजिनस्तवन
१३६६		चोवीसजिनस्तवन
१३७१	(७)	चोवीसजिनस्तवन
३०२८		चोवीस जिन स्तवन
३०२७		चोवीस जिन स्तवन
३०५७	(१)	चोवीसजिन स्तवन
३०२६		चोवीस जिन स्तवन
३०९५		चोवीस जिन स्तवन
३१११		चोवीसजिन स्तवन
२९५६	(२)	चोवीस जिन स्तवन
३००५		चोवीस जिन स्तवन
३०७४		चोवीस जिन स्तवन
३००२		चोवीस जिन स्तवन (नेमिजिन पर्यन्त)
३०२९		चोवीस जिन स्तवन (श्रेयासजिन पर्यंत)
२७३७		चोवीस जिन स्तवन आदि
७९९		चोवीस जिन स्तुति-थोय चोवीस जिन चेत्यवंदन
११५७	(१)	चोवीसजिन स्तुति थोय स्तवनादिसङ्ग्रह
२८२		चोवीस जिनादिस्तवन संग्रह
१९५६		चोवीस तीर्थंकर एकसो वीस कल्याणक स्तवन
३०२५		चोवीस तीर्थंकर जिन स्तोत्र
१४४९		चोवीस तीर्थंकरना सात बोल विचार

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२५४९		चोवीस तीर्थंकर पंचकल्याणक नमस्कार
२४५१		चोवीस तीर्थंकर परिवार स्वाध्याय
१८४६		चोवीस दंडक ओगणत्रीस द्वार
५५९		चोवीस दंडक ओगणत्रीस द्वार
१३९७		चोवीसदंडकगतिआगत
२३१२		चोवीस दंडकनी विगत
२१००		चोवीस दडक बोलविचार
२९७९		चोवीस दंडक विचार गर्भित वीरजिन स्तवन
२४५०		चोवीस दडक स्वाध्याय सस्तबक
६२२		चोवीसीजिन चौदबोल गर्भित स्तवन
५०८		चोवीसीजिन स्तवन
६२१		चोवीसीजिन स्तवन
३७३		चोवीसीजिनस्तवन नमस्कार
२३७८		चोवीसी स्तवन
२४८९		चोवीसी स्तवन
१५३१		चोसठप्रकारीपूजा
१३२		चोसठ प्रकारी पूजा
३१४३		चौद नियम
२१०४		चौमासी देववंदन अंतर्गत स्तवन सङ्ग्रह
३३४	(१)	छ आरानुं स्तवन
२१८१		छ आरा स्वरूप महावीर जिनस्तवन
२९६०		छ कायनुं स्वरूप
२२६४		छठ्ठा आरानी सज्झाय

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१०९०		छन्नु तीर्थंकर नमस्कार वीतराग नमस्कार
२४९४	(१)	छ महाव्रत सज्झाय
२३६५		छ व्रतनी सज्झाय
९५८		छान-छावण मुहूर्त्त ज्योतिप
७९६		जंबूकुमाररास
५९३		जंबूकुमार रास
३५		जंबूद्वीपचूर्णि
३०८		जंबूद्वीपसंग्रहणी
१५४		जंबूद्वीपसंग्रहणीप्रकरण सस्तबक
३		जंबूद्वीपसमास प्रकरण विनेयजनहिता टीका सह
४०३		जंबूस्वामि चरित्र बालावबोध
४०५		जंबूस्वामि चरित्र सस्तबक
८५१		जंबूस्वामि चरित्र सस्तबक
६१८	(१)	जंबूस्वामि ब्रह्मगीता
४५२		जंबूस्वामीचरित्र सस्तबक
१०८४		जन्मपत्रिका विचार सस्तबक
१११		जमालिचरित्र सस्तबक
१४६५		जमाली अध्ययन (भगवतीसूत्र अंतर्गत)
१३६३		जम्बूकुमार रास
१५२२		जम्बूकुमार रास
१६५८		जम्बूकुमार रास
१५२४		जम्बूकुमाररास किंचिदपूर्ण
१९४१		जम्बूद्वीपक्षेत्रसमासप्रकरण बालाव०सह
१२७८		जम्बूद्वीपक्षेत्रसमास प्रकरण सस्तबक

[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	जम्बूद्वीप[illegible] त्रिपाठ
[illegible]	[illegible] सटीक त्रिपाठ
[illegible]	[illegible]
[illegible]	जम्बूद्वीप संग्रहणी
[illegible] (२)	जम्बूद्वीपसंग्रहणी
[illegible]	जम्बूद्वीप संग्रहणी
[illegible]	जम्बूद्वीप संग्रहणी
[illegible]	जम्बूद्वीपसंग्रहणी त्रिपाठ
१२३५	जम्बूद्वीपसंग्रहणी प्रकरण त्रिपाठ बालावबोध सह
२४२८	जम्बूद्वीपसंग्रहणी प्रकरण सस्तबक
९३०	जम्बूद्वीपसंग्रहणी वृत्तिसह त्रिपाठ
१६५५	जम्बूद्वीपसंग्रहणी सटीक त्रिपाठ
२२५५	जम्बूद्वीपसंग्रहणी सस्तबक
११५२	जम्बूद्वीपसंग्रहणी सावचूरि त्रिपाठ
१५३२	जम्बूपृच्छारास
१९७२	जम्बूपृच्छारास
१८४२	जम्बूस्वामि चोपाई
२१९६	जम्बूस्वामि चोपाई
२८०४	जम्बूस्वामि ढाल

[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible] (२)	[illegible]
[illegible]	[illegible] अपूर्ण
[illegible]	[illegible] (अवचूरि [illegible])
[illegible]	जयतिहुअण स्तोत्र
१८५२	जयतिहुअणस्तोत्र
[illegible]	जयतिहुअणस्तोत्र
३१६२	जयतिहुअण स्तोत्र
७६४	जयतिहुअणस्तोत्र–[illegible]
८५८	जयतिहुअणस्तोत्र त्रिपाठ [illegible]
२२३५	जयतिहुअण स्तोत्र त्रिपाठ स बालावबोध अपूर्ण
१८३८	जयतिहुअणस्तोत्र सस्तबक
२५५९	जयतिहुअण स्तोत्र सस्तबक
१७१० (८)	जयसार कथा
२५९	जयविजयकुमारचरित्ररास
१०७८	जयानंदकेवलीचरित्र
२७०	जयानंदकेवलीरास
१०८५	जल्पमंजरी
२०६१	जातकपद्धति वृत्तिसह
१७३४	जातकपद्धति सवृत्ति
१७१० (६)	जित परिव्राजक कथा
२९६२	जिनचन्द्र सूरि निर्वाण रास
२२३०	जिननमस्कार आदि सङ्ग्रह
२८१७	जिननमस्कार स्तुति
१८४१	जिनपूजाधिकार

[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible] (५)	[illegible]
[illegible] (३)	[illegible]
२११८	[illegible]
२५२८	जिन प्रतिमा [illegible]
२८९८ (४)	[illegible] गीत
२९५६ (१)	[illegible]
[illegible]	जिनशतक
१६०५	जिनशतक [illegible] त्रिपाठ
१२३०	जिनशतक सावचूरि
२२९०	जिनशतक सावचूरि [illegible]
२५७९	जिन स्तवन
२४८८	जिन स्तवन
३०९ (८)	जिनस्तवन
२१९	जिनस्तवन
३११२ (२)	जिन स्तवन
२१७५	जिन स्तोत्र
१६५७	जिनस्तोत्र कोश
२१४०	जिनस्तोत्र रत्नकोश
२३५९	जिनेन्द्र स्तव
१३९७	चोवीसदंडकगतिआगत
२०८८ (२)	जिनेश्वर विनति
१०८६	जीतकल्पसूत्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१०७७	जीतकल्पसूत्र वृत्ति
६९९	जीमूतवाहन कथानक अभयदान विषये
२६१२	जीराउला पार्श्वजिन स्तवन
२७७०	जीव उत्पत्ति सज्झाय
२८०३	सुभद्रासती सज्झाय
१३३८	(१०) जीवदयोपरि-जीवराज कथा
९९६	(२३) जीवप्रतिबोध सज्झाय
८५९	जीवविचार प्रकरण
८५६	जीवविचार प्रकरण
१८६५	(२) जीवविचार प्रकरण
२४७६	जीवविचार प्रकरण
२५९४	जीवविचार प्रकरण
२८७०	जीवविचार प्रकरण
२८८९	जीवविचार प्रकरण अपूर्ण सबालावबोध
१९६९	जीवविचार प्रकरण बालावबोध
३०३०	(१) जीवविचारप्रकरण बालावबोधसह
१९७०	जीवविचार प्रकरण मूल
१३५१	जीवविचारप्रकरण सटीक त्रिपाठ
१०८०	जीवविचार प्रकरण सबालावबोध
९५५	जीवविचार प्रकरण सबालावबोध
१०८१	जीवविचार प्रकरण सबालावबोध
८५४	जीवविचारप्रकरण सस्तबक
८५२	जीवविचारप्रकरण सस्तबक
८५७	जीवविचार प्रकरण सस्तबक
८६०	जीवविचार पकरण सस्तबक
१३४९	जीवविचारप्रकरण सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१६५३	जीवविचार प्रकरण सस्तबक
१८४५	जीवविचार प्रकरण सस्तबक
१८८	जीवविचारपकरण सस्तबक
२६१३	जीवविचार प्रकरण सस्तबक
१२३१	जीवविचार प्रकरण सावचूरि
८५३	जीवविचारस्तवन
६६०	(१) जीवविचार स्तवन
१०७९	जीवानुशासन सटीक
१३	जीवाभिगमोपांगवृत्ति
६२३	जीवाभिगमोपांगसूत्र
७	जीवाभिगमोपांगसूत्र
१२	जीवाभिगमोपांगसूत्र
८१४	जीवाभिगमोपांगसूत्र
१०४१	जीवाभिगमोपांगसूत्रवृत्ति
१८४	जीवाभिगमोपांगसूत्र सस्तबक
१४८५	जीवाभिगमोपाङ्गसूत्र
१८२१	जीवाभिगमोपाङ्गसूत्र वार्तिक सस्तबक
१९६५	जैन तर्कभाषा
१७७५	(१) जेन मेघदूत काव्य
४०६	जोगीवाणीभास
२०९८	जोगीवाणी भास
६५	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र
६६	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र
३०	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र
३३२	ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र
९८०	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र
७७५	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
७७३	ज्ञाताधर्मकथागसूत्रवृत्ति
१९८९	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र वृत्ति
२९	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्रवृत्ति
२८	ज्ञाताधर्मकथागसूत्रवृत्ति
२९१७	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र सज्झाय
१८८८	ज्ञाताधर्मकथाङ्गवृत्ति
१४३१	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र
१६७१	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र
१४२५	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र
११२४	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र
१२६०	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र
१२६३	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र
११३१	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्रवृत्ति
१४०२	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र सटीक
१४६८	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र सटीक त्रिपाठ
१७३८	ज्ञाताधर्मकथाङ्गसूत्र सस्तबक
२६८७	ज्ञानक्रियासंवाद बालाव०सह
३१६४	ज्ञानतिलक
९९८	ज्ञानपंचमी-सौभाग्यपंचमी कथा
८३३	ज्ञान पंचमी कथा
११५१	ज्ञानपचमी कथा
३०६५	ज्ञानपंचमी कथा
३३६	ज्ञानपंचमीकथा
४३६	ज्ञानपंचमीकथा (सौभाग्य पंचमी कथा)
९७७	ज्ञानपंचमीकथा सस्तबक (सौभाग्य पंचमी)
२३९	ज्ञानपंचमी देववंदन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१९९	ज्ञानपचमी देववंदन
२३४३ (२)	ज्ञानपचमी सज्झाय
२५५१	ज्ञानपचमी स्तवन
३८०	ज्ञानपचमीस्तवन
३१७४	ज्ञानपचीशी
८८३	ज्ञानपचीशी बालावबोध त्रिपाठ
२६४२	ज्ञान पचीसी
२५१५	ज्ञानपचीसी अर्थसह
२५१८	ज्ञानपचीसी अर्थसह
१७९७	ज्ञानपञ्चमीकथा-सौभाग्यपञ्चमी कथा
१९०२	ज्ञानपञ्चमी कथा सस्तबक
९१३	ज्ञानप्रबोध
२३४	ज्ञानसागर-ज्ञानमंजरी टीकासह त्रिपाठ
२७८२	ज्ञानसागर प्रकरण
१३२९	ज्ञानसागर बालावबोध सह
९४५	ज्ञानसार अष्टक बालावबोध त्रिपाठ
१५५	ज्ञानसार बालावबोध सह
५९९	ज्ञानसार स्वोपज्ञ बालावबोध सह
२९९	ज्ञानसार स्वोपज्ञ बालावबोध सह
७३४	ज्ञानस्पर-पूर्णताष्टक
१९७	ज्ञानोपयोगी स्तुति स्वोपज्ञ बालावबोधसह त्रिपाठ
३७८	ज्योतिष अतरदशा आदि
२५३४	ज्योतिष नाममाला
५३३	ज्योतिष बालावबोध

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
२११	ज्योतिष बालावबोध
८६१	ज्योतिष बालावबोध
१४४७	ज्योतिष बालावबोध
१२८	ज्योतिषरत्नमाला रुचिरविवरण
२३३०	ज्योतिष विचार
१५५८	ज्योतिष सस्तबक
४२५	ज्योतिषसार
३६९	ज्योतिष सार संग्रह
१८५५	ज्योतिषसारसङ्ग्रह
१०८३ (२)	ज्वालामालिनी स्तोत्र
२४६९	झांझरीया ऋषिनी सात ढाल
२१८४	झांझरीया ऋषि सज्झाय
२९७७	झांझरीया मुनिरास
२७६५	झांझरीया मुनि सज्झाय
३१७०	झांझरीया रूषि सज्झाय
२२३६ (६)	ढंढण ऋषि सज्झाय
१६११ (७)	ढढण कुमार सज्झाय
३०५९	ढंढण कुमार स्वाध्याय
२७१९	ढंढण मुनि स्वाध्याय
२७६४	ढुंढक पचीसी
४२३	ढूंढकचर्चा
३१७	ढूढीयानी चर्चा स्थानकवासी चर्चा
२७११	ढोलामारू चोपाई
१४८९	तंदुलवैचारिक प्रकीर्णक सबालाबोध
४९८	तत्त्वार्थाधिगमसूत्र
२०३२	तत्त्वार्थाधिगमसूत्र बालावबोध
२५६७	तपागच्छ पट्टावली

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
२९२३	तपावली
२९३८	तपावली
१३१२	तर्कपरिभाषा
१८९०	तर्कपरिभाषा
९७९	तर्कभाषा
७८०	तर्कभाषा
२३५८	तर्कभाषा
३०९४	तर्कभाषा (न्याय) अपूर्ण
१९७५	तर्कभाषा अपूर्ण
२९१०	तर्कभाषाटीका अपूर्ण
२८७३	तर्कभाषाप्रकाशिका टीका
४१९	तर्कसंग्रह
२७१	तर्कसग्रह स्वोपज्ञदीपिका टीकासह त्रिपाठ
१९६३	तर्कसङ्ग्रह
१५२०	तर्कसङ्ग्रह
२००१	तर्कसङ्ग्रह दीपिका
२००२	तर्कसङ्ग्रह मूल
२७५३	ताजीक सार
३०९१	तारंगातीर्थ स्तवन
१४११	तार्किकरक्षा-व्याख्यानसार सङ्ग्रह न्यायग्रंथ
२६५१	तिजयपहुत्त स्तोत्र
२९६५	तिजयपहुत्त स्तोत्र
२६९२	तिजयपहुत्तस्तोत्र
२७१०	तिजयपहुत्त स्तोत्र
२९४३	तिजयपहुत्त स्तोत्र
२८६४	तिजयपहुत्तस्तोत्र सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२९०३	तीर्थंकर लक्षण विचार
१५३०	तीर्थकल्प
२९३६	तीर्थमाला
२३२८ (२)	तीर्थ स्तवन
९९६ (५)	तीस वीस
२९८५	तेजसिंह मुनि भास
११०५	तेर काठीया सज्झाय
२७४०	त्रण चोवीसी शाश्वताजिन वंदन
३१२७	त्रिगढा स्तवन
१२७	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र प्रथम पर्व सर्ग १-६
१७१	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र सप्तम पर्व जैनरामायण सस्त
२९८	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र अष्टम पर्व-नेमिनाथ चरित्र
२१	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टमपर्व नेमिनाथ चरित्र
८४	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र अष्टमपर्व नेमिनाथ चरित्र
१९९२	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टमपर्व नेमिनाथचरित्र
३५९	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टम पर्व नेमिनाथ चरित्र सस्तबक
८८	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र दशम पर्व. सर्ग१-१३
११३५	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र नवम पर्व
५९	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र पर्व-१०मुं (महावीर चरित्र)

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१९८०	त्रिषष्टिशलाकापुरुपचरित्र प्रथमपर्व
३१२	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र महाकाव्य दशमपर्व
५७५	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र महाकाव्य नवमपर्व प्रथम सर्ग
१६९७	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र सप्तम पर्व
२६४	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र सप्तमपर्व जैन रामायण
२१५८	त्रिषष्टिशलाकापुरुष नाम आदि बोलविचार
१५१२	त्रेपनो रास-भडलीवाक्य
२५६५	थावच्चापुत्र स्वाध्याय
३११	थोय संग्रह
६१३	दंडक अड्ढावीस बल
२४७५	दंडक ओगणत्रीश द्वार बालावबोध
५०६	दंडक ओगणत्रीस द्वारविचार
३४३	दडक ओगणत्रीस बोलविचार
६९२	दडक ओगणत्रीसी बोल विचार
११७३	दंडकत्रीस बोल विचार
१५०	दंडक त्रीस बोल विचार
६६७	दंडक प्रकरण
८००	दंडकप्रकरण
९४२	दंडकप्रकरण त्रिपाठ बालावबोध सह
६९४	दंडकप्रकरण बालावबोध सह
१६५६	दंडकप्रकरण सबालावबोध त्रिपाठ
१७८०	दंडकप्रकरण सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१६८२	दंडक प्रकरण सस्तबक
१०९२	दंडकप्रकरण सस्तबक
२५६६	दंडक प्रकरण सस्तबक
३३३	दंडकप्रकरण सस्तबक
७३९	दंडकप्रकरण सस्तबक
	सोलसंज्ञावर्णन कुलक सस्तबक
९८२	दंडकप्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ
६८७	दंडकप्रकरण स्वोपज्ञ वृत्तिसह त्रिपाठ
५०५	दंडकबोल विचार
६४२	दमयंती चंपू कथा
६३५	दमयंती चंपू कथा
१६५०	दमयंतीचंपूकथा अपूर्ण
४२१	दयाछत्रीसी
१८५	दयावेल-दयाविमलचरित्ररास
३०८०	दश अच्छेरां रास
१३३५	दश दृष्टांत कथा
२७४४	दश नियम स्थानक
२७४५	दश पच्चक्खाण स्तवन
२०९५	दश प्रत्याख्यान स्तवन प्रत्याख्यानागार
२१६३	दश प्रत्याख्यानस्तवन यतिधर्मसज्झाय
१०३०	दशविधयतिधर्मसज्झाय
१०३१	दशविधयतिधर्मसज्झाय
१४४१	दशविधयतिधर्म सज्झाय
२९७२	दशविध यतिधर्म सज्झाय
७०४ (५)	दशवैकालिक अध्ययन १-२जुं

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१८८३	(१६) दशवैकालिक अपूर्ण	८८५	दशवैकालिकसूत्र सटीक त्रिपाठ	१६३०	दशाश्रुतस्कंधचूर्णि
८५५	दशवैकालिक निर्युक्ति	१०३७	दशवैकालिकसूत्र सटीक त्रिपाठ	१७५२	दशाश्रुतस्कंध चूर्णि
१०५६	दशवैकालिक बृहद्वृत्ति	१९९९	दशवैकालिकसूत्र सबालाव०	४८६	दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति
	द्वितीयाध्ययन पर्यंत		त्रिपाठ	१७५३	दशाश्रुतस्कंध मूल
३१०७	दशवैकालिक सावचूरि पञ्चपाठ	१०१६	दशवैकालिकसूत्र सबालावबोध	१७६०	दशाश्रुतस्कधसूत्र
१००५	दशवैकालिकसूत्र	१७५१	दशवैकालिकसूत्र सबालावबोध	१२४७	दशाश्रुतस्कंध सूत्र
१९९४	दशवैकालिकसूत्र		पञ्चपाठ	१००६	दशाश्रुतस्कंधसूत्र सस्तबक
५३५	दशवैकालिकसूत्र	१४९२	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	३०३४	दस अच्छेरां
१९१६	दशवैकालिकसूत्र	१६७६	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	२८९८	(३) दादा पार्श्वनाथ स्तवन
१३७७	दशवैकालिकसूत्र	१४८१	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	४९५	दान-शील-तप-भावनाकुलक
१३७८	दशवैकालिकसूत्र	१७६१	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक		बालावबोध सह
१९१५	दशवैकालिकसूत्र	१९९६	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	५८१	दान-शील-तप-भावनाकुलक
१९६४	दशवैकालिकसूत्र	१९९८	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक		बालावबोधसह
१९१७	दशवैकालिकसूत्र	१९९५	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक	१५४३	दान-शील-तप-भावना कुलक
५२४	दशवैकालिकसूत्र अवचूरि	५५४	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक		सबालावबोध
५२३	दशवैकालिकसूत्र अवचूरि	१५१५	दशवैकालिकसूत्र सस्तबक अपूर्ण	१७७४	दान-शील-तप-भावना कुलक
१५१६	दशवैकालिकसूत्रटीका	८८६	दशवैकालिकसूत्र सावचूरि त्रिपाठ		सस्तबक
९५	दशवैकालिकसूत्र टीकासह	११९१	दशवैकालिक स्वाध्याय	१७७३	दान-शील-तप-भावना संवाद
७४	दशवैकालिकसूत्र टीकासह	५१५	दशवैकालिक स्वाध्याय	२०२३	दान-शील-तप-भावना संवाद
१४८२	दशवैकालिकसूत्र पर्याय सह	३१७५	दशवैकालिक स्वाध्याय	२२५७	दान-शील-तप-भावना सवाद
६७६	दशवैकालिकसूत्र बालावबोध	६४१	दश श्रावक चरित्र	३०३६	दान-शील-तप-भावना संवाद
८२	दशवैकालिकसूत्र बालावबोध सह	१३३६	दश श्रावक चरित्र	२८३७	दान-शील-तप-भावना सङ्ग्रह
१११६	दशवैकालिकसूत्र वार्त्तिक	९८१	दशार्णभद्र सज्झाय	१३५५	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र
	बालावलोध सह	२४६४	दशार्णभद्र सज्झाय	१०८७	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र
१९२४	दशवैकालिकसूत्र	२४५४	दशार्णभद्रस्वाध्याय	५५३	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र
	शिष्यबोधिकाटीका	३०८५	दशार्णभद्र स्वाध्याय	३८९	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र
४२४	दशवैकालिकसूत्र सज्झाय	६३७	(४) दशार्णभद्र स्वाध्याय	१०१	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र
१९१०	दशवैकालिकसूत्र सटीक	३८	दशाश्रुतस्कंध चूर्णि	१४७	दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र सस्तबक

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
६७८		दानकल्पद्रुम-धन्यचरित्र सस्तबक
६८५		दान शील तप भावना संवाद
७२०		दान शील तप भावना संवाद
१९२		दानशीलतपभावना संवाद शतक
१३३८	(५)	दानोपरि-धनदेव धनमित्र कथा
५१६		दीक्षाविधि
११९५		दीक्षाविधि
६८६		दीपालिका कल्प
७१९		दीपालिका कल्प
१९६१		दीपालिकोत्सव कल्प गद्य
१०९५		दीपालीका स्तवन
२३१८		दुरियरयसमिर स्तोत्र बालावबोध सह
१३३४		दृष्टांत शतक सस्तबक
२६६७		देव-गुरु-साधारणद्रव्यकथा
२९२७		देवदिन्न कथा
५५७		देववंदन विधि
६९३		देवाप्रभोस्तवः सामान्य जिन वृत्तिसह त्रिपाठ
७०५		देवाप्रभोस्तव रत्नाकर पंचविंशति सस्तबक
४४७		देवाप्रभोस्तव वृत्ति सह पञ्चपाठ
२५८१		देवाप्रभोस्तव सटीक त्रिपाठ
१५१०		देशनाशतक सस्तबक
४३		देशांतरी छंद
१६१४		देशीनाममाला सटीक
३११६		दोढसो कल्याणक स्तवन
२५२		द्रव्यगुणपर्यायरास

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३६६		द्रव्यगुणपर्यायरास सस्तबक
१५७७		द्रव्यगुणपर्यायरास सस्तबक
९०		द्रव्यसंग्रह सस्तबक
१७७८		द्रव्यसङ्ग्रह बालावबोधसह
१२१०		द्रव्यसङ्ग्रह वृत्तिसह
१६८७		द्रव्यसङ्ग्रह सावचूरि त्रिपाठ
१६२३		द्रौपदी चोपाई
१३२६		द्वयाश्रयकाव्य सटीक तृतीय सर्ग पर्यंत किंचिदपूर्ण
२०५६		द्रव्यानुयोगविचाररास सस्तबक
२०१७		द्वात्रिंशत् द्वात्रिशिका सटीक त्रिपाठ
२४२०		द्वादश भावना अपूर्ण
३०३८		द्वादश भावना सज्झाय
२९३२		द्वादश भावना सज्झाय
२५५३		द्वादश भावना स्वरूप विचार
९७३		द्वादश भार्वना स्वाध्याय
१६३६		द्वादश भावना स्वाध्याय
१०१०		द्वादश व्रत कथा सङ्ग्रह त्रूटक
९२२		द्वादश व्रत टीप विधि
५२७		द्वादशाभावना स्वाध्याय
४०२		द्विजवदनचपेटा सस्तबक
९२		धनंजयनिघंट नाममाला
२२०८		धनगीरी रास अपूर्ण
४४०		धनदत्तकथा पद्य
९३६	(८)	धनपतिकथा (सुपात्रदाने)
५१७	(८)	धनपति कथा (सुपात्रदाने) गद्य

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२१९३	(७)	धनपतिकथा गद्य
२२७२		धनपाल पंडित कथा
५१८		धनाअणगार स्वाध्याय
१६११	(४)	धन्ना-शालिभद्र सज्झाय
२२९२		धन्ना चउपई
५१९		धन्नाचरित्र रास
१४४६		धन्नारास
२२८५		धन्ना स्वाध्याय
२१९३	(४)	धन्यपुण्यकथा गद्य
८८७		धम्मिल कथानक पद्य
२१०२		धर्मकुलक
९९६	(१८)	धर्मजिन स्तवन
२३२६		धर्मदत्तकुमारकथा गद्य पद्य
१३६५		धर्मदेशनाकथा सङ्ग्रह
३०३३		धर्म ध्यान
२७२६	(५)	धर्मनाथ स्तवन
८९०		धर्मनाथ स्तवन
१३६८		धर्मनाथ स्तवन
६३८		धर्मपरीक्षा
११४८		धर्मपरीक्षारास
१३३८	(१७)	धर्मप्रभावे-पापबुद्धि नृप अने धर्मबुद्धिमंत्री कथा
५७		धर्मरत्नप्रकरणवृत्ति
२७७३		स्वाध्याय
४६५		धर्मोपदेशप्रकरण सस्तबक
२२७१		धर्मोपदेश सस्तबक
१३३८	(७)	धर्मोपरि-धर्मदत्त कथानक
२११७		धातु मंजरी

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	क्रमांक	पुस्तकनुं नाम	क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२३५७	धातुरूपमाला	१६९०	नंदीसूत्र बालावबोध सह	११६८	नवकार बालावबोध
८८८	धातु रूपावली	२८३०	नंदीस्तोत्र आदि सङ्ग्रह	१०७१	नवकार बालावबोध
४५३	धूर्ताख्यान बालावबोध	२६९७	नदी स्थविरावली	५६५	नवकार बालावबोध
२०८४	धूर्ताख्यान बालावबोध	३१४९	नमिऊणस्तव-भयहर स्तव	५६६	नवकार बालावबोध
६३२	ध्यानशतक बालावबोध सह हिंसाष्टक सह	३२३	नमुक्कारसि आदि प्रत्याख्यान आलावा	२६४४	नवकार बालावबोध
				२४८२	नवकार बालावबोध
५४१	ध्यानस्वरूप	२९५० (१)	नयगर्भित वीरस्तवन	२६४३	नवकार बालावबोध
१९९७	ध्यानस्वरूप	२८८८	नयचक्र	२०४८	नवकारबालावबोध अपूर्ण
२६९६	ध्यान स्वरूप	४१७	नयचक्र बालावबोध	१३५३	नवकार बालावबोध सह
१६१५	ध्यानस्वरूप	३००७	नयविचार गर्भित शांतिजिनस्तवन	७०४ (१)	नवकाररास
१६१३	ध्वजभुंजग रास-आख्यान	२९०४	नयविचार सस्तबक	४२२	नवकाररास
५१७ (७)	ध्वजभुजंग कथा (वस्त्रदाने) गद्य	२५८७	नयोपदेश प्रकरण	७०४	नवकाररास सज्झायादि
		२५८८	नयोपदेश पकरण	२७७७ (४)	नवकार स्वाध्याय
९३६ (७)	ध्वजभुजंग कथा (वस्त्रदाने)	९३४	नरपतिचर्या ज्योतिष (हीर कलश)	९९६ (१६)	नवग्रहहितोपदेश सज्झाय
२१९३ (६)	ध्वजभूजंगकथा गद्य	२०५३	नरभवदशदृष्टांत सज्झाय	१६३९	नवतत्त्व चोपाई
२१५५	नंदमणिया स्वाध्याय	२०१२	नरवर्म कथा	१८६५ (१)	नवतत्त्व प्रकरण
२०७७ (२)	नंदा स्वाध्याय	२२९५	नरवर्मनरेश्वर चरित्र	१८५३	नवतत्त्वप्रकरण
२२३१	नंदि प्रदक्षणा भास	३६	नरवर्मनृपकथा	१६५१	नवतत्त्व प्रकरण
३१५९	नंदिषेण ऋषि चोपाई	२११८ (६)	नरवाहन कथा	१०६७	नवतत्त्व प्रकरण
२७०२	नदिषेण चोपाई	१६७५	नर्मदासुंदरी कथा	३१४७	नवतत्त्व प्रकरण
२४४१	नदिषेण रास	५३४	नलदमयंती चोपाई	२६७९	नवतत्त्व पकरण
१६११ (२)	नदिषेण सज्झाय	१७१५	नलदवदंती रास	२२८४	नवतत्त्व प्रकरण
१७८९	नंदिसूत्र	२७२५	नवकार अर्थ	५४६	नवतत्त्वप्रकरण
१०२८	नंदिसूत्र	२३३१	नवकार अर्थ	११३	नवतत्त्वप्रकरण
२८२०	नंदिसूत्र	२६९५	नवकार बालावबोध	१०६१	नवतत्त्व प्रकरण अक्षरार्थ सह
११२९	नंदिसूत्रवृत्ति	१५८५	नवकार बालावबोध	२७३३ (१)	नवतत्त्वप्रकरण बालाव०सह
१३२४	नंदिसूत्र सस्तबक	१८५१	नवकार बालावबोध	२७३३ (२)	नवतत्त्वप्रकरण बालाव०सह
१८२८	नदिसूत्र सस्तबक	१७३३	नवकार बालावबोध	४७५	नवतत्त्वप्रकरण बालावबोध

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
२००३	नवतत्त्व प्रकरण बालावबोध
९७१	नवतत्त्वप्रकरण बालावबोधसह
९७५	नवतत्त्वप्रकरण बालावबोध सह
१२३६	नवतत्त्वप्रकरण मूल
१२३५	नवतत्त्वप्रकरण मूल
१७९३	नवतत्त्वप्रकरण मूल
१४६२	नवतत्त्वप्रकरण सटीक त्रिपाठ
१२३४	नवतत्त्वप्रकरण सबालाव० पञ्चपाठ
१३१९	नवतत्त्वप्रकरण सबालावबोध
८१९	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक
९५९	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक
१७९२	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
१६४०	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक
१७९१	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
१८७१	नवतत्त्व प्रकरण सस्तबक
१९९१	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
१९९३	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
३२२	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
२५७	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
५४५	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
४३३	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक
१०६६	नवतत्त्व बोल
११३८	नवतत्त्वरास
६६३	नवतत्त्वरास
२२८९	नवतत्त्व रास
२८८३	नवतत्त्व विचार
१९५३	नवतत्त्वसारोद्धार प्रकरण सावचूरि त्रिपाठ

क्रमाक	पुस्तकनुं नाम
२८५७	नवपद पूजा
१०७०	नवपद पूजा
५६२	नवपद पूजा
५६३	नवपद पूजा
८६	नवपदपूजा
१८९	नवपदपूजा
१४८	नवपद वर्णन
३०९७	नवपद स्तवन
२२७९	नवपद स्तवन
१४४३ (२)	नवपद स्तवन
२२०२	नवपद स्तवन अपूर्ण
२६९३	नववाडशील सज्झाय
२७०१	नववाडशील सज्झाय
२८१८	नववाड सज्झाय
२७६६	नववाड सज्झाय
१७७	नववाड सज्झाय
१९३	नववाड सज्झाय
३१०५	नववाड स्वाध्याय
३११८	नववाड स्वाध्याय
१६५२	नववाड स्वाध्याय
२४३६	नवाणुं प्रकारी पूजा
३९०	नवाणुं प्रकारी पूजा
२१७६	नवाणुंयात्रा पूजा
२६३९	नवाणु प्रकारी पूजा अपूर्ण
२५८६	नागकेतु कथा
२८७१	नाममाला त्रूटक
२३४६	नारंगा पार्श्व स्तवन
२८२९	नारचन्द्र जैन ज्योतिष

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
२३३६	नारचन्द्र जैन ज्योतिषांतर्गत प्रतिष्ठा–दीक्षा कुंडलिका
१७१६	नारचन्द्र ज्योतिष
१४०६	नारचन्द्र ज्योतिष टिप्पनक
७६	नारचन्द्रज्योतिष टिप्पनक
१२८१	नारचन्द्र ज्योतिष टिप्पनक
२२२५	नारचन्द्र ज्योतिष सस्तबक
२५८२	नारचन्द्र टिप्पनक
१७१० (३)	निंदकवृद्धाकथा
१६०८	निगोदषट्त्रिंशिका प्रकरण सावचूरि
१९३४	निगोदषट्त्रिंशिका प्रकरण सावचूरि त्रिपाठ
११७५ (१)	निगोदषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ
५७४ (१)	निगोदषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ
१३३८ (११)	नियमाराधनविषे–हरिबलमच्छीमार कथा
२६	निरयावलिकासूत्र
१४८४	निरयावलिकासूत्र मूल
२५७८	निरयावलिकासूत्र वृत्तिसह
१४८३	निरयावलिकासूत्र सटीक त्रिपाठ
१७९४	निरयावलिकासूत्र सस्तबक
११८८	निरयावलिकासूत्र सस्तबक
२५८५	निशाविराम कुलक सस्तबक
११२३	निशीथचूर्णि
१९८२	निशीथसूत्र
७३३ (३)	निश्चय व्यवहार स्वाध्याय
२३२३	नीतिशतक सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२५२७	नेम-राजुल गीत
२०५०	नेमनाथचरित्र
२८६०	(९) नेमनाथ बारमास
२५६२	नेमराजुल पंदर विधि
२९९०	नेमि-राजीमति बारमासा नेमिगीत
१३३८	(२०) नेमिचरित्र
२१८६	(७) नेमिजिन गीत
२१८६	(१४) नेमिजिन गीत
३०२०	नेमिजिनगीत आदि सङ्ग्रह
२४१९	नेमिजिन भ्रमरगीता आदि
५२०	नेमिदूत काव्य (मेघदूत अंत्यपाद पूर्तिरूप)
२७२३	नेमिनाथ धवल
११०	नेमिनाथ बारमास
८९६	नेमिनाथ रास
२७६८	नेमिनाथ समयसरण स्तवन
२८४८	नेमिनाथ समवसरणविचार स्तवन
२४६६	(१) नेमिनाथसमवसरण स्तवन
२२२०	नेमिनाथ स्तवन
२६१०	नेमिनाथ स्तवन
२१८७	नेमिनाथ स्तवन
३००१	नेमिनाथ स्तवन
३११५	नेमिनाथ स्तवन
३३४	(७) नेमिनाथ स्तवन
११०२	(२) नेमिस्तव
२८३	नैषधकाव्यतृतीयसर्ग टीकासह अपूर्ण
१८८१	नैषध काव्य त्रूटक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२८७६	नैषधकाव्य सटीक त्रिपाठ
१७८४	नैषध महाकाव्य
१२५४	न्यायकंदली
११३०	न्यायकदली टीका
१९३१	न्यायग्रन्थ अनुमानादि
२०५५	न्यायग्रन्थत्रूटक अपूर्ण
४४	न्यायावतार टिप्पनक
१४२२	न्यायावतारविवरण
२०५७	पंचकल्प चूर्णि
२३२४	पंचकल्याणक तपविधि
३४७	पंचकल्याणतपविधि आदि
२०१	पंचज्ञान पूजा
२०२१	पंचतीर्थंकर नमस्कार
१९५७	पंचनिर्गन्थी प्रकरण सस्तबक
७७७	पंचनिग्रंर्थी प्रकरण अवचूरि
७७६	पंचनिग्रंर्थी प्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ
४३४	पंचनिग्रर्नथीप्रकरण सस्तबक
२७१३	पंचपद नमस्कार स्वाध्याय
२४७०	पंचपरमेष्ठि गुण
२८३१	पंचपरमेष्ठि नमस्कार नवपद विचार
२८०९	पंचपरमेष्ठि सज्झाय
५४७	पंचप्रतिक्रमणविधि
७००	पंचप्रतिक्रमणविधि अपूर्ण
२४६८	पंचभावना वेल
४३९	पंचभावना स्वाध्याय
३०९	(१२) पंचमहाव्रतपंचभावना
२२५१	पंचमहाव्रत सज्झाय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२७७७	(२) पंचमहाव्रत स्वाध्याय
३०९	(१५) पंचमिथ्यात्व परिहार सज्झाय
२३१४	पंचमी आदि तपोच्चारण आलापक
९७८	पंचमीगर्भित स्तवन
१४५३	पंचमी चैत्यवंदन आदि
२८६०	(७) पंचमी स्तव
२८४२	पंचमी स्तवन
३१७२	(१) पंचमी स्वाध्याय
५६१	पंचवस्तुक सूत्र सटीक
२२१८	पंच व्यवहार वृत्तिसह
१०६३	पंचसङ्ग्रहप्रकरण टीका सह
२२३४	पंचसूत्र
४३२	पंचसूत्र-पापप्रतिघात बीजगुणाधान
१२९८	पंचसूत्र पापप्रतिघातगुणबीजाधान प्रवज्याफल अवचूरिसह त्रिपाठ
२०३१	पंचस्वरशब्दसङ्ग्रह
३१९९	पंचांग सं. १९३२नुं
८४०	पंचाख्यान बालावबोध
६०२	पंचाचार आलोयणा विचार
	पंचाचार अतिचार
२६००	पंचानुष्ठान पंचवीसी
९९६	(६) पंचानुष्ठान वीसी
१०६५	पंचाशप्रकरण सटीक
१०६४	पंचाशप्रकरण सटीक
३११३	(६) पंचासर पार्श्वजिन स्तवन
२६५३	पंचोतेर बोल सङ्ग्रह
९९६	(१७) पंदर तीथी सज्झाय
२७९४	पंन्यास मुक्तिविमलजी जीवन चरित्र पद्य

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
५४३	पगाम सज्झाय विचार
३१४२	पजुसण सज्झाय
२०९६ (१)	पजुसण सज्झाय
१७९५	पञ्चकल्प भाष्य
१५२१	पञ्चकल्याणकगर्भित महावीर जिन स्तवन
१८०९	पञ्चम कर्मग्रंथ (शतक) बालावबोध सह
१८१०	पञ्चम कर्मग्रंथ(शतक) सस्तबक
१७८३	पञ्चसूत्र-पापप्रतिघात गुणबीजाधानसूत्रवृत्ति
२१९२	पट्टावली
२९८६	पडिकमण चोपाई बालावबोधसह
१६११ (९)	पडिलेहण स्वाध्याय
३१२२	पडिलेहणाकुलक सस्तबक
२५१७	पद
२१७२	पद
२४४४	पद-स्वाध्याय सङ्ग्रह
२२४६	पदसङ्ग्रह
३१३२	पदसङ्ग्रह
२४३४	पद्मद्रह वर्णन
२६५०	पद्मद्रह विचार
१७४ (३)	पद्मप्रभजिन स्तवन
९३६ (२)	पद्माकर कथा (शय्यादांने)
५१७ (२)	पद्माकर कथा (शय्यादाने) गद्य
२८००	पद्मावती स्तुतिमंत्र गर्भित स्तोत्र
२४३७	पद्मावती स्तोत्र

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२५६१	पन्नवणासूत्र अंतर्गत द्वितीयोद्धेश
२८३३	परचुरण पत्रो जुदा जुदा
५७९	परदेशीराजाचोपाई
५७८	परदेशीराजारास
१४४५	परदेशीराजारास
२९८७	परनिंदापरिहार स्वाध्याय
२२०१	परमकुख द्वात्रिंशिका सबालावबोध
५७४ (२)	परमाणुखंडषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ
११७५ (२)	परमाणुखंडषट्त्रिंशिका सटीक त्रिपाठ
५१४ (१)	परमाणुखंडषट्त्रिंशिका सावचूरि पञ्चपाठ
२४३१	परमात्मा छत्रीसी
२४७९	परमानंद पचीसी
७५०	परिशिष्टपर्व
१६४३	परिशिष्ट पर्व
१६४४	परिशिष्ट पर्व सर्ग. १ थी १३
३९	परिशिष्टपर्व सर्ग १-१३
२१३७	पर्यंताराधना
३३०	पर्यंताराधना प्रकरण सस्तबक
१७०२	पर्यंताराधनाप्रकरण सस्तबक
१७१९	पर्यंताराधनाप्रकरण सस्तबक
१४८८	पर्यंताराधनाप्रकरण सस्तबक सम्यक्त्वोच्चार आलापक
२७८७ (१)	पर्यंताराधना प्रकरण सावचूरि त्रिपाठ

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२८१०	पर्यन्ताराधना प्रकरण
२३३७	पर्यन्ताराधना सस्तबक
१४४८	पर्युषण स्वाध्याय
२६०९	पवनविजय ग्रन्थ
२४२३	पांचअणुव्रतो परिकथा
२२६६	पाचकारणगर्भित जिन स्तवन
२१६८	पांचकारणगर्भित महावीर जिन स्तवन
२७७६	पांचकारणगर्भित वीरजिन स्तवन
२०९६ (७)	पांचमा आरानी सज्झाय
२८०७	पांचवधामणा स्तवन
१३६	पांडव चरित्र महाकाव्य
१३७०	पांडवरास किंचिदपूर्ण
३०८१	पांत्रीश वचनातिशय स्तवन
२७५२	पाक्षिक अतिचार
२८८१	पाक्षिकक्षामणक
२३३५	पाक्षिक क्षामण सावचूरि पञ्चपाठ
२९५८	पाक्षिक प्रतिक्रमण छीं विचार
२८८२	पाक्षिकप्रतिक्रमणविधि
२८०८	पाक्षिकसूत्र
२८१४	पाक्षिकसूत्र
२४६१	पाक्षिक सूत्र
५५१	पाक्षिकसूत्र
७४८	पाक्षिकसूत्र
८३	पाक्षिकसूत्र-पाक्षिकक्षामणा
५४२	पाक्षिकसूत्र-पाक्षिकक्षामणा
७४७	पाक्षिकसूत्र-पाक्षिक क्षामणा-अवचूरि

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१५४८		पाक्षिकसूत्र-पाक्षिक खामणा
७४२		पाक्षिकसूत्र
		पाक्षिक-क्षामणा-अवचूरि
८४२		पाक्षिकसूत्र पाक्षिक क्षामणा
९६४		पाक्षिकसूत्र पाक्षिकखामणा
१०१५		पाक्षिकसूत्रवृत्ति
७६३		पाक्षिकसूत्र वृत्ति
८४६		पाक्षिकसूत्र सस्तबक
४७३		पाक्षिकसूत्र सस्तबक
७४९		पाक्षिकसूत्र सस्तबक अपूर्ण
२४६६	(२)	पाक्षिक स्तुति (स्नातस्या)
२२५८		पाणिनीय परिभाषा
२८५२		पादादौ गण शुभाशुभफल काव्य
२८९७		पापबुद्धि-धर्मबुद्धि कथा
५३९		पापबुद्धि धर्मबुद्धि कथा
३३४	(३)	पार्श्वजिनस्तवन
२२३८	(८)	पार्श्व जिन स्तवन
११५७	(४)	पार्श्वजिन स्तवन
३०७०		पार्श्वनाथ कलश
९९६	(१४)	पार्श्वनाथ केवलज्ञान स्तवन
१७२४		पार्श्वनाथ गीता
२९५		पार्श्वनाथगीता
२८६३		पार्श्वनाथ गीता
२७६		पार्श्वनाथगीता-राजगीता
१५१७		पार्श्वनाथचरित्र गद्य
११३४		पार्श्वनाथचरित्र गद्य
१०६८		पार्श्वनाथचरित्र गद्य
१०२		पार्श्वनाथचरित्र पद्य

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१३७		पार्श्वनाथचरित्र पद्य सस्तबक
११४१		पार्श्वनाथचरित्र महाकाव्य पद्य सर्ग
		१ थी ८
२७२४	(१)	पार्श्वनाथ छंद
१९३२	(१२)	पार्श्वनाथजिनस्तवन
१९३२	(१८)	पार्श्वनाथजिनस्तवन
८३१	(२०)	पार्श्वनाथजिन स्तवन
१२५५		पार्श्वनाथदशभव स्तवन
१२५६		पार्श्वनाथ दशभवांतर विवाहलो
२९३३		पार्श्वनाथनी राजगीता
२५६०		पार्श्वनाथ नीशानी
९९६	(१०)	पार्श्वनाथ पंचकल्याणक
१०८३	(१)	पार्श्वनाथ महाविद्याभयस्तोत्र
२९५५		पार्श्वनाथ लावणी
२८६७		पार्श्वनाथ लावणी
२५५७		पार्श्वनाथ विवाहलु
२५२७	(२)	पार्श्वनाथ स्तवन
२४३३		पार्श्वनाथ स्तवन
२१४९		महावीर स्तवन
२७२६	(२)	पार्श्वनाथ स्तवन
२७२६	(४)	पार्श्वनाथ स्तवन
२७२६	(६)	पार्श्वनाथ स्तवन
३०४७		पार्श्वनाथ स्तवन
७३३	(५)	पार्श्वनाथ स्तवन
७३३	(४)	पार्श्वनाथ स्तवन
८३१	(१४)	पार्श्वनाथ स्तवन
६३७	(१)	पार्श्वनाथस्तवन
४१२	(६)	पार्श्वनाथ स्तवन

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३३४	(९)	पार्श्वनाथस्तवन
१३७१	(१४)	पार्श्वनाथ स्तवन
९५०		पार्श्वनाथ स्तवन सङ्ग्रह
२७८५		पार्श्वनाथ स्तवन सस्तबक
३१०६	(३)	पार्श्वनाथ स्तोत्र
११३३		पार्श्वनाथस्तोत्र वृत्तिसह च
		क्रेश्वरीदेवी स्तोत्र
२११८	(५)	पालगोपाल कथा
१३३८	(२)	पालगोपाल कथा भाग्य विशे
२८१६		पाशाकेवली
१५७३		पाशा केवली-शकुनावली
२५१६		पिंडबत्रीसी
२४०९		पिंडविशुद्धि चोपाई
१८८३	(६)	पिंडविशुद्धि प्रकरण
१८७३	(७)	पिंडविशुद्धि प्रकरण
३३		पिंडविशुद्धिप्रकरण
७६२		पिंडविशुद्धि प्रकरण दीपिकासह
१२६२		पिंडविशुद्धि प्रकरण सस्तबक
२०६६		पिंडविशुद्धिप्रकरण सस्तबक
२३३९	(१)	पिंडविशुद्धिप्रकरण सावचूरि
२६३२		पिंडविशुद्धि बत्रीसी
२२१५		पिंडविशुद्धि सज्झाय
२४४८		पीठीका भावना
२१७९		पीस्तालीशआगमगर्भित अष्टप्रकारी
		पूजा
९९२		पीस्तालीशआगमगर्भित अष्ट
		प्रकारीपूजा
३२८		पीस्तालीश आगमपूजा

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१४६	प्रतिष्ठा कल्प
५६४	प्रतिष्ठा कल्प
२४६	प्रतिष्ठाकल्प
१४१७	प्रतिष्ठाकुलक
१८८३	(५) प्रत्याख्यानकुलक
१८६५	(६) प्रत्याख्यानभाष्य
८४७	प्रत्याख्यानभाष्य सस्तबक
२०९७	प्रत्याख्यान विचार आदि
४३७	प्रत्येकबुद्ध चरित्र
३४९	प्रत्येकबुद्धचरित्र (कर्णिकावृत्तिगत)
८९८	प्रद्युम्न चरित्र पद्य
७५२	प्रबोधचितामणि
४६७	(२) प्रभजनानी सज्झाय
७०३	प्रभातप्रतिक्रमण विधि
१३६९	प्रमाणनयतत्त्वलोकालंकार रत्नाकरावतारिका लघु टीका
१४३३	प्रमाणनयतत्त्वालोकालकार रत्नाकरावतारिका लघुटीका
११३७	प्रमाणमीमांसा स्वोपज्ञ वृत्ति
५३	प्रमाणवार्त्तिक स्वोपज्ञवृत्ति सह प्रथम परिच्छेद
९९४	प्रवचनसारोद्धारगत गाथाओ
१२९९	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण
१३००	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण
१२४	प्रवचनसारोद्धारप्रकरण अपूर्ण
१२५	प्रवचनसारोद्धारप्रकरण विषमपदार्थी टीका

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१४००	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण सटीक
८८४	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण सस्तबक
१००	प्रवचनसारोद्धार प्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ
८९७	प्रवचनसारोद्धार सटीक
१३३	प्रवचनसारोद्धार सस्तबक
५८८	प्रव्रज्याविधान प्रकरण त्रिपाठ वृत्तिसह
२८४७	प्रव्रज्याविधि-दीक्षाविधि
२९५७	प्रव्रज्याविधि दीक्षाविधि
२२४१	प्रव्रज्याविधि दीक्षाविधि
१४३	प्रशमरतिप्रकरण वृत्तिसह
२६९	प्रशमरतिप्रकरण वृत्तिसह
१८०७	प्रशमरतिप्रकरण सटीक
८०६	प्रशस्तपाद भाष्य-द्रव्य संग्रह
१०५०	प्रश्नव्याकरण वृत्ति
१०५४	प्रश्नव्याकरणसूत्र
५४	प्रश्नव्याकरणसूत्र
९	प्रश्नव्याकरणसूत्र
१४७३	प्रश्नव्याकरणसूत्र टीका अपूर्ण
१२३	प्रश्नव्याकरणसूत्र बालावबोधसह पञ्चपाठ
१०५२	प्रश्नव्याकरणसूत्रवृत्ति
१०५३	प्रश्नव्याकरणसूत्रवृत्तिं सह त्रिपाठ
१८३९	प्रश्नव्याकरणसूत्र सटीक त्रिपाठ
१५६१	प्रश्नव्याकरणसूत्र सस्तबक
१४९३	प्रश्नव्याकरणागसूत्र
२१९९	प्रश्नोत्तर

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
२५५०	प्रश्नोत्तर अपूर्ण
२६३३	प्रश्नोत्तररत्नमाला
१८२४	प्रश्नोत्तररत्नाकर-सोमप्रश्न
५२८	प्रस्ताविक श्लोक
४७४	प्राकृतव्याकरण सिद्धहेमशब्दानुशासन स्वोपज्ञवृत्ति अष्टमोऽध्याय
३०१०	प्रास्ताविक
२३४८	प्रास्ताविक
३६८	प्रियंकरनृपकथा
५७४	(४) बंधषट्त्रिशिका सटीक त्रिपाठ
११७५	(४) बंधषट्त्रिशिका सटीक त्रिपाठ
५१४	(३) बंधषट्त्रिशिका सावचूरि पञ्चपाठ
३९२	बंधस्वामित्व प्रकरणसस्तबक (कर्मग्रथ तृतीय)
२०२४	बंधस्वामित्वप्रकरण सस्तबक तृतीय कर्मग्रन्थ
१४८६	बधहेतूदयत्रिभगी वृत्तिसह पञ्चपाठ
१४८७	बधहेतूदयत्रिभगी वृत्तिसह पञ्चपाठ
१७१०	(२) बधिरकुटुबकथा
३०९९	(२) बनारसी विलास
१२२	बनारसीविलास भाषा
१९४५	बलभद्रऋषि स्वाध्याय
१११५	(१) बलिनरेन्द्र कथा
५२५	बलिनरेन्द्र कथा गद्य
२९२५	बहुश्रुत अध्ययन
२२२९	बार आरानु स्तवन
२३१३	बार भावना

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
३१३९		बार भावना
२८२७		बार भावना
२९१२		बार भावना
२२०४		बार भावना भास
२५७०	(२)	बारभावना सज्झाय
१३०१		बारभावना स्वाध्याय
५७६		बारभावना स्वाध्याय
३१८७	(११)	बारमास
३२०४		बार व्रत टीप
३२०३		बार व्रत टीप
३२०२		बार व्रत टीप
३२०१		बार व्रत टीप
३१९८		बार व्रतनी टीप
१०८		बारव्रत पूजा
११८९		बारव्रत स्वाध्याय
१३०२		बाराभावना स्वाध्याय
२०२८		बाल विवेकनी
२२४७		बालावबोध ज्योतिष
२५०९		बावीस अभक्ष्य गाथा सस्तबक
३०३०	(२)	बावीस परिसह तथा बारभावनावर्णन गद्य
४६३		बासठ मार्गणा चौद गुणठाणा विचार
३०१२		बासठ मार्गणाद्वार कोष्ठक
९२३		बासठ मार्गणा द्वारविचार
१४९		बासठीया बोल स्तवन (बासठ मार्गणाद्वार)
३१८९		बाहुबलीनी सज्झाय

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
९७४		बिंबप्रवेशविधि
२४०६	(१)	बीजनुं स्तवन
२११४		बुद्धिरास
१७१०	(४)	बुद्धिसिद्धि स्थविरा कथा
६२७		बृहत्कल्प चूर्णि
३१९६		बृहत्कल्प मूल
७१		बृहत्कल्पसूत्र तृतीयखंड निर्युक्ति टीका सह
७२		बृहत्कल्पसूत्र द्वितीयखंड निर्युक्ति टीका सह
७०		बृहत्कल्पसूत्र प्रथमखड निर्युक्ति टीका सह
२७३६		बृहत्कल्पसूत्र सस्तबक अपूर्ण
२३५६		श्रावक अतिचार
२८५३		बृहत् शांति स्तव
१८७३	(२)	बृहत्सङ्ग्रहणी
१०५८		बृहत् सप्तपदिका
२६३४		भक्तामर पद्यानुवाद
२१९७		भक्तामरस्तव वृत्तिसह
२२८०		भक्तामर स्तोत्र
१८८३	(१३)	भक्तामरस्तोत्र
१७१३	(१)	भक्तामरस्तोत्र
१७२२		भक्तामरस्तोत्र
१६८९		भक्तामरस्तोत्र
१७२१		भक्तामरस्तोत्र
२९९६		भक्तामरस्तोत्र
३१५०		भक्तामर स्तोत्र
२८८४		भक्तामर स्तोत्र

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२९७४		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध
६८८		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध
६९०		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध त्रिपाठ
१०५५		भक्तामरस्तोत्र बालावबोधसह
१७२३		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध सह
५७३		भक्तामरस्तोत्र बालावबोधसह
२९९७		भक्तामरस्तोत्र रागमाला
६८९		भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह
७२७		भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह
५३७		भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
१०७२		भक्तामर स्तोत्र सटीक
१२०३		भक्तामरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ
१९३६		भक्तामरस्तोत्र सबालावबोध
१२६१		भक्तामरस्तोत्र सवृत्ति त्रिपाठ
१९३५		भक्तामरस्तोत्र सस्तबक
२३११	(२)	भक्तामर स्तोत्र सस्तबक
३७१		भक्तामरस्तोत्र सावचूरि
२६०४		भक्तामरस्तोत्र सावचूरि सस्तबक
८०७		भक्ष्य विगयना निवियाताना त्रीशबोल
२०९६	(३)	भक्ष्याभक्ष्य सज्झाय
८६६		भगवतीसूत्र
४८		भगवतीसूत्र
२३		भगवतीसूत्र
१		भगवतीसूत्र
५५		भगवतीसूत्र अपूर्ण त्रूटक
१७४१		भगवतीसूत्र गमाविचार
१२४५		भगवतीसूत्र द्वादशशतके प्रथम द्वितीय उद्देशो सस्तबक

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३१३९		बार भावना
२८२७		बार भावना
२९१२		बार भावना
२२०४		बार भावना भास
२५७०	(२)	बारभावना सज्झाय
१३०१		बारभावना स्वाध्याय
५७६		बारभावना स्वाध्याय
३१८७	(११)	बारमास
३२०४		बार व्रत टीप
३२०३		बार व्रत टीप
३२०२		बार व्रत टीप
३२०१		बार व्रत टीप
३१९८		बार व्रतनी टीप
१०८		बारव्रत पूजा
११८९		बारव्रत स्वाध्याय
१३०२		बाराभावना स्वाध्याय
२०२८		बाल विवेकनी
२२४७		बालावबोध ज्योतिष
२५०९		बावीस अभक्ष्य गाथा सस्तबक
३०३०	(२)	बावीस परिसह तथा बारभावनावर्णन गद्य
४६३		बासठ मार्गणा चौद गुणठाणा विचार
३०१२		बासठ मार्गणाद्वार कोष्ठक
९२३		बासठ मार्गणा द्वारविचार
१४९		बासठीया बोल स्तवन (बासठ मार्गणाद्वार)
३१८९		बाहुबलीनी सज्झाय

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
९७४		बिंबप्रवेशविधि
२४०६	(१)	बीजनुं स्तवन
२११४		बुद्धिरास
१७१०	(४)	बुद्धिसिद्धि स्थविरा कथा
६२७		बृहत्कल्प चूर्णि
३१९६		बृहत्कल्प मूल
७१		बृहत्कल्पसूत्र तृतीयखंड निर्युक्ति टीका सह
७२		बृहत्कल्पसूत्र द्वितीयखंड निर्युक्ति टीका सह
७०		बृहत्कल्पसूत्र प्रथमखंड निर्युक्ति टीका सह
२७३६		बृहत्कल्पसूत्र सस्तबक अपूर्ण
२३५६		श्रावक अतिचार
२८५३		बृहत् शांति स्तव
१८७३	(२)	बृहत्सङ्ग्रहणी
१०५८		बृहत् सप्तपदिका
२६३४		भक्तामर पद्यानुवाद
२१९७		भक्तामरस्तव वृत्तिसह
२२८०		भक्तामर स्तोत्र
१८८३	(१३)	भक्तामरस्तोत्र
१७१३	(१)	भक्तामरस्तोत्र
१७२२		भक्तामरस्तोत्र
१६८९		भक्तामरस्तोत्र
१७२१		भक्तामरस्तोत्र
२९९६		भक्तामरस्तोत्र
३१५०		भक्तामर स्तोत्र
२८८४		भक्तामर स्तोत्र

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२९७४		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध
६८८		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध
६९०		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध त्रिपाठ
१०५५		भक्तामरस्तोत्र बालावबोधसह
१७२३		भक्तामरस्तोत्र बालावबोध सह
५७३		भक्तामरस्तोत्र बालावबोधसह
२९९७		भक्तामरस्तोत्र रागमाला
६८९		भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह
७२७		भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह
५३७		भक्तामरस्तोत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
१०७२		भक्तामर स्तोत्र सटीक
१२०३		भक्तामरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ
१९३६		भक्तामरस्तोत्र सबालावबोध
१२६१		भक्तामरस्तोत्र सवृत्ति त्रिपाठ
१९३५		भक्तामरस्तोत्र सस्तबक
२३११	(२)	भक्तामर स्तोत्र सस्तबक
३७१		भक्तामरस्तोत्र सावचूरि
२६०४		भक्तामरस्तोत्र सावचूरि सस्तबक
८०७		भक्ष्य विगयना निवियाताना त्रीशबोल
२०९६	(३)	भक्ष्याभक्ष्य सज्झाय
८६६		भगवतीसूत्र
४८		भगवतीसूत्र
२३		भगवतीसूत्र
१		भगवतीसूत्र
५५		भगवतीसूत्र अपूर्ण त्रूटक
१७४१		भगवतीसूत्र गमाविचार
१२४५		भगवतीसूत्र द्वादशशतके प्रथम द्वितीय उद्देशो सस्तबक

पाटण भाभाना पाडामा रहेला विमलगच्छना उपाश्रयना जैन ज्ञानभडारना हस्तलिखित ग्रथोनो अकारादिक्रम

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
३०५	(२) भगवतीसूत्रनी सज्झाय
२६७६	भगवतीसूत्र प्रथम शतक स्वाध्याय
१४५२	भगवतीसूत्र बीजक टीप
१५३४	भगवतीसूत्र मूल
२२	भगवतीसूत्रवृत्ति
२	भगवतीसूत्रवृत्ति
८६७	भगवतीसूत्र वृत्ति
१०४४	भगवतीसूत्रवृत्ति
९३२	भगवतीसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ त्रूटक
२२३	भगवतीसूत्र सज्झाय
११०२	(४) भगवतीसूत्र स्वाध्याय
३०११	(२) भमरागीत
१८८३	(१४) भयहरस्तोत्र
३१४८	भरत-बाहुबली छंद
२७००	भरतबाहुबली अधिकार
३०४८	भरतेश्वर-बाहुबली स्वाध्याय
२६८	भरतेश्वरबाहुबली सज्झाय सस्तबक वृत्ति
२३१०	भरतेश्वर बाहुवलि सज्झाय पंच
	कल्याणक स्तुति
१६१	भर्तृहरिवैराग्यशतक सटीक
२९३७	भलानो अर्थ कक्कडानो अर्थ
३०२	भवदत्त आदि सज्झाय संग्रह
३०२	(१) भवदत्त सज्झाय
३०९	(१३) भवदेव सज्झाय
१११५	भवभावना अंतर्गत
१००३	भवभावना प्रकरण
५२२	भवभावना प्रकरण सस्तबक

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
२४८४	भविष्यदत्ताख्यान (ज्ञानपचमी माहात्म्ये)
४९२	(८) भाभापाडानाभाभापार्श्वनाथ स्तवन
३११३	(७) भाभा पार्श्वजिन स्तवन
२६०८	भावनावेली
२५७०	(१) भावनावेली सज्झाय
२२४९	भावना श्लोक
२३८५	भाव प्रकरण
२४२९	(१) भावप्रकरण
७२६	भावप्रकरण बालावबोध सह
२८०२	भावप्रकरण सस्तबक
२५९९	भावाध्याय मासफल
१४१९	भाषापद
२६२३	भाषामजरी
३११३	(९) भीडभजन पार्श्वजिन स्तवन
१३३३	(२) भीडभजन पार्श्वनाथ स्तवन
१४१८	भुवनदीपक सस्तबक
१११५	(२) भुवनभानु केवली कथा
२४६७	भूगोलशास्त्र
३१६९	भोजनविधि
३०००	(१) भोजराज-धनपाल प्रबंध
३०८६	भ्रमरगीत
२६८२	भ्रमर गीता-नेमिनाथ गीता
२३३१	भ्रमरगीता नेमिगीता
२७५०	मंगल मालिका
२९६९	मंगलीक
११४	मंडलप्रकरण सटीक त्रिपाठ
२१६०	मंत्राक्षर गर्भित पद्मावती स्तोत्र

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
४६६	मन्त्रावली (नवग्रहपूजन)
२९७३	मत्स्योदर रास
२५२६	मदनभ्रमराजर्षि प्रबंध
२२७६	मधुबिंदु स्वाध्याय
२७७७	(३) मधुबिंदु स्वाध्याय
२९८०	मनकमुनि स्वाध्याय
२५६३	मनकमुनि स्वाध्याय
२७४१	मनोरथमाला
२४७२	मन्नह जिणाणं सज्झाय
२५२४	मन्नह जिणाण स्वाध्याय सस्तबक
३१४०	मन्ह जिणाणं सज्झाय
१७४	(१) मयणरेहा सज्झाय
९९६	(११) मरुदेवी सज्झाय
६८०	मलयसुंदरी-महाबलरास
१७४९	मलयसुदरी रास
९६७	महादडक-अल्पबहुत्व बोल विचार
२३९६	महादंडक स्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ
२९८२	महादेव द्वात्रिंशिका सस्तबक
१९७४	महादेव सारणी अपूर्ण
३१७१	महादेव स्तवन
११२२	महानिशीथ सूत्र
१४०	महानिशीथ सूत्र
११७	महानिशीथ सूत्र
११८	महानिशीथ सूत्र
११६	महानिशीथ सूत्र
१४५६	महानिशीथसूत्र त्रूटक
३९१	महापुराण विनती

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३०९८		महावीर जिन निर्वाण स्तवन
११०३		महावीर जिन निर्वाण स्तवन
७२१		महावीरजिन निर्वाण स्तवन
३१६१		महावीर जिन पंचक कल्याणक स्तवन
६३७	(६)	महावीरजिन स्तवन
२१५१		महावीर जिन स्तवन
१३७१	(१७)	महावीरजिनस्तवन
१४५०		महावीरजिनस्तवन
१९३२	(१६)	महावीरजिनस्तवन
१७२०		महावीर जिन स्तवन
१६८४		महावीर जिन स्तवन
१४४३	(४)	महावीरजिनस्तवन
१६७९		महावीर जिन स्तवन
१९३२	(१५)	महावीरजिनस्तवन
११५९		महावीरजिनस्तवन
८३१	(१८)	महावीरजिन स्तवन
११७१		महावीरजिनस्तवन
८३१	(१७)	महावीरजिन स्तवन
११२		महावीरजिनस्तवन बालावबोध सह
२९९५		महावीर जिन स्तवन सस्तबक
१४५१		महावीर रागमाला
९०३	(२)	महावीर स्तवन
११५७	(५)	महावीर स्तवन
२१४९		महावीर स्तवन
२७८७	(२)	महावीरस्तुति सावचूरि त्रिपाठ
२९२४		महावीरस्वामि पारणु

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२१५७		महावीर स्वामि स्तवन
२५८		महिम्नाख्य पार्श्वनाथ स्तोत्र
८७		महीपालकथा
१७५०		महीपाल चरित्र
३०४१		मांकण रासु
३१५६	(१)	मांकण स्वाध्याय
२२३८	(१)	मातृका बावनी
२२३८		मातृका बावनी सङ्ग्रह
२०१०		माधवानल कामकंदला चोपाई
११९		मानतुंगमानवती रास
१८७२		मानतुग मानवती रास
२४८		मानमंजरीनाममाला
२४४६		मान स्वाध्याय
३११३	(३)	मान स्वाध्याय
२७३५		मायाबीजकल्प
३११३	(४)	माया स्वाध्याय
२८५४		मुक्ताफलमान स्वाध्याय
१७०४		मुक्तावली न्यायशास्त्र
१४०५		मुनपति कथानक
२३७२		मुनिगुण स्वाध्याय
३०६३		मुनिगुणस्वाध्याय
२५४३		मुनिदान विषयक कथा सङ्ग्रह
२४८६	(१)	मुनिधर्मस्वाध्याय
२३९०	(२)	मुनिपति चरित्र
१३९५		मुनिपति चरित्र
१६३१		मुनिपतिचरित्र बालावबोध
५३८		मुनिपतिचरित्र रास
१६३		मुनिपतिचरित्र सस्तबक

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२७६०		मुनिसुव्रत जिन आदि स्तवन सङ्ग्रह
३१८७	(१२)	मुनिसुव्रत जिन पंदरतीथी
२२२६		मुनि स्वाध्याय
२१२७		मुहपत्तिना ५० बोल
२८०१		मुहुर्त्त मुक्तावली सस्तबक
५०३		मृंगाकलेखा रास
२३४२		मृगांकलेखा रास
२४०		मृगापुत्रनी सजझाय
६३७	(३)	मृगापुत्र स्वाध्याय
१९२६		मृगावती चरित्र
२६०१		मृगावती सज्झाय
२८६५		मेघकुमार भास
३१२०		मेघकुमार स्वाध्याय
२१८३		मेघकुमार स्वाध्याय
२१४६		मेघदूत काव्य
९३१		मेघदूत काव्य
१६६४		मेघदूत काव्य सटीक त्रिपाठ
१०५१		मेघदूत काव्य सावचूरि पञ्चपाठ
१३३८	(२१)	मेघनादकथा
२७९८		मेघनाद कथा गद्य
२११८	(४)	मेतार्य कथा
२२५९		मेत्राणा तीर्थस्तवन
२७३८		वयरस्वामि स्वाध्याय
२३१७		मेघदूत काव्य
१६९९		मेधदूतकाव्य सटीक त्रिपाठ
१३०		मेरुत्रयोदशी कथा
३१६५		मेरुपर्वतवर्णन

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१९६७	मेघादि बाराशी स्थितचन्द्र नियाण
१७४ (२)	मोतीचंद शेठना जलयात्रा वरघोडानां गीत
२७४३	मोहनीगनां स्थानक
२६९८	मोहराज स्तवन
२८६२	मौनएकादशी कथा
२३७	मौनएकादशीकथा
४८८	मौनएकादशी कथा गद्य
४८५	मौनएकादशीकथा गद्य
४९२	मौनएकादशी कथा पद्य
४९१	मौनएकादशी कथा पद्य
४५७	मौनएकादशी कथा पद्य
४५८	मौनएकादशी कथा पद्य
२४४	मौनएकादशीकथा पद्य सस्तबक
४९६	मौन एकादशी कथा पद्य सस्तबक
४८९	मौनएकादशी कथा बालावबोध
४८७	मौनएकादशी कथा बालावबोध
४९०	मौनएकादशी कथा बालावबोध
४९३	मौनएकादशी कथा स्तवन
२७५९	मौनएकादशी कथा
१९६	मौन एकादशी गणणु
१७९६	मौनएकादशी देववंदन
४१०	मौनएकादशी पांच जोड देववांदवानी विधि
३०३५	मौनएकादशीमाहात्म्य कथा पद्य
६१५	मौनएकादशी माहात्म्य कथा सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
११७४	मौनएकादशी स्तवन
३०७५	मौनएकादशीस्तवन थोय
३१०१ (१)	मौन एकादशी स्वाध्याय
२५२५	मौन एकादसी कथा
१८६७	यतिजीतकल्पसूत्र सटीक
१३९२	यतिप्रतिक्रमणसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ
३०५३	यतिपायश्चित्तदानविधि
१२२९	यतिलक्षणसमुच्चय प्रकरण
२९६७	यशोधर चरित्र गद्य
२०४०	यशोधरचरित्र पद्य
९५४	यशोधर चरित्र पद्य अध्याय १ थी १४
१४६१	यशोधररास
२०५८	यशोधररास (दयाधर्म विषे)
२५२० (१)	यशोभद्रराजर्षि चोपाई
४९७	यशोभद्ररिषिराज चोपाई
२०९२	युगप्रधान आचार्य कोष्ठकान्ति
३०९ (३)	युगमंधर जिन स्तवन
८३६	युगादिजिनस्तव अवचूरि सह त्रिपाठ
१७२	योगदृष्टि सज्झाय
१५८	योगदृष्टि सज्झाय बालावबोध सह
१५६६	योगदृष्टिसमुच्चय
१५७	योगदृष्टि समुच्चय सावचूरि त्रिपाठ
२७९१	योगदृष्टि स्वाध्याय सस्तबक
२७९२	योगदृष्टि स्वाध्याय सस्तबक
२४८३	योग पाहूडी

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
३१३	योगविचार योगविधि
२५४६	योगविधि
२२९१	योगविधि
२६०२	योगविधि
२८६९	योग विधि
१७०५	योगविधि
९५३	योगविधि
२७२१	योगविधि (नंदिकरण विधिआदि)
२३२१	योगविधि उपस्थापना विधि
६३१	योगविधि नदिस्तुति उत्तराध्ययन असंखयाध्ययन
२११९	योगविधियंत्र आदिनां जुदां जुदां पत्रो
२८६० (३)	योगविसी गत भावना गर्भित वीरजिन स्तवन
२१४२	योगविसी जम्बूद्वीप सङ्ग्रहणी लामणा आदिनां जुदां जुदां पत्रो
१८८३ (२)	योगशास्त्र
१७०३	योगशास्त्र अध्यात्मोपनिषद्
१४७९	योगशास्त्र चतुर्थ प्रकाश पर्यंत
१८७३ (३)	योगशास्त्र चतुर्थप्रकाशपर्यंत
९२९	योगशास्त्र चतुर्थप्रकाश पर्यंत
५२	योगशास्त्र चतुर्थप्रकाश पर्यंत सावचूरि पञ्चपाठ
१४७६	योगशास्त्र बालावबोध
१८३२	योगशास्त्र बालावबोध सह अपूर्ण
१३८३	योगशास्त्र विवरण
१४९४	योगशास्त्र सस्तबक प्रकाश १ थी ४

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
४		योगशास्त्र स्वोपज्ञवृत्तिसह
९२८		योगशास्त्र स्वोपज्ञ वृत्तिसह षष्ठ प्रकाशथी द्वादशप्रकाश पर्यंत
२३५५		योगसार
३१४		योगसार सस्तबक
२३३९	(२)	योनिस्तव सावचूरि
१३७१	(५)	रंगाणीस्तवन
८३१	(२२)	रंगाणी स्तवन
१३८४		रघुवंशकाव्य
१४०७		रघुवंशकाव्य
१४२३		रघुवंशकाव्य
१५६३		रघुवंशकाव्य अपूर्ण
२४१		रघुवंश काव्य टीका तृतीय सर्ग पर्यंत
१९०७		रघुवश काव्य दशसर्गपर्यंत
१४७२		रघुवंशकाव्य पंजिका वृत्तिसह
१८६९		रघुवंश काव्य प्रथम सर्ग सटीक त्रिपाठ
१८७६		रघुवश काव्य राघवी टीका सह
१७२६		रघुवंश काव्य सटीक त्रिपाठ
२४७		रघुवंश महाकाव्य सावचूरि अष्टम सर्ग श्लो १३ पर्यंत अपूर्ण
२१४३		रजोपर्व होलीपर्व कथा
१७३५		रणसिंह राजा कथा
२१०१		रतनसेन व्यवहारीया रास
१९५२		रत्नकोश
२८३८		रत्नकोश (वस्तुविज्ञान)
२११८	(८)	रत्नचूड कथा

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३००३		रत्नपालनृप कथा
२५६९	(२)	रत्नवती कथा
१३७२		रत्नशेखर-रत्नवती कथा
२८७८		रत्नशेखर नृप कथा
२१३९		रत्नशेखरनृप कथा (पर्वतीथी विचारे)
२९२८		रत्नसारकुमार चरित्र
२०४७		रत्नसारकुमार चोपाई
१९६२		रत्नसार प्रकरण सस्तबक
२५८३		रत्नसार रास
१४५४		रत्नाकरपंचविंशति स्तोत्र सबालावबोध
२३७४		रत्नाकर पंचविशतिका
२७५८		रत्नाकर पंचविशतिका सस्तबक (साधारण जिन स्तवन)
२५७७		रत्नाकरपंचविंशतिकास्तोत्र
९४९		रत्नाकरपंचविंशति सावचूरि त्रिपाठ
२११५		रत्नाकरपंचविंशति स्तव बालावबोध सह
११६०		रत्नाकरपंचविंशति स्तोत्र सबालावबोध
१५४७		रत्नाकरपञ्चविंशतिका
१९३९		रत्नाकरपञ्चविंशति वृत्तिसह त्रिपाठ
२०३३		रघुवंश काव्य
२०१४		रघुवंशकाव्य टीकासह
२४३८		रमलकी शकुनावलि
७२३		रसवेल

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१८३५		रसिक प्रिया
२५२०	(२)	रहनेमि राजुल स्वाध्याय
९९६	(३)	रागमाला
२४७७		राग रागिणी नाम आदि
२११८	(७)	राजकुमारी कथा
१४२६		राजप्रश्नीयउपांगसूत्र
२४		राजप्रश्नीयउपांगसूत्र
१४७७		राजप्रश्नीयउपाङ्गसूत्र
६९८		राजप्रश्नीय उपाङ्गसूत्र बालावबोध
१४७८		राजप्रश्नीयउपाङ्ग सूत्र वृत्ति
६७७		राजप्रश्नीय उपाङ्गसूत्र सस्तबक
६७९		राजप्रश्नीय उपाङ्गसूत्र सस्तबक
५२६		राजप्रश्नीयोपांग सूत्र
१३९९		राजप्रश्नीयोपांगसूत्र सटीक
१३७५		राजप्रश्नीयोपांगसूत्र सस्तबक
१९०८		राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र
१६८१		राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र वृत्ति
१७५७		राजप्रश्नीयोपाङ्गसूत्र सस्तबक
१४६७		राज्यलक्ष्मीपूजापद्धति
२५३७		राणकपुर मंडन आदिश्वर स्तवन
१९२२		रात्रिभोजनरास
१०६		रात्रिभोजनरास
२५७५		रात्रि भोजन स्वाध्याय
२७४२		रात्रिभोजन स्वाध्याय
२२५६		रात्री भोजन सज्झाय
९९६	(९)	रात्री भोजन सज्झाय
७०४	(७)	रात्रीभोजन सज्झाय
२८३६		रामचरित्र गद्य अपूर्ण

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
६८४	रामचरित्राद्भुरितसग्रह
२०५९	रामतिआला वेलाना फूलडां
	सस्तबक
२५७६	राम रक्षा स्तोत्र
१४५०	रामरास
९४०	रुद्रटालंकार अध्याय १-१६
३१५४	रूपचन्द कुमार रास आदि
४५५	रूपदीप पिगल भाषा
१६६१	रूपमंजरी नाममाला
६१६	रूपसेनकथा
६५४	रूपसेनराय कथा
६५५	रूपसेनराय कथा
६५३	रूपसेनराय कथा
९३६ (६)	रेवती कथा (भेषजदाने)
५१७ (६)	रेवती कथा (भेषजदाने) गद्य
२१९३ (५)	रेवतीकथा गद्य
१७१० (५)	रोहक कथा
२५६९ (१)	रोहिणी अशोकचन्द्र कथा
२९०१	रोहिणी अशोकचन्द्रनृप कथा
२६९१	रोहिणी तप स्तवन
२५७३	रोहिणी तप स्तवन
२५७४	रोहिणी तप स्तवन
२९१९	लक्ष्मीधरकथा
१७९८	लघु अंतर वाचना
१८७३ (५)	लघुक्षेत्रसमास
१८१७	लघु क्षेत्रसमास प्रकरण
१०२३	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण
२८७	क्षेत्रसमासप्रकरण

क्रमाक	पुस्तकनु नाम
१८९८	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण यंत्रसह
५९७ (१)	लघुक्षेत्रसमासप्रकरण विवरण सह
१८२७	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण सस्तबक
७७१	लघुक्षेत्रसमास प्रकरण सस्तबक
२७०३	लघुप्रक्रिया अपूर्ण
२९५४	लघुशातिस्तव
११६७	लघुशातिस्तव वृत्तिसह त्रिपाठ
२२३७	लघुशाति स्तोत्र
२१९१	लघुशांति स्तोत्र
१९३३	लघुशान्तिस्तवन सटीक
१३२५	ललितविस्तरा चैत्यवदनवृत्ति
१७८१	ललित विस्तरा चैत्यवदनवृत्ति
	पंजिकासह
२००४	लाभानदना गीत सङ्ग्रह
२००५	लिगानुशासन सावचूरि पञ्चपाठ
	अपूर्ण
१५०१	लिंगानुशासन स्वोपज्ञ वृत्तिसह
७५	लिंगानुशासन स्वोपज्ञ वृत्तिसह
२४०५	लीलावती चोपाई
३४०	लीलावतीपद्धति
२९४७	लीलावती विक्रमादित्य रास
११६६	लीलावतीसुमतिविलास रास
२०२	लीलावतीसुमतिविलास रास
९९६ (२०)	लेश्या षट्कसज्झाय
१५८४	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण
	बालावबोध सह त्रिपाठ
२८८	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण
	सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
२०२७	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण
	सावचूरि पञ्चपाठ
१६८३	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका
	सबालावबोध त्रिपाठ
११५६	लोकनालिका द्वात्रिंशितका प्रकरण
	पञ्चपाठ सावचूरि
१६०४	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण
	मूल
१६०३	लोकनालिकाद्वात्रिंशिका प्रकरण
	सबालावबोध
२४१४	लोकनालिद्वात्रिंशिका
२२३६ (१)	लोभ सज्झाय
३११३ (५)	लोभ स्वाध्याय
१३३८ (१८)	वकचूलकथा
९४७	वकचूलरास
२२३८ (३)	वंकचूल स्वाध्याय
४३५	वंकचूलिकासूत्र
२७६७	वदनक प्रतिक्रमण सूत्राणि
२६८८	वच्छराज हसराज चोपाई
१२८७	वत्सराज कथा
७०४ (६)	वयरकुमार स्वाध्याय
२१२३	वयरकुमार स्वाध्याय
२८४१	वयरस्वामि चउढालीयां
१६११ (३)	वयरस्वामि सज्झाय
२७३८	वयरस्वामि स्वाध्याय
२७१४	वयरस्वामि स्वाध्याय
७२४	वयरस्वामि स्वाध्याय
३०५४	वरणाग नटूया सज्झाय

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
२३६६	वरदत्त-गुणमंजरी कथा
२७१७	वरदत्त-गुणमंजरी कथा पद्य
१३३८	(१२) वररूचि कथा
१३७१	(१) वर्धमानजिन वेली
८३१	(१) वर्धमान जिन वेली
१९३२	(१) वर्धमानजिनस्तवन
२६५६	(२) वर्धमान जिन स्तवन
२८६०	(५) वर्धमान जिन स्तवन
१५९६	वर्धमानदेशना पद्य
२३९७	(२) वर्धमान स्तुति सटीक त्रिपाठ
२१९३	(१) वसतिदानफलकथा गद्य
५	वसुदेवहिंडी
६४६	वसुधारा
६४७	वसुधारा
११८७	वसुधारा
१०२५	वसुधारा
१६११	(८) वस्तुपाल भास
१७३६	वाक्यप्रकाश
१५०८	वाक्यप्रकाश औक्तिक
१९९०	वाग्भटालंकार
९१५	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश
९९४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश स्तवन
१९५४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश स्तवन
१७०७	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश स्तवन
१४४३	(५) वासुपूज्य स्तवन
११६२	विंशतिविंशीका प्रकरण
२६१९	विंशति विशिका प्रकरण
१११७	विंशतिस्थानकविचार मृत सङ्ग्रह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१६२२	विंशतिस्थानक विचारसार
	(पुण्यविलास रास)
१७९९	विंशतिस्थानक
	विचारसारपुण्यविलास रास
८७८	विंशतिस्थानक विचारसार
	पुण्यविलासरास
६७४	विंशतिस्थानकविचारसार
	पुन्यविलास रास
२३०८	विक्रमचरित्र त्रूटक
३६५	विक्रमलीलावती रास
१४९६	विक्रमसेनरास
३१५७	विचारपंचाशिका टीका
१८०४	विचाररत्नाकर
२९९९	विचारषट्त्रिंशिका (दंडकप्रकरण)
३१३५	विचारषट्त्रिंशिका (दंडक प्रकरण)
१३९१	विचारसङ्ग्रह बालावबोध सह
३१९५	विचारसार गुणस्थानक सस्तबक
१७७६	विचारसार प्रकरण
२७३	विचारसारप्रकरण सस्तबक
२७२	विचारसारप्रकरण सस्तबक
२३५	विचारसारप्रकरण सस्तबक
१५००	विचारसारप्रक्रण सस्तबक
१३५६	विजयचन्द्र केवली चरित्र
२६६०	विजय देवसूरि स्वाध्याय
३१६८	विजयप्रभसूरि निर्वाण स्वाध्याय
३१८१	(१) विजयरत्नसूरि स्वाध्याय
१७७५	(२) विदग्धमुखमंडन
१३१७	विदग्धमुखमंडन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१७७९	विद्याविलासकथा
४७७	विद्वद्गोष्ठि सस्तबक
४०८	विद्वद्गोष्ठी सस्तबक
२८९	विधिरास
६४३	विपाक सूत्र
६९	विपाक सूत्र
३१	विपाकसूत्र
४०	विपाकसूत्र
६७०	विपाकसूत्र
९४	विपाकसूत्र
१४१३	विपाकसूत्र
१४१४	विपाकसूत्र
१४९०	विपाकसूत्र
१४१५	विपाकसूत्र
१४०३	विपाकसूत्र अपूर्ण
१८७९	विपाकसूत्र वृत्तिसह पञ्चपाठ
	अपूर्ण
१४७१	विपाकसूत्र सटीक अपूर्ण
१२८३	विपाकसूत्र सटीक त्रिपाठ
८२१	विपाकसूत्र सस्तबक
२७७३	स्वाध्याय
९९६	(१५) विमलजिन स्तवन
१८८५	विमलमंत्रीश्वररास
१८०५	विमलमंत्रीश्वररास
६४९	विमलमंत्रीश्वर रास
१८६०	विमलरास अपूर्ण
१५७०	विमलरास किंचिदपूर्ण
१०७	विमलाचलछंद

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२६५७	विमलाचल तीर्थमाला स्तवन
३२१	विवाहपटल
१०१३	विवेकमंजरी प्रकरण
१२८६	विवेक विलास
१२८५	विवेकविलास मूल
१२८४	विवेकविलास सबालावबोध
१४१६	विशेषणवती
२७१२	विष्णु संबंधी चोपाई
४४६	विहमानजिनवीसीस्तवन
१८००	विहरमान जिन विशी गीत
१८०२	विहरमान जिन विशी स्तवन
१८०१	विहरमान जिन विशी स्तवन
२८४०	विहरमान जिन विसी
२३३२	विहरमान जिन विसी स्तवन
१११२	विहरमानजिनविसी स्तवन
१११३	विहरमानजिनविसी स्तवन
२८६१	विहरमान जिन वीसी
४७६	विहरमान जिनवीसी
९३	विहरमानजिनवीसी स्तवन
३३९	विहरमान जिन वीसी स्तवन
४४४	विहरमानजिन वीसी स्तवन
११२०	विहरमान जिनवीसी स्तवन
११५८	विहरमान जिन वीसी स्तवन
२६१८	विहरमान जिनवीसी स्तवन
२०२२	विहरमान जिन वीसी स्तवन
२५०७	विहरमान जिन शाश्वत जिन गीत
३०४२	विहरमान जिन स्तवन
१११०	विहरमानजिनस्तवन वीसी

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२०९३		विहार विनति
१८८३	(३)	वीतराग स्तव
२७०६		वीतराग स्तव प्रकाश १-२ सस्तबक
८२२		वीतरागस्तोत्र
१४५९		वीतरागस्तोत्र
११९४		वीतरागस्तोत्र पंजिकासह त्रिपाठ
१३९३		वीतरागस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ
१४६०		वीतरागस्तोत्र सावचूरि पञ्चपाठ
२१२०		वीर चरित्र वेल
२७९७	(२)	वीर जन स्तुति सावचूरि पञ्चपाठ
१६७२		वीरजिन निर्वाण दीवाली स्तवन
३०९	(१४)	वीर जिन सज्झाय
९४३		वीरजिनसत्तावीस भववर्णन स्तवन
११५०		वीरजिन स्तवन
८३१	(११)	वीरजिनस्तवन
७२२		वीरजिन स्तवन
१९३२	(९)	वीरजिनस्तवन
१३७१	(१२)	वीरजिनस्तवन
२३४९	(२)	वीरजिन स्तवन
२३४७		वीरजिन स्तवन
२१८६	(२)	वीरजिन स्तवन
२१८६	(३)	वीरजिन स्तवन
२२४०		वीर जिन स्तवन
३११२	(३)	वीर जिन स्तवन
१७३७		वीरजिनस्तवन-पुण्यप्रकाशस्तवन
७३८		वीरजिन स्तुति गर्भित-ढुंढकमत निराकरण स्तवन बालाव०सह

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२१२१		वीर जिनेश्वरनां स्तवनो
३१०६	(१)	वीरद्वात्रिंशिका (सदायोग)
४१६		वीरनिर्वाणदीवाली स्तवन
२०३९		वीरनिर्वाण स्तवन
११०४		वीर निर्वाण स्तवन
१११८		वीरनिर्वाण स्तवन
२७६२		वीरनिर्वाण स्तवन
२४६०		वीरभद्र कथा गद्य
८३१	(२)	वीरहुंडी स्तवन
१२६		वीशविहरमान जिन भाष
२२३६	(३)	वीश स्थानक सज्झाय
२४१०		वीस विहरमान जिन गीत
२६४५		वीस विहरमान जिनगीत
२२०९		वीस विहरमान जिन स्तवन
२५४७	(३)	वीसविहरमान जिन स्तवन
२५००		वीसस्थानक तपविधि
१११९		वीसस्थानक तप विधि
२७९६		वीसस्थानक तपविधि
२९०		वीसस्थानक तपविधि
४४३		वीसस्थानक तपविधि स्तवन
२२६२		वीस स्थानक तप विधि स्तवन
१६२		वीसस्थानकतप स्तवन
४१५		वीसस्थानकपूजा
२१०	(१)	वीसस्थानक पूजा
२७२४	(२)	वीस स्थानक स्तवन
२६८९		वृत्तरत्नाकर
२८३२		वृत्त रत्नाकर
१९८७		वृत्तरत्नाकर मूल

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१८९५		वृत्तरत्नाकरवृत्ति
१७४७		वृत्तरत्नाकर वृत्तिसह
६४५		वृत्तरत्नाकर वृत्तिसह
६४४		वृत्तरत्नाकर वृत्तिसह
४८४		वृत्तरत्नाकर सावचूरि पञ्चपाठ
१९८६		वृत्तरत्नाकर सावचूरि पञ्चपाठ
२०८		वृद्धचाणाक्य राजनीति सस्तबक
२१५०		वृद्ध चैत्यवंदन
१५७४		वैताल पञ्चविंशति अपूर्ण
१८०३		वैद्यमनोत्सव वैद्यक
१५०६	(२)	वैराग्यकुलक
१७११	(१)	वैराग्य गीत छत्रीसी
१७११	(२)	वैराग्य गीत छत्रीसी बीजक
१५२७		वैराग्यशतक सस्तबक
१५२८		वैराग्यशतक सस्तबक
३३८		वैराग्यशतक सस्तबक
११११		वैराग्यशतक सस्तबक
८३८		वैराग्यशतक सस्तबक
९२४		वैराग्यशतक सस्तबक
८३२		वैराग्य शतक सस्तबक
११०९		वैराग्यशतक सस्तबक
२७९३	(३)	वैराग्यशतक सस्तबक
२७९३	(२)	वैराग्यशतक सस्तबक
३१३४		वैराग्य स्वाध्याय
२६७५		वैराग्य स्वाध्याय
१६६९		वैराग्य स्वाध्याय
२५३९		वैराग्य स्वाध्याय
२५६४		वैराग्य स्वाध्याय

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२९३०		व्यवहार राशी स्वरूप वर्णन
६५०		व्यवहार सूत्र भाष्य
२७०४		व्यवहारा विचार
१५५२		व्याकरण अपूर्ण
२६४७		व्रतारोपण विधि
३१२४		व्रतोच्चारण विधि
९३६	(५)	शंखश्रेष्ठि कथा (पानाहारदाने)
५१७	(५)	शंखश्रेष्ठि कथा (पानाहारदाने) गद्य
३११३	(८)	शंखेश्वर पार्श्वजिन स्तवन
२५६		शंखेश्वर पार्श्वनाथ छंद
२००६		शंखेश्वर पार्श्वनाथ छंद
२६८१		शंखेश्वर पार्श्वनाथ छंद ज्वरछंद
२६७३		शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन
२६५२	(२)	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन
२४०६	(२)	शंखेश्वर पार्श्वनाथ स्तवन
३३४	(८)	शंखेश्वरपार्श्वनाथस्तवन
३०५७	(२)	शंखेश्वरपार्श्वनाथस्तुति
९६०		शंखेश्वर पार्श्व पंचकल्याणकगर्भित प्रतिष्ठा कल्प स्तवन
८३१	(८)	शंभुवरप्रकृति स्तुति
२९२०		शकुनपासावली
२५७२		शकुनावली
१५४०		शतककर्मग्रंथ सस्तबक अपूर्ण
१५९		शतकत्रय
१०९८		शतक पंचम कर्मग्रंथ बालावबोध सह
८६९		शतक प्रकरण (कर्मग्रंथ पंचम)

क्रमाक		पुस्तकनुं नाम
७८६		शतकप्रकरण (कर्मग्रंथ पंचम) सस्तबक
११९०		शतक प्रकरण (पंचम कर्मग्रंथ) सस्तबक
७८७		शतकप्रकरण सस्तबक
२०७		शत्रुंजय उद्धाररास
१६४		शत्रुंजयकल्प
१७५	(१)	शत्रुंजयतीर्थकल्प सस्तबक
४९		शत्रुंजयमाहात्म्य
१९१२		शत्रुंजयमाहात्म्य
२८७४		शत्रुंजयमाहात्म्य
२६०		शत्रुंजयमाहात्म्य सस्तबक
८०९		शत्रुंजय माहात्म्य सस्तबक
३५५		शत्रुंजय माहात्म्य सस्तबक त्रूटक
४१८		शत्रुंजय रास
३५४		शत्रुंजयरास
१८१		शत्रुंजयरास
६९७		शत्रुंजय स्तवन
११५७	(२)	शत्रुंजय स्तवन
२६३०		शत्रुञ्जयकल्प
३०८४		शत्रुञ्जयकल्प बालावबोध सह
२३०४		शत्रुञ्जय कल्प सस्तबक
१८५०		शत्रुञ्जयकल्प सस्तबक
२१८६	(४)	शत्रुञ्जय तीर्थयात्रा स्तवन
१०४२		शत्रुञ्जयमहात्म्य सस्तबक द्वितीय सर्ग पर्यंत
१०४७		शत्रुञ्जयमाहात्म्य अपूर्ण
२४१५		शत्रुञ्जयमाहात्म्य श्लोकसङ्ग्रह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२२३२	शत्रुंजय रास
२५०४	शत्रुंजय रास
२७२८	शत्रुंजय रास
९०३ (३)	शत्रुंजय स्तवन
२१२२	शत्रुंजय स्तवन आदि
२३९७ (३)	शत्रुंजय स्तव सटीक त्रिपाठ
२८३४	शनीसरनो छंद
१७९	शनीसर छंद
२८७७	शनैश्चर कथा
३१०	शनैश्चर छंद
२४७४	शनैश्चर दृष्टिफल वगेरे
१२५८	शब्दरूपाणि
१७६७	शब्दरूपाणि
२७४९	शब्द रूपावली
२२९३	शब्दरूपावली आदि
१८३३	शब्दशोभा
३७९ (२)	शांतजिनस्तवन
३७९ (१)	शांतजिनस्तवन
२९१६	शांत सुधारस
७१५	शांतसुधारस
२८११	शांतसुधारस अपूर्ण
३०२ (२)	शांतसुधारस सज्झाय
३०२ (३)	शांतसुधारस सज्झाय
२१३	शांतिजिन कलश
३१०४	शांतिजिन कलश
२६७२	शांतिजिन जन्माभिषेक कलश
२८६० (६)	शांतिजिन स्तवन
३०३९	शाति जिन स्तवन
३१००	शाति जिन स्तवन
२८६० (४)	शांति जिन स्तवन
३३४ (५)	शांतिजिनस्तवन
२६२७	शांतिजिन स्तवन
१२०५	शातिजीणेसर स्तवन
३१७७	शांतिनाथ कलश
८०२	शांतिनाथ चरित्र गद्य
१४८०	शातिनाथचरित्र गद्य
१५३६	शातिनाथचरित्र पद्य
७८५	शांतिनाथचरित्र पद्य
२०७८	शातिनाथचरित्र पद्य
६७५	शांतिनाथचरित्र पद्य सस्तबक
५८६	शातिनाथचरित्र सस्तबक पद्य
१८३७	शातिनाथ चोपाई
२१५३ (२)	शातिनाथ जिन स्तवन
१५७६	शांतिनाथ रास
१७४४	शातिनाथ विवाहलउ
३०५०	शांतिनाथ वृद्ध स्तवन
२८९८ (५)	शातिनाथ स्तवन
३१०३	शांतिनाथ स्तवन
४१२ (१)	शांतिनाथ स्तवन
४१२ (२)	शांतिनाथ स्तवन
४६८ (२)	शांतिनाथ स्तवन
२६११	शांतिनाथ स्तवन
२१८५	शांतिनाथ स्तवन
९०३ (४)	शांतिनाथ स्तवन
११५७ (३)	शांतिनाथ स्तवन
३१५१ (२)	शांति विधि स्तोत्र
२१७	शांतिस्नात्र विधि
१६७०	शाब-प्रद्युम्न रास
१९०३	शाब-प्रद्युम्नरास
५१३	शांबप्रद्युम्नरास
२३०	शांबपद्युम्न रास
७१८	शांबपद्युम्नरास
३१८७ (३)	शामळाजीनुं स्तवन
४६७ (१)	शारदा सरस्वती छंद
२०६२	शालिभद्र-धन्नारास
२०६४	शालिभद्र-धान्नारास
११४५	शालिभद्रचरित्र
१२४२	शालिभद्र चोपाई
८३०	शालिभद्र चोपाई
१५५९	शालिभद्र चोपाई अपूर्ण
१२१२	शालिभद्रधन्ना चोपाई किंचिदपूर्ण
८२५	शालिभद्र धन्नारास
२३०१	शालिभद्र भास
१७६३	शालिभद्ररास
६३७ (२)	शालिभद्र सज्झाय
२६५४	शाश्वत जिन भवन स्तव सावचूरि त्रिपाठ
१८८३ (१०)	शाश्वतजिनस्तव
२५५८	शाश्वत जिन स्तवन
३१७६	शाश्वतजिन स्तवन
२९८४	शाश्वतसिद्धायतन प्रतिमासख्या स्तवन सस्तबक
३०६	शाश्वताशाश्वतजिनस्तवन
२५०५	शास्वति प्रतिमा चैत्यविचार

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
२२१७	शिक्षा स्वाध्याय
३१३३	शिखामण स्वाध्याय
९२१	शिखास्वाध्यय गूंहली सङ्ग्रह
९२१ (१)	शिखास्वाध्याय
३०१७	उपधानस्तवन
२८५८	शिवजी रास
१०३५	शिशुपाल महाकाव्य (माघकाव्य) पचमसर्गपर्यंत अवचूरिसह पञ्चपाठ
१४२८	शिशुपालवध महाकाव्य
२१५३ (१)	शीतल जिन स्तवन
२०८२	शीघ्र बोध
१८६४	शीघ्रबोध
२१०३	शीयल स्वाध्याय
२२६५	शील नववाडनी सज्झाय
९२१ (२)	शीलनववाड सज्झाय
१९४७ (१)	शीलबत्रीशी
१९७९	शीलरूपकमाला सावचूरि
२९१५	शीलवती कथा
१८५६	शीलवती रास
२९४	शीलवतीरास
२९९४	शीलव्रत बत्रीसी
२१७४	शील शिखामण स्वाध्याय
१७५ (३)	शील सज्झाय
१३३८ (९)	स्थिरता श्रीदेव ज्ञात कथा
१३३८ (१६)	शीले-सुभद्रा कथा
५१	शीलोपदेशमाला-शीलतरंगीणी-वृत्तिसह
१०३९	शीलोपदेशमालाप्रकरण सबालावबोध

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१०४०	शीलोपदेशमालाप्रकरण सबालावबोध अपूर्ण
२२२२	शीलोपदेशमाला बालावबोध सह
५८	शीलोपदेशमाला
	शीलतरंगिणीवृत्ति सह
३१७९	शीलोपदेश सज्झाय
८५	शुकराजकथा
२८५५	शुकराज कथा अपूर्ण
१७१४	शुकराज कथा अपूर्ण
२४९३	शृगारीक दूहा (आशक पचीसी)
१५५५	शेषनाममाला
२२५२	शोभन स्तुति
२२८७	शोभन स्तुति अवचूरि
२३९४	शोभनस्तुति अवचूरि त्रिपाठ
४६९	शोभनस्तुति बालावबोध सह
२३९५	शोभनस्तुति मूल
१९३८	शोभनस्तुति वृत्तिसह
२२१९	शोभनस्तुति सावचूरि
२१९०	शोभन स्तुति सावचूरि
२३९३	शोभनस्तुति सावचूरि त्रिपाठ
२७८८	श्राद्ध अतिचार
२७७९	श्राद्ध अतिचार
२७१८	श्राद्ध अतिचार
२५०३	श्राद्ध अतिचार अपूर्ण
१५०६ (१)	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण
१९०५	श्राद्धदिनकृत्यप्रकरण सटीक
२७७८	श्राद्धप्रतिक्रमण
१४२१	श्राद्धप्रतिक्रमणविधि वृदारुवृत्तिसह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१५४४	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र अर्थदीपिका टीकासह
८१	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र अर्थदीपिका वृत्तिसह
१०७४	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्रवृत्ति
८७०	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र वृत्ति सस्तबक
१५८२	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र सस्तबक
१०५७	श्राद्धविधि-विधिकौमुदी टीका सह
५९६	श्राद्धविधिप्रकरणविधि कौमुदि स्वोपज्ञटीका सस्तबक सह
१०८८	श्राद्धविधिप्रकरण विधि कौमुदी टीका सह
१९७३	श्राद्धविधिप्रकरणविधिकौमुदीटीका सह
१८९१	श्राद्धविधिप्रकरणविधिकौमुदी टीका सह
१९५०	श्राद्धविधिप्रकरण विधिकौमुदी वृत्तिसह
८१० (१)	श्राद्धविधि प्रकरणविधि कौमुदी स्वोपज्ञटीकासह
८१० (२)	श्राद्धविधि प्रकरणविधि कौमुदी स्वोपज्ञटीकासह
५३१	श्राद्धविधि प्रकरण वृत्ति
६२	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र अवचूरि
१९८	श्रावक अतिचार
२०६	श्रावक अतिचार
३३१	श्रावक अतिचार

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
६९६		श्रावक अतिचार
९०३	(१)	श्रावक अतिचार
२३५६		श्रावक अतिचार
३१८५		श्रावक अतिचार
२५०८		श्रावक अतिचार १२४ भेद वर्णनी
७३५		श्रावक आराधना
१३८१		श्रावकआराधना गद्य
२३६		श्रावककरणी सज्झाय
२८१५	(१)	श्रावकक्रियाविधि
२५४१		श्रावकदिनकृत्य स्वाध्याय
२४०८	(२)	श्रावक दिन कृत्य स्वाध्याय
३०५२		श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र
२४३२		श्रावक प्रतिमाविधि
३०४४		श्रावकवर्णन
३३४	(१३)	श्रावकविधिस्वाध्याय
३३४	(१२)	श्रावकविधिस्वाध्याय
२६०३		श्रावकव्रतभंगप्रकरण त्रिपाठ सावचूरि
२७८९		श्रावकव्रतभंग प्रकरण सावचूरि पञ्चपाठ
३१९०		श्रावकातिचार
२८३५		श्रावकातिचार
३५३		श्रीचंद्रकेवलीरास आनंदमंदिर
३५२		श्रीचंद्रकेवलीरास आनंदमंदिर
१६९८		श्रीचन्द्रकेवली चरित्र
१८२३		श्रीचन्द्रकेवलीचरित्र सस्तबक
१२१४		श्रीचन्द्रकेवलीरास-आनंदमंदिर
८६८		श्रीचन्द्रकेवलीरास-आनंदमंदिर रास

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२७८४		श्रीचन्द्रकेवलीरास आनंदमंदिर त्रूटक
१५३८		श्रीपालचरित्र
१६९६		श्रीपालचरित्र
१९१४		श्रीपालरास
१७४५		श्रीपालरास
१७४६		श्रीपालरास
१९२१		श्रीपालरास
२७४६		श्रीपाल रास
८१५		श्रीपाल रास
७२५		श्रीपालरास
२४९		श्रीपाल रास
६६५		श्रीपालरास
५०२		श्रीपालरास
१४४		श्रीपालरास
२७७		श्रीपालरास
४५६		श्रीपालरास
९५२		श्रीपालरास अपूर्ण
३१९३	(२)	श्रीपाल रास गूटको
१५४२		श्रीपालरास चतुर्थखंड
१९०९		श्रीपालरास सस्तबक
१७६९		श्रीपालरास सस्तबक
८१६		श्रीपाल रास सस्तबक
३१९१		श्री पूज्य उपर कागल लखवानी पद्धति
२४४५		श्रुतबोध
२५९३		श्रुतबोध
२४७३		श्रुत बोध

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३९४		श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ
१७१०	(७)	श्वश्रू-वधू कथा
९५७		षट्आरास्वरूपक श्रीवीर जिन स्तवन
८३४		षट्पंचाशिका बालावबोध सह त्रिपाठ
२७१५		षट्पंचाशिका ज्योतिष
२७१६		षट्पंचाशिका सस्तबक
९४८		षडावश्यकबालावबोध
८१७		षडावश्यक बालावबोध
३३७		षडावश्यक बालावबोधसह
६००		षडावश्यक बालावबोध सह अपूर्ण
१०२१		षडावश्यकवृत्ति
२४९१		षडावश्यकसूत्र वार्तिक सह
११८०		षडावश्यकसूत्राणि
९९७		षडावश्यकसूत्राणि
७४५		षडावश्यकसूत्राणि
८४५		षडावश्यक सूत्राणि
६६४		षडावश्यक सूत्राणि
६७२		षडावश्यक सूत्राणि
१३८६		षडावश्यकसूत्राणि
१३४२		षडावश्यकसूत्राणि
१४३७		षडावश्यकसूत्राणि
१३४१		षडावश्यकसूत्राणि
२८४४		षडावश्यकसूत्राणि
३०४३		षडावश्यकसूत्राणि
२७८०		षडावश्यक सूत्राणि

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२३२	षडावश्यकसूत्राणि त्रूटक
८७२	षडावश्यक सूत्राणि बालाव० सह
८७१	षडावश्यक सूत्राणि बालाव० सह
१३६१	षडावश्यकसूत्राणि बालावबोध
१७६८	षडावश्यकसूत्राणि बालावबोध
२०११	षडावश्यक सूत्राणि बालावबोध सह
१४५५	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक
६१७	षडावश्यक सूत्राणि सस्तबक
४५१	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक
४५४	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक
७४४	षडावश्यकसूत्राणि सस्तबक
१०७५	षडावश्यक सूत्राणि सस्तबक
२४३	षडावश्यक सूत्राणि स्तवन थोय संग्रह
७०२	षडाश्यकविधि
२६४१	षड्दर्शनसमुच्चय
२२१०	षड्द्रव्यविचार
२७७२	षड्वश्यक सूत्राणि बालावबोधसह
१२५३	षष्टिशतक प्रकरण सटीक
२४९२	षष्ठिशतकप्रकरण सस्तबक
४१३	षष्ठीसंवत्सरीफल
३४५	षष्ठी संवत्सरी फल
३०७२	षोडशक प्रकरण
२५०१	षोडशक प्रकरण
२७८१	षोडशकप्रकरण विवरण सह त्रिपाठ
८२४	षोडशकप्रकरण वृत्तिसह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१५३	षोडशकप्रकरण वृत्तिसह त्रिपाठ
२०४१	षोडशक प्रकरण सटीक त्रिपाठ
२२९९	षोडश संज्ञा वर्णन कुलक सस्तबक
२४११	संक्षिप्त पौषधविधि
२१३८	संख्यातासंख्याता विचार
४२९	संग्रहणी प्रकरण
११५	संग्रहणीप्रकरण
४९४	संग्रहणीप्रकरण अपूर्ण
१८२२	संग्रहणी प्रकरण सचित्र सस्तबक
५९४	संग्रहणी प्रकरण सस्तबक
२७४	संग्रहणीप्रकरण सस्तबक
२८४	संग्रहणीप्रकरण सस्तबक
९१२	संघपट्टक सावचूरि त्रिपाठ
२६८३	संघस्वरूपकुलक सस्तबक
२४७२	मन्नह जिणाणं सज्झाय
२६६६ (२)	संथारा पोरसी
२६७४	संथारा पोरसी सावचूरि पञ्चपाठ
२९६८	संथारा पोरिसी
२४०२	संथारा पोरीसी
२५८०	संबोध सत्तरी भास
२२९६	संबोधसप्ततिका
२४३९	संबोधसप्ततिका प्रकरण
२३७५	संबोधसप्ततिका प्रकरण
२५९०	संबोध सप्ततिका प्रकरण
१८६५ (३)	संबोधसप्ततिका प्रकरण
५०१	संबोधसप्ततिका प्रकरण
२९५२	संबोधसप्ततिका प्रकरण

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२९०५	संबोध सप्ततिका प्रकरण
१५८६	संबोधसप्ततिका प्रकरण सस्तबक
७१७	संबोधसप्ततिकाप्रकरण सस्तबक
६६९	संबोधसप्ततिका प्रकरण सस्तबक
५००	संबोधसप्ततिका प्रकरण सस्तबक
८२७	संबोधसप्ततिका बालाव०सह
१२५९	संबोधसप्ततिका बालावबोध सह
८२८	संबोधसप्ततिका सस्तबक
२३७६	संबोधसप्ततिका सस्तबक
३७५	संबोधसप्ततिका सस्तबक
५०४	संबोधसित्तरी प्रकरण
२१८६ (८)	संभव जिनगीत
१३७१ (९)	संभवजिनस्तवन
२६३५	संयमश्रेणिगर्भित वीरजिन स्तवन
४८२	संयमश्रेणिगर्भितवीरजिन स्तवन
१०३२	संयमश्रेणिगर्भित वीरजिन स्तवन सस्तबक
२४२६	संवेग रस चन्द्रायणा
२७०८	संवेगरसचन्द्रावला
३०४६	संवेग रसायन बावनी
३०३२	संसारी वेल
१०५	संस्कृत क्षेत्रसमास स्वोपज्ञवृत्ति
२४७१	संस्तारक प्रकीर्णक सस्तबक
१२३३	संस्तार प्रकीर्णक
२९३	सकलार्हतस्तोत्र
२७०९	सकलार्हत् चैत्यवंदन
२८४३	सकलार्हत् चैत्यवंदन
२१४५	सकलार्हत् चैत्यवंदन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२४०१	सकलार्हत् चैत्यवंदन
२६३७	सकलार्हत् चैत्यवंदन
३९९	सकलार्हत्स्तोत्र सटीक
२५९२	सकलार्हत्स्तोत्र सटीक त्रिपाठ
१२२७	सकलार्हत्स्तोत्र सस्तबक
२६८४	सकलार्हत्स्तोत्र सस्तबक
३०६८	सकलार्हत्स्तोत्र सस्तबक
३१५१ (१)	सङ्ग्रहणी प्रकरण
१८८३ (७)	सङ्ग्रहणी प्रकरण
१६०९	सङ्ग्रहणीप्रकरण
१५७१	सङ्ग्रहणी प्रकरण
११०८	सङ्ग्रहणी पकरण
१२१३	सङ्ग्रहणी प्रकरण
११२७	सङ्ग्रहणी प्रकरण
१७५४	सङ्ग्रहणी प्रकरण,टीका
१६२८	सङ्ग्रहणीपकरण बालावबोध
१६२९	सङ्ग्रहणीप्रकरण बालावबोध
२००९	सङ्ग्रहणी प्रकरण बालावबोध
१६१०	सङ्ग्रहणीप्रकरण सचित्र
११२१	सङ्ग्रहणी प्रकरण सचित्र सस्तबक
१२६४	सङ्ग्रहणीप्रकरण सटीक त्रिपाठ
१७५५	सङ्ग्रहणी प्रकरण सटीक त्रिपाठ
१८९९	सङ्ग्रहणी प्रकरण सबालावबोध
१८२९	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक
२०३०	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक
९६१	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक
१२३८	सङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक
१२५१	सङ्ग्रहणी प्रकरण सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
११२८	सङ्ग्रहणी पकरण सस्तबक
१२३७	सङ्ग्रहणीप्रकरण सस्तबक
१२२८	सङ्ग्रहणीप्रकरण [illegible]सूरि
२६२९	सज्जनचित्तवल्लभ सस्तबक
३०५ (३)	सज्झाय
११०६	सज्झाय-स्तवन
२९६६	सज्झाय दोष निवारण सज्झाय
२३१६	सज्झायनी सज्झाय
२१४८	सज्झाय विरमण सज्झाय
१८०	सज्झाय संग्रह
२२९	सज्झाय संग्रह
३०७८	सज्झाय सङ्ग्रह
३१८०	सज्झाय सङ्ग्रह
२२३६	सज्झाय सङ्ग्रह
२३७९	सज्झाय सङ्ग्रह
२१६१	सज्झायसङ्ग्रह
२१०६	सज्झायसङ्ग्रह
१६११	सज्झाय सङ्ग्रह अपूर्ण
२०९६	सज्झाय स्तवन सङ्ग्रह
३११३ (१)	सज्झाय स्तवन सङ्ग्रह
२७३४	सज्झाय स्तवनादि
२३९१	सज्झायो
१५४९	सतसई अपूर्ण
३१३६	सतसईदोहरा
३१३१	सतासति कुलक (भरहेसर)
२९५९	सत्तरभेदपूजा
२२४२	सत्तर भेद पूजा
२२२३	सत्तरभेद पूजा (वस्तुछंद)

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१५४५	सत्तरभेदपूजाविधि सस्तबक
२७६९	सत्तरभेद पूजा विधि
१९६०	सत्तरभेद पूजाविधि सस्तबक
५१०	सत्तरभेद पूजाविधि सस्तबक
२९२२	सत्तरभेदपूजा स्थापना सज्झाय
२१४४	सत्तर भेदी पूजा
२५८९	सत्तरी भाष्य
२५२८	सत्तावीस योगनाम ज्योतिष
२५३६	सत्यकि विद्याधर कथा
१३३८ (४)	सत्ये महणसी कथा
२१०८	सद्भक्ता देवलोक स्तोत्र सस्तबक
१६७८ (१)	सनतकुमार स्वाध्याय
१८०८	सन्मतिपकरण तत्त्वबोधिनी टीका
१५१८	सप्ततिका प्रकरण बालावबोध
७७२	सप्ततिकाप्रकरण बालावबोध सह
११०१	सप्ततिका प्रकरण सस्तबक
१४५८	सप्ततिका बालावबोध
२१३५	सप्ततिशतकस्थानयंत्राणि
१९११	सप्ततिशतस्थानयंत्र कोष्टक
२२४३	सप्तनय गर्भित महावीर स्तोत्र सस्तबक
२८९५	सप्तनय गर्भित महावीर स्तोत्र सस्तबक
११०७	सप्तनय रास
२८२५	सप्तनय विचार गद्य
१५२६	सप्तपदार्थी टीका
१२६८	सप्तपदार्थी टीका-मितभाषिणी
९३७	सप्तपदार्थी मितभाषिणी टीका

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१९३०	सप्तपदार्थी मितभाषिणीटीका
१३८५	सप्तपदार्थीमितभाषिणी टीका
९९६	(८) सप्तवार सज्झाय
२६१५	सप्तशतविंशतिजिन स्तवन
२५६८	सप्तशतविंशतिजिन स्तोत्र
२८४९	सप्तशतविंशतिजिन स्तोत्र
३१२६	सप्त स्मरण
१५०५	सप्तस्मरण-स्तवन सङ्ग्रह
१३३२	सप्तस्मरण मूल
१३३१	सप्तस्मरण सटीक त्रिपाठ
१५२५	सप्तस्मरण सटीक त्रिपाठ
३००	सप्तस्मरण सस्तबक
२०५४	सप्तस्मरण सस्तबक
२०२९	सप्तस्मरण सस्तबक
१०३३	सप्त स्मरण सस्तबक
११४३	सप्तस्मरण सस्तबक
१२४६	समस्मरण सस्तबक
२३८८	सम्यक्त्वसप्तत सस्तबक
२२५	समकित सडसठ बोल स्वाध्याय
	सस्तबक
२७०७	समकिना सडसठ बोल सङ्ग्रह
	सम्यक्त्व गाथा द्वय
२२९७	समक्तिनी सज्झाय
२६९०	समक्ति सडसठ बोल
२६७१	समक्ति सडसठ बोलविचार
२६२१	समक्ति सडसठ बोल सज्झाय
६८३	समक्ति सडसठ बोल सज्झाय
१२४१	समक्तिसडसठबोल सज्झाय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१६०	समताशतक दूहा
२९००	समता स्वाध्याय
९९६	(२१) समदृष्टि सज्झाय
२०९०	समयसार
१७७१	समयसार नाटक
१७७०	समयसार नाटक
७१०	समयसार नाटक
५२१	समयसार प्रकरण सस्तबक
३०९९	(१) समयसार भाषा
५४९	समयस्वरूपरास
६५९	समरादित्यकेवलीरास
३८१	समवसरण भावस्तवन
८०	समवायांगसूत्रवृत्ति
७९	समवायांगसूत्रवृत्ति अपूर्ण
२९७	समवायांगसूत्र सस्तबक
७११	समवायांगसूत्र सस्तबक
१९०१	समवायाङ्गसूत्र मूल
१९००	समवायाङ्गसूत्र वृत्ति
२४०७	समास प्रकरण
२८२३	समेतशिखर स्तवन
३३४	(१४) सम्यकृत्वस्वाध्याय
२०४२	सम्यक्त्वकौमुदी
९३०	सम्यक्त्व कौमुदी
८९२	सम्यक्त्व कौमुदी
१५६९	सम्यक्त्वकौमुदी अपूर्ण
९११	सम्यक्त्व कौमुदी कथा
१७५६	सम्यक्त्वकौमुदी चोपाई
४४२	सम्यक्त्व चोपाई सस्तबक

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
३२०५	सम्यक्त्व विचार
७७८	सम्यक्त्वसप्तति प्रकरण तत्त्वकौमुदी
	टीकासह
१५८१	सम्यक्त्वसप्तति सबालावबोध
	सबीजक
१२४८	सम्यक्त्वसार कुलक सावचूरि
	त्रिपाठ
९१०	सम्यक्त्व स्तव सावचूरि पञ्चपाठ
२५४२	सम्यक्त्वस्तव सावचूरि पञ्चपाठ
३३४	(११) सम्यक्त्व स्थापना स्वा०
८३५	सम्यक्त्व स्वरूप गर्भित स्तोत्र
	सस्तबक
२२२१	सरस्वति छंद
७०४	(३) सरस्वती छंद
३१८७	(१५) सरस्वतीनुं गीत
२६६६	(१) सरस्वती स्तोत्र
२२३८	(११) सरस्वती स्तोत्र
२२३६	(८) सर्वार्थसिद्धविमान सज्झाय
२२२८	सवैया
२०८०	ससढ कथा
२०८१	ससढ कथा
११५४	सांकली
२२०५	(१) सागरश्रेष्ठिकथा देवद्रव्ये
२२३८	(६) साधारण जिन स्तवन
२१८६	(१) साधारण जिन स्तवन
२२३८	(७) साधारण जिन स्तवन
८३१	(५) साधारणजिन स्तवन
२६७८	साधारण जिन स्तवन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
८३९	सारस्वतव्याकरण तद्धित पर्यंत
	प्रथमा वृत्ति
१८८६	सारस्वतव्याकरण दीपिका टीका
१७६६	सारस्वत व्याकरण धातुपाठ
२८५९	सारस्वत व्याकरण धातुपाठ
३१८६	सारस्वत व्याकरण प्रक्रिया
१०२९	सारस्वत व्याकरण प्रथमावृत्ति
१४९९	सारस्वत व्याकरण प्रथमा वृत्ति
	तद्धित पर्यंत
२३८३	सारस्वत व्याकरण प्रदीपिका
७०६	सारस्वतव्याकरण बालावबोध
२९७६	सारस्वत व्याकरण बालावबोध
	सह
१९५	सारस्वत व्याकरण विसर्ग पर्यंत
२६५५	सारस्वत व्याकरण व्यंजनसंधि
१४२७	सारस्वत व्याकरण सटीक
१६४९	सारस्वत व्याकरण सुबोधिका
	टीका
१४०८	सारस्वत व्याकरण स्यादि
१४०९	सास्वत व्याकरण टीका
१८८३ (१५)	सिंदूर प्रकर
१५६०	सिंदूरप्रकर
२९०२	सिंदूरप्रकर
४५	सिंदूरप्रकर
२१८०	सिंदूर प्रकर
४७१	सिंदूरप्रकर टीका
१७६२	सिंदूरप्रकरबालावबोध सह
२०६०	सिंदूरप्रकर वृत्तिसह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१९८८	सिंदूरप्रकर सटीक
१६८०	सिंदूरप्रकर सटीक त्रिपाठ
१५५३	सिंदूरप्रकर सस्तबक
१५५६	सिंदूरप्रकर सस्तबक अपूर्ण
१९०	सिंदूरप्रकर सस्तबक श्लो.१४ सुधी
२३१९	सिंदूरप्रकर सावचूरि त्रिपाठ
१७४८	सिंहासन बत्रीसी कथा
१२११	सिंहासनबत्रीसी कथा
२२७३	सिद्धगीरी स्तवन
३१८७ (२)	सिद्धचक्र सज्झाय
२८२६	सिद्धचक्रस्तव आदि
३१८७ (१)	सिद्धचक्र स्तवन
२७२६ (३)	सिद्धचक्र स्तवन
२८६० (१०)	सिद्धचक्र स्तवन
२२४४	सिद्धचक्र स्तवन
३०९ (९)	सिद्धचक्रस्तवन
४१२ (३)	सिद्धचक्र स्तवन
२४००	सिद्धचक्र स्तोत्र सस्तबक
४२८	सिद्धदंडिकायंत्रसह आदि संग्रह
२०८३	सिद्ध दंडिका स्तव
२२११	सिद्धदंडिका स्तवन
२०९१	सिद्धदत्त कथा
७१६	सिद्धदत्त राजर्षि कथा
४४	सिद्धपंचाशिकाप्रकरण पञ्चपाठ
	बालाव० सह
१२०	सिद्धपंचाशिका बालावबोध सह
	त्रिपाठ
२७९७ (१)	सिद्धपंचाशिका सावचूरि पञ्चपाठ

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
९०८	सिद्धपंचाशिकास्तव अवचूरि सह
	त्रिपाठ
९६३	सिद्ध पंचाशिका स्तव सावचूरि
	त्रिपाठ
७२८ (२)	सिद्धपुरमंडण चन्द्रप्रभजिन स्तुति
३००० (२)	सिद्धसेन दिवाकर प्रबंध
१७३	सिद्धस्वरूप स्तवन
१६०७	सिद्धहेम शब्दानुशासन
	अष्टमोध्याय प्राकृतव्याकरण
	ढुंढिकासह
२८७९	सिद्धहेमशब्दानुशासन
	अष्टमोऽध्याय (प्राकृत व्याकरण)
	ढुंढिका टीका सह
१९२५	सिद्धहेमशब्दानुशासन
	अष्टमोऽध्याय प्राकृतव्याकरण
१४९५	सिद्धहेमशब्दानुशासन लघुवृत्ति
	द्वितीयस्याध्यायस्य द्वितीय पाद
	पर्यंत
१९२०	सिद्धहेमशब्दानुशासन लघुवृत्ति
	द्वितीयाध्यायस्य द्वितीयपादपर्यंत
१५०२	सिद्धहेमशब्दानुशासन लघुवृत्ति
	पञ्चमाध्याय पर्यंत
२१६४	सिद्धांत अतर्गत सुभाशिष
	श्लोकसङ्ग्रह
८२६	सिद्धांतचन्द्रका
१७६४	सिद्धांतचन्द्रका टीका अपूर्ण
५८७	सिद्धांतचन्द्रका व्याकरण
१७६५	सिद्धांतचन्द्रका सुबोधिनी टीका

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
१९२९	सिद्धांतबिदु
१३८७	सिद्धातबोल विचार
९५१	सिद्धांत बोल विचार
३१२३	सिद्धांत बोल विचार
९१	सिद्धांतबोलविचार
११४७	सिद्धांतविचार
७६०	सिद्धांतविचार
२५९८	सिद्धांत विचार
१९२८	सिद्धांतविचार
१५८३	सिद्धांतविचारबोल सङ्ग्रह
२२७	सिद्धांतसारप्रकरण सस्तबक
१०६९	सिद्धांतसारोद्धार
१९२३	सिद्धातहुडी
१८४३	सिद्धाचल तीर्थमाला
२४९७	सिद्धाचल तीर्थमाला
२५३	सिद्धाचल तीर्थमाला
५९१	सिद्धाचल तीर्थमाला
२८५	सिद्धाचलतीर्थमाला
५९२	सिद्धाचल तीर्थमाला
२८१९	सिद्धाचल नवाणुं यात्रापूजा
३१७८	सिद्धाचलना २१ दूहा
३१८७ (१४)	सिद्धाचल स्तवन
२३२९	सिद्धाचल स्तवन
२१८६ (१६)	सिद्धाचल स्तवन
१७५ (२)	सिद्धाचल स्तवन
२७६१	सिद्धाचल स्तवन आदि
११२५	सिद्धान्तसारविचार प्रकरण
२७५४	सिद्धि दडिका प्रकरण

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
२३०३	सिद्धिदंडिका स्तोत्र सस्तबक
२२३५	सिधरा भवानी छंद
९२६	सिन्दूरप्रकर सस्तबक अपूर्ण
२४९९	सिलोदक कल्प
२३७१	सीता रावण मंदोदरी हितवाक्य
२६४६	सीता स्वाध्याय
२९९१	सीमंधर जिन नमस्कार
१५३३	सीमंधरजिनविज्ञप्तिदोढसो गाथा स्तवन
२७५	सीमंधर जिन सवासो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह
६१८ (२)	सीमंधर जिन स्तवन
३०९ (६)	सीमधर जिनस्तवन
२१२	सीमंधर जिन स्तवन
३८२	सीमंधरजिनस्तवन
३१०९	सीमंधरजिन स्तवन
३०७३	सीमंधर जिन स्तवन
३०१५	सीमंधरजिनस्तवन
३०९०	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (२३)	सीमंधर जिन स्तवन
८३१ (१२)	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (१९)	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (१५)	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (१०)	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (१६)	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (२४)	सीमंधर जिन स्तवन
८३१ (४)	सीमंधरजिन स्तवन
८३१ (१३)	सीमंधरजिन स्तवन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
८३१ (७)	सीमंधर जिन स्तवन
११०२ (१)	सीमंधर जिन स्तवन
६९५	सीमधरजिन स्तवन
९५६	सीमंधरजिन स्तवन
२०९९	सीमंधरजिनस्तवन
२१५६	सीमंधर जिन स्तवन
६८२	सीमंधरस्वामि विज्ञप्तिरूप ३५० गाथानुं स्तवन बालाव० सह
५७७	सीमंधरस्वामिविज्ञप्ति साडा त्रणसो गाथानुं स्तवन बालाव० सह
३६०	सीमधरस्वामिविज्ञप्ति साडात्रणसो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह
३६१	सीमंधरस्वामिविज्ञप्ति साडात्रणसो गाथानुं स्तवन बालावबोधसह
३६२	सीमधर स्वामिविज्ञप्ति साडात्रणसो गाथानु स्तवन बालावबोध सह
८३७	सीमंधरस्वामि सवासो गाथानुं स्तवन
३६४	सीमधर स्वामि सवासो गाथानुं स्तवन स्वोपज्ञ बालावबोध सह
९०९	सीमंधरस्वामि सवासो गाथा स्तवन
२८६० (८)	सीमंधर स्वामि स्तवन
१९३२ (२०)	सीमन्धरजिनविज्ञप्तिस्तवन
१३७१ (११)	सीमन्धरजिनस्तवन
१९३२ (१७)	सीमन्धरजिनस्तवन
१३७१ (८)	सीमन्धरजिनस्तवन
१९३२ (१४)	सीमन्धरजिनस्तवन

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१९३२	(१३)	सीमन्धरजिनस्तवन
१९३२	(८)	सीमन्धरजिनस्तवन
१३७१	(४)	सीमन्धरजिनस्तवन
१३७१	(१३)	सीमन्धरजिनस्तवन
१३७१	(१५)	सीमन्धरजिनस्तवन
१३७१	(१६)	सीमन्धरजिनस्तवन
१९३२	(११)	सीमन्धरस्तवन
१९३२	(१०)	सीमन्धरस्तवन
१९३२	(४)	सीमन्धरस्तवन
१३६२		सीमन्धरस्वामिविनतिरूप ३५० गाथानुं स्तवन सबालावबोध
१९०६		सुंदरप्रकाश
२३६५		छ व्रतनी सज्झाय
२४९४	(२)	सुंदरी महासती सज्झाय
२३२७		सुकोसल भास एकावनी
३०५	(१)	सुकोसल भास एकावनी
३११४		सुकोसल मुनि भास बावनी
१५५७		सुक्तावली
२६६२		सुगुरू कुगुरू षट्त्रिशिका
२२९८		सुदर्शन ऋषि सज्झाय
२६५८		सुदर्शन शेठ सज्झाय
२३६०		सुदर्शन श्रेष्ठि रास
२६१७		सुदर्शन श्रेष्ठि सज्झाय
१६७८	(२)	सुदर्शन श्रेष्ठि स्वाध्याय
२४१७		सुधर्मास्वामि रास
२५९५		सुपार्श्वनाथ-शीतलनाथ पर्यंत स्तवन
२९८१		सुपार्श्वनाथ स्तवन

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
१२४४		सुबाहुकुमार चरित्र
२८०३		सुभद्रासती सज्झाय
२९८९		सुभाषित
२१३०		सुभाषित दूहा बलराजा कथा
३१२८		सुभाषित श्लोक
२६५९		सुभाषित श्लोक सङ्ग्रह
१००१		सुभापितानि श्लोकसङ्ग्रह सटिप्पन
२८८२		पाक्षिकप्रतिक्रमणविधि
३७९	(३)	सुमतिजिनस्तवन
३७९	(४)	सुमतिजिनस्तवन
२८२२		सुमतिनाथ स्तुति आदि
९९६	(१३)	सुमति सज्झाय
२२०७		सुमुखनृपादि मित्रचतुष्ककथा
२२१		सुरदीपिका
२३६३		सुरप्रिय रास
२०७७	(१)	सुरसुंदरी चोपाई
१२३२		सुरसुंदरीरास
१८४०		सुरसुंदरी रास
१६९३		सुरसुंदरी रास
२१५४		सुलसा स्वाध्याय
२३४१		सुसढ कता
२४२५		सुसढ कथा
२२५४		सूक्तमाला
८९		सूक्तमाला
२६७०		सूक्तावली
१२२५		सूत्रकृतांग दीपीकासह
९३५		सूत्रकृतांग प्रथम श्रुतस्कंध बालावबोध सह पञ्चपाठ

क्रमांक	पुस्तकनु नाम
१००९	सूत्रकृतांगसूत्र
१२५२	सूत्रकृतांगसूत्र
५३२	सूत्रकृतांगसूत्र
६३०	सूत्र कृतांगसूत्र
१८३१	सूत्रकृतांगसूत्र
६६८	सूत्रकृतांगसूत्र निर्युक्ति
१०१२	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध
११४२	सूत्रकृतांगसूत्र प्रथम श्रुतस्कंध
४७	सूत्रकृतांगसूत्रवृत्ति
३५६	सूत्रकृतांगसूत्र वृत्तिसह त्रिपाठ
१९८१	सूत्रकृताङ्गसूत्र द्वितीय श्रुतस्कंध बालाव०सह त्रिपाठ
२०८६	सूत्रकृताङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कंध
२०८५	सूत्रकृताङ्गसूत्र प्रथमश्रुतस्कंध
२०७३	सूत्रकृताङ्गसूत्र बालावबोध सह अपूर्ण
८९१	सूत्राकृतांगसूत्र त्रूटक
२४१३	सूरप्रिय कुमार रास
२५१२	सूरप्रिय केवलीरास
११९४	सूरसुंदरी चोपाई
१९	सूर्यप्रज्ञप्तिउपांगसूत्र
१८	सूर्यप्रज्ञप्तिउपांगसूत्रवृत्ति
१९०४	सूर्यप्रज्ञप्तिउपाङ्गसूत्र
४३०	सूसढकथा बालावबोध सह
२१२८	सोभनस्तुति सावचूरि त्रिपाठ
१६८६	सोलसतीभास
२८२१	सोलसती सज्झाय
२३९२	सोल स्वप्न स्वाध्याय

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
३१५२	सौभाग्यपंचमीकथा गद्य सस्तबक
२४४०	सौभाग्यपंचमीमाहात्म्य गर्भित नेमिजिनस्तवन
२११२	सौभाग्य पंचमी स्तवन
२०८८ (१)	स्तवन
३१८७	स्तवन, सज्झाय, गहुंली सङ्ग्रह
४०९	स्तवन–पदसंग्रह
१८३	स्तवन–सज्झाय
४२०	स्तवन–सज्झाय–गहूंली स्तुति आदि संग्रह
६१८	स्तवन–सज्झाय संग्रह
४११	स्तवन–सज्झाय संग्रह
१४४३ (१)	स्तवन–सज्झाय सङ्ग्रह
२८०६	स्तवन–सज्झायादि
२२६३	स्तवन पद
३७९	स्तवन संग्रह
२०५	स्तवन संग्रह
२१४	स्तवन संग्रह
१९१	स्तवनसंग्रह
४१२	स्तवन संग्रह
८३१	स्तवन संग्रह–स्तवनावलि
९४४	स्तवन सङ्ग्रह
११०२	स्तवन सङ्ग्रह
१३७१	स्तवन सङ्ग्रह
१९३२	स्तवनसङ्ग्रह
२८६०	स्तवन सङ्ग्रह
२६५६ (१)	स्तवन सङ्ग्रह
२७२६ (१)	स्तवन सङ्ग्रह

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२२७८	स्तवन सङ्ग्रह
२१८८	स्तवन सङ्ग्रह
२१०९	स्तवनसङ्ग्रह
२३८७	स्तवनसङ्ग्रह
२१०७	स्तवनसङ्ग्रह
२२७५	स्तवन सङ्ग्रह
२५४४	स्तवन सङ्ग्रह
२६३१	स्तवनसङ्ग्रह
३१९४	स्तवनसङ्ग्रह गूटको
२५४७ (१)	स्तवन सङ्ग्रह त्रूटक
२४७८	स्तवन सज्झाय
२१८	स्तवन सज्झाय
२८४६	स्तवन सज्झाय आदि
७३३	स्तवन सज्झाय संग्रह
६३७	स्तवन सज्झाय संग्रह
३०९	स्तवन सज्झाय संग्रह
३३४	स्तवन सज्झाय संग्रह
३०३	स्तवन सज्झाय संग्रह
३०१	स्तवन सज्झाय संग्रह
३०४	स्तवन सज्झाय संग्रह
२२१२	स्तवन सज्झाय सङ्ग्रह
२२८१	स्तवनादि
१७०	स्तवनो
३०४९	स्तवनो
३०७	स्तुति थोय–संग्रह
१०८३	स्तोत्र सङ्ग्रह
१३३८ (३)	स्त्रीद्वये कथा
२७२४ (३)	स्थंभन पार्श्व स्तवन

क्रमांक	पुस्तकनुं नाम
२५७१	स्थविराली नंदिसूत्रमंगल गाथा सस्तबक
१८८३ (८)	स्थविरावली
२९६४	स्थविरावली (नंदीगत) सबालावबोध
२३६९	स्थविरावली–नंदिअंतर्गत मंगलगाथा बालाव०सह
२९११ (२)	स्थविरावली नंदिसूत्र मंगलगाथा
२९६	स्थविरावली नंदिसूत्रमंगलगाथा
१२२६	स्थविरावली बालावबोध सह
१८९४	स्थानांगसूत्र
७७९	स्थानांगसूत्र दीपिका वृत्तिसह त्रिपाठ
१८३४	स्थानांगसूत्र बालावबोध सस्तबक
८९५	स्थानांगसूत्र वृत्ति
६४	स्थानांगसूत्रवृत्ति
२८७५	स्थानांगसूत्र सावचूरि पञ्चपाठ
१३३८ (९)	स्थिरता श्रीदेव ज्ञात कथा
२०००	स्थूलभद्र–गुणरत्नाकर छंद
२३६७	स्थूलभद्र एकवीसो
१५९३	स्थूलभद्र गुणरत्नाकर छंद
१२४९	स्थूलभद्र चरित्र
११४४	स्थूलभद्रचरित्र पद्य
१७८२	स्थूलभद्रचरित्र पद्य सस्तबक
२६३६	स्थूलभद्र नव रसो
३०१९	स्थूलभद्र सज्झाय
१३३८ (१९)	स्थूलिभद्रकथा
३१५६ (२)	स्थूलिभद्र स्वाध्याय

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२३९८		स्नातस्यास्तुति आदि
२६२५		स्नात्र पूजा
११३९		स्नात्रपूजा
२१०	(२)	स्नात्रपूजा अपूर्ण
३५७		स्नात्रपूजाविधि
२२५३		स्नात्र पूजा विधि
२९२		स्नात्रपूजा विधि सस्तबक
९१७		स्मरणानि
१२४०		स्याद्वादमंजरी
८९४		स्याद्वाद मंजरी
२७७३		स्वाध्याय
१६७७		स्वाध्याय-सज्झाय सङ्ग्रह
२१५९		स्वामिवात्सल्य विचार अधिकार सस्तबक
२५३८		हंसराज वच्छराज रास
२११८	(२)	हंसराज वत्सराज कथा

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
२११८	(१)	हरिबल कथा
६८१		हरिबल रास
३१६६		हरियाली
४०७		हरियाली सस्तबक
३०८३		हरिवाहनरास
७७४		हरिविक्रमचरित्र
२६१		हरिविक्रमचरित्र
२२३६	(५)	हरीयाली
२२३६	(४)	हरीयाली
२०९		हिंसाष्टक सावचूरि सह
३०९	(१)	हितशिक्षा सज्झाय अमृतवेली
२२३८	(२)	हितशिक्षा स्वाध्याय
२४८६	(२)	हितशिक्षास्वाध्याय
२९४४		हितशिक्षा स्वाध्याय
२१७०		हित शिक्षा स्वाध्याय मौन एकादशी स्तुति

क्रमांक		पुस्तकनुं नाम
३०९	(७)	हितशिखामण
७०४	(४)	हितशिखामण सज्झाय
३०९	(१०)	हितशीखामण
२४३५		हितोपदेश (वैद्यक)
२८४५		हितोपदेश सज्झाय
१९६६		हीरकलश अपूर्ण
५३०		हीरप्रश्न-प्रश्नोत्तर समुच्चय
२९१८		हीरप्रश्न प्रश्नोत्तरसमुच्चय
२५१०		हीरविजयसूरि सज्झाय
२१३३		हीरसूरि सज्झाय
३०४५		हुंडी सज्झाय
१९३२	(२)	हुंडीस्तवन
१३७१	(२)	हुंडीस्तवन
३७०		होलीकथा सस्तबक
३०७१		होलीपर्वकथा रजःपर्व कथा सस्तबक
४७९		होलीरजःपर्वकथा सस्तबक

।। श्री शंखेश्वरपार्श्वनाथाय नमः ।।

श्री संघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता सख्या	श्लोक-सवत्	लेखन-सवत्	रचना-संवत्
३३२	१	(१)	कर्मविपाकमूल	१-३	प्राकृत	देवेन्द्रसूरि	गा १६०	१४६२	
३३२	१	(२)	कर्मविपाकवृत्ति[1]	३-४४	संस्कृत	देवेन्द्रसूरि	१७८२	१४६२	
३३२	१	(३)	कर्मस्तवमूल	४४-४५	प्राकृत	देवेन्द्रसूरि	गा. ३४	१४६२	
३३२	१	(४)	कर्मस्तववृत्ति	४५-६७	संस्कृत	देवेन्द्रसूरि	८३०	१४६२	
३३२	१	(५)	बधस्वामित्व सावचूरि	६७-७७	प्रा.	देवेन्द्रसूरि		१४६२	
३३२	१	(६)	षडशीति सटीक	७७-१४२	प्रा.सं	देवेन्द्रसूरि	२८००	१४६२	
३३२	१	(७)	शतक सटीक[2]	१४३-२५०	प्रा.सं.	देवेन्द्रसूरि	४३४०	१४६२	
३३२	१	(८)	सप्ततिका सटीक	२५०-३५१	प्रा.सं.	टी मलयगिरि	३८८०	१४६२	
३३३	२	(१)	उत्तराध्ययननिर्युक्ति[3]	१-१७	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	गा. ६०७,७५०	१४८९	
३३३	२	(२)	उत्तराध्ययनपाईयटीका पूर्वार्ध	१-२३५	प्रा.सं.	शातिसूरि			
३३३	३		उत्तराध्ययनपाईयटीका उत्तरार्ध	२३६-४६२	प्रा.सं.	शांतिसूरि	१८०००	१४८९	
३९२	४(१)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशमपर्व (महावीर चरित्र)[4]	१६८	संस्कृत	हेमचन्द्राचार्य		१३७२	
१०(१)	४(२)	(२)	दशवैकालिकटीका	११५	संस्कृत	सुमतिसूरि		११८८	
१०(२)	४(३)	(३)	उत्तराध्ययनसूत्र	१०६	प्रा.				
३९४	५	(१)	प्रमेयकमलमार्तंड[5]	२७८	सं.				
३७५	६	(१)	ज्ञाताधर्मकथाग सूत्र[6]	११९	प्रा.		५४६४		
३७५	६	(२)	ज्ञाताधर्मकथागवृत्ति[7]	१००	सं	अभयदेवाचार्य	४३६६	१३८६	११२०
३७१	७	(१)	पउमचरिउ (पद्म चरित्र)[8]	२५६	प्रा	विमलाचार्य	१०५००	१४५८	वी. ५३०
४०२	८	(१)	कथावली प्रथम खड-प्रथम विभाग	३०७	प्रा.	भद्रेश्वरसूरि			
४०२	८	(२)	कथावली प्रथम खंड-द्वितीय भाग[9]	३०७	प्रा.	भद्रेश्वरसूरि	१२६००	१४९७	
४०३	९	(१)	कथावली प्रथम खंड-प्रथम विभाग	१-१५१	प्रा.	भद्रेश्वरसूरि			
४०३	९	(२)	कथावली प्रथम खंड-द्वितीय भाग	१५१-३०२	प्रा.	भद्रेश्वरसूरि	१२६००	१४९७	
३८३	१०	(१)	जीवाभिगम सूत्र	१-१२३	प्रा.		४७००	१४४४	
३८३	१०	(२)	जीवाभिगमवृत्ति[10]	१२४-३७१	स.	मलयगिरि			

१. पत्र ५-६-७-८-२३-२४ टुकडा नथी - पत्र १०-१७ नथी २. संवत १४६५मा श्री देवसुदर सूरिना उपदेशथी पाटणना भडारमा मूकाव्यु ३. डुंगरपुरमां गजपाल राजाना राज्यमां लखाव्यु छे. ४. प्रथम त्रण पत्रना टुकडा छे, सिद्धराजराज्ये. ५. १७७ पत्र नथी-अपूर्ण, दिगंबर न्याय ६. पाटीओ ठीक करवानी ७. सारी छे ८. वचमां केटलाक पत्रो नथी अने टुकडा पण छे, छतां सारी छे ९. संपूर्ण सारी छे १०. अपूर्ण छे-वचमा जीर्ण

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३८७	११	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र[1]	१-४७	प्रा.		२०५६	१४००	
३८७	११	(२)	उत्तराध्ययनसूत्रसुबोधावृत्ति	१-१६०	सं.	देवेन्द्रगणि			
३८७	११	(३)	उत्तराध्ययनसूत्रसुबोधावृत्ति[2]	१६१-२७६	सं.	देवेन्द्रगणि	१२०००	१४००	११२९
३७३	१२	(१)	पुष्पमाला (कुसुममाला) वृत्ति[3]	३४८	सं.	मलधारि हेमचन्द्रसूरि	१३८६८	१३१३	
३७०	१३	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र पर्व ३थी५	१-१७६	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३७०	१३	(२)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र पर्व ६-७-९[4]	१७७थी३८०	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३९१	१४	(१)	भगवतीसूत्रवृत्ति[5]	४३८	प्रा.	अभयदेवाचार्य	१८६१६	१३१८	११२८
४०५	१५	(१)	विशेषावश्यकलघुवृत्ति[6]	२७५	प्रा.सं.	कोट्टाचार्य		१४९१	
३५३	१६(१)	(१)	पिंडनिर्युक्तिवृत्ति[7]	१८७	सं.	मलयगिरि	७०००		
२२०	१६(२)	(२)	शतकचूर्णि	१२५	प्रा.				
१७५	१६(३)	(३)	अनुयोगद्वार चूर्णि[8]	१२८	प्रा.	जिनदासगणि महत्तर			
३५५	१७(१)	(१)	ओघनिर्युक्तिटीका	२१३	सं.	द्रोणाचार्य			
१८७	१७(२)	(१)	ओघनिर्युक्ति	१-७५	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि			
		(२)	पिंडनिर्युक्ति	७५-१३०	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि			
२९७	१७(३)	(१)	ओघनिर्युक्ति[9]	१३१-१७८	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि			
२९७	१७(३)	(२)	पिंडनिर्युक्ति	१७९-१८८	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि			
२९७	१७(३)	(३)	भगवती आलापक						
३६९	१८	(१)	सन्मतितर्कटीका द्वितीय-तृतीय कांड[10]	३३५	सं.	अभयदेवाचार्य		१४४६	
३४४	१९	(१)	महानिशीथ सूत्र	१-१११	प्रा.		४५०४	१४५६	
३४४	१९	(२)	दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति	११२-११५	प्रा.		१५४		
३४४	१९	(३)	दशाश्रुतस्कंधचूर्णि	११६-१६१	प्रा.		२२२५		
३४४	१९	(४)	दशाश्रुतस्कंधसूत्र	१६१-२०४	प्रा.		२०९६		
३४४	१९	(५)	पंचकल्प बृहद् भाष्य	२०५-२५८	प्रा.	संघदास क्षमाश्रमण	३१२५		
३४४	१९	(६)	पंचकल्पचूर्णि[11]	२५९-३१५	प्रा.				
३४४	१९	(७)	बृहत् कल्पसूत्र[12]	३१६-३२३	प्रा.				

१. सारी २. सारी ३. वचमां घणा पानाना टुकडा छे तेम सर्वथा पण नथी. ४. अष्टम पर्व नथी. ५. प्रथम पत्र-१ नथी, पाछळ सात पानां तूटेलां मूक्यां छे. ६. सारी ७. सारी ८. सारी ९. त्रुटक-अपूर्ण १०. सारी-३३४-३३५ बेना टुकडा छे. ११. घणा पानानी कोरो कपाई गई छे. १२. नकामु-फाटी गयु छे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
	१९	(८)	जीतकल्पवृत्ति[१]	३२४-३५८	सं.	तिलकाचार्य	१८००		
४४	१९	(९)	जीतकल्पसूत्र[२]						
३८९(२)	२०	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्ति टीका[३]	२७३	स.	मलयगिरि		१४८१	
३३१	२१	(१)	स्याद्वादरत्नाकर प्रथम खंड[४]	३११	सं.	वादी देवसूरि		१४७६	
३६६	२२	(१)	पंचाशक १९[५]	१-४४	प्रा.	हरिभद्रसूरि			
३६६	२२	(२)	पंचाशकवृत्ति[६]	४५-३६६	सं.	अभयदेवाचार्य	१४४२	११२४	
३९६	२३	(१)	आवश्यकलघुवृत्ति[७]	१-१८१	सं.	तिलकाचार्य	१२३२५	१४८६, १२९६	
३९६	२३	(२)	आवश्यकलघुवृत्ति[८]	१८१-३६०	सं.	तिलकाचार्य			
३९०	२४	(१)	आवश्यकचूर्णि[९]	४०३	प्रा.		१८०००	१३७७	
४११	२५	(१)	अरिष्टनेमिचरित्र[१]	२७७	प्रा.	रत्नप्रभसूरि	१३६००	१२३३	
३७६(३-४)	२६	(१)	सूर्यप्रज्ञप्तिसूत्र	५०	प्रा.		२२००	१४८१	
३७६(३-४)	२६	(२)	सूर्यप्रज्ञप्तिटीका	२३७	सं.	मलयगिरि			
३४९	२७(१)	(१)	उपदेशकंदली वृत्ति सह	२३६	सं.	मू. आसड वृ. बालाचन्द्राचार्य	७६००		
७	२७(२)	(१)	योगशास्त्रान्तर्गत चैत्यवंदन वृत्ति	१२९	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३१	२७(३)	(१)	योगशास्त्रान्तर्गत श्लोको	८५	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३५८	२८	(१)	द्वयाश्रय वृत्ति १थी११ सर्ग सुधी	२८४	सं.	हेमचन्द्राचार्य टी. अभयतिलकगणी		१४८५	
३५७(१)	२९(१)	(१)	द्वयाश्रय वृत्ति सर्ग १२ थी संपूर्ण[१०]	१९९	सं.	हेमचन्द्राचार्य वृ. अभयतिलकगणी	८८५८	१४८६	१३२२
३८९(१)	२९(२)	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र[११]	१-४६	प्रा.				
३५६(३)	३०	(१)	आचारांगवृत्ति	३६७	सं.	शीलांकाचार्य	१२०००	१४६७	शके-७९८
३५६(१-२)	३१(१)	(१)	आचारांगनिर्युक्ति	१-१४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ३६५		
३५६(१-२)	३१(१)	(२)	आचारांगसूत्र	१-७६	प्रा.				
३५९(२)	३१(२)	(१)	स्थानांगसूत्र	३६९-४६८	प्रा.		३६००		
३९७(१-२)	३१(३)	(१)	सूत्रकृतांग मूल	१-४८	प्रा.				
३९७(१-२)	३१(३)	(२)	सूत्रकृतांगनिर्युक्ति	४९-५४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी		१४६८	

१. वचला अने छेल्ला पानाना टुकडा छे. २ वच्चमां फाटी गयेला टुकडा छे. ३. सारी छे. ४. २९६, २९७, २९९, ३०१, ३०६, ३०९ना टुकडा छे. २९२-२९५-३०४ नथी. ५. वचमां पत्रो त्रुटक छे ६. सारी छे. ७. प्रत घणी सारी छे. ८. श्रावक अब्हनी खरीदेली. ९. संपूर्ण सारी. १०. सारी ११. कोई कोई पानुं चोटेलुं छे. १४८५मां जीर्णोद्धार थयो छे.

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३६७	३२	(१)	अनुयोगद्वारसूत्र[1]	१-४३	सं.		२००५	१४८०	
३६७	३२	(२)	अनुयोगद्वारवृत्ति[2]	४४-२२३	सं.	मलधारी हेमचन्द्र	५८८८	१४८०	
३९५	३३(१)	(१)	उपासकदशांग[3]	१-१७	प्रा.		८१२	१४५५	
३९५	३३(१)	(२)	अंतकृद्दशांग[4]	१७-३१	प्रा.		८९०	१४५५	
३९५	३३(१)	(३)	अनुत्तरौपपातिकदशांग[5]	३१-३४	प्रा.		१९२	१४५५	
३९५	३३(१)	(४)	प्रश्नव्याकरणसूत्र[6]	३४-५९	प्रा.		१३५०	१४५५	
३९५	३३(१)	(५)	विपाकसूत्र[7]	५९-८५	प्रा.		१३१६	१४५५	
३९५	३३(१)	(६)	उपासकदशांगटीका[8]	८५-१०५	सं.	अभयदेवसूरि		१४५५	
३९५	३३(१)	(७)	अंतकृद्दशांगटीका[9]	१०५-११२	सं.	अभयदेवसूरि	१३००	१४५५	
३९५	३३(१)	(८)	अनुत्तरौपपातिकदशांगटीका[10]	११२-११४	सं.	अभयदेवसूरि		१४५५	
३९५	३३(१)	(९)	प्रश्नव्याकरणटीका[11]	११४-२०७	सं.	अभयदेवसूरि	५६३०	१४५५	
३९५	३३(१)	(१०)	विपाकसूत्रटीका[12]	२०८-२२६	सं.	अभयदेवसूरि		१४५५	
८३	३३(२)	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र[13]	१०१	प्रा.			११५९	
१७४(४)	३३(३)	(१)	दशवैकालिकसूत्र[14]	३३५-३८५	प्रा.	शय्यंभवसूरि	गा. ७००		
३६४	३४(१)	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्तिटीका	१०२-१९७	सं.	मलयगिरि			
३४६	३४(२)	(१)	पद्मप्रभचरित्र[15]	१८१	प्रा.	बालिहर गच्छीय देवसूरि	१२५४	१४७९	
३४३	३५(१)	(१)	दशवैकालिकसूत्र	१-१६	प्रा.	शय्यम्भवसूरि			
३४३	३५(१)	(२)	दशवैकालिकनिर्युक्ति	१७-२८	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी			
३४३	३५(१)	(३)	दशवैकालिकवृत्ति	२९-१९०	सं.	हरिभद्रसूरि			
२३०	३५(२)	(१)	पाक्षिक सूत्र	१-३२	प्रा.				
२३०	३५(२)	(२)	दशवैकालिकसूत्र	३३-६७	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	७००		
		(३)	पिंडविशुद्धि	६८-८०	प्रा.	जिनवल्लभगणी	गा. १०४		
२३८(१)	३५(३)	(१)	दशवैकालिकलघुवृत्ति[16]	१८०	सं.				
३७९	३६	(१)	कल्पचूर्णि[17]	२-८१	प्रा.				
३७९	३६	(२)	कल्पभाष्य[18]	२१-२०८	प्रा.		६६००		
३७८	३७	(१)	नंदीसूत्र[19]	१-१५	प्रा.		७००	१४८९	
३७८	३७	(२)	नंदीसूत्र वृत्ति[20]	१६-२२६	सं.	मलयगिरिसूरि	७७३२	१४८९	

१. सारी पूर्ण २. सारी पूर्ण ३. सारी छे. ४. सारी छे. ५. सारी छे. ६. सारी छे ७. सारी छे. ८. सारी छे. ९. सारी छे. १०. सारी छे. ११. सारी छे. १२. सारी छे. १३. सपूर्ण १४. १२ प्राभृतथी छे. आदिनो भाग नथी. १५. कोई ठेकाणे चोंटेली छे. १६. अपूर्ण १७. त्रुटक छे. जीर्णप्राय. १८. त्रुटक छे. जीर्णप्राय. १९-२०. सारी-पूर्ण.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३५९(१)	३८	(१)	स्थानांगसूत्रवृत्ति[1]	३६८	सं.	अभयदेवसूरि	१४२५०		११२०
३९७(३)	३९	(१)	सूत्रकृतागवृत्ति[2]	२८३	सं.	शीलांगाचार्य			
३८४(२)	४०	(१)	व्यवहारचूर्णि[3]	२७१	प्रा.		१२०००	१४७०	
३८४(१)	४१(१)	(१)	व्यवहारभाष्य[4]	१२७	प्रा.				
३७६(१-२)	४२(२)	(१)	जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति[5]	९९	प्रा.			१४७६	
३७६(१-२)	४२(२)	(२)	जंबूद्वीपचूर्णि	४०	प्रा.			१४७९	
३७२	४२	(१)	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र[6]	१४४	प्रा.		५०००		
३७२	४२	(२)	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र[7]	१२३	सं.	अभयदेवसूरि			११२०
३८५	४३	(१)	उत्तराध्ययनसुखबोधावृत्ति[8]	३४७	सं.				
३२८	४४	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र[9]	५४	प्रा.		२०५४	१४७९	
३२८	४४	(२)	चन्द्रप्रज्ञप्तिवृत्ति[10]	२६५	सं.	मलयगिरि	९५००	१४८०	
३८१	४५	(१)	धर्मसंग्रहणीवृत्ति[11]	३२९	सं.	मलयगिरि		१४३७	
४०७	४६	(१)	स्याद्वादरत्नाकर पचमषष्ठादि परिच्छेद[12]	३४१	सं.	वादी देवसूरि	७२८४		
३८०	४७	(१)	श्री सुपार्श्वनाथचरित्र[13]	२७५	प्रा.	लक्ष्मणगणी			
४०४	४८	(१)	श्री श्रेयांसजिनचरित्र[14]	२३७	प्रा.	विमलचन्द्राचार्य	११०००	१४७०	
४१३	४९	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति तृतीयाध्याय द्वितीयपाद-पर्यन्त	१९४	सं.	हेमचन्द्रसूरि			
४१३	४९	(२)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति तृतीयाध्याय (तृतीयाध्यायथी पंचमाध्याय पर्यन्त)	१५०	सं.	हेमचन्द्रसूरि			
४१३	४९	(३)	उणादिवृत्तिनां केटलांक पत्रो छे		सं.	हेमचन्द्रसूरि			
३४०	५०	(१)	उपदेशमाला दोगट्टीवृत्तिसहित[15]	३४६	प्रा.सं.	रत्नप्रभसूरि	११७६४	१२९३	१२३८
४१२	५१	(१)	श्री चन्द्रप्रभचरित्र[16]	२६५	प्रा.	हरिभद्रसूरि	८०३२	१२२३	
३३०	५२	(१)	कुमारपालप्रतिबोध[17]	५१-३०५	प्रा.	सोमप्रभाचार्य			

१. प्रत वळेली छे-पण सारी. २. अपूर्ण ३. सारी छे. ४. सारी छे पत्र ७० तूटेलु छे. पत्र ६९-७०नी एक एक फांसीका छे. ५. ८मुं पत्र नथी. ६. सारी छे. ७. सारी छे ८. वचमां त्रुटक छे. अंत नथी. ताडपत्रना पानामां लखेला अंकवाळा पत्रो नथी. ९. सारी अने पूर्ण. १०. सारी अने पूर्ण. ११. सारी, ताडन वळी गयेली. मुश्केलीथी बांधी छे. १२. वचमां ८५ पत्र लख्यो नथी. तेमज घणे ठेकाणे पत्रो लखवानां छे १३. प्रत सारी-पदच्छेद करेली. १४. सारी छे. १५. सारी, चंद्रावतीमां पं मलयचंद्रे लखेली छे. पहेलां बीजा पानामां ३-३ नथी. बे पानामां एक १-१ नथी. १६. आदिना १३ पाना नथी. १७. ५३, ५४, ५९, १६१, १६२ पत्रो नथी. अंतमां पण पत्रो छूटे छे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३५१	५३	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र प्रथम पर्व (श्री आदिनाथचरित्र)[1]	२२१	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३३९	५४(१)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशम पर्व (श्री महावीरचरित्र)[2]	२२०	सं.	हेमचन्द्राचार्य		१२९४	
२११(२थीद)	५४(२)	(१)	संग्रहणी	१-४६	प्रा.		गा. ३६६		
२११(२थीद)	५४(२)	(२)	बत्रीस जीव परिमाण	४६-४९	प्रा.		गा. २८		
२११(२थीद)	५४(२)	(३)	दुःसम गडिका	१-१९	प्रा.		गा. ११२	१२८४	
२११(२थीद)	५४(२)	(४)	वोच्छेय गंडिया	१९-४६	प्रा.		गा. १७३	१२८४	
२११(२थीद)	५४(२)	(५)	जंबूद्वीप समास[3]	४७-६१	प्रा.				
२४४	५४(३)	(१)	संग्रहणी	४८	प्रा.	चन्द्रसूरि			
२४४		(२)	यमकस्तुति वृत्ति	५६	सं.	मू. सोमसूरि			
३३७	५५(१)	(१)	उपदेशमालावृत्ति कथानक साथे[4]	२९६	प्रा.सं.	सिद्धर्षिगणि	९५००		
२००	५५(२)	(१)	योगशास्त्र	१-७६	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
२००	५५(२)	(२)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	७७-८१	सं.	विमलाचार्य	२९		
२००	५५(२)	(३)	धर्मलक्षण	८२-८४	सं.				
२००	५५(२)	(४)	पुराण श्लोको	८४-९७	सं.				
२००	५५(२)	(५)	स्थविरावलि	९७-१०५	स.				
२००	५५(२)	(६)	वीतरागस्तव	१०५-१३७	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
२००	५५(२)	(७)	ऋषभपंचाशिका	१३७-१४६	सं.	धनपाल कवि	५०		
२००	५५(२)	(८)	सिंदूरप्रकर[5]	१६-३१	सं.	सोमप्रभाचार्य			
१४८	५५(३)	(१)	आराधना कुलक	७२-८४	प्रा.	सोमसूरि			
१४८	५५(३)	(२)	जीवानुसट्ठि संधि	८५-९२	अपभ्रंश				
१४८	५५(३)	(३)	अनाथी सधि	९२-१०१	अपभ्रंश				
१४८	५५(३)	(४)	अवतिकुमार संधि	१०१-१२१	अपभ्रंश				
३४७	५६(१)	(१)	क्रियारत्नसमुच्चय	२१२	सं.	गुणरत्नसूरि	५७७८	१४९२	१४६६
२४३	५६(२)	(१)	उपदेशमाला	१-७७	प्रा.		गा. ५४१		
२४३	५६(२)	(२)	सग्रहणी	१-४५	प्रा.	चन्द्रसूरि	गा. २७३		
२४३	५६(२)	(३)	सकलतीर्थ स्तोत्र	१००-१०४	प्रा.	सिद्धसेनसूरि			

१. छठ्ठो सर्ग अपूर्ण छे. २०६, २१२, २१८ पत्रो नथी. प्रथम पत्र (त्रुटक) नथी. २ पत्र १०-११-१३-१४-१८-१२१-१३८-१३९-१८६-१९१ नथी. २१८ त्रुटक छे. कुमारपालनी ने २२०मां देवीनी मूर्ति चीतरेली छे. (श्रीदेवी श्राविका) ३. अपूर्ण ४. सारी ५. अपूर्ण.

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२४३	५६(२)	(४)	श्रावकविधि	१०५-१०८	प्रा		गा. २३		
२४३	५६(२)	(५)	धर्मोपदेश		अपभ्रंश		७		
२४३	५६(२)	(६)	आत्मशुद्धिस्तव		सं.		९		
२४३	५६(२)	(७)	स्तव		सं.	हरिभद्रसूरि	२०		
२४३	५६(२)	(८)	कायस्थितिस्तव		सं.		१३		
२४३	५६(२)	(९)	साधुगुण						
२३(१थी४)	५६(३)	(१)	वृत्तरत्नाकरवृत्ति[1]	४८	सं.	श्रीकंठ पंडित			
२३(१थी४)		(२)	धातुपाठ[2]	३७-६०	सं.	हेमाचार्य			
२३(१थी४)		(३)	लिंगानुशासन	६०-७४	सं.	हेमाचार्य			
२३(१थी४)		(४)	वृत्तरत्नाकर	७५-८६	सं.	केदार भट्ट			
३३८	५७(१)	(१)	श्री शांतिनाथचरित्र प्रथम भाग	१५८	सं.				
३३८		(२)	श्री शांतिनाथचरित्र द्वितीय भाग[3]	१५९-३१६	सं.	माणिक्यचन्द्रसूरि	५५००	१४७०	
९१(१-२)	५७(२)	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र[4]	१५९	प्रा.		१३८१		
९१(१-२)		(२)	सामुद्रिक	१५९-१६२	सं.				
९१(१-२)		(९)	वंदनफल-गणधरवाद-श्रावकव्रत-भंग-उत्तराध्ययन सुभाषित विगेरे	१६२-१९०	प्रा.सं.				
४०६	५८(१)	(१)	भाष्य (जीतकल्प भाष्य)[5]	४९-१७७	प्रा.				
३६०	५८(२)	(१)	सन्मतितर्क वृत्ति[6]	३थी१८८	सं.	अभयदेवसूरि			
२११(१)	५८(३)	(१)	पंचाशक सूत्र	९९	प्रा.	हरिभद्राचार्य			
२२९	५८(४)	(१)	अनुयोगद्वारचूर्णि	१५८	प्रा.	जिनदासगणि महत्तर			
३५०	५९(१)	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र[7]	२-२५१	सं.	भावदेवसूरि	६०७४	१४६३	
२०२	५९(२)	(१)	मोक्षोपदेशपंचाशत्	१-८	सं.	मुनिचन्द्रसूरि	गा. ५०		
२०२	,,	(२)	जीवोपलंभपंचाशिका	८-१६	प्रा.				
२०२	,,	(३)	हितोपदेश	१६-१९	प्रा.		गा. २५		
२०२	,,	(४)	उपदेश	१९-१२	प्रा.		गा. २५		
२०२	,,	(५)	उपदेशामृत	२२-२५	प्रा.				
२०२	,,	(६)	विषयानुशासनांकुश	२६-२९	प्रा.				
२०२	,,	(७)	उपदेशरसायन	२९-३३	प्रा.				

१. कागळ, अपूर्ण. २. अपूर्ण. ३. ३१५मु पत्र तूटी गयुं छे, वचमां कोईक पत्र भूंसाई गयुं छे. ४. कागळमां. ५. आदि अंत न होवाथी कया शास्त्रनुं भाष्य ए जणातुं नथी. ६. त्रुटक-अपूर्ण. ७. पत्र ३९-२१२-२२८-२४० नथी. पत्र २०८-२११-१८-२२०ना टुकडा छे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२०२	५९(२)	(८)	धर्मोपदेशलेश	३३-३६	प्रा.	मुनिचन्द्रसूरि	गा. २५		
२०२	,,	(९)	सम्यक्त्वोपायविधि	३६-४०	प्रा.		गा. २९		
२०२	,,	(१०)	शुभभावना उपदेश	४०-४५	प्रा.	मुनिचन्द्रसूरि	गा. ३३		
२०२	,,	(११)	उपदेशामृत	४६-५०	प्रा.	मुनिचन्द्रसूरि	गा. ३२		
२०२	,,	(१२)	रत्नत्रयकुलक	५०-५७	प्रा.	मुनिचन्द्रसूरि	गा. ३१		
२०२	,,	(१३)	पंचपर्वादिकुलक	५७-६०	प्रा.				
२०२	,,	(१४)	भावनालेशकुलक	६०-६२	प्रा.				
२०२	,,	(१५)	चउसरण	६२-६५	प्रा.				
२०२	,,	(१६)	जीवोपलंभकुलक	६५-७०	प्रा.	नेमिकुमार	गा. २५		
२०२	,,	(१७)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	७१-७४	सं.	विमलाचार्य	२९		
२०२	,,	(१८)	जीवानुसट्ठिकुलक	७४-७७	प्रा.		गा. २५		
२०२	,,	(१९)	पश्चाताप	७७-८१	प्रा.				
२०२	,,	(२०)	पत्थियसमत्थ (स्थानकस्तवन)	८१-८३	प्रा.		गा. १३		
२०२	,,	(२१)	सक्षेप आराधना	८४-८७	प्रा.		गा. २१		
२०२	,,	(२२)	प्राभातिक जीवानुशासन	८७-९१	प्रा.	मुनिचन्द्रसूरि	गा. २३		
२०२	,,	(२३)	मुनिचन्द्रस्तुति	९१-९४	अपभ्रंश		गा. २५		
२०२	,,	(२४)	देवसूरिकृत कुलक	९४-१०२	प्रा.		गा. ५५		
२०२	,,	(२५)	प्राभातिक स्तुति	१०२-१०४	सं.				
२०२	,,	(२६)	आउरपच्चक्खाण	१०४-११०	प्रा.				
२०२	,,	(२७)	शांतिजिन स्तुति	११०-११४	अपभ्रंश				
२०२	,,	(२८)	गुरुस्तुति (श्रावकव्रत)	११४-१२३	प्रा.		गा. ५७		
१२८	५९(३)	(१)	कर्मस्तववृत्ति	१-९३	सं.प्रा.	देवेन्द्रसूरि-स्वोपज्ञ	८३२		
१२८	५९(३)	(२)	संग्रहणी	१-२७	प्रा.	श्रीचन्द्रसूरि			
१२८	५९(३)	(३)	क्षेत्रसमास	१-८	प्रा		गा. ८५		
१२८	५९(३)	(४)	वेतालदोष तथा धर्मलक्षणादि	१-४	प्रा.सं.				
१२८	५९(३)	(५)	संसक्तनिर्युक्ति	१-४	प्रा.		गा. ५०		
१२८	५९(३)	(६)	कल्याणि(ण)क स्तव	१-३	सं.	आसराज	३२		
१२८	५९(३)	(७)	भावनाकुलक	१-१६	प्रा.		३०		
१२८	५९(३)	(८)	जीवानुसट्ठिकुलक		प्रा.		गा. २५		
१२८	५९(३)	(९)	भावनाकुलक		प्रा.	सोमदेव	गा. २४		

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१२८	५९(३)	(१०)	भव्यजीवमनोरथ		प्रा.		गा. १२		
१२८	५९(३)	(११)	चारित्रमनोरथमाला		प्रा.	धनेश्वरसूरि	गा. ३०		
१७६	६०(१)	(१)	धर्मशर्माभ्युदय[१]	१४८	स.	हरिचन्द्रकवि			
२१६	६०(२)	(१)	निशीथसूत्र[२]	१-६८	प्रा.				
२१६	६०(२)	(२)	व्यवहारसूत्र[२]	६९-११०	प्रा.				
२९०	६०(३)	(१)	मासकल्पादि अनेक आगमोद्धृत विचारो	१२५	प्रा.सं.				
२९०	६०(३)	(२)	प्रनष्टलाभ	१२५-१२९	प्रा.		गा २९		
२९०	६०(३)	(३)	सामुद्रिक[३]	१२९-१३०	सं.		१८		
३४५	६१(१)	(१)	कर्मग्रंथ ५-६ सटीक[४]	२-३०६	सं.	देवेन्द्रसूरि कृत स्वोपज्ञ			
२१२	६१(२)	(१)	उपदेशमाला	१-६५					
२१२	६१(२)	(२)	कर्मस्तव	६६-७२	प्रा.		गा. ५७		
२१२	६१(२)	(३)	कर्मविपाक	७३-९१	प्रा.	गर्गर्षि	गा. १६८		
२१२	६१(२)	(४)	सग्रहणी	९२-१२६	पा.	श्रीचन्द्रसूरि	गा. २७३		
२१२	६१(२)	(५)	एकवीसस्थानप्रकरण	१२६-१३३	प्रा.	सिद्धसेनसूरि	गा. ६४		
२१२	६१(२)	(६)	नवपदप्रकरण	१३३-१५०	प्रा.	जिनचन्द्रगणि	गा. १३७		
२१२	६१(२)	(७)	पोसहविधिप्रकरण	१५०-१६५	प्रा.	देवभद्रसूरि	गा. ११८		
२१२	६१(२)	(८)	सुबाहुचरित्र	१६६-१९२	प्रा.		गा. २१९		
१०४(२-५)	६२(१)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति[५]	७३	प्रा.	भद्रबाहु			
१०४(२-५)	६२(१)	(२)	आरात्रिक अने भ्रमणविधि[६]	जुना लिष्टमां	अपभ्रंश				
१०४(२-५)	६२(१)	(३)	धर्मरत्नप्रकरण[७]	पण पत्र संख्या	प्रा.	शांतिसूरि			
१०४(२-५)	६२(१)	(४)	संग्रहणी विगेरे प्रकीर्णक[८]	लखी नथी.	प्रा.				
१८०	६२(२)	(१)	सामाचारी	१-५६	प्रा.सं.				
१८०	६२(२)	(२)	चउसरण	५६-५७	प्रा.				
१८०	६२(२)	(३)	महासतीकुलक	५७-५९	प्रा.		गा. ३०		
१८०	६२(२)	(४)	क्षमाकुलक	५९-६०	प्रा.		गा. २५		
१८०	६२(२)	(५)	जीवोपलंभकुलक	६०-६२	प्रा.		गा. २५		

१. दिगबरमतीय. २. अपूर्ण. ३. अपूर्ण. ४. पत्र २४४-२८३ नथी, अंतमां छेल्ली गाथानी टीका अने प्रशस्ति नथी. ५. पत्रो अस्तव्यस्त छे. छतां पूर्ण छे ६. त्रुटक छे. ७. त्रुटक छे. ८. त्रुटक छे

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१८०	६२(२)	(६)	धर्मोपदेशकुलक	६२-६३	प्रा.	देवेन्द्रसाधु	गा. २२		
१८०	६२(२)	(७)	कुलक	६३-६४	प्रा.		गा. २१		
१८०	६२(२)	(८)	कर्मविपाक कुलक	६४-६५	प्रा.		गा. २२		
१८०	६२(२)	(९)	महर्षि कुलक	६५-६७	प्रा.		गा. ३२		
१८०	६२(२)	(१०)	जीवानुसष्ठि कुलक	६७-६९	प्रा.	जिनसूरि	गा. ३२		
१८०	६२(२)	(११)	कुशलानुबंधी अध्ययन	७०-७४	प्रा.				
१८०	६२(२)	(१२)	ठांणागगत पाठ	७४-९६	प्रा.				
१८०	६२(२)	(१३)	साधुजीतकल्प	९६-१०१	प्रा.		गा. १०३		
१८०	६२(२)	(१४)	श्रावकजीतकल्प	१०१-१०६	प्रा.				
१८०	६२(२)	(१५)	हस्तिपालस्वप्नफल	१०६-११०	सं.		गा. ५०		
१८०	६२(२)	(१६)	सिद्धपूजाप्रक्रम-नैवेद्यप्रक्रम-[1] प्रदीपारात्रिकप्रक्रम-पूजाप्रक्रम-मातरपूजाप्रक्रम-स्थापनाचार्य-प्रक्रम-षड्विधावश्यकप्रक्रम-आर्यिकाप्रक्रम	११०-१४२	सं.प्रा.				
१८०	६२(२)	(१७)	काव्यानुशासन सूत्र[2]	१४३-१४७	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१८०	६२(२)	(१८)	छंदोनुशासनोद्धार	१४७-१५०	सं.				
१८०	६२(२)	(१९)	प्रमाणमीमांसा सूत्र	१५०-१५४	सं.				
१८०	६२(२)	(२०)	न्यायनो ग्रंथ[3]	१५५-१६०	सं.				
१८०	६२(२)	(२१)	पन्नवणातृतीयपदसंग्रहणी	१६०-१६२	प्रा.	अभयदेवसूरि	गा. १३३		
१८०	६२(२)	(२२)	न्यायप्रवेशसूत्र[4]	१६२-१६६	सं				
१८०	६२(२)	(२३)	जंबूद्वीपसंग्रहणी[5]	१८०-१८३	प्रा.	हरिभद्रसूरि	गा. ३०		
१८०	६२(२)	(२४)	काव्यप्रकाश सूत्र	१८४-१८९	सं.				
१८०	६२(२)	(२५)	संसक्तनिर्युक्ति[6]	१८९-१९४	प्रा.		गा. ५५		
१८०	६२(२)	(२६)	विशेषणवती	२०१-२१९	प्रा.	जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण	गा. २४७		
१८६	६२(३)	(१)	द्व्याश्रय संस्कृत (महाकाव्य)	३६०	प्रा.	हेमचन्द्राचार्य		१३३५	
१६	६२(४)	(१)	कुमारपालप्रबंध[7]	८९	सं.			१४७५	

१. पत्र १२१, १२५, १२६, १२७, १३६, १४२ नथी. २. पत्र १४४ नथी. ३. पत्र १५६ थी १५९ नथी अपूर्ण. ४. पत्र १६३-१६४ नथी. ५. पत्र १६७-१७९ नथी. ६. पत्र १९५, १९७थी २०० नथी. ७. कागळ उपर

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-सवत्	रचना-संवत्
३०३	६२(५)	(१)	छंदोवृत्ति अमृतसंजीवनी[1]	१९१	सं.	हलायुद्ध	१२३४		
३०५	६३(१)	(१)	सप्तशती छाया[2]	३०४	सं	जल्हणदेव			
१९४	६३(२)	(१)	निरयावली	१०२	प्रा.			१३०९	
१९४	६३(२)	(२)	निरयावलीवृत्ति	७०	सं.	चन्द्रसूरि		१३१०	
१९४	६३(२)	(३)	संसक्तनिर्युक्ति	७०थी७७	प्रा.		गा. ५०		
१९४	६३(२)	(४)	द्वीपसागरपन्नत्ती	७८थी१०५	प्रा		गा. २८०		
१५८	६३(३)	(१)	कर्मविपाकवृत्ति[3]	१८९	प्रा.सं.	देवेन्द्रसूरि कृत स्वोपज्ञ			
६७	६३(४)	(१)	काव्यप्रकाशसंकेत[4]	१९४	सं.	माणिक्यचन्द्रसूरि	३२४४	१२१६	
२७५	६४(१)	(१)	द्व्याश्रयसंस्कृतवृत्ति सर्ग ९थी संपूर्ण	३६०	सं.	अभयतिलकगणि			
१४१	६४(२)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	१-११७	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	२५००		
१४१	६४(२)	(२)	दशवैकालिकसूत्र	११८-१३९	प्रा.	शय्यम्भवसूरि	७००		
१४१	६४(२)	(३)	ओघनिर्युक्ति	१४०-१८०	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी			
१४१	६४(२)	(४)	पिंडविशुद्धि	१८१-१८५	प्रा.	जिनवल्लभगणी	गा. १०५		
१४१	६४(२)	(५)	उपदेशमाला	१८५-२०६	प्रा.		गा. ५४१		
१४१	६४(२)	(६)	धर्मोपदेशमाला	२०७-२१०	प्रा.		गा. १००		
१४१	६४(२)	(७)	मूलशुद्धिप्रकरण	२१०-२१८	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि			
१४१	६४(२)	(८)	विवेकमंजरी	२१८-२२३	प्रा.	आसड			
१४१	६४(२)	(९)	योगशास्त्र ४ प्रकाश	२२३-२४०	पा.	हेमचन्द्राचार्य			
१४१	६४(२)	(१०)	वीतरागस्तव	२४१-२४९	प्रा	हेमचन्द्राचार्य			
१४१	६४(२)	(११)	आत्मानुशासन	२४९-२५१	प्रा.	पार्श्वनाथ			
		(१२)	लघु अजितशांति	२५१-२५१	अपभ्रंश	वीरगणी			
१२५	६४(३)	(१)	तिलकमंजरीटीप्पण	८३	सं.	शांत्याचार्य	१०५०		
११२	६५(१)	(१)	कल्पसूत्र	११४	प्रा.	भद्रबाहु	१२१६	१३६०	
११२	६५(१)	(२)	कालिकाचार्यकथा	११५-१३६	प्रा.		१५०	१३६०	
५५	६५(२)	(१)	षडशीतिकर्मग्रंथवृत्ति[5]	१३३	सं.	मलयगिरिसूरि		१२५८	
१२३	६५(३)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्रे नवम पर्व	१९६	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
२९५(१)	६५(४)	(१)	सम्यक्त्वोपरि विक्रमसेन चरित्र[6] अघट कथा पर्यन्त-४ कथाओ	७८	सं.	पद्मचन्द्रसूरि शिष्य			

१. पत्र पहेलानो टुकडो गयो छे. २. पत्र १लु नथी. ३. पत्र २८-२९-४९-५०-८६-८७-१०७-१२७-१६५-१६८-१७० नथी. ४. द्वितीय खंड छे. पत्र १ थी २२ पानां टुकडा छे. ५. आदिना पत्र-२ खराब छे. पाछला १२० थी खराब छे. भीमदेवराज्ये लिखिता ६. पत्र ७७मुं नथी.

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालु नंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१८४	६५(५)		उपदेश पद	१६९	प्रा.	हरिभद्रगणि			
२१३(१)	६६(१)	(१)	उणादिगणसूत्रविवरण	१६६	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३१६	६६(२)	(१)	लीलावती[1]	१३१	मरुहट्ट देशी भाषा	भूषणभट्टसुत	१८००		
१६६	६६(३)	(१)	पुष्पमाला	१-४७	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्र			
१६६	६६(३)	(२)	धर्मोपदेशमाला	४७-५६	प्रा.		गा. १००		
१६६	६६(३)	(३)	पापप्रतिघात-गुणबीजाधान सूत्र[2]	५६-६१	प्रा.				
१६६	६६(३)	(४)	मूलशुद्धिप्रकरण	६१-७९	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि	गा. २१४		
१६६	६६(३)	(५)	पचकल्याणकप्रकरण	७९-९२	प्रा.		गा. १३७		
१६६	६६(३)	(६)	जीवविचार	९२-९७	प्रा.	शांत्याचार्य	गा. ५१		
१६६	६६(३)	(७)	शीलोपदेशमाला	९७-१०९	प्रा.				
१६६	६६(३)	(८)	धर्मरत्नप्रकरण	१०९-१२४	प्रा.	शांतिसूरि	गा. १४५		
१६६	६६(३)	(९)	संग्रहणी	१२४-१४७	प्रा.	श्रीचन्द्रसूरि			
१६६	६६(३)	(१०)	अतिचार	१४७-१५५	प्रा.				
१६६	६६(३)	(११)	नवपद प्रकरण	१५५-१६९	प्रा.	जिनचन्द्रगणि			
२६०	६६(४)	(१)	वसंतराजशाकुन वर्ग १८	१३०	स.	वसंतराज			
३५	६७(१)	(१)	उपदेशमाला	५४	प्रा.		गा. ५४१	१२३७	
३५	६७(१)	(२)	बृहत्संग्रहणी	५४-१०७	प्रा.		गा. ५३४	१२३७	
३५	६७(१)	(३)	दर्शनशुद्धिप्रकरण[3]	१०७-१३४	सं.		गा. २८०	१२३७	
३५	६७(१)	(४)	गणधरसत्तरी[4]	१३५-१३८	प्रा.		गा. ७१		
३५	६७(१)	(५)	कर्मविपाक	१३८-१५६	प्रा.	गर्गर्षि	गा. १६७		
३५	६७(१)	(६)	शतकप्रकरण	१५६-१७१	प्रा.		गा. १०९		
३५	६७(१)	(७)	सत्तरीप्रकरण	१७१-१८०	प्रा.				
३५	६७(१)	(८)	उपदेशमाला	१८०-१९१	प्रा.	सिद्धर्षि			
३५	६७(१)	(९)	नवपदप्रकरण	१९१-२०७	प्रा.	जिनचन्द्रगणि		१२३७	
३५	६७(१)	(१०)	पिंडविशुद्धि	२०७-२२०	प्रा.	जिनवल्लभ	गा. १०४		
३५	६७(१)	(११)	मूलविशुद्धि[5]	२२०-२५६	प्रा.				
३५	६७(१)	(१२)	सामाचारी	२६५-२८१	प्रा.	जिनचन्द्रगणि			

१. प्रथमना पत्र ५नी कोरो खरी गई छे. सारी. २. पचसूत्र-प्रथम सूत्र. ३ अपरनाम सदेहविषौषधी. ४. अपरनाम युगप्रधान सत्तरी-सताण सत्तरी. ५. पत्र २५७ थी २६४ नथी.

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३५	६७(१)	(१३)	पापप्रतिघात-गुणबीजाधान सूत्र[१]	१-४	पा.				
३५	६७(१)	(१४)	अजितशांति[२]	५-९	प्रा.				
१३२(१-२)	६७(२)	(१)	भवभावनाप्रकरण	१-६०	प्रा.		गा. ५३१		
१३२(१-२)	६७(२)	(२)	एकवीसस्थानप्रकरण	६०-६७	प्रा.	सिद्धसेन			
२५२	६७(३)	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र	१६१	प्रा.				
३४(१)	६७(४)	(१)	नीतिवाक्यामृत[३]	९५	सं.	सोमदेव			
१४४	६८(१)	(१)	प्रशमरति सवृत्तिक	१९२	सं.	मू. उमास्वाति- वृ. हरिभद्रसूरि	१८००	१२९८	११८५
१७९	६८(२)	(१)	प्रशमरतिवृत्ति[४]	३००	सं.		२५००	१४८७	
१९५	६८(३)	(१)	सिद्धप्राभृतटीका	१-६८	सं.	हरिभद्रसूरि	९५०	१४४४	
१९५	६८(३)	(२)	सिद्धप्राभृतसूत्र	६९-८१	प्रा.		गा. १२०	१४४४	
१९५	६८(३)	(३)	जीवाभिगमटीका	८२-१६७	सं.	हरिभद्रसूरि	१२००	१४४४	
२३१	६८(४)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	२०२	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	२५००	१२१२	
१४३	६९(१)	(१)	पंचाशकसूत्र[५]	१५४	प्रा.	हरिभद्राचार्य		१२८८, शा. ११५४	
७९	६९(२)	(१)	काव्यप्रकाशापडुलदास संकेत[६]	१६०	सं.	माणिक्यचन्द्रसूरि	१५६३		
२२६	६९(३)	(१)	शिशुपालवध (माघ काव्य)[६]	१८५	सं.	माघकवि		१२९६	
९७	६९(४)	(१)	विजयचन्द्रकेवली चरित्र	१०५	प्रा.	चन्द्रप्रभमहत्तर	१०६०		११२७
९७	६९(४)	(२)	पर्युषणाकथा	१०६-११३	प्रा.		गा. ९६		
९७	६९(४)	(३)	प्रायश्चित्तविधि	९	प्रा.सं.				
२९	७०(१)	(१)	ज्ञानपंचमी कथा[७]	२०७	प्रा	महेश्वरसूरि			
१३१	७०(२)	(१)	उपदेशमालाकथासमास[८]	१७१	प्रा.	जिनभद्रसूरि			
२९१	७०(३)	(१)	अध्यात्मतरंगिणी टीका[९]	१९७	सं.	मू. सोमदेव			
१३४	७०(४)	(१)	हैमआख्यातलघुवृत्ति[१०]	२-१४५	सं.	हैमचन्द्राचार्य			
१०२	७१(१)	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति[११]	३१७	सं.				
९०	७१(२)	(१)	योगशास्त्रतृतीयप्रकाशविवरण[१२]	२०६	सं.	हैमचन्द्राचार्य	३८००		

१. पंचसूत्र-प्रथम सूत्र. २. छेवटमां त्रुटक. ३. दिगम्बरमतीय. ४. पाछलां कागळना पानानी एक बाजु उपर्ई लाई गई छे. ५. पत्र १५३-१५४ टुकडा छे. ६. माघकाव्यमित्यपरनाम ७. अंतमां थोडां पत्र नथी. ८. प्रथमथी १५ पत्र सुधी एकबाजुनी कोरो लखी गई छे. ९. दिगंबरीय, प्रथम पत्रनो टुकडो नथी. १०. पंचमाध्याय-चतुर्थ पाद. ११. ६३ थी १५१ द्वार सुधी द्वितीयखंड पत्र १५-१६-१७ना टुकडा उपाईथी लगाया छे. १२. प्रथम पत्रनो टुकडो नथी.

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१३२(४थी७)	७१(३)	(१)	जीवविचार	२-८	प्रा.	शांत्याचार्य	गा. ५१		
१३२(४थी७)	७१(३)	(२)	पंचकल्याणक प्रकरण	८-२९	प्रा.		गा. १३७		
१३२(४थी७)	७१(३)	(३)	आत्मानुशासन	२९-४०	प्रा.	पार्श्वनाग	७६		
१३२(४थी७)	७१(३)	(४)	सार्थ विचारसार प्रकरण	४०-६३	प्रा.		गा. १५५		
२५४	७२(१)		सिद्धहेमलघुवृत्ति अवचूरि प्रथमाध्यायथी बीजा अध्यायना तृतीय पाद सुधी	२०६	सं.				
४७(३थी८)	७२(२)	(१)	एकवीसठाण प्रकरण	८	प्रा.	सिद्धसेनसूरि	गा. ६६		
४७(३थी८)	७२(२)	(२)	आवश्यकविधि प्रकरण	८-२४	प्रा.	जिनवल्लभगणी	गा. १४०		
४७(३थी८)	७२(२)	(३)	नानाचित्त प्रकरण	२४-३३	प्रा.		गा. ८१		
४७(३थी८)	७२(२)	(४)	क्षपक शिक्षा प्रकरण	३३-४७	प्रा.	जिनचन्द्रसूरि	गा. १२३		
४७(३थी८)	७२(२)	(५)	आत्मानुशासन[1]	४७-५५	सं.	पार्श्वनाग	७६		
४७(३थी८)	७२(२)	(६)	दशवैकालिकनिर्युक्ति	१-५४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ४५२		
३११(२थी)	७२(३)	(१)	बृहत् संग्रहणी	२९-६१	प्रा.	जिनभद्रगणी क्षमाश्रमण	गा. ५३०		
३११(२थी)	७२(३)	(२)	चउसरण	६१-६४	प्रा.	वीरभद्र	गा. ६२		
३११(२थी)	७२(३)	(३)	पर्यंताराधनाकुलक	६४-६८	प्रा.	सोमसूरि	गा. ६८		
३११(२थी)	७२(३)	(४)	वीतरागस्तोत्र	६८-८२	सं.	हेमचन्द्रसूरि			
३११(२थी)	७२(३)	(५)	आत्मानुशासन	८२-८७	सं.	पार्श्वनाग	७७		
३११(२थी)	७२(३)	(६)	भक्तामरस्तोत्र	८७-९१	सं.	मानतुंग	गा. ४४		
३११(२थी)	७२(३)	(७)	जंबूद्वीपक्षेत्रसमास	९१-९९	प्रा.		गा. १९९		
३११(२थी)	७२(३)	(८)	नर्मदासुंदरीसंधि	९९-१०६	अपभ्रंश	जिनेन्द्रप्रभसूरि	गा. ७१		१३६८
३११(२थी)	७२(३)	(९)	छ वयणाणि	१०६-१०८	प्रा.				
३११(२थी)	७२(३)	(१०)	भावनाकुलक	१०८-११०	प्रा.	देवेन्द्रसाधु	गा. २२		
३११(२थी)	७२(३)	(११)	दुहामात्रि(तृ)का	१११-११४	अपभ्रंश		गा. ५८		
३११(२थी)	७२(३)	(१२)	शालिभद्रकारक (कक्क)	११४-११९	अपभ्रंश		गा. ६९		
३११(२थी)	७२(३)	(१३)	संवेगमाई[2]	११९-१२४	अपभ्रंश				
३११(२थी)	७२(३)	(१४)	वयरसामिचरित्र	१२४-१२९	अपभ्रंश	जिनप्रभसूरि	गा. ६०		१३१६
३११(२थी)	७२(३)	(१५)	उपदेशकंदली	१३०-१३७	प्रा.	आसड	गा. १२५		
३११(२थी)	७२(३)	(१६)	ज्ञानप्रकाशकुलक	१३७-१४३	अपभ्रंश	जिनप्रभसूरि	गा. ११३		

१. द्व्यर्गल चत्वारिंशत्समधिकवत्सरसहस्र सख्यामां. २. पत्र १२० थी १२३ नथी.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३११(२थी)	७२(३)	(१७)	आवश्यकादि विचार	१४३-१५३	प्रा.				
३११(२थी)	७२(३)	(१८)	शाश्वताशाश्वतचैत्यमाला	१-४	अपभ्रंश	जिनप्रभसूरि	गा. २४		
३११(२थी)	७२(३)	(१९)	मातृका	४-१०	अपभ्रंश		गा. ६३		
३११(२थी)	७२(३)	(२०)	जिनगणधर नमस्कार	११-१२	अपभ्रंश		गा. ९		
३११(२थी)	७२(३)	(२१)	आवश्यकनिर्युक्ति[1]	१६५	प्राकृत	भद्रबाहुस्वामि			
४७(१)	७२(४)	(१)	विजयचन्द्रचरित्र	८७	प्राकृत	चन्द्रमहत्तर	१०५५		११२७
४०८	७३	(१)	योगशास्त्र विवरणसहित[2]	३६५	सं.	हेमचन्द्राचार्य कृत स्वोपज्ञ			१२७५
३३६	७४	(१)	दशवैकालिकनिर्युक्ति वृत्तिसह[3]	२८६	प्रा.सं.	हरिभद्राचार्य	७५५०	१४८९	
३६५	७५	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र[4]	३११	प्रा.	देवभद्रसूरि	९०००	११९९	११६५
३५२	७६	(१)	निशीथचूर्णी प्रथम खंड[5]	३६०	प्रा.	जिनदासगणी महत्तर		११५७	
३३४	७७	(१)	निशीथचूर्णी द्वितीय खंड[6]	३१८	प्रा.	जिनदासगणी महत्तर		११५७	
४३	७८(१)	(१)	वंदारूवृत्ति (श्रावकानुष्ठानविधि)	२४६	सं.	देवेन्द्रसूरि	२७२०		
५७	७९(१)	(१)	प्रव्रज्याविधानवृत्ति[7]	२२०	सं.	प्रद्युम्नसूरि			
२८७	७९(२)	(१)	हैमलघुवृत्ति चतुष्क	१३७	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
२७०	८०	(१)	परिशिष्ट पर्व[8]	२-२४४	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
२७८	८१	(१)	आवश्यकचूर्णी[9]	२७७	प्रा.				
१३९	८२(१)	(१)	अनेकार्थसंग्रह	१३१	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३३	८२(२)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति आख्यात[10]	१४०	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
७४	८३	(१)	कातंत्रवृत्तिपंजिका षष्ठ पाद	२-१०७	सं.	त्रिलोचनदास			
७४	८३	(२)	कातंत्रवृत्तिपंजिका अष्टम पाद	१८८	सं.	त्रिलोचनदास			
२०४	८४	(१)	दशवेकालिकटीका[11]	३३९	सं.	हरिभद्रसूरि		१३२६	
१०१	८५	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र दशम पर्व (श्री महावीर चरित्र)[12]	३३३	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१२९	८६	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र षष्ठ पर्व (श्री महावीर चरित्र)[13]	४०	सं.	हेमचन्द्राचार्य			

१. पत्र ३८ थी ६४, ६६ थी १५०, २. पत्र ९-२२७-३६० नथी १ थी ३-८-१०, ३२७-३२९-३३०-३५४ थी ३५६ना टुकडा छे. ३. सारी, प्रथम २१ पत्रो नथी. ४. वचमां केटलांएक पत्रो नथी. प्रत सारी. ५ दशम उद्देशपर्यंत. ६. ११ थी वीसमां उद्देशपर्यंत, जयसिंहदेव राज्ये-देवप्रसादश्रावकेण लिखीता संशोधिता प्रतिः चित्रशोभनयुक्ता. ७. प्रथमना त्रीजा अने २२० मां पानाना टुकडा नथी. ८. हेमचंद्राचार्य-कुमारपाळ-भोपालदेवी अने बे साधुओनी मूर्तिओ चितरेली छे. ९. अपूर्ण. १०. पत्र १२४ उपर अंको लखेला छे. बाकीना ७ पाना उपर अंको नथी. आ साथे अनेकार्थना १६ पाना अने ४ पाना कोई बीजा ग्रंथना छे. ११. पत्र १०२नो टुकडो छे १२. पत्र ३३३नो टुकडो छे. १ थी ३५ सुधीना पत्रनी कोरो खरी गई छे. १३. पत्र ३-८ नथी

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१२९	८६	(२)	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र सप्तम पर्व (श्री महावीर चरित्र)	२०७	सं.	हेमचन्द्राचार्य	३८००		
१३८	८७	(१)	सघाचारभाष्य[1]	२५६	सं.प्रा.	धर्मघोषसूरि			
१६९	८८	(१)	उपदेशमालावृत्ति पूर्वार्ध[2]	३१४	सं.	मुनिदेव			
१६९	८९	(१)	उपदेशमालावृत्ति उत्तरार्ध	३१५-६२८	सं.	मुनिदेव			
१७४(१थी३)	९०	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	१६७	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	२५००		
१७४(१थी३)	९०	(२)	ओघनिर्युक्ति	१६७-२७९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ११६२		
१७४(१थी३)	९०	(३)	पिंडनिर्युक्ति	२८०-३३४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ७९०		
२१०	९१	(१)	श्री वासुपूज्यचरित्र[3]	३१२	प्रा.	चन्द्रप्रभोपाध्याय			
२४९	९२	(१)	उपदेशकंदलीवृत्ति[4]	२८९	सं.	बालचन्द्रसूरि			
२१९	९३	(१)	धातुपारायण[5]	२६७	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१४	९४	(१)	धर्माभ्युदय (संघपति) चरित्र[6]	४१६	सं.	उदयप्रभसूरि			
२३२	९५	(१)	द्व्याश्रयसंस्कृतवृत्ति सर्ग-८	२८४	सं.	अभयतिलकगणी			
१३७	९६	(१)	बृहत्संग्रहणी वृत्ति[7]	२९८	सं.	मलयगिरि		१२९०	
२७४	९७	(१)	उपमितिभवप्रपंचा कथा-उत्तर खंड[8]	२४८	सं.	सिद्धर्षिगणी			
२५८	९८(१)	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति ९-१० पाद	२८२थी४३०	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३२	९८(२)	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र	१३९	प्रा.		१२३२		
२०५	९९	(१)	सुबाहु आदि कथा सचित्र[9]	१-५३	प्रा.		१३४५		
२०५	९९	(२)	सीता चरित्र[10]	५४-८४	प्रा.	भुवनतुंग	गा. ४४१	१३४५	
२०५	९९	(३)	राम-लक्ष्मण चरित्र[11]	८४-९९	प्रा.		गा. २०८	१३४५	
२०५	९९	(४)	श्री मल्लीनाथचरित्र[12]	९९-१०७	प्रा.		गा. १०५	१३४५	
२०५	९९	(५)	प्रद्युम्नचरित्र गद्य[13]	१०७-१३४	प्रा.			१३४५	
२०५	९९	(६)	कल्पसूत्र मूल[14]	१३५-२००	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	१२१६	१३४५	
२०५	९९	(७)	कल्पचूर्णी[15]	२००-२४०	प्रा.			१३४५	

१. पत्र १नो टुकडो छे अने अंतना छ पत्रना टुकडा छे. २. छेवटनी प्रशस्ति त्रुटक छे. ३. अंत नथी, अपूर्ण. ४. १६०मा पानाना अंक पछी जीर्ण छे-केटलाकना टुकडा छे. ५. पत्र १०१-१०३-१०४-१११-१२७-२०२-२०४-२६१-२६३ पत्र नथी. ६. पत्र १-३-२०६ना टुकडा छे. १२६-१२७ घसाई गया छे. १९५-२२४-२२८-२४४ थी २५४ २५९-३०१ थी ३०६-३०९-३१२ थी ३२१-३२३-३२४-३२६-३२७-३३०-३५३ थी ३५५-३६२-३६३-३६७ थी ४११-४१४ नथी. ७. पत्र १९१थी एकबाजुनी कोरो खरी गई छे. ८. पत्र २४३ थी एकबाजुनी कोरो खरी गई छे. ९. पत्र ५० थी ५२ नथी. (२९, ३०, ५३ पत्रमा चित्रो छे.) १०. पत्र ५४ नथी. ११. पत्र ९८ नथी. १२. पत्र ९९, १०७ नथी. १३. पत्र १०७-१०८ नथी. १४. पत्र १३५-१३६-२०० नथी. १३६मां पत्रनो टुकडो छे. पत्र १९२ नथी. १५. पत्र २००-२४०मां चित्रो छे.

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालु नंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२०५	९९	(८)	आर्द्रकुमार कथानक गद्य[1]	२४०-२५१	प्रा.		१३०	१३४५	
२०५	९९	(९)	खुड्डककुमार कथानक[2]	२५१-२६७	प्रा.		१३५	१३४५	
२०९	१००	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र २-३ पर्व	२९५	सं.	हेमचन्द्राचार्य		१३०३	
२५३	१०१	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति २२१[4]मा द्वारथी संपूर्ण[3]	२५२	सं	सिद्धर्षिगणी			१२७२
५०	१०२(१)	(१)	सरस्वतीकंठाभरणवृत्ति (पदप्रकाशनाम्नी)	२-३०५	प्रा.	मू भोजराज वृ. अंबड			
२०(१)	१०२(२)	(१)	कर्मविपाकटीका[5]	६९	सं.		१००	१२७५	
१७७	१०३	(१)	बृहत्सग्रहणी वृत्ति	२५९	स.	मलयगिरि			
१०९	१०४(१)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति पचमाध्याय[6]	१४९	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१०५	१०४(२)	(१)	प्रवचनसंदोह	९५-१०६	प्रा				
१०५	१०४(२)	(२)	संग्रहणी	१०६-१२३	प्रा.	श्री चन्द्र	गा. २७३		
१०५	१०४(२)	(३)	क्षेत्रसमास	१२३-१२९	प्रा.				
१०५	१०४(२)	(४)	गौतमपृच्छा	१२९-१३२	प्रा.				
१०५	१०४(२)	(५)	स्थविरावली	१३२-१३५	प्रा.		गा. ५०		
१०५	१०४(२)	(६)	श्रावकप्रतिक्रमण	१३५-१३८	प्रा		गा. ५०		
१०५	१०४(२)	(७)	धर्मलक्षण	१३८-१३९	प्रा.		गा. १९		
१०५	१०४(२)	(८)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	१३९-१४०	स.	विमलाचार्य	२९		
१०५	१०४(२)	(९)	पच नवकार	१४०-१४१	प्रा				
१०५	१०४(२)	(१०)	प्रव्रज्याविधान	१४१-१४२	प्रा.		गा. ३३		
१०५	१०४(२)	(११)	जीवानुसष्ठिकुलक	१४२-१४५			गा. २५		
१०५	१०४(२)	(१२)	आतुरप्रत्याख्यान	१४५-१४९	प्रा.				
१०५	१०४(२)	(१३)	विवेकमंजरी	१४९-१५६	प्रा	आसड			
१०५	१०४(२)	(१४)	योगशास्त्र प्रकाश-४	१५६-१८५	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१०५	१०४(२)	(१५)	वीतरागस्तोत्र	१८५-१९८	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१०५	१०४(२)	(१६)	आत्मानुशासन	१९७-२०२	स.	पार्श्वनाथ			
१०५	१०४(२)	(१७)	भक्तामरस्तोत्र	२०२-२०६	सं.	मानतुंगाचार्य	का. ४४		

१. पत्र २४१ नथी. २. पत्र २६६-२६७मां चित्रो छे. ३. छेल्ला पत्रनो टुकडो छे. ४. पत्र ४-५-७-१३-१५ थी १८-२१-२९ थी ३१-४७ थी ५०-५२-५७-५९-६६-६७-७१-७२-१००-१०१-१०५ थी ११०-११६-१३७ थी १३९-१४१-१५० थी १५६-१५८-१६०-१७३-१७४-१८३-१८४-१८८-१९०-१९१-१९६-१९७-१९९-२००-२०३-२०५-२०७-२०९-२११-२१८-२३१-२४३-२४४-२४७ थी २४९-२५८-२६०-२६४-२६५-२६७ थी २७१-२७३-२७५-२७६-२७८-२८१ थी २८४-२८६- २८८ थी २९०-२९३-२९५ थी २९८-३०१-३०२ नथी. ५. वचमा ४ पत्र नथी. ६. अपूर्ण.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१०५	१०४(२)	(१८)	गंभीर स्तव	२०६-२०८	सं.		का. ४०		
१०५	१०४(२)	(१९)	धरणोरगेंद्र स्तव	२०८-२११	सं.	देवसूरि	का. ३६		
१०५	१०४(२)	(२०)	श्री पार्श्वनाथ अष्टकमंत्रगर्भित	२११-२१२	सं.		का. ९		
१०५	१०४(२)	(२१)	श्री वृषभादिस्तव	२१२-२१३	प्रा.सं.				
१०५	१०४(२)	(२२)	चतुर्विंशतिजिनपंचकल्याणकस्तोत्र	२१४-२१६	अपभ्रंश	मुनिचन्द्र			
१०५	१०४(२)	(२३)	एकवीस ठाण	२१६-२२१	प्रा.	सिद्धसेनसूरि			
१०५	१०४(२)	(२४)	जीवविचार	२२१-२२४	प्रा.	शांतिसूरि	गा. ५१		
१०५	१०४(२)	(२५)	अजितशाति	२२४-२३२	प्रा.		गा. ३९		
१०५	१०४(२)	(२६)	साधुप्रतिक्रमण	२२९-२३२	प्रा.		गा ५०		
१०५	१०४(२)	(२७)	श्रावकप्रतिक्रमण	२३२-२३५	प्रा.				
४६.	१०७	(१)	तिलकमंजरी (प्रथम खंड)[1]	२३६	प्रा				
९३	१०८	(१)	उपदेशमाला	१-४८	प्रा.		गा. ५४३		
९३	१०८	(२)	पुष्पमाला	४९-१०२	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्र	गा. ५०५		
९३	१०८	(३)	धर्मोपदेशमाला	१०२-११२	प्रा.		गा. १००		
९३	१०८	(४)	योगशास्त्र ४ प्रकाश	११२-१५५	प्रा.	हेमचन्द्राचार्य			
९३	१०८	(५)	कल्याणिक प्रकरण	१५६-१७०	प्रा		गा. १३४		
९३	(१०८)	(६)	मूलशुद्धिप्रकरण	१७१-१९०	प्रा	प्रद्युम्नसूरि			
९३	१०८	(७)	वीतरागस्तव	१९१-२०९	स	हेमचन्द्राचार्य			
९३	१०८	(८)	वंदितु (श्रावक प्रतिक्रमण)	२०९-२१४	प्रा.		गा. ५०		
९३	१०८	(९)	पापप्रतिघात गुणबीजाधान सूत्र	२१५-२१८	प्रा.				
९३	१०८	(१०)	अजितशांति स्तव	२१८-२२४	प्रा.				
९३	१०८	(११)	भक्तामरस्तोत्र	२२५-२३१	स.	मानतुगाचार्य	का. ४४		
९३	१०८	(१२)	गौतमपृच्छा	१-६	प्रा.		गा. ५४		
९३	१०८	(१३)	धर्मलक्षण गद्य पद्य	६	सं.				
९३	१०८	(१४)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	६थी१०	सं.	विमलाचार्य	२९		
८१	१०९	(१)	बृहत्संग्रहणीवृत्ति	३०५	सं.	मलयगिरिसूरि			
७०(९)	१०५(१)	(१)	न्यायावतारवृत्ति टिप्पण[2]	७२	स.				
१०६	१०५(२)	(१)	क्रियारत्नसमुच्चय[3]	३थी१८५	स.	गुणरत्नसूरि			

१. पत्र २३६ नथी. प्रत सारी छे. २. पत्र १२-४६-५१-५९ अने अंत नथी. ३. पत्र १२-७७ नथी.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१०६	१०६(१)	(१)	क्रियारत्नसमुच्चय सबीजक[१]	३१९-४२८	सं.	गुणरत्नसूरि	५७७८	१४६६	१४६६
३७	१०६(२)	(१)	षड्विधावश्यकविवरण[२]	१३५	स	हेमचन्द्राचार्य	१३००	१२९५	
२३(५-९)	१०६(३)	(१)	सुकोशलकथा[३]	५	प्रा.				
२३(५-९)	१०६(३)	(२)	प्रत्येकबुद्धकथा	४६	प्रा				
२३(५-९)	१०६(३)	(३)	प्रदेशी कथा	१-५५	प्रा.				
२३(५-९)	१०६(३)	(४)	धन्यसुदरी कथा	८०-११५	प्रा.				
२३(५-९)	१०६(३)	(५)	सिद्धसेनकथा	१-२९	प्रा				
९८	११०(१)	(१)	सिद्धहेमआख्यातबृहद्वृत्ति	२७५	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
४(३)	११०(२)	(२)	पवचनसंदोह	१६	प्रा		३३४		
१८३(२)	११०(२)	(२)	छंदोनुशासनविवरण[४]	४२	स	वाग्भट	५४०		
१७२	१११	(१)	स्याद्वादमजरी[५]	२०८	सं	मल्लिषेण	२८००	१३५७	
६०	११२	(१)	उपमितिभवप्रपंचाकथासारोद्धार[६]	२९३	प्रा.	देवेन्द्रसूरि			
२८	११३(१)	(१)	योगशास्त्रविवरण[७]	१८३	प्रा	हेमचन्द्राचार्यकृत स्वोपज्ञ		१३००	
२६४(२)	११३(२)	(१)	सार्धशतकवृत्ति[८]	१६०-२७३	सं.	मू. जिन वल्लभगणी			
२६९	११४(१)	(१)	सार्धशतकवृत्ति[९]	५-१८६	स.				
९४	११४(२)	(१)	नैषधमहाकाव्य[१०]	१६६	स.	श्री हर्ष		१३०४	
११०	११५	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति[११]	३१८	सं.	सिद्धसेनसूरि			
७३	११६	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन अध्याय ६-७[१२]	३४८	स.	हेमचन्द्राचार्य-स्वोपज्ञ			
११५	११७(१)	(१)	आराधनापताका	१-५१	प्रा.		गा. ९३१		
११५	११७(१)	(२)	कुशलानुबधी अध्ययन (चउसरण)	५१-५५	प्रा		गा. ६३		
११५	११७(१)	(३)	आउरपच्चक्खाण	५५-६०	प्रा.		गा. ६०		
११५	११७(१)	(४)	भक्तपरिज्ञाप्रकरण	६०-६७	पा.		गा. १७३		
११५	११७(१)	(५)	संस्तारकप्रकरण	६७-७३	प्रा.		गा. १२४		
११५	११७(१)	(६)	गणधरसार्धशतक[१३]	७३-८०	प्रा				
११५	११७(१)	(७)	द्वादश भावना	८१-८७	प्रा.		गा. १३३		
११५	११७(१)	(८)	आराधना कुलक	८७	प्रा.		गा. १५		

१. पत्र १८६ थी ३१८ नथी. न ३३९ ना बे पत्र छे. ३५५ने बदले १५५ छे. २. योगशास्त्रातर्गत तृतीय प्रकाशांत पत्र ३१ नथी ३. अपूर्ण कागळ उपर. ४. दिगबर. ५. छेल्लु पानु एक बाजुए खराब छे. अक पासे कोई कोई पानु चोटेलु छे. ६. पत्र १९१-१९२ नथी पत सारी. ७. पाचमांथी १२ प्रकाश (५-१२). ८. पत्र १५९ नथी. बाकी छे ते सारा छे, पत्र २२० नथी ९. पत्र ६ टुकडो छे पत्र १८३ नथी. पत्र १८४ना बे टुकडा छे. पत्र १८६नो एक टुकडो नथी. १० पत्र ६ना टुकडा छे. ११. तृतीयखड १२. घणी सारी छे. १३. पत्र १८ (७८ ?)मु नथी.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-सवत्	रचना-संवत्
११५	११७(१)	(९)	आराधनासार	८७-९०	प्रा.		गा. ४८		
११५	११७(१)	(१०)	विषयनिंदापंचाशत्	९१-९३	प्रा.		गा. ५०		
११५	११७(१)	(११)	शीलगुण	९३-९५	प्रा.	गुणसूरि	गा. ४४		
११५	११७(१)	(१२)	आराधनाकुलक	९६-९७	प्रा.		गा. ३६		
११५	११७(१)	(१३)	जीवानुशासनकुलक	९७-९९	प्रा.		गा. २९		
११५	११७(१)	(१४)	आंत्मसंबोधकुलक (३)	९९-१००	प्रा.		गा. २२		
११५	११७(१)	(१५)	वैराग्यकुलक	१००-१०१	प्रा		गा. २१		
११५	११७(१)	(१६)	दानशीलतपोभावनाकुलक	१०१-१०३	प्रा.		गा. ४४		
११५	११७(१)	(१७)	गौतमपृच्छा	१०३-१०६	प्रा		गा ६४		
११५	११७(१)	(१८)	नमिप्रव्रज्या	१०६-१०९	प्रा.		गा. ६०		
११५	११७(१)	(१९)	दुमपत्तयअध्ययन	१०९-११०	प्रा.		गा. ३७		
११५	११७(१)	(२०)	हरिकेशी अध्ययन	११०-११३	प्रा.		गा. ४७		
११५	११७(१)	(२१)	चित्तसभूईज्ज	११३-११५	प्रा.		गा ३५		
११५	११७(१)	(२२)	महाणियंठिज्ज	११५-११७	प्रा.		गा. ५७		
११५	११७(१)	(२३)	समिझ्ओ	११७-११८	प्रा.		गा. २४		
११५	११७(१)	(२४)	आगमोद्धृत अनेक विचार[1]	११८-१३६	प्रा.				
११५	११७(१)	(२५)	संग्रहणी[2]	१३६-१५०	प्रा.				
११५	११७(१)	(२६)	जंबूद्वीपप्रकरण तथा परचुरण	१५१-१७०	प्रा				
११५	११७(१)	(२७)	वियारसत्तरी	१७०-१७१	प्रा.				
११५	११७(१)	(२८)	उपदेशमाला	१७१-१९६	प्रा.		गा. ५४२		
११५	११७(१)	(२९)	धर्मोपदेशमाला[3]	१९६-२००	प्रा		गा. १००		
११५	११७(१)	(३०)	तपविधि	२०१-२०४	स.प्रा.				
११५	११७(१)	(३१)	अजितशाति[4]	२०४-२११	प्रा				
११५	११७(१)	(३२)	जीवविचार	२०९-२११	प्रा.	शांतिसूरि	गा ५१		
११५	११७(१)	(३३)	पिंडविशुद्धि[5]	२११-२१५	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा १०३		
११५	११७(१)	(३४)	विवेकमंजरी	२१५-२२०	प्रा	आसड			
	११७(२)	(१)	बंधस्वामित्व स्टीक[6]	४८	प्रा.सं.	टी. हरिभद्रसूरि			
१३	११८(१)	(१)	प्रकरणसंग्रह[7]	१९३	प्रा सं.		४६००	१२९२	

१. १३१ना बे टुकडा छे. २. १४९ना बे टुकडा छे. पत्र १५० नथी ३. २००मुं पत्र नथी ४. पत्र २०५, २०८ नथी. ५. अपूर्ण ६. पत्र ७-१४-१६-२२-२४-३० नथी. ४८ पत्रनो टुकडो छे ७. आ सग्रहमां नाना मोटा ६३ पकरणो छे. पत्रोना अको बरोबर न होवाथी नामवार लखी शक्या नथी (अक्षराक परिचय)

श्री संघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२३९	११८(२)	(१)	आर्द्रकुमारकथा पद्य	१-८	प्रा.				
२३९	११८(२)	(२)	वकचूलकथा सचित्र	९-१६	प्रा.				
२३९	११८(२)	(३)	मन स्थिरीकरण प्रकरण	१६-२५	प्रा	महेद्रसिहसूरि			१२८४
२३९	११८(२)	(४)	आयु.सग्रह	२५-३२	प्रा.	महेद्रसिहसूरि			१२८४
२३९	११८(२)	(५)	शाश्वतचैत्य[1]	३२-३६	प्रा.				
२३९	११८(२)	(६)	आगमोद्धृत आहारशुद्ध्यादि[2] अनेक विचार	१२८थी१६७	प्रा.स.				
२१७	११९	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टमपर्व	३३८+३	सं.	हेमचन्द्राचार्य	४६८५	१२७५	
२२५	१२०	(१)	हेमीनाममालावृत्ति[3]	२४०	स.	हेमचन्द्राचार्य कृत स्वोपज्ञ			
२८६	१२१(१)	(१)	रामचरित्र[4]	२३८	स.	अभिनदन..			
१९८(१-२)	१२१(२)	(१)	चैत्यवंदनप्रत्याख्यानलघुवृत्ति	१-५०	सं	तिलकाचार्य	५५०		
१९८(१-२)	१२१(२)	(२)	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रवृत्ति	५१-७०	स	तिलकाचार्य	२००		
१९८(३)	१२१(३)	(३)	कल्याणस्तोत्र	४३	स		३२		
६४	१२२	(१)	उपदेशमालावृत्ति (हेयोपादेयनाम्नी)[5]	३६०	स	सिद्धर्षिगणी	४१६०	१२३६	
२७६	१२३(१)	(१)	आवश्यक टिप्पण[6]	१८९	सं.	मलधारी हेमचन्द्र		१२५८	
१४०	१२३(२)	(१)	उपदेशमाला (पुष्पमाला)[7]	१-३२	प्रा	मलधारी हेमचन्द्र	५०५		
१४०	१२३(२)	(२)	संग्रहणी[8]	१-३७	प्रा.		गा. ३६६		
१२४	१२४(१)	(१)	उपासकदशांगसूत्र[9]	६-४५	प्रा				
१२४	१२४(१)	(२)	अतगडदशांगसूत्र	४६-८४	प्रा				
१२४	१२४(१)	(३)	अनुत्तरौपपातिकसूत्र[10]	८४-९१	प्रा.				
१२४	१२४(१)	(४)	प्रश्नव्याकरणसूत्र	९२-१५२	प्रा.				
१२४	१२४(१)	(५)	विपाकसूत्र[11]	१५२	प्रा.				
१९२	१२४(२)	(१)	तीर्थोद्गालिकप्रकीर्णक[12]	११३	पा.		१५६५	१४५२	
३०६	१२५	(१)	द्व्याश्रय सस्कृत २० सर्ग[13]	२७८	स.	हेमचन्द्राचार्य	२८२८		
२०६	१२६	(१)	शतपदी[14]	२३२	सं.प्रा	धर्मघोषसूरि			
१९(१)	१२७(१)	(१)	कर्मस्तव सटीक[15]	१-६८	पा.सं	टी. गोविंदाचार्य	टी. १०९०, मू. ५७	१२८८	

१. अपूर्ण. २. अपूर्ण ३. अपूर्ण छे सारी ४: १९ थी ३६ सर्ग सुधी, पत्र नीजुं (२) नथी, पत्र १-४-५ना टुकडा नथी. वचमा पण केटलांकना टुकडा नथी. ५. कर्ता दुर्गस्वामीना शिष्य छे. ६. जीर्ण थई छे ७. पत्र १-३नी कोरो खरी गई छे. पत्र बे (२)नो टुकडो नथी. ८. पत्र ५-६ना नाना टुकडा छे. ९. पत्र ५ नथी १०. पत्र १११ मानो टुकडो नथी. ११. पाछळनो भाग नथी १२. सारी छे. १३. पत्र २४३-२४५ नथी. १४. २२८मां पानाथी टुकडा छे १५. अपूर्ण-सारी

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१४९	१३०(१)	(४)	कर्मस्तव	३०-३३	प्रा		गा ५४		
१४९	१३०(१)	(५)	कर्मविपाक[१]	३३-३४	प्रा.	गर्गर्षि	गा. १६८		
१४९	१३०(१)	(६)	गौतमपृच्छा	४४-४९	प्रा		गा. ६४		
१४९	१३०(१)	(७)	जीवविचार	४९-५२	प्रा.	शातिसूरि	गा. ५१		
१४९	१३०(१)	(८)	पिडविशुद्धि	५२-६१	प्रा	जिनवल्लभगणी	गा. १०४		
१४९	१३०(१)	(९)	अजितशाति सटिप्पण	६१-६५	प्रा.		गा ४३		
१४९	१३०(१)	(१०)	लघु अजितशाति	६५-६६	अपभ्रंश		गा ८		
१४९	१३०(१)	(११)	मिथ्यात्वपरिहारकुलक	६६-६८	प्रा.		गा. ३०		
१४९	१३०(१)	(१२)	सप्तषष्टि सम्यक्त्वभेद	६८-६९	प्रा.		गा. १६		
१४९	१३०(१)	(१३)	सम्यक्त्वविषये उपदेश गाथा	६९-७१	प्रा.		गा. २६		
१४९	१३०(१)	(१४)	नवतत्त्वविचार	७१-७२	प्रा.		गा. १६		
१७०	१३०(२)	(१)	योगशास्त्र चार (४) प्रकाश	१-५०	सं	हेमचद्राचार्य	गा. ४६०	१३२०	
१७०	१३०(२)	(२)	प्रव्रज्याविधान	५१-५३	प्रा		गा. २७		
१७०	१३०(२)	(३)	नवतत्त्व प्रकरण	५३-५६	प्रा.		गा. २१		
१७०	१३०(२)	(४)	चैत्यवदन-वदनक-पच्चक्खाण	५६-५९	प्रा		गा. ८४		
१७०	१३०(२)	(५)	सग्रहणी	६९-११९	प्रा.		गा. ३७५		
१७०	१३०(२)	(६)	चउसरण	११९-१२३	प्रा.		गा. २७		
१७०	१३०(२)	(७)	श्रावकदिनकृत्य	१२३-१६०	प्रा		गा. ३३९		
१७०	१३०(२)	(८)	जीवदयाप्रकरण	१६०-१७४	प्रा.		गा. ११४		
१७०	१३०(२)	(९)	गौतमपृच्छा	१७४-१८०	प्रा		गा. ५३		
१७०	१३०(२)	(१०)	माणसवरणकुलक	१८०-१८९	प्रा.		गा. ७६		
१७०	१३०(२)	(११)	आराधना	१८९-१९८	प्रा		गा. ७२		
२८८	१३१(१)	(१)	नैषध महाकाव्य सर्ग १ थी ९ सुधी[२]	१-९५	सं.	श्रीहर्षकवि			
२८८	१३१(१)	(२)	नैषध महाकाव्य सर्ग ११ थी २२ सुधी[३]	१-९०	स	श्रीहर्ष कवि			
४२	१३१(२)	(१)	योगशास्त्र प्रथमप्रकाशविवरण स्वोपज्ञ	१७१	स.	हेमचन्द्राचार्य			
२०७	१३२	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति[४]	२३१	स.	सिद्धर्षिगणि			
१०७	१३३(१)	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र[५]	१४८	प्रा.				

१. पत्र ४० थी ४४ सुधी टुकडा थयेला छे. २. २२मो सर्ग अपूर्ण छे. ३. प्रथमना अने अतनां पत्रो फाटेला छे. ४. सारी छे ६२ द्वार सुधी ५. अतनु पत्र तूटेलु छे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२६६	१३३(२)	(१)	लक्षणसमुच्चय[1]	११५-२४४	स	विरोयन			
१	१३४(१)	(१)	मन स्थिरीकरणप्रकरण[2]	१-१६	प्रा.	महेन्द्रसिहसूरि		१२८४	
१	१३४(१)	(२)	मनःस्थिरीकरणवृत्ति[3]	१-१७८	सं.		२३००	१२८४	
२२८	१३४(२)	(१)	उपदेशमाला	१-६७	प्रा.		५४१		
२२८	१३४(२)	(२)	मूलशुद्धिप्रकरण	६८-९३	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि	२३२		
		(३)	ऋषिमंडल स्तव	१-८	प्रा	धर्मघोषसूरि	१६२		
		(४)	आत्मानुशासन	८-१२	स.				
१६८	१३५(१)	(१)	आचारांगसूत्र[4]	१-१२७	प्रा		२६४४		
१६८	१३५(१)	(२)	आचारागनिर्युक्ति[5]	१-३६	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	३७३		
३	१३५(२)	(१)	स्त्रीनिर्वाण	११-१३	स.	शाकटायन कृदंतपाद	४५		
३	१३५(२)	(२)	केवलीभुक्ति	१३-१५	स	शाकटायन कृदतपाद	३३		
३	१३५(२)	(३)	मोक्षोपदेशपंचाशत	१५-१८	स.	मुनिचन्द्रसूरि	५०		
३	१३५(२)	(४)	प्रमाणसंग्रह	६०-९२	सं.				
३	१३५(२)	(५)	ईश्वरकर्तृत्वप्रकरण	९३-९८	स.	चन्द्रप्रभसग्रहित			
३	१३५(२)	(६)	ब्राह्मणनीतिनिराकरण	९८-१०४	स.				
३	१३५(२)	(७)	बोटिकप्रतिषेध	१०४-१०८	स.	हरिभद्रसूरि			
३	१३५(२)	(८)	सर्वज्ञव्यवस्था प्रकरण	१०८-१२१	स.				
३	१३५(२)	(९)	क्षणिकवादनिरास प्रकरण	१२२-१२७	स.				
३	१३५(२)	(१०)	गणकारिका रत्नटीका समेत	१२८-१५५	सं	मू. भासर्वज्ञ			
३	१३५(२)	(११)	यमप्रकरण	१५५-१५६	स.	विशुद्धमुनि षड्गोचर शिष्य	२१		
३	१३५(२)	(१२)	बकुलिशप्रार्थना (मोक्षार्था)	१५७-१५७	स.		१३		
३	१३५(२)	(१३)	कारणपदार्थ	१५७-१५९	स		३६		
३	१३५(२)	(१४)	पुराणोक्तस्कदनामानि	१५७-१५९	स.		७		
२६४(१)	(१३६)(१)	(१)	परिशिष्ट पर्व	१६२	सं	हेमचन्द्राचार्य	३५००		
३१७(१-४)	१३६(२)	(१)	सिद्धसेनदिवाकरचरित्र[6]	१-११	प्रा.			१२९१	
३१७(१-४)	१३६(२)	(२)	पादलिप्ताचार्यकथा[7]	११-४३	प्रा.				
३१७(१-४)	१३६(२)	(३)	मल्लवादी कथा	४४-४९	प्रा.				

१. शिल्पनो ग्रंथ छे शिवमदिरादिनी विधि छे १२मी विधिथी २७मी विधि सुधी छे. पत्र ३जानो टुकडो त्रुटक छे २. सारी. ३. सारी पत्र ७९मु नथी. ४. सारी. ५. सारी ६. पत्र ४-६-१० नथी ७ पत्र १२-१३-१५-१६-३५-३९-४० नथी. ३७ पत्रनो एक टुकडो नथी

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३१७(१-५)	१३६(२)	(४)	बप्पभट्टीकथा[1]	४९-१०५	प्रा.		गा. ६८५		
१५	१३७(१)	(१)	कथारत्नसागर[2]	१६४	स.	नरचन्द्रसूरि		१३३९	
२७	१३७(२)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासनलघुवृत्ति पचमाध्याय	२-२०१	सं	हेमचन्द्राचार्य		१२२१	
२७३	१३८(१)	(१)	अष्टक सटीक	१-१९३	स.	मू. हरिभद्राचार्य, टी. जिनेश्वरसूरि			
२७३	१३८(१)	(२)	ब्रह्मा लूनशिरा इति वृत्तद्वयव्याख्या	१९३-१९८	सं.				
१२७	१३८(२)	(१)	चैत्यवदन-वदनक-प्रत्याख्यानचूर्णि	१७८	प्रा.	यशोदेवसूरि		१४१४	
२८५	१३९(१)	(१)	श्री ऋषभचरित्र[3]	२२५	प्रा.	वर्धमानसूरि			
१३२(३)	१३९(२)	(१)	प्रशमरति	४१	स.	उमास्वातिजी	३१५		
३१०	१४०	(१)	पचसंग्रह सूत्र	१-४९	प्रा.	चन्द्रर्षि			
३१०	१४०	(२)	पचसग्रहसूत्र वृत्ति	१-३५०	स	चन्द्रर्षि			
१६४	१४१(१)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन वृत्तिथी बीजा अध्यायना प्रथमपाद सुधी	१४४	स.	हेमचन्द्राचार्य			
५६	१४१(२)	(१)	उपदेशमाला[4]	१-४१	प्रा	धर्मदासगणि	गा. ५४३		
५६	१४१(२)	(२)	धर्मोपदेशमाला	४१-४८	प्रा.		गा १००		
५६	१४१(२)	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण	४८-६५	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि			
५६	१४१(२)	(४)	दशवीसी भावना	६५-८३	प्रा		गा. २०५		
५६	१४१(२)	(५)	जीवदया प्रकरण	८३-९३	प्रा		गा. ११६		
५६	१४१(२)	(६)	एकवीस स्थान प्रकरण	९४-१००	प्रा	सिद्धसेनसूरि	गा. ६६		
५६	१४१(२)	(७)	चच्चरिउ	१००-१०३	अपभ्रश	सोलहण	गा. ३८		
५६	१४१(२)	(८)	प्रतिक्रमणादि	१०३-११०	प्रा.				
५६	१४१(२)	(९)	चतुर्विंशतिजिनकल्याणकानि	१-९	अपभ्रश		गा. १३		
५६	१४१(२)	(१०)	वयरस्वामीचरित्र	९-३०	अपभ्रश				
५६	१४१(२)	(११)	श्री महावीरस्वामीपारणु	३०-३५	अपभ्रश		गा ४७		
५६	१४१(२)	(१२)	श्री ऋषभजिनस्तुति (सिद्धस्वरूपगर्भिता)	३५-३७	अपभ्रंश				
५६	१४१(२)	(१३)	नवकारकुलक	३७-३९	प्रा.		गा. २०		

१. पत्र ५१-५७-७६-७७-७८-१०४ नथी. २. प्रथमना १० पत्रो तूटेला छे. १६३मा पत्रमा श्री पार्श्वनाथ प्रभुनी अने १६४मा पत्रमां श्रोताओनी मूर्ति चितरेली छे. ३. केवलज्ञान पछीनु वृतात छे. २२५मो टुकडो छे. प्रत सारी. ४. प्रथमना छ पत्रोना टुकडा खरी गया छे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
५६	१४१(२)	(१४)	नमस्कारफल कुलक	३९-४२	अपभ्रंश		गा. ३०		
५६	१४१(२)	(१५)	श्रावकविधि	४२-४४	प्रा.		गा. २०		
५६	१४१(२)	(१६)	श्री ऋषभजिनस्तुति	४४-४७	अपभ्रश		गा. २६		
५६	१४१(२)	(१७)	सीतासत	४७-४९	अपभ्रश		गा. २०		
१६७	१४२(१)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुष चरित्र पचम पर्व (श्री शांतिनाथ चरित्र)	१-१४६	स.	हेमचन्द्राचार्य	२०४५		
१६७	१४२(१)	(२)	योगशास्त्र १२मो प्रकाश[1]	१-२३	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१२६	१४२(२)	(१)	द्वयाश्रय प्राकृत महाकाव्य[2]	७६	प्रा.	हेमचन्द्राचार्य	९५०		
१२६	१४२(२)	(२)	प्राकृत प्रबोध[3]	१२७	प्रा.	नरचन्द्रसूरि			
८	१४३(१)	(१)	श्राद्धप्रतिक्रमणवृत्ति	१५४	प्रा.सं.	चन्द्रसूरि	१९५०	१२९९	
७२	१४३(२)	(१)	धातुपारायण स्वोपज्ञ विवरण[4] प्रथम खंड	१७९	स.	हेमचन्द्राचार्य			
२२३	१४४(१)	(१)	न्यायकदली	१५५	स.	श्रीधर	६०००	१२४२	
२२३	१४४(१)	(२)	पदार्थधर्मसंग्रह (न्यायकंदली सूत्र)	१५६-२००	स.		७७७		
२२४	१४४(२)	(१)	योगशास्त्रप्रथमप्रकाशविवरण	१२८	सं.		१८००	१२५५	
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१)	चउसरण	७३-७६	प्रा.				
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२)	आउरपच्चक्खाण	७६-८०	प्रा.		गा. ६०		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(३)	भक्तपरिज्ञा	८०-९२	प्रा		गा. १७१		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(४)	संथारापइन्ना	९२-९९	प्रा		गा. १२१		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(५)	सागारप्रत्याख्यान विधि	९९-१००	प्रा.		गा. ९		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(६)	आराधनाप्रकरण	१०१-१२४	प्रा.	यशोघोषसूरि			
९५(१०-३४)	१४५(१)	(७)	आराधनाप्रकरण	१२४-१२८	प्रा.	सोमसूरि		गा. ६१	
९५(१०-३४)	१४५(१)	(८)	बृहत् चतु:शरणप्रकरण	१२८-१३३	प्रा.		गा. ९१		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(९)	क्षामणाकुलक	१३३-१३७	प्रा.		गा. ४६		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१०)	आराधनाकुलक	१३७-१३९	प्रा.		गा. १६		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(११)	शोकपरिहारकुलक	१३९-१४१	प्रा.		गा. २४		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१२)	द्वादश भावना	१४१-१५०	प्रा.		गा. १३२ (ग्रथ १५७)		

१. पत्र २३नो एक टुकडो छे. २. आ ग्रथमा जुदे जुदे ठेकाणे २३ पाना खूटे छे ३. आ ग्रथमा जुदे जुदे ठेकाणे २९ पाना खूटे छे. ४. पत्र १५७ थी १७९ सुधी एक बाजुनी कोरो खरी गई छे. माटे अकोमा फरक छे

श्री संघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१३)	महाऋषिस्तव	१५१-१६१	प्रा.	धर्मघोषसूरि	गा. १६१		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१४)	बोधकुलक	१६१-१६३	प्रा.		गा. २९		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१५)	भाववर्धनकुलक	१६३-१६५	प्रा.		गा. २६		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१६)	आत्मबोधकुलक	१६५-१६७	प्रा.				
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१७)	आत्मसंबोधकुलक	१६७-१६८	प्रा.		गा. २१		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१८)	वैराग्यकुलक	१६८-१७१	प्रा.		गा. २१		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१९)	योगशास्त्रप्रकाश ४	१७१-२००	स.	हेमचन्द्राचार्य			
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२०)	आत्मानुशासन	२००-२०६	स.	पार्श्वनाग			
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२१)	धरणोरगेन्द्रस्तव	२०६-२०९	स.		गा ३५		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२२)	भक्तामरस्तोत्र	२०९-२१३	स.	मानतुंगाचार्य	का. ४८		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२३)	गभीरस्तव	२१३-२१६	स				
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२४)	धर्मलक्षण	२१६-२२७	स.		४०		
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२५)	सिंदूरप्रकर[१]	२२७-२२९	स.	सोमप्रभाचार्य			
२६८	१४५(२)	(१)	पंचाशक सूत्र	१-८३	प्रा.	हरिभद्रसूरि			
२६८	१४५(२)	(२)	कर्मस्तव	८४-९१	प्रा.				
२६८	१४५(२)	(३)	कर्मविपाक	९१-१०७	प्रा.	गर्गर्षि	गा. १६८		
२६८	१४५(२)	(४)	शतकप्रकरण	१०७-११९	प्रा.		गा. ११०		
२६८	१४५(२)	(५)	सत्तरिप्रकरण	११९-१२९	प्रा.		गा. ९१		
७०(१-७)	१४६(१)	(१)	तर्कभाषा[२]	५-५६	स	मोक्षाकरगुप्त	८७०		
७०(१-७)	१४६(१)	(२)	न्यायकलिका	५७-८०	सं.	जयंत			
७०(१-७)	१४६(१)	(३)	योगसंग्रहसार	८८-१०१	सं	नदिवच्छ			
७०(१-७)	१४६(१)	(४)	नवतत्त्व भाष्यसहित	१०१-११४	प्रा.	मू. जिनचद्रगणि, भा. अभयदेवसूरि	गा. १५२		
७०(१-७)	१४६(१)	(५)	प्रमाणनयत्त्वलोकालकार	११५-१३३	सं.	देवाचार्य			
७०(१-७)	१४६(१)	(६)	न्यायवतारसूत्र	१३३-४३४	सं.	सिद्धसेन दिवाकरसूरि			
७०(१-७)	१४६(१)	(७)	ज्ञानावर्ण[३]	१३५-१४८	सं.	शुभचन्द्र			
४(१-२-४)	१४६(२)	(१)	नंदीसूत्र	१-८२	प्रा.		गा. ७०		
४(१-२-४)	१४६(२)	(२)	आचार्य प्रतिष्ठा विधि	८२-८९	प्रा.				

१. अपूर्ण २. बौद्ध ३. दिगबरीय-योगप्रदीपाधिकारना योगविचारणो तत्त्वप्रकरणो.

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-सवत्	रचना-संवत्
४(१-२-४)	१४६(२)	(३)	पंचाशक सूत्र	५९	प्रा.	हरिभद्रसूरि	११८४		
१८९	१४७(१)	(१)	प्रवचनसारोद्धार[1]	१९७	प्रा.	नेमिचन्द्रसूरि			
३१७(५)	१४७(२)	(१)	कलावती कथा	८४	प्रा.				
५	१४८	(१)	दर्शनशुद्धिप्रकरणविवरणोद्धृति[2]	२८२	प्रा.सं.	देवभद्र विमलसूरिशिष्य	३८००	१२४४	
२०८	१४९	(१)	सूक्तरत्नाकर	२६८	सं.	मन्मथसिह	४३४०	१३४७	
२८३	१५०	(१)	वदारुवृत्ति (श्रावकानुष्ठानविधि)[3]	१८४	सं.	देवेन्द्रसूरि	२७७०		
२८३	१५०	(२)	प्रवचनसारोद्धार[4]	१८४-२६६	प्रा.	नेमिचन्द्रसूरि	१६०६		
२३५	१५१	(१)	उपदेशमाला	४९	प्रा	धर्मदासगणि	गा. ५४२		
२३५	१५१	(२)	धर्मोपदेशमाला	४९-५५	प्रा		गा १००		
२३५	१५१	(३)	पचकल्याणक	५५-७०	प्रा.				
२३५	१५१	(४)	मूलशुद्धिप्रकरण	७०-८६	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि	गा. २१२		
२३५	१५१	(५)	जबूद्वीपप्रकरण	८६-९६	प्रा.				
२३५	१५१	(६)	जीवदयाप्रकरण	१०५-११९	प्रा.				
२३५	१५१	(७)	नवपदप्रकरण	१०५-११९	प्रा.	जिनचन्द्रगणि			
२३५	१५१	(८)	वंदित्ता सूत्र	११९-१२४	प्रा.		गा. ५०		
२३५	१५१	(९)	विवेकमंजरी	१२४-१३७	प्रा.	आसड			
२३५	१५१	(१०)	योगशास्त्र प्रकाश ४	१-३९	स.	हेमचन्द्राचार्य			
२३५	१५१	(११)	वीतरागस्तव	३९-५४	स.	हेमचन्द्राचार्य			
२३५	१५१	(१२)	प्रशमरती	५५-८१	स.	उमास्वातिवाचक			
६२(२-३)	१५२(१)	(१)	पचाशकसूत्र[5]	२६-७९	प्रा	हरिभद्रसूरि			
६२(२-३)	१५२(१)	(२)	उपदेशपद	७९-१६४	प्रा.	हरिभद्रसूरि			
८४	१५२(२)	(१)	देशी नाममाला[6]	११४	प्रा. देश्य	हेमचन्द्राचार्य		१२९८	
१४५	१५३(१)	(१)	सप्ततिकाटीका[7]	१२२	स	मलयगिरि	३७८०	१२२१	
१५६	१५३(२)	(१)	पचाशकसूत्र २०[8]	१२९	प्रा	हरिभद्रसूरि			
५३	१५४(१)	(१)	वार्तिकसूत्र	१-६	सं				
५३	१५४(१)	(२)	वार्तिकवृत्ति[9]	७-१८४	स.	शांत्याचार्य			

१. अपूर्ण पत्र ४-२१-२२-२४-११५-१४०-१७०-१८८ नथी. १७मा पानानो टुकडो नथी. २. सारी. ३. सारी. ४. आ ग्रथमा घणे ठेकाणे केटलाक प्रकरणोमा पानाना अक्षरो घसाई गया छे. ५. ६४ थी ६६ पत्र नथी. ६. पत्र १०८-१३३-१३४-१४५-१४७ नथी अत पण नथी ७. पत्र २ थी ९ नथी. ८. २०मु उपधानपचाशक छे. ९. केटलाक पानानी कोरो खरी गई छे. तेमज पानाना टुकडा थई गया छे.

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
५४	१५४(२)	(१)	कथानुकोष सटीक[1]	१९३	प्रा.		५१४०	११६६	
१९९(१)	१५५(१)	(१)	देशीनाममालावृत्ति[2]	२१२	देश्य स	हेमचन्द्राचार्य			
३१४	१५५(२)	(१)	तर्कभाषा[3]	७५	स				
१३३	१५६(१)	(१)	उपदेशमाला	१-३९	प्रा.	धर्मदासगणि	गा ५४२		
१३३	१५६(१)	(२)	मूलशुद्धिप्रकरण	३९-५५	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि	गा २१४		
१३३	१५६(१)	(३)	बार भावना	५५-७०	प्रा.		गा २१०		
१३३	१५६(१)	(४)	क्षेत्रसमास	७१-७७	प्रा.		गा ८४		
१३३	१५६(१)	(५)	सुबाहुचरित्र	७७-९१	प्रा.		गा २१८		
१३३	१५६(१)	(६)	शालिभद्र चरित्र	९१-१०४	प्रा.		गा १७५		
१३३	१५६(१)	(७)	गौतमभाषित	१०४-१०९	प्रा		गा. ४०		
१३३	१५६(१)	(८)	जीवदया प्रकरण	१०९-११८	प्रा.		गा. ११६		
१३३	१५६(१)	(९)	दर्शनसप्ततिका	११८-१२८	प्रा	हरिभद्रसूरि	गा १२०		
१३३	१५६(१)	(१०)	वीरविज्ञप्ति[4]	१२८-१	अपभ्रश		गा १३		
१३३	१५६(१)	(११)	पंचाशक ११	१-३१	प्रा.	हरिभद्रसूरि			
१३३	१५६(१)	(१२)	कर्मस्तवभाष्य	१-४	प्रा		गा २४		
१७३	१५६(२)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति तद्धित ६-१ थी ७ माना ४पाद सुधी	११९	स.	हेमचन्द्राचार्य			
४८	१५७(१)	(१)	धनदेवधनदत्तकथा[5]	१-१३	प्रा.		गा १४१		
४८	१५७(१)	(२)	धनश्रेष्ठिकथा[6]	१४-२३	प्रा.		गा ८०		
४८	१५७(१)	(३)	चद्रगोपालकथानक[7]	२३-४३	प्रा.		गा. ८९		
४८	१५७(१)	(४)	कृपणश्रेष्ठिकथा[8]	३४-४३	प्रा		गा. ८९		
४८	१५७(१)	(५)	जयलक्ष्मीदेवीकथा[9]	४३-५७	प्रा.		गा. १२६		
४८	१५७(१)	(६)	पुरंदरीदेवीकथा[10]	५७-५९	प्रा.		गा. १०२		
४८	१५७(१)	(७)	मृगाकलेखाकथानक[11]	६९-८२	प्रा		गा १३७		
४८	१५७(१)	(८)	अघटकथानक[12]	८३-९६	प्रा.		गा १२२		
४८	१५७(१)	(९)	धनदत्तकथानक[13]	९६-१०६	प्रा.		गा. ११२		
४८	१५७(१)	(१०)	बहुबुद्धिकथानक[14]	१०६-२१८	प्रा.		गा. ११८		

१. एक तरफनी कोरो खरी गई छे, एटले अस्तव्यस्त छे २. रत्नावली नामनी. ३. प्रथम पत्र ३ना टुकडा छे. ४. अपूर्ण ५. दान विषये. ६. सम्यक्त्व. ७. दानविषये ८. दानविषये ९. शीलविषये १०. शीलविषये ११. तपविषये १२. तपविषये १३. भावनाप्रभावे १४. भावनाप्रभावे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
४८	१५७(१)	(११)	सौभाग्यसुंदरीकथा[१]	११८-१३०	प्रा.		गा. १२०		
४८	१५७(१)	(१२)	समुद्रदत्तकथा[२]	१३१-१४१	प्रा		गा. ११८		
४८	१५७(१)	(१३)	विभक्तिप्रकरण (अपरनाम विचारमुखप्रकरण)	१४१-१५४	प्रा.	अमरचन्द्र	गा. १४१		
२९४	१५७(२)	(१)	प्रवचनसारोद्धारसूत्र[३]	१७२	प्रा.	नेमिचन्द्रसूरि			
२८२	१५८	(१)	वराहमिहिरसहिता	२-३००	स.	वराहमिहिर		१३१३	
२५९	१५९	(१)	धातुपारायणवृत्ति[४]	२६३	सं.	हेमचन्द्राचार्य		१३०७	
१८८	१६०(१)	(१)	संग्रहणी	१-३६	प्रा.		गा. ३५६		
१८८	१६०(१)	(२)	श्रावकप्रज्ञप्ति	१-४६	प्रा.		गा. ४०१		
१८८	१६०(१)	(३)	सूक्ष्मार्थविचारप्रकरण	४६-६४	प्रा.	जिन वल्लभसूरि	गा. १५५		
१८८	१६०(१)	(४)	उपदेशसार	६४-७४	प्रा.	देवभद्रसूरि	गा. १०१		
१८८	१६०(१)	(५)	श्रावकवक्तव्यता (षट्स्थानक भाष्य)	७४-८५	प्रा.	अभयदेवाचार्य	गा. १०३		
१८८	१६०(१)	(६)	षड्विध प्रवचनकौशल	८५-८६	प्रा		गा. ९		
१८	१६०(२)	(१)	यतिप्रतिक्रमणवृत्ति[५]	१-७७	सं.	पार्श्वसाधु			१२२८ शके. ८२१
१८	१६०(२)	(२)	श्रावकप्रतिक्रमणवृत्ति[६]	७८-१४४	स.	पार्श्वसाधु			१२२८ शके. ८२१
५८(२)	१६१(१)	(१)	अढार पापस्थान उपर कथाओ[७]	८३	प्रा.				
३८	१६१(२)		प्रकरण संग्रह	पत्र १५६					
३८	१६१(२)	(१)	उपदेशमालाप्रकरण	१-५६	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ५४४		
३८	१६१(२)	(२)	धर्मोपदेशमालाप्रकरण	५६-६८	प्रा.		गा. १०३		
३८	१६१(२)	(३)	ठाणा प्रकरण (मूलशुद्धि)	६८-९०	प्रा	प्रद्युम्नसूरि			
३८	१६१(२)	(४)	क्षेत्रसमास प्रकरण	९१-९९	प्रा		गा. ८४		
३८	१६१(२)	(५)	पाक्षिकसूत्र	९९-१०३	प्रा				
३८	१६१(२)	(६)	प्रतिक्रमणसूत्र	१०३-१०९	प्रा.		गा. ५०		
३८	१६१(२)	(७)	प्रव्रज्याविधानप्रकरण	१०९-१११	प्रा		गा. २५		
३८	१६१(२)	(८)	गौतमपृच्छाप्रकरण	१११-११७	प्रा		गा. ५३		
३८	१६१(२)	(९)	शीलरक्षाकुलक	११७-११८	प्रा.		गा १०		
३८	१६१(२)	(१०)	योगशास्त्र चार प्रकाश	११८-१५६	सं	हेमचन्द्राचार्य	४५६		

१. नमस्कारप्रभावे २. अनित्यताविषये. ३. अत नथी, १६३ पाना पछी एक बाजुनी कोर खरी गई छे. ४. २६२ अने २६३ पत्रना टुकडा छे. विशलदेवना राज्यमा लखेलु छे. ५. गाभूमा रची छे जबूश्रावक बहुश्रुतनी सहायथी रची छे. ६. गाभूमा रची छे जबूश्रावक बहुश्रुतनी सहायथी रची छे. ७. अपूर्ण प्रथमनु अडधुं पत्र नथी. बीजाना बे टुकडा छे.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२७९	१६२	(१)	पिंडविशुद्धिवृत्ति[1]	२७३	स	यशोदेवसूरि	२८००		
१७१	१६३	(१)	ललितविस्तरापजिका	२७१	स	मुनिचन्द्रसूरि		१२८९	
१५५(१थी१२)	१६४	(१)	उपदेशमाला	१-६०	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ५४३		
१५५(१थी१२)	१६४	(२)	पुष्पमाला	६०-१२०	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्र	गा. ५०५		
१५५(१थी१२)	१६४	(३)	आवश्यक स्वरूप	१२१-१५५	प्रा.		गा. ३१७		
१५५(१थी१२)	१६४	(४)	सग्रहणी	१५५-१८०	प्रा	चन्द्रसूरि	गा २७३		
१५५(१थी१२)	१६४	(५)	जबूद्वीपसमास	१८०-१८८	प्रा		गा ११२		
१५५(१थी१२)	१६४	(६)	विवेकमजरी	१८९-२०१	प्रा	आसड	गा. १४५		१२४८
१५५(१थी१२)	१६४	(७)	उपदेशकंदली[2]	२०१-२१५	प्रा	आसड	गा १२५		
१५५(१थी१२)	१६४	(८)	पिडविशुद्धि	२१५-२२४	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा. १०४		
१५५(१थी१२)	१६४	(९)	धर्मोपदेशमाला	२२५-२३४	प्रा.		गा. १०२		
१५५(१थी१२)	१६४	(१०)	ज्ञानप्रकाशकुलक	२३४-२४६	अपभ्रश	जिनप्रभाचार्य	गा. ११४		
१५५(१थी१२)	१६४	(११)	आत्मानुशासन	२४७-२५६	सं.	पार्श्वनाग	गा. ७७		१०४२
१५५(१थी१२)	१६४	(१२)	मूलशुद्धिप्रकरण	२५६-२७४	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि			
२६१	१६५	(१)	उपदेशमाला	१-५७	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ५४३		
२६१	१६५	(२)	पुष्पमाला	५७-११४	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्र	गा. ५०५		
२६१	१६५	(३)	श्राद्धदिनकृत्य	११४-१५३	प्रा.		गा. ३४४		
२६१	१६५	(४)	विवेकमजरी	१५३-१६९	प्रा.	आसड	गा. १४४		१२८८
२६१	१६५	(५)	आराधना प्रकरण	१७०-१७६	प्रा.	सोमसूरि	गा. ६९		
२६१	१६५	(६)	गौतमपृच्छा	१७६-१८२	प्रा.		गा. ५४		
२६१	१६५	(७)	चैत्यवंदनादिभाष्यत्रय	१८२-१९९	प्रा.	देवेन्द्रसूरि	गा. १४३		
२६१	१६५	(८)	क्षेत्रसमास[3]	१९९-२११	प्रा.				
२६१	१६५	(९)	भयहरस्तोत्र[4]	२१४-२१५	प्रा.	मानतुगसूरि	गा. २१		
२६१	१६५	(१०)	संयममजरी	२१५-२१८	अपभ्रश	महेश्वरसूरि	गा. ३५		
२६१	१६५	(११)	अजितशाति पापप्रतिघात वगेरे प्रकरणो त्रुटक	२१९-२४९					
१६५	१६६	(१)	चैत्यवंदन	१-५	प्रा.				
१६५	१६६	(२)	प्रभातिक अष्टक	५	सं.		गा. ९		

१. पत्र १५४ अने १७१मु नथी. २. भीनमालमा ३. अपूर्ण. ४. गा. १३ थी ५. वचमा पाना नथी.

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	फेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१६५	१६६	(३)	शाश्वतजिन स्तव	५	सं.	धर्मसूरि	गा. १४		
१६५	१६६	(४)	जंबूद्वीपसमास	६-८	प्रा.				
१६५	१६६	(५)	यतिप्रतिक्रमण सूत्र	१-३	प्रा.				
१६५	१६६	(६)	दशवैकालिक	३-१८	प्रा.	शय्यम्भव			
१६५	१६६	(७)	पाक्षिकसूत्र	१८-२५	प्रा.				
१६५	१६६	(८)	अजितशांति	२५-२७	प्रा.				
१६५	१६६	(९)	पिंडविशुद्धि	२७-३०	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा. १०४		
१६५	१६६	(१०)	आवश्यकनिर्युक्ति	३३-९९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. २५००		
१६५	१६६	(११)	ओघनिर्युक्ति	९९-१२९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ११४०		
१६५	१६६	(१२)	पिडनिर्युक्ति	१२९-१४७	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ७१६		
१६५	१६६	(१३)	उत्तराध्ययन	१४७-१९४	प्रा.				
२९५	१६७(१)	(१)	प्रशमरतिप्रकरण	१ थी २१	स.	उमास्वाति वाचक	काव्य ३१३		
२९५	१६७(१)	(२)	अष्टक	१ थी १९	स.	हरिभद्रसूरि	का. २५६		
२९५	१६७(१)	(३)	षोडशक	१९ थी ३९	स.	हरिभद्रसूरि	का. २५६		
२९५	१६७(१)	(४)	धर्मलक्षण	फक्त ४०	प्रा.				
२९५	१६७(१)	(५)	आत्मानुशासन[१]	१ थी ८	प्रा.	पार्श्वनाग	श्लो. ७६		
२९५	१६७(१)	(६)	प्रश्नोत्तररत्नमालिका	८ थी १०	प्रा.	विमलाचार्य	का. २८		
२९५	१६७(१)	(७)	पचाणुव्रतप्रकरण	१ थी १५	प्रा.		का. २२०		
२९५	१६७(१)	(८)	पात्रपरीक्षा	१६ थी १८	प्रा		का. ३१		
२९५	१६७(१)	(९)	ज्ञानांकुश	१८ थी २०	प्रा.		श्लो. २८		
		(१०)	महादेवलक्षण	२० थी २२	प्रा.		श्लो. ३२		
		(११)	पाक्षिकसूत्र खामणा साथे	१ थी २०	प्रा.				
१५३	१६७(२)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति-तृतीयाध्याय-[२] तृतीयपादथी पंचमाध्याय पर्यन्त	१६२	स.	हेमचन्द्राचार्य			
१२	१६८	(१)	वदारुवृत्ति	१-८४	सं.	देवेन्द्रसूरि	२७२०		
१२	१६८	(२)	धर्मकुलक	८५	प्रा.	देवेन्द्रसूरि	गा. २२		
१२	१६८	(३)	चउसरण लघु	८५-८६	प्रा.		गा. ३०		
१२	१६८	(४)	आउरपच्चक्खाण लघु	८६-८७	प्रा.		गा ७४		

१. प्रथम बे पानाना टुकडा छे. २. छेल्ला पानाना बे टुकडा छे

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१२	१६८	(५)	आराधनाकुलक	८७-९०	प्रा.	सोमसूरि	गा. ६९		
१२	१६८	(६)	चउसरण बृहत्	९०-९१	प्रा	वीरभद्र	गा. ६३		
१२	१६८	(७)	आउरपच्चक्खाण बृहत्	९१-९४	प्रा	वीरभद्र	गा. ७१		
१२	१६८	(८)	भक्तपरिज्ञा	९४-१००	प्रा.	वीरभद्र	गा. १७३		
१२	१६८	(९)	सस्तारकप्रकरण	१००-१०३	प्रा		गा. १२१		
१२	१६८	(१०)	श्राद्धदिनकृत्य	१०४-११५	प्रा.		गा. ३४२		
१२	१६८	(११)	स्थविराकथा (देवत्वे)[1]	११५-११८	स		श्लो. ८२		
१२	१६८	(१२)	धर्मपाल-वस्तुपालकथा[2]	११८-११९	सं.				
१२	१६८	(१३)	दिवाकरकथा (उत्तमसेवायाम्)[3]	११९-१२४	प्रा		गा. १३९		
१२	१६८	(१४)	धन्य-शालिभद्रकथा[4]	१२४-१३०	स.		श्लो. २१८		
१२	१६८	(१५)	एलकाक्षकथा (रात्रिभोजने)[5]	१३१-१३२	प्रा.		गा. ५०		
१२	१६८	(१६)	मरुक दृष्टात[6]	१३२-१३४	प्रा.		श्लो. ५५		
१२	१६८	(१७)	कालिकाचार्यकथा	१३४-१३७	प्रा.		गा. १८०		
१२	१६८	(१८)	आराधनाष्टक	१३७	प्रा.		गा. ८		
१२	१६८	(१९)	उत्तराध्ययनसूत्र	१३७-१९५	प्रा				
१२	१६८	(२०)	उपदेशमालाविवरण[7]	१९६-२३८	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी			
१३५	१६९(१)	(१)	कल्पसूत्र[8]	१-११६	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी			
१३५	१६९(१)	(२)	कालिकाचार्यकथा[9]	११६-१२१	प्रा.				
१००	१६९(२)	(१)	कल्पसूत्र	१-८९	प्रा	भद्रबाहुस्वामि	१२८०		
	१६९(२)	(२)	कालिकाचार्यकथा[10]	८९-९१	प्रा.				
१००	१६९(२)	(३)	कल्पसूत्रटिप्पण	१-३२	सं.	पृथिवीचन्द्रसूरि	४१८		११२५
५८(१)	१७०(१)	(१)	सूक्ष्मार्थविचारसारप्रकरण[11] प्राकृतविवरण	११९	प्रा.	मू. जिनवल्लभसूरि			
२२७(१,२,३)	१७०(२)	(१)	योगशास्त्र द्वादश प्रकाश	१२९	स.	हेमचन्द्राचार्य			
२२७(१,२,३)	१७०(२)	(२)	वीतरागस्तव	१३०-१५६	स.	हेमचन्द्राचार्य			
२२७(१,२,३)	१७०(२)	(३)	साम्यशतक[12]	१५७-१७१	सं.	विजयसिंह	श्लो. ३०४		
६२(१)	१७१(१)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	३-१७५	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी		१२९७	

१. जिनपूजा उपर २. अक्षरो भूसाई गया छे. ३. उत्तम सेवा उपर ४. दान विषे. ५ रात्रि भोजन उपर ६. रात्रि भोजन उपर. ७. अपूर्ण. ८. पत्र ४२-५३-६३-६५-६६-६९-७०-८२-८५ थी ९२-९४ नथी ९. पाछळनो भाग त्रुटक छे. १०. अपूर्ण ११. अतमा अपूर्ण-आ विवरण मुनिचद्रसूरिकृत चूर्णि होवी जोईए १२. पत्र ५९मु नथी.

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२४१(१-२)	१७१(२)	(१)	न्यायावतारसूत्र	१-२	सं				
२४१(१-२)	१७१(२)	(२)	न्यायप्रवेशसूत्र	२-६	सं				
१२२(१)		(३)	न्यायप्रवेशक व्याख्या[१]	१-२३	स.	हरिभद्रसूरि	५००		
२४१(३) १२२(२)	१७१(३)	(४)	न्यायावतारवृत्ति[२]	१-६८	स				
६६(१-३)	१७२(१)	(१)	सग्रहणी	३-५२	प्रा.				
६६(१-३)	१७२(१)	(२)	कर्मस्तव	५२-६०	प्रा				
६६(१-३)	१७२(१)	(३)	कर्मविपाक	६१-९०	प्रा	गर्गर्षि	गा १६६		
५१	१७२(१)	(४)	सत्तरी प्रकरण	९१-१२८	प्रा.		गा १९१		
५१	१७२(१)	(५)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण	१२९-१५९	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा. ८६		
५१	१७२(१)	(६)	सूक्ष्मार्थविचारसारप्रकरण	१५९-१९१	प्रा	जिनवल्लभगणि	गा. १५५		
५१	१७२(१)	(७)	नवपदप्रकरण	१९२-२१९	प्रा.	जिनचन्द्रगणि			
१९६	१७२(२)	(१)	शातिनाथचरित्र (कागळमां छे.)[३]	१-१६३	स	मुनिदेवसूरि	४८५५		१३२२मा रच्यु
–	१७२(३)	(१)	अपभ्रशस्तोत्रादि संग्रह[४]	२००	अ	चक्रेश्वरसूरि आदि			
१५२	१७३(१)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति अवचूरिका	१-८०, १-६२	स	धनचन्द्र			
२४	१७३(२)	(१)	प्रबोधचंद्रोदयनाटक[५]	१५६	स.	कृष्णमिश्र			
१६१	१७४	(१)	योगशास्त्र ४ प्रकाश[६]	४-३१	स.	हेमचन्द्राचार्य	श्लो. ४५९		
१६१	१७४	(२)	वीतरागस्तोत्र[७]	३२-४५	स.	हेमचन्द्राचार्य			
१६१	१७४	(३)	बोधप्रदीप[८]	४५-५२	सं		५०		
१६१	१७४	(४)	आत्मानुशासन[९]	५२-५७	स	पार्श्वनाग			
१६१	१७४	(५)	मोक्षोपदेश पचाशिका[१०]	५७-६१	स.	मुनिचन्द्रसूरि	५१		
१६१	१७४	(६)	प्रशमरति[११]	. ६१-८३	सं	उमास्वातिजी			
१६१	१७४	(७)	ज्ञानाकुश प्रकरण[१२]	८४-८६	स				
१६१	१७४	(८)	कर्मग्रथो प्रवचन सदोह[१३]	८७-१५६	प्रा				
१६१	१७४	(९)	पचाशक[१४]	१५६-२२५	प्रा.	हरिभद्रसूरि			

१. कोई पानानी कोरो खरी गई छे २. त्रुटक अपूर्ण, कोरो एकबाजुनी खरी गई छे-जीर्ण ३. छेल्लु पानु फाटवा माड्यु छे ४. अस्तव्यस्त-त्रुटक ५. पहेलु ने छेल्लु पानु त्रुटक ने चोंटेला छे. ६. पहेला ३ पत्र नथी. ७. पत्र ४४नो १ टुकडो नथी. ८. त्रुटक पत्र ४५-४६-५०-५१ नथी ९. पत्र ५३-५५ नथी ५६ना बे टुकडा छे. १०. त्रुटक पत्र ५८-५९-६० नथी. ११. पत्र ६४-६६-७८-८०-८१ नथी १२. पत्र ८५मु नथी. १३. पत्र ८८-९५-९८-१००-१०१-१०४-१३४-१३५-१४३ नथी १४. पत्र १५६-१५७-१७९-१८०-१८९-१९२ नथी

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१६१	१७४	(१०)	उपदेशमाला[१]	६-६१	प्रा				
१६१	१७४	(११)	बृहत्सग्रहणी[२]	६१-१०४	प्रा				
१६१	१७४	(१२)	दशवैकालिक[३]	१०५-१०७	प्रा.				
१६१	१७४	(१३)	तूटक सस्कृत ग्रंथ छे नाम जणातु नथी[४]	२३१ थी २५०	सं.				
२६२	१७५	(१)	श्रावकदिनकृत्यविधि	३५७	सं.	देवेन्द्रसूरि	१२८०	१४०९	
२३३	१७६(१)	(१)	पचवस्तुप्रकरण[५]	२-१८२	प्रा	हरिभद्रसूरि	गा १९००		
५९	१७६(२)	(१)	कविशिक्षा[६]	१७७	स.	विनयचन्द्र			
२७७	१७७(१)	(१)	पचवस्तुसूत्र[७]	१२७	प्रा	हरिभद्रसूरि		१२६२	
६	१७७(२)	(१)	प्रश्नव्याकरण-चूडामणिटीका[८]	१५९	सं.		२३९०		
६	१७७(२)	(२)	प्रश्नव्याकरण टीकाया- लीलावत्या मयूरवाहिनी	१५९-१६३	स				
६	१७७(२)	(३)	प्रश्नचूडामणिसार	१६०-२१७	स	भट्ट लक्षण			
१६०	१७८(१)	(१)	अनेकार्थसंग्रह	१४९	स	हेमचन्द्राचार्य	१८२७		
२७२	१७८(२)	(१)	तत्त्वोपप्लव	१७६	स	जयराशि		१३४९	
२२७(४-१२)	१७९(१)	(१)	योगशास्त्र चतु प्रकाशान्तर्गत सुभाषितसमुच्चय	७३-१६२	स	हेमचन्द्राचार्य	४३७		
२२७(४-१२)	१७९(१)	(२)	अभिधानचिंतामणी प्रथम काड	१६३-१६९	स	हेमचन्द्राचार्य	८६		
२२७(४-१२)	१७९(१)	(३)	त्रिषष्टीयमहावीरचरित्रान्तर्गत हस्तिपाल स्वप्न	१६९-१७३	स	हेमचन्द्राचार्य	३४		
२२७(४-१२)	१७९(१)	(४)	प्रश्नोत्तररत्नमालिका	१७४-१७७	स	विमलाचार्य	का २८		
२२७(४-१२)	१७९(१)	(५)	धर्मलक्षण	१७७-१७९	स				
२२७(४-१२)	१७९(१)	(६)	प्रशमरतिप्रकरण	१८०-२२१	स	उमास्वातिवाचक	३१४	१३०३	
२२७(४-१२)	१७९(१)	(७)	तत्त्वार्थाधिगम सूत्र	२२२-२४९	स	उमास्वातिवाचक			
२२७(४-१२)	१७९(१)	(८)	आप्तपरोक्षाद्वात्रिंशिका	२५०-२५३	स.	हेमचन्द्राचार्य	का. ३२		
२२७(४-१२)	१७९(१)	(९)	अन्ययोगव्यवच्छेदद्वात्रिंशिका	२५३-२५८	स	हेमचन्द्राचार्य	का. ३२		
२५७(१)	१७९(२)	(१)	दमयंतीकथा मूल	१७२	सं	विक्रम भट्ट	२५००		

१. पहेला पाच पत्र नथी २. ६९मु पत्र नथी. ३. त्रुटक. ४. त्रुटक-ग्रथ सस्कृत छे ५. पत्र १४-१५-१७-३९-४३-५८-७२ थी ८०-८४-८८ टुकडा नथी १८-२२-२४-४५-५६-६२-७९ पत्रो नथी ६. त्रुटित पत्रकानि ७३-७६-८५-९५-१३०-१३५-१४३-१४७-१४८-१५७-१७१-१७३ने १७७ पछीना पत्रो नथी एव सख्या बार (१२) नास्ति इत्येव शेषमपि नास्ति ७. पत्र २२ थी २७ मुधीना एक कोरथी खरी गया छे. ८. निमित्तनो ग्रथ

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
९७	१८०(१)	(१)	सिद्धहेमआख्यात वृत्ति[१]	२३०	स.	हेमचन्द्राचार्य			
११६	१८०(२)	(१)	त्रिभुवनसार योगशास्त्र प्रकाश त्रण[२]	१९	सं.	अन्यकृत			
११६	१८०(२)	(२)	सतविचार (भडलीना जेवु)[३]	३५-४२	सं.				
११६	१८०(२)	(३)	शकुनविचार प्रकरणमां गमनागमन[४] जीवित-मरण-शकुनविचार प्रकरणो	४२-५७	प्रा.				
११६	१८०(२)	(४)	शनिचक्र[५]	५८	प्रा.				
११६	१८०(२)	(५)	गर्गोक्त संहितानो ४७मो ध्वजाध्याय	५८-५९	सं.				
११६	१८०(२)	(६)	वर्षालक्षण	६०-६७	सं.				
११६	१८०(२)	(७)	सिद्धादेश	६७-७२	सं.		श्लो. ६२		
११६	१८०(२)	(८)	गणधरहोरा	७२-७५	प्रा.		गा. २९		
११६	१८०(२)	(९)	सामुद्रिक	७५-८२	स.प्रा				
११६	१८०(२)	(१०)	सउण-उवस्सुई-छाया-नाडि-निमित्ते-सुविणय-रिष्ठदार[६]	८४थी १०६	प्रा.				
	१८०(२)	(११)	सर्वव्यसायविधिकरणप्रक्रम[७]	१२०-१३८	स.		गा. १९१		
	१८०(२)	(१२)	गमनागमनप्रकरण	१३८-१७०	स				
	१८१(१)	(१)	उपदेशमाला[८]	३६-४२	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ५४३	१२७९	
	१८१(१)	(२)	धर्मोपदेशमाला	४२-५०	प्रा.		गा. १०१		
	१८१(१)	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण (ठाणा प्रकरण)[९]	५०-६५	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा. २६५		
२१	१८१(१)	(४)	क्षेत्रसमास	६५-७०	प्रा		गा. ८८		
२१	१८१(१)	(५)	संदेहविषौषधीनाम प्रकरण[१०]	७०-९०					
२१	१८१(१)	(६)	पिंडविशुद्धि[११]	९०-९८		जिनवल्लयभगणि	गा. १०४		
२१	१८१(१)	(७)	चार्चिकप्रकरण	९९-११५	स.प्रा.		गा. २३२		
२१	१८१(१)	(८)	एकवीस ठाण प्रकरण	११५-१२१	प्रा.	सिद्धसेनसूरि	गा. ८१		
२१	१८१(१)	(९)	प्रवचनसदोह[१२]	१२१-१४०	प्रा				
२१	१८१(१)	(१०)	गौतमपृच्छा	१४०-१४४	प्रा.		गा. ५४		
२१	१८१(१)	(११)	चउसरण लघु	१४४-१४६	प्रा.		गा. २८		

ळ त्रुटक छे वचमा बे ठेकाणे कागळना पत्रो छे ते उधईथी खवाई गया छे. २. त्रीजो प्रकाश ४५ श्लोक सुधी छे, अपूर्ण पत्र २० थी ३४ नथी. ३. पत्र ३८-४० नथी. ४. ने ४८ थी ५६ नथी. त्रुटक-अपूर्ण ५. पत्र ५८मा सपूर्ण थाय छे पण आद्य भाग नथी ६. पत्र ८३मु नथी आद्यत पण नथी ७. आ ग्रथमा पत्र पहेलाना ११९ ने अतनो थी ८. प्रथमना ३५ पत्र नथी ९. पत्र ६३-६४ नथी. १०. पत्र ७१ थी ७५ नथी ११. पत्र ८६-८७ पण नथी १२. पत्र १३९मु नथी

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२१	१८१(१)	(१२)	आउरपच्चक्खाण लघु	१४६-१४९	प्रा		गा ४०		
२१	१८१(१)	(१३)	श्रावकप्रतिक्रमण सूत्र-आयरिय-उवज्झाय अने अतिचार गाथा	१४९-१५३	प्रा		गा ६१		
२१	१८१(१)	(१४)	भावना प्रकरण[1]	१५३-१६७	प्रा		गा १८५		
२१	१८१(१)	(१५)	आत्मानुशासन[2]	१६७-१७२	स	पार्श्वनाग		गा ७५	
२१	१८१(१)	(१६)	नवपदप्रकरण[3]	१८८-१९१	प्रा	जिनचन्द्रगणि	गा. १३८		
२१	१८१(१)	(१७)	नमस्कारफल	१९२-१९३	प्रा		गा. २५		
२१	१८१(१)	(१८)	धर्ममतिभावनाकुलक	१९३-१९५		गा ३०			
४१	१८१(२)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन अष्टमाध्याय प्रकाशिका नाम्नी वृत्ति	१९०	सं	हेमचन्द्राचार्य			
९५(१-९)	१८२(१)		दशवैकालिक[4]	१-५३	प्रा	शय्यम्भवसूरि			
९५(१-९)	१८२(१)	(२)	साधुप्रतिक्रमण सूत्र	५३-५९	प्रा				
९५(१-९)	१८२(१)	(३)	अतिचारगाथा-आयरिय-उवज्झाय साथे	५९-६०	प्रा		गा. १२		
९५(१-९)	१८२(१)	(४)	पाक्षिक सूत्र	६०-८२	प्रा				
९५(१-९)	१८२(१)	(५)	पाक्षिक खामणा	८२-८३	प्रा				
९५(१-९)	१८२(१)	(६)	अजित शाति	८३-८९	प्रा.				
९५(१-९)	१८२(१)	(७)	श्री पार्श्वनाथस्तव-द्वात्रिंशिका	८९-८४	स	देवभद्रसूरि	काव्य ३२		
९५(१-९)	१८२(१)	(८)	उपदेशमाला	९५-१४३	प्रा		गा. ५४१		
९५(१-९)	१८२(१)	(९)	धर्मोपदेशमाला[5]	१४३-१५२	प्रा				
४०	१८२(२)	(१)	ज्ञानपचमीकथा[6]	२१४	प्रा	महेश्वरसूरि	गा. २०००	१३१३	
८७(२)	१८३(१)	(१)	श्रावकसामाचारी व्याख्यान[7]	९-९७	प्रा स.				
४४	१८३(२)	(१)	क्षेत्रसमास सटीक	२४६	स	मू. जिनभद्रगणि,	श्लो ३०००		
							मू गा. ३५५		
						टी. सिद्धसूरि, बीजी टीका	११९०	१२७४	
२५१	१८४(१)	(१)	उपदेशमाला	१-५०	प्रा.		गा. ५४०		
२५१	१८४(१)	(२)	धर्मोपदेशमाला	५१-६०	प्रा.		गा १०१		
२५१	१८४(१)	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण	६१-७९	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि	गा. २१२		

१. पत्र १६४मु नथी. २. पत्र १७०मु नथी ३. पत्र १७३ थी १८७ सुधी नथी आदिनी ९४ गाथा नथी ४. पहेला बे पानामा चित्रो छे पण खराब छे ने ते बे पानानी किनारो खरी गई छे ५. पत्र १४९ थी १५२ सुधीना टुकडा छे ६ विशलदेवना राज्यमा नागड मत्रीना घरते लखी छे ७. अपूर्ण

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रथनुं नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२५१	१८४(१)	(४)	क्षेत्रसमास	८०-८७	प्रा.		गा. ९०		
२५१	१८४(१)	(५)	नवपदप्रकरण	८८-१००	प्रा.	जिनचन्द्रगणि	गा. १४०		
२५१	१८४(१)	(६)	भावनाप्रकरण	१०१-१२१	प्रा.		गा. २०८		
२५१	१८४(१)	(७)	सुबाहुचरित्र	१२२-१४२	प्रा.		गा. २१७		
२५१	१८४(१)	(८)	जीवदयाप्रकरण[१]	१४३-१५३	प्रा.		गा. १११ सुधी छे.		
१६२	१८४(२)	(१)	पिडविशुद्धिवृत्ति[२]	१५८	सं.	यशोदेवसूरि	२८००		
९९	१८५(१)	(१)	अभिधानचितामणिनाममाला[३]	१६१	स.	हेमचन्द्राचार्य		१३१४	
५२	१८५(२)	(१)	ओघनिर्युक्ति[४]	१-१०६	प्रा.			१३०९	
५२	१८५(२)	(२)	कापालिक अध्ययन	१५५-१५६	प्रा.				
५२	१८५(२)	(३)	उरभ्रीय अध्ययन	१७७-१८५	प्रा.				
५२	१८५(२)	(४)	केशी गौतमीय ३३ अध्ययन	१८५-१९६	प्रा.				
५२	१८५(२)	(५)	दशवीशी भावना	१९६-२२१	प्रा.		गा. २०८		
५२	१८५(२)	(६)	श्रावकवर्षाभिग्रह	२२१-२२४	प्रा.				
५२	१८५(२)	(७)	शीलागरथ विधि[५]	२२४-२२७	प्रा.		गा ९		
५२	१८५(२)	(८)	दुषमदडिका	२२७-२४२	प्रा.		गा. १०४		
३६	१८६(१)	(१)	धर्मशर्माभ्युदय[६]	१९५	प्रा.	हरिचन्द्र		१२८७	
११	१८६(२)	(१)	आचारनिर्युक्ति	१-२५	प्रा.				
११	१८६(२)	(२)	दशवैकालिकनिर्युक्ति	२६-५५	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	५५०		
११	१८६(२)	(३)	उत्तराध्यननिर्युक्ति	५६-९७	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी			
११	१८६(२)	(४)	सूयगडागनिर्युक्ति	९७-११२	प्रा	भद्रबाहुस्वामी			
११	१८६(२)	(५)	दिनकृत्य श्रावकसामाचारी	११३-१५३	प्रा		गा. ४९७		
१२२(३-४)	१८७(१)	(१)	वार्त्तिक	१-३	स				
१२२(३-४)	१८७(१)	(२)	वार्त्तिकवृत्ति	४-१०१	स	शात्याचार्य	२८७३		
१८३(१)	१८७(१)	(३)	वामनीयालकार[७]	१-३६	स			११७८	
१७८	१८७(२)	(१)	नैषध महाकाव्य[८]	१९८	स	श्रीहर्ष		१३९५	
२५	१८८(१)	(१)	क्षेत्रसमासवृत्ति	१-६४	सं	मू.जिनभद्रगणि, वृ.सिद्धसूरि	११९२		
२५	१८८(१)	(२)	जबूद्वीपसग्रहणीवृत्ति	६४-८५	स.	श्री हरिभद्राचार्य स्वोपज्ञ	ग्रं. १५०		

१ अपूर्ण २. छेल्लु पानु नथी एटले तेमा प्रशस्ति टूटे छे ३. छेवटे कोईक ग्रथना १२ पत्र नकामा छे, पण आक वगरना छे ४ अपूर्ण-पत्र १०७ थी १५४ नथी ५ अपूर्ण.
६ पत्र १ थी २१ पानानी कोरो खरी गई छे ७. जीर्ण ने कोरो खरी गयेली छे ८. १४ सर्ग सुधी

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२५	१८८(१)	(३)	भावनासार	८७-१११	अपभ्रश		गा. ८६		
२५	१८८(१)	(४)	थिरावली	१११-१२०	प्रा				
२५	१८८(१)	(५)	ऋषभपंचाशिका	१२०-१२८	प्रा	धनपाल	गा. ५०		
६९	१८८(२)	(१)	पिडविशुद्धिवृत्ति[१]	२१९	सं.	यशोदेवसूरि	२८००		
१९०	१८९(१)	(१)	चैत्यवदना-वदनक-प्रत्याख्यान लघुवृत्ति	१-५८	स	तिलकाचार्य	श्लो ५५०		
१९०	१८९(१)	(२)	कायोत्सर्गना २१ दोष	५८-६०	सं.				
१९०	१८९(१)	(३)	पिडविशुद्धिप्रकरण	६१-७२	स.	जिनवल्लभगणि	गा. १०४		
१९०	१८९(१)	(४)	शय्यातरपिडविचारणा	७२-८१	स				
१९०	१८९(१)	(५)	राजपिड आदि विचार[२]	८१-१०७	स				
१९०	१८९(१)	(६)	श्रावकप्रतिक्रमणवृत्ति	१०९-१६१	स.			१२९८	शके. ८२०
१९३	१८९(२)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासनलघुवृत्ति[३] तृतीयाध्याय-द्वितीयापादावचूरि	१५२	सं.	मू हेमचन्द्राचार्य	३३००		
१९९(२-३)	१९०(१)	(१)	उक्तिव्यक्तिकारिका	१-४	स	दामोदर कवि	काव्य ५०		
१९९(२-३)	१९०(१)	(२)	उक्तिव्यक्तिवृत्ति[४]	४-६१	स				
१०३	१९०(२)	(१)	उपदेशमाला	१-३८	प्रा		गा ५४४		
१०३	१९०(२)	(२)	पुष्पमाला	३८-८४	प्रा	मलधारी हेमचन्द्र	गा. ५०५		
१०३	१९०(२)	(३)	धर्मोपदेशमाला	८४-९५	प्रा.		गा १०१		
१०३	१९०(२)	(४)	क्षेत्रसमास	९५-१०४	प्रा		गा. ८९		
१०३	१९०(२)	(५)	विवेकमजरी	१०४-११८	प्रा	आसड	गा. १४४		१२४८
१०३	१९०(२)	(६)	मूलशुद्धिप्रकरण (ठाणा प्रकरण)	११९-१४१	प्रा.	प्रद्युम्नसूरि			
१०३	१९०(२)	(७)	पचकल्याणकप्रकरण	१४१-१५५	प्रा.	जिनेन्द्रइन्द्र	गा. १३५		
१०३	१९०(२)	(८)	सग्रहणी	१५५-१८४	प्रा.	श्रीचन्द्र	गा. २७३		
१०३	१९०(२)	(९)	नवपदप्रकरण	१८४-१९९	प्रा	जिनचन्द्र	गा. १३९		
१०३	१९०(२)	(१०)	ओगणत्रीशी भावना कुलक	१९९-२०२	प्रा		गा. ३०		
१०३	१९०(२)	(११)	जीवोपलभकुलक	२०२-२०५	प्रा.	नेमिकुमार	गा. २५		
१०३	१९०(२)	(१२)	गुरुवेयणकुलक	२०५-२०६	प्रा.	धनेश्वरसूरि	गा. १५		
१०३	१९०(२)	(१३)	प्रव्रज्याविधान	२०६-२०९	प्रा.		गा २५		
१०३	१९०(२)	(१४)	सयममजरी	२०९-२१३	अपभ्रश	महेश्वरसूरि	गा ३५		

१. वचमा पाना जे खूटे छे ते पाछळ मूक्या छे २. १०८मु पत्र नथी ३. प्रथम वृत्ति ४. अपूर्ण.

श्री संघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१०३	१९०(२)	(१५)	ऋषभपंचाशिका	२१३-२१९	प्रा.	धनपाल	गा. ५०		
१०३	१९०(२)	(१६)	भयहरस्तोत्र	२१९-२२१	प्रा.	मानतुंगसूरि	गा. २१		
१०३	१९०(२)	(१७)	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रादि	२२१-२२७	प्रा.		गा. ६०		
१०३	१९०(२)	(१८)	स्थविरावली	२२८-२३३	प्रा.		गा. ५०		
१०३	१९०(२)	(१९)	नाणावित्तप्रकरण[1]	२३४-२४२	प्रा		गा. ८१		
३१३	१९१(१)	(१)	रघुविलास[2]	१८३	सं	रामचन्द्र		१३४२	
१५७	१९१(२)	(१)	न्यायकुसुमाजलिटीका[3]	१५५	सं.	वामेश्वरध्वज			
	१९२(१)	(१)	ऋषभपचाशिकावृत्ति[4]	१६६	स.	प्रभानन्दाचार्य	११००		
	१९२(२)	(१)	ललितविस्तरा[5]	१-८८	स	हरिभद्रसूरि			
	१९२(२)	(२)	ललितविस्तरापजिका[6]	८९-२२९	सं	मुनिचन्द्रसूरि			
-९)	१९३(१)	(१)	पचाशक	१-६८	प्रा.	हरिभद्रसूरि	ग्रं. ११८२		
	१९३(१)	(२)	कर्मस्तव	६९-७४	प्रा		गा. ५७		
९)	१९३(१)	(३)	कर्मविपाक	७४-७६	प्रा.	गर्गर्षि	गा. १६६		
२(२-९)	१९३(१)	(४)	शतकप्रकरण	८७-९५	प्रा.		गा. १११		
१४२(२-९)	१९३(१)	(५)	सत्तरीप्रकरण	९६-१०१	प्रा.		गा. ९१		
१४२(२-९)	१९३(१)	(६)	पचमीआराधनाप्रकरण	१०२-१२३	प्रा.				
१४२(२-९)	१९३(१)	(७)	सग्रहणी	१२४-१५१	प्रा		गा. ३६६		
१४२(२-९)	१९३(१)	(८)	ऋषिमडल[7]	१५२-१६३ ने १८६ छे	प्रा.				
३०८	१९३(२)	(१)	उपमितिभवप्रपचसारोद्धार गद्य[8]	१८४	स	देवसूरि	२३२८		
२४५	१९४(१)	(१)	कल्पसूत्र	१-१३८	प्रा		१२१६		
[illegible]	१९४(१)	(२)	कालिकाचार्यकथा	१३९-१७९	प्रा.		गा. ३६०		
[illegible]	१९४(२)	(१)	कल्पसूत्र	१४५	प्रा.				
२३४	१९४(२)	(२)	कालिकाचार्यकथा[9]	१४६-१५५	स	प्रद्युम्नश्रेष्ठि	श्लो. ७४	१३२५	
३	१९५(१)	(१)	भावनासग्रह[10]	३-१९५	स				
	१९५(२)	(१)	उपदेशमाला	१-७१	प्रा.		गा. ५४०		
	५(२)	(२)	धर्मोपदेशमाला	७१-८३	प्रा.		गा. १००		

ल्ला पानाना बे टुकडा छे २. अपूर्ण-चोंटेली-अलभ्य ३. पहेला ४-५ पत्रो बगडेला छे ४. पत्र २-६०-१३०ना बे टुकडा छे. पत्र ६-७-१४-२५-७९-११३-१२२-१२८ एक एक टुकडा छे पत्र ३८-४६-४७-४९-८५-१०२-१३९-१४८ पत्र नथी १६३ पत्रना त्रण टुकडा छे ५. पत्र ४-५-९-१५-१६-४०-६४ थी ६६-६८-७३-८० नथी. ६. पत्र ९८-९९-१२०-१३६-१४३-१५३ थी १६७ नथी ७. अपूर्ण-त्रुटक-पत्र १६४ थी १८५ नथी ८ १०४-१२२ थी १२६ ने १७७ एम ७ पत्र नथी ९. मोढगुरु हरिभद्रसूरिनी प्रार्थनाथी प्रद्युम्न श्रेष्ठीए रची छे १०. पत्र १-२नो टुकडो एक एक छे छेल्ला पत्र नथी दिगबरकृत

श्री संघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
३९	१९५(२)	(३)	मूलशुद्धि[1]	८३-१०७	प्रा.		सर्वैक्य २०१		
३९	१९५(२)	(४)	क्षेत्रसमास (जंबूद्वीप समास)	१०७-११८	प्रा		गा. ९४		
३९	१९५(२)	(५)	विवेकमजरी	११८-१३६	प्रा		ऐक्य गा १४४		
३९	१९५(२)	(६)	२४ जिनना पचकल्याणक स्तव	१३६-१५०	प्रा.		गा. १३६		
३९	१९५(२)	(७)	प्रतिक्रमणसूत्र	१५१-१५६	प्रा.		गा ५०		
१५९	१९६(१)	(१)	योगशास्त्र द्वादश प्रकाश[2]	१-१००	स	हेमचन्द्राचार्य	१०४५	१२२८	
१५९	१९६(१)	(२)	वीतरागस्तव[3]	१०१-११९	स	हेमचन्द्राचार्य		१२२८	
२१८	१९६(२)	(१)	उपदेशमणिमाला[4]	१-२	प्रा.		गा. १५	१३८८	
२१८	१९६(२)	(२)	मिथ्यात्वकुलक	२	प्रा		गा ९	१३८८	
२१८	१९६(२)	(३)	नवफणा श्री पार्श्वनाथ नमस्कार	२-१	अपभ्रंश		गा. ५	१३८८	
२१८	१९६(२)	(४)	उपदेशमाला	१-४७	प्रा		गा ५४२	१३८८	
२१८	१९६(२)	(५)	गौतमपृच्छा	४७-५१	प्रा		गा. ५३	१३८८	
२१८	१९६(२)	(६)	चउसरण[5]	५१-५३	प्रा		गा. २७ सुधी	१३८८	
२१८	१९६(२)	(७)	आराधना कुलक	५६-६२	प्रा.	सोमसूरि	गा. ६९	१३८८	
२१८	१९६(२)	(८)	अणसण पच्चक्खाण	६२	प्रा				
२१८	१९६(२)	(९)	विवेकमजरी[6]	६३-७५	प्रा	आसड	गा. १४४	१३८८	१२४८
२१८	१९६(२)	(१०)	पुष्पमाला	१४२-१८७	प्रा	हेमचन्द्राचार्य	गा ५०५	१३८८	
२१८	१९६(२)	(११)	जबूद्वीपसमासप्रकरण	१८८-१९६	प्रा.		गा ११२	१३८८	
२१८	१९६(२)	(१२)	श्री देवभद्रगुरुस्तुति	१९६-१९७	प्रा.स.			१३८८	
२१८	१९६(२)	(१३)	चैत्यवदन तथा प्रतिक्रमण सूत्रादि	१९८-२२५	अपभ्रंश प्रा			१३८८	
२१८	१९६(२)	(१४)	लघु अजितशाति	२२५-२२६	प्रा.		गा. ८	१३८८	
२१८	१९६(२)	(१५)	गौतमपृच्छा	२२६-२३०	प्रा.		गा. ५२	१३८८	
२१८	१९६(२)	(१६)	शीलकुलक	२३०-२३३	प्रा.		गा. ३५	१३८८	
२१८	१९६(२)	(१७)	लघुरत्नत्रय	२३३	प्रा		गा १३	१३८८	
२१८	१९६(२)	(१८)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	२३३-२३७	स.		गा. २९	१३८८	
२१८	१९६(२)	(१९)	धर्मलक्षण	२३७-२३९	स.	विमलसूरि		१३८८	
१४६	१९७(१)	(१)	ओघनिर्युक्ति	१-११२	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ११९०		

१. पत्र १०१ नथी. २. पत्र पहेलाना बे टुकडा छे. तेमज केटलाक पत्रो खवाया छे. ३. कुमारपाळना विद्यमानपणे कोई प्राग्वाटे लखावी छे लखावनारनी प्रशस्ति त्रुटक छे. ४. पत्र (१) पहेलामा श्री तीर्थकरनु पत्र (२) बीजामा साधुनु ने पत्र ४७मा देवीनु चित्र छे ५. पत्र ५४-५५ नथी ६ पत्र ७६ थी १४१ नथी.

गायकवाडी नबर	फेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
१४६	१९७(१)	(२)	पिंडनिर्युक्ति	११३-१९३	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ७३०		
२२१	१९७(२)	(१)	कल्पसूत्र	१-१३८	प्रा.		गा. १२१६		
२२१	१९७(२)	(२)	कालिकाचार्य कथा	१३८-१५२	प्रा.		गा. १६९		
१८२	१९८(१)	(१)	पंचसूत्र	१-३२	प्रा.				
१८२	१९८(१)	(२)	पचसूत्र टीका[1]	३३-१६१	सं	हरिभद्रसूरि	गा. ८८०		
	१९८(२)	(१)	श्रावकधर्मविधि प्रकरण[2]	१-८	प्रा.	हरिभद्रसूरि			
)	१९८(२)	(२)	एकवीसठाण प्रकरण[3]	२-७	प्रा.	सिद्धसेनसूरि	गा. ६६		
)	१९८(२)	(३)	नीतिवाक्यामृत[4]	१-९	सं.	सोमदेव.. .दिगंबर			
२४१(४)	१९८(२)	(४)	द्वात्रिंशिका-सिद्धसेनीया[5]	१-६	स		गा ३२		
-४)	१९८(२)	(५)	योगशास्त्र चार प्रकाश	१-३४	स	हेमचन्द्राचार्य	गा. ४६२		
)	१९८(२)	(६)	वीतराग स्तव	३४-४८	स.	हेमचन्द्राचार्य			
...२-२४)	१९८(२)	(७)	भक्तामर स्तोत्र	४८-५३	सं.	मानतुगाचार्य	का. ४४		
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(८)	नवतत्त्व	५४-५८	प्रा		गा. ५३		
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(९)	एकवीसठाण प्रकरण	५८-६२	प्रा.	सिद्धसेनसूरि	गा. ६४		
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१०)	लघुरत्नत्रय	६३-६५	प्रा.				
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(११)	परमसुखद्वात्रिंशिका	६५-६७	स.	आगमिक जिनप्रभसूरि	श्लो. ४२		
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१२)	धर्मलक्षण	६७-६८	स				
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१३)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	६८-७०	स.	विमलाचार्य	का. २९		
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१४)	दशवैकालिक अध्ययन-चार[6]	१-९	प्रा.	शय्यभवसूरि			
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१५)	चउसरण	९-१२	प्रा.	वीरभद्र	गा. ६२		
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१६)	साधारण जिन स्तवन	१३	प्रा.		गा. २१		
३९(७)	१९८(२)	(१७)	सग्रहणी[7]	२-३८	प्रा.	श्रीचन्द्रसूरि	गा. ६-२४६		
१८५	१९९(१)	(१)	ऋषिमडलस्तव बृहद्वृत्ति[8]	२९३	प्रा.				
९	१९९(२)	(१)	दमयतीचरित्र वीस उद्देसा	१२६	स				
	२००(१)	(१)	विक्रमाकाभ्युदय काव्य[9]	२-८१	स	सोमेश्वरदेव			
१	२००(२)	(१)	जीवसमास[10]	१-३५	प्रा.				

१. प्रथम पत्रथी ४ पत्र सुधीना एक बाजुना केटलाक अक्षर गया छे. २. गा ७८ थी १२० सुधी गाथा नथी. ३. पत्र १ नथी बीजानो टुकडो छे. ४. अपूर्ण ५. पत्रना टुकडा थयेला छे प्रथम द्वात्रिंशिका ६. कागळमा. ७. अपूर्ण छे ८. प्रथम ५ पत्र चोंटेला छे छेवटना पाना नथी वचमा पण कोई कोई पत्र त्रुटक छे. अपूर्व छे प्राय मळतु नथी, जीर्ण छे. ९. पाछलो भाग नथी. जीर्ण (कीट भक्षित) १०. पत्र ३५ पछी नथी.

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२०१	२००(२)	(२)	आवश्यकनिर्युक्ति	१-१३१	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि		११९८	
२१५	२०१(१)	(१)	दशवैकालिकसूत्र	१-७२	प्रा	शय्यभवसूरि	७००	१२२०	
२१५	२०१(१)	(२)	पाक्षिकसूत्र क्षामणा साथे[1]	१-३१	प्रा		गा. ३५०		
३०२	२०१(२)	(१)	हेतुबिन्दु तर्क टीका[2]	२१५	स				
१९१	२०२	(१)	पुष्पमाला	१-५०	प्रा	मलधारी हेमचन्द्राचार्य	गा. ५०५		
१९१	२०२	(२)	भवभावना	५१-१०७	प्रा.	मलधारी हेमचन्द्राचार्य	गा. ५३१		
१९१	२०२	(३)	सग्रहणी	१०८-१३८	प्रा	श्री चन्द्रसूरि	गा २७३		
१९१	२०२	(४)	श्रावकदिनकृत्य	१३८-१७५	प्रा		गा. ३३९		
१९१	२०२	(५)	धर्मरत्नप्रकरण	१७५-१९३	प्रा	शात्याचार्य	गा १४५		
१९१	२०२	(६)	मृगापुत्र कुलक	१९३-२०१	प्रा.		गा. ४२		
१९१	२०२	(७)	स्तुति	२०१-२०७	प्रा		गा. २७		
१९१	२०२	(८)	सस्तारकप्रकीर्णक	२०८-२२०	प्रा.		गा. १२१		
१९१	२०२	(९)	ऋषिमडलप्रकरण	२२०-२४३	प्रा		गा २०८		
१९१	२०२	(१०)	चैत्यवदनभाष्य	२४४-२५३	प्रा		गा ६१		
१९१	२०२	(११)	प्रत्याख्यानभाष्य	२५३-२५७	प्रा		गा. ३९		
१९१	२०२	(१२)	वदनक भाष्य	२५८-२६४	प्रा.		गा. ४१		
१९१	२०२	(१३)	नमस्कार	२६४-२७३	प्रा.		गा. २५		
१९१	२०२	(१४)	जीवविचार	२७३-२८०	प्रा	शात्याचार्य	गा. ५१		
१९१	२०२	(१५)	विवेकमंजरी	२८१-३००	प्रा.	आसड	गा. १४४		१२४८
१९१	२०२	(१६)	बृहत् आराधना	३०१-३०८	प्रा.	सोमसूरि	गा. ६९		
१९१	२०२	(१७)	भक्तपरिज्ञा	३०८-३२५	प्रा.		गा. १७१		
१९१	२०२	(१८)	बृहत् चउसरणा	३२५-३३३	प्रा.	वीरभद्र	गा. ६३		
१९१	२०२	(१९)	आउरपच्चक्खाण	३३३-३४१	प्रा		गा ७१		
१९१	२०२	(२०)	पिंडविशुद्धि	३४१-३५२	प्रा	जिनवल्लभगणि	गा. १०४		
१५४	२०३(१)	(१)	शुभलीमत (अलभ्य)[3]	१८३,२-१५	स	दामोदर गुप्त	१२९०		
२४६	२०३(२)	(१)	योगशास्त्र चार प्रकाश	१-६६	स	हेमचन्द्राचार्य	श्लो ४६५		
२४६	२०३(२)	(२)	वीतराग स्तव	६७-९५	स	हेमचन्द्राचार्य			
२४६	२०३(२)	(३)	प्रशमरति	१-३७	प्रा.		गा. ३१४		

१. किंचित् पाछला भागो नथी २. बौद्ध न्यायनो ग्रथ ३. अपूर्ण जेवु-पाछला बे पत्रना टुकडा छे ने २-१२ पाना खवायेला छे. बे प्रतो छे

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२४६	२०३(२)	(४)	वदित्तासूत्र	३२-३९	प्रा.		गा. ५०		
२४६	२०३(२)	(५)	अतिचार-आयरिय -उवज्झाय	४०	प्रा.		गा. ८		
२४६	२०३(२)	(६)	लघुशांति	४१-४३	स.		गा. १७		
२४६	२०३(२)	(७)	धरणोरगेद्रस्तोत्र	४३-४८	सं.		श्लो. ३५		
२४६	२०३(२)	(८)	भयहरस्तोत्र	४८-५१	प्रा.	मानतुंगाचार्य	गा. २१		
२४६	२०३(२)	(९)	ससारदावानल स्तुति	५१-५२	स.	हरिभद्रसूरि	गा. ४		
६१	२०४(१)	(१)	विवेक विलास[1]	१६३	स.	जिनदत्तसूरि			
६५	२०४(२)	(१)	योगशास्त्र चार प्रकाश	१-७३	स.	हेमचन्द्राचार्य	श्लो. ४६२		
६५	२०४(२)	(२)	पुष्पमाला	१-१०३	सं.	मलधारी हेमचन्द्र ..	गा ५०५	१३२९	
३०७	२०५(१)	(१)	पुष्पवतीचरित्र	४३	प्रा.	अभयदेवशिष्य	गा. ६४३	११९१	
३०७	२०५(१)	(२)	सुलसाचरित्र	४३	अपभ्रश			११९१	
३०७	२०५(१)	(३)	सगरचक्रवर्ती आख्यान	५	प्रा.			११९१	
३०७	२०५(१)	(४)	पउमासरिचरित्र	१-५३	अपभ्रश	धाहिल			
३०७	२०५(१)	(५)	अजनासुदरीचरित्र[2]	५४-५५	अपभ्रश				
३०७	२०५(१)	(६)	जन्माभिषेक	१-८	अपभ्रश				
३०७	२०५(१)	(७)	दानादिप्रकरण	त्रुटक	स.	सूराचार्य	५२६		
९२	२०५(२)	(१)	गौडवध महाकाव्य[3]	१४५	प्रा.	वाक्पतिराज	१४९०	१२८६	
८०	२०६(१)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन आख्यात लघुवृत्ति[4]	२०४	स	हेमचन्द्राचार्य			
२२	२०६(२)	(१)	योगशास्त्र ४ प्रकाश[5]	१५	स	हेमचन्द्राचार्य			
२२		(२)	वीतरागस्तोत्र[6]	१५-२०	स.	हेमचन्द्राचार्य	ग्र. २००		
२२		(३)	प्रशमरति[7]	२१-३०	स	उमास्वाति वाचक	३१६		
२२		(४)	उपदेशमाला[8]	३१-४७	प्रा		गा. ५४०		
२२		(५)	धर्मोपदेशमाला	४७-५१	प्रा		गा. १०१		
२२		(६)	मूलशुद्धि[9]	५८-६८	प्रा				
२२		(७)	दर्शनशुद्धि	५८-६८	प्रा				
२२		(८)	संग्रहणीटीका[10]	७२-७९	स.	मलधारी श्रीचन्द्रसूरि कृत			
२२		(९)	पिंडविशुद्धि[11]	७९-८२	प्रा.				

१. छेल्लु १ पत्र नथी. २. अपूर्ण-जीर्ण-आक वगरना ३. आकनी बाजुनी कोरो खरी गई छे. ४. पाछला अने वचला केटलाक पानानी कोरो खरी गई छे. ५. पत्र ५-६-९ नथी. १४ मानो टुकडो छे. ६. पत्र १७-१९मु नथी ने २० मानो टुकडो छे. ७. पत्र २६-२७नो १-१ टुकडो छे. ८. पत्र ३७नो आक तूटेलो छे. ३८नो आक तूटेलो छे. ३९, ४०ना अक्षरो [illegible] थी ७८ पत्र नथी. ११. ८०-८१ पत्र नथी.

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२२		(१०)	विवेकमजरी[1]	८२-८७	प्रा.				
२२		(११)	तपसमास	८७-९०	प्रा.		गा ८८		
२२		(१२)	छत्रीस ठाण[2]	९०-९३	प्रा		गा ७८		
२२		(१३)	जबूद्वीपप्रकरण	९३-९५	प्रा		गा ८७		
२२		(१४)	गौतमपृच्छा[3]	९५-९७	प्रा.		गा. ५३		
२२		(१५)	दशवैकालिक छ जीव० अध्ययन सुधी	९८-१०१	प्रा.				
२२		(१६)	पाक्षिकसूत्र खामणा साथे	१०२-१०८	प्रा.				
		(१७)	अजितशातिस्तव	१०८-११०	प्रा.		गा. ४०		
२२		(१८)	आत्मानुशासन	११०-११२	स	पार्श्वनाग	गा ७७		
२२		(१९)	जीवानुशासन	११२-११३	प्रा	वीरसूरि	गा. २५		
२२		(२०)	भावश्रावक लक्षण	११३	प्रा	मुनि रत्नसूरि	गा २९		
२२		(२१)	प्रश्नोत्तररत्नमाला	११४	स	विमलाचार्य	गा २८		
२२		(२२)	धर्मलक्षण	११४-११५	स				
२२		(२३)	उपदेशकुलक	११५	प्रा		गा. १५		
२२		(२४)	विधवाकुलक	११५	प्रा		गा. ९		
२२		(२५)	जबूस्वामीकुलक	११६	प्रा		गा. १९		
२२		(२६)	द्वादशभावनाकुलक	११६-११७	अपभ्रश		गा. ३३		
२२		(२७)	दांगडउ (दगड)	११७	अपभ्रश		गा २९		
२२		(२८)	प्रव्रज्याविधान	११८-११९	प्रा		गा. ३५		
२२		(२९)	चतुर्धर्म कुलक	११९	प्रा		गा ३०		
२२		(३०)	आराधना[4]	११९-१२१			गा. ७		
२२		(३१)	अतिचार	१२१					
२२		(३२)	ऋषभपचाशिका	१२१-१२२					
२२		(३३)	शालिभद्रमाई[5]	१२३-१२४			गा. ५०		
२२		(३४)	बे स्तुतिओ	१२४			काव्य ८		
२२		(३५)	स्तुति द्वात्रिशिका	१२७-१२६	स.		काव्य ३४		
२२		(३६)	स्तुति द्वात्रिशिका	१२४-१२६	अपभ्रंश		गा ३२		

१. ८३-८४-८५ पत्र नथी २ ९३नो टुकडो छे ३. ९६मानो टुकडो, ९७मु नथी ४. पत्र १२०-१२१ माना अक्षरो घसाई गया छे पण १२१ पत्रनी बीजी पुंठीमा आराधना समाप्त छे ५ पण केटलाक अक्षरो घसायेला छे तेनी गाथा ५५ कुल छे

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२२		(३७)	भक्तामर	१२९-१३०	सं.		गा ४४		
२२		(३८)	(जिनपति स्तोत्र) अष्टक[१]	१३०-१३१	सं.	बिल्हण कवि जैन	काव्य ८		
२२		(३९)	पार्श्वस्तोत्र	१३१-१३२	सं.		गा. १०		
२२		(४०)	पार्श्व अष्टक	१३२	सं.		काव्य ८		
२२		(४१)	सिद्धचक्र स्तुति	१३३	सं.		काव्य १२		
२२		(४२)	जयतिहुअण	१३३	सं		गा. १४		
२२		(४३)	भयहरस्तोत्र	१३३-१३४	प्रा		गा. २१		
२२		(४४)	पार्श्वनाथाष्टक	१३५	स		गा. ९		
२२		(४५)	धरणोरगेंद्रस्तोत्र	१३५-१३६	स		गा. ३४		
२२		(४६)	लघुशांति	१३६	स		गा. १७		
२२		(४७)	सर्वसामान्य	१३७	स.		गा. २२		
२२		(४८)	वीतरागस्तोत्र	१३७-१३८	सं.		गा ९		
२२		(४९)	नन्दीश्वर पचपरमेष्ठि स्तोत्र	१३८	स		गा. १३		
२२		(५०)	मगलस्तव (शातिस्तव)[२]	१३८	स.		गा. ५		
२२		(५१)	बिरुदावली (स्तोत्र)[३]	१४०-१४१	स.	विमलाचार्य			
२२		(५२)	नेमिनाथ बोली	१४१-१४२	अपभ्रंश		गा. २४		
२२		(५३)	आचार्योनी स्तुति[४]	१४२-१४४					
२२		(५४)	कल्याणक स्तोत्र	१४६	स		गा. ३२		
२२		(५५)	चोवीस तीर्थंकरना कल्याणकनो यंत्र	१४७					
२२		(५६)	उपधान तप ने तेना यंत्रो	१४८-१५०					
२२		(५७)	प्रतिक्रमणसूत्र[५]	१५१-१६४					
२२		(५८)	चैत्यवदना-वदनक विवरण वृत्ति[६]	१६५-१७९		तिलकाचार्य			
२२		(५९)	प्रत्याख्यानवृत्ति	१७९-१८४			ग्रं ५५०		
२२		(६०)	काउसग्गना एकवीस दोष	१८५			गा २१		
२२		(६१)	चैत्यवदनस्थान	१८५-१८६					
२२		(६२)	श्रावकप्रतिक्रमण लघुवृत्ति	१८७-१९३		तिलकाचार्य	ग्र २००		
२२		(६३)	विवेकविलास[७]	१९४-२२८					

१. १३१मु पत्र टुटेलु छे. २. अक्षरो घसायेला छे ३. पत्र १३९मु नथी पत्र १४० मानी पुठी घसायेली छे. ४. पत्र १४५मु नथी ५ अक्षरो घसायेला ६. पत्र १६९मु नथी, पत्र १७०-१७१नो १-१ टुकडो छे १७८नो टुकडो छे ७. पत्र १९४-१९५-१९७-१९८ घसायेला पत्र २०४, २०६-२०७, २१४, २१५नो १-१ टुकडो छे छेवटे १ चित्र हतु ते गसाई गयु छे

।। श्री शखेश्वरपार्श्वनाथाय नम ।।

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
३९	१९५(२)	(६)	२४ जिनना पंचकल्याणक स्तव	३६७	३२	(२)	अनुयोगद्वारवृत्ति
३०७	२०५(१)	(५)	अंजनासुदरीचरित्र	३६७	३२	(१)	अनुयोगद्वारसूत्र
३९५	३३(१)	(२)	अतकृद्दशाग	१३९	८२(१)	(१)	अनेकार्थ सग्रह
३९५	३३(१)	(७)	अतकृद्दशांगटीका	१६०	१७८(१)	(१)	अनेकार्थसग्रह
१२४	१२४(१)	(२)	अतगडदशागसूत्र	२२७(४-१२)	१७९(१)	(९)	अन्ययोगव्यवच्छेदद्वात्रिंशिका
४८	१५७(१)	(८)	अघटकथानक	-	१७२(३)	(१)	अपभ्रंशस्तोत्रादि सग्रह
११५	११७(१)	(३१)	अजितशाति	९९	१८५(१)	(१)	अभिधानचितामणिनाममाला
१०५	१०४(२)	(२५)	अजितशाति	२२७(४-१२)	१७९(१)	(२)	अभिधानचितामणि प्रथम काड
३५	६७(१)	(१४)	अजितशाति	४११	२५	(१)	अरिष्टनेमिचरित्र
१६५	१६६	(८)	अजितशाति	२९८	१२९	(५)	अलीकविषये ऋषिदत्ताकथा
९५(१-९)	१८२(१)	(६)	अजित शाति	१४८	५५(३)	(४)	अवतिकुमार सधि
२६१	१६५	(११)	अजितशाति पापप्रतिघात वगेरे प्रकरणो त्रुटक	२९५	१६७(१)	(२)	अष्टक
१४९	१३०(१)	(९)	अजितशाति सटिप्पण	२७३	१३८(१)	(१)	अष्टक सटीक
९३	१०८	(१०)	अजितशाति स्तव	११५	११७(१)	(३)	आउरपच्चक्खाण
२२	२०६(२)	(१७)	अजितशातिस्तव	९५(१०-३४)	१४५(१)	(२)	आउरपच्चक्खाण
५८(२)	१६१(१)	(१)	अढार पापस्थान उपर कथाओ	१९१	२०२	(१९)	आउरपच्चक्खाण
२१८	१९६(२)	(८)	अणसण पच्चक्खाण	२०२	५९(२)	(२६)	आउरपच्चक्खाण
२२	२०६(२)	(३१)	अतिचार	१२	१६८	(७)	आउरपच्चक्खाण बृहत्
१६६	६६(३)	(१०)	अतिचार	१२	१६८	(४)	आउरपच्चक्खाण लघु
२४६	२०३(२)	(५)	अतिचार-आयरिय-उवज्झाय	२१	१८१(१)	(१२)	आउरपच्चक्खाण लघु
९५(१-९)	१८२(१)	(३)	अतिचारगाथा-आयरिय-उवज्झाय साथे	५१	१७२(१)	(५)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण
२९१	७०(३)	(१)	अध्यात्मतरगिणी टीका	११५	११७(१)	(२४)	आगमोद्धृत अनेक विचार
१४८	५५(३)	(३)	अनाथी सधि	२३९	११८(२)	(६)	आगमोद्धृत आहारशुद्ध्यादि अनेक विचार
३९५	३३(१)	(३)	अनुत्तरौपपातिकदशाग	१६८	१३५(१)	(२)	आचारांगनिर्युक्ति
३९५	३३(१)	(८)	अनुत्तरौपपातिकदशागटीका	११	१८६(२)	(१)	आचारागनिर्युक्ति
१२४	१२४(१)	(३)	अनुत्तरौपपातिकसूत्र	३५६(१-२)	३१(१)	(१)	आचारांगनिर्युक्ति
१७५	१६(३)	(३)	अनुयोगद्वार चूर्णि	३५६(३)	३०	(१)	आचारागवृत्ति
२२९	५८(४)	(१)	अनुयोगद्वारचूर्णि	३५६(१-२)	३१(१)	(२)	आचारागसूत्र

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालु नंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालु नंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम
१६८	१३५(१)	(१)	आचारागसूत्र	११५	११७(१)	(१२)	आराधनाकुलक
४(१-२-४)	१४६(२)	(२)	आचार्य प्रतिष्ठा विधि	११५	११७(१)	(१)	आराधनापताका
२२	२०६(२)	(५३)	आचार्योनी स्तुति	९५(१०-३४)	१४५(१)	(६)	आराधनाप्रकरण
१०५	१०४(२)	(१२)	आतुरप्रत्याख्यान	९५(१०-३४)	१४५(१)	(७)	आराधनाप्रकरण
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१६)	आत्मबोधकुलक	२६१	१६५	(५)	आराधना प्रकरण
२४३	५६(२)	(६)	आत्मशुद्धिस्तव	१२	१६८	(१८)	आराधनाष्टक
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१७)	आत्मसबोधकुलक	११५	११७(१)	(९)	आराधनासार
११५	११७(१)	(१४)	आत्मसबोधकुलक (३)	२०५	९९	(८)	आर्द्रकुमार कथानक गद्य
१०५	१०४(२)	(१६)	आत्मानुशासन	२३९	११८(२)	(१)	आर्द्रकुमारकथा पद्य
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२०)	आत्मानुशासन	३९०	२४	(१)	आवश्यकचूर्णि
२२८	१३४(२)	(४)	आत्मानुशासन	२७८	८१	(१)	आवश्यक चूर्णी
४७(३थी८)	७२(२)	(५)	आत्मानुशासन	२७६	१२३(१)	(१)	आवश्यक टिप्पण
१४१	६४(२)	(११)	आत्मानुशासन	१७४(१थी३)	९०	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति
३११(२थी)	७२(३)	(५)	आत्मानुशासन	२३१	६८(४)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति
१३२(४थी७)	७१(३)	(३)	आत्मानुशासन	१४१	६४(२)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति
२२	२०६(२)	(१८)	आत्मानुशासन	३११(२थी)	७२(३)	(२१)	आवश्यकनिर्युक्ति
१५५(१थी१२)	१६४	(११)	आत्मानुशासन	१०४(२-५)	६२(१)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति
२१	१८१(१)	(१५)	आत्मानुशासन	६२(१)	१७१(१)	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति
२९५	१६७(१)	(५)	आत्मानुशासन	१६५	१६६	(१०)	आवश्यकनिर्युक्ति
१६१	१७४	(४)	आत्मानुशासन	२०१	२००(२)	(२)	आवश्यकनिर्युक्ति
२२७(४-१२)	१७९(१)	(८)	आप्तपरीक्षाद्वात्रिंशिका	३९६	२३	(१)	आवश्यकलघुवृत्ति
२३९	११८(२)	(४)	आयुःसग्रह	३९६	२३	(२)	आवश्यकलघुवृत्ति
१०४(२-५)	६२(१)	(२)	आरात्रिक अने भ्रमणविधि	४७(३थी८)	७२(२)	(२)	आवश्यकविधि प्रकरण
१७०	१३०(२)	(११)	आराधना	१५५(१थी१२)	१६४	(३)	आवश्यक स्वरूप
२२	२०६(२)	(३०)	आराधना	३११(२थी)	७२(३)	(१७)	आवश्यकादि विचार
१४८	५५(३)	(१)	आराधना कुलक	३	१३५(२)	(५)	ईश्वरकर्तृत्वप्रकरण
२१८	१९६(२)	(७)	आराधना कुलक	१९९(२-३)	१९०(१)	(१)	उक्तिव्यक्तिकारिका
१२	१६८	(५)	आराधनाकुलक	१९९(२-३)	१९०(१)	(२)	उक्तिव्यक्तिवृत्ति
११५	११७(१)	(८)	आराधना कुलक	२१३(१)	६६(१)	(१)	उणादिगणसूत्रविवरण
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१०)	आराधनाकुलक	४१३	४९	(३)	उणादिवृत्तिना केटलांक पत्रो छे.

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
११	१८६(२)	(३)	उत्तराध्यननिर्युक्ति	३९	१९५(२)	(१)	उपदेशमाला
१६५	१६६	(१३)	उत्तराध्यन	९५(१-९)	१८२(१)	(८)	उपदेशमाला
३३३	२	(१)	उत्तराध्ययननिर्युक्ति	१५५(१थी१२)	१६४	(१)	उपदेशमाला
३३३	३		उत्तराध्ययनपाईयटीका उत्तरार्ध	२६१	१६५	(१)	उपदेशमाला
३३३	२	(२)	उत्तराध्ययनपाईयटीका पूर्वार्ध	२१८	१९६(२)	(४)	उपदेशमाला
३८५	४३	(१)	उत्तराध्ययनसुखबोधावृत्ति	२३५	१५१	(१)	उपदेशमाला
३८७	११	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र	९३	१०८	(१)	उपदेशमाला
१०(२)	४(३)	(३)	उत्तराध्ययनसूत्र	१३३	१५६(१)	(१)	उपदेशमाला
९१(१-२)	५७(२)	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र	११५	११७(१)	(२८)	उपदेशमाला
२५२	६७(३)	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र	५६	१४१(२)	(१)	उपदेशमाला
८३	३३(२)	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र	२२८	१३४(२)	(१)	उपदेशमाला
१२	१६८	(१९)	उत्तराध्ययनसूत्र	२४३	५६(२)	(१)	उपदेशमाला
३२	९८(२)	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र	२१२	६१(२)	(१)	उपदेशमाला
१०७	१३३(१)	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र	३५	६७(१)	(८)	उपदेशमाला
३८७	११	(३)	उत्तराध्ययनसूत्रसुबोधावृत्ति	१४१	६४(२)	(५)	उपदेशमाला
३८७	११	(२)	उत्तराध्ययनसूत्रसुबोधावृत्ति	३५	६७(१)	(१)	उपदेशमाला
२०२	५९(२)	(४)	उपदेश	१३१	७०(२)	(१)	उपदेशमालाकथासमास
३११(२थी)	७२(३)	(१५)	उपदेशकदली	३४०	५०	(१)	उपदेशमाला दोघट्टीवृत्तिसहित
१५५(१थी१२)	१६४	(७)	उपदेशकदली	१४०	१२३(२)	(१)	उपदेशमाला (पुष्पमाला)
२४९	९२	(१)	उपदेशकदलीवृत्ति	३८	१६१(२)	(१)	उपदेशमालाप्रकरण
३४९	२७(१)	(१)	उपदेशकदली वृत्ति सह	१२	१६८	(२०)	उपदेशमालाविवरण
२२	२०६(२)	(२३)	उपदेशकुलक	१६९	८९	(१)	उपदेशमालावृत्ति उत्तरार्ध
१८४	६५(५)		उपदेश पद	३३७	५५(१)	(१)	उपदेशमालावृत्ति कथानक साथे
६२(२-३)	१५२(१)	(२)	उपदेशपद	१६९	८८	(१)	उपदेशमालावृत्ति पूर्वार्ध
२१८	१९६(२)	(१)	उपदेशमणिमाला	६४	१२२	(१)	उपदेशमालावृत्ति (हेयोपादेयनाम्नी)
२१	१८१(१)	(१)	उपदेशमाला	२०२	५९(२)	(७)	उपदेशरसायन
१०३	१९०(२)	(१)	उपदेशमाला	१८८	१६०(१)	(४)	उपदेशसार
१६१	१७४	(१०)	उपदेशमाला	२०२	५९(२)	(११)	उपदेशामृत
२५१	१८४(१)	(१)	उपदेशमाला	२०२	५९(२)	(५)	उपदेशामृत
२२	२०६(२)	(४)	उपदेशमाला	२२	२०६(२)	(५६)	उपधान तप ने तेना यत्रो

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम
३०८	१९३(२)	(१)	उपमितिभवप्रपचसारोद्धार गद्य	१८७	१७(२)	(१)	ओघनिर्युक्ति
२७४	९७	(१)	उपमितिभवप्रपचा कथा-उत्तर खंड	१४१	६४(२)	(३)	ओघनिर्युक्ति
६०	११२	(१)	उपमितिभवप्रपचाकथासारोद्धार	१७४(१थी३)	९०	(२)	ओघनिर्युक्ति
३९५	३३(१)	(१)	उपासकदशाग	३५५	१७(१)	(१)	ओघनिर्युक्तिटीका
३९५	३३(१)	(६)	उपासकदशागटीका	५४	१५४(२)	(१)	कथानुकोष सटीक
१२४	१२४(१)	(१)	उपासकदशागसूत्र	१५	१३७(१)	(१)	कथारत्नसागर
५२	१८५(२)	(३)	उत्थ्रीय अध्ययन	४०२	८	(२)	कथावली प्रथम खड-द्वितीय भाग
२५	१८८(१)	(५)	ऋषभपचाशिका	४०३	९	(२)	कथावली प्रथम खंड-द्वितीय भाग
१०३	१९०(२)	(१५)	ऋषभपचाशिका	४०३	९	(१)	कथावली प्रथम खड-प्रथम विभाग
२००	५५(२)	(७)	ऋषभपचाशिका	४०२	८	(१)	कथावली प्रथम खड-प्रथम विभाग
२२	२०६(२)	(३२)	ऋषभपचाशिका	३४५	६१(१)	(१)	कर्मग्रंथ ५-६ सटीक
२५०	१९२(१)	(१)	ऋषभपचाशिकावृत्ति	१६१	१७४	(८)	कर्मग्रंथो प्रवचन सदोह
१४२(२-९)	१९३(१)	(८)	ऋषिमडल	६६(१-३)	१७२(१)	(३)	कर्मविपाक
१९१	२०२	(९)	ऋषिमंडलप्रकरण	१४२(२-९)	१९३(१)	(३)	कर्मविपाक
२२८	१३४(२)	(३)	ऋषिमडल स्तव	२१२	६१(२)	(३)	कर्मविपाक
१८५	१९९(१)	(१)	ऋषिमडलस्तव वृहद्वृत्ति	३५	६७(१)	(५)	कर्मविपाक
१०५	१०४(२)	(२३)	एकवीस ठाण	१४९	१३०(१)	(५)	कर्मविपाक
४७(३थी८)	७२(२)	(१)	एकवीसठाण प्रकरण	२६८	१४५(२)	(३)	कर्मविपाक
२१	१८१(१)	(८)	एकवीस ठाण प्रकरण	१८०	६२(२)	(८)	कर्मविपाक कुलक
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(९)	एकवीसठाण प्रकरण	२०(१)	१०२(२)	(१)	कर्मविपाकटीका
१४२(१)	१९८(२)	(२)	एकवीसठाण प्रकरण	३३२	१	(१)	कर्मविपाकमूल
५६	१४१(२)	(६)	एकवीस स्थान प्रकरण	१५८	६३(३)	(१)	कर्मविपाकवृत्ति
१३२(१-२)	६७(२)	(२)	एकवीसस्थानप्रकरण	३३२	१	(२)	कर्मविपाकवृत्ति
२१२	६१(२)	(५)	एकवीसस्थानप्रकरण	१९(१)	१२७(१)	(२)	कर्मविपाक सटीक
१२	१६८	(१५)	एलकाक्षकथा (रात्रिभोजने)	१४९	१३०(१)	(४)	कर्मस्तव
१०३	१९०(२)	(१०)	ओगणत्रीशी भावना कुलक	२६८	१४५(२)	(२)	कर्मस्तव
१४६	१९७(१)	(१)	ओघनिर्युक्ति	६६(१-३)	१७२(१)	(२)	कर्मस्तव
१६५	१६६	(११)	ओघनिर्युक्ति	१४२(२-९)	१९३(१)	(२)	कर्मस्तव
५२	१८५(२)	(१)	ओघनिर्युक्ति	२१२	६१(२)	(२)	कर्मस्तव
२९७	१७(३)	(१)	ओघनिर्युक्ति	१३३	१५६(१)	(१२)	कर्मस्तवभाष्य

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
३३२	१	(३)	कर्मस्तवमूल	२४५	१९४(१)	(२)	कालिकाचार्यकथा
३३२	१	(४)	कर्मस्तववृत्ति	१२	१६८	(१७)	कालिकाचार्यकथा
१२८	५९(३)	(१)	कर्मस्तववृत्ति	२३४	१९४(२)	(२)	कालिकाचार्यकथा
१९(१)	१२७(१)	(१)	कर्मस्तव सटीक	१३५	१६९(१)	(२)	कालिकाचार्यकथा
३१७(५)	१४७(२)	(१)	कलावती कथा	२२१	१९७(२)	(२)	कालिकाचार्य कथा
३७९	३६	(१)	कल्पंचूर्णि	७९	६९(२)	(१)	काव्यप्रकाशषडुलदास संकेत
२०५	९९	(७)	कल्पचूर्णी	६७	६३(४)	(१)	काव्यप्रकाशसंकेत
३७९	३६	(२)	कल्पभाष्य	१८०	६२(२)	(२४)	काव्यप्रकाश सूत्र
११२	६५(१)	(१)	कल्पसूत्र	१८०	६२(२)	(१७)	काव्यानुशासन सूत्र
१३५	१६९(१)	(१)	कल्पसूत्र	३३०	५२	(१)	कुमारपालप्रतिबोध
२३४	१९४(२)	(१)	कल्पसूत्र	१६	६२(४)	(१)	कुमारपालप्रबध
२४५	१९४(१)	(१)	कल्पसूत्र	१८०	६२(२)	(७)	कुलक
२२१	१९७(२)	(१)	कल्पसूत्र	१८०	६२(२)	(११)	कुशलानुबधी अध्ययन
१००	१६९(२)	(१)	कल्पसूत्र	११५	११७(१)	(२)	कुशलानुबंधी अध्ययन (चउसरण)
१००	१६९(२)	(३)	कल्पसूत्रटिप्पण	४८	१५७(१)	(४)	कृपणश्रेष्ठिकथा
२०५	९९	(६)	कल्पसूत्र मूल	३	१३५(२)	(२)	केवलीभुक्ति
२२	२०६(२)	(५४)	कल्याणक स्तोत्र	५२	१८५(२)	(४)	केशी गौतमीय ३३ अध्ययन
१९८(३)	१२१(३)	(३)	कल्याणस्तोत्र	३४७	५६(१)	(१)	क्रियारत्नसमुच्चय
९३	१०८	(५)	कल्याणिक प्रकरण	१०६	१०५(२)	(१)	क्रियारत्नसमुच्चय
१२८	५९(३)	(६)	कल्याणि(ण)क स्तव	१०६	१०६(१)	(१)	क्रियारत्नसमुच्चय सबीजक
५९	१७६(२)	(१)	कविशिक्षा	३	१३५(२)	(९)	क्षणिकवादनिरास प्रकरण
२२	२०६(२)	(६०)	काउसग्गना एकवीस दोष	४७(३थी८)	७२(२)	(४)	क्षपक शिक्षा प्रकरण
७४	८३	(२)	कातत्रवृत्तिपजिका अष्टम पाद	१८०	६२(२)	(४)	क्षमाकुलक
७४	८३	(१)	कातत्रवृत्तिपजिका षष्ठ पाद	९५(१०-३४)	१४५(१)	(९)	क्षामणाकुलक
५२	१८५(२)	(२)	कापालिक अध्ययन	१३३	१५६(१)	(४)	क्षेत्रसमास
२४३	५६(२)	(८)	कायस्थितिस्तव	१४९	१३०(१)	(२)	क्षेत्रसमास
१९०	१८९(१)	(२)	कायोत्सर्गना २१ दोष	१०५	१०४(२)	(३)	क्षेत्रसमास
३	१३५(२)	(१३)	कारणपदार्थ	२६१	१६५	(८)	क्षेत्रसमास
११२	६५(१)	(२)	कालिकाचार्यकथा	१०३	१९०(२)	(४)	क्षेत्रसमास
	१६९(२)	(२)	कालिकाचार्यकथा	२१	१८१(१)	(४)	क्षेत्रसमास

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
२५१	१८४(१)	(४)	क्षेत्रसमास	४८	१५७(१)	(३)	चद्रगोपालकथानक
१२८	५९(३)	(३)	क्षेत्रसमास	९५(१०-३४)	१४५(१)	(१)	चउसरण
३९	१९५(२)	(४)	क्षेत्रसमास (जबूद्वीप समास)	१७०	१३०(२)	(६)	चउसरण
३८	१६१(२)	(४)	क्षेत्रसमास प्रकरण	१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१५)	चउसरण
२५	१८८(१)	(१)	क्षेत्रसमासवृत्ति	२१८	१९६(२)	(६)	चउसरण
४४	१८३(२)	(१)	क्षेत्रसमास सटीक	२०२	५९(२)	(१५)	चउसरण
२०५	९९	(९)	खुड्डककुमार कथानक	३११(२थी)	७२(३)	(२)	चउसरण
१०५	१०४(२)	(१८)	गभीर स्तव	१८०	६२(२)	(२)	चउसरण
५(१०-३४)	१४५(१)	(२३)	गभीरस्तव	१२	१६८	(६)	चउसरण बृहत्
३	१३५(२)	(१०)	गणकारिका रत्नटीका समेत	१२	१६८	(३)	चउसरण लघु
३५	६७(१)	(४)	गणधरसत्तरी	२१	१८१(१)	(११)	चउसरण लघु
११५	११७(१)	(६)	गणधरसार्धशतक	५६	१४१(२)	(७)	चच्चरिउ
११६	१८०(२)	(८)	गणधरहोरा	२२	२०६(२)	(२९)	चतुर्धर्म कुलक
१६	१८०(२)	(१२)	गमनागमनप्रकरण	५६	१४१(२)	(९)	चतुर्विंशतिजिनकल्याणकानि
११६	१८०(२)	(५)	गर्गोक्त सहितानो ४७मो ध्वजाध्याय	१०५	१०४(२)	(२२)	चतुर्विंशतिजिनपचकल्याणकस्तोत्र
१०३	१९०(२)	(१२)	गुरुवेयणकुलक	३८९(२)	२०	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्ति टीका
२०२	५९(२)	(२८)	गुरुस्तुति (श्रावकव्रत)	३६४	३४(१)	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्तिटीका
९२	२०५(२)	(१)	गौडवध महाकाव्य	३२८	४४	(२)	वन्द्रप्रज्ञप्तिवृत्ति
२१८	१९६(२)	(१५)	गौतमपृच्छा	३८९(१)	२९(२)	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र
२६१	१६५	(६)	गौतमपृच्छा	३२८	४४	(१)	चन्द्रप्रज्ञप्तिसूत्र
२२	२०६(२)	(१४)	गौतमपृच्छा	१२८	५९(३)	(११)	चारित्रमनोरथमाला
२१८	१९६(२)	(५)	गौतमपृच्छा	२१	१८१(१)	(७)	चार्चिकप्रकरण
२१	१८१(१)	(१०)	गौतमपृच्छा	११५	११७(१)	(२१)	चित्तसभूइज्ज
१७०	१३०(२)	(९)	गौतमपृच्छा	१६५	१६६	(१)	चैत्यवदन
१४९	१३०(१)	(६)	गौतमपृच्छा	१७०	१३०(२)	(४)	चैत्यवदन-वदनक-पच्चक्खाण
९३	१०८	(१२)	गौतमपृच्छा	१२७	१३८(२)	(१)	चैत्यवदन-वदनक-प्रत्याख्यानचूर्णि
११५	११७(१)	(१७)	गौतमपृच्छा	२१८	१९६(२)	(१३)	चैत्यवदन तथा प्रतिक्रमण सूत्रादि
१०५	१०४(२)	(४)	गौतमपृच्छा	१९८(१-२)	१२१(२)	(१)	चैत्यवदनप्रत्याख्यानलघुवृत्ति
३८	१६१(२)	(८)	गौतमपृच्छाप्रकरण	१९१	२०२	(१०)	चैत्यवंदनभाष्य
१३३	१५६(१)	(७)	गौतमभाषित	२२	२०६(२)	(६१)	चैत्यवंदनस्थान

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम
१९०	१८९(१)	(१)	चैत्यवदना-वदनक-प्रत्याख्यान लघुवृत्ति	१३३	१५६(१)	(८)	जीवदया प्रकरण
२२	२०६(२)	(५८)	चैत्यवदना-वदनक विवरण वृत्ति	५६	१४१(२)	(५)	जीवदया प्रकरण
२६१	१६५	(७)	चैत्यवदनादिभाष्यत्रय	१७०	१३०(२)	(८)	जीवदयाप्रकरण
२२	२०६(२)	(५५)	चोवीस तीर्थंकरना कल्याणकनो यंत्र	२३५	१५१	(६)	जीवदयाप्रकरण
१८३(२)	११०(२)	(२)	छदोनुशासनविवरण	२५१	१८४(१)	(८)	जीवदयाप्रकरण
१८०	६२(२)	(१८)	छंदोनुशासनोद्धार	२९८	१२९	(३)	जीवदयाविषये दामन्नककथा
३०३	६२(५)	(१)	छंदोवृत्ति अमृतसजीवनी	११५	११७(१)	(३२)	जीवविचार
२२	२०६(२)	(१२)	छत्रीस ठाण	१०५	१०४(२)	(२४)	जीवविचार
३११(२थी)	७२(३)	(९)	छ वयणाणि	१४९	१३०(१)	(७)	जीवविचार
३११(२थी)	७२(३)	(७)	जबूद्वीपक्षेत्रसमास	१६६	६६(३)	(६)	जीवविचार
३७६(१-२)	४२(२)	(२)	जबूद्वीपचूर्णि	१३२(४थी७)	७१(३)	(१)	जीवविचार
२२	२०६(२)	(१३)	जबूद्वीपप्रकरण	१९१	२०२	(१४)	जीवविचार
२३५	१५१	(५)	जबूद्वीपप्रकरण	२०१	२००(२)	(१)	जीवसमास
११५	११७(१)	(२६)	जबूद्वीपप्रकरण तथा परचुरण	२२	२०६(२)	(१९)	जीवानुशासन
३७६(१-२)	४२(२)	(१)	जबूद्वीपप्रज्ञप्ति	११५	११७(१)	(१३)	जीवानुशासनकुलक
१८०	६२(२)	(२३)	जबूद्वीपसग्रहणी	१०५	१०४(२)	(११)	जीवानुसद्धिकुलक
१४९	१३०(१)	(३)	जबूद्वीपसंग्रहणी	१८०	६२(२)	(१०)	जीवानुसद्धि कुलक
२५	१८८(१)	(२)	जबूद्वीपसंग्रहणीवृत्ति	१२८	५९(३)	(८)	जीवानुसद्धिकुलक
१६५	१६६	(४)	जबूद्वीपसमास	२०२	५९(२)	(१८)	जीवानुसद्धिकुलक
१५५(१थी१२)	१६४	(५)	जबूद्वीपसमास	१४८	५५(३)	(२)	जीवानुसद्धि सधि
२११(२थी६)	५४(२)	(५)	जंबूद्वीपसमास	१९५	६८(३)	(३)	जीवाभिगमटीका
२१८	१९६(२)	(११)	जबूद्वीपसमासप्रकरण	३८३	१०	(२)	जीवाभिगमवृत्ति
२२	२०६(२)	(२५)	जबूस्वामीकुलक	३८३	१०	(१)	जीवाभिगम सूत्र
३०७	२०५(१)	(६)	जन्माभिषेक	२०२	५९(२)	(१६)	जीवोपलभकुलक
२२	२०६(२)	(४२)	जयतिहुअण	१८०	६२(२)	(५)	जीवोपलभकुलक
४८	१५७(१)	(५)	जयलक्ष्मीदेवीकथा	१०३	१९०(२)	(११)	जीवोपलंभकुलक
३११(२थी)	७२(३)	(२०)	जिनगणधर नमस्कार	२०२	५९(२)	(२)	जीवोपलभपचाशिका
२२	२०६(२)	(३८)	(जिनपति स्तोत्र) अष्टक	३७५	६	(२)	ज्ञाताधर्मकथागवृत्ति
३४४	१९	(८)	जीतकल्पवृत्ति	३७२	४२	(२)	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र
३४४	१९	(९)	जीतकल्पसूत्र	३७२	४२	(१)	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
३७५	६	(१)	ज्ञाताधर्मकथाग सूत्र
२९५	१६७(१)	(९)	ज्ञानांकुश
४०	१८२(२)	(१)	ज्ञानपंचमीकथा
२९	७०(१)	(१)	ज्ञानपंचमी कथा
३११(२थी)	७२(३)	(१६)	ज्ञानप्रकाशकुलक
१५५(१थी१२)	१६४	(१०)	ज्ञानप्रकाशकुलक
१६१	१७४	(७)	ज्ञानाकुश प्रकरण
७०(१-७)	१४६(१)	(७)	ज्ञानावर्ण
१८०	६२(२)	(१२)	ठाणागगत पाठ
३८	१६१(२)	(३)	ठाणा प्रकरण (मूलशुद्धि)
२२७(४-१२)	१७९(१)	(७)	तत्त्वार्थाधिगम सूत्र
२७२	१७८(२)	(१)	तत्त्वोपप्लव
११५	११७(१)	(३०)	तपविधि
२२	२०६(२)	(११)	तपसमास
२९८	१२९	(१४)	तपोविषये दृढप्रहारीकथा
३१४	१५५(२)	(१)	तर्कभाषा
	१४६(१)	(१)	तर्कभाषा
	४(३)	(१)	तिलकमजरीटीप्पण
	१०७	(१)	तिलकमजरी (प्रथम खंड)
	२४(२)	(१)	तीर्थोद्गालिकप्रकीर्णक
११६	१८०(२)	(१)	त्रिभुवनसार योगशास्त्र प्रकाश त्रण
२०९	१००	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र २-३ पर्व
२१७	११९	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टमपर्व
३९२	४(१)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशमपर्व (महावीरचरित्र)
३३९	५४(१)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशम पर्व (श्री महावीरचरित्र)
१०१	८५	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशम पर्व (श्री महावीरचरित्र)
७	१४२(१)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र पचम पर्व (श्री शातिनाथचरित्र)
३७०	१३	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र पर्व ३थी५
३७०	१३	(२)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र पर्व ६-७-९
३५१	५३	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र प्रथम पर्व (श्री आदिनाथचरित्र)
१२९	८६	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र षष्ठ पर्व (श्री महावीरचरित्र)
१२९	८६	(२)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र सप्तम पर्व (श्री महावीरचरित्र)
१२३	६५(३)	(१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्रे नवम पर्व
२२७(४-१२)	१७९(१)	(३)	त्रिषष्टीयमहावीरचरित्रान्तर्गत हस्तिपाल स्वप्न
१६१	१७४	(१३)	त्रूटक संस्कृत ग्रथ छे. नाम जणातुं नथी.
२५	१८८(१)	(४)	थिरावली
२५७(१)	१७९(२)	(१)	दमयतीकथा मूल
९	१९९(२)	(१)	दमयतीचरित्र वीस उद्देसा
२२	२०६(२)	(७)	दर्शनशुद्धि
३५	६७(१)	(३)	दर्शनशुद्धिप्रकरण
५	१४८	(१)	दर्शनशुद्धिप्रकरणविवरणोद्धृति
१३३	१५६(१)	(९)	दर्शनसप्ततिका
५२	१८५(२)	(५)	दशवीशी भावना
५६	१४१(२)	(४)	दशवीसी भावना
१६१	१७४	(१२)	दशवैकालिक
९५(१-९)	१८२(१)		दशवैकालिक
१६५	१६६	(६)	दशवैकालिक
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१४)	दशवैकालिक अध्ययन-चार
२२	२०६(२)	(१५)	दशवैकालिक छ जीव० अध्ययन सुधी
२०४	८४	(१)	दशवैकालिकटीका
१०(१)	४(२)	(२)	दशवैकालिकटीका
४७(३थी८)	७२(२)	(६)	दशवैकालिकनिर्युक्ति
३४३	३५(१)	(२)	दशवैकालिकनिर्युक्ति
११	१८६(२)	(२)	दशवैकालिकनिर्युक्ति

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
३३६	७४	(१)	दशवेकालिकनिर्युक्ति वृत्तिसह	१२६	१४२(२)	(१)	द्वयाश्रय प्राकृत महाकाव्य
२३८(१)	३५(३)	(१)	दशवैकालिकलघुवृत्ति	३५८	२८	(१)	द्वयाश्रय वृत्ति १थी११ सर्ग सुधी
३४३	३५(१)	(३)	दशवैकालिकवृत्ति	३५७(१)	२९(१)	(१)	द्वयाश्रय वृत्ति सर्ग १२ थी
३४३	३५(१)	(१)	दशवैकालिकसूत्र	३०६	१२५	१	द्वयाश्रय सस्कृत २० सर्ग
१७४(४)	३३(३)	(१)	दशवैकालिकसूत्र	१८६	६२(३)	(१)	द्वयाश्रय सस्कृत (महाकाव्य)
२३०	३५(२)	(२)	दशवैकालिकसूत्र	२३२	९५	(१)	द्वयाश्रयसस्कृतवृत्ति सर्ग-८
१४१	६४(२)	(२)	दशवैकालिकसूत्र	२७५	६४(१)	(१)	द्वयाश्रयसस्कृतवृत्ति सर्ग ९थी सपूर्ण
२१५	२०१(१)	(१)	दशवैकालिकसूत्र	४८	१५७(१)	(९)	धनदत्तकथानक
१२१	१२८(२)	(१)	दशवैकालिकाटीका	४८	१५७(१)	(१)	धनदेवधनदत्तकथा
३४४	१९	(३)	दशाश्रुतस्कंधचूर्णि	४८	१५७(१)	(२)	धनश्रेष्ठिकथा
३४४	१९	(२)	दशाश्रुतस्कंधनिर्युक्ति	१२	१६८	(१४)	धन्य-शालिभद्रकथा
३४४	१९	(४)	दशाश्रुतस्कधसूत्र	२३(५-९)	१०६(३)	(४)	धन्यसुदरी कथा
२२	२०६(२)	(२७)	दागडउ (दगड)	१०५	१०४(२)	(१९)	धरणोरगेंद्र स्तव
२९८	१२९	(१०)	दानविषये कृतपुण्यकथा	२२	२०६(२)	(४५)	धरणोरगेद्रस्तोत्र
११५	११७(१)	(१६)	दानशीलतपोभावनाकुलक	२४६	२०३(२)	(७)	धरणोरगेद्रस्तोत्र
३०७	२०५(१)	(७)	दानादिप्रकरण	९५(१०-३४)	१४५(१)	(२१)	धरणोरगेन्द्रस्तव
११	१८६(२)	(५)	दिनकृत्य श्रावकसामाचारी	१२	१६८	(२)	धर्मकुलक
१२	१६८	(१३)	दिवाकरकथा (उत्तमसेवायाम्)	१२	१६८	(१२)	धर्मपाल-वस्तुपालकथा
२११(२थी६)	५४(२)	(३)	दु:सम गडिका	२१	१८१(१)	(१८)	धर्ममतिभावनाकुलक
११५	११७(१)	(१९)	दुमपत्तयअध्ययन	१९१	२०२	(५)	धर्मरत्नप्रकरण
५२	१८५(२)	(८)	दुषमदंडिका	१०४(२-५)	६२(१)	(३)	धर्मरत्नप्रकरण
३११(२थी)	७२(३)	(११)	दुहामात्रि(तृ)का	१६६	६६(३)	(८)	धर्मरत्नप्रकरण
२०२	५९(२)	(२४)	देवसूरिकृत कुलक	२००	५५(२)	(३)	धर्मलक्षण
८४	१५२(२)	(१)	देशी नाममाला	२१८	१९६(२)	(१९)	धर्मलक्षण
१९९(१)	१५५(१)	(१)	देशीनाममालावृत्ति	२९५	१६७(१)	(४)	धर्मलक्षण
२४१(४)	१९८(२)	(४)	द्वात्रिंशिका-सिद्धसेनीया	२२७(४-१२)	१७९(१)	(५)	धर्मलक्षण
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१२)	द्वादश भावना	१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१२)	धर्मलक्षण
११५	११७(१)	(७)	द्वादश भावना	२२	२०६(२)	(२२)	धर्मलक्षण
२२	२०६(२)	(२६)	द्वादशभावनाकुलक	१०५	१०४(२)	(७)	धर्मलक्षण
१९४	६३(२)	(४)	द्वीपसागरपन्नत्ती	९५(१०-३४)	१४५(१)	(२४)	धर्मलक्षण

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम
९३	१०८	(१३)	धर्मलक्षण गद्य पद्य	१९१	२०२	(१३)	नमस्कार
३६	१८६(१)	(१)	धर्मशर्माभ्युदय	२१	१८१(१)	(१७)	नमस्कारफल
१७६	६०(१)	(१)	धर्मशर्माभ्युदय	५६	१४१(२)	(१४)	नमस्कारफल कुलक
३८१	४५	(१)	धर्मसंग्रहणीवृत्ति	११५	११७(१)	(१८)	नमिप्रव्रज्या
१४	९४	(१)	धर्माभ्युदय (सघपति) चरित्र	३११(२थी)	७२(३)	(८)	नर्मदासुदरीसंधि
२४३	५६(२)	(५)	धर्मोपदेश	५६	१४१(२)	(१३)	नवकारकुलक
१८०	६२(२)	(६)	धर्मोपदेशकुलक	१५५(१३-२४)	१९८(२)	(८)	नवतत्त्व
१६६	६६(३)	(२)	धर्मोपदेशमाला	१७०	१३०(२)	(३)	नवतत्त्व प्रकरण
१४१	६४(२)	(६)	धर्मोपदेशमाला	७०(१-७)	१४६(१)	(४)	नवतत्त्व भाष्यसहित
५६	१४१(२)	(२)	धर्मोपदेशमाला	१४९	१३०(१)	(१४)	नवतत्त्वविचार
	१०८	(३)	धर्मोपदेशमाला	२३५	१५१	(७)	नवपदप्रकरण
	१५१	(२)	धर्मोपदेशमाला	५१	१७२(१)	(७)	नवपदप्रकरण
	१७(१)	(२९)	धर्मोपदेशमाला	२५१	१८४(१)	(५)	नवपदप्रकरण
	१८१(१)	(२)	धर्मोपदेशमाला	१०३	१९०(२)	(९)	नवपदप्रकरण
	१८४(१)	(२)	धर्मोपदेशमाला	२१	१८१(१)	(१६)	नवपदप्रकरण
	२(१)	(९)	धर्मोपदेशमाला	१६६	६६(३)	(११)	नवपद प्रकरण
	१६४	(९)	धर्मोपदेशमाला	३५	६७(१)	(९)	नवपदप्रकरण
१०३	१९०(२)	(३)	धर्मोपदेशमाला	२१२	६१(२)	(६)	नवपदप्रकरण
२२	२०६(२)	(५)	धर्मोपदेशमाला	३०	१२८(१)	(१)	नवपदलघुवृत्ति (श्रावकानदी)
३९	१९५(२)	(२)	धर्मोपदेशमाला	२१८	१९६(२)	(३)	नवफणा श्री पार्श्वनाथ नमस्कार
३८	१६१(२)	(२)	धर्मोपदेशमालाप्रकरण	१०३	१९०(२)	(१९)	नाणावित्तप्रकरण
२०२	५९(२)	(८)	धर्मोपदेशलेश	४७(३थी८)	७२(२)	(३)	नानाचित्त प्रकरण
२३(१थी४)	५६(३)	(२)	धातुपाठ	१९४	६३(२)	(१)	निरयावली
२१९	९३	(१)	धातुपारायण	१९४	६३(२)	(२)	निरयावलीवृत्ति
२५९	१५९	(१)	धातुपारायणवृत्ति	३३४	७७	(१)	निशीथचूर्णी द्वितीय खंड
[illegible]	१४३(२)	(१)	धातुपारायण स्वोपज्ञ विवरण प्रथम खंड	३५२	७६	(१)	निशीथचूर्णी प्रथम खंड
४(१-२-४)	१४६(२)	(१)	नंदीसूत्र	२१६	६०(२)	(१)	निशीथसूत्र
३७८	३७	(१)	नंदीसूत्र	३४(१)	६७(४)	(१)	नीतिवाक्यामृत
	३७	(२)	नंदीसूत्र वृत्ति	२२(४६)	१९८(२)	(३)	नीतिवाक्यामृत
	२०६(२)	(४९)	नन्दीश्वर पंचपरमेष्ठि स्तोत्र	२२	२०६(२)	(५२)	नेमिनाथ बोली

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
१७८	१८७(२)	(१)	नैषध महाकाव्य	२९५	१६७(१)	(७)	पंचाणुव्रतप्रकरण
९४	११४(२)	(१)	नैषधमहाकाव्य	१४२(२-९)	१९३(१)	(१)	पचाशक
२८८	१३१(१)	(२)	नैषध महाकाव्य सर्ग ११ थी २२ सुधी	१६१	१७४	(९)	पचाशक
२८८	१३१(१)	(१)	नैषध महाकाव्य सर्ग १ थी ९ सुधी	१३३	१५६(१)	(११)	पंचाशक ११
२२३	१४४(१)	(१)	न्यायकदली	३६६	२२	(१)	पंचाशक १९
७०(१-७)	१४६(१)	(२)	न्यायकलिका	३६६	२२	(२)	पचाशकवृत्ति
१५७	१९१(२)	(१)	न्यायकुसुमाजलिटीका	२११(१)	५८(३)	(१)	पचाशक सूत्र
१८०	६२(२)	(२०)	न्यायनो ग्रथ	१४३	६९(१)	(१)	पचाशकसूत्र
१२२(१)	१७१(२)	(३)	न्यायप्रवेशक व्याख्या	२६८	१४५(२)	(१)	पचाशक सूत्र
२४१(१-२)	१७१(२)	(२)	न्यायप्रवेशसूत्र	४(१-२-४)	१४६(२)	(३)	पचाशक सूत्र
१८०	६२(२)	(२२)	न्यायप्रवेशसूत्र	६२(२-३)	१५२(१)	(१)	पचाशकसूत्र
७०(१-७)	१४६(१)	(६)	न्यायवतारसूत्र	१५६	१५३(२)	(१)	पचाशकसूत्र २०
२४१(३)१२२(२)	१७१(३)	(४)	न्यायावतारवृत्ति	३७१	७	(१)	पउमचरित्र (पद्म चरित्र)
७०(९)	१०५(१)	(१)	न्यायावतारवृत्ति टिप्पण	३०७	२०५(१)	(४)	पउमसिरिचरित्र
२४१(१-२)	१७१(२)	(१)	न्यायावतारसूत्र	२०२	५९(२)	(२०)	पत्थियसमत्थ (स्थानकस्तवन)
३४४	१९	(६)	पचकल्पचूर्णि	.२२३	१४४(१)	(२)	पदार्थधर्मसग्रह (न्यायकदली सूत्र)
३४४	१९	(५)	पचकल्प बृहद् भाष्य	३४६	३४(२)	(१)	पद्मप्रभचरित्र
२३५	१५१	(३)	पचकल्याणक	१८०	६२(२)	(२१)	पन्नवणातृतीयपदसग्रहणी
१३२(४थी७)	७१(३)	(२)	पचकल्याणक प्रकरण	२९८	१२९	(६)	परद्रव्यापरहारविषये नागदत्ताकथा
१६६	६६(३)	(५)	पचकल्याणकप्रकरण	१५५(१३-२४)	१९८(२)	(११)	परमसुखद्वात्रिशिका
१०३	१९०(२)	(७)	पचकल्याणकप्रकरण	२९८	१२९	(८)	परिग्रहप्रमाणविषये चारूदत्तकथा
१०५	१०४(२)	(९)	पच नवकार	२६४(१)	(१३६)(१)	(१)	परिशिष्ट पर्व
२०२	५९(२)	(१३)	पंचपर्वादिकुलक	२७०	८०	(१)	परिशिष्ट पर्व
१४२(२-९)	१९३(१)	(६)	पचमीआराधनाप्रकरण	३११(२थी)	७२(३)	(३)	पर्यंताराधनाकुलक
२३३	१७६(१)	(१)	पचवस्तुप्रकरण	१७	६९(४)	(२)	पर्युषणाकथा
२७७	१७७(१)	(१)	पचवस्तुसूत्र	२०२	५९(२)	(१९)	पश्चाताप
३१०	१४०	(१)	पचसग्रह सूत्र	९५(१-९)	१८२(१)	(५)	पाक्षिक खामणा
३१०	१४०	(२)	पचसंग्रहसूत्र वृत्ति	९५(१-९)	१८२(१)	(४)	पाक्षिक सूत्र
१८२	१९८(१)	(१)	पंचसूत्र	१६५	१६६	(७)	पाक्षिकसूत्र
१८२	१९८(१)	(२)	पचसूत्र टीका	३८	१६१(२)	(५)	पाक्षिकसूत्र

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम
२३०	३५(२)	(१)	पाक्षिक सूत्र	१६२	१८४(२)	(१)	पिंडविशुद्धिवृत्ति
२१५	२०१(१)	(२)	पाक्षिकसूत्र क्षामणा साथे	६९	१८८(२)	(१)	पिडविशुद्धिवृत्ति
२९५	१६७(१)	(११)	पाक्षिकसूत्र खामणा साथे	४८	१५७(१)	(६)	पुरंदरीदेवीकथा
२२	२०६(२)	(१६)	पाक्षिकसूत्र खामणा साथे	२००	५५(२)	(४)	पुराण श्लोको
२९५	१६७(१)	(८)	पात्रपरीक्षा	३	१३५(२)	(१४)	पुराणोक्तस्कदनामानि
३१७(१-४)	१३६(२)	(२)	पादलिप्ताचार्यकथा	९३	१०८	(२)	पुष्पमाला
३५	६७(१)	(१३)	पापप्रतिघात-गुणबीजाधान सूत्र	१६६	६६(३)	(१)	पुष्पमाला
१६६	६६(३)	(३)	पापप्रतिघात-गुणबीजाधान सूत्र	६५	२०४(२)	(२)	पुष्पमाला
९३	१०८	(९)	पापप्रतिघात गुणबीजाधान सूत्र	१०३	१९०(२)	(२)	पुष्पमाला
२२	२०६(२)	(४०)	पार्श्व अष्टक	१९१	२०२	(१)	पुष्पमाला
२२	२०६(२)	(४४)	पार्श्वनाथाष्टक	१५५(१थी१२)	१६४	(२)	पुष्पमाला
२२	२०६(२)	(३९)	पार्श्वस्तोत्र	२१८	१९६(२)	(१०)	पुष्पमाला
१७४(१थी३)	९०	(३)	पिडनिर्युक्ति	२६१	१६५	(२)	पुष्पमाला
२९७	१७(३)	(२)	पिंडनिर्युक्ति	३७३	१२	(१)	पुष्पमाला (कुसुममाला) वृत्ति
१८७	१७(२)	(२)	पिडनिर्युक्ति	३०७	२०५(१)	(१)	पुष्पवतीचरित्र
१६५	१६६	(१२)	पिडनिर्युक्ति	२१२	६१(२)	(७)	पोसहविधिप्रकरण
१४६	१९७(१)	(२)	पिडनिर्युक्ति	३८	१६१(२)		प्रकरण सग्रह
३५३	१६(१)	(१)	पिडनिर्युक्तिवृत्ति	१३	११८(१)	(१)	प्रकरणसग्रह
२३०	३५(२)	(३)	पिंडविशुद्धि	३८	१६१(२)	(६)	प्रतिक्रमणसूत्र
१४१	६४(२)	(४)	पिडविशुद्धि	२२	२०६(२)	(५७)	प्रतिक्रमणसूत्र
३५	६७(१)	(१०)	पिडविशुद्धि	३९	१९५(२)	(७)	प्रतिक्रमणसूत्र
१४९	१३०(१)	(८)	पिडविशुद्धि	५६	१४१(२)	(८)	प्रतिक्रमणादि
११५	११७(१)	(३३)	पिडविशुद्धि	१९१	२०२	(११)	प्रत्याख्यानभाष्य
१९१	२०२	(२०)	पिडविशुद्धि	२२	२०६(२)	(५९)	प्रत्याख्यानवृत्ति
१६५	१६६	(९)	पिंडविशुद्धि	२३(५-९)	१०६(३)	(२)	प्रत्येकबुद्धकथा
१५५(१थी१२)	१६४	(८)	पिंडविशुद्धि	२३(५-९)	१०६(३)	(३)	प्रदेशी कथा
२१	१८१(१)	(६)	पिडविशुद्धि	२०५	९९	(५)	प्रद्युम्नचरित्र गद्य
२२	२०६(२)	(९)	पिडविशुद्धि	२९०	६०(३)	(२)	प्रनष्टलाभ
१९०	१८९(१)	(३)	पिडविशुद्धिप्रकरण	२४	१७३(२)	(१)	प्रबोधचद्रोदयनाटक
२७९	१६२	(१)	पिडविशुद्धिवृत्ति	१६५	१६६	(२)	प्रभातिक अष्टक

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
७०(१-७)	१४६(१)	(५)	प्रमाणनयत्त्वलोकालकार	६	१७७(२)	(१)	प्रश्नव्याकरण-चूडामणिटीका
१८०	६२(२)	(१९)	प्रमाणमीमांसा सूत्र	३९५	३३(१)	(९)	प्रश्नव्याकरणटीका
३	१३५(२)	(४)	प्रमाणसग्रह	६	१७७(२)	(२)	प्रश्नव्याकरणटीकायां-लीलावत्यां मयूरवाहिनी
३९४	५	(१)	प्रमेयकमलमार्तंड				
२१	१८१(१)	(९)	प्रवचनसंदोह	३९५	३३(१)	(४)	प्रश्नव्याकरणसूत्र
४(३)	११०(२)	(२)	प्रवचनसदोह	१२४	१२४(१)	(४)	प्रश्नव्याकरणसूत्र
१०५	१०४(२)	(१)	प्रवचनसदोह	१०५	१०४(२)	(८)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
१८९	१४७(१)	(१)	प्रवचनसारोद्धार	९३	१०८	(१४)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
२८३	१५०	(२)	प्रवचनसारोद्धार	२००	५५(२)	(२)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
११०	११५	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति	२०२	५९(२)	(१७)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
२०७	१३२	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति	२२	२०६(२)	(२१)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
१०२	७१(१)	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति	१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१३)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
२५३	१०१	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति २२१मा द्वारथी सपूर्ण	२१८	१९६(२)	(१८)	प्रश्नोत्तररत्नमाला
२९४	१५७(२)	(१)	प्रवचनसारोद्धारसूत्र	२२७(४-१२)	१७९(१)	(४)	प्रश्नोत्तररत्नमालिका
१७०	१३०(२)	(२)	प्रव्रज्याविधान	२९५	१६७(१)	(६)	प्रश्नोत्तररत्नमालिका
१०५	१०४(२)	(१०)	प्रव्रज्याविधान	१२६	१४२(२)	(२)	प्राकृत प्रबोध
२२	२०६(२)	(२८)	प्रव्रज्याविधान	२०२	५९(२)	(२२)	प्राभातिक जीवानुशासन
१०३	१९०(२)	(१३)	प्रव्रज्याविधान	२०२	५९(२)	(२५)	प्राभातिक स्तुति
३८	१६१(२)	(७)	प्रव्रज्याविधानप्रकरण	१७	६९(४)	(३)	प्रायश्चित्तविधि
५७	७९(१)	(१)	प्रव्रज्याविधानवृत्ति	२०(२-३)	१२७(२)	(२)	बधस्वामित्व सटीक
१३२(३)	१३९(२)	(१)	प्रशमरति	३३२	१	(५)	बधस्वामित्व सावचूरि
२२	२०६(२)	(३)	प्रशमरति		११७(२)	(१)	बधस्वामित्व स्टीक
२४६	२०३(२)	(३)	प्रशमरति	३	१३५(२)	(१२)	बकुलिशप्रार्थना (मोक्षार्था)
१६१	१७४	(६)	प्रशमरति	२११(२थी६)	५४(२)	(२)	बत्रीस जीव परिमाण
२२७(४-१२)	१७९(१)	(६)	प्रशमरतिप्रकरण	३१७(१-४)	१३६(२)	(४)	बप्पभट्टीकथा
२९५	१६७(१)	(१)	प्रशमरतिप्रकरण	४८	१५७(१)	(१०)	बहुबुद्धिकथानक
१७९	६८(२)	(१)	प्रशमरतिवृत्ति	१३३	१५६(१)	(३)	बार भावना
१४४	६८(१)	(१)	प्रशमरति सवृत्तिक	२२	२०६(२)	(५१)	बिरुदावली (स्तोत्र)
२३५	१५१	(१२)	प्रशमरती	९५(१०-३४)	१४५(१)	(८)	बृहत् चतु:शरण प्रकरण
६	१७७(२)	(३)	प्रश्नचूडामणिसार	१९१	२०२	(१६)	बृहत् आराधना

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम
३४४	१९	(७)	बृहत् कल्पसूत्र	२२	२०६(२)	(४३)	भयहरस्तोत्र
१९१	२०२	(१८)	बृहत् चउसरणा	१९१	२०२	(२)	भवभावना
१६१	१७४	(११)	बृहत्संग्रहणी	१३२(१-२)	६७(२)	(१)	भवभावनाप्रकरण
३११(२थी)	७२(३)	(१)	बृहत् संग्रहणी	१२८	५९(३)	(१०)	भव्यजीव मनोरथ
३५	६७(१)	(२)	बृहत्सग्रहणी	१२८	५९(३)	(७)	भावनाकुलक
१७७	१०३	(१)	बृहत्संग्रहणी वृत्ति	१२८	५९(३)	(९)	भावनाकुलक
८१	१०९	(१)	बृहत्सग्रहणी वृत्ति	३११(२थी)	७२(३)	(१०)	भावनाकुलक
१३७	९६	(१)	बृहत्संग्रहणी वृत्ति	२१	१८१(१)	(१४)	भावना प्रकरण
२२	२०६(२)	(३४)	बे स्तुतिओ	२५१	१८४(१)	(६)	भावनाप्रकरण
३	१३५(२)	(७)	बोटिकप्रतिषेध	२०२	५९(२)	(१४)	भावनालेशकुलक
०-३४)	१४५(१)	(१४)	बोधकुलक	२९८	१२९	(१५)	भावनाविषये ईलातीपुत्रकथा
१	१७४	(३)	बोधप्रदीप	११३	१९५(१)	(१)	भावनासग्रह
२९८	१२९	(७)	ब्रह्मचर्य विषये गजसुकुमारकथा	२५	१८८(१)	(३)	भावनासार
३	१३८(१)	(२)	ब्रह्मा लूनशिरा इति वृतद्वयव्याख्या	९५(१०-३४)	१४५(१)	(१५)	भाववर्धनकुलक
३	१३५(२)	(६)	ब्राह्मणनीतिनिराकरण	२२	२०६(२)	(२०)	भावश्रावक लक्षण
९५(१०-३४)	१४५(१)	(३)	भक्तपरिज्ञा	४०६	५८(१)	(१)	भाष्य (जीतकल्प भाष्य)
१२	१६८	(८)	भक्तपरिज्ञा	२२	२०६(२)	(५०)	मगलस्तव (शांतिस्तव)
१९१	२०२	(१७)	भक्तपरिज्ञा	२३९	११८(२)	(३)	मनःस्थिरीकरण प्रकरण
११५	११७(१)	(४)	भक्तपरिज्ञाप्रकरण	१	१३४(१)	(१)	मन·स्थिरीकरणप्रकरण
२२	२०६(२)	(३७)	भक्तामर	१	१३४(१)	(२)	मन·स्थिरीकरणवृत्ति
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(७)	भक्तामर स्तोत्र	१२	१६८	(१६)	मरुक दृष्टांत
३११(२थी)	७२(३)	(६)	भक्तामरस्तोत्र	३१७(१-४)	१३६(२)	(३)	मल्लवादी कथा
९३	१०८	(११)	भक्तामरस्तोत्र	१८०	६२(२)	(९)	महर्षि कुलक
१०५	१०४(२)	(१७)	भक्तामरस्तोत्र	९५(१०-३४)	१४५(१)	(१३)	महाऋषिस्तव
५(१०-३४)	१४५(१)	(२२)	भक्तामरस्तोत्र	११५	११७(१)	(२२)	महाणियठिज्ञ
२९७	१७(३)	(३)	भगवती आलापक	२९५	१६७(१)	(१०)	महादेवलक्षण
३९१	१४	(१)	भगवतीसूत्रवृत्ति	३४४	१९	(१)	महानिशीथ सूत्र
२४६	२०३(२)	(८)	भयहरस्तोत्र	१८०	६२(२)	(३)	महासतीकुलक
२६१	१६५	(९)	भयहरस्तोत्र	१७०	१३०(२)	(१०)	माणसवरणकुलक
१०३	१९०(२)	(१६)	भयहरस्तोत्र	३११(२थी)	७२(३)	(१९)	मातृका

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनुं नाम
२९०	६०(३)	(१)	मासकल्पादि अनेक आगमोद्धृत विचारो	१४१	६४(२)	(९)	योगशास्त्र ४ प्रकाश
२१८	१९६(२)	(२)	मिथ्यात्वकुलक	१६१	१७४	(१)	योगशास्त्र ४ प्रकाश
१४९	१३०(१)	(११)	मिथ्यात्वपरिहारकुलक	२२	२०६(२)	(१)	योगशास्त्र ४ प्रकाश
२०२	५९(२)	(२३)	मुनिचन्द्रस्तुति	२२७(४-१२)	१७९(१)	(१)	योगशास्त्र चतु:प्रकाशान्तर्गत सुभाषितसमुच्चय
३५	६७(१)	(११)	मूलविशुद्धि	१७०	१३०(२)	(१)	योगशास्त्र चार (४) प्रकाश
३९	१९५(२)	(३)	मूलशुद्धि	२४६	२०३(२)	(१)	योगशास्त्र चार प्रकाश
२२	२०६(२)	(६)	मूलशुद्धि	१५५(१३-२४)	१९८(२)	(५)	योगशास्त्र चार प्रकाश
२५१	१८४(१)	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण	३८	१६१(२)	(१०)	योगशास्त्र चार प्रकाश
१५५(१थी१२)	१६४	(१२)	मूलशुद्धिप्रकरण	६५	२०४(२)	(१)	योगशास्त्र चार प्रकाश
२२८	१३४(२)	(२)	मूलशुद्धिप्रकरण	९०	७१(२)	(१)	योगशास्त्रतृतीयप्रकाशविवरण
१३३	१५६(१)	(२)	मूलशुद्धिप्रकरण	२२७(१-२-३)	१७०(२)	(१)	योगशास्त्र द्वादश प्रकाश
२३५	१५१	(४)	मूलशुद्धिप्रकरण	१५९	१९६(१)	(१)	योगशास्त्र द्वादश प्रकाश
५६	१४१(२)	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण	१०५	१०४(२)	(१४)	योगशास्त्र प्रकाश-४
९३	१०८	(६)	मूलशुद्धिप्रकरण	९५(१०-३४)	१४५(१)	(१९)	योगशास्त्रप्रकाश ४
१४१	६४(२)	(७)	मूलशुद्धिप्रकरण	२३५	१५१	(१०)	योगशास्त्र प्रकाश ४
१६६	६६(३)	(४)	मूलशुद्धिप्रकरण	२२४	१४४(२)	(१)	योगशास्त्रप्रथमप्रकाशविवरण
१०३	१९०(२)	(६)	मूलशुद्धिप्रकरण (ठाणा प्रकरण)	४२	१३१(२)	(१)	योगशास्त्र प्रथमप्रकाशविवरण स्वोपज्ञ
२१	१८१(१)	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण (ठाणा प्रकरण)	२८	११३(१)	(१)	योगशास्त्रविवरण
४८	१५७(१)	(७)	मृगाकलेखाकथानक	४०८	७३	(१)	योगशास्त्र विवरणसहित
१९१	२०२	(६)	मृगापुत्र कुलक	७	२७(२)	(१)	योगशास्त्रान्तर्गत चैत्यवदन वृत्ति
३	१३५(२)	(३)	मोक्षोपदेशपचाशत्	३१	२७(३)	(१)	योगशास्त्रान्तर्गत श्लोको
२०२	५९(२)	(१)	मोक्षोपदेशपचाशत्	७०(१-७)	१४६(१)	(३)	योगसग्रहसार
१६१	१७४	(५)	मोक्षोपदेश पचाशिका	३१३	१९१(१)	(१)	रघुविलास
१८	१६०(२)	(१)	यतिप्रतिक्रमणवृत्ति	२०२	५९(२)	(१२)	रत्नत्रयकुलक
१६५	१६६	(५)	यतिप्रतिक्रमण सूत्र	१९०	१८९(१)	(५)	राजपिड आदि विचार
२४४	५४ (३)	(२)	यमकस्तुति वृत्ति	२९८	१२९	(९)	रात्रिभोजनविषये वसुमित्रकथा
३	१३५(२)	(११)	यमप्रकरण	२०५	९९	(३)	राम-लक्ष्मण चरित्र
२००	५५(२)	(१)	योगशास्त्र	२८६	१२१(१)	(१)	रामचरित्र
१६७	१४२(१)	(२)	योगशास्त्र १२मो प्रकाश	२६६	१३३(२)	(१)	लक्षणसमुच्चय
९३	१०८	(४)	योगशास्त्र ४ प्रकाश	१४९	१३०(१)	(१०)	लघु अजितशाति

श्री संघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
२१८	१९६(२)	(१४)	लघु अजितशांति
१४१	६४(२)	(१२)	लघु अजितशाति
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१०)	लघुरत्नत्रय
२१८	१९६(२)	(१७)	लघुरत्नत्रय
२४६	२०३(२)	(६)	लघुशाति
२२	२०६(२)	(४६)	लघुशाति
१९७	१९२(२)	(१)	ललितविस्तरा
१९७	१९२(२)	(२)	ललितविस्तरापजिका
१७१	१६३	(१)	ललितविस्तरापजिका
२३(१थी४)	५६(३)	(३)	लिगानुशासन
३१६	६६(२)	(१)	लीलावती
२३९	११८(२)	(२)	वकचूलकथा सचित्र
१९१	२०२	(१२)	वदनक भाष्य
९१(१-२)	५७ (२)	(३)	वंदनफल-गणधरवाद-श्रावक व्रत-भग-उत्तराध्ययन सुभाषित विगेरे
१२	१६८	(१)	वंदारुवृत्ति
२८३	१५०	(१)	वदारुवृत्ति (श्रावकानुष्ठानविधि)
४३	७८(१)	(१)	वदारूवृत्ति (श्रावकानुष्ठानविधि)
९३	१०८	(८)	वदितु (श्रावक प्रतिक्रमण)
२३५	१५१	(८)	वंदित्ता सूत्र
२४६	२०३(२)	(४)	वदित्तासूत्र
३११(२थी)	७२(३)	(१४)	वयरसामिचरित्र
५६	१४१(२)	(१०)	वयरस्वामीचरित्र
२८२	१५८	(१)	वराहमिहिरसंहिता
११६	१८०(२)	(६)	वर्षालक्षण
२६०	६६(४)	(१)	वसंतराजशाकुन वर्ग १८
१८३(१)	१८७(१)	(३)	वामनीयालकार
५३	१५४(१)	(२)	वार्तिकवृत्ति
५३	१५४(१)	(१)	वार्तिकसूत्र

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम
१२२(३-४)	१८७(१)	(१)	वार्त्तिक
१२२(३-४)	१८७(१)	(२)	वार्त्तिकवृत्ति
१२०	२००(१)	(१)	विक्रमाकाभ्युदय काव्य
१७	६९(४)	(१)	विजयचन्द्रकेवली चरित्र
४७(१)	७२(४)	(१)	विजयचन्द्रचरित्र
२२	२०६(२)	(२४)	विधवाकुलक
१२४	१२४(१)	(५)	विपाकसूत्र
३९५	३३(१)	(५)	विपाकसूत्र
३९५	३३(१)	(१०)	विपाकसूत्रटीका
४८	१५७(१)	(१३)	विभक्तिप्रकरण (अपरनाम विचारमुख प्रकरण)
११५	११७(१)	(२७)	वियारसत्तरी
११५	११७(१)	(३४)	विवेकमजरी
२३५	१५१	(९)	विवेकमजरी
१०५	१०४(२)	(१३)	विवेकमंजरी
२६१	१६५	(४)	विवेकमजरी
३९	१९५(२)	(५)	विवेकमंजरी
२१८	१९६(२)	(९)	विवेकमजरी
२२	२०६(२)	(१०)	विवेकमजरी
१०३	१९०(२)	(५)	विवेकमंजरी
१५५(१थी१२)	१६४	(६)	विवेकमजरी
१९१	२०२	(१५)	विवेकमजरी
१४१	६४(२)	(८)	विवेकमजरी
२२	२०६(२)	(६३)	विवेकविलास
६१	२०४(१)	(१)	विवेकविलास
१८०	६२(२)	(२६)	विशेषणवती
४०५	१५	(१)	विशेषावश्यकलघुवृत्ति
११५	११७(१)	(१०)	विषयनिदापंचाशत्

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
२०२	५९(२)	(६)	विषयानुशासनाकुश
२००	५५(२)	(६)	वीतरागस्तव
१४१	६४(२)	(१०)	वीतरागस्तव
२३५	१५१	(११)	वीतरागस्तव
९३	१०८	(७)	वीतरागस्तव
२२७(१-२-३)	१७०(२)	(२)	वीतरागस्तव
२४६	२०३(२)	(२)	वीतरागस्तव
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(६)	वीतरागस्तव
१५९	१९६(१)	(२)	वीतरागस्तव
२२	२०६(२)	(२)	वीतरागस्तोत्र
१६१	१७४	(२)	वीतरागस्तोत्र
१०५	१०४(२)	(१५)	वीतरागस्तोत्र
३११(२थी)	७२(३)	(४)	वीतरागस्तोत्र
२२	२०६(२)	(४८)	वीतरागस्तोत्र
१३३	१५६(१)	(१०)	वीरविज्ञप्ति
२३(१थी४)	५६(३)	(४)	वृत्तरत्नाकर
२३(१थी४)	५६(३)	(१)	वृत्तरत्नाकरवृत्ति
१२८	५९(३)	(४)	वेतालदोष तथा धर्मलक्षणादि
९५(१०-३४)	१४५(१)	(१८)	वैराग्यकुलक
११५	११७(१)	(१५)	वैराग्यकुलक
२११(२थी६)	५४(२)	(४)	वोच्छेय गडिया
३८४(२)	४०	(१)	व्यवहारचूर्णि
३८४(१)	४१(१)	(१)	व्यवहारभाष्य
२१६	६०(२)	(२)	व्यवहारसूत्र
११६	१८०(२)	(३)	शकुनविचार प्रकरणमा गमनागमन
			जीवित-मरण-शकुनविचार प्रकरणो
२२०	१६(२)	(२)	शतकचूर्णि
३५	६७(१)	(६)	शतकप्रकरण

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनुं नाम
१४२(२-९)	१९३(१)	(४)	शतकप्रकरण
२६८	१४५(२)	(४)	शतकप्रकरण
३३२	१	(७)	शतक सटीक
२०६	१२६	(१)	शतपदी
११६	१८०(२)	(४)	शनिचक्र
१९०	१८९(१)	(४)	शय्यातरपिडविचारणा
२०२	५९(२)	(२७)	शातिजिन स्तुति
१९६	१७२(२)	(१)	शातिनाथचरित्र (कागळमा छे.)
३११(२थी)	७२(३)	(१२)	शालिभद्रकारक (कक्क)
१३३	१५६(१)	(६)	शालिभद्र चरित्र
२२	२०६(२)	(३३)	शालिभद्रमाई
२३९	११८(२)	(५)	शाश्वतचैत्य
१६५	१६६	(३)	शाश्वत जिन स्तव
३११(२थी)	७२(३)	(१८)	शाश्वताशाश्वतचैत्यमाला
२२६	६९(३)	(१)	शिशुपालवध (माघ काव्य)
२१८	१९६(२)	(१६)	शीलकुलक
११५	११७(१)	(११)	शीलगुण
३८	१६१(२)	(९)	शीलरक्षाकुलक
२९८	१२९	(११)	शीलविषये नर्मदासुदरीकथा
२९८	१२९	(१२)	शीलविषये विलासवतीकथा
२९८	१२९	(१३)	शीलविषये सीताचरित्र महाकाव्य सर्ग ४
५२	१८५(२)	(७)	शीलागरथ विधि
१६६	६६(३)	(७)	शीलोपदेशमाला
१५४	२०३(१)	(१)	शुभलीमत (अलभ्य)
२०२	५९(२)	(१०)	शुभभावना उपदेश
९५(१०-३४)	१४५(१)	(११)	शोकपरिहारकुलक
२६१	१६५	(३)	श्राद्धदिनकृत्य
१२	१६८	(१०)	श्राद्धदिनकृत्य

श्री सघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम
८	१४३(१)	(१)	श्राद्धप्रतिक्रमणवृत्ति	३६५	७५	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र
१८०	६२(२)	(१४)	श्रावकजीतकल्प	९५(१-९)	१८२(१)	(७)	श्री पार्श्वनाथस्तव-द्वात्रिंशिका
१७०	१३०(२)	(७)	श्रावकदिनकृत्य	२०५	९९	(४)	श्री मल्लीनाथचरित्र
१९१	२०२	(४)	श्रावकदिनकृत्य	५६	१४१(२)	(११)	श्री महावीरस्वामीपारणु
२६२	१७५	(१)	श्रावकदिनकृत्यविधि	२१०	९१	(१)	श्री वासुपूज्यचरित्र
-	१९८(२)	(१)	श्रावकधर्मविधि प्रकरण	१०५	१०४(२)	(२१)	श्री वृषभादिस्तव
१८८	१६०(१)	(२)	श्रावकप्रज्ञप्ति	३३८	५७(२)	(२)	श्री शांतिनाथचरित्र द्वितीय भाग
१०५	१०४(२)	(२७)	श्रावकप्रतिक्रमण	३३८	५७(१)	(१)	श्री शातिनाथचरित्र प्रथम भाग
१०५	१०४(२)	(६)	श्रावकप्रतिक्रमण	४०४	४८	(१)	श्री श्रेयासजिनचरित्र
२२	२०६(२)	(६२)	श्रावकप्रतिक्रमणलघुवृत्ति	३८०	४७	(१)	श्री सुपार्श्वनाथचरित्र
१८	१६०(२)	(२)	श्रावकप्रतिक्रमणवृत्ति	५५	६५(२)	(१)	षडशीतिकर्मग्रथवृत्ति
१९०	१८९(१)	(६)	श्रावकप्रतिक्रमणवृत्ति	३३२	१	(६)	षडशीति सटीक
२१	१८१(१)	(१३)	श्रावकप्रतिक्रमण सूत्र-	२०(२-३)	१२७(२)	(१)	षडशीति सटीक
			आयरियउवज्झाय अने अतिचार गाथा	१९(१)	१२७(१)	(३)	षडशीति सटीक
१९८(१-२)	१२१(२)	(२)	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रवृत्ति	१८८	१६०(१)	(६)	षड्विध प्रवचनकौशल
१०३	१९०(२)	(१७)	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रादि	३७	१०६(२)	(१)	षड्विधावश्यकविवरण
१८८	१६०(१)	(५)	श्रावकवक्तव्यता (षट्स्थानक भाष्य)	२९५	१६७(१)	(३)	षोडशक
५२	१८५(२)	(६)	श्रावकवर्षाभिग्रह	२०२	५९(२)	(२१)	सक्षेप आराधना
२४३	५६(२)	(४)	श्रावकविधि	१६६	६६(३)	(९)	सग्रहणी
५६	१४१(२)	(१५)	श्रावकविधि	२११(२थी६)	५४(२)	(१)	सग्रहणी
८७(२)	१८३(१)	(१)	श्रावकसामाचारी व्याख्यान	२४३	५६(२)	(२)	सग्रहणी
२८५	१३९(१)	(१)	श्री ऋषभचरित्र	१२८	५९(३)	(२)	सग्रहणी
५६	१४१(२)	(१६)	श्री ऋषभजिनस्तुति	२४४	५४(३)	(१)	सग्रहणी
५६	१४१(२)	(१२)	श्री ऋषभजिनस्तुति (सिद्धस्वरूपगर्भिता)	२१२	६१(२)	(४)	सग्रहणी
४१२	५१	(१)	श्री चन्द्रप्रभचरित्र	१७०	१३०(२)	(५)	सग्रहणी
२१८	१९६(२)	(१२)	श्री देवभद्रगुरुस्तुति	१४९	१३०(१)	(१)	सग्रहणी
१०५	१०४(२)	(२०)	श्री पार्श्वनाथ अष्टकमत्रगर्भित	१८८	१६०(१)	(१)	सग्रहणी
३५०	५९(१)	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र	११५	११७(१)	(२५)	सग्रहणी

श्री सघवी पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
१०५	१०४(२)	(२)	सग्रहणी
१४०	१२३(२)	(२)	सग्रहणी
१९१	२०२	(३)	सग्रहणी
१५५(१थी१२)	१६४	(४)	सग्रहणी
३९(७)	१९८(२)	(१७)	सग्रहणी
६६(१-३)	१७२(१)	(१)	संग्रहणी
१४२(२-९)	१९३(१)	(७)	सग्रहणी
१०३	१९०(२)	(८)	सग्रहणी
२२	२०६(२)	(८)	सग्रहणीटीका
१०४(२-५)	६२(१)	(४)	सग्रहणी विगेरे प्रकीर्णक
१३८	८७	(१)	सघाचारभाष्य
९५(१०-३४)	१४५(१)	(४)	सथारापइन्ना
२१	१८१(१)	(५)	सदेहविषौषधीनाम प्रकरण
२६१	१६५	(१०)	सयममजरी
१०३	१९०(२)	(१४)	सयममजरी
३११(२थी)	७२(३)	(१३)	सवेगमाई
१९४	६३(२)	(३)	संसक्तनिर्युक्ति
१२८	५९(३)	(५)	ससक्तनिर्युक्ति
१८०	६२(२)	(२५)	ससक्तनिर्युक्ति
२४६	२०३(२)	(९)	ससारदावानल स्तुति
१२	१६८	(९)	सस्तारकप्रकरण
११५	११७(१)	(५)	सस्तारकप्रकरण
१९१	२०२	(८)	सस्तारकप्रकीर्णक
११६	१८०(२)	(१०)	सउण-उवस्सुई-छाया-नाडि-निमित्ते-सुविणय-रिट्ठदार
२४३	५६(२)	(३)	सकलतीर्थ स्तोत्र
३०७	२०५(१)	(३)	सगरचक्रवर्ती आख्यान
२९८	१४५(२)	(५)	सत्तरिप्रकरण

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
१४२(२-९)	१९३(१)	(५)	सत्तरीप्रकरण
५१	१७२(१)	(४)	सत्तरी प्रकरण
३५	६७(१)	(७)	सत्तरीप्रकरण
२९८	१२९	(४)	सत्यव्रतविषये ऋषिदत्ताकथा
३६९	.१८	(१)	सन्मतितर्कटीका द्वितीय-तृतीय कांड
३६०	५८(२)	(१)	सन्मतितर्क वृत्ति
१४५	१५३(१)	(१)	समतिकाटीका
३३२	१	(८)	समतिका सटीक
११६	१८०(२)	(२)	समविचार (भडलीना जेवु)
३०५	६३(१)	(१)	समशती छाया
१४९	१३०(१)	(१२)	समषष्टि सम्यक्त्वभेद
११५	११७(१)	(२३)	समिइओ
४८	१५७(१)	(१२)	समुद्रदत्तकथा
२९८	१२९	(२)	सम्यक्त्वविये यन्त्रप्रकरणकथा
१४९	१३०(१)	(१३)	सम्यक्त्वविषये उपदेश गाथा
२९८	१२९	(१)	सम्यक्त्वविषये विक्रमसेनकथा
२९५(१)	६५(४)	(१)	सम्यक्त्वोपरि विक्रमसेन चरित्र अघट कथा पर्यन्त-४ कथाओ
२०२	५९(२)	(९)	सम्यक्त्वोपायविधि
५०	१०२(१)	(१)	सरस्वतीकंठाभरणवृत्ति (पदप्रकाश नाम्नी)
३	१३५(२)	(८)	सर्वज्ञव्यवस्था प्रकरण
११६	१८०(२)	(११)	सर्वव्यसायविधिकरणप्रक्रम
२२	२०६(२)	(४७)	सर्वसामान्य
९५(१०-३४)	१४५(१)	(५)	सागारप्रत्याख्यान विधि
१५५(१३-२४)	१९८(२)	(१६)	साधारण जिन स्तवन
२४३	५६(२)	(९)	साधुगुण
१८०	६२(२)	(१३)	साधुजीतकल्प
१०५	१०४(२)	(२६)	साधुप्रतिक्रमण

श्री संघवी पाडाना भंडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम
९५(१-९)	१८२(१)	(२)	साधुप्रतिक्रमण सूत्र
३५	६७(१)	(१२)	सामाचारी
१८०	६२(२)	(१)	सामाचारी
२९०	६०(३)	(३)	सामुद्रिक
९१(१-२)	५७ (२)	(२)	सामुद्रिक
११६	१८०(२)	(९)	सामुद्रिक
२२७(१-२-३)	१७०(२)	(३)	साम्यशतक
१३२(४थी७)	७१(३)	(४)	सार्थ विचारसार प्रकरण
२६९	११४(१)	(१)	सार्धशतकवृत्ति
२६४(२)	११३(२)	(१)	सार्धशतकवृत्ति
९५(१०-३४)	१४५(१)	(२५)	सिदूरप्रकर
२००	५५(२)	(८)	सिदूर प्रकर
२२	२०६(२)	(४१)	सिद्धचक्र स्तुति
१८०	६२(२)	(१६)	सिद्धपूजाप्रक्रम-नैवेद्यप्रक्रम-प्रदीपारात्रिकप्रक्रम-पूजाप्रक्रम-मातरपूजाप्रक्रम-स्थापनाचार्य-प्रक्रम-षड्विधावश्यकप्रक्रम-आर्यिकाप्रक्रम
१९५	६८(३)	(१)	सिद्धप्राभृतटीका
१९५	६८(३)	(२)	सिद्धप्राभृतसूत्र
२३(५-९)	१०६(३)	(५)	सिद्धसेनकथा
३१७(१-४)	१३६(२)	(१)	सिद्धसेनदिवाकरचरित्र
९८	११०(१)	(१)	सिद्धहेमआख्यातबृहद्वृत्ति
९७	१८०(१)	(१)	सिद्धहेमआख्यात वृत्ति
२५८	९८(१)	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति ९-१० पाद
४१३	४९	(२)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति तृतीयाध्याय (तृतीयाध्यायथी पचमाध्याय पर्यन्त)
४१३	४९	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति तृतीयाध्याय द्वितीयपाद-पर्यन्त

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम
१५३	१६७(२)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति-तृतीयाध्याय-तृतीयपादथी पचमाध्याय पर्यन्त
१५२	१७३(१)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति अवचूरिका
२५४	७२(१)		सिद्धहेमलघुवृत्ति अवचूरि प्रथमाध्यायथी बीजा अध्यायना तृतीय पाद सुधी
३३	८२(२)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति आख्यात
१७३	१५६(२)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति तद्धित ६-१ थी ७ माना ४पाद सुधी
१०९	१०४(१)	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति पचमाध्याय
७३	११६	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन अध्याय ६-७
४१	१८१(२)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन अष्टमाध्याय प्रकाशिका नाम्नी वृत्ति
८०	२०६(१)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन आख्यात लघुवृत्ति
१९३	१८९(२)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासनलघुवृत्ति तृतीयाध्याय-द्वितीयापादावचूरि
२७	१३७(२)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासनलघुवृत्ति पचमाध्याय
१६४	१४१(१)	(१)	सिद्धहेमशब्दानुशासन वृत्तिथी बीजा अध्यायना प्रथमपाद सुधी
११६	१८०(२)	(७)	सिद्धादेश
२०५	९९	(२)	सीता चरित्र
५६	१४१(२)	(१७)	सीतासत
२३(५-९)	१०६(३)	(१)	सुकोशलकथा
२०५	९९	(१)	सुबाहु आदि कथा सचित्र
१३३	१५६(१)	(५)	सुबाहुचरित्र
२५१	१८४(१)	(७)	सुबाहुचरित्र
२१२	६१(२)	(८)	सुबाहुचरित्र
३०७	२०५(१)	(२)	सुलसाचरित्र
२०८	१४९	(१)	सूक्तरत्नाकर
१८८	१६०(१)	(३)	सूक्ष्मार्थविचारप्रकरण

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
५९	१७२(१)	(६)	सूक्ष्मार्थविचारसारप्रकरण	१०३	१९०(२)	(१८)	स्थविरावली
५८(१)	१७०(१)	(१)	सूक्ष्मार्थविचारसारप्रकरण प्राकृतविवरण	१०५	१०४(२)	(५)	स्थविरावली
३९७(१-२)	३१(३)	(२)	सूत्रकृतागनिर्युक्ति	३५९(२)	३१(२)	(१)	स्थानांगसूत्र
३९७(१-२)	३१(३)	(१)	सूत्रकृताग मूल	३५९(१)	३८	(१)	स्थानागसूत्रवृत्ति
३९७(३)	३९	(१)	सूत्रकृतागवृत्ति	१७२	१११	(१)	स्याद्वादमंजरी
११	१८६(२)	(४)	सूयगडागनिर्युक्तिः	४०७	४६	(१)	स्याद्वादरत्नाकर पंचमषष्ठादि परिच्छेद
३७६(३-४)	२६	(२)	सूर्यप्रज्ञप्तिटीका	३३१	२१	(१)	स्याद्वादरत्नाकर प्रथम खड
३७६(३-४)	२६	(१)	सूर्यप्रज्ञप्तिसूत्र	११५	११७(१)	(२०)	हरिकेशी अध्ययन
४८	१५७(१)	(११)	सौभाग्यसुदरीकथा	१८०	६२(२)	(१५)	हस्तिपालस्वप्नफल
२४३	५६(२)	(७)	स्तव	२०२	५९(२)	(३)	हितोपदेश
१९१	२०२	(७)	स्तुति	३०२	२०१(२)	(१)	हेतुबिन्दुतर्कटीका
२२	२०६(२)	(३६)	स्तुति द्वात्रिंशिका	१३४	७०(४)	(१)	हैमआख्यातलघुवृत्ति
२२	२०६(२)	(३५)	स्तुति द्वात्रिंशिका	२८७	७९(२)	(१)	हैमलघुवृत्ति चतुष्क
३	१३५(२)	(१)	स्त्रीनिर्वाण	२२५	१२०	(१)	हैमीनाममालावृत्ति
१२	१६८	(११)	स्थविराकथा (देवत्वे)				
२००	५५(२)	(५)	स्थविरावलि				

श्री संघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता संख्या	श्लोक- संवत्	लेखन- सवत्	रचना-
३९३	१	(१)	विशेषावश्यकवृत्ति द्वितीय खंड[1]	३१८	सं.	मलधारी हेमचन्द्रसूरि		१४५३	
३८८	२	(१)	उपदेशमालावृत्ति कर्णिका[2]	२५७	सं.	उदयप्रभसूरि	१२२७४		१२९९
३८६	३	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र तथा टीका[3]	१-३०२	स.				
३९९	४	(१)	आचारांगवृत्ति[4]	३५६	सं.	शीलांगाचार्य	१२००	१४५०	
४००	५	(१)	आचारांगवृत्ति[5]	१-३५४	सं.	शीलांगाचार्य			
३७६	६	(१)	धर्मसग्रहणीवृत्ति[6]	१-२४८	सं.	मलयगिरिसूरि			
३९८	७	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र[7]	१-३५	प्रा.		२०००	१४५२	
३९८	७	(२)	उत्तराध्ययननिर्युक्ति	३६-४२	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	गा. ६०७		
३९८	७	(३)	उत्तराध्ययन चूर्णि[8]	१-४४	सं.प्रा.				
३९८	७	(४)	उत्तराध्ययन बहुश्रुत अध्ययनथी वृत्ति द्वितीय खंड	४५-२४८	स.	शात्याचार्य			
३५७(२)	८	(१)	प्राकृतद्व्याश्रयकाव्यवृत्ति[9]	२०० थी ३२०	स.	अभयतिलकगणी	४२३०		
४०९	९	(१)	भगवतीसूत्र	२-४३४	सं.				
३५४	१०	(१)	सूयगडांगवृत्ति[10]	२८०	सं.	शीलांगाचार्य	१३८०४		
३५४	१०	(२)	सूयगडांगनिर्युक्ति	२८१-३०४	प्रा	भद्रबाहुस्वामी			
३५४	१०	(३)	सूयगडांगसूत्र	३०५-३३२	प्रा.				
३६१	११	(१)	पुष्पमालावृत्ति[11]	५३-३०६	सं				
३६२	१२	(१)	उपासकदशांग-अंतगडदशांग-[12] अनुत्तरोववाइय-प्रश्नव्याकरण-विपाक	२ थी १०९	प्रा.				
३६२	१२	(२)	अंतगडदशांगादिविपाकपर्यंतवृत्ति[13]	१९९ थी २९५	प्रा.				
३४८	१३	(१)	औपपातिकसूत्र[14]	१-३०	प्रा			१४७३	
३४८	१३	(२)	औपपातिकवृत्ति[15]	३१-११७	स	अभयदेवसूरि	३१२५	१४७३	
३४८	१३	(३)	रायपसेणीयसूत्र[16]	१-५४	प्रा.			१४७३	
३४८	१३	(४)	रायपसेणीयवृत्ति[17]	१-९८	स		३६५०	१४७३	
३२७	१४	(१)	कल्पभाष्य अपूर्ण[18]	१३९-२२२	प्रा			१४७९	

१. त्रुटक घणो छे-नकामा जेवो २. घणा पत्रो टूटेला छे. ३. घणी टूटक-नकामी. ४. चोंटेली अने अव्यवस्थित-नकामी. ५. टूटक नकामु ६. वचमा पत्रो गया छे-टूटक. ७. वचमां टूटक. ८. वचमा घणा पाना टूटक छे ने घसायेला तेवी बे प्रतो छे ९. छेवटना पाना टुकडा छे ३२१थी वधारे छे. १०. आ ग्रंथमा घणे ठेकाणे पाना त्रुटक छे ने छेल्ला पाना पण नथी. ११. घणी ज त्रुटक छे. १२. टूटक घणु छे-नकामु १३. उपासकनी वृत्ति गई छे अने बाकीनी पण घणी त्रुटक-अपूर्णने नकामी छे. १४. त्रुटक. १५. त्रुटक १६. त्रुटक. १७. त्रुटक १८. जीर्ण-अपूर्ण-नकामी

श्री संघवी पाडाना भडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	फ्टोनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३८२	१५	(१)	पुष्पमालावृत्ति[1]	१-३११	स	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	१३८६८		
३६३	१६	(१)	उत्तराध्ययन सुखबोधावृत्ति[2]	३४६	स.	नेमिचन्द्रसूरि		१३१०	
३२५	१७	(१)	श्री सुपार्श्वनाथचरित्र[3]	१-३४१	प्रा.	लक्ष्मणगणि			
३६८	१८	(१)	शातिनाथचरित्र[4] प्रशस्तिना ३६ श्लोक छे ते लखी लेवाना छे. तेमां कुमारपालनु नाम आप्यु छे.	३२१	प्रा.	देवचन्द्रसूरि	१२१००	१२२८	
३२६	१९	(१)	नन्दीसूत्र[5]	१-२३	प्रा.				
३२६	१९	(२)	नन्दीसूत्र टीका[6]	१-२५९	स.	मलयगिरिसूरि	७७३२		
४१०	२०	(१)	धर्मविधिवृत्ति[7]	२५८	प्रा.सं.	जयसिंहसूरि	१२४०		
३४२	२१	(१)	उपदेशमालालघुवृत्ति[8]	१८७	स.	सिद्धर्षिगणी महाराज			
३४१	२२	(१)	सुदर्शनाचरित्र[9]	२०५	प्रा.	देवेन्द्रसूरि	४०५२	१४५१	
३३५	२३	(१)	प्रज्ञापनावृत्तिटिका[10]	टुकडा	स.	मलयगिरिसूरि			
४०१	२४	(१)	परिशिष्ट पर्व[11]	११९	स	हेमचन्द्राचार्य	३५००	१३९६	
४०१	२४	(२)	श्री शांतिनाथचरित्र[12]	१७९	स	अजितप्रभसूरि	४९११	१३८४	१३०७
३७७	२५	(१)	आवश्यकनिर्युक्तिवृत्ति[13]	ठेकाणु नथी	प्रा.स.				
३२९	२६	(१)	स्थाणांगवृत्ति[14]	४५२	स.	अभयदेवसूरि	१४२५०	१३४६	
१०८	२७	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र	१५६ थी ३४५	स.	सर्वानन्दसूरि	१३०६		
७५	२८	(१)	शिशुपालवधटीका (माघ काव्य)[15]	३५-७९, ४९-१७९	सं	मू. माघ टी. वल्लभदेव			
६३	२९	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति खड ३जो[16]	२९३	प्रा.स	मू. नेमिचन्द्र टी सिद्धर्षि		१३०६	
२९४	३०	(१)	काव्यकल्पलताविवेक त्रुटित पत्र ५५[17]	३२५	सं.				
१५०	३१	(१)	वसतराज शाकुनिक शास्त्र[18]	२६-१८८	स.			१३०६	

१. घणी त्रुटक-नकामी. बिलकुल खलास सेकडो पाना नथी २. घणी त्रुटक छे-नकामी छे ३. आ प्रत पाणीथी भींजेली छे ने घणी ज टूटक छे-तेथी नकामी छे. ४. छेल्लां ३ पाना उधईना खाधेला छे. त्रुटक-अतिजीर्ण ५. चोंटेली-नकामी. ६. चोंटेली-नकामी-पत्र १४६ थी पछीना सारा छे ७. घणी त्रुटक-नकामी. ८. जीर्ण, त्रुटक केटलाक पाना त्रुटक छे ९. त्रुटक, चोंटेली-जीर्ण-नकामी-आकना टुकडा थई गया छे. १०. दरेक पानाना टुकडा छे-नकामी. ११. त्रुटक, चोंटेली. १२. कागळमा छे-नकामी. १३. अत्यत त्रुटक-नकामी-जीर्ण १४. अस्तव्यस्त-त्रुटक-नकामी १५. त्रुटक १६. जीर्ण अने घणे ठेकाणे अक्षरो काळा थयेला छे. १७. अति जीर्णने वचमा घणा ज टुकडा छे-माटे नकामी पत्र २५माना टुकडा छे शब्दालकार, अर्थालकार (परिमलना भाव). १८. पत्र २९थी ४५ सुधी नथी.

श्री सघवी पाडाना भडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोंटेला ताडपत्रीय ग्रथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
१५०	३१	(२)	योगसार[१]	ठेकाणुं नथी					
–	–	(३)	ठाणांगसूत्र आलापक[२]	४-४१, ४३, ४५	प्रा.				
–	–	(४)	शास्त्रीय वाद स्थल[३]	२१-१९५	सं.				
११४	३२	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति[४]	१६६-६२२	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
४५	३३	(१)	कल्पसूत्र[५]	२०४	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	१२१६		
३८(१)	३४	(१)	दशवैकालिकलघुवृत्ति[६]	१८०	स.				
२०३	३५	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति तद्धित ७मो अध्याय[७]	२९१-५८२	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
१११	३६	(१)	अभिधानचिंतामणीनाममाला टीका[८]	२९६	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
६८	३७	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति[९]	१५९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	२५००	११९१	
२२२	३८	(१)	बारव्रतोपरिकथा[१०]	२०५	प्रा.सं.				
८९	३९	(१)	धर्मोपदेशशत सटिक[११]	३-८७	प्रा.स.				
८८	४०	(१)	सामाचारी[१२]	२-९०	प्रा.सं.				
३१२	४१	(१)	कल्पसूत्र[१३]	१४३	प्रा.				
३१२	४१	(२)	कालिकाचार्यनी कथा[१४]						
२६५	४२	(१)	प्रवचनसारोद्धार	१५६	प्रा		२०००	१२९५	
२६५	४२	(२)	दशवैकालिकसूत्र	१-६६	प्रा.	शय्यंभवसूरि			
९६	४३	(१)	शब्दानुशासनबृहद्वृत्ति[१५]	२१३	स.	हेमचन्द्राचार्य			
७१	४४	(१)	सुरसुंदरीकथा[१६]	५ थी २४५	प्रा.				
७७	४५	(१)	सग्रहणी[१७]	१-११	प्रा				
७७	४५	(२)	पाक्षिकसूत्र[१८]	४१-५५	प्रा		३००		
७७	४५	(३)	यतिप्रतिक्रमण सूत्र	५६-६०	प्रा.				
७७	४५	(४)	कर्मस्तव	६१-६५	प्रा.		गा. ५८		
७७	४५	(५)	कर्मविपाक	६५-७६	प्रा.	गर्गर्षि	गा. १६९		
७७	४५	(६)	शतक	७६-८४	प्रा.		गा. ११२		
७७	४५	(७)	सत्तरि	८४-९०	प्रा.	चन्द्रमहतर	गा. ९१		

१. अव्यवस्थित २. त्रुटक. ३. त्रुटक. ४. वचमा घणु त्रुटक, अस्तव्यस्त-जीर्ण, नकामी. ५. प्रथम पत्र १ नथी. अंतना पण नथी, वचमां पण नथी. जीर्ण नकामुं ६. वचमा घणा पत्र नथी ने पाछला पण नथी. ७. जीर्ण. ८. प्रथमना ४ पत्र बगडेला ने पाछला २६४ थी पाना खवाई गया छे-जीर्ण-त्रुटक छे. ९. जीर्ण. १०. २०० थी २०५ सुधी त्रुटक छे. जीर्ण. ११. त्रुटक-अपूर्ण. १२. चोंटेली. १३. वचमा केटलांक पत्र नथी. १४. अपूर्ण १५. ताडपत्र-१३५ जीर्ण-कागळना ७८ त्रुटक. १६. त्रुटक-जीर्ण-वचमा पाना नथी ने छे ते चोंटेला छे. १७. त्रुटक-जीर्ण-नकामी १८. आदिना ४० पत्रना टुकडा अस्तव्यस्त.

श्री संघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोंटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-संवत्	रचना-सवत्
७७	४५	(८)	सूक्ष्मविचारसारप्रकरण	९०-१०१	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा. १५३		
७७	४५	(९)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण	१०१-१०७	प्रा.	जिनवल्लभगणि	गा. ८६		
७७	४५	(१०)	जीवदयाप्रकरण	१०७-११४	प्रा.		गा. १११		
७७	४५	(११)	विवेकमजरी	११४-१२५	प्रा.	आंसड	गा १४४		
७७	४५	(१२)	प्रवचनसदोह	१२५-१४६	प्रा.				
७७	४५	(१३)	योगशास्त्र ४ प्रकरण	१७६-१८९	प्रा.	हेमचन्द्राचार्य			
७७	४५	(१४)	सम्यक्त्वप्रकरण	१७६-१८९	प्रा.				
२८१	४६	(१)	सग्रहणी	४७-८१	प्रा.		गा. ५२७		
२८१	४६	(२)	भक्तपरिज्ञाप्रकरण[१]	११७	प्रा				
२८१	४६	(३)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण[२]	१२०-१२४	प्रा.	जिनवल्लभगणि			
२८१	४६	(४)	महादंडप्रकरणादि[३]	१२४-१४८	प्रा.				
२८१	४६	(५)	उपदेशमाला[४]	१५०-१८१	प्रा.				
२८१	४६	(६)	ऋषिमडल तथा चउसरण[५]	१८८-२०३	प्रा.				
२८१	४६	(७)	आतुर प्रत्याख्यान[६]	२०३-२१९	प्रा				
२८१	४६	(८)	पिडविशुद्धि[७]	१९१-१९६	प्रा.	जिनवल्लभगणि			
२८१	४६	(९)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण	१८२-१८८	प्रा.	जिनवल्लभगणि			
२८१	४६	(१०)	कर्मस्तव	१८८-१९१	प्रा.		गा. ५७		
२८१	४६	(११)	कर्मस्तवभाष्य	१९१-१९६	प्रा.	महेद्रसूरि	गा. ७०		
२८१	४६	(१२)	कर्मस्तवभाष्य	१९६-१९७	प्रा.	·	गा. ३३		
२८१	४६	(१३)	कर्मविपाकादि भक्तपरिज्ञापर्यंत[८]	१९७-२२७	प्रा.				
२८१	४६	(१४)	भावनाप्रकरण[९]	१-१२	प्रा.				
२८१	४६	(१५)	स्थविरावली[१०]	२					
२८०	४७	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र[११]	२७४	सं.	भावदेवसूरि	६४००	१३७९	
२८०	४८	(२)	नळदमयती[१२]	२७५-३२७	सं.		गा. ९६३		
२८०	४८	(३)	ब्रह्मदत्तचरित्र ६३ शलाका-९ मुं पर्व[१३]	३२७-३५९	स.		६००		
२८०	४८	(४)	ऋषिदत्ताकथा[१४]	२३८-२६१	सं.		गा. ४५१		

१. अपूर्ण. २. आदिना पत्र नथी. ३. त्रुटक प्रकरणो छे. वचमा आदि, अत नथी. ४. आदि-अत नथी. ५. त्रुटक छे. ६. त्रुटक-अपूर्ण ७. त्रुटक-अपूर्ण. ८. त्रुटक-अपूर्ण छे. ९. अपूर्ण. १०. अपूर्ण ११. देखावमा सारा छे पण त्रुटक छे. चोटेला घसायेलां तेथी निरपयोगी छे. १२. वचमा पाना घसायेला छे. १३. वचमा पाना चोटेला छे-कोईक टूटेला छे-छेल्लाना बे ककडा छे १४. केटलाक पाना बगडेला छे. पत्र २५९मु नथी.

श्री सघवी पाडाना भडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोंटेला ताडपत्रीय ग्रथोना नाम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
२८०	४८	(५)	चारुदत्ता विगेरेनी कथाओना[1] त्रुटक पत्रो छे.	२९१-२९७	प्रा.				
२५५	४९	(१)	उपदेशमाला	१-४८	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. ५४४		
२५५	४९	(२)	पिंडविशुद्धि	४९-५८	प्रा.	धर्मदासगणि	गा. १०४		
२५५	४९	(३)	विवेकमजरी	५७-६९	प्रा.	आसड	गा. १४४		१२४८
२५५	४९	(४)	क्षेत्रसमास (जंबूद्वीप प्रकरण)	७०-७७	प्रा.				
२५५	४९	(५)	स्थविरावली	७७-८१	प्रा.				
२५५	४९	(६)	प्रव्रज्याविधान	८१०८४	प्रा.		गा. ३१		
२५५	४९	(७)	आराधनाकुलक	८४-८९	प्रा.	सोमसूरि	गा ६९		
२५५	४९	(८)	शीलोपदेशमाला	९०-१००	प्रा.	जयकीर्ति	गा. ११५		
२५५	४९	(९)	श्रावकदिनकृत्य	१००-१२५	प्रा		गा. ३४४		
२५५	४९	(१०	गौतमपृच्छा	१२५-१२९	प्रा		गा. ५४		
२५५	४९	(११)	बृहत् चउसरण	१२९-१३५	प्रा.		गा. ६३		
२५५	४९	(१२)	धर्मोपदेशमाला	१३५-१४४	प्रा.		गा. १०३		
२५५	४९	(१३)	महावीरस्तोत्र	१४३-१४४	प्रा.		गा. २२		
२५५	४९	(१४)	पुष्पमाला	१४५-१८६	प्रा	मलधारी हेमचन्द्र	गा. ५०५		
२५५	४९	(१५)	भवभावना[2]	४३-८५	प्रा	हेमचन्द्राचार्य	गा. ५३१		
२	५०	(१)	नवपदप्रकरणवृत्ति (श्रावकानन्दि)[3]	२०८	प्रा.स.	मू. देवभद्रसूरि, टी कुलचन्द्र			
२	५०	(२)	कर्मविपाकादि	३९	प्रा.				
१३०	५१	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति (तद्धितपाद चारनी)[4]	१७५	स	हेमचन्द्राचार्य			
३०९	५२	(१)	सूक्त[5]	१-२०	सं				
३०९	५२	(२)	योगकल्पद्रुम	२०-२६	स		गा. ६४		
३०९	५२	(३)	सूक्ति त्रुटक[6]	१-८७	सं				
३०९	५२	(४)	सूक्त समुच्चय[7]	९८-१३७	प्रा	विबुधचन्द्र	गा. ४२१		
३०९	५२	(५)	विवेककलिका[8]	१३८-१६०	प्रा.	नरेन्द्रप्रभ			
३०९	५२	(६)	सूक्तमाला[9]	१६१-१६२	प्रा.	नरेन्द्रप्रभ			
३०९	५२	(७)	सामाचारी[10]		प्रा.				

१. बगडेला-जीर्ण, पहेला ४ पत्र नथी. २. अपूर्ण ३. चोंटेली, जीर्ण, लिपिकृत, हेमकीर्ति ४. जीर्ण, त्रुटक ने नकामी ५. पत्र ३-४-५-६-७-१६ नथी ६. वचमा घणा पत्रो नथी. ७. वचमा घणा पत्रो नथी ८. १३८-१३९-१४१ पत्रो नथी. ९. अपूर्ण. १०. ठेकाणु नथी त्रुटक पत्रो छे

श्री संघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
४९(२-३-४)	५३	(२)	कल्पसूत्र[1]	१-७०	प्रा.	भद्रबाहुस्वामी	१२१६	१३८४	
४९(२-३-४)	५३	(२)	कल्पनिर्युक्ति काइक बीजु ने[2]	७०-१४०	प्रा.		बे नंबरोमां थईने		
			कालिकाचार्यकथा				२३५० सख्या	१३८४	
४९(२-३-४)	५३	(३)	पर्युषणाकल्पटीप्पन[3]	१४१-१८१	प्रा.	पृथ्वीचन्द्रसूरि		१३८४	
१६३	५४	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति[4]	१-२०९	प्रा.				
१६३	५४	(२)	परिग्रहप्रमाण		प्रा.		गा ३३		
१६३	५४	(३)	परिग्रहप्रमाण	१-१०	प्रा.		गा. ४१		
१६३	५४	(४)	परिग्रहप्रमाण		प्रा.		गा. ४२		
२४७	५५	(१)	हैमलघुवृत्ति चतुष्क अवचूरि[6]	१५७	स.				
२४७	५५	(२)	हेमलघुवृत्ति आख्यात[7]	९१	स				
३४(१)	५६	(१)	श्राद्धप्रतिक्रमणवृत्ति[8]	८०	स				
२४२	५७	(१)	श्रावक बार व्रत ग्रहण[9]	१-६	प्रा.	जयसिहसूरि			
२४२	५७	(२)	त्रिषष्टि ध्यानकुलक	१-२	प्रा		गा. ३७		
२४२	५७	(३)	चउद्दसगकुलक	२-३	प्रा.		गा ४०		
२४२	५७	(४)	पचमहाव्रतादि उपर परचुरण		प्रा.स.				
			पानां ठेकाणा वगरना						
१८१	५८	(१)	मलयगिरिव्याकरण तथा परचुरण पत्र		स.	मलयगिरि			
१८१	५८	(२)	योगशास्त्रविवरण[10]	४९	सं.				
१८१	५८	(३)	प्रतिष्ठाविधि[11]	१५	प्रा.सं				
२६८(६)	५९	(१)	प्रवचनसदोह-पंचसूत्रादि[12]	२-९६	प्रा.				
७०(८)	५९	(२)	न्यायकंदली टीका[13]	१६९	स.	श्रीधर			
२१३(३-४)	६०	(१)	उणादिवृत्ति	१-७६	सं.				
२१३(३-४)	६०	(२)	वीतरागस्तव[14]	१-२२	सं.	हेमचन्द्राचार्य		१२३१	
११७	६१	(१)	श्रावकनां १२ व्रतो परिकथाओ[15]	१५९	प्रा		३५००थी वधारे		
२६३	६२	(१)	योगशास्त्रातर्गत श्लोक[16]	६३	सं.	हेमचन्द्राचार्य			
२६२(२)	१७५	(२)	कातत्रपजिका[17]	१६५	स.	त्रिलोकचनदास			

१. त्रुटक-अति जीर्ण. २. त्रुटक-अति जीर्ण ३. त्रुटक-अति जीर्ण. ४. अपूर्ण-त्रुटक. ५. अव्यवस्थित छे. ६ जीर्ण ७. जीर्ण. ८. ८०थी पण वधारे छे पण त्रुटक छे ने अपूर्ण ९. आ चार नबर सिवाय घणा विषयोना पत्रो ताडना तथा कागळनां छे. ते बधा त्रुटक विषयो छे. पत्रो ६० थी वधारे छे. १०. अपूर्ण-त्रुटक. ११. जीर्ण १२. त्रुटक-नकामी-जीर्ण. १३. त्रुटक-नकामी-जीर्ण १४. जीर्ण काईक काईक त्रुटक १५. अपूर्ण-त्रुटक. १६. त्रुटक. १७. त्रुटक

श्री संघवी पाडाना भडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोंटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२५७(२)	६३	(१)	दमयतीकथाविवरण	१६२	स.	चंडपाल-श्रावक	१९००		
७६	६४	(१)	भवभावना[1]	६९	स.	मलधारी हेमचन्द्र		११९१	
७६	६४	(२)	पचाशक १९[2]	६९, १५८	प्रा.	हरिभद्रसूरि		११९१	
७६	६४	(३)	पाक्षिक सूत्र[3]						
७६	६४	(४)	धर्मोत्तरसूत्र[4]	१६	प्रा.	धर्मकीर्ति			
७६	६४	(५)	लघु धर्मोत्तरटीका (न्यायबिंदु)[5]	११४	प्रा	धर्मकीर्ति		१२७४	
८२	६५	(१)	चउसरणप्रकरण[6]	१३०	प्रा.	वीरभद्र	गा. ६१		
८२	६५	(२)	आउरपञ्चक्खाण		प्रा.		गा. ९४		
८२	६५	(३)	भक्तपरिज्ञा		प्रा.		गा. १७१		
८२	६५	(४)	सथाराप्रकीर्णक		प्रा.		गा. १२२		
८२	६५	(५)	तंदुलवेयालिय		प्रा.		गा. ३४५		
८२	६५	(६)	चन्दाविज्झय		प्रा.		गा. १७४		
८२	६५	(७)	देवेद्रस्तव		प्रा.		गा. ३८०		
८२	६५	(८)	गणिविज्ञा		प्रा.		गा. ८५		
८२	६५	(९)	महापञ्चक्खाण		प्रा.		गा. १४३		
८२	६५	(१०)	वीरस्तव		प्रा.		गा. ४३		
८२	६५	(११)	अजीवकल्प		प्रा		गा. ४४		
२	६५	(१२)	गच्छाचार		प्रा.		गा. १३८		
८२	६५	(१३)	मरणसमाधि[7]		प्रा		गा. ६५२		
							कुल एकंदरे		
१४७	६६	(१)	शिशुपालवध	२२२	स	माघकवि	ग्र. २९५२ श्लो.		
२९६	६७	(१)	सामाचारी-योगविद्यादि[8]		प्रा स.				
२९६	६७	(२)	वीतरागस्तव[9]		स.	हेमचन्द्राचार्य			
४९(१)	६८	(१)	कल्पसूत्र[10]	३-१६९	प्रा.	भद्रबाहुस्वामि	१२१६	१३३५	
८७(१ने ३)	६९	(१)	ज्योतिष्करंडक[11]	२-३०७	स.	मलयगिरि			
				(१०९-२९३)					
८७(१ने ३)	६९	(२)	कथाकोश व्याख्यासहित सटीक[12]	१९५-२४६	प्रा.स				
७१(१)	७०	(१)	सामाचारी[13]	१११	सं.				

१. नकामी २. नकामी ३ त्रुटक ४. नकामी. ५. नकामी ६. अति जीर्ण-त्रुटक ७. आ बधानी गाथा २३६२ छे ८. त्रुटक-चोटेली-नकामी. ९. त्रुटक-अपूर्ण १०. त्रुटक-नकामु ११. त्रुटक ने अपूर्ण. १२. त्रुटक-अपूर्ण १३. त्रुटक-अपूर्ण.

श्री सघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-सवत्	रचना-सवत्
३२४	७१	(१)	सूक्तो[1]	७८	स.				
२९२	७२	(१)	कौटिल्य अर्थशास्त्र[2]	६४	स.				
२९२	७२	(२)	कौटिल्य अर्थशास्त्र टीका[3]	१८	सं.				
२९९	७३	(२)	परचुरण पाना	पत्रो कुल २३९	स.				
–	७३	(१)	संग्रहणी		प्रा				
–	७३	(२)	शतक		प्रा.		कुल ग्रथोनी १२७२		
–	७३	(३)	क्षेत्रसमास		प्रा.				
–	७३	(४)	प्रवचनसंदोह		प्रा				
–	७३	(५)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण		प्रा.				
–	७३	(६)	कर्मस्तवभाष्य विगेरे प्रकरणो छे.		प्रा				
३१५	७४	(१)	अवंतीसुकुमारसंधि[4]	१६–२४	अपभ्रश				
३१५	७४	(२)	गिरनाररास	१–१२	अपभ्रश				
३१५	७४	(३)	संयममजरी[5]	१३–१७	अपभ्रंश				
३१५	७४	(४)	उपदेशरसायन[6]	१–१७	अपभ्रश	जिनदत्त	गा ८०		
३१५	७४	(५)	योगशास्त्र प्रकाश १२ मो[7]		स	हेमचन्द्राचार्य			
३१५	७४	(६)	वयरस्वामीचरित्र[8]	१६	अपभ्रश				
२६	७५	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्तिअवचूरि[9]	आशरे १२०	सं				
२४८	७६	(१)	दशवैकालिकसूत्र	१–५९	प्रा.				
२४८	७६	(२)	पाक्षिकसूत्र	६०–८५	प्रा.				
२४८	७६	(३)	यतिप्रतिक्रमणसूत्र	८५–९३	प्रा.				
२४८	७६	(४)	अजितशाति	९४–१००	प्रा.				
२४८	७६	(५)	सुभद्राचरित्र	१०१–१०९	अपभ्रश				
२६७	७७	(१)	शृंगारशतक	२८	स.				
२६७	७७	(२)	न्यायावतारसूत्र	१८–२१	स.				
२६७	७७	(३)	काव्यप्रकाशसूत्र	१३	सं.				
२६७	७७	(४)	बे नाम वगरना ग्रथो[10]						

१. एक बाजुनी.क्रोरो खरी गई छे २. अधिकरण पहेलो ने बीजा अधिकरणना २ अध्याय सुधी ३. पत्र ५५ थी ६३ नथी. ४. २०मु पानु नथी. ५. अपूर्ण ६. वचमा पत्र गया छे ७. त्रुटक ८. १ सधि छे–बीजीनो प्रारभ ९. त्रुटक–अपूर्ण–जीर्ण. १०. त्रुटक–अव्यवस्थित

श्री संघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोंटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
२७१	७८	(१)	दशवैकालिक-उत्तराध्यायन-भक्तपरिज्ञा-[1] पिंडविशुद्धि-सस्तारक- प्रकीर्णक विगेरे	समस्त पत्रांक २५४	प्रा.			१३४९	
११८	७९	(१)	चैत्यवंदन चूर्णि[2]	७९	प्रा.				
११८	७९	(२)	प्रत्याख्यान चूर्णि[3]	११०	प्रा.				
२३७	७९	(३)	विजयचन्द्रकेवली चरित्र-सक्षेप[4]	६-७९	प्रा.	चंद्रमहत्तर			
८६(१-८)	८०	(१)	दृढप्रहारीकथा[5]	२-१५६	प्रा.				
८६(१-८)	८०	(२)	खधककथा[6]	बधा ग्रंथोना २-१५६	प्रा.				
८६(१-८)	८०	(३)	आर्यमंगु		प्रा.				
८६(१-८)	८०	(४)	सागरचन्द्रकथा		प्रा.				
८६(१-८)	८०	(५)	दत्तकथानक		सं.				
८६(१-८)	८०	(६)	वसुतेजकथा		सं.				
८६(१-८)	८०	(७)	अमृताष्टमीकथा		सं.				
८६(१-८)	८०	(८)	नागकेतुकथा		सं.				
८६(१०)	८०	(१)	अलकारग्रंथ-बे पाना कोइ[7] जुदा जुदा ग्रंथना	१९, १२९	स.				
८६(१०)	८०	(१)	कोइ नाम वगरनो ग्रथ[8]	२-१५०	प्रा.				
८५	८१	(१)	उपदेशमाला[9]	१-४४	प्रा.				
८५	८१	(२)	धर्मोपदेशमाला[10]	४६-६८	प्रा		गा. १००		
८५	८१	(३)	पचकल्याणप्रकरण[11]	६८-८१	प्रा.				
८५	८१	(४)	धर्मोपदेश	८१-८५	अपभ्रश		गा. ५५		
८५	८१	(५)	गौतमपृच्छा	८५-८९	प्रा.				
८५	८१	(६)	मूलशुद्धिप्रकरण[12]	९०-१५७	प्रा				
८५	८१	(७)	शालिभद्रचरित्र[13]	१४७-१७३	प्रा				
८५	८१	(८)	सुबाहुचरित्र	१७४-१९८	प्रा.				
८५	८१	(९)	विषमदंडिका	१९८-२०७	प्रा.				
८५	८१	(१०)	जबूद्वीपसंग्रहणी	२०७-२१०	प्रा.				

१. चोंटेली-नकामी. २. अव्यवस्थित-टूकडा-नकामी. ३. चोटेली-फाटेली. ४. अपूर्ण-त्रुटक ५. वचमा घणा पाना नथी. ६. बधामा त्रुटक जेवु छे. ७. वचमा त्रुटक छे. ८. वचमा घणा पत्रो नथी ९. नकामी. १०. ४५मु पत्र नथी ११. ६९ थी ८० पत्र नथी. १२. ११६ थी १२३ ने १२५-१५६ पत्रो नथी १३. आदिना २५ श्लोक नथी

श्री संघवी पाडाना भडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-सख्या	लेखन-संवत्	रचना-सवत्
१३६	८२	(१)	उपदेशमाला	१-७९	प्रा.		गा. ५४३		
१३६	८२	(२)	धर्मोपदेशमाला[1]	८०-९४	प्रा		गा. १०१		
१३६	८२	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण	९४-१२७	प्रा	प्रद्युम्नसूरि	गा. २१४		
१३६	८२	(४)	कल्याणकप्रकरण[2]	१२८-१३१	प्रा.				
२८९	८३	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति अवचूरि[3]	२०१	स	हेमचन्द्राचार्य			
२३६	८४	(१)	प्रवचनसारोद्धार[4]	२०७	प्रा				
३०१	८५	(१)	उपदेशमाला	कुल बधाना पत्रो	प्रा		गा. ५४१		
३०१	८५	(२)	प्रतिक्रमण	२१२	प्रा				
३०१	८५	(३)	दशवैकालिक		प्रा	शय्यंभवसूरि			
३०१	८५	(४)	पिडविशुद्धि		प्रा	जिनवल्लभगणि			
३०१	८५	(५)	अजितशाति		प्रा				
३०१	८५	(६)	चैत्यवंदनभाष्य		प्रा	देवेद्रसूरि			
३०१	८५	(७)	जबूद्वीपसमास		प्रा.				
३०१	८५	(८)	योगशास्त्र ४ प्रकाश		सं.	हेमचन्द्राचार्य			
३०१	८५	(९)	भयहरस्तोत्र		प्रा.				
३०१	८५	(१०)	शीलकुलक		प्रा				
३०१	८५	(११)	शाश्वताशाश्वत चैत्य स्तवन		प्रा	सिद्धसेनसूरि			
३०१	८५	(१२)	वीतरागस्तोत्र[5]		सं	हेमचन्द्राचार्य			
३०१	८५	(१३)	बृहत् चतु शरण		प्रा				
३०१	८५	(१४)	भक्तपरिज्ञा		प्रा				
३०१	८५	(१५)	सस्तारकप्रकीर्णक		प्रा				
३०१	८५	(१६)	ऋषिमडल		प्रा				
३०१	८५	(१७)	ओघनिर्युक्ति		प्रा.				
३०१	८५	(१८)	दिनकृत्य		प्रा.				
३०१	८५	(१९)	समवसरणप्रकरण	आ बधाना समस्त पत्रो १ थी २४	प्रा.	धर्मघोषसूरि			
३०१	८५	(२०)	ऋषभ पचाशिका		प्रा.		गा. ५०		

१. आ त्रणे ग्रथना अक्षरो घसाईने बगडेला छे. छेवटे त्रुटक छे २. त्रुटक छे ३. चोंटेली-नकामी ४. जीर्ण-त्रुटक, चोंटेलु-नकामु ५. त्रुटक

श्री संघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	पत्रसंख्या	भाषा	ग्रंथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
३०१	८५	(२१)	श्री पार्श्वजिनदशभव स्तवन		प्रा.		गा. १५		
३०१	८५	(२२)	श्री ऋषभस्तवन		प्रा.	धर्मकीर्ति	गा. ९		
३०१	८५	(२३)	शत्रुजय कल्प		प्रा.		गा. ३९		
३०१	८५	(२४)	शाश्वतजिनस्तवन		प्रा.		गा. २४		
३०१	८५	(२५)	विज्ञप्तिका		प्रा.		गा. ३७		
३०१	८५	(२६)	श्री शांतिनाथस्तुति		प्रा.	जिनवल्लभसूरि	गा. ४		
३०१	८५	(२७)	चतुर्विंशतितीर्थंकरस्तुति		प्रा.	सोमप्रभ	गा. २७		
३०१	८५	(२८)	संसारदावा (वीर स्तुति)		प्रा.	हरिभद्रसूरि	गा. ४		
३०१	८५	(२९)	नेमिराजीमती नवभव संबध स्तवन		प्रा		गा. ७		
३०१	८५	(३०)	परचुरण पाना जुदा जुदा बे ग्रंथना						
७८	८६	(१)	चैत्यवंदनादि भाष्य	१-११	प्रा.	देवेद्रसूरि			
७८	८६	(२)	श्राद्धदिनकृत्य	११-४६	प्रा.			१३६९	
७८	८६	(३)	वडी आराधना	४४-६६	प्रा.			१३६९	
७८	८६	(४)	स्तोत्रो	न ४ थी १७ सुधीना कुल ६७ थी १२० सुधी छे.	प्रा.सं.				
७८	८६	(५)	गुरुवंदनकभाष्य		प्रा				
७८	८६	(६)	माला आदिनाथ		प्रा		गा. २४		
७८	८६	(७)	शत्रुंजयकल्प		प्रा.		गा ३९		
७८	८६	(८)	सुगरिड		प्रा.		गा. १६		
७८	८६	(८)	गिरनारकल्प		प्रा.		गा. ३९		
७८	८६	(१०)	शाश्वतचैत्यस्तोत्र		प्रा.		गा ३२		
७८	८६	(११)	नवकारस्तोत्र		प्रा		गा. ३४		
७८	८६	(१२)	कालसत्तरि		प्रा.		गा. ७४		
७८	८६	(१३)	ऋषभपचाशिका		प्रा.		गा. ५०		
७८	८६	(१४)	अजितशांतिस्तव		प्रा.		गा. ४२		
७८	८६	(१५)	सुअधम्म		प्रा.		गा. १०		
७८	८६	(१६)	समवसरण		प्रा.		गा २४		
७८	८६	(१७)	कल्याणक[१]		अपभ्रंश		गा. २०		

१. अस्तव्यस्त छे

श्री सघवी पाडाना भडारना जीर्ण, त्रुटक अने चोंटेला ताडपत्रीय ग्रंथोना नाम

गायकवाडी नंबर	फेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनुं नाम	पत्रसख्या	भाषा	ग्रथकर्ता	श्लोक-संख्या	लेखन-संवत्	रचना-संवत्
७८	८६	(१८)	सग्रहणी[१]	१२१-१५२	प्रा	मलधारी श्री चन्द्रसूरि	गा. २७३		
१५१	८७	(१)	कल्पसूत्र[२]	९७	प्रा				
१५१	८७	(२)	कालकाचार्य कथा	९७	प्रा.				
११९	८८	(१)	घणा ग्रंथोना त्रुटक पत्रो[३]		प्रा सं.				
४७(२)	८९	(१)	ललितविस्तरा चैत्यवदनटीका[४]	१२	स.	हरिभद्रसूरि	श्लो. ४८२	११८५	
३००	८९	(२)	दानादिप्रकरण[५]		स.	सुराचार्य		१२८३	
३००	८९	(३)	सुकोशलकथा[६]	३८ थी ६७	सं.				
३००	८९	(४)	विपाकसूत्र[७]		प्रा				
३२०	९०	(१)	अनेक ग्रंथना त्रुटक पानां[८]		प्रा.स				
३२२	९१	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति वगेरे ग्रंथोनां त्रुटक पत्र[९]						
३२३	९२	(१)	अनेक ग्रथोना त्रुटक पत्रो[१०]						
३०४	९३	(१)	पर्युषणाकल्पटिप्पण-कल्पसूत्र-उत्तराध्ययन[११] वि.ना. त्रुटक पत्रो						
२८४	१४	(१)	कल्पसूत्र विगेरे त्रुटक ग्रंथो[१२]						
२९३	९५	(१)	अनेक ग्रंथना परचुरण त्रुटक पानां[१३]						
३२१	९६	(१)	अनेक ग्रंथनां परचुरण त्रुटक पाना[१४]						
	९७	(१)	अनेक ग्रंथनां परचुरण त्रुटक पाना						

१. वचमा कोईक पत्र त्रुटक छे. २. कागळमा-जीर्ण ३. नकामी. ४. त्रुटक. ५. त्रुटक-अव्यवस्थित. ६. त्रुटक-अव्यवस्थित. ७. त्रुटक-अव्यवस्थित ८. त्रुटक-अव्यवस्थित ९. जीर्ण-अव्यवस्थित. १०. जीर्ण-त्रुटक-अव्यवस्थित. ११. जीर्ण-त्रुटक-अव्यवस्थित १२. जीर्ण-त्रुटक-अव्यवस्थित. १३. जीर्ण-त्रुटक-अव्यवस्थित. १४. गायकवाडी सूचिपत्रमा योगशास्त्र (सविवरण) ए प्रमाणे नाम छे. (पत्र-३६५)

॥ श्री शखेश्वरपार्श्वनाथाय नमः ॥

श्री संघवी पाडाना भडारना जीर्ण, तुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
३६२	१२	(२)	अतगडदशागादिविपाकपर्यंतवृत्ति	२१३(३-४)	६०	(१)	उणादिवृत्ति
२४८	७६	(४)	अजितशाति	३९८	७	(३)	उत्तराध्ययन चूर्णि
३०१	८५	(५)	अजितशाति	३९८	७	(२)	उत्तराध्ययननिर्युक्ति
७८	८६	(१४)	अजितशातिस्तव	३९८	७	(४)	उत्तराध्ययन बहुश्रुत अध्ययनथी वृत्ति
८२	६५	(११)	अजीवकल्प				द्वितीय खंड
३२१	९७	१	अनेक ग्रथना परचुरण त्रुटक पाना	३६३	१६	(१)	उत्तराध्ययन सुखबोधावृत्ति
३२१	९६	(१)	अनेक ग्रथना परचुरण त्रुटक पाना	३९८	७	(१)	उत्तराध्ययनसूत्र
२९३	९५	(१)	अनेक ग्रंथना परचुरण त्रुटक पाना	३८६	३	(१)	उत्तराध्ययन सूत्र तथा टीका
३२०	९०	(१)	अनेक ग्रथना त्रुटक पाना	२५५	४९	(१)	उपदेशमाला
३२३	९२	(१)	अनेक ग्रथोनां त्रुटक पत्रो	८५	८१	(१)	उपदेशमाला
१११	३६	(१)	अभिधानचिंतामणीनाममाला टीका	३०१	८५	(१)	उपदेशमाला
८६(१-८)	८०	(७)	अमृताष्टमीकथा	२८१	४६	(५)	उपदेशमाला
८६(१०)	८०	(१)	अलंकारग्रथ-बे पाना कोइ जुदा जुदा ग्रथना	१३६	८२	(१)	उपदेशमाला
३१५	७४	(१)	अवतीसुकुमारसंधि	३४२	२१	(१)	उपदेशमालालघुवृत्ति
८२	६५	(२)	आउरपच्चक्खाण	३८८	२	(१)	उपदेशमालावृत्ति कर्णिका
२८१	४६	(९)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण	३१५	७४	(४)	उपदेशरसायन
२८१	४६	(३)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण	३६२	१२	(१)	उपासकदशाग-अतगडदशांग-
-	७३	(५)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण				अनुत्तरोववाइय-प्रश्नव्याकरण-विपाक
७७	४५	(९)	आगमिकवस्तुविचारसारप्रकरण	७८	८६	(१३)	ऋषभपचाशिका
३९९	४	(१)	आचारागवृत्ति	३०१	८५	(२०)	ऋषभ पंचाशिका
४००	५	(१)	आचारांगवृत्ति	२८०	४८	(४)	ऋषिदत्ताकथा
२८१	४६	(७)	आतुर प्रत्याख्यान	३०१	८५	(१६)	ऋषिमडल
२५५	४९	(७)	आराधनाकुलक	२८१	४६	(६)	ऋषिमडल तथा चउसरण
८६(१-८)	८०	(३)	आर्यमगु	३०१	८५	(१७)	ओघनिर्युक्ति
१६३	५४	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	३४८	१३	(२)	औपपातिकवृत्ति
६८	३७	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	३४८	१३	(१)	औपपातिकसूत्र
३२२	९१	(१)	आवश्यकनिर्युक्ति वगेरे ग्रथोना त्रुटक पत्र	८७(१ने ३)	६९	(२)	कथाकोश व्याख्यासहित सटीक
३७७	२५	(१)	आवश्यकनिर्युक्तिवृत्ति	७७	४५	(५)	कर्मविपाक

श्री सघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, तुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम	गायकवाडी नम्बर	पेटीनो चालुनम्बर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
२	५०	(२)	कर्मविपाकादि	८२	६५	(१२)	गच्छाचार
२८१	४६	(१३)	कर्मविपाकादि भक्तपरिज्ञापर्यंत	८२	६५	(८)	गणिविज्ञा
७७	४५	(४)	कर्मस्तव	७८	८६	(८)	गिरनारकल्प
२८१	४६	(१०)	कर्मस्तव	३१५	७४	(२)	गिरनाररास
२८१	४६	(११)	कर्मस्तवभाष्य	७८	८६	(५)	गुरुवदनकभाष्य
२८१	४६	(१२)	कर्मस्तवभाष्य	८५	८१	(५)	गौतमपृच्छा
–	७३	(६)	कर्मस्तवभाष्य विगेरे प्रकरणो छे	२५५	४९	(१०)	गौतमपृच्छा
४९(२-३-४)	५३	(२)	कल्पनिर्युक्ति काइक बीजु ने	११९	८८	(१)	घणा ग्रंथोना त्रुटक पत्रो
			कालिकाचार्यकथा	२४२	५७	(३)	चउद्दसगकुलक
३२७	१४	(१)	कल्पभाष्य अपूर्ण	८२	६५	(१)	चउसरणप्रकरण
४९(१)	६८	(१)	कल्पसूत्र	३०१	८५	(२७)	चतुर्विंशतितीर्थंकरस्तुति
४५	३३	(१)	कल्पसूत्र	८२	६५	(६)	चन्दाविज्झय
१५१	८७	(१)	कल्पसूत्र	२८०	४८	(५)	चारुदत्ता विगेरेनी कथाओना त्रुटक पत्रो छे.
४९(२-३-४)	५३	(२)	कल्पसूत्र	११८	७९	(१)	चैत्यवदन चूर्णि
३१२	४१	(१)	कल्पसूत्र	३०१	८५	(६)	चैत्यवंदनभाष्य
२८४	१४	(१)	कल्पसूत्र विगेरे त्रुटक ग्रथो	७८	८६	(१)	चैत्यवदनादि भाष्य
७८	८६	(१७)	कल्याणक	८५	८१	(१०)	जबूद्वीपसंग्रहणी
१३६	८२	(४)	कल्याणकप्रकरण	३०१	८५	(७)	जबूद्वीपसमास
२६२(२)	१७५	(२)	कातत्रपजिका	७७	४५	(१०)	जीवदयाप्रकरण
१५१	८७	(२)	कालकाचार्य कथा	८७(१ने ३)	६९	(१)	ज्योतिष्करडक
७८	८६	(१२)	कालसत्तरि	–	–	(३)	ठाणागसूत्र आलापक
३१२	४१	(२)	कालिकाचार्यनी कथा	८२	६५	(५)	तदुलवेयालिय
२९४	३०	(१)	काव्यकल्पलताविवेक त्रुटित पत्र ५५	२४२	५७	(२)	त्रिषष्टि ध्यानकुलक
२६७	७७	(३)	काव्यप्रकाशसूत्र	८६(१-८)	८०	(५)	दत्तकथानक
८६(१०)	८०	(१)	कोइ नाम वगरनो ग्रंथ	२५७(२)	६३	(१)	दमयतीकथाविवरण
२९२	७२	(१)	कौटिल्य अर्थशास्त्र	३०१	८५	(३)	दशवैकालिक
२९२	७२	(२)	कौटिल्य अर्थशास्त्र टीका	२७१	७८	(१)	दशवैकालिक-उत्तराध्यायन-
–	७३	(३)	क्षेत्रसमास				भक्तपरिज्ञा-पिंडविशुद्धि-सस्तारक-
२५५	४९	(४)	क्षेत्रसमास (जबूद्वीप प्रकरण)				प्रकीर्णक विगेरे
८६(१-८)	८०	(२)	खंधककथा	३८(१)	३४	(१)	दशवैकालिकलघुवृत्ति

श्री सघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, तुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनुं नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक संख्या	ग्रंथनु नाम
२४८	७६	(१)	दशवैकालिकसूत्र	१६३	५४	(४)	परिग्रहप्रमाण
२६५	४२	(२)	दशवैकालिकसूत्र	१६३	५४	(२)	परिग्रहप्रमाण
३००	८९	(२)	दानादिप्रकरण	४०१	२४	(१)	परिशिष्ट पर्व
३०१	८५	(१८)	दिनकृत्य	३०४	९३	(१)	पर्युषणाकल्पटिप्पण-कल्पसूत्र-
८६(१-८)	८०	(१)	दृढप्रहारीकथा				उत्तराध्ययन वि.ना. त्रुटक पत्रो
८२	६५	(७)	देवेंद्रस्तव	४९(२-३-४)	५३	(३)	पर्युषणाकल्पटीप्पन
४१०	२०	(१)	धर्मविधिवृत्ति	७७	४५	(२)	पाक्षिकसूत्र
३७६	६	(१)	धर्मसंग्रहणीवृत्ति	७६	६४	(३)	पाक्षिक सूत्र
७६	६४	(४)	धर्मोत्तरसूत्र	२४८	७६	(२)	पाक्षिकसूत्र
८५	८१	(४)	धर्मोपदेश	२८१	४६	(८)	पिंडविशुद्धि
२५५	४९	(१२)	धर्मोपदेशमाला	२५५	४९	(२)	पिंडविशुद्धि
१३६	८२	(२)	धर्मोपदेशमाला	३०१	८५	(४)	पिंडविशुद्धि
८५	८१	(२)	धर्मोपदेशमाला	२५५	४९	(१४)	पुष्पमाला
८९	३९	(१)	धर्मोपदेशशत सटिक	३६१	११	(१)	पुष्पमालावृत्ति
३२६	१९	(१)	नन्दीसूत्र	३८२	१५	(१)	पुष्पमालावृत्ति
३२६	१९	(२)	नन्दीसूत्र टीका	३३५	२३	(१)	प्रज्ञापनावृत्तिटिका
२८०	४८	(२)	नळदमयती	३०१	८५	(२)	प्रतिक्रमण
७८	८६	(११)	नवकारस्तोत्र	१८१	५८	(३)	प्रतिष्ठाविधि
२	५०	(१)	नवपदप्रकरणवृत्ति (श्रावकानन्दि)	११८	७९	(२)	प्रत्याख्यान चूर्णि
८६(१-८)	८०	(८)	नागकेतुकथा	७७	४५	(१२)	प्रवचनसदोह
३०१	८५	(२९)	नेमिराजीमती नवभव सबध स्तवन	–	७३	(४)	प्रवचनसदोह
७०(८)	५९	(२)	न्यायकंदली टीका	२६८(६)	५९	(१)	प्रवचनसदोह-पचसूत्रादि
२६७	७७	(२)	न्यायावतारसूत्र	२३६	८४	(१)	प्रवचनसारोद्धार
८५	८१	(३)	पचकल्याणप्रकरण	२६५	४२	(१)	प्रवचनसारोद्धार
२४२	५७	(४)	पंचमहाव्रतादि उपर परचुरण पानां	६३	२९	(१)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति खड ३जो
			ठेकाणां वगरना	२५५	४९	(६)	प्रव्रज्याविधान
७६	६४	(२)	पंचाशक १९	३५७(२)	८	(१)	प्राकृतद्व्याश्रयकाव्यवृत्ति
२९९	७३	(२)	परचुरण पाना	२२२	३८	(१)	बारव्रतोपरिकथा
३०१	८५	(३०)	परचुरण पाना जुदा जुदा बे ग्रथना	२५५	४९	(११)	बृहत् चउसरण
१६३	५४	(३)	परिग्रहप्रमाण	३०१	८५	(१३)	बृहत् चतुःशरण

श्री सघवी पाडाना भडारना जीर्ण, तुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
२६७	७७	(४)	बे नाम वगरना ग्रथो
२८०	४८	(३)	ब्रह्मदत्तचरित्र ६३ शलाका ९ मु पर्व
८२	६५	(३)	भक्तपरिज्ञा
३०१	८५	(१४)	भक्तपरिज्ञा
२८१	४६	(२)	भक्तपरिज्ञाप्रकरण
४०९	९	(१)	भगवतीसूत्र
३०१	८५	(९)	भयहरस्तोत्र
७६	६४	(१)	भवभावना
२५५	४९	(१५)	भवभावना
२८१	४६	(१४)	भावनाप्रकरण
८२	६५	(१३)	मरणसमाधि
१८१	५८	(१)	मलयगिरिव्याकरण तथा परचुरण पत्र
२८१	४६	(४)	महादडप्रकरणादि
८२	६५	(९)	महापञ्चक्खाण
२५५	४९	(१३)	महावीरस्तोत्र
७८	८६	(६)	माला आदिनाथ (म ?)
८५	८१	(६)	मूलशुद्धिप्रकरण
१३६	८२	(३)	मूलशुद्धिप्रकरण
७७	४५	(३)	यतिप्रतिक्रमण सूत्र
२४८	७६	(३)	यतिप्रतिक्रमणसूत्र
३०९	५२	(२)	योगकल्पद्रुम
७७	४५	(१३)	योगशास्त्र ४ प्रकरण
३०१	८५	(८)	योगशास्त्र ४ प्रकाश
३१५	७४	(५)	योगशास्त्र प्रकाश १२ मो
१८१	५८	(२)	योगशास्त्रविवरण
२६३	६२	(१)	योगशास्त्रातर्गत श्लोक
१५०	३१	(२)	योगसार
३४८	१३	(४)	रायपसेणीयवृत्ति
३४८	१३	(३)	रायपसेणीयसूत्र
७६	६४	(५)	लघु धर्मोत्तरटीका (न्यायबिदु)

गायकवाडी नबर	पेटीनो चालुनबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनु नाम
४७(२)	८९	(१)	ललितविस्तरा चैत्यवदनटीका
७८	८६	(३)	वडी आराधना
३१५	७४	(६)	वयरस्वामीचरित्र
१५०	३१	(१)	वसतराज शाकुनिक शास्त्र
८६(१-८)	८०	(६)	वसुतेजकथा
२३७	७९	(३)	विजयचन्द्रकेवली चरित्र-सक्षेप
३०१	८५	(२५)	विज्ञसिका
३००	८९	(४)	विपाकसूत्र
३०९	५२	(५)	विवेककलिका
२५५	४९	(३)	विवेकमजरी
७७	४५	(११)	विवेकमजरी
३९३	१	(१)	विशेषावश्यकवृत्ति द्वितीय खड
८५	८१	(९)	विषमदडिका
२९६	६७	(२)	वीतरागस्तव
२१३(३-४)	६०	(२)	वीतरागस्तव
३०१	८५	(१२)	वीतरागस्तोत्र
८२	६५	(१०)	वीरस्तव
७७	४५	(६)	शतक
–	७३	(२)	शतक
३०१	८५	(२३)	शत्रुजय कल्प
७८	८६	(७)	शत्रुजयकल्प
९६	४३	(१)	शब्दानुशासनबृहद्वृत्ति
३६८	१८	(१)	शातिनाथचरित्र प्रशस्तिना ३६ श्लोक छे ते लखी लेवाना छे तेमा कुमारपालनु नाम आप्यु छे
८५	८१	(७)	शालिभद्रचरित्र
७८	८६	(१०)	शाश्वतचैत्यस्तोत्र
३०१	८५	(२४)	शाश्वतजिनस्तवन
३०१	८५	(११)	शाश्वताशाश्वत चैत्य स्तवन
–	–	(४)	शास्त्रीय वाद स्थल
१४७	६६	(१)	शिशुपालवध

श्री संघवी पाडाना भंडारना जीर्ण, तुटक अने चोटेला ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रथनुं नाम	गायकवाडी नंबर	पेटीनो चालुनंबर	पुस्तक सख्या	ग्रंथनुं नाम
७५	२८	(१)	शिशुपालवधटीका (माघ काव्य)	८८	४०	(१)	सामाचारी
३०१	८५	(१०)	शीलकुलक	३०९	५२	(७)	सामाचारी
२५५	४९	(८)	शीलोपदेशमाला	२९६	६७	(१)	सामाचारी-योगविद्यादि
२६७	७७	(१)	शृंगारशतक	११४	३२	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति
७८	८६	(२)	श्राद्धदिनकृत्य	२०३	३५	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति तद्धित ७मो अध्याय
३४(१)	५६	(१)	श्राद्धप्रतिक्रमणवृत्ति	१३०	५१	(१)	सिद्धहेमबृहद्वृत्ति (तद्धितपाद चारनी)
२५५	४९	(९)	श्रावकदिनकृत्य	२६	७५	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्तिअवचूरि
११७	६१	(१)	श्रावकना १२ व्रतो परिकथाओ	२८९	८३	(१)	सिद्धहेमलघुवृत्ति अवचूरि
२४२	५७	(१)	श्रावक बार व्रत ग्रहण	७८	८६	(१५)	सुअधम्म
३०१	८५	(२२)	श्री ऋषभस्तवन	३००	८९	(३)	सुकोशलकथा
३०१	८५	(२१)	श्री पार्श्वजिनदशभव स्तवन	७८	८६	(८)	सुगरिठ्ठ
२८०	४७	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र	३४१	२२	(१)	सुदर्शनाचरित्र
१०८	२७	(१)	श्री पार्श्वनाथचरित्र	८५	८१	(८)	सुबाहुचरित्र
४०१	२४	(२)	श्री शातिनाथचरित्र	२४८	७६	(५)	सुभद्राचरित्र
३०१	८५	(२६)	श्री शातिनाथस्तुति	७१	४४	(१)	सुरसुदरीकथा
२२५	१७	(१)	श्री सुपार्श्वनाथचरित्र	३०९	५२	(१)	सूक्त
-	७३	(१)	सग्रहणी	३०९	५२	(६)	सूक्तमाला
७८	८६	(१८)	सग्रहणी	३०९	५२	(४)	सूक्त समुच्चय
७७	४५	(१)	सग्रहणी	३०९	५२	(३)	सूक्ति त्रुटक
२८१	४६	(१)	सग्रहणी	३२४	७१	(१)	सूक्तो
८२	६५	(४)	सथाराप्रकीर्णक	७७	४५	(८)	सूक्ष्मविचारसारप्रकरण
३१५	७४	(३)	सयममजरी	३५४	१०	(२)	सूयगडांगनिर्युक्ति
३०१	८५	(२८)	संसारदावा ,(वीर स्तुति)	३५४	१०	(१)	सूयगड़ागवृत्ति
३०१	८५	(१५)	सस्तारकप्रकीर्णक	३५४	१०	(३)	सूयगडागसूत्र
७७	४५	(७)	सत्तरि	७८	८६	(४)	स्तोत्रो
७८	८६	(१६)	समवसरण	२८१	४६	(१५)	स्थविरावली
३०१	८५	(१९)	समवसरणप्रकरण	२५५	४९	(५)	स्थविरावली
७७	४५	(१४)	सम्यक्त्वप्रकरण	३२९	२६	(१)	स्थाणागवृत्ति
,-८)	८०	(४)	सागरचन्द्रकथा	२४७	५५	(२)	हैमलघुवृत्ति आख्यात
)	७०	(१)	सामाचारी	२४७	५५	(१)	हैमलघुवृत्ति चतुष्क अवचूरि

गा न	पो. नं.	नाम	पत्र
*		२०, २१, २९, ३१, ३३, ३५, ४३, ४७, ४८, ५१ आ नबरना ग्रथो नथी	
६९	१(१)	कल्पसूत्र त्रुटक	१२१
६६	१(२)	रावणवहो त्रुटित	७८
७	१(३)	कातन्त्रोत्तर	३२
४	२(१)	पूजाष्टक	१५२
६३	२(२)	उपदेशमाला, भवभावना, कर्मविपाक अपूर्ण	१३४
३३	३	गौतमस्वामी स्तुति	१५६
६७	४	गौतमन्यायसूत्रटीका अपूर्ण	११९
११	५	उपदेशमालादि २१ ग्रथो	२२२
१२	६	उपदेशमालादि ५४ ग्रंथो	–
३७	७	महावीर चरित्र	२०८
३२	८	हेमशब्दानुशासनबृहद्वृत्ति अ. १–२	३५७
२०	९(१)	कल्पसूत्र, कालकाचार्यकथा अपूर्ण	१६५
४९	९(२)	गउडवहो	१६८
३१	१०	उपदेशमालावृत्ति	२४३
७२	११	बृहत्सग्रहणी आदि १३ ग्रथो	२५०
५३	१२	गृहस्थकुलकादि ३४ ग्रथो	२९५
२१	१३	योगशास्त्रविवरण	१६५
५६	१४	आचारागसूत्र अने निर्युक्ति	१७१
१६	१५	योगशास्त्रविवरण स्वोपज्ञ	१८३
५१	१६	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र	३५३
६२	१७(१)	दशवैकालिक अने पाक्षिकसूत्र	७५
५८	१७(२)	उपदेशमालादि ८ ग्रथो	१५१
२७	१८	हैमशब्दानुशासन बृहद्वृत्ति	२२८
३४	१९	योगबिन्दुवृत्ति	३३१
२२	२२	अनेकार्थसग्रहटीका	२८६
७३	२३	अनेकार्थसग्रह आदि २५ ग्रथो	३५३
६१	२४(१)	प्रवचनसारोद्धार	१७४
५२	२४(२)	दशविध सामाचारी आदि ९ ग्रथो	१४०
६५	२५	अनर्घराघवरहस्यादर्श	२१७
५९	२६	वार्तिकवृत्ति	२६७
४१	२७	पचागीउपासक–अतगड–अनुत्तर–प्रश्नव्या–विपाक	२३८
४०	२८(१)	जिनपूजादि उपदेश (रत्नचूडादि कथा)	१७२

गा न	पो न.	नाम	पत्र
६८	२८(२)	दशवैकालिकनिर्युक्ति ऋषभपंचाशिका कर्मविपाक	
३०	३०	चद्रप्रभचरित्र	३००
६०	३२(१)	नवपदप्रकरण आदि १० ग्रथो	१३३
१०	३२(२)	उपदेशमाला, प्रतिक्रमणसूत्र, अजितशाति	–
१८	३४(१)	आरम्भसिद्धि, शब्दब्रह्मोल्लास, चउशरण	–
४७	३४(२)	नंदिसूत्र, मंगळगाथा, आवश्यकनिर्युक्ति	–
७४	३४(३)	बृहत्सग्रहणीगाथा श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रादि	–
५०	३६	बृहत्सग्रहणी आदि १७ ग्रथो	३०९ + ५
३६	३७	त्रि श पु च. पर्व ७थी ९	२९४
७६	३८(१)	ओघनिर्युक्ति, पिंडनिर्युक्ति	१३५
४६	३८(२)	कम्मपयडीसग्रहणी न्यायप्रवेशपजिका	११९
६४	३९	त्रि श.पु च. विमलसूरिविरचित	२४५
७०	४०(१)	किरातार्जुनीयम् सर्ग १७ जीर्ण	१३५
२	४१(१)	कर्पूरचरित, हास्यचूडामणि, त्रिपुरदाह, किरातार्जुनीय,	१३०
१	४१(२)	शतकचूर्णि	१४३
५५	४२	कर्मविपाकादि (प्राचीन) १७ ग्रंथो	२५१
५	४४(१)	प्रकीर्णत्रुटितग्रंथसग्रह (प्राचीन) १७ ग्रथो	२५१
३९(१)	४४(२)	शास्त्रवार्तासमुच्चय	४७
३९(२)	४४(३)	दशवैकालिकसूत्र	५५
४५	४५	लिगानुशासनविवरण, जीतकल्पवृत्ति	–
३५	४६	शतकबृहद्भाष्य	१२३
३८	४९	काव्यप्रकाशसकेत	२४४
७१	५०	बृहत्सग्रहणी आदि १९ ग्रंथो	१९६
१७	५२(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	१७१
९	५२(२)	समुद्रमथन रुक्मिणीहरण	१८३
५४	५३(१)	सूयगडागसूत्रनिर्युक्ति	१४५
६	५३(२)	मुग्धबोध व्याकरण	१६६
३	५४(१	वीतरागस्तव, अनतनाथस्तोत्र, स्तंभन–	
	३,४,५)	पार्श्वनाथस्तोत्र, न्यायग्रंथ	–
२६	५४(२)	हैमशब्दानुशासनलघुवृत्ति	२३१
१४	५५	धातुपारायण	१३२
२३	५६	आवश्यकनिर्युक्ति	२१२
	५७	कल्पसूत्रमूल–कालकाचार्यकथा	१७४

पाटणना खेतरवसीय पाडाना भडारना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गा. न.	पो. नं	नाम	पत्र
६५	२५	अनर्घराघवरहस्यादर्श	२१७
७३	२३	अनेकार्थसग्रह आदि २५ ग्रंथो	३५३
२२	२२	अनेकार्थसग्रहटीका	२८६
५६	१४	आचारागसूत्र अने निर्युक्ति	१७१
१८	३४(१)	आरम्भसिद्धि, शब्दब्रह्मोल्लास चउशरण	–
२३	५६	आवश्यकनिर्युक्ति	२१२
१७	५२(१)	आवश्यकनिर्युक्ति	१७१
१०	३२(२)	उपदेशमाला, प्रतिक्रमणसूत्र, अजितशांति	
६३	२(२)	उपदेशमाला, भवभावना, कर्मविपाक अपूर्ण	१३४
११	५	उपदेशमालादि २१ ग्रंथो	२२२
१२	६	उपदेशमालादि ५४ ग्रथो	–
५८	१७(२)	उपदेशमालादि ८ ग्रंथो	१५१
३१	१०	उपदेशमालावृत्ति	२४३
७६	३८(१)	ओघनिर्युक्ति, पिडनिर्युक्ति	१३५
४६	३८(२)	कम्मपयडीसग्रहणी न्यायप्रवेशपजिका	११९
२	४१(१)	कर्पूरचरित, हास्यचूडामणि, त्रिपुरदाह, किरातार्जुनीय	१३०
५५	४२	कर्मविपाकादि (प्राचीन) १७ ग्रथो	२५१
२०	९(१)	कल्पसूत्र, कालकाचार्यकथा अपूर्ण	१६५
६९	१(१)	कल्पसूत्र त्रुटक	१२१
	५७	कल्पसूत्रमूल-कालकाचार्यकथा	१७४
७	१(३)	कातन्त्रोत्तर	३२
३८	४९	काव्यप्रकाशसकेत	२४४
७०	४०(१)	किरातार्जुनीयम् सर्ग १७ जीर्ण	१३५
४९	९(२)	गउडवहो	१६८
५३	१२	गृहस्थकुलकादि ३४ ग्रथो	२९५
६७	४	गौतमन्यायसूत्रटीका अपूर्ण	११९
३३	३	गौतमस्वामी स्तुति	१५६
३०	३०	चंद्रप्रभचरित्र	३००
४०	२८(१)	जिनपूजादि उपदेश (रत्नचूडादि कथा)	१७२
३६	३७	त्रि श पु च पर्व ७थी ९	२९४
६४	३९	त्रि श पु च. विमलसूरिविरचित	२४५
५१	१६	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र	३५३
५२	२४(२)	दशविध सामाचारी आदि ९ ग्रथो	१४०

गा. नं.	पो. न.	नाम	पत्र
६२	१७(१)	दशवैकालिक अने पाक्षिकसूत्र	७५
६८	२८(२)	दशवैकालिकनिर्युक्ति ऋषभपंचाशिका कर्मविपाक	
३९(२)	४४(३)	दशवैकालिकसूत्र	५५
१४	५५	धातुपारायण	१३२
४७	३४(२)	नदिसूत्र, मंगळगाथा, आवश्यकनिर्युक्ति	–
६०	३२(१)	नवपदप्रकरण आदि १० ग्रथो	१३३
४९	२७	पंचागीउपासक-अंतगड-अनुत्तर-प्रश्नव्या-विपाक	२३८
४	२(१)	पूजाष्टक	१५२
५	४४(१)	प्रकीर्णत्रुटितग्रथसग्रह (प्राचीन) १७ ग्रथो	२५१
६१	२४(१)	प्रवचनसारोद्धार	१७४
७२	११	बृहत्संग्रहणी आदि १३ ग्रंथो	२५०
५०	३६	बृहत्संग्रहणी आदि १७ ग्रंथो	३०९ + ५
७१	५०	बृहत्संग्रहणी आदि १९ ग्रथो	११६
७४	३४(३)	बृहत्संग्रहणीगाथा श्रावकप्रतिक्रमणसूत्रादि	
३७	७	महावीर चरित्र	२०८
६	५३(२)	मुग्धबोध व्याकरण	१६६
३४	१९	योगबिन्दुवृत्ति	३३१
२१	१३	योगशास्त्रविवरण	१६५
१६	१५	योगशास्त्रविवरण स्वोपज्ञ	१८३
६६	१(२)	रावणवहो त्रुटित	७८
४५	४५	लिगानुशासनविवरण, जीतकल्पवृत्ति	–
५९	२६	वार्तिकवृत्ति	२६७
३	५४(१,३,४,५)	वीतरागस्तव, अनंतनाथस्तोत्र, स्तंभन पार्श्वनाथस्तोत्र, न्यायग्रथ	–
१	४१(२)	शतकचूर्णि	१४३
३५	४६	शतकबृहद्भाष्य	१२३
३९(१)	४४(२)	शास्त्रवार्तासमुच्चय	४७
९	५२(२)	समुद्रमथन रुक्मिणीहरण	१८३
५४	५३(१)	सूयगडांगसूत्रनिर्युक्ति	१४५
२७	१८	हैमशब्दानुशासनबृहद्वृत्ति	२२८
३२	८	हैमशब्दानुशासनबृहद्वृत्ति अ १-२	३५७
२६	५४(२)	हैमशब्दानुशासनलघुवृत्ति	२३१

पाटणना खेतरवसीना पाडाना भंडारनी जे केटलीक पेटीओ केटलाक वर्षो पूर्वे चोराई गई छे तेमा जे ताडपत्रीय ग्रथो चोराई गया छे तेनी यादी अहीं आपवामां आवी छे.

आ चोरायेला ग्रंथो जे कोइ पासे आव्या होय ते आ ग्रंथो पाटणना खेतरवसीना पाडाना भडारने पाछा सोंपे अथवा पाटणना श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरने अर्पण करे तेवी अमारी विनति छे. किमत लेवी हशे तो किंमत पण यथायोग्य आपवामां आवशे

– पूज्यपाद गुरुदेव मुनिराजश्री
भुवनविजयान्तेवासी
मुनि जम्बूविजय

पाटणना खेतरवसीय पाडाना भंडारना चोरायेला ताडपत्रीय ग्रथोनी सूचि

गा. न.	पो न.	नाम	पत्र	कर्ता	लेखनसवत
१३	२०	ज्ञानार्णव (योगप्रदीपाधिकार)	२०७	शुभचन्द्र	१२८४
५७	२१	(१) कर्मग्रन्थतुष्टय (चूर्णिसहित)	१७६		
२४	२१	(२) आवश्यकनिर्युक्ति	१७१	(लेखक-मुनिचन्द्र)	११९८
४३	२९	(१) पञ्चाङ्गी	२५२	(लेखक-कल्याणरत्नसूरि)	१२५८
		(२) आराधना			
		(३) चउसरण			
		(४) स्तुति			
		(५) श्रावकधर्म (पञ्चाशक)		हरिभद्र	
		(६) दरिसणसत्तरि			
		(७) झाणसयय (ध्यानशतक)		जिनभद्र	
		(८) धम्मोवग्गहकुलक			
		(९) श्रावकविधि			
		(१०) नवकारफल			
		(११) धम्मरयणपगरण		शान्तिसूरि	
		(१२)वीतरागस्तोत्र		(लेखक-रत्नसिंह)	१३०५
२९	३१	उपदेशमालाविवरण	४१३	वर्धमानाचार्य	१२२७
४२	३३	कादम्बरीशेष (उत्तरार्ध)	१४८	पुलिन्द्र	१२८२
२५	३५	हैमशब्दानुशासनबृहद्वृत्ति (आख्यात)	३६०-६२८		
२८	४३	उत्तराध्ययन	२१६		१२९७
४४	४७ (१)	(१) कल्पसूत्र	१-८७		
४४	४७ (१)	(२) कालकाचार्यकथा	८७-११२		
१९	४७ (२)	(२) वीतरागस्तोत्रविवरण	१४३	प्रभानन्द	
१५	५१	(१) उपदेशमाला	६१		
		(२) योगशास्त्र (प्रकाश-४)	४९	हेमचन्द्र	

गा. न.	पो. न.	नाम	पत्र	कर्ता	लेखनसवत्
		(३) स्थविरावली	११०-११५		
		(४) चतुर्विंशतिस्तवनिर्युक्ति	११६-१२०		
		(५) वन्दनकनिर्युक्ति	१२०-१२१		
		(६) प्रतिक्रमणनिर्युक्ति	२१		
		(७) कायोत्सर्गनिर्युक्ति	५		
		(८) प्रत्याख्याननिर्युक्ति	७		
		(९) पिण्डविशुद्धि	१७०-१८०		
		(१०) दशवैकालिक (अ० ४)	१८२-१९९		
		(११) कर्मविपाक	१९९-२१७		
		(१२) कर्मस्तव	२१७-२२४		
		(१३) जीवविचार	२२४-२२९		
		(१४) अजितशातिस्तव	२२९-२३५		
		(१५) नवतत्त्वविचार	२३६-२४४		
		(१६) नवतत्त्व	२४७-२४९		
		(१७) प्रत्याख्यान	२४९-२५१		
		(१८) सम्यक्त्वालाप	२५१-२५२		
		(१९) रत्नत्रयी	२५२-२५७		
		(२०) प्रव्रज्याविधान	२५७-२६०		
		(२१) प्रश्नोत्तररत्नमाला	२६०-२६३		
		(२२) धर्मलक्षण	२६३-२६५		
		(२३) महादेवद्वात्रिंशिका	२६५-२६९		
		(२४) साधर्मिककुलक	२६९-२७२		
		(२५) क्षेत्रसमास	२७२-२७८		
		(२६) महर्षिकुलक	२७८-२८०		
		(२७) गौतमपृच्छा	२८३-२८७		
		(२८) आराधना	२८८-२९६		
		(२९) चतु शरण	२९७-२९९		
		(३०) जीवशिक्षाकुलक	२९९-३०२		
		(३१) दुहामाई	३१०-३१४		
		(३२) देववन्दन	३१४-३२०		
		(३३) वन्दनक	३२०-३२२		
		(३४) प्रत्याख्यान	३२२-३२६		
		(३५) प्रतिक्रमण	३२६-३३१		
		(३६) अतिचार	३३१-३३६		

गा.नं.	डा.नं.	पो.नं.	नाम	पत्रसंख्या
२७(१,२)	१	(१)	श्रीधर्मविधिप्रकरण वृत्तिसहित (वस्त्रे)[१]	९२
२७(१,२)	२	(२)	आचारांगसूत्रचूर्णि अपूर्ण	७४ थी १५९
७६(१,२,३)	३	(३)	सूत्रकृतांगसूत्रवृत्ति[२]	३०३
४५	४	(४)	भगवतीसूत्रवृत्ति[३]	५०५
५०	५	(५)	ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र[४]	३२ थी २१७
	६	(६)	पंचांगीसूत्रटीका[५]	४८ थी २४०
३६(१,२,३)	७	(७)	अनुयोगद्वारसूत्र[६]	१३०
१	८	(८)	कल्पसूत्र[७]	१३
१	८	(८)	कल्पलघुभाष्य[८]	२१६
	९	(९)	कल्पसूत्रचूर्णि[९]	३९३
	१०	(१०)	कल्पवृत्ति द्वितीय खंड[१०]	१७०
	११	(११)	कल्पवृत्ति तृतीय खंड[११]	२२५
२८	१२	(१२)	व्यवहारसूत्र भाष्य-वृत्तिसहित[१२]	२९१
२४(१,२,३)	१३	(१३)	निशीथसूत्रलघुभाष्य[१३]	३०१
३२(१थी३)	१४	(१४)	निशीथसूत्रलघुभाष्यचूर्णि[१४]	४०५
४२	१५	(१५)	आवश्यकसूत्रचूर्णि (प्रथम खंड)[१५]	[illegible]
४२	१६	(१६)	आवश्यकवृत्ति[१६]	५१६
३७	१७	(१७)	आवश्यकवृत्ति प्रथम खंड[१७]	२३८
	१८	(१८)	आवश्यकवृत्ति द्वितीय खंड[१८]	२५६
२२	१९	(१९)	आवश्यकवृत्ति द्वितीय खंड[१९]	२७७
२९	२०	(२०)	आवश्यकवृत्ति द्वितीय खंड[२०]	२८७
४	२१	(२१)	आवश्यकवृत्ति [illegible] खंड[२१]	[illegible]

गा.नं.	डा.नं.	पो.नं.	नाम	पत्रसंख्या
४७	२२	(२२)	विशेषावश्यकमहाभाष्य वृत्तिसह प्रथम खंड[२२]	३६३
३४	२३	(२३)	विशेषावश्यकमहाभाष्य वृत्तिसह प्रथम खंड[२३]	४३६
२(२)	२४	(२४)	पाक्षिकसूत्रवृत्ति आदि[२४]	११९
४४	२५	(२५)	दशवैकालिकसूत्र वृत्ति सह[२५]	२४०
	२६	(२६)	उत्तराध्ययनसूत्र पाईयटीकासहित[२६]	४०१
१३	२७	(२७)	उत्तराध्ययनसूत्र पाईय टीका[२७]	३६८
	२८	(२८)	उत्तराध्ययनसूत्र सुखबोधावृत्तिसहित[२८]	२८९
५	२९	(२९)	उत्तराध्ययनसूत्र सुखबोधावृत्तिसहित[२९]	२९२
८(१,२)	३०	(३०)	पिण्डनिर्युक्ति-ओघनिर्युक्ति वृत्तिसह[३०]	३४६
१७	३१	(३१)	उपदेशमाला वृत्तिसहित[३१]	२६६
४०	३२	(३२)	उपदेशमाला वृत्ति सह[३२]	२८४
३३	३३	(३३)	धर्मोपदेशमाला सटीक[३३]	३२०
५	३४	(३४)	धर्मोपदेशमाला सटीक[३४]	४३३
६	३५	(३५)	उपदेशकंदली वृत्ति सह[३५]	२३२
१५	३६	(३६)	उपदेशकंदली वृत्ति सह[३६]	२८४
१८	३७	(३७)	योगशास्त्र स्वोपज्ञविवरण सह[३७]	३१९
३०	३८	(३८)	योगशास्त्र स्वोपज्ञविवरण सह[३८]	३०८
१२	३९	(३९)	पुष्पमालाप्रकरण स्वोपज्ञवृत्तिसह[३९]	३९८
[illegible]	४०	(४०)	[illegible] वृत्ति सह[४०]	२३२
११	४१	(४१)	[illegible][४१]	२६७
२७	४२	(४२)	[illegible][४२]	३१३
७	४३	(४३)	[illegible][४३]	१५६

[illegible]

गा.नं.	डा.न. पो.नं.	नाम	पत्रसंख्या
४९	४४ (४४)	महावीरस्वामीचरित्र[१]	३४८
२०(५)	४५ (४५)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र ७-८-९ पर्व[२]	३२१
३८	४६ (४६)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र १० पर्व[३]	२०३
१४	४७ (४७)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र १० पर्व[४]	२३१
३१	४८ (४८)	समराइच्चकहा[५]	३५४
१६	४९ (४९)	कुमारपालप्रतिबोध[६]	२५५
	५० (५०)	अरिष्टनेमिचरित्र	२३७
	५१ (५१)	योगशास्त्रस्वोपज्ञविवरण आदि अनेक ग्रथोना पानां[७]	-
३	५२ (५२)	दमयति कथा चपू[८]	१३७
४८	५३ (५३)	मल्लीनाथचरित्र महाकाव्य[९]	३००
	५४ (५४)	धर्मसार-मृगावतीचरित्र (अपूर्ण)[१०]	५३
४८	५४ (५४)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टम पर्व	८७
	५५ (५५)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र द्वितीय पर्व[११]	१२०
११(१)	५६ (५६)	उपदेशमालाप्रकरण दोघट्टीवृत्तिसह[१२]	२४७
११(२)	५७ (५७)	शातिनाथचरित्र महाकाव्य आदि[१३]	१७०
	५८ (५८)	उत्तराध्ययनसूत्र आदि[१४]	३०८
	५९ (५९)	वज्जालग[१५]	१८
	५९ (६०)	कल्पसूत्र, कालिकाचार्यकथा, दीपालीकाकल्प[१६]	३८
	५९ (६१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र प्रथम पर्व ऋषभदेवचरित्र[१७]	१०३
	५९ (६२)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र महाकाव्य षष्ठ पर्व कुथुनाथचरित्र[१८]	३३
	५९ (६३)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र सप्तम पर्व मुनिपतिचरित्र[१९]	६७
	५९ (६४)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशमपर्व महावीरचरित्र[२०]	११६

गा.न	डा.नं. पो.नं.	नाम	पत्रसंख्या
	६० (६५)	पांडवचरित्र महाकाव्य[२१]	१८८
	६० (६६)	पांडवचरित्र महाकाव्य[२२]	२३१
	६१ (६७)	उत्तराध्ययनसूत्र (कागळनी प्रत)	४२
	६१ (६८)	उत्तराध्ययनसूत्र पाईय टीका[२३]	४३ थी ४४७
५६(७)	६१ (६९)	जंबूद्वीपक्षेत्रसमास प्रकरण (कागळ)	५
	६२ (७०)	वासुपूज्यचरित्र महाकाव्य पद्य (कागळ)[२४]	२५२
	६२ (७१)	हरिविक्रमचरित्र (कागळ)[२५]	९८
	६२ (७२)	रघुवंशमहाकाव्य टिप्पणी सहित किंचिदपूर्ण (कागळ)	६५
	६२ (७३)	बृहत्क्षेत्रसमास प्रकरण सटीक द्वितीयखड[२६]	५१
६५(१)	६३ (७४)	कल्पसूत्र, कालिकाचार्यकथा	१२१
७०(७)	६४ (७५)	कल्पसूत्रचूर्णि निर्युक्ति	२०६थी २१२
६१(६,७)	६५ (७६)	कल्पसूत्र सचित्र कालिकाचार्यकथा गद्य[२७]	११०+३३
६१(१,२)	६६ (७७)	कल्पसूत्र टिप्पणी सहित कालिकाचार्यकथा गद्य[२८]	१०७
६४(२,३)	६७ (७८)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा गद्य-पद्य	१५२
५९(२,३)	६७ (७९)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा गद्य-पद्य	१२०
६५(३,४)	६८ (८०)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा पद्य	१४४
६४(७,८)	६९ (८१)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा लघुपर्युषणा कल्प[२९]	१३९थी १५१
६८(२)	७० (८२)	कालिकाचार्यकथा गद्य (अपूर्ण)	१०३थी १३१
५७(१)	७१ (८३)	कल्पसूत्र[३०]	९१
	७१ (८४)	कालिकाचार्यकथा	२१

१. क.-गुणचद्रसूरि २. क.-हेमचंद्रसूरि १थी १६१ अष्टम पर्व, १६२थी १९७ नवम पर्व, १९थी ३२१ सप्तम पर्व ३. क-हेमचद्राचार्य ४. क.-हेमचंद्राचार्य ५. क.-हरिभद्रसूरि ६. क.-सोमप्रभाचार्य ७ क.-हेमचद्राचार्य ८ क.-त्रिविक्रम भट्ट ९. क.-विनयचद्रसूरि १०. अपूर्ण क.-देवप्रभाचार्य मलधारी ११. क.-हेमचद्राचार्य १२. मू-धर्मदासगणि, टी.-रत्नप्रभाचार्य १३. पत्र १६७ क.-अजीतप्रभसूरि १४. कालिकाचार्यकथाना कर्ता - भावदेवसूरि कागळनी प्रत १५. कागळनी प्रतो १६ कल्पसूत्रना कर्ता - भद्रबाहुस्वामी कालिकाचार्यकथाना कर्ता - भावदेवसूरि कागळनी प्रत १७. क.-हेमचद्राचार्य (कागळ) १८. क.-हेमचद्राचार्य (कागळ) १९. क.-हेमचंद्राचार्य (कागळ) २०. क.-हेमचद्राचार्य (कागळ) २१. क.-देवप्रभसूरि मलधारी (कागळ) २२. क.-देवप्रभसूरि मलधारी (कागळ) २३. टी.-वादिवेताल शातिसूरि (कागळनी प्रत) २४. क.-वर्धमानसूरि २५ क -जयतिलकसूरि आगमिक २६. क.-आचार्य मलयगिरि (कागळ) २७. पत्र ११९थी १४३ कालिकाचार्य कथा २८. क.-भद्रबाहुस्वामी २९. क.-विनयचद्रसूरि ३०. क -भद्रबाहुस्वामी

गा.न.	डा.नं. पो.न.	नाम	पत्रसंख्या
६३(१)	७२ (८५)	कल्पसूत्र[1]	१०७
७०(२)	७३ (८६)	स्थानांगसूत्र अपूर्ण[2]	११ थी १९५
७०(५)	७४ (८७)	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र अपूर्ण[3]	१८३
६५(२)	७५ (८८)	दशवैकालिक लघुटीका[4]	१६२
६७(२)	७६ (८९)	आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति[5]	३३८
६१(१)	७७ (९०)	ओघनिर्युक्ति[6]	९२
६२(२७)	७७ (९१)	ओघनिर्युक्ति-पिंडनिर्युक्ति[7]	६२+९१
५८(१)	७८ (९२)	पंचसंग्रहटीका द्वितीय खंड[8]	२६५
	७९ (९३)	कर्मस्तव सटीक[9]	७२
६०(३)	७९ (९४)	कर्मस्तव सटीक[10]	१५४
७०(१९)	८० (९५)	आगमिकवस्तुविचारसार प्रकरणवृत्ति सहित[11]	१८१
६७(५)	८१ (९६)	[illegible][12]	[illegible]
५८(३)	८२ (९७)	[illegible][13]	[illegible]
	८३ (९८)	[illegible] अपूर्ण[14]	[illegible]
७०(८)	८३ (९९)	[illegible] अपूर्ण[15]	[illegible]
५९(५)	८४ (१००)	[illegible][16]	[illegible]
६७(३)	८५ (१०१)	[illegible][17]	[illegible]
६७(७)	८६ (१०२)	[illegible] १-२, ४-७२ पत्र[18]	[illegible]
[illegible]	८७ (१०३)	[illegible][19]	[illegible]
[illegible]	८८ (१०४)	[illegible]	[illegible]
[illegible]	८९ (१०५)	[illegible] आदि[20]	[illegible]
[illegible]	८९ (१०६)	[illegible]	[illegible]
	९० (१०७)	[illegible][21]	[illegible]

गा.न.	डा.नं. पो.न.	नाम	पत्रसंख्या
	९० (१०८)	द्वादशभावनास्वरूप अपूर्ण	६३
	९१ (१०९)	महावीरजिनपंचकल्याणक स्तवन आदि	५३+२१
	९१ (११०)	अतिचारगाथा आदि	११२
४७(१५थी२४)	९२ (१११)	उपदेशमालाप्रकरण आदि[22]	१९६
६५(५थी१४)	९३ (११२)	कर्मप्रकृतिप्रकरण आदि[23]	११२
	९३ (११३)	उपदेशमालाप्रकरण आदि[24]	१६६
६२([illegible])	९४ (११४)	उपदेशमालाप्रकरण आदि[25]	१९५
६२([illegible])	९५ (११५)	उपदेशमालाप्रकरण आदि[26]	१२८
	९६ (११६)	उपदेशमालाप्रकरण आदि[27]	२५९
७०(१७)	९७ (११७)	[illegible] प्रकरणसंदोह[28]	८८
६१([illegible])	९७ (११८)	[illegible]प्रकरण आदि[29]	४६
	९८ (११९)	[illegible]प्रकरण आदि उपदेशमालाप्रकरण[30]	
७०([illegible])	९९ (१२०)	आवश्यकनिर्युक्ति [illegible][31]	८३
	१०० (१२१)	[illegible] अपूर्ण[32]	१२२
[illegible]	[illegible] (१२२)	[illegible] आदि[33]	२३२
[illegible]	[illegible] (१२३)	[illegible][34]	[illegible]
[illegible]	[illegible] (१२४)	[illegible][35]	[illegible]
[illegible]	[illegible] (१२५)	[illegible][36]	[illegible]
	[illegible] (१२६)	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible] (१२७)	[illegible][37]	[illegible]
[illegible]	[illegible] (१२८)	[illegible][38]	[illegible]
[illegible]	[illegible] (१२९)	[illegible]	
		[illegible][39]	[illegible]
[illegible]	[illegible] (१३०)	[illegible][40]	[illegible]

[illegible]

पाटणना श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिरस्थित सघभंडार आदि भंडारोना ताडपत्रीय ग्रंथोनी सूचि

गा.नं.	डा.नं.	पो.न.	नाम	पत्रसंख्या
६४(१०)	१०९	(१३१)	सि.श. लघुवृत्ति[१]	१६६
५९(४)	११०	(१३२)	सि श. सूत्रपाठ[२]	१९०
५८(१६)	१११	(१३३)	गौडवधमहाकाव्यवृत्ति टीप्पणीसहीत[३]	२२४
	११२	(१३४)	गौडवधमहाकाव्यवृत्ति टीप्पणीसहीत त्रुटक अपूर्ण[४]	२०४
६४(९)	११३	(१३६)	अनेकार्थनाममाला[५]	२८२
६३(३)	११४	(१३८)	षट्पचाशिकावृत्ति सहीत[६]	३२
६२(१)	११५	(१३९)	काव्यानुशान अलकार तिलक टीकासह[७]	१८७
६७(१०)	११५	(१४०)	नागानदनाटक[८]	९०
६७(१)	११६	(१४१)	काव्यादर्श काव्यप्रकाश संकेत[९]	१०१थी २२२
५८(१०थी१४)	११६	(१४२)	काव्यमीमासा त्रयोदश अध्याय पर्यंत, अपूर्ण[१०]	५९
५७(४)	११७	(१४३)	खडनटीका परिच्छेद[११]	३०४थी ४५२
५८(९)	११८	(१४४)	धर्मोत्तरटीप्पनक तृतीय परिच्छेद पर्यंत[१२]	८३
	११८	(१४५)	जिनदत्तकथा अपूर्ण	२७
६२(३)	११९	(१४६)	कलापकव्याकरणपजिकोद्योत[१३]	८१
६३(८)	११९	(१४७)	लिगानुशासन वृत्तिसहित आदि[१४]	४६
६२(२)	१२०	(१४८)	वृत्तरत्नाकर टीकासहित[१५]	१२७
६६(९)	१२१	(१४९)	जीतकल्प चूर्णिसहित आदि त्रुटक-अपूर्ण	१०४
६२(१०)	१२१	(१५०)	बृहत्सग्रहणी प्रकरण त्रुटक अपूर्ण[१६]	६९थी ९६
	१२२	(१५१)	त्रुटक खडित अपूर्ण नकामा पानानो सग्रह	-
*MD.२	१२३	(१५२)	आवश्यकनिर्युक्ति	२२७
MD.२	१२४	(१५३)	त्रि.श पु.च तृतीय पर्व	१५१
M.२	१२५	(१५४)	सिद्धहेम स्वोपज्ञबृहद्वृत्तिसह[१७]	२०२
M. ३	१२६	(१५५)	सिद्धहेम स्वोपज्ञबृहद्वृत्तिसह[१८]	२५०

गा.न	डा.नं.	पो नं.	नाम	पत्रसंख्या
M.१	१२७	(१५६)	सिद्धहेम स्वोपज्ञ पंचमाध्याय[१९]	२८६थी ५३२
६०(७)	१२८	(१५७)	सिद्धहेमवृत्तिविवरण	२८७
	१२९	(१५८)	साधुश्रावकसामाचारी सुखबोधा सामाचारी, आगमगत अनेक विचार सग्रह	१९१
M.५(३)	१३०	(१५९)	पिंडविशुद्धिप्रकरण दिपिका सह[२०]	७२
M.५(२)	१३०	(१६०)	ललितविस्तरा चैत्यवंदनसूत्रटीका[२१]	४६
M७(१थी५०)	१३१	(१६१)	दशवैकालिक सूत्र आदि प्रकरण सग्रह[२२]	३३७
M.४(१,२)	१३२	(१६२)	उत्तराध्ययन सूत्र[२३]	१७८
M ६(१)	१३२	(१६३)	ओघनिर्युक्ति टीप्पणीसह पिंडनिर्युक्ति अपूर्ण[२४]	१०६थी १७५
	१३३	(१६४)	कल्पसूत्र टीप्पणीसह कालिकाचार्यकथा पद्य	१०८थी ११८
	१३३	(१६५)	कल्पसूत्रटीप्पणी त्रुटक अपूर्ण	११०
	१३४	(१६६)	कल्पसूत्र टिप्पणीसह कालिकाचार्यकथा	१०३थी १३४
W.(१,२)	१३५	(१६७)	काव्यानुशाशन सटीक किंचिदपूर्ण टीप्पणीसह[२५]	१८९
F.२२(१,२)	१३६	(१६८)	दशवैकालिकसूत्र, पाक्षिक सूत्र स्तोत्रवृत्तिस्तवन[२६]	५२
	१३७	(१६९)	प्रभावकचरित्र (कागळ)[२७]	१४३
	१३८	(१७०)	जेसलमेर महेन्द्रसूरीजी स्वागत पट (कापड उपर)	
	१३९	१७१(१)	सूत्रकृताग सूत्र[२८]	
	१३९	१७१(२)	सामाचारी अपूर्ण	१७
	१३९	१७१(३)	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक पचायतन	८९
	१३९	१७१(४)	आचारांगसूत्र प्रथमश्रुतस्कंध दीपिकासह पंचपाठ	३९
	१३९	१७१(५)	अनुत्तरौपपातिकोपागसूत्र	३

१. क.-धनचद्रगणि तृ अध्याय द्वि. पादपर्यंत अवचूरि २. क.-हेमचद्राचार्य ३ मू.-वाक्पतिराज ४. मू.-वाक्पतिराज ५. क.-हेमचद्राचार्य ६ टी.-उत्पल भट्ट ७. टी.-वाग्भट दिगबर स्वोपज्ञ आ नाम उपर सघभडारमा २६२म.मा १८५ पत्र लखेला छे गा न ११२मा १८७ पत्रनो ग्रथ छे. पण त्या तेनु नाम अलकार चूडामणि लखेलु छे ८. क -श्रीहर्षदेव ९. क.-सोमेश्वर भट्ट १०. क.-राजशेखर ११. क -हर्षपडित १२. क.-मल्लवादिसूरि १३. क.-त्रिविक्रम भट्ट १४ क.-वामन १५ मू.-केदारसूरि. टी.-त्रिविक्रमसूरि १६ क.-जिनभद्रगणि क्षमाश्रमण गा न ६२/१०मा पत्र ९१थी १२७ छे. १७. क.-हेमचद्राचार्य १८. क.-हेमचद्राचार्य १९ क.-हेमचद्राचार्य २०. मू.-जिनवल्लभगणि वृ टी.-उदयसिहाचार्य २१. क.-हरिभद्रसूरि याकिनीपुत्र २२. क -शय्यम्भवसूरि २३. क.-भद्रबाहुस्वामी २४. क.-भद्रबाहुस्वामी २५ [illegible]

गा.नं.	डा.नं.	पो.नं.	नाम	पत्रसंख्या
	१३९	१७१(६)	व्यवहारचूलिका षोडश स्वप्न विचार	२
	१३९	१७१(७)	यतिआराधनाप्रकरण श्रावकआराधनाप्रकरण	९
	१३९	१७१(८)	दशवैकालिकसूत्र सटीक पचपाठ	२९
	१३९	१७१(९)	दशाश्रुतस्कंध	१४
	१३९	१७१(१०)	स्थानांगसूत्र अपूर्ण	५
	१३९	१७१(११)	पिंडविशुद्धिप्रकरण सटीक	६
	१३९	१७१(१२)	सुसढकथा	७
	१३९	१७१(१३)	तंदुलवैचारिकप्रकीर्णक	६
	१३९	१७१(१४)	आगम अष्टोत्तरी प्रकरण	२
	१३९	१७१(१५)	अंतकृद्दशागसूत्र आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक	१४
	१३९	१७१(१६)	उपासकदशांग सूत्र	१०
	१३९	१७१(१७)	विशोपसर्गाधिकार सटीक पंचपाठ	५
	१३९	१७१(१८)	औपपातिकोपांगसूत्र सुखबोधावृत्ति सह	
F.१	१४०	१७२	कर्मप्रकृति सटीक[1]	२४७
F१८(१थी६)	१४०	(१७३)	जीतकल्पसूत्रवृत्ति आदि छ ग्रथो[2]	१७५
	१४१	(१७४)	जीतकल्पसूत्रवृत्ति शातिसूरिरचित	१७१
F२	१४१	(१७५)	धर्मरत्नप्रकरणवृत्ति शातिसूरिविरचित[3]	१७१
F१२	१४१	(१७६)	सारस्वत व्याकरण	१४३

गा.न	डा.नं.	पो.न.	नाम	पत्रसंख्या
F२	१४१	(१७७)	आवश्यकनिर्युक्ति	२३२
F२	१४१	(१७८)	सि.श.स्वोपज्ञवृत्तिसह	३८६
F२२(१थी७१३)	१४२	(१७९)	दशवैकालिकसूत्र आदि	३१६
F१५(१,२)	१४३	(१८०)	सि.श. लघुवृत्ति	३५१
F१३	१४४	(१८१)	बृहत्संग्रहणी सटीक शालिभद्रसूरिविरचित[4]	२५७
F१९	१४४	(१८२)	उत्तराध्ययनसूत्र मूल (अध्ययन ३५ अपूर्ण)	१६३
F२१(१थी४)	१४५	(१८३)	कल्पसूत्र	२१२
F१४	१४५	(१८४)	उपमितिभवप्रपंचाकथा चतुर्थ खण्ड[5]	२४०
F२०	१४६	(१८५)	कथासंग्रह	२०८
F७(१)	१४६	(१८६)	छदोनुशाशन-काव्यानुशासन सटीक[6]	२५२
F४(२)	१४७	(१८७)	प्रशमरति[7]	४९
	१४७	(१८८)	गौडवधादि छ ग्रथो	३५
	१४७	(१८९)	अनेक ग्रंथोनो सग्रह	
F(३)	१४८	(१९०)	सार्धशतकवृत्ति[8]	१५१
	१४८	(१९१)	आवश्यकनिर्युक्ति टीप्पणी	१९७+६४
F(५)	१४१	(१९२)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति	२९७
F(११)	१४९	(१९३)	उत्तराध्ययन सुखबोधा नेमिचंद्रटीका[9]	४२८

- अंग्रेजी संकेततोनु स्पष्टीकरण -

A= अदुवसीपाडानो भडार, F= फोफलियावाडा आगली शेरीनो तपगच्छनो भंडार,

M= महालक्ष्मीमाताना पाडानो भंडार, MD= मोदी भडार, W= वाडीपार्श्वनाथनो भडार.

ज्यां कोई विशिष्ट अंग्रेजी सकेत न आप्यो होय त्या फोफलियावाडा वखतजी शेरीनो सघभंडार एम समजवु

१. क.-टी.-मलयगिरि २. टी.-तिलकाचार्य ३. टी.-शान्त्याचार्य ४. मू.-जिनभद्र, टी.-शालिभद्रसूरि ५ क.-सिद्धर्षि ६ टी.-हेमचन्द्राचार्य ७. क.-उमास्वाति ८. क.-धनेश्वरसूरि ९. टी. देवेन्द्र (नेमिचन्द्रसूरि)

पाटणना श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमदिर स्थित सङ्घभडार आदि भडारोना ताडपत्रीय ग्रथोनो अकारादिक्रम

गा. न.	डा न.	पो. नं.	नाम	पत्र
	१३९	१७१(१५)	अतकृद्दशागसूत्र आतुरप्रत्याख्यान प्रकीर्णक	१४
	९१	(११०)	अतिचारगाथा आदि	११२
	१३९	१७१(५)	अनुत्तरौपपात्तिकोपागसूत्र	३
३६(१,२,३)	७	(७)	अनुयोगद्वारसूत्र	४३०
	१४७	(१८९)	अनेक ग्रथोनो सग्रह	
६४(९)	११३	(१३६)	अनेकार्थनाममाला	२८२
	१०४	(१२६)	अभयश्री कथानक आदि कथानको	२०६
	५०	(५०)	अरिष्टनेमिचरित्र	२३७
	१३९	१७१(१४)	आगम अष्टोत्तरी प्रकरण	२
७०(१९)	८०	(९५)	आगमिकवस्तुविचारसार	
			प्रकरणवृत्ति सहित	१८१
२७(१,२)	२	(२)	आचारागसूत्रचूर्णि अपूर्ण	७४ थी १५९
	१३९	१७१(४)	आचारागसूत्र प्रथमश्रुतस्कंध	
			दीपिकासह पचपाठ	३९
४१	४१	(४१)	आदिनाथचरित्र पचावसरमय	२९७
F१६(१)	१४२(१७७)		आवश्यकनिर्युक्ति	२३२
MD २	१२३(१५२)		आवश्यकनिर्युक्ति	२२७
५७(६)	९९	(१२०)	आवश्यकनिर्युक्ति (गाथोद्धार)	८३
	१४८	(१९१)	आवश्यकनिर्युक्ति टीप्पणी	१९७ + ६४
४३	१६	(१६)	आवश्यकवृत्ति	५१६
	१८	(१८)	आवश्यकवृत्ति द्वितीय खड	४५२
२२	१९	(१९)	आवश्यकवृत्ति द्वितीय खंड	२७७
२९	२०	(२०)	आवश्यकवृत्ति द्वितीय खड	२८७
३७	१७	(१७)	आवश्यकवृत्ति प्रथम खड	३२८
४	२१	(२१)	आवश्यकवृत्ति मध्यम खड	३१३
४२	१५	(१५)	आवश्यकसूत्रचूर्णि१५ (प्रथम खड)	२६४
६७(२)	७६	(८९)	आवश्यकसूत्रनिर्युक्ति	३३८
F११	१४९(१९३)		उत्तराध्ययन सुखबोधा नेमिचद्रटीका	४२८
M४(१,२)	१३२(१६२)		उत्तराध्ययन सूत्र	१७८
	५८	(५८)	उत्तराध्ययनसूत्र आदि	३०८
	६१	(६७)	उत्तराध्ययनसूत्र (कागळनी प्रत)	४२

गा. नं	डा. नं.	पो. न.	नाम	पत्र
१३	२७	(२७)	उत्तराध्ययनसूत्र पाईय टीका	३६८
	६१	(६८)	उत्तराध्ययनसूत्र पाईय टीका	४३थी ४४७
	२६	(२६)	उत्तराध्ययनसूत्र पाईयटीकासहित	४०१
F१९	१४४(१८२)		उत्तराध्ययनसूत्र मूल (अध्ययन ३५ अपूर्ण)	१६३
	१३९	१७१(३)	उत्तराध्ययनसूत्र सटीक पंचायतन	८९
९	२९	(२९)	उत्तराध्ययनसूत्र सुखबोधावृत्तिसहित	२९२
	२८	(२८)	उत्तराध्ययनसूत्र सुखबोधावृत्तिसहित	२८९
६	३५	(३५)	उपदेशकंदली वृत्ति सह	२३३
१५	३६	(३६)	उपदेशकदली वृत्ति सह	२८४
	९०	(१०७)	उपदेशपदप्रकरण	९थी ५७
६२(२४थी२६)	९५	(११५)	उपदेशमालाप्रकरण आदि	१२८
६२(४थी१४)	९४	(११४)	उपदेशमालाप्रकरण आदि	१९५
	९३	(११३)	उपदेशमालाप्रकरण आदि	१६६
४७(१५थी२४)	९२	(१११)	उपदेशमालाप्रकरण आदि	१९६
	९६	(११६)	उपदेशमालाप्रकरण आदि	२५९
११(१)	५६	(५६)	उपदेशमालाप्रकरण दोघट्टीवृत्तिसह	२४७
६७(३)	८५	(१०१)	उपदेशमालाप्रकरण हेयोपादेयाटीका सह	१६२
४०	३२	(३२)	उपदेशमाला वृत्ति सह	२८४
१७	३१	(३१)	उपदेशमाला वृत्तिसहित	२४६
F१४	१४५(१८४)		उपमितिभवप्रपंचाकथा चतुर्थ खण्ड	२४०
	१३९	१७१(१६)	उपासकदशाग सूत्र	१०
६१(१)	७७	(९०)	ओघनिर्युक्ति	९२
६२(२७)	७७	(९१)	ओघनिर्युक्ति-पिडनिर्युक्ति	६२+९१
M६(१)	१३२(१६३)		ओघनिर्युक्ति टीप्पणीसह	
			पिडनिर्युक्ति अपूर्ण	१०६थी १७५
	१३९	१७१(१८)	औपपातिकोपागसूत्र सुखबोधावृत्ति सह	
F२०	१४६(१८५)		कथासग्रह	२०८
६५(५थी१४)	९३	(११२)	कर्मप्रकृतिप्रकरण आदि	११२
F१	१४०(१७२)		कर्मप्रकृति सटीक	२४७
	७९	(९३)	कर्मस्तव सटीक	७२
६०(३)	७९	(९४)	कर्मस्तव सटीक	१५४

गा. न.	डा न.	पो नं.	नाम	पत्र
६२(३)	११९	(१४६)	कलापकव्याकरणपजिकोद्योत	८१
१	८	(८)	कल्पलघुभाष्य	२१६
	११	(११)	कल्पवृत्ति तृतीय खड	३३५
	१०	(१०)	कल्पवृत्ति द्वितीय खंड	४२०
F२१(१थी४)	१४५	(१८३)	कल्पसूत्र	२१२
१	८	(८)	कल्पसूत्र	१३
५७(१)	७१	(८३)	कल्पसूत्र	९१
६३(१)	७२	(८५)	कल्पसूत्र	१०७
६५(१)	६३	(७४)	कल्पसूत्र, कालिकाचार्यकथा	१२१
	५९	(६०)	कल्पसूत्र, कालिकाचार्यकथा,	
			दीपालीकाकल्प	३८
६४(२,३)	६७	(७८)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा गद्य-पद्य	१५२
५९(२,३)	६७	(७९)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा गद्य-पद्य	१२०
६५(३,४)	६८	(८०)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा पद्य	१४४
६४(७,८)	६९	(८१)	कल्पसूत्र कालिकाचार्यकथा	
			लघुपर्युषण कल्प	१३९थी १५१
	९	(९)	कल्पसूत्रचूर्णि	३९३
७०(७)	६४	(७५)	कल्पसूत्रचूर्णि निर्युक्ति	२०६थी २१२
	१३४	(१६६)	कल्पसूत्र टिप्पणीसह कालिकाचार्यकथा	१०३थी १३४
६१(१,२)	६६	(७७)	कल्पसूत्र टिप्पणी सहित	
			कालिकाचार्यकथा गद्य	१०७
	१३३	(१६५)	कल्पसूत्रटीप्पणी त्रुटक अपूर्ण	११०
	१३३	(१६४)	कल्पसूत्र टीप्पणीसह	
			कालिकाचार्यकथा पद्य	१०८थी ११८
६१(६,७)	६५	(७६)	कल्पसूत्र सचित्र कालिकाचार्यकथा गद्य	११०+३३
	७१	(८४)	कालिकाचार्यकथा	२१
६८(२)	७०	(८२)	कालिकाचार्यकथा गद्य (अपूर्ण)	१०३थी १३१
५८(१०थी१४)	११६	(१४२)	काव्यमीमासा त्रयोदश अध्याय पर्यत,	
			अपूर्ण	५९
६७(१)	११६	(१४१)	काव्यादर्श काव्यप्रकाश सकेत	१०१थी २२२
६२(१)	११५	(१३९)	काव्यानुशान अलकार तिलक टीकासह	१८७

गा न.	डा. न	पो न	नाम	पत्र
W१(२)	१३५	(१६७)	काव्यानुशाशन सटीक	
			किंचिदपूर्ण टीप्पणीसह	१८९
१६	४९	(४९)	कुमारपालप्रतिबोध	२५५
५७(४)	११७	(१४३)	खडनटीका परिच्छेद	३०४थी ४५२
५८(१६)	१११	(१३३)	गौडवधमहाकाव्यवृत्ति टीप्पणीसहीत	२२४
	११२	(१३४)	गौडवधमहाकाव्यवृत्ति टीप्पणीसहीत त्रुटक	
			अपूर्ण	२०४
	१४७	(१८८)	गौडवधादि छ ग्रथो	३५
F७(१)	१४६	(१८६)	छदोनुशाशन-काव्यानुशासन सटीक	२५२
५६(७)	६१	(६९)	जबूद्वीपक्षेत्रसमास प्रकरण (कागळ)	५
	११८	(१४५)	जिनदत्तकथा अपूर्ण	२७
६६(९)	१२१	(१४९)	जीतकल्प चूर्णिसहित आदि त्रुटक-अपूर्ण	१०४
F१८(१थी६)	१४०	(१७३)	जीतकल्पसूत्रवृत्ति आदि छ ग्रथो	१७५
	१४१	(१७४)	जीतकल्पसूत्रवृत्ति शातिसूरिरचित	१७१
६७(६)	८७	(१०३)	जीवानुशासनप्रकरण सटीक	२१७
	१३८	(१७०)	जेसलमेर महेन्द्रसूरीजी स्वागत पट	
			(कापड उपर)	
५०	५	(५)	ज्ञाताधर्मकथाग सूत्र	३२ थी २१७
७०(५)	७४	(८७)	ज्ञाताधर्मकथागसूत्र अपूर्ण	१८३
	१३९	१७१(१३)	तदुलवैचारिकप्रकीर्णक	६
MD १	१२४	(१५३)	त्रि श.पु च. तृतीय पर्व	१५१
५८(४)	१०३	(१२५)	त्रि श पु च परिशिष्ट पर्व	३२४
१४	४७	(४७)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र १० पर्व	२३१
३८	४६	(४६)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र १० पर्व	२०३
२०(५)	४५	(४५)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र ७-८-९ पर्व	३२१
४८	५४	(५४)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र अष्टम पर्व	८७
	५९	(६४)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र दशमपर्व	
			महावीरचरित्र	११६
	५५	(५५)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र द्वितीय पर्व	१२०
	५९	(६१)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र प्रथम पर्व	
			ऋषभदेवचरित्र	१०३

पाटणना श्री हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञानमंदिर स्थित सङ्घभडार आदि भडारोना ताडपत्रीय ग्रंथोनो अकारादिक्रम

गा. नं	डा. न.	पो. नं.	नाम	पत्र
	५९	(६२)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र महाकाव्य षष्ठ पर्व कुथुनाथचरित्र	३३
	५९	(६३)	त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित्र सप्तम पर्व मुनिपतिचरित्र	६७
	१२२	(१५१)	त्रुटक खंडित अपूर्ण नकामा पानानो संग्रह	–
३	५२	(५२)	दमयति कथा चंपू	१३७
६५(२)	७५	(८८)	दशवैकालिक लघुटीका	१६२
F२२ (१,२)	१४३	(१७९)	दशवैकालिकसूत्र, पाक्षिक सूत्र स्तोत्रवृत्तिस्तवन	५२
F२२(१थी१३)	१४३	(१७९)	दशवैकालिकसूत्र आदि	३१६
M७ (१थी५०)	१३१	(१६१)	दशवैकालिक सूत्र आदि प्रकरण सग्रह	३३७
४४	२५	(२५)	दशवैकालिकसूत्र वृत्ति सह	२४०
	१३९	१७१(८)	दशवैकालिकसूत्र सटीक पंचपाठ	२९
	१३९	१७१(९)	दशाश्रुतस्कध	१४
	९०	(१०८)	द्वादशभावनास्वरूप अपूर्ण	६३
५	३४	(३४)	धर्मउपदेशमाला सटीक	४३३
३३	३३	(३३)	धर्मउपदेशमाला सटीक	३२०
F२	१४१	(१७५)	धर्मरत्नप्रकरणवृत्ति शांतिसूरिविरचित	१७१
	५४	(५४)	धर्मसार–मृगावतीचरित्र (अपूर्ण)	५३
५८(९)	११८	(१४४)	धर्मोत्तरटीप्पनक तृतीय परिच्छेद पर्यंत	८३
६१(१०थी१९)	१०१	(१२२)	नवपदप्रकरण आदि	२३२
२६(१)	४०	(४०)	नवपदप्रकरण बृहद्वृत्ति सह	२३९
६७(१०)	११५	(१४०)	नागानंदनाटक	९०
२४(१,२,३)	१३	(१३)	निशीथसूत्रलघुभाष्य	३०४
३२(१थी३१४)	१४	(१४)	निशीथसूत्रलघुभाष्यचूर्णि	४०५
५८(१)	७८	(९२)	पचसग्रहटीका द्वितीय खंड	२६६
	६	(६)	पंचागीसूत्रटीका	४८ थी २४०
	६०	(६६)	पाडवचरित्र महाकाव्य	२३१
	६०	(६५)	पाडवचरित्र महाकाव्य	१८८
५७(५)	१०१	(१२३)	पांडवचरित्र महाकाव्य सर्ग–३ पर्यंत	५४थी १३२
२(२)	२४	(२४)	पाक्षिकसूत्रवृत्ति आदि	११९

गा. नं.	डा. नं.	पो. न.	नाम	पत्र
८(१,२)	३०	(३०)	पिंडनिर्युक्ति–ओघनिर्युक्ति वृत्तिसह	३४६
M५(३)	१३०	(१५९)	पिंडविशुद्धिप्रकरण दिपिका सह	७२
	१३९	१७१(११)	पिंडविशुद्धिप्रकरण सटीक	६
	९८	(११९)	पुष्पमालाप्रकरण आदि उपदेशमालाप्रकरण	
१२	३९	(३९)	पुष्पमालाप्रकरण स्वोपज्ञवृत्तिसह	३९८
	१३७	(१६९)	प्रभावकचरित्र (कागळ)	१४३
६७(७)	८६	(१०२)	प्रवचनसारोद्धारटीका– खंड–२, ४२–७२ पर्यंत	१७७
F५	१४९	(१९२)	प्रवचनसारोद्धारवृत्ति	२९७
F४(२)	१४७	(१८७)	प्रशमरति	४९
६१(३थी५)	९७	(११८)	प्रशमरतिप्रकरण आदि	४६
F१३	१४४	(१८१)	बृहतरव्१९२र्भसंग्रहणी सटीक शालीभद्रसूरिविरचित	२५७
	६२	(७३)	बृहत्क्षेत्रसमास प्रकरण सटीक द्वितीयखड	५१
६२(१०)	१२१	(१५०)	बृहत्सग्रहणी प्रकरण त्रुटक अपूर्ण	६९थी ९६
	१००	(१२१)	बृहत्संग्रहणीप्रकरण सटीक त्रुटक अपूर्ण	१२३
४५	४	(४)	भगवतीसूत्रवृत्ति	५०५
४८	५३	(५३)	मल्लीनाथचरित्र महाकाव्य	३००
	९१	(१०९)	महावीरजीनपंचकल्याणक स्तवन आदि	५३+२१
४९	४४	(४४)	महावीरस्वामीचरित्र	३४८
५९(१)	१०२	(१२४)	महावीरस्वामीचरित्र किंचिदपूर्ण	२६९
७	४३	(४३)	मुनिसुव्रतस्वामिचरित्र	४५१
	१३९	१७१(७)	यतिआराधनाप्रकरण–श्रावकआराधनाप्रकरण	९
५७(१७)	९७	(११७)	योगशास्त्र आद्य प्रकाश चतुष्टय प्रवचनसदोह	८८
	५१	(५१)	योगशास्त्रस्वोपज्ञविवरण आदि अनेक ग्रथोनां पानां	
३०	३८	(३८)	योगशास्त्र स्वोपज्ञविवरण सह	३०८
१८	३७	(३७)	योगशास्त्र स्वोपज्ञविवरण सह	३१९
	६२	(७२)	रघुवंशमहाकाव्य टिप्पणी सहित किंचिदपूर्ण (कागळ)	६५
M ५(२)	१३०	(१६०)	ललितविस्तरा चैत्यवंदनसूत्रटीका	४६

गा. नं.	डा. न	पो. नं.	नाम	पत्र
७०(८)	८३	(९९)	ललितविस्तरापजिकावृत्ति अपूर्ण	५२
६३(८)	११९	(१४७)	लिगानुशासन वृत्तिसहित आदि	४६
	५९	(५९)	वज्रालग	१८
	६२	(७०)	वासुपूज्यचरित्र महाकाव्य पद्य (कागळ)	२५२
४७	२२	(२२)	विशेषावश्यकमहाभाष्य वृत्तिसह प्रथम खड	३६३
३४	२३	(२३)	विशेषावश्यकमहाभाष्य वृत्तिसह प्रथम खड	४३६
	१३९	१७१(१७)	विशोपसर्गाधिकार सटीक पचपाठ	५
६२(२)	१२०	(१४८)	वृत्तरत्नाकर टीकासहित	१२७
	१३९	१७१(६)	व्यवहारचूलिका षोडश स्वप्न विचार	२
२८	१२	(१२)	व्यवहारसूत्र भाष्य-वृत्तिसहित	३२४
६०(२)	८८	(१०४)	शतपदीप्रकरणवृत्ति टीप्पणीसह	२४४
२३	४२	(४२)	शातिनाथचरित्र	३१३
११(२)	५७	(५७)	शातिनाथचरित्र महाकाव्य आदि	१७०
२७(१,२)	१	(१)	श्रीधर्मविधिप्रकरण वृत्तिसहित (वस्त्र)	९२
६३(३)	११४	(१३८)	षट्पचाशिकावृत्ति सहीत	३२
५९(५)	८४	(१००)	सग्रहणीप्रकरण वृत्तिसहित	२२थी १६२
६७(५)	८१	(९६)	सप्ततिकाप्रकरणचूर्णी	११६
५८(३)	८२	(९७)	सप्ततिकाप्रकरण वृत्तिसहित	२८०
३१	४८	(४८)	समराइच्चकहा	३५४
६०(१)	८९	(१०६)	साधु-श्रावक सामाचारी	९८
	१२९	(१५८)	साधुश्रावकसामाचारी सुखबोधा सामाचारी, आगमगत अनेक विचार सग्रह	१९१
	१३९	१७१(२)	सामाचारी अपूर्ण	१७

गा. न	डा. न	पो न.	नाम	पत्र
F१२	१४१	(१७६)	सारस्वत व्याकरण	१४३
F३	१४८	(१९०)	सार्धशतकवृत्ति	१५१
६०(७)	१२८	(१५७)	सिद्धहेमवृत्तिविवरण	२८७
६४(११)	१०६	(१२८)	सिद्धहेमशब्दानुशान बृहद्वृत्ति	२६८
६३(२)	१०७	(१२९)	सिद्धहेमशब्दानुशान बृहद्वृत्ति अ.२ पा. ३ थी अ ३ पा. २ पर्यंत टीप्पणीसह	२१०
६४(५)	१०५	(१२७)	सिद्धहेमशब्दानुशान लघुवृत्ति	१०४
M१	१२७	(१५६)	सिद्धहेम स्वोपज्ञ पचमाध्याय	२८६थी ५३२
M३	१२६	(१५५)	सिद्धहेम स्वोपज्ञबृहद्वृत्तिसह	२५०
M२	१२५	(१५४)	सिद्धहेम स्वोपज्ञबृहद्वृत्तिसह	२०२
५८(२)	१०८	(१३०)	सि.श बृहद्वृत्ति पचमाध्याय कृद्वृत्ति	१८३थी ३१२
६४(१०)	१०९	(१३१)	सि श लघुवृत्ति	१६६
F१५(१,२)	१४३	(१८०)	सि.श लघुवृत्ति ३५१	
५९(४)	११०	(१३२)	सि.श सूत्रपाठ	१९०
F१०	१४२	(१७८)	सि.श स्वोपज्ञवृत्तिसह	३८६
	१३९	१७१(१२)	सुसढकथा	७
	८३	(९८)	सूक्ष्मार्थविचारसारप्रकरण चूर्णि अपूर्ण	७३
	१३९	१७१(१)	सूत्रकृताग सूत्र	
३५(१,२,३)	३	(३)	सूत्रकृतागसूत्रवृत्ति	३०३
५६(१०)	८९	(१०५)	स्थविरावलिवृत्तिसह आदि	१५३
७०(२)	७३	(८६)	स्थानागसूत्र अपूर्ण	११थी १९५
	१३९	१७१(१०)	स्थानागसूत्र अपूर्ण	५
	६२	(७१)	हरिविक्रमचरित्र (कागळ)	९८